एकीकृत
वार्षिक रिपोर्ट
2022-23

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY, TECHNOLOGY, INNOVATION

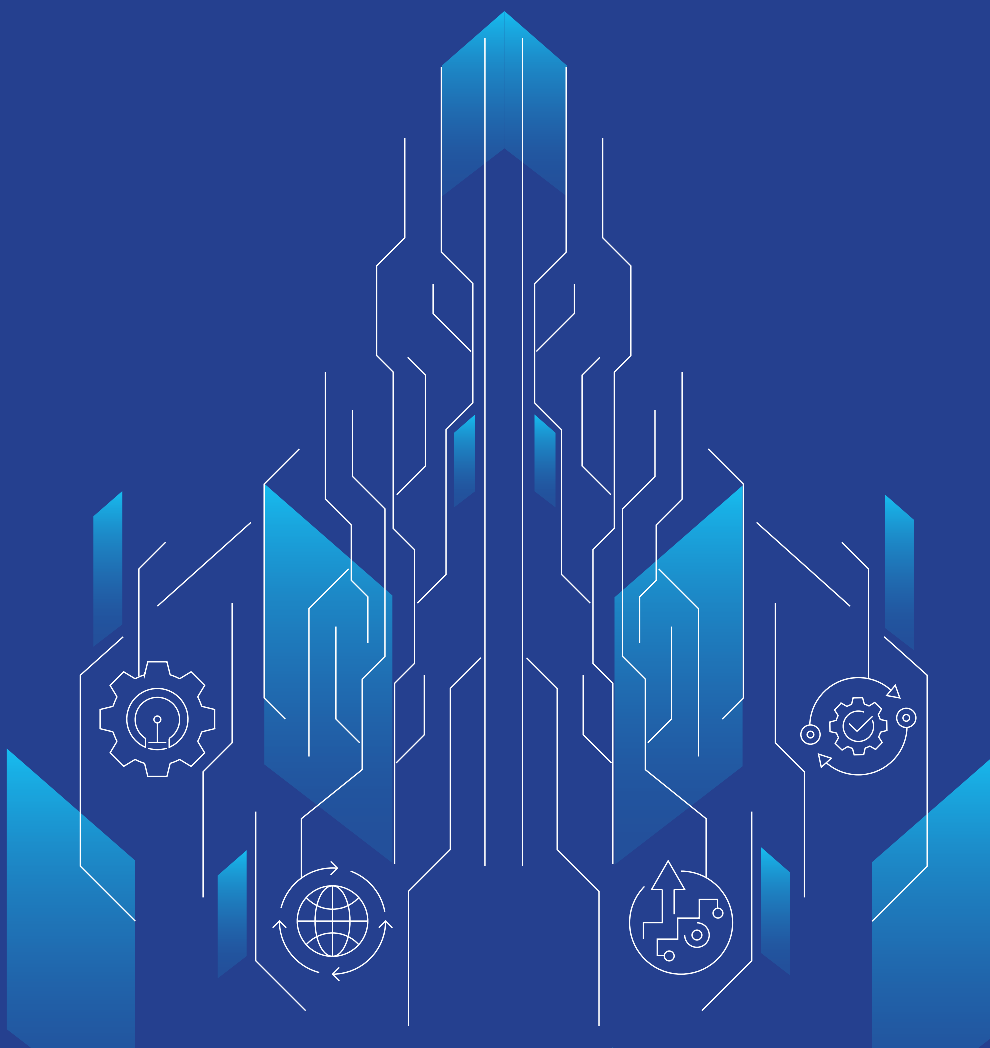

इंजीनियरिंग वैश्विक समाधान

विकास को सशक्त बनाते हुए

विषय-सूची

01-50
कार्पोरेट अवलोकन

02 रिपोर्ट के बारे में
04 भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के बारे में
07 भौगोलिक पदचिह्न
08 कारोबारी क्षेत्र
10 वर्ष की मुख्य बातें
13 अध्यक्षीय संबोधन
16 निदेशक मंडल
18 सीवीओ और वरिष्ठ कार्यपालक अधिकारी
22 हमारा कारोबारी मॉडल
24 हितधारक सहभागिता
27 जोखिम प्रबंधन
28 कार्यनीति
30 वित्तीय पूंजी
32 विनिर्मित पूंजी
34 बौद्धिक पूंजी
37 मानव पूंजी
40 सामाजिक संबंधगत पूंजी
44 प्राकृतिक पूंजी
48 गवर्नेंस
50 दशक में संधारणीय कार्य-निष्पादन

51-131
सांविधिक रिपोर्ट

51 मंडल की रिपोर्ट
66 **संलग्नक 1** फॉर्म नंबर एओसी-II
67 **संलग्नक 2** सीएसआर गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट
69 **संलग्नक 3** सचिवीय लेखापरीक्षा रिपोर्ट
72 **संलग्नक 4** प्रबंधन चर्चा एवं विश्लेषण रिपोर्ट
90 **संलग्नक 5** कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट
110 **संलग्नक 6** व्यावसायिक उत्तरदायित्व तथा संधारणीयता रिपोर्ट (बीआर एवं एसआर)

132-335
वित्तीय विवरण

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण

132 स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
146 सीएजी की टिप्पणियाँ
148 तुलन पत्र
150 लाभ व हानि का विवरण
151 इक्विटी में परिवर्तन का विवरण
153 नकदी प्राप्ति विवरण
155 खातों पर टिप्पणियाँ
222 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

समेकित वित्तीय विवरण

232 स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट
240 सीएजी की टिप्पणियाँ
242 तुलन पत्र
244 लाभ व हानि का विवरण
246 इक्विटी में परिवर्तन का विवरण
248 नकदी प्राप्ति विवरण
250 खातों पर टिप्पणियाँ
323 महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ

अधिक जानकारी के लिए
www.bel-india.in देखें।

हमारी एकीकृत रिपोर्ट 2022-23 डाउनलोड करने के लिए क्यूआर कोड स्कैन करें

1954 में एक साधारण शुरुआत से, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) ने एक लंबा सफर तय किया है। हमने स्वयं को भारत की अग्रणी रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी के रूप में सफलतापूर्वक स्थापित किया है।

पिछले छह दशकों में, हमने विभिन्न प्रौद्योगिकियों में दक्षताओं का निर्माण किया है और एक अत्यधिक कुशल, तकनीकी रूप से प्रवीण और सक्षम बनाई है, जो हमें विभिन्न उप-प्रणालियों, प्रणालियों और उत्पादों के अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास करने में सक्षम बनाती है। हमने नौ यूनिटों में व्यापक और आधुनिक विनिर्माण बुनियादी ढांचे की भी स्थापना की है। साथ में, ये कारक हमें बहु-उत्पाद, बहु-प्रौद्योगिकी और बहु-यूनिट क्षमताओं वाली एक विभेदित यूनिट के रूप में स्थापित करते हैं, जो हमें रक्षा और गैर-रक्षा यूनिटों में उच्च-स्तरीय प्रौद्योगिकी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाता है।

हमारी दक्षताएँ हमें दूसरों से अलग करती हैं, और हम प्रमुख चिन्हित क्षेत्रों में विकास को गति देने के लिए उनका लाभ उठा रहे हैं।

रक्षा हमारी प्राथमिकता बनी हुई है। हम सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास में सक्रिय रूप से शामिल हैं, भारतीय निजी उद्योगों और एमएसएमई को कार्य के लिये आउटसोर्स करते हैं और आद्योपांत परियोजनाओं को निष्पादित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी में संलग्न हैं। ये पहल सरकार के स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के दृष्टिकोण के अनुरूप हैं।

निर्यात और ऑफसेट भी प्रमुखतया जोर देने वाले क्षेत्र हैं। निर्यात बढ़ाने के लिए हम हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) और मित्रवत विदेशी देशों (एफएफसी) में नए बाजारों को लक्षित करते हुए, अपनी वैश्विक उपस्थिति का तेजी से विस्तार कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, हम विदेशी ओईएम के लिए अनुबंध निर्माण, प्रौद्योगिकी हस्तांतरण साझेदारी और वैश्विक खिलाड़ियों के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति श्रृंखला संबंध स्थापित करने के अवसर तलाश रहे हैं। सरकार अपनी कई नीतिगत पहलों के माध्यम से रक्षा निर्यात को प्रोत्साहित कर रही है तथा 2025 तक 35,000 करोड़ रुपये का लक्ष्य रखा है, जिससे हमारे वैश्विक पदचिह्न का विस्तार करने के हमारे प्रयासों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

ऑफसेट के क्षेत्र में, हम विदेशी ओईएम को रक्षा मंत्रालय के विभिन्न कार्यक्रमों में अपने ऑफसेट दायित्वों को पूरा करने और संबद्ध गैर-रक्षा क्षेत्रों में अवसरों की खोज करने में सक्षम बनाकर राजस्व सृजन के अवसरों को खोल रहे हैं।

अपने बहु-विषयक इंजीनियरिंग समाधानों के साथ, हम भविष्य में भारत और विदेश दोनों जगह मजबूत विकास के लिए तैयार हैं।

अपने बहु-विषयक इंजीनियरिंग समाधानों के साथ, हम भविष्य में भारत और विदेश दोनों जगह मजबूत विकास के लिए तैयार हैं।

रिपोर्ट के बारे में

भविष्योन्मुखी कथन

हमारे व्यवसाय संचालन के संबंध में इस रिपोर्ट में कुछ कथन भविष्योन्मुखी हो सकते हैं। इनमें ऐतिहासिक तथ्य के कथनों के अलावा सभी कथन शामिल हैं, जिनमें वित्तीय स्थिति, व्यवसाय की रणनीति, प्रबंधन योजना और भविष्य में संचालन के उद्देश्य शामिल हैं। भविष्योन्मुखी कथनों को `विश्वास', `अनुमान', `प्रत्याशित', `उम्मीद', `आशय', `हो सकता है', `होगा', `योजनाएं', `दृष्टिकोण', और भविष्य के संचालन की चर्चा के संबंध में समान अर्थ के अन्य शब्द या वित्तीय कार्य-निष्पादन जैसे शब्दों से पहचाना जा सकता है।

भविष्योन्मुखी कथन धारणाएँ आवश्यक रूप से डेटा, या विधियाँ जो गलत अथवा अस्पष्ट हो सकती हैं और जिन्हें साकार किया जा सकता है, पर निर्भर होती हैं तथा इस प्रकार, यह भविष्य के परिणामों की गारंटी देने का आशय नहीं है, बल्कि उचित धारणाओं के आधार पर हमारी वर्तमान अपेक्षाओं का निर्माण करती हैं। विभिन्न घटनाओं, जोखिमों, अनिश्चितताओं और अन्य कारकों के कारण वास्तविक परिणाम किसी भी भविष्योन्मुखी कथनों में अनुमानित परिणामों से भिन्न हो सकते हैं। हम न तो कोई दायित्व लेते हैं और न ही किसी भविष्योन्मुखी कथन को अद्यतन या संशोधित करने का आशय रखते हैं, चाहे वह नई जानकारी, भविष्य की घटनाओं या किसी अन्य परिणाम के कारण हो।

रिपोर्टिंग का आधार

यह भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) की दूसरी एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट है जो इंटरनेशनल इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग काउंसिल (आईआईआरसी) इंटीग्रेटेड रिपोर्टिंग <आईआर> फ्रेमवर्क, जो अब आईएफआरएस फाउंडेशन का एक हिस्सा है, के मार्गदर्शक सिद्धांतों और सामग्री तत्वों के अनुरूप तैयार की गई है।

इस रिपोर्ट के माध्यम से, हम वैधानिक आवश्यकताओं से परे जाकर निवेशकों को सूचित निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाने के लिए स्वेच्छा से जानकारी का खुलासा करने का इरादा रखते हैं। रिपोर्ट में छह पूंजियों- वित्तीय, निर्मित, मानव, बौद्धिक, सामाजिक और संबंध, और प्राकृतिक पूंजियों का उपयोग करके मूल्य निर्माण हेतु हमारे दृष्टिकोण तथा प्रमुख हितधारकों के लिए हमारे द्वारा उत्पन्न परिणामों के बारे में जानकारी शामिल की गयी है।

हम पारदर्शिता के सर्वोच्च मानक के साथ, अपने भौतिक मुद्दों, परिचालन वातावरण और भविष्योन्मुखी नीति से संबंधित प्रासंगिक जानकारी भी प्रदान करते हैं।

रिपोर्टिंग का सिद्धांत

हमने यह रिपोर्ट निम्नलिखित के अनुसार तैयार की है- कंपनी अधिनियम, 2013 (और उसके तहत बनाए गए नियम), भारतीय लेखा मानक, सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएँ) विनियम, 2015 और सचिवीय मानक। हमने आईआरसी के <आईआर> फ्रेमवर्क का भी पालन किया है।

रिपोर्टिंग की सीमा एवं दायरा

रिपोर्ट में 1 अप्रैल 2022 से 31 मार्च 2023 की अवधि के लिए बीईएल की वित्तीय एवं गैर-वित्तीय जानकारी और गतिविधियां तथा इसकी सहायक कंपनियों बीईएल ऑप्ट्रोनिक डिवाइसेज लिमिटेड (बीईएलओपी) और बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल) की वित्तीय जानकारी शामिल है। 31 जुलाई 2023 तक सामग्री संबंधी जानकारी, यदि कोई हो, उपलब्ध करा दी गई है। समग्र दृष्टिकोण प्रदान करने के लिए इस रिपोर्ट में पिछले तीन से पांच वर्षों के तुलनात्मक आंकड़े, जैसा लागू हो, शामिल किए गए हैं

हमारी पूंजियाँ

वित्तीय पूंजी

यह हमारे पास उपलब्ध निधियों (ऋण और इक्विटी) के पूल का प्रतिनिधित्व करता है जिसे हम अपने दीर्घकालिक विकास को चलाने और अपने शेयरधारकों के लिए अधिशेष उत्पन्न करने के लिए विवेकपूर्ण ढंग से अपने व्यापार और रणनीतिक क्षेत्रों में तैनात करते हैं।

पृ.-30

विनिर्मित पूंजी

यह हमारे वास्तविक बुनियादी ढांचे का प्रतिनिधित्व करता है, जिसमें आधुनिक विनिर्माण संयंत्र और उपकरण शामिल हैं। इसमें सर्वोत्तम प्रथाओं के कार्यान्वयन के माध्यम से निर्मित हमारी परिचालन विशेषज्ञता भी शामिल है और जिसमें हम उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार निवेश करते हैं।

पृ.-32

बौद्धिक पूंजी

यह हमारी सूचना प्रौद्योगिकी अवसंरचना के साथ-साथ हमारी गहन विशेषज्ञता, प्रक्रियाओं और अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) क्षमताओं का प्रतिनिधित्व करता है। रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और नागरिक अनुप्रयोगों के तकनीकी नेतृत्व के रूप में स्थापित होने के कारण, प्रमुखता से हमें परियोजनाओं को पूर्ण करने में सक्षम बनाता हैं। हम अपनी प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त को मजबूत करने के लिए लगातार अपनी बौद्धिक पूंजी में निवेश करते हैं।

पृ.-34

मानव पूंजी

यह हमारे कार्मिकों के सामूहिक ज्ञान, कौशल और दक्षता को दर्शाता है। हम उनकी सहभागिता और प्रेरणा को बढ़ाने के लिए उनकी भलाई, स्वास्थ्य और सुरक्षा और कल्याणकारी उपायों में लगातार निवेश करते हैं। हमारी कंपनी के राजदूत होने के नाते, वे मूल्य सृजन में हमारी मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

पृ.-37

सामाजिक संबंधगत पूंजी

यह सामाजिक सहयोगात्मक संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है जिसे हम अपने आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों, ग्राहकों (रक्षा और गैर-रक्षा), अन्य व्यावसायिक भागीदारों और हितधारकों तथा बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ बढ़ावा देते हैं। यह संबंध हमारे कुशल व्यावसायिक संचालन की कुंजी हैं और एक भरोसेमंद भागीदार के रूप में अपनी प्रतिष्ठा को मजबूत करते हैं। समुदाय हमें संचालित करने के लिए सामाजिक स्वीकृति प्रदान करते हैं।

पृ.-40

प्राकृतिक पूंजी

इसमें विभिन्न नवीकरणीय और गैर-नवीकरणीय संसाधन शामिल हैं जिनका उपयोग हम अपने व्यवसाय में मूल्य बनाने के लिए करते हैं और इसके परिणामस्वरूप होने वाले पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने का प्रयास करते हैं।

पृ.-44

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और उससे परे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त

1954 में स्थापित भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड एक नवरत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है। हमारे पास रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों और प्रणालियों के डिजाइन, विकास, विनिर्माण, आपूर्ति और जीवन चक्र समर्थन सहित गतिविधियों के विस्तार में विशेषज्ञता है। नवप्रवर्तन के प्रति अपने समर्पण के साथ, हम ऐसे प्रतिभाशाली समाधानों का निर्माण करते हैं जो हमारे सम्मानित ग्राहकों की लगातार बढ़ती जरूरतों को पूरा करते हैं, उनके संचालन में मूल्य जोड़ते हैं।

हम भारतीय रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख स्थान रखते हैं और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपने रक्षा अभियानों का विस्तार करते हुए नागरिक क्षेत्रों में भी प्रवेश कर रहे हैं। हमारी व्यापक पहचान हमारी तकनीक और गुणवत्ता से उत्पन्न होती है, जो हमें उत्कृष्टता वाले एक ब्रांड के रूप में अलग करती है।

दृष्टि

पेशेवर इलेक्ट्रॉनिक्स में एक विश्वस्तरीय उद्यम बनना।

ध्येय

गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी और नवप्रवर्तन के माध्यम से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स और पेशेवर इलेक्ट्रॉनिक्स के अन्य चुने हुए क्षेत्रों में ग्राहक-केंद्रित, विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी कंपनी बनना।

मूल्य

- ग्राहकों को सर्वोपरि रखना।
- पारदर्शिता, ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा के साथ कार्य करना।
- व्यक्तियों पर विश्वास करना एवं उनका सम्मान करना।
- टीम कार्य को बढ़ावा देना।
- कर्मचारी संतुष्टि को अत्यधिक प्राप्त करने का प्रयास करना।
- लचीलेपन और नवप्रवर्तन को प्रोत्साहित करना।
- सामाजिक दायित्वों को पूरा करने का प्रयास करना।
- संगठन का हिस्सा होने पर गर्व होना।

उद्देश्य

- गुणवत्ता तथा सुपुर्दगी सेवा की मांगों को पूरा करते हुए प्रतिस्पर्धी कीमतों पर, अत्याधुनिक उत्पादों व समाधानों को प्रदान कर ग्राहक-केंद्रित कंपनी बनना।
- लाभप्रद वृद्धि के लिए आंतरिक संसाधन सृजन करना।
- संस्थागत अनुसंधान एवं विकास और रक्षा/अनुसंधान प्रयोगशालाओं एवं शैक्षणिक संस्थानों के साथ साझेदारी के माध्यम से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में तकनीकी नेतृत्व प्राप्त करना।
- निर्यात पर जोर देना।
- लोगों के लिये सतत अधिगम और टीम कार्य के माध्यम से उनकी पूरी क्षमता का एहसास करने के लिए एक सुविधाजनक परिवेश सृजित करना।
- ग्राहकों को उनके धन का पूर्ण प्रतिफल प्रदान करना और शेयरधारकों हेतु संपदा सृजित करना।
- अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कंपनी के निष्पादन को सर्वोत्कृष्ट श्रेणी के साथ सतत रूप से मानक स्थापित करना।
- विपणन क्षमताओं को वैश्विक मानकों तक बढ़ाना।
- स्वदेशीकरण के माध्यम से आत्मनिर्भरता के लिए प्रयास करना।

प्रचालन संरचना

‘मेक इन इंडिया’ को सशक्त बनाना

बीईएल ऑप्ट्रोनिक डिवाइसेस लिमिटेड (बेलोप) (पूर्ण स्वामित्व की सहायक कंपनी)	बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल) सहायक कंपनी - 74% शेयरधारिता)	जीई बीईएल प्राइवेट लिमिटेड (जीईबीईएल) (जेवी-26% शेयरधारिता)	रक्षा नवप्रवर्तन संगठन (डीआईओ) (50% शेयरधारिता)

‘मेक इन इंडिया’ को सशक्त बनाना

निजी भागीदारी का समर्थन करना

- भारतीय यूनिटों से खरीद और आउटसोर्सिंग में वृद्धि।
- आउटसोर्सिंग एवं विक्रेता विकास नीति के साथ-साथ नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये।

परीक्षण सेवाएँ

- भारतीय निजी विक्रेताओं को हमारी 189 परीक्षण सुविधाओं तक पहुंच प्रदान करना।

सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास

- अनुसंधान एवं विकास और उत्पाद डिजाइन प्रयासों को बढ़ाने और चिन्हित की गई वस्तुओं को स्वदेशी बनाने के लिए कंपनियों, संस्थानों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों/सलाहकारों के साथ सहयोग करना।

एमएसएमई/स्टार्टअप पारिस्थितिकी प्रणालियों का समर्थन करना

- एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति जिसमें उनके लिए 358 वस्तुएं आरक्षित हैं।
- वित्त वर्ष 2022-23 में एमएसई से अनिवार्य रूप से 25% की कुल घरेलू खरीद के मुकाबले 32% की खरीद की गई।
- सरकारी दिशानिर्देशों का अनुपालन करते हुए टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म, जीईएम, एमएसएमई संबंध और एमएसएमई समाधान पोर्टल पर प्रस्तुत किया।

भौगोलिक पहचान

वैश्विक उपस्थिति

मुख्यालय
बेंगलुरू

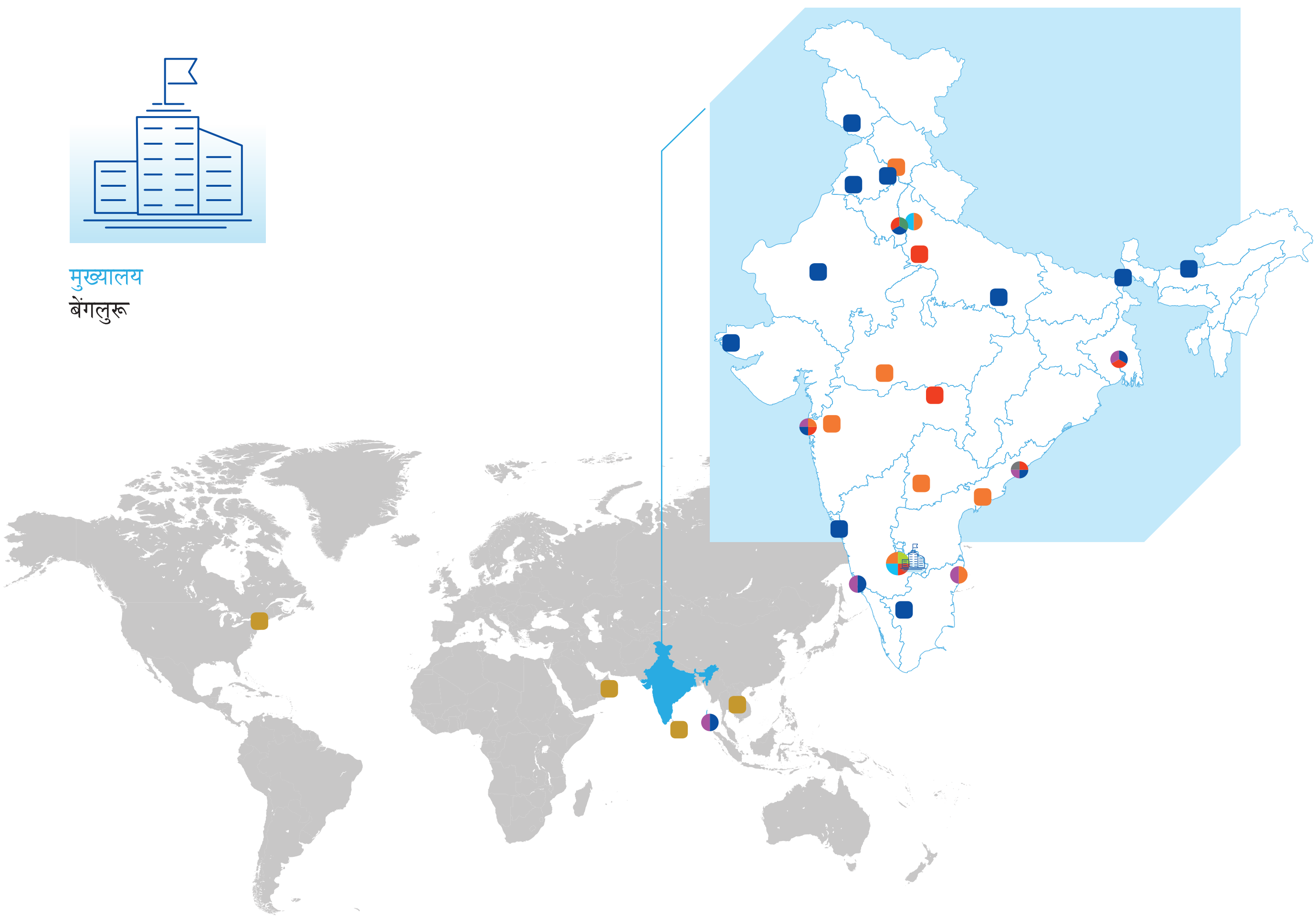

विनिर्माण यूनिट
बेंगलुरु, गाजियाबाद, पुणे, मछलीपट्टनम, पंचकुला, चेन्नई, कोटद्वार, हैदराबाद, नवी मुंबई

विदेशी स्थित कार्यालय
न्यूयॉर्क, (यूएसए), मस्कट (ओमान), कोलंबो (श्रीलंका), आसियान देश

विपणन कार्यालय
राष्ट्रीय विपणन - नई दिल्ली
अंतर्राष्ट्रीय विपणन - नई दिल्ली
नागरिक विपणन - नई दिल्ली

क्षेत्रीय/संपर्क कार्यालय
बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई, विशाखापत्तनम, कोलकाता, नागपुर, आगरा

क्षेत्रीय उत्पाद समर्थन केंद्र (आरपीएससी)
दिल्ली, कोच्चि, गुवाहाटी, कोलकाता, पोर्टब्लेयर, मुंबई, विशाखापट्टनम, जम्मू, चंडीगढ़, इलाहाबाद, जोधपुर, सुलूर, भटिंडा, वडसार, बागडोगरा

केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएँ (सीआरएल)
बेंगलुरु, गाजियाबाद

वाटर फ्रंट सपोर्ट सेंटर (डब्ल्यूएफएससी)
चेन्नई, पोर्ट ब्लेयर, कोच्चि, कारवार, विशाखपट्नम, कोलकाता, मुंबई

उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र (पीडीएंडआईसी)
बेंगलुरु

सॉफ्टवेयर विकास केंद्र (एसडीसी)
विशाखपट्नम

कारोबारी खण्ड

हमारी विस्तारित सीमाएँ

रक्षा क्षेत्र

हम भारतीय रक्षा बलों के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, प्रणालियों और सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला विकसित करते हैं। इनका निर्माण हमारे नौ संयंत्रों में किया जाता है जिनमें 25 रणनीतिक व्यावसायिक इकाइयां (एसबीयू) हैं।

उत्पाद विशेषज्ञता

रेडार और अग्नि नियंत्रण प्रणाली, शस्त्र प्रणालियां, संचार, नेटवर्क केंद्रित प्रणालियां(सी4आई), इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति प्रणालियां, वैमानिकी, पनडुब्बी-रोधी युद्धपद्धति प्रणालियां और सोनार, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स, टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स, गन अपग्रेड तथा रणनीतिक घटक। हम हाल ही में शास्त्रों व गोला-बारूद, अन्वेषक एवं मिसाइलों, नेटवर्क, साइबर सुरक्षा और मानवरहित प्रणालियों में विविधता लेकर आयें है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 की मुख्य झलकियाँ

- ₹18,052 करोड़ मूल्य के ऑर्डर प्राप्त हुए
- हेलीकॉप्टरों के लिए हवाई रक्षा सूट की आपूर्ति के लिए डिफेंस इनिशिएटिव्स, बेलारूस और डिफेंस इनिशिएटिव्स एयरो प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

गैर-रक्षा क्षेत्र

हम चुनिंदा एसबीयू के माध्यम से नागरिक बाजारों के लिए उत्पाद और समाधान विकसित करते हैं। हमारे पास होमलैंड सिक्योरिटी और स्मार्ट सिटी (एचएस एवं एससी) कारोबार के लिए एक समर्पित एसबीयू तथा बेंगलुरु यूनिट में मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और सॉल्यूशंस के लिए एक समर्पित शीर्ष यूनिट है, जो उच्च विकास के अवसर प्रदान करता है।

उत्पाद विशेषज्ञता

इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वीवी पैट, एचएस एवं एससी, सॉफ्टवेयर सॉल्यूशंस/सेवाएं, हेल्थकेयर सॉल्यूशंस, नागरिक उड्डयन और सौर सेल/पावर प्लांट में हमारी उत्पाद विशेषज्ञता है। हम रेलवे/मेट्रो/हवाई अड्डा समाधान, अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सिस्टम, वैकल्पिक ऊर्जा समाधान, सुरक्षित संचार समाधान और सॉफ्टवेयर प्रदान करने में भी विविधता लेकर आए है।

वित्तीय वर्ष 2022-23 की मुख्य झलकियाँ

- ओएनजीसी के लिए व्यापक सुरक्षा समाधान हेतु 456 करोड़ रुपये का आदेश प्राप्त हुआ।
- भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर बीईएल द्वारा विकसित वायु यातायात प्रबंधन स्वचालन प्रणाली स्थापित की गई।
- स्वदेशी रूप से विकसित ट्रेन नियंत्रण एवं पर्यवेक्षण प्रणाली, जिसे बीईएल और दिल्ली मेट्रो रेल निगम द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया है।

हमारा राजस्व प्रवाह

उत्पादों की बिक्री से आय

रक्षा और विभिन्न नागरिक अनुप्रयोगों के लिए उत्पादों की बिक्री हमारे राजस्व का मुख्य स्रोत है। हम व्यापार विविधीकरण के मौजूदा और नए क्षेत्रों में अवसरों का लाभ लेने के लिए विनिर्माण और अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं और विपणन नेटवर्क के आधुनिकीकरण/निर्माण में निवेश कर रहे हैं।

सेवाओं से आय

हमारे घरेलू और वैश्विक ग्राहकों के निकट हमारे पास समर्थन केंद्रों (आरपीएससी, आईएफएससी और संपर्क कार्यालयों) का एक विस्तृत नेटवर्क है, जो। 300 सेवा इंजीनियरों के मजबूत समर्थन द्वारा समर्थित है। ये महत्वपूर्ण रक्षा/गैर-रक्षा प्रणालियों को सहायता प्रदान करने और उनको लंबे समय तक बनाए रखने में सक्षम बनाते हैं।

निर्यात

हम विदेश मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के सहयोग से उत्पादों, प्रणालियों व वैश्विक ओईएम को विदेशी देशों को निर्यात करते हैं। वर्तमान और संभावित ग्राहकों के साथ हमारे अच्छे संबंध ओईएम के ऑफसेट दायित्वों के लिए नए अवसर सृजन कर रहे हैं। हम वैश्विक स्तर पर नागरिक और चिकित्सा उपकरण के अवसरों की भी तलाश कर रहे हैं।

कुल बिक्री का ब्यौरा

कुल बिक्री का ब्यौरा

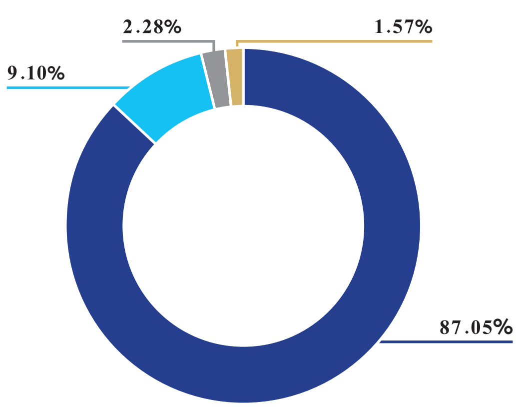

रक्षा

₹ 15,089 करोड़

निर्यात

₹ 395 करोड़

गैर-रक्षा

₹ 1,578 करोड़

अन्य

₹ 271 करोड़

स्रोत द्वारा

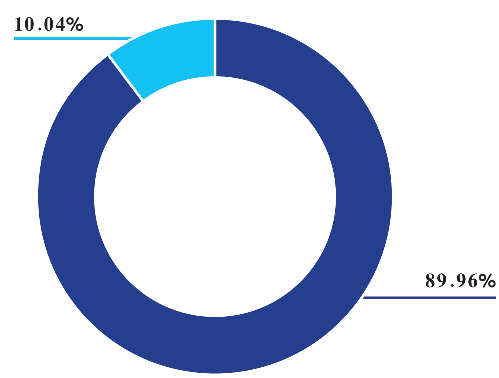

उत्पादों की बिक्री

₹ 15,594 करोड़

सेवाओं से आय

₹ 1,739 करोड़

वर्ष की मुख्य बातें

वित्तीय वर्ष 2022-23 में हमारी सफलता को दर्शाते हुए

अधिक जानकारी के लिए पृ-36

वित्तीय पूंजी

₹ 17,333 करोड़
कुल बिक्री

₹ 4,048 करोड़
ईबीआईटीडीए

₹ 3,007 करोड़
पीएटी

₹ 13,582 करोड़
निवल परिसंपत्ति*

*यथा 31 मार्च 2023 तक

अधिक जानकारी के लिए पृ-32

विनिर्मित पूंजी

₹ 541 करोड़
नौ अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाओं में पूंजीगत व्यय।

75%
स्वदेशी तौर पर विकसित उत्पादों से कुल बिक्री।

87%
रक्षा आपूर्ति से कुल बिक्री।

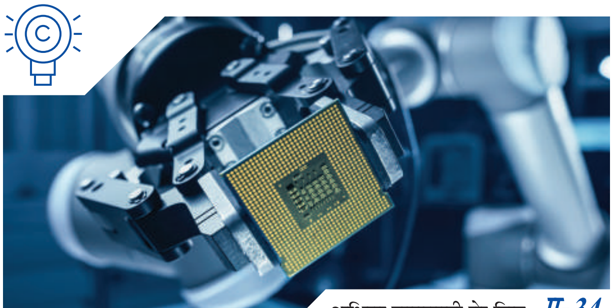

अधिक जानकारी के लिए पृ-34

बौद्धिक पूंजी

₹ 1,088 करोड़
12 केन्द्रों पर अनुसंधान एवं विकास में निवेश।

2,543
अनुसंधान एवं विकास टीम

100
बौद्धिक संपदा मंजूर कर दी गई।

62
नये उत्पाद पेश किये गये।

अधिक जानकारी के लिए पृ-37

मानव पूंजी

8,832
कर्मचारीगण
(21.7%f महिलाएं)

₹ 1.96 करोड़
प्रति कर्मचारी कुल बिक्री

67,498 श्रम दिवस
प्रशिक्षण

अधिक जानकारी के लिए पृ-40

सामाजिक संबंधगत पूंजी

₹ 57.48 करोड़
सीएसआर बजट

12.5 करोड़
सीएसआर लाभार्थी

1,679
एमएसएमई और समर्थित स्टार्टअप

32%
एमएसई से खरीद

अधिक जानकारी के लिए पृ-44

प्राकृतिक पूंजी

19 एमडब्ल्यू
कुल नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता

48.8%
हरित ऊर्जा की कुल ऊर्जा खपत

25,840.55 $mtCO_2$
उत्सर्जन को रोका गया

क्रिटिकल टू कस्टमर (सीटीसी) परियोजना का निष्पादन

- लंबी दूरी की सतह से हवा में मारक क्षमता मिसाइल(एलआरएसएएम) प्रणाली
- सैटकॉम नेटवर्क
- कमान एवं नियंत्रण प्रणाली
- रेडार
- इलेक्ट्रॉनिक युद्धपद्धति प्रणालियां
- संचार उपकरण
- सोनार
- तटीय निगरानी प्रणाली
- इलेक्ट्रो-ऑप्टिक प्रणाली
- अग्नि नियंत्रण प्रणाली
- होमलैंड सुरक्षा प्रणाली
- स्मार्ट सिटी परियोजनाएं
- आकाश मिसाइल प्रणाली

₹ 20,344 करोड़
ऑर्डर प्राप्त हुए

- ₹ 18,052करोड़ रक्षा ऑर्डर
- 75.65 मिलियन अमेरिकी डॉलर के निर्यात ऑर्डर
- ₹ 1,664 करोड़ गैर-रक्षा ऑर्डर

प्राप्त पुरस्कार

- इकोनॉमिक टाइम्स-आइकॉनिक ब्रांड्स ऑफ इंडिया अवार्ड,
- बड़ी कंपनियों के बीच 2022 रक्षा मंत्री का निर्यात रक्षा निर्यात रत्न पुरस्कार 2021-22
- इस वर्ष का आईसीसी (इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स) पीएसई कंपनी का उत्कृष्टता प्रदर्शन के लिए, महिलाओं और दिव्यांग पीएसई का समावेशिता-योगदान एवं परिचालन की श्रेणी में पुरस्कार विजेता रही।
- सीआईआई एक्जिम बैंक बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड (2022) और बीईएल गाजियाबाद यूनिट को रोल मॉडल संगठन के लिए जूरी की प्रशस्ति का दोहरा सम्मान प्राप्त हुआ।
- वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान एमएसएमई श्रेणी के तहत महिला उद्यमियों से नवरत्न सीपीएसई के बीच सबसे अधिक खरीद के लिए एमएसएमई मंत्रालय से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ।
- सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा, रक्षा, कानून प्रवर्तन, आईटी परियोजना के लिए क्वांटिक टेक्नोलॉजी उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 प्राप्त हुआ।
- नराकास, बेंगलुरु से राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्टता के लिए पुरस्कार प्राप्त किया गया।
- सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप, भारत में मेट्रो और रेल आवागमन में परिवर्तन के लिए बीईएल को अर्बन इंफ्रा बिजनेस लीडरशिप अवार्ड 2022 प्राप्त हुआ।
- वर्ल्ड मैन्युफैक्चरिंग कांग्रेस द्वारा बीईएल पंचकुला यूनिट को सबसे प्रतिष्ठित संगठन पुरस्कार प्रदान किया गया।
- भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान, चंडीगढ़ से बीईएल पंचकुला यूनिट को चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी के लिए इनोवेटिव डिजिटल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पर्यावरण और स्थिरता के लिए गवर्नेंस नाउ 9वां पीएसयू पुरस्कार प्राप्त हुआ।

एयरो इंडिया 2023 में बीईएल स्टॉल के दौरे के दौरान बीईएल प्रबंधन द्वारा माननीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह को जानकारी दी गई।

मेलों/प्रदर्शनियों में भागीदारी

- जुलाई 2022 के दौरान दिल्ली डिफेंस में पहली बार "रक्षा में एआई"। प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी में भागीदारी की गयी।
- जुलाई 2022 के दौरान कोलकाता में ईस्ट टेक 2022 में भाग लिया गया।
- सितंबर 2022 में मध्य पूर्व में निवेशक आउटरीच कार्यक्रम में प्रतिभागिता की गयी।
- अक्टूबर 2022 के दौरान गांधीनगर में डिफेंस एक्सपो-2022 का 12वां संस्करण प्रदर्शित किया गया।
- नवंबर 2022 के दौरान पहली भारत-केन्या उद्योग संगोष्ठी और प्रदर्शनी लगाई गयी।
- दिसंबर 2022 के दौरान वियतनाम में रक्षा प्रदर्शनी लगाई गयी।
- फरवरी 2023 के दौरान एयरो इंडिया

सीआईआई एक्जिम बैंक बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड (2022) और बीईएल गाजियाबाद यूनिट को रोल मॉडल संगठन के लिए जूरी की प्रशस्ति का दोहरा सम्मान प्राप्त हुआ।

अध्यक्षीय संबोधन

प्रौद्योगिकी और अनुसंधान एवं विकास में उत्कृष्टता के माध्यम से वृद्धि

प्रिय शेयरधारक,

यह अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि मैं आपको अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक के रूप में संबोधित कर रहा हूं और पिछले वर्ष के दौरान कंपनी की उपलब्धियों और वित्तीय विशेषताओं को आपके समक्ष साझा करता हूं।

वित्त वर्ष 2022-23 आपकी कंपनी के लिए एक असाधारण वर्ष रहा है। भू-राजनीतिक संकट और वैश्विक चिप की कमी के बावजूद, आपके सभी समर्थन से हम सभी मोर्चों पर आगे बढ़े और मजबूत होकर उभरे। हमने अनुसंधान एवं विकास, गुणवत्ता, प्रौद्योगिकी और बुनियादी ढांचे के आधुनिकीकरण, स्थिरता और परिचालन में उत्कृष्टता को प्राथमिकता देना जारी रखा जो हमें मजबूत स्थिति में रखता है।

इस वर्ष हमने सभी हितधारकों के लिए मूल्य सृजन भी देखा। मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि बीईएल ने 31 मार्च 2023 तक ‘71,307 करोड़ का बाजार पूंजीकरण हासिल कर लिया है। यह हमारे शेयरधारकों को पर्याप्त रूप से पुरस्कृत करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रमाण है। समुदायों को सहायता प्रदान करने और सतत संचालन सुनिश्चित करने के संबंध में भी काफी प्रगति हुई है।

मैं इस अवसर पर आपके साथ पिछले वर्ष के दौरान प्रदर्शन की झलकियाँ और कंपनी के भविष्य के दृष्टिकोण को साझा करना चाहता हूँ।

प्रदर्शन में नए मानदंड स्थापित करना

वित्तीय वर्ष 2021-22 की कुल बिक्री ₹15,044 करोड़ के मुकाबले में, वित्तीय वर्ष 2022-23 में, बीईएल ने ₹17,333 करोड़ की कुल बिक्री हासिल की है, जिसमें 15.22% की वृद्धि दर्ज की गई। यह वृद्धि रक्षा और गैर-रक्षा दोनों क्षेत्रों में घरेलू और निर्यात व्यवसायों के मजबूत प्रदर्शन से प्रेरित थी। रक्षा हमारा मुख्य आधार बना रहा, जिसने वित्त वर्ष 2022-23 में राजस्व में 87% का योगदान दिया, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह 90% था, शेष 13% गैर-रक्षा खंड से आया।

हमारी निर्यात बिक्री लगभग 45% बढ़कर 48.33 मिलियन अमेरिकी डॉलर हो गई है; हम मुख्य रूप से फ्रांस, अमेरिका, स्पेन, इज़राइल, जर्मनी, मॉरीशस, स्विट्जरलैंड, वियतनाम, श्रीलंका आदि देशों को निर्यात करते हैं। निर्यात किए गए प्रमुख उत्पादों/प्रणालियों में सोनार, तटीय रेडार सिस्टम, रेडार चेतावनी रिसीवर, मिसाइल दृष्टिकोण चेतावनी प्रणाली, टी/आर मॉड्यूल, संचार उपकरण, लो बैंड रिसीवर एलआरयू, मेडिकल तकनीकी पुर्जे, केबल लूम, सोनार स्पेयर, रेडार के एकीकरण के लिए सॉफ्टवेयर, रेडार स्पेयर, ईओएस कॉमपास, आदि शामिल हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 में कर पश्चात लाभ 28% बढ़कर ₹3,007 करोड़ हो गया, जबकि वित्त वर्ष 2021-22 में यह ₹2,349 करोड़ था। हमारी निवल परिसंपत्ति अब पिछले वर्ष के 11,984 करोड़ के मुकाबले बढ़कर 13,582 करोड़ रुपये हो गयी है। वित्त वर्ष 2021-22 में प्रति कर्मचारी टर्नओवर ₹1.69 करोड़ से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में ₹1.96 करोड़ हो गया है।

हमने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 20,344 करोड़ रुपये का इन-फ्लो बुक करके ऑर्डर अधिग्रहण की गति को जारी रखा। 01 अप्रैल 2023 तक ऑर्डर बुक की स्थिति अब 60,690 करोड़ रुपये है, जो अगले कुछ वर्षों के लिए स्थिर राजस्व दृश्यता देती है। हम अगले कुछ वर्षों में धारा प्रवाह ऑर्डर की आशा करते है।

नवोन्मेष के पथ पर आगे बढ़ना

नवप्रवर्तन हमारे लिए एक महत्वपूर्ण विभेदक है। वर्ष के दौरान, हमने ग्राहकों को अद्वितीय उत्पाद और समाधान प्रदान करने के लिए उन्नत प्रौद्योगिकियों में निवेश जारी रखा, स्वदेशी सामग्री को बढ़ाने और हमारी पेशकशों में मूल्य संवर्धन की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा किया है। वर्ष के दौरान कुल बिक्री के प्रतिशत के रूप में अनुसंधान एवं विकास निवेश 6.28% था, जिससे हमें अपने कुल बिक्री का 75% स्वदेशी उत्पादों से प्राप्त करने में मदद मिली।

आपकी कंपनी ग्राहकों के लिए निरंतर नवोन्मेषी और गुणवत्तापूर्ण उत्पाद विकसित करने में हमेशा अग्रणी रही है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, पेश किए गए कुछ प्रमुख उत्पाद/प्रणालियों में तटीय निगरानी प्रणाली Ph.-II, एसडीआर वेरिएंट, जहाजों के लिए लड़ाकू प्रबंधन प्रणाली, C4I परियोजना के लिए ध्वनि संचार एवं नियंत्रण प्रणाली, 4.8M केयूबैंड एंटीना, गनफायर नियंत्रण प्रणाली (जीएफसीएस), उड़ान स्तर रेडार एमके-II के लिए एंटीना प्रणाली, नेविगेशन जटिल प्रणाली, 4KW GaN ट्रांसमीटर, 0.4M केयूबैंड सैटकॉम ऑन द मूव (SoTM) प्रणाली, 7.62 मिमी एलएमजी के लिए रात्रि दृष्टि, स्वदेशी गोनियोमीटर, IFFMKXII(S), मेट्रो के लिए सुपर स्काडा, आदि शामिल हैं।

बौद्धिक संपदा के अनुसंधान एवं सुदृढ़ीकरण के प्रति हमारे अटूट समर्पण के उल्लेखनीय परिणाम सामने आए हैं। वित्त वर्ष 2022-23 में, हमने संचार, कृत्रिम बुद्धिमता, रेडार, एंटीना, एंबेडेड प्रणाली आदि के डोमेन में 121 पेटेंट आवेदन सहित 242 आईपीआर दायर किए। हमें 22 पेटेंट दिए गए हैं, जिससे हमारी कुल संख्या 46 हो गई है। इसके अलावा, हमारे वैज्ञानिकों और अनुसंधान एवं विकास इंजीनियरों ने प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं, संगोष्ठियों और सम्मेलनों में 79 तकनीकी पत्र प्रकाशित किए हैं।

दक्षताओं को सुदृढ़ कर, क्षमता को उजागर करना

आपकी कंपनी भविष्य में और निवेश करके भविष्य की तैयारियों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता बनाए रखेगी। इसमें विभिन्न परियोजनाओं के लिए बुनियादी ढांचा और परीक्षण सुविधाएं तैयार करना और टियर-2 शहर से दक्षताओं को विकसित करने और उन तक पहुंचने के लिए विशाखापत्तनम में एक सॉफ्टवेयर विकास केंद्र की स्थापना करना शामिल है। इसके अतिरिक्त, हमने बेंगलुरु में ईवीएम के लिए बैलेट यूनिट और वोटर-सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपीएटी) के विनिर्माण और भंडारण सुविधा का भी विस्तार किया।

सहक्रियात्मक अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को बढ़ावा देने और नवाचार यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए, हमने 309 साझेदारों को शामिल किया है। इसमें 39 अनुसंधान एवं विकास समाधान प्रदाता, 198 डिज़ाइन सेवा प्रदाता, 40 सलाहकार और 39 उत्पादन सेवा प्रदाता शामिल हैं। गुणवत्ता और स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को मान्यता देते हुए, हमें अपने उत्पादों के लिए 19 एएस-9100 डी मानक प्रमाणपत्र और 22 ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र प्राप्त करने पर गर्व है।

ख्याति एवं पुरस्कार

हमें आपको यह बताते हुए बहुत खुशी हो रही है कि हमारे निरंतर प्रयासों को विभिन्न प्रतिष्ठित मंचों पर उचित रूप से मान्यता दी गयी और पुरस्कृत किया गया है। हमारी प्रशंसा कार्पोरेट उत्कृष्टता, शासन, अनुसंधान एवं विकास, सॉफ्टवेयर विकास और स्थिरता डोमेन तक फैली हुई है, और संचालन के सभी पहलुओं में हमारी निरंतर उत्कृष्टता और सुधार का एक प्रमाण है।

कुछ उल्लेखनीय पुरस्कार निम्नलिखित हैं-

- द इकोनॉमिक टाइम्स-आइकॉनिक ब्रांड्स ऑफ इंडिया अवार्ड-2022
- नवप्रवर्तन, डिज़ाइन, प्रौद्योगिकी या अनुसंधान एवं विकास में उत्कृष्टता के लिए अंतर्राष्ट्रीय एयरोस्पेस एवं रक्षा पुरस्कार
- सीआईआई एक्जिम बैंक बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड (2022) और बीईएल गाजियाबाद यूनिट को रोल मॉडल संगठन के लिए जूरी की प्रशस्ति का दोहरा सम्मान प्राप्त हुआ।
- बड़ी कंपनियों में रक्षा मंत्री के निर्यात रक्षा निर्यात रत्न पुरस्कार 2021-22 के विजेता रहे।
- वर्ष का आईसीसी (इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स) पीएसई कंपनी का उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त हुआ।
- सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा, रक्षा या कानून प्रवर्तन आईटी के लिए क्वांटिक टेक्नोलॉजी उत्कृष्टता पुरस्कार 2022 प्राप्त हुआ।
- सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप, भारत में मेट्रो और रेल आवागमन के परिवर्तन में बीईएल के योगदान के लिए प्रोजेक्ट अर्बन इंफ्रा बिजनेस लीडरशिप अवार्ड 2022
- निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ के लिए बिजनेस लीडरशिप अवाड्र्स के द्वितीय संस्करण में इनोवेटिव सीएफओ पुरस्कार
- विश्व विनिर्माण कांग्रेस द्वारा बीईएल की पंचकुला यूनिट को सबसे प्रतिष्ठित संगठन पुरस्कार

- भारतीय सामग्री प्रबंधन संस्थान, चंडीगढ़ से बीईएल पंचकुला यूनिट को चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी के लिए इनोवेटिव डिजिटल स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पुरस्कार प्राप्त हुआ।

ये उपलब्धियाँ हमें प्रेरित करती हैं और उत्कृष्टता की खोज जारी रखने और नए शिखर हासिल करने की हमारी महत्वाकांक्षा को बढ़ावा देती हैं।

निकट भविष्य

निकट भविष्य की बात करें तो, हमारे सामने बहुत सारे आशाजनक अवसर और चुनौतियाँ भी हैं।

बीईएल कई मौजूदा दक्षताओं और मजबूत अनुसंधान एवं विकास के साथ रक्षा क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में अच्छी स्थिति हासिल किये हुए है।

हम रक्षा अधिग्रहण नीति (डीएपी) 2020 के तहत कई 'मेक-II' परियोजनाओं पर सख्ती से पालन कर रहे हैं और भागीदारी बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं। हम उप-प्रणालियों, प्रणालियों और सेवाओं के स्वदेशी विकास को बढ़ाने की दिशा में आगे बढ़ने पर भी जोर दे रहे हैं जिसके लिए क्षमताओं और दक्षताओं का निर्माण किया जा रहा है। इसमें बुनियादी ढांचे के निर्माण और आधुनिकीकरण, कौशल विकास और भारतीय उद्योगों, विशेष रूप से एमएसएमई को आउटसोर्सिंग में निवेश शामिल है।

हम नए उत्पादों और उभरती प्रौद्योगिकी प्रणालियों को विकसित करने के लिए डीआरडीओ प्रयोगशालाओं, अनुसंधान और प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों तथा विशिष्ट प्रौद्योगिकी कंपनियों के साथ मिलकर कार्य करना जारी रखेंगे। इसके अलावा, बढ़ती निजी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए, हम दीर्घकालिक संबंध बनाने की दिशा में भारतीय रक्षा उद्योग के साथ तेजी से बातचीत कर रहे हैं।.

अपने गैर-रक्षा क्षेत्रों में, हम अपनी मौजूदा दक्षताओं पर निर्माण जारी रखने के साथ-साथ नए व्यावसायिक क्षेत्रों में विविधता लाने का प्रयास करते हैं।

हम मौजूदा और नए बाजारों में नए ग्राहकों को आकर्षित करके व्यवसाय का विस्तार करने के अवसरों की लगातार तलाश कर रहे हैं। निर्यात पर अधिक जोर देने के लिए, हमने अपने विपणन कार्यालयों के नेटवर्क को और अधिक विस्तारित करने की योजना बनाई है। लक्षित ग्राहकों के साथ निरंतर जुड़ाव और अन्य भारतीय कंपनियों और स्थानीय भागीदारों के साथ सहयोग के माध्यम से दक्षिण पूर्व एशिया, यूरोप, मध्य पूर्व, अफ्रीका और उत्तरी और दक्षिण अमेरिका में व्यापार के अवसरों को बढ़ाना है।

हमारा सर्वव्यापी लक्ष्य रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक्स नेतृत्व को बनाए रखना है। इस दिशा में, हमने प्रतिस्पर्धा से ऊपर उठने और तकनीकी बढ़त बनाए रखने के लिए रणनीतियाँ स्थापित कर कार्रवाई शुरू की है। हम नवीनतम प्रौद्योगिकियों से अवगत रहकर और लागत प्रभावी और नवीन समाधानों पर जोर देकर ग्राहकों की बदलती आवश्यकताओं को पूरा करके ऐसा करने का इरादा रखते हैं। भविष्य के उत्पादों, नई प्रौद्योगिकी क्षेत्रों, आईपीआर के निर्माण और प्रमुख प्रौद्योगिकियों के अधिग्रहण के लिए रोडमैप तैयार किए गए हैं। जहां तक कर्मचारियों का संबंध है, हमने निरंतर सीखने, नवाचार और सशक्तिकरण के प्रयासों के साथ एक पसंदीदा नियोक्ता के रूप में अपनी प्रतिष्ठा मजबूत की है।

वित्त वर्ष 2023-24 में, रक्षा और गैर-रक्षा क्षेत्रों द्वारा संचालित 15-17% की स्वस्थ वृद्धि का हम लक्ष्य रखते हैं। हमारे पास कई प्रतिष्ठित ऑर्डर हैं और हम उन्हें समय पर निष्पादित करने पर ध्यान केंद्रित करेंगे। हालाँकि अवसर अनेक हैं परंतु इसके साथ ही हम भू-राजनीतिक स्थितियों, उभरती नई तकनीकों, बदलती नीतियों, नियामक परिदृश्यों, प्रतिस्पर्धा और ग्राहकों की बढ़ती अपेक्षाओं के कारण चुनौतियों का भी अनुमान लगाते हैं। हम सतर्क रहेंगे और आवश्यक कदम उठाएंगे।

पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) क्षेत्र में योगदान

ईएसजी और हितधारकों के हितों के प्रति प्रतिबद्धता बीईएल में एक प्राथमिकता है, जो 'सामाजिक जिम्मेदारियों को पूरा करने के प्रयास' के हमारे मूल्य द्वारा निर्देशित है।

यह हमारी दीर्घकालिक सफलता का आधार है हम उत्सर्जन को कम करने, अपशिष्ट जल उपचार सुविधाएं और एक चक्रीय अर्थव्यवस्था प्राप्त करने की दिशा में काफी प्रगति कर रहे हैं। प्रक्रियाओं में सुधार के माध्यम से कम करने, पुन: उपयोग करने, पुनर्प्राप्त करने और पुनर्नवीनीकरण करने पर विशेष ध्यान दिया गया है और उन पर निर्माण करने और एक हरित भविष्य बनाने का इरादा है।

हमारे सामुदायिक प्रयास स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, कौशल विकास और पर्यावरणीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हैं। एक उल्लेखनीय पहल प्रोगेम को शुरू करना था, एक स्व-शिक्षण कोडिंग किट, जिसे बच्चों को प्रोग्रामिंग कौशल और तर्क विकास से लैस करने के लिए डिज़ाइन किया गया था, विशेष रूप से उन लोगों पर लक्षित जिनके पास कंप्यूटर तक पहुंच नहीं है। इससे 42,000 विद्यार्थियों को लाभ हुआ।

आपकी कंपनी मूल्यों और सिद्धांतों के उच्चतम मानकों को लगातार अपनाने और बनाए रखने में गर्व महसूस करती है। आपकी कंपनी को वित्त वर्ष 2022-23 के लिए सीएजी से 'शून्य' टिप्पणी प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ है। कार्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देशों के अनुपालन पर एक विस्तृत रिपोर्ट बोर्ड की रिपोर्ट में पढ़ी जा सकती है।

अभिस्वीकृति

हम पर विश्वास करने और मूल्य सृजन की हमारी यात्रा में भागीदारी करने के लिए, मैं सभी शेयरधारकों, सम्मानित ग्राहकों और व्यावसायिक सहयोगियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करता हूं। मैं बोर्ड में अपने सहयोगियों और प्रबंधन समिति के सदस्यों को उनके निरंतर समर्थन और बीईएल की सफलता के लिए विशेषज्ञता लाने के लिए धन्यवाद देता हूं। मैं मार्गदर्शन, अवसर प्रदान करने और हम पर विश्वास रखने के लिए रक्षा मंत्रालय और रक्षा सेवाओं का आभारी हूं।

कर्मचारी हर दृष्टिकोण से हमारी सफलता के स्तंभ रहे हैं, जो बीईएल को नई ऊंचाइयों तक पहुंचने में मदद कर रहे हैं और हमें ग्राहकों और सभी हितधारकों की उम्मीदों पर खरा उतरने में सक्षम बना रहे हैं। हम बेहतर समय की आशा करते हैं और बेहतर मूल्य सृजन के लिए सभी हितधारकों का निरंतर समर्थन चाहते हैं।

मैं हमारी निरंतर सफलता के लिए समर्पित हूं और बीईएल को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आप में से प्रत्येक के साथ काम करने के लिए अत्यधिक उत्सुक हूं।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड को आपके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद

शुभकामनाओं सहित,

आपका शुभेच्छु,

श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलुरू
1 अगस्त 2023

निदेशक मंडले
(1 अगस्त 2023 को)

हमारी सफलता को आगे बढ़ाने वाले दूरदर्शी लोग

कार्यकारी/पूर्णकालिक निदेशक

श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार)
निदेशक (अन्य यूनिटें)

श्री मनोज जैन
निदेशक (आर एंड डी)
निदेशक (बेंगलुरु कॉम्प्लेक्स)
-अतिरिक्त प्रभार

श्री दामोदर भट्टड़ एस
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

श्री विक्रमन एन
निदेशक (एचआर)

श्री के वी सुरेश कुमार
निदेशक (विपणन)

अंशकालिक आधिकारिक निदेशक (सरकार द्वारा नामित निदेशक)

श्री टी नटराजन
एएस (डीपी)/डीडीपी-र.मं.

डॉ. बिनोय कुमार दास
डीजी(ईसीएस),डीआरडीओ

अंशकालिक गैर-आधिकारिक/स्वतंत्र निदेशक

डॉ. पार्थसारथी पी.वी

श्री मनसुखभाई एस खचारिया

डॉ संतोष कुमार एन

श्री प्रफुल्ल कुमार चौधरी

डॉ शिवनाथ यादव

श्री गोकुलन बंगाकंडी

श्रीमती श्यामा सिंह

बोर्ड की संरचना

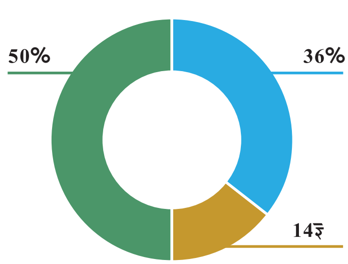

कार्यकारी निदेशक	5
सरकार द्वारा नामित निदेशक	2
स्वतंत्र निदेशक	7

श्री एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

निदेशकों के प्रोफाइल यहां पढ़े जा सकते हैं:t:https://bel-india.in/Leadership.aspx?MId=3&CId=1&LId=1&link=0

सीवीओ और वरिष्ठ कार्यपालक
(1 अगस्त 2023 को)

प्रदर्शन को संचालित करने वाली विशेषज्ञ टीम

श्री श्रीकांत वाल्गड, भा.प्र.से.
मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ)

श्री मनोज कुमार
ईडी(एनएम)- दिल्ली

श्री शंकरसुब्रमणियन आर
ईडी (रेडार)-गा.बाद एवं यूएच

श्रीमती दुर्गा जी के
ईडी (सॉफ्टवेयर)-बीजी

श्री उमेश के.एस
ईडी(एडीएसएन)-बीजी

श्री शेखर आर एल
जीएम(एससी एवं यूएस)-बीजी

श्री अनिल पंत
जीएम(पीएस)-दिल्ली

श्री पुगाझेंथी आर
जीएम (एचएलएस एवं एससीबी)-बीजी

श्री लोयोला पेड्रो विएन्नी जी
जीएम-चेन्नै

श्रीमती प्रभा गोयल
जीएम-पीके

श्री मुरली वी
जीएम(वित्त)-बीजी

श्री रुधिरमूर्ति ए
जीएम-नमु

श्रीमती एन्सी जेम्स
जीएम(ईएम)-बीजी

श्री अनूप कुमार राय
सीएस(सीआरएल)-गा.बाद

श्री नरेश कुमार एस
जीएम (पीडी एंड आईसी)

श्री संपत कुमार पी
सीटीओ(संचार)-सीओ

श्री मोहन आर.पी
जीएम(एचआर)-बीजी

श्री पाहुजा बी.पी
जीएम(ईएस)बीजी

श्री रामकृष्णन एल
सीएस(सीआरएल)-बीजी

श्रीमती रश्मि कथूरिया
जीएम(एससीसीएस)-गा.बाद

श्री सूर्यनारायण मूर्ति जी
जीएम-पुणे

डॉ विश्वेश्वर पुच्चा
जीएम-कोट.

श्री नंद कुमार टी डी
जीएम(एनएस/एस एंड सीएस)-बीजी

श्री श्रीनिवास के
जीएम-हैदराबाद

श्री राजेंद्र ऐवाले
जीएम(मिल.कॉम.)-बीजी

श्री हरिकुमार आर
जीएम (टीपी)-बीजी

श्रीमती सरला बी
सीटीओ (आर एंड डब्ल्यूएस)-सीओ

श्रीमती वाणिश्री वी
सीटीओ (ईडब्ल्यू एंड पी)-सीओ

श्री प्रहलाद पी.एस
जीएम (सीएम)-दिल्ली

श्री रजनीश शर्मा
जीएम (एमआर)-बीजी

कमांडर (सेवानिवृत्त) कुमार के
जीएम (एनएस/आर एंड एफसीएस)-बीजी

श्री गिरिराज एन
जीएम (डीसीसीएस)-गा.बाद

श्री अनिल सोगी के
जीएम (ईडब्ल्यू एंड ए)-बीजी

श्री जितेन्द्र सिंह
जीएम-एमसी

श्री त्रिभुवन नारायण सिंह
जीएम(कंपो.)-बीजी

श्रीमती नीति पंडित
जीएम (एसपी)-सीओ

श्री रामकुमार बी
जीएम (एचआर)-सीओ

श्रीमती मंजुला देवी एन
जीएम(एमएस)-बीजी

श्रीमती रमा एस
जीएम (वित्त)-सीओ

श्री प्रदीप कुमार सेठिया
जीएम (आईए)-सीओ

लेखा परीक्षक

सांविधिक लेखा परीक्षक

मेसर्स गुरु एवं जना,
सनदी लेखाकार,
बेंगलूरु

शाखा लेखा परीक्षक

मेसर्स वीए दुधेडिया एंड कंपनी,
सनदी लेखाकार,पुणे

मेसर्स अश्वनी एंड एसोसिएट्स,
सनदी लेखाकार, नई दिल्ली

मेसर्स सुब्बारायुडु एंड कंपनी, सनदी
लेखाकार, विजयवाड़ा

लागत लेखा परीक्षक

मेसर्स मूर्ति एंड कंपनी
एलएलपी, लागत लेखाकार,
बेंगलूरु

सचिवीय लेखा परीक्षक

मेसर्स तिरुपाल गोरिगे एंड
एसोसिएट्स एलएलपी, पेशेवर
कंपनी सचिव, बेंगलूरु

हमारा व्यापार मॉडल

दीर्घावधि मूल्य निर्धारण के लिए एक परिभाषित दृष्टिकोण

इनपुट

वित्तीय पूंजी

12,067 करोड़ की पूंजी नियोजित

विनिर्मित पूंजी

- भारतीय सशस्त्र बलों एवं अन्य नागरिक संगठनों के साथ सहयोगात्मक कार्य की 9 अत्याधुनिक विनिर्माणन सुविधा
- एमएसएमई, स्टार्टअप और भारतीय
- भारतीय कार्पोरेट्स के लिए नीतियों के साथ मेक-इन-इंडिया भागीदार
- ₹ 541 करोड़ का कैपेक्स

बौद्धिक पूंजी

- सशक्त त्रि-स्तरीय अनुसंधान एवं विकास- 2 केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं, 1 पीडीआईसी (सीओई सहित), 9 डी एंड ईएस
- 2,543 की अनुसंधान एवं विकास टीम
- अनुसंधान एवं विकास में 1,088 करोड़ का निवेश
- उभरती हुई प्रौद्योगिकी (ए.आई., बिग डेटा एनालिटिक्स, आई.ओ.टी.,
- 5जी वायरलेस कॉम्यूनिकेशन, रोबोटिक्स और कंप्यूटर विज़न, ए.आर./वी.आर. क्वांटम क्रिप्टोग्राफी) में सक्षमता

मानव पूंजी

- 8,832 कार्यरत कर्मचारी
- 21.7% महिला कर्मचारी
- 67,498 श्रम दिनों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया
- ₹ 8.52 करोड़ प्रशिक्षण एवं विकास पर खर्च किए गए

सामाजिक एवं संबंध पूंजी

- ₹ 57.48 करोड़ का सी.एस.आर. बजट
- रक्षा एवं गैर रक्षा ग्राहकों की गुणता आवश्यकताओं को पूर्ण करना

प्राकृतिक पूंजी

- सतत पहलों में ₹ 4.94 करोड़ का निवेश
- कुल 19 मे.वा. नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता (पवन ऊर्जा संयंत्र-13.9 मे.वा. और ग्रिड से जुड़े सौर पीवी बिजली संयंत्र: 5.1 एम.डब्ल्यू.पी.)
- वर्तमान वनीकरण क्षेत्र में 1,500 पौधे लगाए गए, 62 नए आर.ओ.एच.एस. अनुरूप घटक पेश किए गए।
- कुल 801 RoHS अनुरूप मानक लागू हैं।

मूल्य निर्धारण प्रक्रिया

ग्राहक आवश्यकताओं को पहचानना

- भारतीय सशस्त्र बलों के साथ संबंध एवं सहयोगात्मक कार्य
- वैश्विक ओ.ई.एम. एवं सरकारों के साथ सहयोगात्मक वचनबद्धता
- नवीनतम प्रौद्योगिकी और उभरती प्रवृत्तियों की जानकारी के साथ परिपूर्ण रहने के लिए हमारे अनुभव एवं विशेषज्ञता का लाभ उठाना

अनुसंधान एवं विकास

एक मजबूत इन-हाउस टीम द्वारा समर्थित नवाचार हमारी रणनीति के मूल में है, प्रौद्योगिकी के विकास में निवेश और बाहरी सहयोग से हमें प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्राप्त मिलती है

उत्पाद अभिकल्प, विकास और अभियांत्रिकी

- नवाचार और श्रमदक्ष उत्पाद परिकल्प
- आर. एंड डी. प्रक्रिया के माध्यम से प्राप्त प्रौद्योगिकी के साथ ग्राहक केंद्रित उत्पाद विकास
- सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट विशेषज्ञता महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजनाओं को सक्षम बनाती है
- प्रभाव क्षेत्र विशेषज्ञता, के साथ विकास एवं अभियांत्रिकी, क्षेत्र-सिद्ध, युद्ध-तैयार उत्पादों को साकार करना

परिणाम

उत्पाद/प्रक्रिया पर जीवन चक्र समर्थन प्रदान करना

- उत्पाद/प्रणाली की उच्च सेवा दक्षता को सुनिश्चित करने के लिए उत्पाद पर समर्थन एवं तकनीकी सहायता हेतु समर्थन केन्द्रों का विस्तृत नेटवर्क
- ग्राहक आवश्यकताओं के प्रति जवाबदेही

विनिर्माणन एवं गुणता आश्वासन

- आधुनिक विनिमार्णन एवं निरंतर संरचना उन्नयन द्वारा समर्थित प्रक्रिया, उत्पाद गुणता और संचालन उत्कृष्टता CII-EXIM बैंक व्यवसाय
- उत्कृष्टता मॉडल (रणनीति एवं संचालन उत्कृष्टता हेतु) और पूर्ण गुणता प्रबन्धन को अपनाना

बोली लगाना एवं संविदाकारी

- कंपनी-व्यापी एंटरप्राइज़ संसाधन योजना प्रणाली द्वारा समर्थित स्थापित प्रक्रियाएँ
- पारदर्शिता हेतु स्रोत आवश्यकताओं का अनुपालन

परिणाम

हम रक्षा और गैर-रक्षा क्षेत्रों के लिए विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक समाधान विकसित करते हैं।

निर्मित उत्पादों की विस्तृत जानकारी के लिए पृष्ठ 8 देखें।

वित्तीय पूंजी

- ₹ 17,333 करोड़ कुल कारोबार
- ₹ 4,048 करोड़ ई.बी.आई.टी.डी.ए.
- ₹ 3,640 करोड़ ई.बी.आई.टी.
- ₹ 3,007 करोड़ पी.ए.टी.
- ₹ 71,307 करोड़ बाजार पूंजीकरण
- ₹ 1,316 करोड़ लाभांश

विनिर्मित पूंजी

- स्वदेशी रूप से विकसित उत्पादों से 75इ कुल कारोबार
- रक्षा आपूर्तियों से 87इ का कुल कारोबार
- ₹ 17,731 करोड़ मूल्य का उत्पादन

बौद्धिक संपदा

- 62 नए उत्पाद प्रस्तावित
- ₹ 3,224 करोड़ आर. एंड डी. विकास मूल्यवर्धन
- 100 आई.पी.आर. स्वीकृत (पेटेंट-22, स्वत्वाधिकार-70, औद्योगिकी अभिकल्प-8)

मानव पूंजी

- प्रति कर्मचारी ₹ 1.96 करोड़ कुल कारोबार

सामाजिक एवं संबंध पूंजी

- संपूर्ण भारत में 12.5 लाख सी.एस.आर. लाभार्थी
- वर्ष के दौरान 1679 एम.एस.एम.ई. और स्टार्ट-अपों को समर्थन प्रदान किया
- एम.एस.ई. से 32% खरीद की गई

प्राकृतिक पूंजी

- प्राकृतिक संसाधन संरक्षण
- 25,840.55 मी.ट.CO2 उत्सर्जन रोका गया
- कार्बन क्षीण और ऑक्सीजन उत्पादन में वृद्धि
- खतरनाक अपशिष्ट के उत्पादन को कम किया
- संपूर्ण ऊर्जा उपभोग का 48.8इ हरित ऊर्जा होता है

हितधारी की वचनबद्धता

प्रभावी वचनबद्धता के साथ साझी सफलता

हितधारियों के साथ सतत वचनबद्धता हमारी सफलता के लिए महत्वपूर्ण है, जो हमें उनकी बढ़ती आवश्यकताओं को पहचानने और संबोधित करने के लिए तथा बाजार विकास में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने में सक्षम बनाता है । यह सहयोगात्मक दृष्टिकोण सशक्त संबंधों को बढ़ावा देता है, नवाचार को बढ़ावा देता है, और हमारी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति को सशक्त बनाता है, जिससे हम असाधारण मूल्य प्रदान करने में सक्षम होते हैं।

हितधारक	संदर्भित मामले	विनियोजन विधि	हम उनकी चिंताओं को कैसे दूर कर रहे हैं
शेयरधारक और निवेशक	▪ राजस्व, लाभप्रदता और ईपीएस में लगातार वृद्धि ▪ लाभांश, शेयर मूल्य प्रशंसा और बायबैक के माध्यम से रिटर्न ▪ पर्याप्त एवं समय पर जानकारी ▪ शेयरधारक बैठकों और निगमित संचालन निर्णयों में भागीदारी ▪ निदेशक मंडल के साथ नियोजन ▪ शेयरधारकों की शिकायतों को संबोधित करना	▪ त्रैमासिक, अर्धवार्षिक और वार्षिक परिणाम ▪ विश्लेषकों और निवेशकों की बैठक ▪ वार्षिक आम बैठक (एजीएम) ▪ प्रेस प्रकाशनी ▪ वार्षिक रिपोर्ट ▪ कंपनी की वेबसाइट	▪ सशक्त वित्तीय प्रदर्शन और नियमित लाभांश भुगतान प्रदान किया ▪ विकास के लिए रणनीतिक उपाय लागू किए ▪ त्रैमासिक, अर्धवार्षिक और वार्षिक वित्तीय परिणाम समय पर प्रस्तुत करना ▪ विश्लेषकों और निवेशकों की बैठक और एजीएम का आयोजन किया गया, जिससे प्रबंधन के साथ नियोजन हो सके ▪ शेयरधारकों को उनकी शिकायतों के समाधान के साथ-साथ ई-वोटिंग सुविधा भी प्रदान की गई ▪ स्टॉक एक्सचेंजों में अपेक्षित, पर्याप्त और समय पर जानकारी का प्रसार और कंपनी की वेबसाइट पर अद्यतन करना
रक्षा ग्राहक सेना, जल सेना, वाकु सेना, एम.ओ.डी. (अर्जन और संबंधित विभाग), डी.पी.एस.यू., सी.पी.एस.यू., नीजि कपनियां	▪ अत्याधुनिक उत्पादों और सेवाओं के स्वदेशी डिजाइन/विकास/विनिर्माण के माध्यम से समकालीन प्रौद्योगिकियों के साथ व्यापक समाधान ▪ प्रतिस्पर्धी मूल्य वाली परियोजनाओं की विश्वसनीयता ▪ उत्पादों और सेवाओं की समय पर डिलीवरी ▪ उत्पाद समर्थन/जीवन चक्र समर्थन/अप्रचलन प्रबंधन आदि। ▪ उन्नयन और जीवन विस्तार	▪ समसामयिक प्रौद्योगिकियाँ के साथ वर्तमान और भविष्य की आवश्यकताओं को समझने और नवीन, स्वदेशी समाधान प्रदान करने के लिए नियमित सहभागिता ▪ प्रमुख निर्णय निर्माताओं और ग्राहकों के अंतिम उपयोगकर्ताओं के साथ वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा आवधिक संस्थागत बैठकें ▪ वरिष्ठ प्रबंधन, विपणन, डी एंड ई, परियोजना टीमें नियमित रूप से अपने ग्राहक समकक्षों के साथ उनकी जरूरतों, आवश्यकताओं और समर्थन पर चर्चा करती हैं	▪ रणनीतिक साझेदारों के साथ आंतरिक विकास/सहयोग के माध्यम से आवश्यक समय-सीमा के साथ ग्राहक द्वारा पहचाने गए उत्पादों के अनुरूप इन-हाउस परियोजनाओं का शुभारंभ ▪ संयुक्त विकास/परियोजना समीक्षा बैठकों/विकास और अंतिम उपयोगकर्ता परीक्षणों में ग्राहकों को सहयोजित करना ▪ ग्राहक एजेंसियों के साथ विभिन्न स्तरों पर नियमित बातचीत के माध्यम से जहां आवश्यक हो, परियोजना पाठ्यक्रम सुधार के लिए विशेषज्ञ की सलाह लेना ▪ ग्राहक संतुष्टि को पूरा करने के लिए प्राथमिकता के साथ कार्यक्रम प्रबंधन तकनीकों, उत्पादन और गुणवत्ता आश्वासन प्रक्रियाओं, आपूर्ति श्रृंखला प्रक्रिया में सुधार के माध्यम से संविदात्मक समयरेखा और गुणवत्ता बनाए रखें। ▪ उत्पाद पर तकनीकी सहायता, आपूर्ति किए गए उपकरणों के उच्च सेवा स्तर, स्पेयर और सेवाएं प्रदान करने और अप्रचलन प्रबंधन को संबोधित करने के लिए साइट पर उपस्थिति बढ़ाने के लिए आरपीएससी की स्थापना और विस्तार करें। ▪ अंतिम उपयोगकर्ताओं के साथ ओएमओ जुड़ाव और उनके परिचालन का समाधान करना

हितधारक	संदर्भित मामले	विनियोजन विधि	हम उनकी चिंताओं को कैसे दूर कर रहे हैं
निर्यात ग्राहक विदेशी रक्षा मंत्रालय, होमलैंड सुरक्षा मंत्रालय, अन्य सरकारी/गैर-सरकारी एजेंसियां, ओईएम, आयात/निर्यात एजेंसियां	▪ टर्नकी समाधान के साथ क्षेत्र-सिद्ध उपकरण ▪ कार्यक्रम वित्तपोषित गुणता एवं विश्वसनीयता ▪ सहायता एवं रख-रखाव के लिए स्थानीय उपस्थिति	▪ आवश्यकताओं को समझने और संतोषजनक समाधान प्रस्तुत करने के लिए वन-टू-वन बैठकें, प्रस्तुतियाँ, डेमो ▪ विपणन/संपर्क, उत्पाद सहायता सेवाओं आदि के लिए स्थानीय कंपनियों के साथ साझेदारी करना।	▪ फोकस बाजारों में विदेशी विपणन कार्यालय ▪ विदेशी लक्षित बाजारों में रक्षा प्रदर्शनियों/संगोष्ठियों/ग्राहकों द्वारा आयोजित बैठकों में भागीदारी ▪ विपणन और उत्पाद सहायता सेवाओं के लिए स्थानीय कंपनियों के साथ समझौते
गैर-रक्षा ग्राहक ईएसआई, एमओएचयूए एम.एच.ए., मेट्रो ए.ए.आई., इसरो (एन.एस.आई.एल.) राज्य सरकार और अन्य सरकारी एजेंसियां	▪ आवश्यकताओं को समाधान में परिवर्तन ▪ समसामयिक प्रौद्योगिकियों और स्वदेशी विनिर्माण से युक्त उत्पाद/समाधान ▪ प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण, गुणवत्ता की विश्वसनीयता, आपूर्ति और समय पर कार्यान्वयन	▪ आवधिक एवं आवश्यकता आधारित वन-टू-वन/संस्थागत बैठकें ▪ आवश्यकताओं के समझने के लिए प्रौद्योगिकी/व्यापार वर्कशॉप ▪ क्षमताओं की स्थापना के लिए संप्रेषा, प्रस्तुतीकरण, विस्तारित परीक्षण एवं संकल्पना डेमो के साक्ष्य ▪ प्रदर्शनियों/संगोष्ठियों/कार्यशालाओं में भागीदारी	▪ पहचाने गए उत्पादों/समाधानों के लिए प्रमुख ग्राहकों के साथ समझौता ज्ञापन/सहयोग समझौते ▪ मेक इन इंडिया समाधान विकसित करने के लिए स्वदेशी आपूर्ति श्रृंखला भागीदारों को सम्मिलित करना ▪ संबंधित एसबीयू और निगमित प्रबंधन के साथ संपर्क में विलंब, उत्पाद सहायता मुद्दों और मूल्य निर्धारण की चिंताओं को संबोधित करना
कर्मचारी	▪ कल्याणकारी सुविधाएँ ▪ वेतन और लाभ ▪ कैरियर प्रगति ▪ स्वास्थ्य और सुरक्षा पहलू	▪ प्रवेशन एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम ▪ निष्पादन प्रबन्धन प्रणाली ▪ टाउन हॉल बैठकें एवं संवाद पत्रक ▪ पदोन्नति नीति एवं कल्याणकारी सुविधाएं ▪ चिकित्सा योजना ▪ प्रशिक्षण एवं विकास पहल ▪ पुरस्कार एवं पहचान (आर. एंडआर.)	▪ कैरियर बढ़ोत्तरी हेतु उच्चतर शिक्षा जैसे एम.टेक./एम.बी.ए. के लिए प्रायोजकता ▪ सम्मिलित हुए नए कार्यपालकों का मार्गदर्शन करना ▪ आर. एवं आर. कार्यक्रमों जैसे उत्कृष्टता पुरस्कार, आर. एंड डी पुरस्कार, आदि के माध्यम से अभिप्रेरणा एवं नियोजन के स्तर को बढ़ाना ▪ निष्पादन समुन्नति योजना ▪ क्रेच, यातायात, खेल एवं मनोरंजन, टाउनशिप आदि जैसी कल्याणकारी सुविधाएं ▪ भावनात्मक कल्याण को बढ़ावा देने के लिए `United We Care' ऐप का आरंभ ▪ मृत कर्मचारियों के परिवार के लिए मृत्यु अनुलाभ योजना और सहायक योजना (BESAFE)

हितधारक	संदर्भित मामले	विनियोजन विधि	हम उनकी चिंताओं को कैसे दूर कर रहे हैं
आपूर्तिकर्ता/विक्रेता/ संविदाकर्ता	▪ यथासमय भुगतान स्वीकृति/ अस्वीकृति स्थिति ▪ वस्तु की डिलीवरी स्थिति ▪ सामग्री एवं सेवाओं की आपूर्ति में पर्यावरण प्रबन्धन प्रणाली (एम.एम. एस.) का अनुपालन	▪ मद स्वीकृति/अस्वीकृति और भुगतान स्थिति का अद्यतन ▪ आपूर्ति के लिए प्राप्त वस्तुओं पर जानकारी ▪ खरीद आदेश के माध्यम से ई.एम. एस. जानकारी	▪ एस.आर.एम. पोर्टल पर डेटा अद्यतन और भुगतान स्थिति पर सिस्टम जनित ई-मेलों का अग्रेषण ▪ किसी भी अस्वीकृति के मामले में अतिरिक्त अनुवर्तन और कार्रवाई की सटीक रिपोर्ट उपलब्ध कराने के लिए विक्रेताओं को सिस्टम जनित मेल अग्रेषित की जाती हैं ▪ डिलीवरी के लिए प्राप्य वस्तुओं के लिए अग्रिम ई-मेल ▪ जागरूकता प्रशिक्षण प्रदान करना
रणनीतिक साझेदार	▪ बाजार मांग/पहचाने गए व्यावसायिक अवसर ▪ आपसी लाभ के लिए निर्यात, विकास, उत्पादन, और प्रौद्योगिकी सहित अनुसरणीय अवसरों के लिए सहयोग (क्षमता और संसाधन) ▪ जोखिम, निवेश और प्रत्याशित लाभों के निष्पक्ष वितरण	▪ वरिष्ठ प्रबंधन बैठकों को सक्रिय करने के लिए उद्योग/ग्राहक/जी-जी कार्यक्रमों में भागीदारी ▪ अवसरों की पहचान करने के लिए संभावित रणनीतिक साझेदार के साथ संस्थागत बैठकें ▪ संयुक्त कार्य स्तरीय समितियाँ ▪ संयुक्त विकास/उत्पादन के लिए परियोजना दल	▪ बाजार मांग/व्यावसायिक अवसरों के साथ स्वयं एवं रणनीतिक व्यापार साझेदार की व्यापार प्राथमिकताओं को संरेखित करना ▪ मूल्य सृजन के लिए मानर्थ सामर्थ्य एवं सहक्रिया तथा संयुक्त क्षमताओं और आधारभूत ढांचे की प्रभावी उपयोगिता ▪ जोखिमों, निवेशों और संभावित लाभों को साझा करने के साथ स्पष्ट रूप से परिभाषित भूमिकाएँ और जिम्मेदारियाँ ▪ क्षमता, अनुभव, वित्तीय, तकनीकी और विपणन शक्तियों तथा प्रौद्योगिकी परिपक्वता के संबंध में भागीदार चयन में सम्यक् तत्परता
समुदाय	▪ भूमि, जल एवं वायु प्रदूषण ▪ कल्याण और विकासात्मक हस्तक्षेप ▪ पर्यावरण स्थिरता	▪ साइनबोर्ड के माध्यम से जागरूकता ▪ सीएसआर और स्थिरता नीतियां ▪ समुदाय के साथ बातचीत/ स्थानीय प्रशासन प्रभाव मूल्यांकन सर्वेक्षण	▪ संबंधित विनियमों का अनुपालन ▪ सीएसआर और स्थिरता नीतियां लागू ▪ कार्य योजना पर विचार-विमर्श करने के लिए आवश्यकता-आधारित मूल्यांकन सर्वेक्षण किया और स्थानीय प्रशासन से आवश्यक अनुमोदन प्राप्त किया ▪ प्रमुख सामुदायिक हितधारकों के साथ नियमित बातचीत सुनिश्चित की गई ▪ लाभार्थियों द्वारा व्यक्त की गई प्रतिक्रिया को संबोधित करने का कार्य किया गया ▪ बोर्ड की सीएसआर समिति और सीएसआर निगरानी समिति द्वारा साइट निरीक्षण
सरकार एवं विनियामक निकाय	▪ लागू कानूनों, विनियमों का अनुपालन ▪ सामुदायिक विकास और रोजगार सृजन ▪ राष्ट्रीय आर्थिक विकास में योगदान	▪ प्रदर्शनियों ▪ नियमित बैठकें एवं समीक्षाएँ ▪ सरकारी पहलों में भाग लेना	▪ लागू कानूनों, विनियमों और नीतियों का अनुपालन ▪ बुनियादी ढांचे के विकास में निवेश, भारत के आर्थिक विकास के लिए योगदान ▪ हमारी गतिविधियों को 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसी सरकारी पहलों के साथ संरेखित करें

जोखिम प्रबंधन

हमारे परिचालन परिवेश में जोखिमों को कम करना

मुख्य रूप से रक्षा क्षेत्र में काम करते हुए, हमारे व्यवसाय को भू-राजनीतिक विविधताओं, परस्पर आपूर्ति श्रृंखलाओं, विकसित होती प्रौद्योगिकियों और रणनीतिक व्यापार नियंत्रण नियमों से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। हम अच्छी तरह से परिभाषित नीतियों और प्रक्रियाओं के साथ हमारे सशक्त उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचे द्वारा समर्थित सक्रिय योजना और कार्यों के माध्यम से ऐसे जोखिमों से सामना करते हैं। यह एक लचीला एवं सतत व्यवसाय मॉडल और अवसरों का लाभ उठाने की क्षमता को सक्षम बनाता है ।

जोखिम प्रबंधन के लिए दृष्टिकोण

हमारे मजबूत उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचे को इन पहलों की देखरेख करने वाले निदेशक मंडल द्वारा रेखांकित किया गया है, जिसमें जोखिम प्रबंधन समिति और उप-समितियों जैसी समर्पित समितियां हैं, जिनमें से प्रत्येक को विशिष्ट भूमिकाएं और जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उनका प्राथमिक उद्देश्य जोखिमों के प्रबंधन के लिए शमन उपायों की पहचान करना, मूल्यांकन करना, प्राथमिकता देना और लगातार लागू करना है।

प्रमुख जोखिम एवं न्यूनीकरण क्रिया

प्रौद्योगिकी जोखिम

प्रौद्योगिकी हमें वांतरिक्ष और रक्षा क्षेत्रों में विशिष्ट बनाती है। उपलब्ध प्रौद्योगिकी की एक विस्तृत श्रृंखला के साथ ग्राहकों की प्राथमिकताओं के आधार पर उपकरण, प्रणाली और प्लेटफ़ॉर्म में सटीक को सम्मिलित करने की आवश्यकता है । ग्राहकों की प्राथमिकताओं और समयसीमा के साथ प्रौद्योगिकी की असंगति या गलत संरेखण, संसाधन हानि और व्यावसायिक प्रभाव का कारण बन सकता है।

न्यूनीकरण कार्रवाई

- हम प्रौद्योगिकी/उत्पाद विकास के साथ-साथ विकास और स्वीकृति परीक्षणों के दौरान अंतिम उपयोगकर्ताओं/ग्राहकों को सहयोजित करते हैं। उत्पाद विकास प्रक्रिया के हिस्से के रूप में समीक्षा, पुनर्मूल्यांकन और आवश्यक परिवर्तनों को शामिल करें।
- हम महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकियों के घरेलू या सहयोगात्मक (राष्ट्रीय अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, शिक्षा जगत और स्टार्ट-अप के साथ) विकास पर ध्यान केंद्रित करते हैं। यह अधिक नियंत्रण सक्षम बनाता है और कई प्रौद्योगिकियों के एकीकरण की सुविधा प्रदान करता है।
- हम अपेक्षित प्रौद्योगिकियों के विकास/अधिग्रहण के लिए नए मॉडल तलाशते हैं, जिससे अधिक कुशल और प्रभावी प्रौद्योगिकी अधिग्रहण प्रक्रियाएं संभव हो सकें।

प्रतिस्पर्धी भू-दृश्य निर्माण

निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा कई नीतिगत पहलों और बजटीय आवंटन के साथ घरेलू रक्षा औद्योगिक आधार के विकास को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इनके परिणामस्वरूप घरेलू रक्षा बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, जो कुछ क्षेत्रों में हमारी बाजार स्थिति को प्रभावित कर सकती है।

न्यूनीकरण कार्रवाई

- हम सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची से उभरने वाले अवसरों को संयुक्त रूप से संबोधित करने के लिए सह-विकास, विनिर्माण आदि के लिए घरेलू निजी रक्षा संस्थाओं के साथ रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा देते हैं।
- हम उच्च-मूल्य और उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पादों/रणनीतिक प्रणालियों के घरेलू विकास पर जोर देते हैं।
- हम घरेलू बाजारों पर निर्भरता को कम करने के लिए निर्यात बाजारों की खोज सहित उत्पाद और बाजार विविधीकरण रणनीतियों को अपनाते हैं।

कच्चे माल/घटक आदानों में जोखिम

आपूर्ति श्रृंखला समाप्त होने, लंबे समय तक चलने तथा कच्चे माल की कीमतों में वृद्धि के कारण विक्रेता द्वारा चूक करने जैसे कारकों के कारण इनपुट सामग्री/घटकों की प्राप्ति में संभावित देरी।

न्यूनीकरण कार्रवाई

- हम लगातार महत्वपूर्ण घटकों के लिए स्रोत चैनलों का विस्तार कर रहे हैं, और प्रभाव को कम करने के लिए वैकल्पिक विक्रेताओं, और संभार और माल ढुलाई चैनलों की पहचान कर रहे हैं।
- हम तैयार उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए लंबे समय तक चलने वाले घटकों/कच्चे माल के आवश्यक स्टॉक को प्री-ऑर्डर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- हम निश्चित ग्राहक ऑर्डर की प्रत्याशा में अग्रिम खरीद में लगे रहते हैं और सभी खरीद-पूर्व ऑर्डर गतिविधियों को पहले ही पूरा कर लेते हैं। यह खरीद प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है और संभावित विलंब को कम करता है।

रणनीति

दीर्घ अवधि वृद्धि के लिए प्राथमिकताओं की पहचान करना

रणनीतिक कार्रवाई

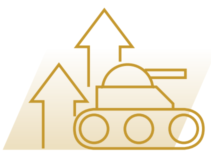

मुख्य रक्षा व्यवसाय बढ़ाएँ

मुख्य रक्षा व्यवसाय और गैर-रक्षा व्यवसाय को भी बढ़ाएं और सुधारें जो मुख्य व्यवसाय में योगदान दे सकते हैं

कृत कार्रवाई

- उत्पाद/प्रौद्योगिकी उन्नयन और नए उत्पाद विकास में निवेश करना
- भविष्य की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए निर्माण और सशक्त बुनियादी ढांचे का संवर्द्धन/आधुनिकीकरण करना
- परिचालन को बढ़ाने के लिए नए विनिर्माण संयंत्रों में निवेश करना

गैर-रक्षा खंड का निर्माण करें

मौजूदा संचालन के साथ-साथ विविधीकरण के लिए नए व्यवसायों में प्रवेश करने के लिए संबद्ध व्यापार क्षेत्रों और बाजारों में प्रवेश करने की क्षमता प्रणाली का विस्तार करें

कृत कार्रवाई

- गैर-रक्षा व्यवसाय को बढ़ाने के लिए ग्राहकों की आवश्यकताओं के अनुरूप नए व्यवसाय मॉडल जैसे कि GOCO, OPEX मॉडल आदि में उद्यम करना
- एएआई और दिल्ली मेट्रो के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिससे ऐसे और अधिक नागरिक आदेशों के लिए अवसर खुले

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में हमने अपनी व्यापक प्रौद्योगिकी और उत्पाद/समाधान विकास विशेषज्ञता के साथ भारत के रक्षा परिदृश्य में एक इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग कंपनी के रूप में एक प्रमुख स्थान स्थापित किया है। भारत सरकार की मेक इन इंडिया पहल से बढ़ते अवसरों और भारत को वैश्विक प्रमुखता मिलने के साथ, हमने विकास को बढ़ाने के लिए रक्षा और गैर-रक्षा व्यवसाय दोनों के निम्नलिखित वैक्टरों का एक बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है।

निर्यात व्यापार विस्तार

निर्यात व्यवसाय में विविधता लाने और उसे बढ़ाने के लिए भौगोलिक पदचिह्न का विस्तार करें

कृत कार्रवाई

- नए बाजारों में उत्पादों और सेवाओं की पहुंच का विस्तार करने और ऑफसेट अवसरों का पता लगाने के लिए कई अंतर्राष्ट्रीय विपणन कार्यालयों का लाभ उठाना
- नये भौगोलिक क्षेत्रों में नये विपणन कार्यालय खोलने के अवसरों की पहचान करना
- बाज़ार की दृश्यता बढ़ाने के लिए निरंतर सहभागिता, स्थानीय सहयोग और प्रदर्शनियों में भागीदारी करना

अनुसंधान एवं विकास में निवेश

भविष्य के व्यावसायिक विकास के अनुरूप प्रौद्योगिकी/उत्पाद विकास के लिए अनुसंधान एवं विकास में निरंतर निवेश

कृत कार्रवाई

- अनुसंधान एवं विकास में अनेक दृष्टिकोण अपनाए गए
- डिजाइन एजेंसियों, शिक्षाविदों, स्टार्ट-अप्स, उद्योग (पीएसयू/निजी), वैश्विक ओईएम आदि सहित समाधानों के सहयोगात्मक विकास के लिए साझेदारी बढ़ाने पर निरंतर ध्यान केंद्रित किया गया।
- उभरते ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए भविष्य की प्रौद्योगिकियों को विकसित करने की क्षमताएं बनाने और विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में उत्कृष्टता केंद्र बनाने में निवेश करना।
- उत्पाद भेदभाव और बाजार विस्तार के लिए दोहरे उपयोग वाली प्रौद्योगिकियों का उपयोग करके ग्राहकों को कस्टम समाधान प्रदान करना

भविष्य के लिए सशक्त वित्तीय आधार का निर्माण

वित्तीय पूंजी

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में, हम सभी हितधारकों के लिए मूल्य बनाने के साथ-साथ शेयरधारकों के रिटर्न को अनुकूलित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। हम व्यापार से अधिशेष को अधिकतम करने और नए विकास के अवसरों को अनलॉक करने के लिए कुशल धन प्रबंधन और सही क्षेत्रों में तैनाती सुनिश्चित करते हैं।

यू.एन. एस.डी.जी

8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH

स्वस्थ वित्तीय प्रदर्शन प्रदान करना

वित्तीय वर्ष 2022-23 में, विभिन्न वैश्विक चुनौतियों के बावजूद बीईएल ने लचीला प्रदर्शन किया। वर्ष के लिए हमारा टर्नओवर (बिक्री और सेवाएँ) ₹17,333 करोड़ था, जो पिछले वर्ष की तुलना में 15.22% की वृद्धि और 11.43% 5-वर्षीय सीएजीआर है। हमारी ऑर्डर बुक स्थिति पिछले वर्ष की तुलना में 5.42% बढ़कर ₹60,690 करोड़ हो गई।

लागत नियंत्रण और बेहतर दक्षता पर विशेष ध्यान देने के साथ, हम स्वस्थ लाभप्रदता भी बनाए रखते हैं। ईबीआईटीडीए 23% मार्जिन के साथ 22% बढ़कर ₹ 4,048 करोड़ हो गया। पीएटी 28% बढ़कर ₹3,007 करोड़ हो गया। ईपीएस पिछले वर्ष के 3.21 से बढ़कर 4.11 हो गया।

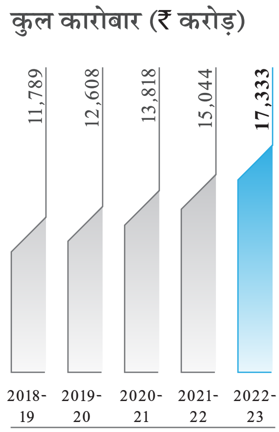

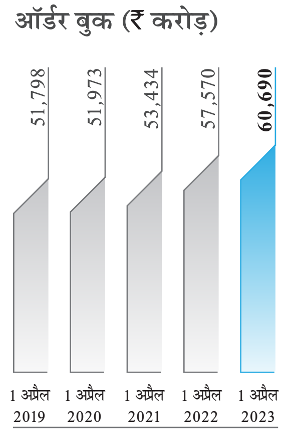

निवल मूल्य (₹ करोड़)

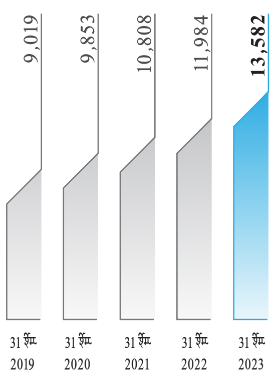

निर्यात (यू.एस.डी मिलीयन)

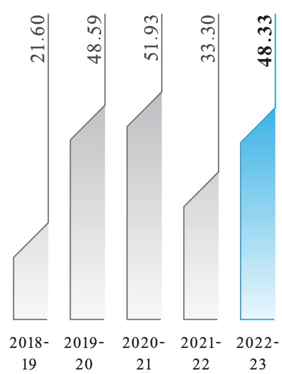

ईबीआईटीडीए (₹ करोड़) एवं ईबीआईटीडीए मार्जिन (%)

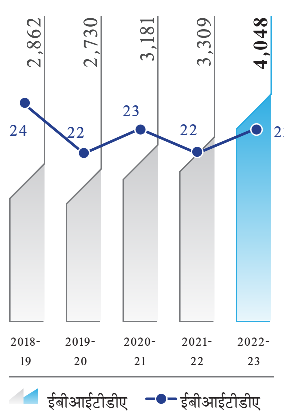

पीएटी (₹ करोड़) एवं पीएटी मार्जिन(%)

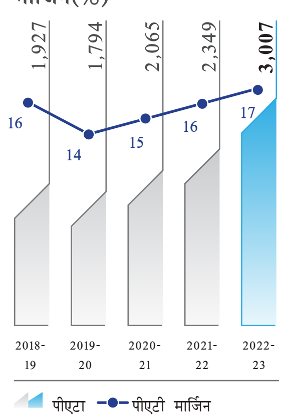

आय प्रति शेयर (₹)*

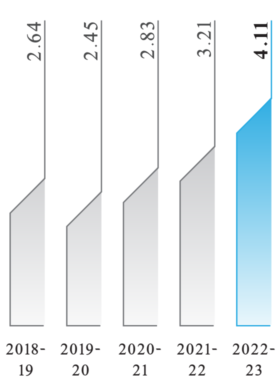

विवित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने के परिणामस्वरूप गत सभी अवधियों के लिए ईपीएस समायोजित किया गया

शेयरधारकों के लिए सृजित मूल्य

हम अपने शेयरधारकों को स्वस्थ रिटर्न देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और हमारे पास लगातार लाभांश भुगतान का ट्रैक रिकॉर्ड है। मुख्य रक्षा व्यवसाय को बढ़ाने और गैर-रक्षा और निर्यात व्यवसाय का विस्तार करने के हमारे निरंतर प्रयासों के साथ, हम दीर्घकालिक विकास की नींव रख रहे हैं।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में, हम बाजार पूंजीकरण में 80,000 करोड़ रुपये के ऐतिहासिक आंकड़े को पार करने वाले पहले रक्षा सा.क्षे.उ. बन गए। वर्ष के लिए कुल लाभांश भुगतान ₹1,316 करोड़ रहा, जो वित्तीय वर्ष 2021-22 की तुलना में 20% अधिक है। इसके अतिरिक्त, कंपनी ने 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर भी जारी किए (प्रत्येक एक शेयर के लिए दो बोनस इक्विटी शेयर)।

लाभांश वितरण (₹ करोड़)

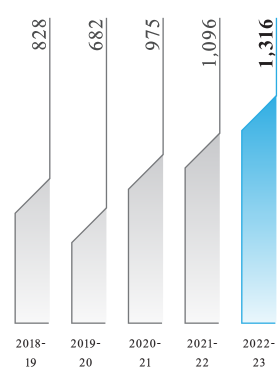

बाजार पूंजीकरण (₹ करोड़)

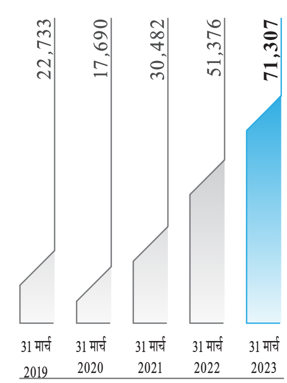

विनिर्माण उत्कृष्टता और क्षमताओं को सतत रूप से बढ़ाना

विनिर्मित पूंजी

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में, हमने अपनी आधुनिक प्रौद्योगिकियों, बुनियादी ढांचे और सर्वोत्तम प्रक्रियाओं के नेतृत्व में भारत के रक्षा क्षेत्र और वैश्विक ग्राहकों के लिए एक महत्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता के रूप में अपनी प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाया है जो बेहतर परिचालन मापदंडों को सुनिश्चित करता है। स्वदेशीकरण प्रयासों में सबसे आगे रहने और वैश्विक मांग को पूरा करने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हमने नवीनतम तकनीकी और उत्पाद प्रगति के साथ संरेखित प्रमुख विस्तार और आधुनिकीकरण परियोजनाएं शुरू की हैं।

यू.एन. एस.डी.जी

हमारी विनिर्माण उत्कृष्टता को सुदृढ़ करना

हमारे पास अत्याधुनिक विनिर्माण सुविधाएं हैं जो 25 एसबीयू का समर्थन करती हैं। ये सभी यूनिट विश्व स्तरीय प्रक्रिया और स्थिरता मानकों का पालन करती हैं और कुशल प्रौद्योगिकियों से सुसज्जित हैं। यह हमें गुणवत्ता, दक्षता और लागत प्रतिस्पर्धात्मकता के मामले में प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त प्रदान करता है। इसके अलावा, टिकाऊ प्रथाओं, कार्बन फुटप्रिंट को कम करने और हरित भविष्य में योगदान देने के हमारे निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप ग्रीन चैनल प्रमाणन प्राप्त हुआ।

उत्कृष्टता की दिशा में अपने प्रयासों को जारी रखते हुए, वित्तीय वर्ष 2022-23 में, हमने क्षमता विस्तार और परिचालन मापदंडों को बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण निवेश किया। इसमे शामिल है-

- मौजूदा और नई प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिए कैपेक्स
- ड्राइविंग परिचालन उत्कृष्टता

वित्तीय वर्ष 2022-23 में बीईएल में विनिर्माण उत्कृष्टता

07
पुरस्कार प्राप्त

उत्पादन के मूल्य का
₹ 17,731 करोड़

वर्तमान और नई प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिए कैपेक्स

हमारे समाधान वैश्विक स्तर पर रक्षा और गैर-रक्षा क्षेत्रों में मजबूत पकड़ देख रहे हैं। बढ़ती मांग को पूरा करने और वर्तमान और नई प्रौद्योगिकियों का समर्थन करने के लिए, हमने विभिन्न रणनीतिक क्षमता निर्माण परियोजनाओं में कुल ₹541 करोड़ का निवेश किया।

ड्राइविंग परिचालन उत्कृष्टता

वित्तीय वर्ष 2022-23 में शुरू की गई कुछ प्रमुख परिचालन उत्कृष्टता और गुणवत्ता संबंधी पहल इस प्रकार हैं-

- मछिलिपट्नम में हमारे आगामी संयंत्र और बैंगलोर कॉम्प्लेक्स के केंद्रीय गुणता आश्वासन में उद्योग 4.0 / गुणवत्ता 4.0 पर पायलट परियोजनाओं का अध्ययन, अन्वेषण, कार्यान्वयन किया गया।
- मौजूदा पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली (ईएमएस) के साथ एकीकृत व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (ओएचएसएमएस)।

बीईएल में गुणता उत्कृष्टता

ISO 9001:2015 और
ISO 14001:2015
सभी यूनिट/एसबीयू/प्रभाग परीक्षण सुविधाएं

ISO 13485:2016
निर्यात विनिर्माण एसबीयू-बेंगलूरु

ISO 27001:2013
13 यूनिट/एसबीयू/प्रभाग

ISO 45001:2018
गाजियाबाद, बेंगलुरु और कोटद्वार यूनिट

ISO 20000-1
सॉफ्टवेयर एसबीयू-बेंगलुरु

AS9100D
19 यूनिट/एसबीयू

CMMi लेवल 5
सॉफ्टवेयर एसबीयू-बेंगलुरु, हैदराबाद यूनिट और सीआरएल-गाज़ियाबाद

CMMi लेवल 3 चेन्नई यूनिट, डीसीसीएस और एनसीएस एसबीयू - गाजियाबाद यूनिट

Confederation of Indian Industry
गाजियाबाद यूनिट ने 2022 में CII EXIM बैंक बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड और रोल मॉडल संगठन के लिए प्रशस्ति जीती

12 यूनिटों/एसबीयू द्वारा निर्मित 65 उत्पादों की आपूर्ति के लिए डीजीक्यूए से 22 ग्रीन चैनल स्टेटस सर्टिफिकेटआपूर्ति

नवप्रवर्तन और प्रौद्योगिकी के साथ प्रगति को बढ़ावा देन

बौद्धिक पूंजी

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में, हमने दशकों की संचित बौद्धिक पूंजी द्वारा समर्थित मजबूत अनुसंधान एवं विकास दक्षताएं स्थापित की हैं। यह महत्वपूर्ण नवाचारों और तकनीकी प्रगति को सक्षम बनाता है, जिससे हम रक्षा स्वदेशीकरण, ऑफसेट और बढ़ते निर्यात के सरकार के दृष्टिकोण को पूरा करने में अग्रणी बन जाते हैं। हम विश्व स्तर पर ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रतिस्पर्धी रूप से भी तैनात हैं।

यून एसडीज

7 AFFORDABLE AND CLEAN ENERGY
8 DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH
9 INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE
11 SUSTAINABLE CITIES AND COMMUNITIES
12 RESPONSIBLE CONSUMPTION AND PRODUCTION

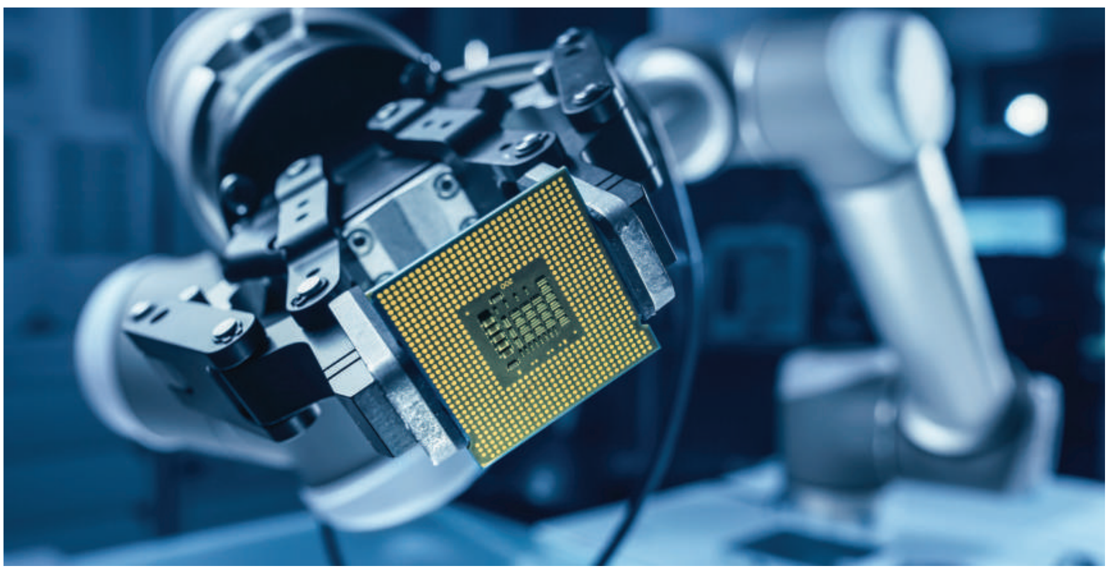

बीईएल अनुसंधान एवं विकास केन्द्र

सी.आर.एल., बेंगलुरू और गाजियाबाद

कार्यक्षेत्र- अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के विकास और मुख्य प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त अनुसंधान के लिए ब्लू स्काई अनुसंधान

उत्कृष्टता केन्द्र

(सैन्य संचार प्रणालियों, रेडार और हथियार प्रणालियों, और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और फोटोनिक्स के लिए)

कार्यक्षेत्र: भारतीय रक्षा बलों की मेक-छ्छ परियोजनाओं को संबोधित करना, उत्पादों, प्रणालियों और प्रणालियों के सिस्टम में कोर प्रौद्योगिकी मॉड्यूल के सिस्टम कॉन्फ़िगरेशन और इंजीनियरिंग को संबोधित करना

केंद्रीकृत पीडी एंड आईसी बेंगलूरू

कार्यक्षेत्र: नए उत्पाद का विकास

डी एंड ई-

कार्यक्षेत्र: हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर मॉड्यूल सहित अंतिम उपयोगकर्ताओं के लिए व्यावसायिक प्रासंगिक प्रणाली और प्रणाली समाधान विकसित करना। यह प्रौद्योगिकी मॉड्यूल और उपप्रणाली, मूल्यांकन और परीक्षण विकसित करने और अप्रचलन प्रबंधन सहित तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए सीआरएल, पीडी एंड आईसी, सीओई और सहयोगी आर एंड डी भागीदारों का भी समर्थन लेता है।

बीईएल में आर एंड डी उत्कृष्टता

360 संचयी आईपीआर स्वीकृत/पंजीकृत (पेटेंट- 46, स्वत्वाधिकार: 301, औद्योगिक अभिकल्प: 10, एसआईसीएलडी: 1, व्यापार चिन्ह: 2)

वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रतिष्ठित सम्मेलनों, सेमिनारों और पत्रिकाओं में अं.एवं वि./डी. एवं ई. वैज्ञानिकों/अभियंताओं द्वारा **79** पेपर प्रस्तुत और प्रकाशित किए गए।

वर्ष 2022-23 में **242** आईपीआर आवेदन दर्ज किए (पेटेंट- 121, स्वत्वाधिकार: 110, औद्योगिक अभिकल्प: 6, एसआईसीएलडी: 4, व्यापार चिन्ह: 1)

संयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास के लिए **309** नामिकागत साझेदार । साझेदारों को अनुसंधान एवं विकास समाधान प्रदाता: 39, अभिकल्प सेवा प्रदाता: 198, परामर्शदाता: 40 और सुरक्षा सेवा प्रदाता: 39 के अंतर्गत श्रेणीगत किया है, जिसमें से 7 साझेदारों को दो श्रेणी में नामिकागत किया गया है ।

सहयोगी अनुसंधान एवं विकास नेटवर्क को सशक्त करना

बीईएल में, रणनीतिक साझेदारी हमारी अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को मजबूत करने और नए उत्पादों के लिए उभरती प्रौद्योगिकियों में तेजी से निर्माण क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण रही है। हमारे नेटवर्क में रक्षा अनुसंधान प्रयोगशालाएं, राष्ट्रीय प्रयोगशालाएं, डी.पी.एस.यू.एस, डी.आई.ओ. आई.डी.ई.एक्स, एकेडेमिया, स्टार्टअप, विशिष्ट प्रौद्योगिकी कंपनियाँ, प्रतिष्ठित वैश्विक ओ.ई.एम. और भारतीय कंपनियां/एजेंसियां सम्मिलित हैं।

वित्तीय वर्ष 2022-23 में, हमने नए रणनीतिक गठबंधनों में प्रवेश करके अनुसंधान एवं विकास क्षमताओं को और सशक्त किया। इसमें सम्मिलित है-

रणनीतिक साझेदार	सहयोग के क्षेत्र
एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (AWEIL)	भारतीय रक्षा और निर्यात बाजार के लिए वायु रक्षा बंदूकें, तोपखाने बंदूकें और उन्नयन का संयुक्त विकास और उत्पादन
आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड (AVNL), चेन्नई	भारतीय रक्षा और निर्यात बाजार के लिए बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों (ए.एफवी) और वेरिएंट और उन्नयन का संयुक्त विकास और उत्पादन
मुनिशन्स इंडिया लिमिटेड (MIL)	गोला-बारूद और संबंधित उत्पादों के लिए मेक इन इंडिया कार्यक्रमों के लिए सहयोग
साफरन इलेक्ट्रिानिक्स एंड डिफेंस	नौसेना प्लेटफार्मों, सटीक गाइड युद्ध सामग्री (पीजीएम) आदि के लिए सेंसर का घरेलू निर्माण/उन्नयन।
आई.ए.आई., इज़राइल	हथियार प्रणालियों का घरेलू निर्माण
एयरोनॉटिकल डिज़ाइन एजेंसी (ADA), बेंगलुरु	उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान (एएमसीए) के लिए ऑनबोर्ड कंप्यूटर (आईडब्ल्यूबीसी) और अन्य एलआरयू का संयुक्त विकास
हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड	नौसेना प्लेटफार्मों, मानव रहित अंडरवाटर सिस्टम आदि के लिए उप प्रणालियों का संयुक्त विकास और विनिर्माण।
माझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड, मुंबई	जहाज निर्माण, पनडुब्बी कार्यक्रमों और अन्य प्लेटफार्मों के लिए आवश्यक स्वदेशी सामग्रियों/उपकरणों का संयुक्त विकास और विनिर्माण
भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरू	आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) के क्षेत्रों में सहयोग करें और काम करें
भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण, दिल्ली	इंटीग्रेटेड एयर ट्रैफिक मैनेजमेंट (एटीएम) ऑटोमेशन सिस्टम और एडवांस सर्फेस मूवमेंट एंड गाइडेंस कंट्रोल सिस्टम (एएसएमजीसीएस) के लिए संयुक्त विकास
कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय	डिजिटल खेती/कृषि के लिए समाधान विकसित करें
स्मिथ्स डिटेक्शन सिस्टम प्रा.लि.	उच्च ऊर्जा स्कैनर का घरेलू विनिर्माण और आपूर्ति

अनुसंधान एवं विकास दक्षताओं को सुदृढ़ करना

अनुसंधान एवं विकास हमारा विभेदक क्षेत्र है, हम दक्षताओं को और बढ़ाने के लिए अपने अनुसंधान एवं विकास बुनियादी ढांचे और प्रक्रियाओं को बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास करते रहते हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान शुरू की गई कुछ प्रमुख पहल इस प्रकार हैं:

- ऑनलाइन आरएंडडी फ्लैश और आईपीआर प्रक्रिया वर्कफ़्लो और आरएंडडी डैशबोर्ड सहित बीईएल ईआरपी सिस्टम पर सूचना कैप्चर के साथ लाइव होना।
- त्वरित परियोजना अनुमोदन के लिए, बोर्ड/आरएंडडी समिति नोट्स के लिए मानकीकृत प्रारूपों सहित, अनुसंधान एवं विकास परियोजना अनुमोदन के लिए सुव्यवस्थित अनुमोदन प्रक्रिया और बढ़ी हुई शक्तियां।
- सीआरएल-गाजियाबाद को अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) तथा अनुसंधान एवं प्रौद्योगिकी (आरएंडटी) के रूप में दो कार्यक्षेत्रों में पुनर्गठित किया गया।
- प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना तथा अनुसंधान एवं विकास/नवाचार प्रकोष्ठ स्थापित करना। वर्तमान में, कोच्चि में अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ (सोनार व सिमुलेटर के लिए) तथा आईआईटी मद्रास अनुसंधान पार्क (संचार प्रणालियों के लिए) ने मुख्य प्रौद्योगिकी मॉड्यूल विकसित किए हैं और कार्यगत हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 में अनुसंधान एवं विकास प्रयासों को आगे बढ़ाना

वित्त वर्ष 2022-23 में, हमने 83 उत्पादों के विकास के साथ अनुसंधान एवं विकास पहल में लगातार प्रगति की है। इनमें शामिल हैं: (i) एयरबोर्न डेटा लिंक रेडियो संचार के लिए कॉम्पैक्ट रग्ड मोनोपोल पैच एंटीना (ii) एआई-आधारित कॉम्पैक्ट ब्रेल एम्बॉसर (iii) पानी के भीतर वाहनों का पता लगाने और स्थिति निर्धारित करने के लिए एकीकृत ट्रांसपोंडर प्रणाली और विधि के साथ ध्वनिक पिंगर (iv) वास्तविक समय कुंजी वितरण प्रणाली के लिए वास्तुकला (v) सोनार इमेजिंग सिम्युलेटर के लिए अनुपात-अस्थायी पद्धति।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताओं को मजबूत करने में महत्वपूर्ण प्रगति हासिल हुई है। हमने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए बीईएल-इंडियन नेवी इनक्यूबेशन सेल (आईएनआईसीएआई) की स्थापना की और एआई-एमएल पर आईआईएससी बेंगलुरु के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसके लिए परियोजनाएं शुरू की गई हैं। वर्तमान में हम विभिन्न एआई-आधारित परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं जिनमें शामिल हैं: (i) एकीकृत फसल उपज पूर्वानुमान के साथ डिजिटल कृषि मंच (ii) एआई-सक्षम अनुकूली यातायात सिग्नल नियंत्रण समाधान (iii) यातायात नियम प्रवर्तन विश्लेषिकी (iv) कूड़ा-करकट का पता लगाना (v) दुर्घटना/वाहन खराबी का पता लगाना (vi) एआई-आधारित सतह लक्ष्य वर्गीकरण (vii) उपग्रह निगरानी प्रणाली (viii) हेक्सापॉड की गतिकी (ix) एआई-आधारित वीडियो विश्लेषिकी ।

बीईएल को वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 22 पेटेंट प्रदान किए गए, जिनमें शामिल हैं:

- वीवीपैट प्रणाली।
- उन्नत लेज़र रेज़ोनेटर।
- टीडब्ल्यूएस रडार के लिए व्युत्पन्न किनेमेटिक्स का उपयोग कर स्वचालित ट्रैक आरंभ।
- रैखिक एंटीना सरणियों के प्रतिक्रियाशील क्षेत्र में बेंच स्तर पर विकिरण पैटर्न का मापन।
- बहु-म डेटा शब्दों के लिए चक्रीय अतिरेक जाँच की गणना करने की विधि।
- डेटाबेस कुंजी बाधाओं का उपयोग करके तालिका पंक्ति डेटा को निर्यात और आयात करने की प्रणाली और विधि।
- राडार में सीमा अस्पष्टता सुधार के लिए कच्चे वीडियो को संसाधित करने की एक विधि।
- डिजिटल रूप से ट्यून करने योग्य लघु फ़िल्टर। एक कॉम्पैक्ट पुन: विन्यास योग्य और पूरी तरह से स्केलेबल एंटीना बीम स्टीयरिंग नियंत्रक।

अनुसंधान एवं विकास निवेश (₹ करोड़)

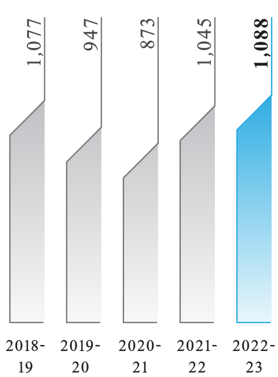

प्रतिभा विकास में नए कीर्तिमान स्थापित करना

मानव पूंजी

वर्तमान में तेजी से विकसित हो रहे और प्रतिस्पर्धी व्यावसायिक परिदृश्य में, कार्यबल की पूरी क्षमता को उजागर करना प्रतिस्पर्धी बढ़त हासिल करने की कुंजी है। प्रतिभा विकास में अग्रणी होकर, हम एक समावेशी और प्रदर्शन-उन्मुख संस्कृति को बढ़ावा देते हैं जो सीखने, नवाचार और सशक्तिकरण को प्रोत्साहित करती है।हमारा मजबूत कर्मचारी मूल्य प्रस्ताव शीर्ष प्रतिभा को काम पर रखने, शामिल करने और बनाए रखने, एक सकारात्मक नियोक्ता ब्रांड को आकार देने और समग्र कर्मचारी अनुभव को बढ़ाने पर केंद्रित है।

UN SDGs

वित्त वर्ष 2022-23 में की गई प्रमुख कर्मचारी-संबंधी पहल जिनमें शामिल हैं-

अधिगम एवं विकास

बीईएल में, हम विभिन्न शिक्षण और विकास पहलों के माध्यम से प्रतिस्पर्धी और भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के विकास पर जोर देते हैं। निरंतर सीखना और नेतृत्व विकास हमारी संस्कृति के मूल में है और व्यवसाय वृद्धि के लिए एक प्रमुख प्रवर्तक है। हम प्रबंधन विकास कार्यक्रम, प्रमाणन कार्यक्रम और नेतृत्व कार्यक्रम जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से सभी डोमेन और श्रेणियों के अधिकारियों में तकनीकी, कार्यात्मक, व्यवहारिक और नेतृत्व क्षमता बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इन्हें आंतरिक रूप से विषय विशेषज्ञों के माध्यम से और बाह्य रूप से आईआईएम, आईआईटी जैसे प्रमुख संस्थानों और वैश्विक परामर्श फर्मों के माध्यम से आयोजित किया जाता है।

हमारी कुछ प्रमुख शिक्षण और विकास पहलों में शामिल हैं-

बीईएल उत्कृष्टता अकादमी (बीएई)

यह अत्याधुनिक समर्पित अकादमी सभी स्तरों के अधिकारियों के लिए व्यवहारिक, कार्यात्मक, गुणवत्ता और प्रौद्योगिकी डोमेन में दक्षता विकसित करने के लिए सहकारिता कार्यक्रम प्रदान करती है। इसमें विशिष्ट केन्द्रित क्षेत्रों पर अधिक जोर दिया गया है और इसमें उन्नत नेतृत्व कार्यक्रम, रणनीति निर्माण और प्रतिस्पर्धी बुद्धिमत्ता, नेतृत्व त्वरण कार्यक्रम, कोचिंग अनिवार्यताएं, प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाणन पाठ्यक्रम, डेटा साइंस इंजीनियरिंग में एम.टेक कार्यक्रम, विभिन्न प्रौद्योगिकी डोमेन में प्रमाणन पाठ्यक्रम प्रक्रिया नियंत्रण एवं गुणवत्ता संबंधी प्रमाणपत्र जैसे कार्यक्रम शामिल हैं।

कार्पोरेट मानव संसाधन विकास

यह सभी यूनिटों और ग्रेडों में वरिष्ठ अधिकारियों के लिए प्रमुख कार्यक्रम, नेतृत्व विकास, रणनीति निर्माण कार्यशालाएं और कार्यकारी प्रशिक्षण सहित कार्यक्रम आयोजित करता है।

सीखने एवं विकास के लिए केंद्र

यह सभी यूनिटों में गैर-कार्यकारियों और बेंगलुरु यूनिट के प्रशिक्षु प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करता है, साथ ही कौशल विकास की पहल भी करता है।

यूनिट एचआरडी

यह संबंधित यूनिटों की प्रशिक्षण आवश्यकता को पूरा करता है जो अधिकारियों और गैर-कार्यकारियों दोनों को कवर करने वाली यूनिटों/एसबीयू के विशिष्ट व्यवसाय की ओर उन्मुख हैं।

कर्मचारी से जुड़ाव एवं कल्याण

कर्मचारी कल्याण का समग्र व्यावसायिक प्रदर्शन पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। बीईएल में, हम मानते हैं कि हमारे कर्मचारी हमारे व्यवसाय के विकास और सफलता के मूल में हैं, और उन्हें प्रेरित करने के लिए विभिन्न जुड़ाव एवं कल्याण पहल करते हैं।

कर्मचारी अनुभव को बेहतर बनाने की दिशा में एक और कदम उठाते हुए, हमने हाल ही में मेसर्स यूनाइटेड वी केयर कॉर्पोरेशन के सहयोग से एक कर्मचारी सहायता मोबाइल एप्लिकेशन "प्रोग्राम फॉर इमोशनल वेलनेस एंड एनरिचमेंट (पावर)" लॉन्च किया है। इस कार्यक्रम के साथ, हम भावनात्मक चुनौतियों और चिंताओं पर काबू पाने के लिए व्यक्तिगत सहायता और संसाधन प्रदान करके अपने कर्मचारियों के जीवन को समृद्ध बनाने का इरादा रखते हैं, जिससे उन्हें समग्र कल्याण प्राप्त करने में सक्षम बनाया जा सके।

यह कार्यक्रम हमारे सभी स्थायी कर्मचारियों और उनके आश्रितों के लिए शुरू किया गया है, जो उन्हें समग्र कल्याण से संबंधित उपकरणों और हस्तक्षेपों की एक विस्तृत श्रृंखला तक असीमित 24x7 पहुंच प्रदान करता है। इसके अलावा, वे पूर्ण गोपनीयता के आश्वासन के साथ जीवन प्रशिक्षकों, मनोवैज्ञानिकों, मनोचिकित्सकों, कल्याण विशेषज्ञों और पोषण विशेषज्ञों से विशेषज्ञ सलाह ले सकते हैं।

इसके अतिरिक्त, हम बीईएल ऑफिसर्स क्लब के माध्यम से कई मनोरंजन और जीवनशैली सुविधाएं प्रदान करते हैं, जो कर्मचारी संतुष्टि सूचकांक में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। कर्मचारियों के बीच मेलजोल बढ़ाने और मानसिक और शारीरिक कल्याण सुनिश्चित करने के लिए खेल प्रतियोगिताएं और खेलकूद-प्रतियोगिता आयोजित की जाती हैं।

प्रदर्शन प्रबंधन

हमारे पास एक सुपरिभाषित प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली (पीएमएस) है जो कर्मचारी के प्रदर्शन को संगठन के रणनीतिक उद्देश्यों के साथ संरेखित करती है। बीईएल व्यवहार योग्यता मॉडल के साथ एकीकृत, यह कर्मचारी विकास और कैरियर की प्रगति पर केंद्रित है। त्रैमासिक प्रदर्शन समीक्षा और फीडबैक तंत्र अधिकारियों को कार्य प्राथमिकताओं को संरेखित करने और परिणामों में लगातार सुधार करने में मदद करते हैं। पीएमएस को हमारे आईटी प्लेटफॉर्म के माध्यम से सक्षम किया गया है, जिससे प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता आती है।

विविधता एवं समावेशन

हम एक 'समावेशी कार्य संस्कृति मॉडल' में विश्वास करते हैं, जो हमारी सफलता की कुंजी है और कर्मचारी जुड़ाव और उत्पादकता में उल्लेखनीय वृद्धि करता है। इस पर ध्यान केंद्रित करते हुए, हमने एक कार्यबल बनाया है जिसमें उम्र, धर्म, जातीयता, लिंग और संस्कृति के संदर्भ में विभिन्न पृष्ठभूमि के कर्मचारी शामिल हैं। हम अपने भर्ती, पदोन्नति विकासात्मक कार्यक्रमों में समान और निष्पक्ष अवसर सुनिश्चित करते हैं। हम ऐसे माहौल और संस्कृति को बढ़ावा देने का भी प्रयास करते हैं जहां सभी कर्मचारी मूल्यवान महसूस करें।

उत्तराधिकार योजना

हमारे पास एक मजबूत उत्तराधिकार प्रबंधन योजना है, जिसका उद्देश्य कंपनी की वर्तमान और भविष्य की नेतृत्व आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एक सफलता या पूल बनाना है। यह तंत्र महत्वपूर्ण/वरिष्ठ पदों के लिए नेताओं की व्यवस्थित पहचान और विकास के माध्यम से निरंतर उच्च प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। उत्तराधिकार योजना हमारी पदोन्नति नीति और प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली का एक अभिन्न अंग है। बीई एकेडमी ऑफ एक्सीलेंस-नालंदा में एक समर्पित नेतृत्व विंग है जो भविष्य में नेतृत्व की भूमिकाओं के लिए उच्च क्षमता वाले अधिकारियों को तैयार करता है।

स्वास्थ्य एवं सुरक्षा

बीईएल में हम मानते हैं कि हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य उनकी उत्पादकता पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। बिना किसी जोखिम के सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए, हमने मजबूत सुरक्षा और स्वास्थ्य नीति विकसित की है जिसमें वित्तीय, प्राकृतिक, सामाजिक और कानूनी पहलू शामिल हैं। यह नीति स्वस्थ कामकाजी परिस्थितियाँ प्रदान करने, खतरों को दूर करके व्यावसायिक दुर्घटनाओं से बचने और एक सुरक्षित कार्य वातावरण बनाने के लिए तैयार की गई है। हम सभी कर्मचारियों को औद्योगिक सुरक्षा और व्यावसायिक स्वास्थ्य पर शिक्षित करने के लिए समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करते हैं। हम उनके शारीरिक और भावनात्मक कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए उचित कदम उठाते हैं और सभी कर्मचारियों और उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को व्यापक चिकित्सा कवरेज प्रदान करते हैं।

बीईएल में विविधता

कर्मचारी अनुसार

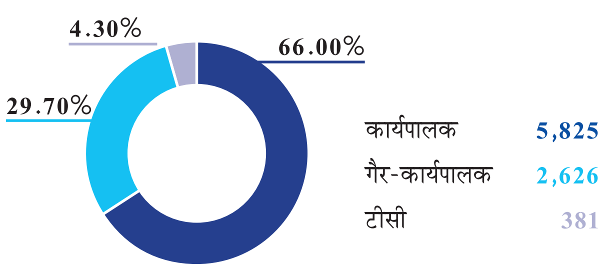

कर्मचारी संरचना अनुसार

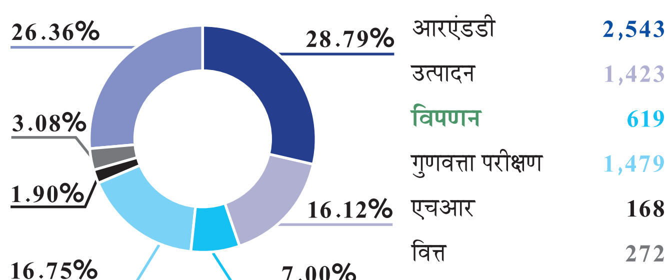

लिंग अनुसार कर्मचारी

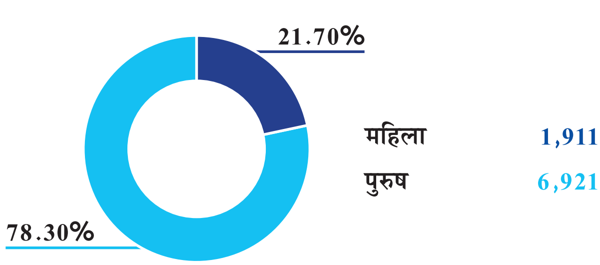

सामाजिक-आर्थिक समूह अनुसार कर्मचारी

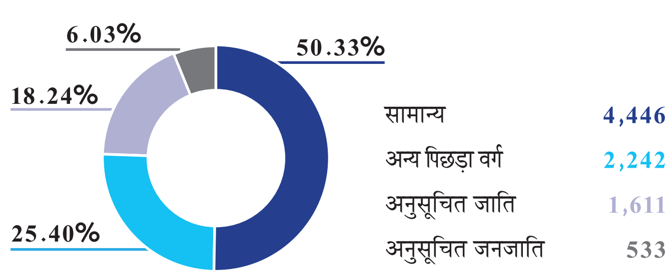

अच्छा करते हुए बेहतर करना

सामाजिक एवं संबंधगत पूंजी

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में, सफलता लाभप्रदता के दायरे से आगे बढ़कर 'सामाजिक उत्तरदायित्वों को पूरा करने का प्रयास' के मूल मूल्य तक फैली हुई है। हमारे सामुदायिक हस्तक्षेप विकास, संस्था निर्माण और स्थिरता संबंधी पहलों पर केंद्रित हैं। क्षमता-विकास उपायों को लागू करके, और हाशिए पर एवं वंचित समुदायों को सशक्त बनाकर, हम समावेशी विकास तथा न्यायसंगत-सामाजिक विकास के लिए प्रयास करते हैं।

UN SDGs

तेलंगाना के अपनाए गए गांव चौदाम्मागुट्टाथांडा में सरकारी मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय के लिए सीएसआर के हिस्से के रूप में बीईएल द्वारा निर्मित नई इमारत को सौंपते हुए।

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड में सीएसआर केंद्रित क्षेत्र

शिक्षा
सरकारी स्कूलों में पढ़ाई का अनुकूल माहौल बनाना

ग्रामीण विकास
गोद लिए गए नौ गांवों में विकास संबंधी हस्तक्षेप लागू करना तथा युवाओं एवं छात्रों के लिए कौशल प्रशिक्षण की सुविधा प्रदान करना।

स्वास्थ्य सेवा
सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे और सरकारी स्कूलों में स्वच्छता सुविधाओं को बढ़ाना

वित्त वर्ष 2022-23 में सीएसआर प्रभाव

₹ 57.48 करोड़
सीएसआर आवंटन

12.5 करोड़
सभी कार्यक्रमों में लाभार्थी

वित्त वर्ष 2022-23 में शुरू की गईं सीएसआर पहल

बीईएल द्वारा सिविल अस्पताल, सेक्टर-6, पंचकुला को दान स्वरूप लैप्रोस्कोपिक सिस्टम के साथ हाई-एंड, 4 हज़ार यूएचडी कैमरे को सौंपते हुए।

स्वास्थ्य सेवा बुनियादी ढांचे को बढ़ाना

हमने मानवता की सेवा और सामाजिक प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के अपने सिद्धांतों का लाभ उठाते हुए, भारत भर के दूरदराज के सरकारी अस्पतालों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रित हस्तक्षेप किया है। पहल के एक भाग के रूप में, ग्रामीण आबादी को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से एक मोबाइल मिनी अस्पताल, कुमुरम भीम आसिफाबाद आकांक्षी जिले, तेलंगाना में संचालित किया गया था।

हमने उत्तराखंड के कुमाऊं क्षेत्र के एक सरकारी अस्पताल में एक अत्याधुनिक कार्डियक कैथ लैब स्थापित करने के लिए भी कदम उठाए हैं। इसके अतिरिक्त, विकलांग व्यक्तियों को उनकी गतिशीलता को सुविधाजनक बनाने के लिए सहायक सामग्री और उपकरण प्रदान किए गए।

बीईएल द्वारा सरकारी जिला एमएमजी अस्पताल, गाजियाबाद को दान की गई एफेरेसिस मशीन सड़क परिवहन एवं राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल वी.के. सिंह की उपस्थिति में सौंपी गई।

बीईएल द्वारा कर्नाटक के आकांक्षी जिले रायचूर और यादगीर में, दिव्यांग व्यक्तियों (पीडब्ल्यूडी) को सहायक सामग्री एवं उपकरण वितरित किए गए।

बेहतर सीखने के लिए नए रास्ते बनाना

शिक्षा हमारे लिए एक केंद्रित क्षेत्र है। हम बच्चों को सीखने के लिए प्रोत्साहित करने वाला एक अनुकूल वातावरण बनाने की दिशा में स्कूलों को उनके बुनियादी ढांचे को उन्नत करने में सहायता करते हैं। वर्ष के दौरान, हमने दूरदराज के सरकारी स्कूलों में छात्रों को कंप्यूटर के बिना कोडिंग/प्रोग्रामिंग सीखने में सक्षम बनाने के लिए अभिनव स्व-शिक्षण कोडिंग किट भी प्रदान की।

आंध्र प्रदेश के सैनिक स्कूल, कोरुकोंडा, में बीईएल द्वारा स्थापित 25 स्मार्ट क्लासरूम में से एक।

युवाओं को कौशलयुक्त एवं सशक्त बनाना

हमने युवाओं और छात्रों को सशक्त बनाने और उन्हें रोजगारपरक बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों को अपनाया है। इस दिशा में, हमने तकनीकी और रोजगार कौशल पर प्रशिक्षण प्रदान किया और उन्हें बेहतर आजीविका सुरक्षित करने में मदद करने के लिए उद्योग के प्रदर्शन की सुविधा प्रदान की।

सतत पर्यावरणीय प्रथाएँ

हमने जल भंडार को बढ़ाने, मानव और जीव-जन्तु के संघर्ष को कम करने के लिए चेक-डैम प्रदान तथा सौर ऊर्जा संचालित बोरवेल स्थापित करके मालेमहादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों के आरक्षित वन क्षेत्र में जल निकाय का कायाकल्प किया। इसके अलावा, हमने शहरी जल प्रबंधन के लिए दोड्डाबोम्मासंद्रा झील का कायाकल्प भी किया गया। हमारे प्रयासों में वनस्पतियों और जीवों में सुधार, भूजल पुनर्भरण और झील में सीवेज जल के निपटान को रोकने के लिए 10 एमएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का संचालन और रखरखाव शामिल था।

बीईएल सरकारी स्कूलों में नवोन्मेषी शिक्षा को प्रोत्साहित करता है

में छात्र बीईएल द्वारा प्रायोजित प्रोगेम किट का उपयोग करके ठकंप्यूटर के बगैर कोडठ करना सीखते हुए।

STEM विषयों और सामाजिक अध्ययन में प्रोगेम को शामिल करने के लिए शिक्षकों को प्रशिक्षण देने के साथ-साथ जिले के सरकारी उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालयों को ये किट प्रदान की गईं। इसके अलावा, छात्रों को साथियों को पढ़ाने के लिए सशक्त बनाने के लिए मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षित किया जा रहा है। कक्षा 6 से 10 तक के लगभग 42,000 छात्र प्रोग्रामिंग लॉजिक को कोड करना और विकसित करना सीख रहे हैं।

परियोजना परिणाम:

- बेहतर रचनात्मक सोच और तार्किक तर्क कौशल वाले सशक्त शिक्षक और उत्साही छात्र।
- सीखना मनोरंजक और संवादात्मक हो जाता है, जिससे रचनात्मकता और संचार कौशल का विकास होता है।
- छात्रों को प्रौद्योगिकी-उन्मुख मानसिकता के साथ तैयार किया जाता है, जो उन्हें संभावित आईटी करियर के लिए तैयार करता है।
- प्रौद्योगिकी क्षेत्र में स्थानीय उद्यमिता के विकास को सुगम बनाना।

10,610

'प्रो गेम' कोडिंग किट प्रदान की गईं

42,000

विद्यार्थी लाभार्थी

समस्या विवरण-

कुमुराम भीम आसिफाबाद मुख्य रूप से आदिवासी आबादी वाला तेलंगाना का एक पिछड़ा जिला है और इसे नीति आयोग द्वारा एक आकांक्षी जिले के रूप में पहचाना गया है। इसकी साक्षरता दर कम है, और अधिकांश बच्चे स्कूल जाने वाली पहली पीढ़ी हैं। सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए व्यवहार में बदलाव और शिक्षा प्रक्रिया को मज़ेदार और संवादात्मक बनाना आवश्यक था।

इस दिशा में, जिला प्रशासन ने वर्तमान समय में इसके महत्व को देखते हुए और संरचित एवं तार्किक सोच को बढ़ावा देने के लिए सरकार के उच्च प्राथमिक और उच्च विद्यालयों में 'कोडिंग कौशल' शुरू करने का निर्णय लिया। हालाँकि, अधिकांश सरकारी स्कूलों में कंप्यूटर नहीं थे।

बीईएल समाधान-

बीईएल ने एक स्व-शिक्षण कोडिंग किट प्रो गेम पेश किया, जो प्रोग्रामिंग को गेम में बदल देती है। इस पेटेंट किए गए, कम लागत वाले नवाचार में एक प्रोगेम बोर्ड, कोडिंग ब्लॉक, रंगीन स्प्राइट (अक्षर), बैकड्रॉप और एंड्रॉइड के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन शामिल है। छात्रों को पारंपरिक कंप्यूटर के बिना कोडिंग/प्रोग्रामिंग सीखने में सक्षम बनाना, कंप्यूटर प्रोग्रामिंग की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो बच्चों को भविष्य के लिए तैयार करता है।

बीईएल ने सीएसआर के तहत शिक्षा क्षेत्र में विकासात्मक हस्तक्षेप शुरू करने के लिए जिला समाहरणालय, आसिफाबाद आकांक्षा जिले के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

ग्रह का नवप्रवर्तन - सकारात्मक भविष्य

प्राकृतिक पूंजी

हम एकीकृत और नियोजित प्रयासों के माध्यम से सतत विकास को सक्षम करने की अपनी जिम्मेदारियों से अवगत हैं। पिछले कुछ वर्षों में, हमने संसाधन प्रबंधन, जल और अपशिष्ट प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण और गैर-पारंपरिक ऊर्जा उपयोग में घरेलू विशेषज्ञता स्थापित की है। इनके समर्थन से, हम आर्थिक, पारिस्थितिक और सामाजिक उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए सक्रिय रूप से विभिन्न कार्यक्रम चला रहे हैं। हम स्थिरता प्रदर्शन में नए मानक स्थापित करने के लिए अपनी विशेषज्ञता को विकसित करना जारी रखेंगे।

UN SDGs

पर्यावरण का संरक्षण

हमने स्वच्छ और पर्यावरण-अनुकूल वातावरण के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करते हुए, अपने परिचालन में स्थिरता को एकीकृत किया है। हमारी यूनिट पर्यावरण-अनुकूल प्रक्रियाओं के लिए प्रतिबद्ध हैं, उनका मानना है कि यह समावेशी विकास को बढ़ावा देती है। हमने सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) दिशानिर्देशों के अनुसार लक्ष्य निर्धारित किए हैं, और पूरे उत्पाद जीवनचक्र में पर्यावरणीय प्रदर्शन में सुधार के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया है। प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण और पर्यावरणीय उत्कृष्टता के लिए प्रयास करना सभी बीईएल यूनिटों की सतत प्रतिबद्धता है।

स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के साथ सतत विनिर्माण

हम अपने विनिर्माण में स्वच्छ प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हैं जिसमें प्रदूषण को रोकने और निरंतर उन्नयन सुनिश्चित करने के लिए ओजोन-अनुकूल रेफ्रिजरेटर का उपयोग शामिल है, जिसके परिणामस्वरूप प्रदूषण में उल्लेखनीय कमी आई है। हमारे अनुसंधान एवं विकास विभाग लगातार पर्यावरण-अनुकूल घटकों और प्रक्रियाओं का पता लगाते हैं, जबकि हमारा कार्पोरेट मानक विभाग कुछ खतरनाक पदार्थों के प्रतिबंध (आरओएचएस) दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करता है जो यूरोपीय और अन्य अंतरराष्ट्रीय निर्देशों का अनुपालन करते हैं।

पर्यावरण निष्पादन वित्तीय वर्ष2022-23

62 नए RoHS-अनुपालक घटक पेश किए गए।

इलेक्ट्रॉनिक/इलेक्ट्रिकल/मैकेनिकल घटकों और कच्चे माल के क्षेत्रों के लिए **801** RoHS-अनुपालक मानक मौजूद हैं।

नवीकरणीय ऊर्जा द्वारा समर्थित **25,840.55** टन CO2e को रोका गया।

पवन और सौर ऊर्जा संयंत्रों से **277** लाख यूनिट नवीकरणीय ऊर्जा उत्पन्न हुई।

बायो-मिथेनेशन संयंत्र में उत्पन्न गैस से खाना पकाने में प्रतिदिन **50** एससीएम पीएनजी की बचत।

आरओ जल उत्पन्न करने के लिए **525 घन मीटर** वर्षा जल का संचयन किया गया।

बेंगलुरू परिसर में **हरित आवरण,** जिसमें लगभग ।5,18,000 वर्ग मीटर लॉन, 23,000 मीटर की बाड़ें और 1,41,000 पेड़ शामिल हैं।

ऊर्जा खपत का अनुकूलन

कर्नाटक में हमारी कुल स्थापित क्षमता 13.9 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र और सभी यूनिटों में 5.1 मेगावाट पावर ग्रिड से जुड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र है। इनसे क्रमशः 223.17 लाख यूनिट और 54 लाख यूनिट ऊर्जा उत्पन्न हुई है, जो हमारी कुल ऊर्जा खपत में 48.8३ का योगदान देती है। हम यात्रा-संबंधी उत्सर्जन को रोकने के लिए वर्चुअल मीटिंग को भी प्रोत्साहित करते हैं। अगले दो वर्षों में अतिरिक्त 4 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र और 320 किलोवाट सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की योजना है। अन्य यूनिटों (ओयू) के विभिन्न विभागों में 60 नंबर स्प्लिट एसी को स्टार रेटिंग स्प्लिट एसी से बदलने की भी योजना बनाई गई है, जो 57 टन कार्बन फुटप्रिंट में कमी की उम्मीद करता है, यह पहल लगभग 1,114,660 किलोवाट प्रति वर्ष की ऊर्जा बचत में योगदान देती है।

अगले दो वर्षों में अतिरिक्त 4 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र और 320 किलोवाट सौर संयंत्र स्थापित करने की योजना है।

वित्त वर्ष 2022-23 में कार्बन फ़ूटप्रिंट प्रबंधन पहल

- ऊर्जा-कुशल रेट्रोफिटिंग - एलईडी लाइटें, DALI (डिजिटल एड्रेसेबल लाइटिंग इंटरफेस) प्रकाश नियंत्रण प्रणाली, दिन के उजाले के लिए रोशनदान पाइप, कार्बन फुटप्रिंट और जल फुटप्रिंट को कम करना।
- सभी नई इमारतों में हरित भवन अवधारणा शुरू की गई; भविष्य की इमारतें GRIHA रेटिंग (एकीकृत आवास मूल्यांकन के लिए ग्रीन रेटिंग) के अनुरूप होंगी।
- 496.8 किलोवाट क्षमता का सोलर प्लांट स्थापित किया गया।
- 36 डब्ल्यू ल्यूमिनेयर की 50 सेंसर-आधारित एलईडी लाइटें और 30 टाइमर-आधारित एलईडी स्ट्रीट लाइट और पार्किंग लाइट स्थापित की गईं
- मौजूदा 1.6 एमवीए ट्रांसफार्मर को ऊर्जा दक्षता स्तर 2 ट्रांसफार्मर, 110वाटएलईडी की 60 संख्या के साथ 250 वाट की पारंपरिक लाइटें, 300 संख्या में एलईडी लैंप के साथ विद्युत पैनल के पारंपरिक लैंप, और 60वाट के पारंपरिक दीवार पंखे के साथ 275 संख्या में 32वाटबीएलडीसी पंखे के साथ प्रतिस्थापित किया गया।
- हैंगर क्षेत्र में 48 प्राकृतिक प्रकाश परावर्तक स्थापित किये गये।
- 3-स्टार रेटेड इन्वर्टर एसी की 40 संख्या स्थापित की गई है, 1 कार (ई-वाहन) आधिकारिक उपयोग के लिए खरीदी गई है।

परिवेशीय वायु गुणवत्ता बनाए रखना

वायु उत्सर्जन की लगातार निगरानी और नियंत्रण के लिए हमारे पास उपयुक्त वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरण हैं। इसके अलावा, हम वायु उत्सर्जन को निकालने के लिए हल्के वैक्यूम (नकारात्मक) दबाव के साथ पेंट बूथ संचालित करने और मोटी परत चढ़ाने जैसे प्रयास करते हैं और गैसीय प्रक्रिया उत्सर्जन जारी होने से पहले उत्सर्जन के उपचार के लिए गीले स्क्रबर का उपयोग करते हैं। कुछ प्रक्रियाएं सोल्डर धुएं को खींचने के लिए प्लेटिंग बाथ के लिए सक्शन फिल्टर का भी उपयोग करती हैं। ये उपाय यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारा उत्सर्जन प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (पीसीबी) द्वारा निर्धारित निर्वहन मानकों के भीतर है।

प्रभावी अपशिष्ट जल प्रबंधन सुनिश्चित करना

हम कम रासायनिक खपत के साथ प्रभावी विषहरण सुनिश्चित करने के लिए विनिर्माण प्रक्रिया में उत्पन्न अपशिष्ट जल को अलग करने और उनका उचित उपचार करने का कार्य करते हैं। उपचारित पानी को पुनर्चक्रित किया जाता है और उत्पादन और बागवानी उद्देश्यों के लिए पुन: उपयोग किया जाता है।

दोहरी पाइपलाइन प्रणाली सभी नई इमारतों के डिजाइन का एक हिस्सा है, जिसमें पांच सितारा गृह-रेटेड बीईएल अकादमी फॉर एक्सीलेंस और सी-टाइप आवासीय क्षेत्र शामिल हैं। हमारे बेंगलुरु कॉम्प्लेक्स ने 2.7 एमएलडी की 2 संचयी क्षमता वाले सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) और एक एसटीपी के संचालन के माध्यम से जल-सकारात्मक स्थिति हासिल की है, जो 10 एमएलडी सीवेज को उपचारित करता है और स्थानीय बेंगलुरु झील को फिर से जीवंत करता है।10 एमएलडी एसटीपी से 2 एमएलडी उपचारित पानी का उपयोग बीईएल बागवानी और अन्य अनुप्रयोगों के लिए किया जाता है।

इसके अलावा, हाल ही में कोटद्वार यूनिट में 300 केएलडी क्षमता का एक सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट शुरू किया गया है और उपचारित पानी का उपयोग कारखाने, टाउनशिप और एसटीपी क्षेत्र के अंदर बागवानी के लिए किया जा रहा है।

बीईएल के बैंगलोर परिसर में केंद्रीकृत प्रवाह उपचार संयंत्र

परिपत्र अर्थव्यवस्था पर ध्यान केंद्रित करना

खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन प्रणाली

हम खतरनाक अपशिष्टों को संभालने के लिए कमी, पुन: उपयोग, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के सिद्धांत का पालन करते हैं। उपयुक्त रसायनों, प्रक्रियाओं और स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के उपयोग से खतरनाक अपशिष्ट उत्पादन को काफी हद तक कम किया गया है और गैल्वनाइजिंग और कॉपर प्लेटिंग प्रक्रियाओं में साइनाइड के उपयोग को भी समाप्त कर दिया गया है। सभी खतरनाक कचरे को एक विशेष, अच्छी तरह से संरक्षित क्षेत्र में सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जाता है और प्रभावी निपटान या पीसीबी-अधिकृत सुविधाओं में रीसाइक्लिंग के लिए भेजा जाता है। वित्त वर्ष 2022-23 में, हमने सौर संयंत्र में एचएफ ऑक्साइड नक़्क़ाशी प्रक्रिया में आईपीए के उपयोग को समाप्त कर दिया।

बायोमेडिकल अपशिष्ट

बीईएल अस्पताल, कॉलोनी और चिकित्सा केंद्रों में उत्पन्न बायोमेडिकल कचरे को एकत्र किया जाता है और नियामक आवश्यकताओं के अनुसार वैज्ञानिक रूप से निपटान किया जाता है।

ई-अपशिष्ट प्रबंधन

हम विनिर्माण के दौरान उत्पन्न इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट को अलग करते हैं, संग्रहीत करते हैं और वैज्ञानिक प्रसंस्करण, पुनर्प्राप्ति, पुनर्चक्रण और निपटान के लिए अधिकृत एजेंसियों को सौंपते हैं। इसमें कंप्यूटर और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं सहित उनके जीवन समाप्ति होने तक इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट शामिल हैं। हम इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों के लिए विस्तारित निर्माता उत्तरदायित्व को भी बढ़ावा देते हैं, ई-कचरे के सुरक्षित प्रबंधन के लिए निपटान दिशानिर्देश प्रदान करते हैं, और RoHS-अनुपालक सामग्रियों के उपयोग को बढ़ाने का लक्ष्य रखते हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

हमने ठोस अपशिष्ट को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए विभिन्न प्रौद्योगिकियों में निवेश किया है। इसमें हमारी कॉलोनी में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले भोजन और हरित कचरे का प्रबंधन करने के लिए 1.0 टन का जैविक अपशिष्ट कनवर्टर और 2.0 टन का बायो-मेथेनेशन संयंत्र शामिल है जो फैक्ट्री कैंटीन से खाद्य अपशिष्ट को लगभग 50एण्श्इन्ड प्रति दिन बायोगैस में परिवर्तित करता है। सूखी पत्तियों का खाद बनाने के लिए कोटद्वार यूनिट में तीन वर्मी कम्पोस्ट पिट स्थापित किए गए हैं (दो कारखाने में और एक उपनगर में) जिसका उपयोग बागवानी उद्देश्यों के लिए किया जाता है। लैंडफिल करने योग्य अपशिष्ट को संचालन के क्षेत्रों में एक अच्छी तरह से स्थापित ठोस अपशिष्ट उपचार सुविधा में भेजा जाता है।

मीठे पानी की खपत का अनुकूलन

हम जल ऑडिट और ऑटोमेशन सिस्टम, कुशल डिशवॉशिंग सिस्टम और स्वाइल वॉटर के उपयोग सहित विभिन्न परियोजनाओं को लागू करके जल संरक्षण प्राप्त करते हैं। इसके परिणामस्वरूप हर साल पानी की खपत में लगातार कमी आ रही है।सभी यूनिटों में वर्षा जल संचयन सुविधाएं हैं; बेंगलुरु यूनिट की क्षमता 170 मिलियन लीटर है और अनुमानित वार्षिक उपज लगभग 234 मिलियन लीटर है।वर्षा जल पुनर्भरण और नवोन्वेषी बोरवेल पुनर्भरण विधियों से भूजल में सुधार हुआ है। इसके अलावा, अन्य यूनिटों (ओयू) में 23 पुनर्भरण गड्ढों के निर्माण से वर्षा जल संचयन के लिए 21,000 वर्ग मीटर का क्षेत्र कवर किया गया है।

ऑन-साइट आपातकालीन योजनाओं और प्रणालियों को सुनिश्चित करना

हमारे पास बहु-विषयक कार्य दल द्वारा समर्थित आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया योजनाएँ हैं। टास्क फोर्स, रिपोर्ट, अग्निशमन, सुरक्षा, परिवहन और चिकित्सा टीमों को शामिल करते हुए समय-समय पर मॉक ड्रिल आयोजित की जाती है। इन अभ्यासों की योजना की निगरानी वरिष्ठ प्रबंधन द्वारा की जाती है। घटना नियंत्रक बचाव दल के साथ समन्वय करते हैं और घटनाओं के बाद सामान्य स्थिति बहाल करते हैं।

बीईएल यूनिटों में स्वच्छ और हरित वातावरण।

शासन

जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण अपनाना

बीईएल में, हम अपने परिचालन के सभी पहलुओं में नैतिक आचरण, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करके जिम्मेदार कार्पोरेट प्रथाओं को बनाए रखने के लिए समर्पित हैं। यह प्रतिबद्धता हमारे सभी हितधारकों के हितों की रक्षा करने में मदद करती है और हमारी दीर्घकालिक सफलता और सभी के लिए मूल्य बनाने की क्षमता को भी प्रेरित करती है।

पारदर्शिता और नैतिक आचरण

बीईएल में सकारात्मक और भरोसेमंद कार्य वातावरण बनाने के लिए पारदर्शिता और नैतिकता आवश्यक है। हम व्यावसायिकता, ईमानदारी और नैतिक व्यवहार के उच्चतम मानकों को अपनाकर अपने मामलों को निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से संचालित करने में दृढ़ता से विश्वास करते हैं। खुले संवाद को प्रोत्साहित किया जाता है, जिससे कर्मचारियों को अपने विचारों और मामलों को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने की अनुमति मिलती है।

हमारे पास कैरियर उन्नति, प्रदर्शन प्रबंधन और अन्य क्षेत्रों के संबंध में अच्छी तरह से परिभाषित नीतियां हैं, जो SAMVAD पोर्टल के माध्यम से सभी कर्मचारियों के लिए आसानी से उपलब्ध हैं। हमारी प्रदर्शन प्रबंधन प्रणाली भी ई-सक्षम है, जो पारदर्शिता और निरंतर सुधार सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को उनके प्रदर्शन पर बहुमूल्य प्रतिक्रिया प्रदान करती है।

पारदर्शिता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने के लिए, हमने एक व्हिसिल-ब्लोअर नीति लागू की है जो उन कर्मचारियों की सुरक्षा करती है जो संगठन के भीतर किसी भी अस्वीकार्य प्रथाओं या उल्लंघनों की रिपोर्ट करते हैं।

बीईएल में पारदर्शिता और नैतिक प्रथाओं की संस्कृति का निर्माण एक सतत प्रयास है, और एक सकारात्मक कार्य वातावरण बनाने के लिए सभी स्तरों पर

कर्मचारियों के बीच एक साझा प्रतिबद्धता है जो विश्वास, वफादारी और दीर्घकालिक सफलता को बढ़ावा देती है। हमारा दृढ़ विश्वास है कि इन मूल्यों को कायम रखने से न केवल हमारी कंपनी को लाभ होता है, बल्कि हमारे हितधारकों का विश्वास भी बढ़ता है।

आचार संहिता

सूचीकृत विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के विनियम 17(5) के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल ने सभी बोर्ड सदस्यों, प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) और वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता स्थापित की है। व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट www.bel-india.in पर देखी जा सकती है। 31 मार्च 2023 तक, सभी बोर्ड सदस्यों, केएमपी और वरिष्ठ प्रबंधन कार्मिक ने व्यावसायिक आचरण और नैतिकता संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित इस अनुपालन की पुष्टि करने वाली एक घोषणा इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

अंदरूनी व्यापार की रोकथाम और निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए संहिता

सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 (संशोधित) के अनुपालन में, कंपनी ने अंदरूनी सूत्रों द्वारा व्यापार के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक व्यापक आचार संहिता लागू की है। इसके अतिरिक्त, निदेशक मंडल द्वारा अप्रकाशित मूल्य संवेदनशील जानकारी के उचित प्रकटीकरण के लिए एक अभ्यास संहिता और प्रक्रिया स्थापित की गई है। यह संहिता उन सभी नामित व्यक्तियों पर लागू होती है, जिनमें उनके निकटतम रिश्तेदार भी शामिल हैं, जिनके पास सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 में परिभाषित मूल्य-संवेदनशील जानकारी तक पहुंच है। संहिता के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी कंपनी सचिव की है।

सचेतक तंत्र

एक जिम्मेदार संगठन के रूप में, हमने एक सतर्कता तंत्र लागू किया है और एक व्हिसिल ब्लोअर नीति लागू की है, जो निदेशकों और कर्मचारियों दोनों को अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिग्ध धोखाधड़ी, या हमारी व्यावसायिक आचार संहिता और नैतिकता नीति के उल्लंघन से संबंधित किसी भी संबंधित व्यक्ति की रिपोर्ट करने में सक्षम बनाती है। हम सक्रिय रूप से कर्मचारियों को आगे आने और व्हिसल-ब्लोइंग प्रक्रिया के माध्यम से किसी भी मुद्दे को उठाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं, और हम यह सुनिश्चित करते हैं कि किसी भी कर्मचारी की लेखा परीक्षा समिति की पहुंच से वंचित न किया जाए।

मानव अधिकार

बीईएल में, हमारे पास मानवाधिकारों की रक्षा के लिए नीतियां हैं और हम एक ऐसे कार्य वातावरण को बढ़ावा देने का प्रयास करते हैं जो सभी कर्मचारियों के लिए गरिमा, समानता और उचित व्यवहार को कायम रखता है। हमारी व्यापक कार्यस्थल नीतियां किसी भी प्रकार के भेदभाव को रोकने के लिए बनाई गई हैं। हमने एक अच्छी तरह से परिभाषित शिकायत प्रक्रिया स्थापित की है जो कर्मचारियों को संरचित तरीके से शिकायतों की रिपोर्ट करने और उनका समाधान करने की अनुमति देती है।

हम सभी कर्मचारियों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करते हुए योग्यता के आधार पर करियर विकास के समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अलावा, हम विकलांग व्यक्तियों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पहचानते हैं और उनके समावेश और भागीदारी का समर्थन करने के लिए कार्यस्थल पर मुफ्त परिवहन सहित विशेष सुविधाएं प्रदान करते हैं।

हम अपने कर्मचारियों के बुनियादी अधिकारों को बढ़ावा देने और उन्हें बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास करते हैं, एक समावेशी और न्यायसंगत कार्य वातावरण बनाते हैं जहां हर कोई मूल्यवान और सम्मानित महसूस करता है।

दशक भर में सतत प्रदर्शन

(₹ करोड़ में)

विवरण	2013-14	2014-15	2015-16	2016-17	2017-18	2018-19	2019-20	2020-21	2021-22	2022-23
बिक्री एवं सेवाएँ	6,174	6,695	7,541	8,825	10,085	11,789	12,608	13,818	15,044	17,333
उत्पादन मूल्य	6,127	6,659	7,775	9,244	9,670	11,921	12,348	13,947	15,321	17,731
अन्य आय	428	478	537	471	200	170	102	126	234	360
सामग्रियाँ	3,584	3,745	4,061	4,832	5,104	6,080	6,846	7,957	9,179	10,206
कर्मचारी लाभ व्यय	1,030	1,263	1,257	1,548	1,772	1,879	2,057	1,941	2,109	2,298
मूल्यह्रास/परिशोधन	142	154	172	192	251	316	350	366	380	408
ब्याज/वित्तीय लागत	3	1	5	12	1	12	3	6	5	15
अन्य व्यय	774	674	1,240	1,417	1,110	1,396	1,028	1,114	993	1,492
कर पूर्व लाभ	1,175	1,467	1,732	2,029	1,948	2,703	2,479	2,935	3,158	3,985
कर हेतु प्रावधान	243	299	425	482	549	776	685	869	809	978
कर पश्चात लाभ	932	1,167	1,307	1,548	1,399	1,927	1,794	2,065	2,349	3,007
लाभांश (राशि)	186	234	408	503	491	828	682	975	1,096	1,316
लाभांश(%)	233	292	170	225	200	340	280	400	450	180
इक्विटी शेयर पूंजी	80	80	240	223	244	244	244	244	244	731
अन्य इक्विटी	6,937	7,805	8,744	7,285	7,517	8,775	9,609	10,564	11,741	12,851
ऋण निधि	-	-	-	50	67	33	8	-	-	-
सकल ब्लॉक	2,227	2,485	1,147	1,617	2,220	3,013	3,795	4,118	4,534	5,083
संचयी मूल्यह्रास/परिशोधन	1,576	1,714	170	362	613	929	1,275	1,638	2,010	2,411
भंडार	3,370	3,427	4,177	4,905	4,739	4,455	3,963	4,955	5,567	6,412
व्यापार प्राप्तियां	4,129	3,786	3,712	4,355	5,050	5,369	6,733	6,552	6,103	7,022
कार्यशील पूंजी	6,077	6,910	7,373	5,305	4,366	5,376	5,817	6,812	7,625	9,394
नियोजित पूंजी	6,728	7,681	8,349	6,560	5,973	7,461	8,336	9,292	10,149	12,067
निवल मूल्य	7,017	7,885	8,984	7,509	7,761	9,019	9,853	10,808	11,984	13,582
प्रति शेयर आय (में ₹)*	1.18	1.47	1.65	2.01	1.90	2.64	2.45	2.83	3.21	4.11
प्रति शेयर बुक वैल्यू (में ₹)*	9.75	10.95	12.48	11.21	10.62	12.34	13.48	14.79	16.39	18.58
कर्मचारियों की सं.	9,952	9,703	9,848	9,716	9,726	9,612	9,279	9,172	8,853	8,832

**वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी करने के परिणामस्वरूप पिछली सभी अवधियों के लिए समायोजित किया गया।*

बोर्ड की रिपोर्ट

सदस्यों को,

आपके निदेशकों को 31 मार्च 2023 को समाप्त हुए वित्तीय वर्ष के लिए इस एकीकृत वार्षिक रिपोर्ट तथा लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों को वैधानिक लेखापरीक्षकों और भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की रिपोर्ट के साथ प्रस्तुत करने में प्रसन्नता हो रही है।

वित्तीय परिणाम और निष्पादन विशिष्टताएं

कंपनी के वित्तीय परिणाम और निष्पादन विशिष्टताएं इस प्रकार हैं-

(₹ लाख में)

विवरण	2022-23	2021-22
उत्पादन का मूल्य	17,73,082	15,32,064
कुल कारोबार	17,33,337	15,04,367
मूल्यह्रास, ब्याज, और कर पूर्व लाभ	4,40,754	3,54,283
वित्तीय लागत	1,479	485
मूल्यह्रास एवं परिशोधन	**40,787**	**38,018**
कर पूर्व लाभ	3,98,488	3,15,780
कर के लिए प्रावधान	97,821	80,887
कर पश्चात लाभ	3,00,667	2,34,893
अन्य समग्र आय / (हानि)	(16,624)	(14,921)
कुल समग्र आय	2,84,043	2,19,972
प्रदत्त लाभांश	1,24,266	1,02,337
लाभांश पर कर	-	-
सामान्य रिजर्व में स्थानांतरण	40,000	40,000
अन्य इक्विटी (आरक्षित निधि और अधिशेष सहित)	12,85,101	11,74,060
निवल मूल्य	13,58,199	11,98,426
प्रति शेयर आय (₹ में)	4.11	3.21
अंकित मूल्य प्रति शेयर (₹ में)	18.58	16.39

वर्ष 2022-23 के लिए उत्पादन मूल्य का वितरण नीचे दिया गया है-

(₹ लाख में)

विवरण	2022-23	2021-22
सामग्री	10,20,629	57.56%
कर्मचारी लागत	2,29,773	12.96%
अन्य व्यय (निवल)	83,405	4.70%
मूल्यह्रास और परिशोधन	40,787	2.30%
कराधान के लिए प्रावधान	97,821	5.52%
कर पश्चात लाभ	3,00,667	16.96%
कुल	**17,73,082**	100.00%

वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी की कुल बिक्री ₹ 15,04,367 लाख (2021-22) से बढ़कर ₹ 17,33,337 लाख हो गयी, जिसमें 15.22% की वृद्धि दर्ज की गई है। वित्तीय वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) पिछले वर्ष के 2,34,893 लाख की तुलना में 3,00,667 लाख है। स्वदेशी रूप से विकसित उत्पादों की कुल बिक्री 75% थी। पिछले वर्ष के कुल बिक्री 90% की तुलना में वर्ष 2022-23 में रक्षा आपूर्ति के लिए योगदान 87% रहा।

लाभांश

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 43A के अनुसरण में, कंपनी के निदेशक मंडल ने सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015, कंपनी अधिनियम, 2013, सेबी, डीपीई, डीईपीएम, वित्त मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देश और कंपनी पर लागू सीमा तक अन्य दिशानिर्देशों को ध्यान में रखते हुए एक लाभांश वितरण नीति तैयार की गई । इस नीति को कंपनी की नीचे दी गई वेबसाइट पर देखा जा सकता है -

https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527

निदेशक मंडल ने वर्ष 2022-23 के लिए ₹ 0.60/- प्रति इक्विटी शेयर (60%) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जो ₹ 43,859 लाख है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए शेयरधारकों को ₹ 0.60 प्रति इक्विटी शेयर (60%) का पहला अंतरिम लाभांश और ₹ 0.60 प्रति इक्विटी शेयर (60%) का दूसरा अंतरिम लाभांश दिया गया है। इस प्रकार, वर्ष 2022-23 के लिए कुल लाभांश ₹ 1.80/- प्रति इक्विटी शेयर (180%) है, जिसकी राशि ₹ 1,31,576 लाख है।

रिजर्व में अंतरण

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सामान्य आरक्षित निधि में ₹ 40,000 लाख की राशि हस्तांतरित की गई है।

शेयर पूंजी

मार्च 2023 को कंपनी की प्रदत्त इक्विटी शेयर पूंजी ₹ 73,098 लाख और इसकी अधिकृत शेयर पूंजी ₹ 75,000 लाख थी। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को 25,000 लाख से बढ़ाकर 75,000 लाख कर दिया गया है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, आपकी कंपनी ने सितंबर 2022 में अपने सभी शेयरधारकों को 2:1 के अनुपात में बोनस शेयर जारी किए (धारित प्रत्येक पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर के लिए ₹ 1/- प्रत्येक के दो पूर्ण प्रदत्त इक्विटी शेयर)। परिणामस्वरूप, कंपनी की प्रदत्त शेयर पूंजी ₹ 24,366 लाख से बढ़कर ₹ 73,098 लाख हो गई है।

प्रमुख निष्पादित आदेश

लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (LRSAM) प्रणाली, आकाश मिसाइल प्रणाली, सैटकॉम नेटवर्क, कमांड एंड कंट्रोल प्रणाली, विभिन्न रेडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली, संचार उपकरण, सोनार, तटीय निगरानी प्रणाली, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सिस्टम, अग्नि नियंत्रण प्रणाली, गृह भूमि सुरक्षा प्रणालियाँ, स्मार्ट सिटी परियोजनाएँ, इत्यादि।

निर्यात

आपकी कंपनी नागरिक बाजार की जरूरतों को पूरा करने के लिए होमलैंड सिक्योरिटी सॉल्यूशंस, सीमा सुरक्षा प्रणालियों और अत्याधुनिक प्रणालियों और समाधानों और पेशेवर इलेक्ट्रॉनिक्स सहित रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों और प्रणालियों की निर्यात क्षमता का दोहन करने की दिशा में तेजी से ध्यान केंद्रित कर रही है, जो इसका मूल व्यापार क्षेत्र है।

बीईएल विदेशों और ओईएम को विभिन्न उत्पादों और प्रणालियों का निर्यात करता रहा है। अपने वर्तमान और भावी ग्राहकों के साथ अच्छे संबंध स्थापित करने और उनकी आवश्यकताओं के आधार पर, बीईएल विभिन्न उत्पादों और प्रणालियों की आपूर्ति को सक्षम करने के लिए विदेश मंत्रालय (एमईए) और रक्षा मंत्रालय (एमओडी) के साथ नियमित रूप से बातचीत कर रहा है।

बीईएल विकसित, विकासशील और तीसरी दुनिया के देशों के बाजार में उत्पादों और समाधानों के साथ सिविल उपकरण और सिस्टम में भी संभावनाएं तलाश रहा है जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस-आधारित समाधान, विभिन्न नागरिक परियोजनाओं के लिए सॉफ्टवेयर विकास जैसे महत्वपूर्ण अवसंरचना विकास, सौर ऊर्जा उत्पादन परियोजनाएं, हाइब्रिड पावर समाधान आदि।

बीईएल रक्षा खरीद प्रक्रिया में शामिल ऑफसेट नीति के कारण रक्षा मंत्रालय के विभिन्न आरएफपी में ऑफसेट दायित्वों को पूरा करने में ओईएम की मदद करने के क्षेत्र में विभिन्न अवसरों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। इसके लिए, कंपनी विभिन्न प्रमुख विदेशी एयरोस्पेस और रक्षा कंपनियों के साथ मिलकर साझेदारी और काम कर रही है। बीईएल ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रमाणित उत्पादों और प्रणालियों की पेशकश भी कर रहा है। बीईएल ने उभरते निर्यात अवसरों के नए क्षेत्रों के रूप में नवीनतम प्रणालियों और समाधानों के अनुबंध निर्माण (बिल्ड-टू-प्रिंट और बिल्ड-टू-स्पेक) और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण की पहचान की है। इसके अलावा, वैश्विक आपूर्तिकर्ताओं के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति श्रृंखला संबंध स्थापित करने के प्रयास जारी हैं।

बीईएल, एकाग्र प्रयास के साथ विभिन्न 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बीईएल ने अपने विभिन्न उत्पादों और सेवाओं की पेशकश प्रमुख प्लेटफॉर्म ओईएम और उनके टियर-१ आपूर्तिकर्ताओं को की है। इससे कंपनी को सह-विकास, सह-उत्पादन, और विभिन्न ओईएम के साथ इसी तरह की व्यवस्था के लिए बीईएल में उत्पादों का निर्माण करने और बीईएल की सेवाओं का उपयोग न केवल भारतीय प्रोग्रामों के लिए बल्कि उनकी वैश्विक आवश्यकताओं के लिए भी करने में मदद मिली है।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान यूएसए, फ्रांस, जर्मनी, इज़राइल, स्वीडन, मॉरीशस, अर्मेनिया, आदि जैसे विभिन्न ग्राहकों से 75.66 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात ऑर्डर अधिग्रहण हासिल किया है। 1 अप्रैल 2023 को निर्यात ऑर्डर बुक की स्थिति US$ 295 मिलियन के साथ सर्वकालिक उच्च था।

कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान विभिन्न देशों जैसे स्पेन, अमेरिका, फ्रांस, जर्मनी, इजरायल, स्वीडन, रूस, मॉरीशस, वियतनाम, श्रीलंका और एसईजेड से 48.33 मिलियन अमेरिकी डॉलर की निर्यात बिक्री हासिल की है। निर्यात किए जाने वाले प्रमुख उत्पादों/प्रणालियों में रेडार वार्निंग रिसीवर, मिसाइल एप्रोच वार्निंग सिस्टम, टीआर मॉड्यूल, तटीय रेडार सिस्टम, रेडार की उप प्रणालियाँ, और ईडब्ल्यू सिस्टम, डेटा लिंक II, मैकेनिकल पार्ट्स, संचार उपकरण, ईओएस, रेडार और सोनार पुर्जे, स्मार्ट मेल बॉक्स, आदि।

संयुक्त राज्य अमेरिका, इज़राइल और एसईजेड - भारत जैसे लक्षित भौगोलिक स्थानों से नए ग्राहक स्थापित करने में लगातार प्रयासों के परिणाम मिले हैं। केंद्रित प्रयासों और अनुसंधान एवं विकास के संयोजन के साथ, वैश्विक ग्राहकों और विदेश मंत्रालयों को हाइब्रिड पावर सॉल्यूशन, C4I, आदि का प्रस्ताव दिया गया था।

निर्यात बिक्री में वृद्धि मुख्य रूप से कंपनी द्वारा किए गए केंद्रित प्रयासों और नई निर्यात पहल जैसे कि विदेश मंत्रालय तथा रक्षा मंत्रालय और ग्राहकों के साथ निरंतर एवं केंद्रित चर्चा, नए और पूर्ण सिस्टम तथा प्रक्रियाओं की पेशकश के साथ ग्राहकों के लिए सक्रिय दृष्टिकोण, ग्राहक आधार में वृद्धि, अनुकूलित और महत्वपूर्ण परियोजनाओं को लेना एवं उन्हें ग्राहकों की आवश्यकता के अनुसार समय पर प्रदान करना, ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं और भविष्य के खतरों और अवसरों के आधार पर समाधान विकसित करने के लिए विस्तारित समर्थन/सेवाओं में अधिक निर्देशित प्रयास के कारण हुई।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान उत्पादों और सेवाओं के लिए नए बाजारों के विकास द्वारा निर्यात बढ़ाने के लिए की गई पहल।

1. वित्त वर्ष 2022-23 में की गई प्रमुख पहलें-
   - संयुक्त प्रस्तावों के लिए डीआरडीओ के साथ नियमित बातचीत
   - विशिष्ट आधार पर लक्षित देश के लिए विशिष्ट कार्यक्रम के लिए समझौता ज्ञापन
   - स्थानीय रक्षा उद्योग के साथ काम करना
   - स्थानीय उत्पादन के लिए विदेशी कंपनियों के साथ समझौता ज्ञापन
   - भारतीय मिशनों के लिए तकनीकी प्रस्तावों की तैयारी
   - विदेशी पोत प्रांगणों के साथ समझौता ज्ञापन
   - वैश्विक ओईएम के साथ दीर्घकालिक आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करना
   - बड़े कार्यक्रमों पर ध्यान देना (C4I, गन/मिसाइल सिस्टम, आदि)
   - सक्रिय रूप से ग्राहकों को समाधान प्रदान करना।

2. विदेशों/ग्राहकों को पेश किए जाने वाले निम्नलिखित उत्पादों और प्रणालियों के लिए पाइप-लाइन में प्रमुख नेतृत्व:
   - तटीय निगरानी प्रणाली
   - हथियार का पता लगाने वाला रेडार
   - युद्ध क्षेत्र निगरानी रेडार
   - नौसेना रेडार और सोनार का उन्नयन
   - अनुबंध विनिर्माण
   - संचार उपकरण
   - वैमानिकी
   - हाईब्रिड पावर सॉल्यूशंस
   - एल-70, शिल्का उन्नयन
3. अंतर्राष्ट्रीय ग्राहक:
   - एयर बस डिफेंस और स्पेस, स्पेन
   - लॉकहीड मार्टिन, यूएसए
   - थालेस, फ्रांस
   - एलबिट, सिस्टम्स
   - एसएएबी, स्वीडन
   - जीई चिकित्सा प्रणालियां
   - जीई हेल्थकेयर

सरकार के साथ समझौता ज्ञापन

आपकी कंपनी प्रत्येक वर्ष रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के साथ डीपीई द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के आधार पर समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर करती रही है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के लिए कंपनी के प्रदर्शन को ठबहुत बढ़ियाठ का दर्जा दिया गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के लिए एमओयू रेटिंग की सरकार द्वारा समीक्षा की जा रही है।

ऑर्डर बुक स्थिति

1 अप्रैल 2023 को कंपनी की ऑर्डर बुक लगभग 60,690 करोड़ रुपये है। ऑर्डर बुक में लंबी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एलआरएसएएम) सिस्टम, मिसाइल सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, एवियोनिक्स, एंटी-सबमरीन वारफेयर, नेटवर्क सेंट्रिक सिस्टम, संचार उपकरण, रेडार, अग्नि नियंत्रण प्रणाली, थर्मल इमेजर इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन, केरल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क (के-एफओएन), स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट आदि जैसे प्रमुख प्रोग्राम शामिल हैं।

वित्त

आपकी कंपनी अपनी वित्तीय प्रबंधन प्रथाओं में विवेकपूर्ण रही है। यह अपनी पूंजी आवंटन रणनीति में काफी अनुशासित और अपने परिचालन खर्चों के प्रबंधन में कुशल रही है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी ने अपने सभी कैपेक्स और कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को आंतरिक संसाधनों के माध्यम से पूरा किया है। उपरोक्त सभी उपायों ने मापदंडों में निरंतर वृद्धि में योगदान दिया है। कंपनी का पीबीटी वित्त वर्ष 2021-22 के 3,15,780 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में 3,98,488 लाख हो गया है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान ईपीएस (सामान्यीकृत) वित्त वर्ष 2021-22 के 3.21 रुपये से बढ़कर 4.11 रुपये हो गया है। वित्त वर्ष 2022-23 में बीईएल का शुद्ध मूल्य बढ़कर 13,58,199 लाख हो गया है, जो वित्त वर्ष 2021-22 में 11,98,426 लाख रुपये था और वित्त वर्ष 2022-23 में संबंधित बुक वैल्यू प्रति शेयर (बीवीपीएस) बढ़कर 18.58 रुपये हो गया जो वित्त वर्ष 2021-22 में 16.39 रुपये था।

वित्त वर्ष 2021-22 में ₹ 15,04,367 लाख से बढ़कर वित्त वर्ष 2022-23 में ₹ 17,33,337 लाख, कुल बिक्री में वृद्धि के बावजूद कई दिनों के रूप में प्राप्य व्यापार पिछले वर्ष की तुलना में 148 दिनों के समान बना रहा। इसी तरह, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, उत्पादन मूल्य के दिनों की संख्या के रूप में माल-सूची पिछले वर्ष के 133 दिनों से घटकर 132 दिन हो गई है।

कंपनी द्वारा शेयरधारकों को वितरित किए गए लाभ/आरक्षित निधि की मात्रा से हमारा निरंतर प्रदर्शन और दीर्घकालिक मूल्य सृजन परिलक्षित होता है। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी ने अपने शेयरधारकों को 2:1 के अनुपात में 48,732 लाख बोनस शेयर जारी किए। इसके अलावा, वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, बीईएल ने ₹ 87,717 लाख की राशि के 60% के 2 अंतरिम लाभांश भी वितरित किए हैं। निदेशक मंडल ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए ₹ 0.60/- प्रति इक्विटी शेयर (60%) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है, जिसकी राशि ₹ 43,859 लाख है। इस प्रकार, वित्त वर्ष 2022-23 के लिए कुल लाभांश ₹1.80/- प्रति इक्विटी शेयर (180%) है, जो ₹1,31,576 लाख है।

जमा राशि

कंपनी के पास वर्तमान में कोई सार्वजनिक जमा योजना नहीं है। हालांकि, कंपनी के पास परिपक्व सार्वजनिक जमा राशि (फरवरी 2006 से पहले एकत्र) 31 मार्च 2023 तक ₹ 36.95 लाख थी। इसमें से ₹ 36.50 लाख की राशि के 34 जमा का दावा नहीं किया गया है अथवा भुगतान नहीं किया गया है इसलिए इन खातों को कर्नाटक लोकायुक्त की सलाह पर फ्रीज कर दिया गया था। 31 मार्च 2023 तक ₹0.45 लाख की शेष परिपक्व जमा राशि का भुगतान जमाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत अपर्याप्त दस्तावेजों/रिकॉर्ड के कारण नहीं किया गया है।

अनुसंधान एवं विकास

बीईएल का अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) दर्शन के माध्यम से रक्षा और व्यावसायिक इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों/सेवाओं के लिए अनुसंधान एवं विकास में अपनी श्रेष्ठता को बढ़ाना है। बीईएल का आरएंडडी अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी मॉड्यूल के साथ निर्मित नए उत्पादों के विकास के लिए प्रयासरत है। कंपनी द्वारा विकसित उत्पाद अत्याधुनिक, प्रतिस्पर्धी और गुणवत्ता के उच्चतम स्तर को समाहित करते हुए, ग्राहकों की आवश्यकताओं को पूरी तरह से पूर्ण करते हैं।

अनुसंधान एवं विकास बीईएल की प्रमुख शक्तियों में से एक रहा है जिसे इन-हाउस और सहयोगी अनुसंधान एवं विकास के माध्यम से बढ़ाया जा रहा है। बीईएल के विभिन्न प्रभाग सामरिक घटकों, प्रौद्योगिकी मॉड्यूल, उपप्रणाली, उत्पाद, प्रणाली एवं प्रणालियों के प्रणाली विकास में शामिल हैं।

बीईएल की तीन स्तरीय अनुसंधान एवं विकास संरचना है, अर्थात् केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएँ (सीआरएल); उत्पाद विकास और नवाचार केंद्र (पीडीआईसी) तथा उत्कृष्टता केंद्र (सीओई); और सामरिक व्यापार इकाइयों (एसबीयू) / इकाइयों से जुड़े विकास एवं इंजीनियरिंग (डी एंड ई) समूह। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) द्वारा मान्यता प्राप्त बीईएल के सभी आरएंडडी/डीएंडई केंद्र पूरे भारत में विभिन्न स्थानों पर काम करते हैं। डीएंडई प्रत्येक एसबीयू और यूनिट नामत: बेंगलुरु, चेन्नई, गाजियाबाद, हैदराबाद, कोटद्वार, मछलीपट्टनम, नवी मुंबई, पंचकुला और पुणे में स्थित हैं। पीडीआईसी और सीओई बेंगलुरु में स्थित हैं जबकि सीआरएल बेंगलुरु और गाजियाबाद में स्थित हैं। डीएंडई/पीडीआईसी/सीओई/सीआरएल तीन साल की आरएंडडी योजनाओं के आधार पर और सक्षम प्राधिकारी द्वारा बजट/समय की उचित अनुमोदन उपरांत पहचान की गई प्रौद्योगिकी और उत्पाद क्षेत्रों में काम करते हैं।

इन-हाउस प्रयासों के अलावा, बीईएल के आरएंडडी इंजीनियर डीआरडीओ, इसरो, सीएसआईआर, अन्य अनुसंधान प्रयोगशालाओं, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा, अनुसंधान संस्थानों, ओईएम/उद्योगों, विशेषज्ञों/परामर्शदाताओं, एमएसएमई और विशिष्ट प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में स्टार्टअप के साथ सहयोग करते हैं। बीईएल ने कई व्यावसायिक क्षेत्रों में उत्पादों/समाधानों का सह-निर्माण करने हेतु एक पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है।

एसबीयू/इकाइयों में डीएंडई समूह अंतिम उपयोगकर्ताओं को सिस्टम और सिस्टम ऑफ सिस्टम समाधान प्रदान करते हैं। इसके लिए, वे सीआरएल, पीडीआईसी, सीओई और सहयोगी अनुसंधान एवं विकास भागीदारों के माध्यम से विकसित आवश्यक प्रौद्योगिकी मॉड्यूल और उपप्रणाली प्राप्त करते हैं। वे इन प्रणालियों को प्रयोग में शामिल करने की प्रक्रिया में आवश्यक सभी मूल्यांकन और परीक्षण करते हैं। वे संपूर्ण उत्पाद जीवन-चक्र के दौरान तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, उन्नयन करते हैं तथा अप्रचलन प्रबंधन का भी ध्यान रखते हैं। वे इन प्रणालियों को सेवा में शामिल करने की प्रक्रिया में आवश्यक सभी मूल्यांकन एवं परीक्षण करते हैं। वे उत्पाद के संपूर्ण आजीवन के दौरान तकनीकी सहायता भी प्रदान करते हैं, उन्नयन करते हैं और अप्रचलन प्रबंधन का भी ध्यान रखते हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान प्राप्त महत्वपूर्ण अनुसंधान एवं विकास पुरस्कार / मान्यताएं-

1. वित्त वर्ष 2021-22 के लिए रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए रक्षा मंत्री पुरस्कार निम्नलिखित के लिए प्राप्त हुए-

   क) नौसेना प्रणाली - रेडार और अग्नि नियंत्रण प्रणाली एसबीयू, बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स द्वारा रक्षा सृजन रत्न 2021-22 के तहत "सीएसएस के लिए वीएचएफ समुद्री रेडियो संचार प्रणाली"

   ख) केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, बेंगलुरु द्वारा रक्षा अन्वेषण रत्न 2021-22 के तहत "एकीकृत परिधि सुरक्षा निगरानी के लिए एआई-आधारित संकेत की पहचान"

2. वित्तीय वर्ष 2020-21 तथा 2021-22 के लिए प्रौद्योगिकी विकास और नवाचार श्रेणी के लिए SODET पुरस्कार-

   क) केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला, गाजियाबाद को प्रौद्योगिकी विकास स्वर्ण पुरस्कार (2020-21)

   ख) सेंट्रल रिसर्च लेबोरेटरी, बेंगलुरु को टेक्नोलॉजी इनोवेशन सिल्वर अवार्ड (2020-21)

   ग) उत्पाद विकास और नवाचार केंद्र, बेंगलुरु को प्रौद्योगिकी विकास स्वर्ण पुरस्कार (2021-22)

   घ) गृहभूमि सुरक्षा एवं स्मार्ट सिटी एसबीयू, बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स को टेक्नोलॉजी इनोवेशन सिल्वर अवार्ड (2021-22)

3. बड़ी कंपनियों में टेक्नोलॉजी और प्रोडक्ट इनोवेशन की श्रेणी में SIDM चैंपियन अवार्ड 2022

4. सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा, रक्षा या कानून प्रवर्तन आईटी प्रोजेक्ट की श्रेणी में क्वांटिक टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवार्ड 2022

5. अनुसंधान एवं नवाचार के लिए एक्सीलेंस अवार्ड की श्रेणी में गवर्नेंस नाउ पीएसयू अवार्ड 2022

6. "अनुसंधान एवं विकास में नवाचार, डिजाइन और प्रौद्योगिकी में उत्कृष्टता" के लिए अंतर्राष्ट्रीय एयरोस्पेस और रक्षा पुरस्कार 2022।

बीईएल ने वित्त वर्ष 2022-23 के लिए पीबीटी के % के रूप में अनुसंधान एवं विकास/नवाचार पहलों पर आरएंडडी व्यय के संबंध में समझौता ज्ञापन पैरामीटर को पूरा किया है।

कोच्चि में बीईएल आरएंडडी सेल ने 2डी इमेजिंग सोनार के लिए सोनार अनुप्रयोगों के लिए गैप फिलर सोनार, एयूवी/आरओवी अनुप्रयोगों के लिए इमरजेंसी पिंगर और पानी के नीचे अल्ट्रा शॉर्ट बेस लाइन (यूएसबीएल) ध्वनिक पोजिशनिंग सिस्टम कोर टेक्नोलॉजी मॉड्यूल तैयार किए हैं। आईआईटी मद्रास रिसर्च पार्क में बीईएल आरएंडडी सेल ने क्वांटम कुंजी वितरण के लिए एक नोड स्थापित किया है।

भविष्य की कार्य योजना- बीईएल विकास और परिवर्तन के उद्देश्य के साथ संरेखित करने के लिए पूरे संगठन में नवीन उत्पादों/सेवाओं के लिए अनुसंधान एवं विकास के विस्तार को सक्षम करेगा। आरएंडडी (डीएंडई, पीडीएंडआईसी, सीओई, और सीआरएल) के सभी स्तर नए विकास क्षेत्रों की पहचान करने में सहयोग करना जारी रखेंगे और विकास के इन-हाउस और सहयोगी तरीकों के माध्यम से आवश्यकताओं को पूरा करने में एक-दूसरे के पूरक होंगे। बीईएल ने अपने ग्राहकों की निरंतर उभरती हुई आवश्यकताओं को पूरा करने के साथ-साथ विविधीकरण के लिए अनुसंधान एवं विकास में निवेश जारी रखने की योजना बनाई है। जब आंतरिक (इन-हाऊस) विकास पर विशेष बल दिया जाएगा, तो राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं, शैक्षणिक संस्थानों, अनुसंधान संस्थानों, उद्योग और एमएसएमई के साथ सहयोग भी मजबूत होता रहेगा।

शस्त्र और गोला-बारूद, आधुनिक तकनीकी युक्त कृषि, और पूर्वानुमानित अनुरक्षण सहित एआई-आधारित परियोजनाओं जैसे विविध क्षेत्रों में केंद्रित प्रौद्योगिकी/उत्पाद विकास प्रयास शुरू किए गए हैं।

बीईएल लगातार हर साल अपने वार्षिक राजस्व का लगभग 7% आरएंडडी में निवेश करता रहा है और भारत और दुनिया के लिए उच्च गुणवत्ता वाले रक्षा और पेशेवर इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों, प्रणालियों और समाधानों को बनाने और प्रदान करने हेतु आत्मनिर्भर भारत को सक्षम बनाने के लिए आरएंडडी पहल का समर्थन करना जारी रखेगा।

स्थापित की गई नई सुविधाएं

वैश्विक अवसरों के लिए उन्नत बने रहने और व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए बुनियादी ढांचे में वृद्धि कंपनी के प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी ने संयंत्र और मशीनरी के आधुनिकीकरण, परीक्षण उपकरणों, अनुसंधान एवं विकास निवेशों, बुनियादी ढांचे के उन्नयन आदि के लिए कैपेक्स निवेश के हिस्से के रूप में लगभग 54,137 लाख रुपये खर्च किए हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) की पहल-

बीईएल ने सभी पीसी पर डेटा के भंडारण से बचने और सूचना सुरक्षा बढ़ाने के लिए वर्चुअल डेस्कटॉप इन्फ्रास्ट्रक्चर (वीडीआई) को अपनाया है। विंडोज ओएस वाले पीसी स्वाभाविक रूप से मैलवेयर, वायरस, वर्म्स, डेटा लीकेज और अन्य सुरक्षा भेद्यताओं के प्रति संवेदनशील होते हैं। बीईएल इकाइयों और कार्यालयों में पीसी पर केंद्रीय दृश्यता और नियंत्रण की कमी के कारण, एक समान सुरक्षा नीति को लागू करना व्यावहारिक रूप से संभव नहीं था। इन मुद्दों को केंद्रीकृत VDI के कार्यान्वयन और एंड पॉइंट पीसी को थिन क्लाइंट्स में बदलने या परिवर्तित करने से दूर किया गया है। यूनिटों की डाटा सेंटर सुविधाओं को वीडीआई की मेजबानी के लिए उन्नत किया गया है। इंट्रानेट और इंटरनेट के लिए एक अलग वीडीआई शुरू किया गया है। सभी डेटा अब केवल डेटा केंद्रों में एन्क्रिप्टेड रूप में संग्रहीत किए जाते हैं। केंद्रीकृत सुरक्षा नीतियां और सुरक्षा पैचिंग अब पूरे बुनियादी ढांचे के लिए केंद्रीय रूप से लागू की जाती हैं।

प्रिमावेरा परियोजना प्रबंधन प्रणाली को परियोजनाओं की योजना, प्रबंधन और निष्पादन के लिए चयनित परियोजनाओं के लिए शुरू किया गया है। सिस्टम में शेड्यूलिंग, जोखिम विश्लेषण, संसाधन प्रबंधन और नियंत्रण क्षमताएं हैं और बीईएल के एसएपी ईआरपी के साथ पूरी तरह से एकीकृत है। इसमें प्रबंधन के लिए डैशबोर्ड, विभिन्न ग्राफिकल चार्ट और हिस्टोग्राम जैसी कई विशेषताएं हैं जो प्रबंधन को परियोजना के प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों पर ध्यान केंद्रित करने में सक्षम बनाती हैं और वरिष्ठ प्रबंधन को सूचित निर्णय लेने के लिए सशक्त बनाती हैं।

बीईएल के सुरक्षा संचालन केंद्र में मौजूदा हस्ताक्षर आधारित जांच और रोकथाम प्रणाली के पूरक के लिए नेटवर्क डिटेक्शन एंड रिस्पांस (एनडीआर) लागू किया गया है। एंटरप्राइज़ नेटवर्क पर संदिग्ध नेटवर्क ट्रैफ़िक की निगरानी और पता लगाने के लिए यह समाधान मशीन लर्निंग और अन्य विश्लेषणात्मक तकनीकों का उपयोग करता है। एनडीआर, नेटवर्क पर होने वाली हर चीज में दृश्यता देता है जिसमें हैकर्स लेटरल मूवमेंट शामिल हैं, जो वास्तविक उल्लंघन के पीड़ित होने से पहले जल्दी से प्रतिक्रिया करने और मैलवेयर को रोकने का अवसर देता है।

संपर्क रहित उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए चेहरे की पहचान-आधारित उपस्थिति प्रणाली लागू की गई है जो सीधे एसएपी ईआरपी के साथ एकीकृत है। भविष्य में इसे एसएपी लॉग-ऑन के साथ उपस्थिति के आधार पर एकीकृत किया जाएगा और इस पर कई और सुरक्षा विशेषताएं बनाई जा सकती हैं।

गुणता

गुणता, प्रौद्योगिकी और नवाचार बीईएल की व्यावसायिक पहल के तीन मार्गदर्शक स्तंभ हैं। गुणवत्ता, पहला स्तंभ होने के नाते, कंपनी के लिए केंद्रित क्षेत्रों में से एक रहा है। कंपनी विश्व स्तरीय गुणवत्ता प्रणालियों के अनुरूप एक प्रक्रिया दृष्टिकोण के माध्यम से निरंतर सुधार के लिए प्रतिबद्ध है। सभी इकाइयां/सामरिक व्यावसायिक इकाइयां (एसबीयू)/सामान्य सेवा समूह (सीएसजी) आईएसओ 9001 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली (क्यूएमएस) से प्रत्यायित हैं। कंपनी की उन्नीस इकाइयों/एसबीयू ने अपने क्यूएमएस को एयरोस्पेस स्टैंडर्ड, एएस 9100डी में उन्नयन किया है। कंपनी की सभी इकाइयां आईएसओ 14001 प्रमाणन के माध्यम से पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली के लिए प्रतिबद्ध हैं। गाजियाबाद और कोटद्वार इकाइयों को आईएसओ 14001 और आईएसओ 45001 के संयुक्त प्रमाणपत्र के लिए प्रमाणित किया गया है। बैंगलोर कॉम्प्लेक्स को पहली बार आईएसओ 45001 ए, व्यावसायिक स्वास्थ्य और सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली (ओएचएसएमएस) के मानक के लिए प्रमाणित किया गया है। इस वर्ष 2022 में बीईएल गाजियाबाद यूनिट को सीआईआईईएक्सआईएम बैंक व्यवसाय उत्कृष्टता पुरस्कार और रोल मॉडल संगठन पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया है।

बीईएल ने रेडार, नौसेना प्रणाली, संचार और इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स उत्पादों के क्षेत्रों में कुल 65 उत्पादों के लिए डीजीक्यूए से 12 इकाइयों/एसबीयू को सम्मिलित करते हुए 22 ग्रीन चैनल प्रमाणपत्र प्राप्त किए। मस्तूल, बैटरी और बंदूक का उन्नयन किया गया। बीईएल गुणवत्ता पहलुओं में इस नई ऊंचाई तक पहुंचने वाला पहला पीएसयू है; गाजियाबाद एसबीयू डीसीसीएस को इस साल सीएमएस सिस्टम्स के लिए पहली बार ग्रीन चैनल सर्टिफिकेट मिला है। कंपनी की 13 यूनिट/एसबीयू/डिवीजन सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली आईएसएमएस आईएसओ 27001 के लिए प्रमाणित हैं। वर्ष के दौरान पुणे यूनिट को पहली बार आईएसएमएस आईएसओ 27001 के लिए प्रमाणित किया गया है, बीजी कॉम्पलेक्स के कंपोनेंट एसबीयू और पुणे यूनिट को AS9100D और एचएलएस एंड एससीबी एसबीयू CSGs C-QA, CMS, ES को ISO 9001 गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली मानक के लिए पुन: प्रमाणित किया गया है। बीईएल के पास कुल 19 ओए9100डी प्रमाण-पत्र और 8 आईएसओ 9001 प्रमाण-पत्र हैं। साफ्टवेयर एसबीयू सीएमएमआई स्तर 5 से प्रमाणित है और आईटीएसएमएस 20000-1 से भी प्रमाणित है। गाज़ियाबाद के एनसीएस और डीसीसीएस एसबीयू, सीआरएल-गाज़ियाबाद, चेन्नै और हैदराबाद यूनिटें सीएमएमआई के स्तर 3 से प्रमाणित हैं।

कंपनी ने गुणता नियंत्रण सर्किलों (क्यूसीसी) के माध्यम से गुणता आंदोलन में गैर-कार्यपालकों की भागीदारी की सुविधा प्रदान की है। वर्ष 2022-23 के

दौरान, विभिन्न क्यूसीसी टीमों द्वारा 717 क्यूसीसी प्रस्तुतिकरण किए गए। कई क्यूसीसी टीमों को राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए नामांकित किया गया है और सभी को विभिन्न श्रेणियों के पुरस्कारों के लिए चुना गया है। एससी एंड यूएस एसबीयू टीम दिग्मा ने जकार्ता, इंडोनेशिया में आईसीक्यूसीसी 2022 में भाग लिया और प्लेटिनम पुरस्कार जीता। वित्त वर्ष 2022-23 में लगभग 4,203 सुझावों को सम्मानित किया गया। इस वर्ष के दौरान विभिन्न प्रक्रिया सुधारों में इस सुझाव योजना के कार्यान्वयन के माध्यम से ₹ 80 करोड़ की कुल बचत की गई।

वर्ष के दौरान, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, बैंगलोर द्वारा विभिन्न यूनिटों के "सिक्स सिग्मा ब्लाक बेल्ट" में प्रशिक्षित किया जाता है। एक वरिष्ठ कार्यपालक को भारतीय सांख्यिकी संस्थान, बेंगलुरु द्वारा "मास्टर ब्लैक बेल्ट" पर प्रशिक्षित किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 474 सिक्स सिग्मा परियोजनाएं पूरा की गई हैं जिसके फलस्वरूप कंपनी को लगभग रु. 146.72 करोड़ की बचत हुई है। क्यूसीएफआई द्वारा आयोजित क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता सीसीक्यूसी-2022 में बीईएल की 15 सिक्स सिग्मा टीमों ने भाग लिया और सभी 15 टीमों को सर्वोच्च पुरस्कार "गोल्ड" प्रदान किया गया। बीईएल की 15 सिक्स सिग्मा टीमों ने क्यूसीएफआई द्वारा आयोजित राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता एनसीओसी-2022 में भाग लिया और सभी 15 टीमों ने सर्वोच्च पुरस्कार "पार एक्सीलेंस" पुरस्कार जीता।

कंपनी ने एएसक्यू द्वारा विश्वसनीयता "सर्टीफाइड रिलायबिलिटी इंजीनियर (सीआरई)" के लिए डी एंड ई के इंजीनियरों को नामित किया। वर्ष के दौरान, 24 डी एंड ई और परीक्षण इंजीनियरों को सीआरई के रूप में प्रमाणित किया गया। कंपनी ने भारतीय सांख्यिकी संस्थान द्वारा सिग्स सिग्मा ग्रीन बैल्ट (डीएफएसएस-जीबी) के लिए डिज़ाइन हेतु डी एंड ई इंजीनियरों को भी नामित किया। वर्ष के दौरान डी एंड ई के 26 इंजीनियरों को "डीएफएसएस ग्रीन बेल्ट" (डीएफएसएस-जीबी) के लिए प्रमाणित किया गया। वर्ष के दौरान 25 मध्यम-स्तरीय और वरिष्ठ कार्यपालकों को भारतीय सांख्यिकी संस्थान, बेंगलूरु द्वारा "बिज़नस एनालिटिक्स एंड डेटा मैनेजमेंट" पर प्रशिक्षित किया गया।

कंपनी ने एएसक्यू द्वारा संचालित "सर्टिफाइड सॉफ्टवेयर क्वालिटी इंजीनियर" (सीएसक्यूई) पर वैश्विक प्रमाणन के लिए सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को नामित किया गया। वर्ष के दौरान 9 सॉफ्टवेयर इंजीनियरों को सीएसक्यूई के रूप में प्रमाणित किया गया। वर्ष के दौरान, एएसक्यू द्वारा 30 ऑपरेटिंग स्तर के गुणवत्ता इंजीनियरों को "प्रमाणित गुणवत्ता इंजीनियरों (सीक्यूई)" के रूप में प्रमाणित किया गया है।

कंपनी ने एएसक्यू द्वारा "प्रमाणित आपूर्तिकर्ता गुणवत्ता पेशेवर (सीएसक्यूपी)" पर वैश्विक प्रमाणन के लिए खरीद, उप-अनुबंध, उत्पादन नियंत्रण जैसे आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्रों में काम करने वाले अधिकारियों को भी नामित किया है। वर्ष के दौरान 8 अधिकारियों को सीएसक्यूपी के रूप में प्रमाणित किया गया है। वर्ष के दौरान वरिष्ठ स्तर के अधिकारियों के लिए एएसक्यू द्वारा गुणता और संगठन उत्कृष्टता के लिए प्रमाणित प्रबंधक (सीएमक्यू-ओई) भी संचालित किया जाता है और 7 वरिष्ठ अधिकारियों को सीएमक्यू-ओई के रूप में प्रमाणित किया जाता है। परियोजना प्रबंधन की संस्कृति को आत्मसात करने के लिए, परियोजना प्रबंधन पेशेवर (पीएमपी) के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए। वर्ष के दौरान 49 पीएमपी को परियोजना प्रबंधन संस्थान (पीएमआई) द्वारा प्रमाणित हैं।

पंचकुला यूनिट ने पहला पुरस्कार जीता, चेन्नई यूनिट और BG cx का EW&A SBU और पंचकुला यूनिट ने आंतरिक गुणवत्ता पहचान पुरस्कार (क्यूआरए) 2022 में क्रमश: दूसरा और तीसरा पुरस्कार जीता।

इस साल भी कंपनी ने समाकलित ग्राहक संतुष्टि सर्वे किया, और 63.20 के नेट प्रमोटर स्कोर के साथ संतुष्टि सूचकांक 87.60 है जो बेंचमार्क कंपनियों की तुलना में बहुत अच्छा है।

मानव संसाधन

आपकी कंपनी ने 31 मार्च 2023 को 8,832 लोगों को रोजगार दिया, जबकि 31 मार्च 2022 को 8,853 लोगों को रोजगार मिला। इन कर्मचारियों में से 4,839 इंजीनियर/वैज्ञानिक थे और 1,911 महिला कर्मचारी थीं। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान कुल 503 कर्मचारियों को शामिल किया गया था। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान अनुसूचित जाति (एससी) से संबंधित 87 कर्मचारी, अनुसूचित जनजाति (एसटी) से संबंधित 34 कर्मचारी, अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से 173 कर्मचारी, अल्पसंख्यक समुदाय से संबंधित 32 कर्मचारी और 7 शारीरिक रूप से अक्षम कर्मचारी शामिल किए गए थे।

आरक्षण नीति पर आपकी कंपनी सरकार के निर्देशों का पालन कर रही है। 31 मार्च 2023 तक अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति और कर्मचारियों की अन्य श्रेणियों का विवरण इस प्रकार है-

कर्मचारियों की श्रेणी	कार्यकारी		गैर - कार्यकारी	
	समूह 'ए'	समूह 'बी'	समूह 'सी'	समूह 'डी'
अनुसूचित जाति	1,061	35	495	20
अनुसूचित जनजाति	381	18	120	14
अन्य पिछड़ा वर्ग	1,376	59	778	29
भूतपूर्व सैनिक	17	1	23	-
शारीरिक रूप से विकलांग	401	14	227	4

तकनीकी, कार्यात्मक, प्रबंधकीय और नेतृत्व क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाने के लिए वर्ष के दौरान विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए। विभिन्न ग्रेडों के माध्यम से प्रगति करने वाले अधिकारियों की उभरती प्रशिक्षण आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए प्रमुख संस्थानों के साथ संरचित कार्यकारी विकास कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए गए थे। वर्ष के दौरान मानव संसाधन पहलों पर एक विस्तृत विवरण अलग से प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में प्रदान किया गया है, जो इस रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के तहत प्रकटीकरण

कंपनी एक समान अवसर नियोक्ता है और सचेत रूप से एक ऐसी कार्य संस्कृति बनाने का प्रयास करती है जो सभी कर्मचारियों की गरिमा को बढ़ावा देती है।

कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत आवश्यक बनाए गए नियमों के अंतर्गत कंपनी ने कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम, निषेध और निवारण पर नीति लागू की गई है, जिसे कंपनी के इंट्रानेट पोर्टल पर अपलोड कर दिया गया है। सेवा प्रदाताओं सहित सभी महिलाएं स्थायी, अस्थायी, या संविदात्मक इस नीति के अंतर्गत आती हैं।

यौन उत्पीड़न से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए कॉर्पोरेट कार्यालय सहित नौ घटक इकाइयों में से प्रत्येक में एक आंतरिक शिकायत समिति का गठन किया गया है। कर्मचारियों को संवेदनशील बनाने और कार्यस्थल पर उनके सहयोगियों की गरिमा बनाए रखने के लिए, विशेष रूप से यौन उत्पीड़न की रोकथाम के संबंध में, पूरी कंपनी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। यौन उत्पीड़न से संबंधित वर्ष के दौरान दायर की गई, निपटाई गई और लंबित शिकायतों का विवरण व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट में प्रदान किया गया है, जो इस रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

पुरस्कार और प्रशस्ति पत्र

आपकी कंपनी उपभोक्ता अंतर्दृष्टि पर विचार करके और उपभोक्ताओं तक पहुंचकर अपने सभी उत्पादों में गुणवत्ता का उच्चतम स्तर हासिल करने का प्रयास करती है। वर्ष के दौरान, आपकी कंपनी ने निम्नलिखित विभिन्न पुरस्कार और प्रशंसा प्राप्त किए है:

- द इकोनॉमिक टाइम्स - आइकॉनिक ब्रांड ऑफ़ इंडिया अवार्ड - 2022।
- नवाचार, डिजाइन, प्रौद्योगिकी या अनुसंधान एवं विकास में उत्कृष्टता के लिए अंतर्राष्ट्रीय एयरोस्पेस और रक्षा पुरस्कार।
- बड़ी कंपनियों के बीच रक्षा मंत्री के निर्यात रक्षा निर्यात रत्न पुरस्कार 2021-22 के विजेता।
- बड़ी कंपनियों के बीच प्रौद्योगिकी और उत्पाद नवाचार के लिए एसआईडीएम (सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स) चैंपियन अवार्ड 2022
- आईसीसी (इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स) पीएसई एक्सीलेंस अवार्ड्स फॉर द कंपनी ऑफ द ईयर, के समावेशन के साथ - सार्वजनिक उपक्रमों में महिलाओं और विकलांगों का योगदान, और प्रचालन प्रदर्शन उत्कृष्टता के लिए उपविजेता पुरस्कार।
- सीआईआई एक्जिम बैंक बिजनेस एक्सीलेंस अवार्ड (2022) और बीईएल की गाजियाबाद यूनिट के लिए रोल मॉडल संगठन के लिए जूरी द्वारा की गई प्रशंसा के निमित्त दोहरा सम्मान ।
- अनुसंधान और नवाचार, पर्यावरण और स्थिरता, भू-रणनीतिक पहुंच और कम्युनिकेशन लीडर ऑफ द ईयर में उत्कृष्टता के लिए गवर्नेंस नाउ का 9वां पीएसयू पुरस्कार।
- भारतीय मशीन टूल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईएमटीएमए) द्वारा आयोजित राष्ट्रीय उत्पादकता शिखर सम्मेलन में बीईएल के बैंगलोर कॉम्प्लेक्स के निर्यात विनिर्माण एसबीयू के लिए विनिर्माण उत्पादकता बढ़ाने में उत्कृष्ट योगदान हेतु चैंपियन ऑफ चैंपियंस अवार्ड (प्रथम पुरस्कार) और वोक्स पॉपुली (वॉयस ऑफ द ऑडियंस) अवार्ड प्रदान किया गया।
- आईपीसी इंडिया अवार्ड बीईएल के प्रशिक्षण और प्रमाणन की आवश्यकताओं के लिए आईपीसी के साथ दीर्घकालिक सहयोग की मान्यता है।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान एमएसएमई श्रेणी के तहत महिला उद्यमियों से नवरत्न सीपीएसई में सर्वाधिक खरीद के लिए सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) से प्रशंसा प्रमाण पत्र प्राप्त हुआ । यह पुरस्कार भारत सरकार की सार्वजनिक खरीद नीति के कार्यान्वयन के जनादेश की दिशा में बीईएल द्वारा किए गए प्रयासों को स्वीकार करता है।
- सर्वश्रेष्ठ सुरक्षा, रक्षा या कानून प्रवर्तन आईटी परियोजना के लिए क्वांटिक टेक्नोलॉजी एक्सीलेंस अवार्ड 2022।
- सर्वश्रेष्ठ सहायक संगठन - क्यूसीएफआई से पीएसयू पुरस्कार।
- पीआरसीआई हॉल ऑफ फेम पुरस्कार सहित भारतीय जनसंपर्क परिषद (पीआरसीआई) उत्कृष्टता पुरस्कार।
- राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्टता के लिए नराकास, बेंगलुरु से पुरस्कार।
- भारत में मेट्रो और रेल कम्यूटेशन के परिवर्तन के लिए सरकार की मेक इन इंडिया पहल के अनुरूप बीईएल के योगदान को मान्यता देने के लिए शहरी इंफ्रा बिजनेस लीडरशिप अवार्ड 2022
- निदेशक (वित्त) और सीएफओ के लिए द बिजनेस लीडरशिप अवार्ड्स के दूसरे संस्करण में इनोवेटिव सीएफओ अवार्ड।
- सीएफओ के लिए पब्लिक सेक्टर सीएफओ ऑफ द ईयर अवार्ड।
- वर्ल्ड मैन्युफैक्चरिंग कांग्रेस द्वारा बीईएल-पंचकुला को सर्वाधिक प्रतिष्ठित संगठन पुरस्कार।
- सामग्री प्रबंधन संस्थान, चंडीगढ़ से बीईएल-पंचकुला को चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी के लिए अभिनव डिजिटल स्मार्ट सिटी परियोजना पुरस्कार।
- बीईएल-पंचकुला के लिए चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी के लिए ईलेट्स आत्मानिर्भर भारत पुरस्कार
- श्रीमती प्रभा गोयल, महाप्रबंधक (पीके) को प्रौद्योगिकी श्रेणी में सीआईआई कॉर्पोरेट महिला नेतृत्व पुरस्कार।
- रक्षा मंत्री पुरस्कार - एआई-आधारित संकेत पहचान और एकीकृत परिधि सुरक्षा समाधान के लिए तथा रघु मल्लापुरम हेतु तटीय रेडार प्रणाली और वीएचएफ समुद्री रेडियो संचार प्रणाली के स्वदेशीकरण के लिए संतोष कुमार दूसरा रनर अप रहे।

सहायक कंपनियां, संयुक्त उद्यम और सहयोगी

बीईएल ऑप्ट्रोनिक डिवाइसेज लिमिटेड (बीईएलओपी) बीईएल की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो इमेज इंटेंसिफायर ट्यूब बनाती है। आपकी कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान बीईएलओपी के इक्विटी शेयरों में ₹ 2,199 लाख (प्रत्येक ₹ 10/- के 87,16,850 इक्विटी शेयर ₹ 15.23/- प्रति शेयर के प्रीमियम पर) बीईएलओपी द्वारा पेश किए गए राइट्स निर्गम की सदस्यता लेकर निवेश किया है। बीईएलओपी ने पिछले वर्ष के 4,586 लाख रुपये की तुलना में इस वर्ष के लिए 6,098 लाख रुपये का कारोबार हासिल किया। पिछले वर्ष के 516 लाख रुपये की तुलना में वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) 676 लाख रुपये था।

बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल) एक सहायक कंपनी है। आपकी कंपनी के पास बीटीएसएल में 74% इक्विटी पूंजी है। वर्ष के दौरान, बीटीएसएल ने पिछले वर्ष के ₹ 3,901 लाख की तुलना में ₹ 7,815 लाख का कारोबार दर्ज किया। पिछले वर्ष के ₹521 लाख की तुलना में वर्ष के लिए कर पश्चात लाभ (पीएटी) ₹ 700 लाख था।

एसोसिएट कंपनी जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड [बीईएल की 26% शेयरधारिता] का प्रदर्शन लगातार अच्छा है। यह सीटी मैक्स और अन्य नवीनतम संस्करण एक्स-रे ट्यूब बनाती है। जीई बीई प्रा. लिमिटेड ने पिछले वर्ष के ₹ 1,56,267 लाख की तुलना में वर्ष के लिए ₹ 1,57,547 लाख का कारोबार दर्ज किया। कर पश्चात लाभ (पीएटी) पिछले वर्ष के ₹17,578 लाख की तुलना में वर्ष के लिए ₹17,624 लाख था।

रक्षा नवोन्मेष संगठन (डीआईओ) कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार ₹1 करोड़ की अधिकृत शेयर पूंजी के साथ `लाभ के लिए नहीं' कंपनी है। बीईएल से 50% और एचएएल से 50% की इक्विटी भागीदारी के साथ, कंपनी का गठन रक्षा क्षेत्र में नवाचार के वित्तपोषण के उद्देश्य से किया गया था।

कंपनी (लेखा) नियम, 2014 (संशोधित) के नियम 5 के साथ पठित कंपनी अधिनियम की धारा 129(3) के प्रावधानों के अनुसरण में, सहायक कंपनियों/सहयोगी/संयुक्त उद्यमों के वित्तीय विवरण की मुख्य विशेषताओं से युक्त एक अलग विवरण फॉर्म एओसी-1 में वित्तीय विवरणों के साथ संलग्न है।

इसके अलावा, अधिनियम की धारा 136 के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी के वित्तीय विवरण, प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ समेकित वित्तीय विवरण, और सहायक कंपनियों के संबंध में अलग-अलग लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण, कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर उपलब्ध हैं।

समेकित वित्तीय विवरण

31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए आपकी कंपनी और इसकी सहायक कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम की धारा 129(3) और लागू भारतीय लेखा मानकों के प्रावधानों के अनुसार तैयार किए गए हैं और इस रिपोर्ट का हिस्सा हैं।

सतर्कता

कंपनी के सतर्कता संगठन का नेतृत्व एक मुख्य सतर्कता अधिकारी (सीवीओ) द्वारा किया गया, जो हरियाणा कैडर (1991 बैच) के एक आईएएस अधिकारी हैं। प्रत्येक यूनिट और एसबीयू में स्थायी सतर्कता अधिकारी तैनात हैं। इकाइयों और एसबीयू में सतर्कता प्रशासन की देखभाल के लिए सतर्कता समितियों का गठन किया जाता है। इकाइयों /एसबीयू प्रमुखों को सतर्कता समिति के अध्यक्ष के रूप में निर्दिष्ट किया गया है। इसके अलावा, कॉर्पोरेट में एक सतर्कता समिति मौजूद है, जिसमें अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक समिति के अध्यक्ष हैं और सीवीओ सदस्य सचिव हैं। निवारक सतर्कता,सतर्कता संगठन का प्रमुख क्षेत्र रहा है और वर्तमान वर्ष के दौरान इस पर ध्यान केंद्रित किया गया है। सतर्कता विभाग निरंतर आधार पर खरीद और प्रक्रियाओं की जांच करता है, नियमित और औचक निरीक्षण करता है, और इससे संदर्भित किसी भी संदिग्ध लेनदेन के मामलों की जांच करता है। एक कर्मचारी या तृतीय पक्ष जांच के लिए किसी भी संदिग्ध लेन-देन को सीवीओ के नोटिस में भेज सकता है जिसकी जांच कंपनी की शिकायत प्रबंधन नीति के अनुसार की जाती है। ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली को शुरू कर दिया गया है और बीईएल की वेबसाइट पर सतर्कता पोर्टल पर जाकर शिकायतें दर्ज की जा सकती हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, 802 उच्च मूल्य के खरीद आदेश/ अनुबंध (> ₹ 1 करोड़) की समीक्षा की गई है। पांच गहन परीक्षा टीमों के गठन के साथ सीटीई प्रकार की गहन परीक्षा का पुनर्गठन किया गया है। वर्ष 2022-23 के दौरान 60 उच्च मूल्य खरीद अनुबंधों की सीटीई प्रकार की गहन जांच की गई है। फील्ड सतर्कता अधिकारियों द्वारा नियमित और औचक जाँच एवं निरीक्षण भी किए गए हैं। वर्ष के दौरान 20 शिकायतें प्राप्त हुई। अनुशासनात्मक कार्रवाई के तहत कुल 12 शिकायतों का निपटान किया गया और कुछ मामलों में जहां खामियां पाई गईं, वहां प्रणाली/प्रक्रिया में सुधार की सिफारिश की गई है।

वर्ष के दौरान, 244 कार्यपालकों और 106 गैर-कार्यपालकों को सतर्कता पर बुनियादी जागरूकता कार्यक्रम दिया गया। संवेदनशील क्षेत्रों में 3 वर्ष से अधिक समय से काम कर रहे 62 कार्यकारी और 19 गैर-कार्यकारी अधिकारियों की क्रमावर्ती ड्यूटी कर दी गई और 96.3% प्रतिशत कवरेज रहा।

बीईएल के सतर्कता कार्य के लिए आईएसओ 9001/2015 प्रमाणन हेतु मे. टीयूवीएसयूडी द्वारा पहली निगरानी लेखापरीक्षा की गई और प्रमाणन कार्य जारी रखने की अनुशंसा की गई।

प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने और प्रौद्योगिकी के प्रभावी उपयोग के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर सीवीसी के दिशानिर्देशों के अनुरूप निम्नलिखित कार्यों को एसएपी और कंपनी की वेबसाइट के माध्यम से शुरू किया गया है:

- ई-खरीद।
- विक्रेताओं का ऑनलाइन पंजीकरण।
- विक्रेता भुगतान सूचना प्रणाली।
- विक्रेताओं को भुगतान का ई-भुगतान/बैंक हस्तांतरण।
- कार्य अनुबंधों, सेवा अनुबंधों, पूंजी मदों और गैर-उत्पादन मदों के संबंध में ₹ 10 लाख से अधिक मूल्य के दिए गए अनुबंधों/खरीद आदेशों का विवरण वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है।
- नामांकन/एकल निविदा के आधार पर ₹ 5 लाख से अधिक मूल्य के जारी किए गए अनुबंधों/खरीद आदेशों का विवरण वेबसाइट पर पोस्ट किया गया है।
- भ्रष्टाचार जोखिम प्रबंधन नीति पूरी कंपनी में बनाई और लागू की गई है।
- विक्रेताओं की निर्देशिका का रखरखाव किया जाता है।
- फ़ाइल जीवन चक्र प्रबंधन प्रणाली (एफएलएम) पूरी कंपनी में पूर्णतया लागू है।
- एसएपी में सभी कार्यकारी अधिकारियों के लिए एपीआर की ऑनलाइन फाइलिंग की सुविधा दी गई है और कार्यकारी अधिकारी एसएपी में एपीआर दाखिल करते रहे हैं।
- एसएपी के माध्यम से सतर्कता मासिक और त्रैमासिक रिपोर्ट तैयार की जाती हैं।
- एसएपी में समर्पित सतर्कता पोर्टल के माध्यम से सतर्कता मंजूरी प्रदान की जाती है।
- कंपनी भर में प्रणालीगत अनेक सुधार परियोजनाएं लागू की गई और ऐसी कुछ प्रणाली सुधार परियोजनाओं सीवीसी के न्यूज़लेटर / बुलेटिन में प्रलेखित किया गया।

जागरूकता अभियानों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से सिस्टम और प्रक्रियाओं के बारे में जागरूकता पैदा करके कंपनी के सभी लेन-देन और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता, निष्पक्षता और इक्विटी लाने के लिए बीईएल में स्थापित सतर्कता लगातार प्रयास कर रहा है। वर्ष के दौरान की गई कुछ प्रमुख गतिविधियां इस प्रकार हैं:

क) बीईएल ने देश भर में अपने सभी कार्यालयों में 31 अक्टूबर से 6 नवंबर 2022 तक "एक विकसित राष्ट्र के रूप में भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2022 के बैनर कॉरपोरेट कार्यालय के प्रमुख स्थानों और इकाइयों/क्षेत्रीय कार्यालयों/विपणन केंद्रों/उत्पाद सेवा केंद्रों पर भी प्रदर्शित किए गए।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाने की भावना को बनाए रखने के लिए विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और गतिविधियों का आयोजन किया गया। सप्ताह के दौरान व्याख्यान कार्यक्रम, स्कूलों और कॉलेजों में प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, ग्राम सभा, विक्रेता बैठक और अन्य गतिविधियां आयोजित की गईं।

कर्मचारियों को ई-शपथ लेने में सक्षम बनाने के लिए बीईएल इंट्रानेट में ई-शपथ की सुविधा प्रदान की गई थी। बीईएल इंट्रानेट के माध्यम से ई-शपथ लेने वाले कर्मचारियों के लिए सीवीओ/बीईएल द्वारा जारी प्रशंसा और प्रतिबद्धता का प्रमाण पत्र डाउनलोड करने का विकल्प था। 8,740 कर्मचारियों द्वारा ई-शपथ ली गई ।

सभी यूनिटों में सभी कर्मचारियों को उनके संबंधित कार्यस्थलों पर सत्यनिष्ठा शपथ दिलायी गयी।

इसके अलावा, कर्मचारियों को सीवीसी की वेबसाइट से ई-प्रतिज्ञा लेने हेतु सीवीसी वेबसाइट का लिंक उपलब्ध कराया गया। सप्ताह के दौरान बीईएल के सभी पंजीकृत भारतीय विक्रेताओं को सतर्कता जागरूकता पर एक ई-मेल भेजा गया था।

ख) सप्ताह के दौरान अनेक कार्यशालाएं और व्याख्यान आयोजित किए गए -

- श्री कृष्णा मूर्ति ए. आर. (सेवानिवृत्त जीएम (एफ) / बीईएल) द्वारा "भ्रष्टाचार मुक्त भारत, एक विकसित राष्ट्र के रूप में" विषय पर अतिथि व्याख्यान दिनांक 2 नवंबर 2022 को वीसी के माध्यम से सीओ / वीआईजी द्वारा आयोजित किया गया था। सभी इकाइयों के सतर्कता अधिकारी, विभाग प्रमुख, एसबीयू प्रमुखों ने नामित अधिकारियों के साथ वीसी में भाग लिया।
- 3 नवंबर 2022 को राष्ट्रकवि कुवेम्पु कलाक्षेत्र में न्यायमूर्ति एन कुमार, कर्नाटक उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश द्वारा "एक विकसित राष्ट्र के रूप में भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किया गया। निदेशक (बीसी), एसबीयू प्रमुख, और लगभग 500 नामित गैर-कार्यकारी और कार्यकारी अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
- तकनीकी शिक्षा निदेशक, श्रीमती सी. नागा रजनी, आईएएस ने मछलीपट्टनम यूनिट का दौरा किया और सभी प्रशिक्षुओं को सतर्कता शपथ दिलाई गई। साथ ही, केंद्रीय विद्यालय, मछलीपट्टनम और सरकारी गर्ल्स जूनियर कॉलेज, मछलीपट्टनम में सतर्कता शपथ दिलाई गई।
- कोटद्वार यूनिट में, 28 अक्टूबर 2022 को एचआरडी हॉल में श्री योगेश कुमार सेठी, वरिष्ठ डीजीएम (स.अधि.), बीईएल-जीएडी द्वारा "निवारक सतर्कता और जागरूकता" पर संवेदनशील क्षेत्रों में काम करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों, अनुबंध इंजीनियरों और प्रशिक्षुओं के लिए "निवारक सतर्कता और जागरूकता" पर एक कार्यशाला / संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

- 2 नवंबर 2022 को एचआरडी सभागार में सतर्कता/स्वास्थ्य जागरूकता पर पंचकूला यूनिट में कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें 60 से अधिक कर्मचारी उपस्थित रहे।
- 8 नवंबर 2022 को पुणे यूनिट में वीसी के माध्यम से नई भर्ती के लिए सतर्कता जागरूकता प्रशिक्षण तथा निवारक सतर्कता पर व्याख्यान श्री कृष्णमूर्ति द्वारा संचालित किया गया।
- कुलपति, कृष्णा विश्वविद्यालय, मछलीपट्टनम का दौरा किया और स्वच्छ भारत में सतर्कता भागीदारी के बारे में उनका संदेश मीडिया के माध्यम से दिया गया।
- 4 नवंबर 2022 को श्री विजया वस्त, एसीपी क्राइम ब्रांच, नवी मुंबई द्वारा समापन समारोह के दौरान व्याख्यान दिया गया।
- वर्तमान में राज्य उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, महाराष्ट्र के अध्यक्ष और बॉम्बे हाईकोर्ट से सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति सुरेन्द्र तिराडे द्वारा 12 नवंबर 2022 को नवी मुंबई में अतिथि व्याख्यान दिया गया।
- उपायुक्त (जीएसटी-पुणे II) द्वारा निवारक सतर्कता पर पुणे यूनिट में अतिथि व्याख्यान दिया गया।

ग) अगस्त, सितंबर और अक्टूबर 2022 में नए कार्यग्रहण करने वाले परिवीक्षाधीन इंजीनियरों को दो दिवसीय प्रवेश स्तर का प्रशिक्षण दिया गया ।

घ) दो दिवसीय वार्षिक सतर्कता बैठक 2022-23 का आयोजन 24 और 25 फरवरी 2023 को पुणे में किया गया। बैठक के दौरान दो अतिथि व्याख्यान "अधिप्राप्ति कपट और प्रकरण अध्ययन" तथा "साइबर अपराध और आपराधिक जांच" विषय पर आयोजित किए गए। मुख्य सतर्कता अधिकारी द्वारा एक विकसित राष्ट्र के रूप में "भ्रष्टाचार मुक्त भारत" विषय के साथ "जागृति - सतर्कता बुलेटिन", एक आंतरिक न्यूज़लेटर जारी किया गया

सत्यनिष्ठा संधि

खरीद कियाकलापों में भ्रष्टाचार को जड़ से खत्म करने के लिए केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) द्वारा की गई पहल में से एक सरकारी संगठनों के साथ बड़े मूल्य के अनुबंधों में सत्यनिष्ठा संधि की शुरूआत है। रक्षा मंत्रालय और केंद्रीय सतर्कता आयोग के निर्देशों के अनुसार, आपकी कंपनी ने सभी विक्रेताओं/आपूर्तिकर्ताओं/ठेकेदारों/सेवा प्रदाताओं के साथ ₹ 300 लाख और उससे अधिक मूल्य के सभी ऑर्डर/संविदाओं के लिए सत्यनिष्ठा संधि की गई है। सत्यनिष्ठा संधि अनिवार्य रूप से संभावित विक्रेताओं/बोलीदाताओं और प्रधान (बीईएल) के बीच संधि की परिकल्पना करता है, जो दोनों पक्षों के व्यक्तियों/अधिकारियों को अनुबंध के किसी भी पहलू/चरण में किसी भी भ्रष्ट आचरण का सहारा नहीं लेने के लिए प्रतिबद्ध करता है। केवल वही विक्रेता/बोली लगाने वाले, जो प्रधान के साथ इस तरह की संधि के लिए खुद को प्रतिबद्ध करते हैं, केवल उन्हें ही बोली प्रक्रिया में भाग लेने के लिए सक्षम माना जाएगा। किसी विशेष अनुबंध के संबंध में सत्यनिष्ठा संधि, बोली आमंत्रित करने के चरण से लेकर अनुबंध के अंतिम रूप से पूरा होने तक प्रभावी रहेगा। इसका कोई भी उल्लंघन बोलीदाताओं की अयोग्यता और भविष्य के व्यापारिक सौदों से बहिष्करण का कारण हो सकता है।

सीवीसी की सिफारिश के अनुसार, कंपनी ने सत्यनिष्ठा संधि के कार्यान्वयन की निगरानी के लिए डॉ. जोगिंदर पॉल शर्मा, आईएएस (सेवानिवृत्त), और श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, आईएएस (सेवानिवृत्त) और राजीव रंजन वर्मा, आईपीएस (सेवानिवृत्त) को कंपनी में नियुक्त किया गया है।

सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से खरीद

आपकी कंपनी सूक्ष्म और लघु उद्यमों (एमएसई) से खरीद बढ़ाने पर अधिक जोर दे रही है और एमएसएमई मंत्रालय द्वारा जारी दिशानिर्देशों/अधिसूचना के अनुसार एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति लागू कर रही है।

सरकार के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए बीईएल को टीआरईडीएस प्लेटफॉर्म, जीईएम, एमएसएमई संबंध और एमएसएमई समाधान पोर्टल से जोड़ा गया है।

कंपनी ने पूरे वर्ष विभिन्न अवसरों पर एमएसएमई/स्टार्ट-अप सहित भारतीय विक्रेताओं के लिए विक्रेता विकास कार्यक्रमों का आयोजन किया गया और उनमें भाग लिया गया ।

बीईएल अधिप्राप्ति में एमएसएमई/स्टार्ट-अप के लिए समय-समय पर जारी एमएसएमई मंत्रालय की अधिसूचनाओं में परिकल्पित प्रावधानों का विस्तार करता है।

2022-23 के दौरान,वर्ष 2022-23 के दौरान, एमएसई के लिए सार्वजनिक खरीद नीति के अनुसार 25% के अनिवार्य लक्ष्य के मुकाबले एमएसई से बीईएल की कुल घरेलू खरीद 32% रही।

राजभाषा नीति का कार्यान्वयन

आपकी कंपनी भारत सरकार की राजभाषा (राभा) नीति का पालन करने के लिए प्रतिबद्ध है। कंपनी ने सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय (एमएचए), भारत सरकार द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित विभिन्न लक्ष्यों को प्राप्त किया है।

राजभाषा निरीक्षण- संसदीय राजभाषा समिति द्वारा 21 मई 2022 को चेन्नई यूनिट और 14 जुलाई 2022 को नवी मुंबई यूनिट का राजभाषा निरीक्षण किया गया। निगमित राजभाषा निरीक्षण दल ने अपनी अधीनस्थ 05 इकाइयों/कार्यालयों का राजभाषा निरीक्षण किया गया। डीडीपी और रक्षा मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा 20 सितंबर 2022 को हैदराबाद यूनिट का राजभाषा निरीक्षण किया गया। सहायक निदेशक (कार्यान्वयन), क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय (दक्षिण), राजभाषा विभाग, बेंगलुरु ने 31 मार्च 2023 को निगमित कार्यालय का राजभाषा निरीक्षण किया।

द्विभाषीकरण- राजभाषा अधिनियम, 1963 की धारा 3(3) के अनुसार कॉर्पोरेट कार्यालय सहित कंपनी की सभी इकाइयां और कार्यालय द्वारा द्विभाषी रूप में दस्तावेज जारी किए जा रहे हैं। पत्राचार और कम्प्यूटर पर

हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक द्वारा राजभाषा नियम 8(4) के तहत हिंदी में प्रवीणता प्राप्त अधिकारियों/कर्मचारियों को अपना संपूर्ण कार्य हिंदी में करने के लिए व्यक्तिगत आदेश जारी किए गए। साथ ही, राजभाषा नियम 12(1) के तहत जाँच बिंदु निर्धारित करने का परिपत्र जारी किया गया।

कम्प्यूटरीकरण और वेबसाइट- राजभाषा से संबंधित अद्यतन जानकारी निगमित कार्यालय के राजभाषा विभाग द्वारा शुरू किए गए राजभाषा पोर्टल गरिमा के माध्यम से संप्रेषित की जा रही है। एसएपी में इकाइयों/कार्यालयों से तिमाही प्रगति रिपोर्ट ऑनलाइन प्राप्त की जा रही है। फाइल लाइफ-साइकिल मैनेजमेंट (एफएलएम) में हिंदी की टिप्पणियां लिखी जा रही हैं। कंपनी की वेबसाइट हिंदी में भी उपलब्ध है।

प्रशिक्षण और रिपोर्टिंग- हिंदी भाषा प्रशिक्षण और कंप्यूटर प्रशिक्षण के लिए एक रोस्टर बनाया जाता है जिसे समय-समय पर अद्यतन किया जाता है। रोस्टर के अनुसार कर्मचारियों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के लिए नामांकित किया गया। राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय, हिंदी शिक्षण योजना और नगर राजभाषा कार्यान्वियन समिति (नराकास) को उनके कार्यक्रमानुसार तिमाही/छमाही रिपोर्ट भेजी जाती है।

हिंदी माह समारोह- कंपनी की सभी इकाइयों और कार्यालयों में सितंबर के दौरान हिंदी माह और हिंदी दिवस मनाया गया। बीईएल के 22 अधिकारियों ने 14 सितंबर 2022 को सूरत (गुजरात) में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी दिवस समारोह और दूसरे अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।

बैठकें/कार्यशालाएं- सभी इकाइयों/कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन समिति (ओएलआईसी) की बैठकें, हिंदी कार्यशालाएं, और तकनीकी वार्ताएं हिंदी में आयोजित की गईं।

प्रोत्साहन और पुरस्कार- कंपनी के पास हिंदी में मूल कार्य करने के लिए विभिन्न आकर्षक प्रोत्साहन योजनाएँ हैं। इन योजनाओं का नाम प्रसिद्ध हिंदी साहित्य के नाम पर रखा गया है, जिसमें ₹ 2000 से ₹ 10,000 तक का नकद पुरस्कार दिया जाता है। कर्मचारियों ने नराकास प्रतियोगिताओं में भाग लिया और पुरस्कार जीते। बीईएल निगमित कार्यालय की हिंदी पत्रिका नवप्रभा को बेंगलुरु स्थित सार्वजनिक उपक्रमों के बीच नराकास द्वारा प्रथम पुरस्कार से सम्मानित किया गया। राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्टता के लिए सीएमडी राजभाषा शील्ड प्रत्येक क, ख और ग क्षेत्रों में स्थित यूनिटों को प्रदान की गई।

प्रकाशन- हिंदी के उपयोग को प्रचारित करने के लिए कंपनी की इकाइयों/निगमित कार्यालय में हिंदी पत्रिकाओं का प्रकाशन किया गया।

नई पहल- कंपनी की वेबसाइट पर राजभाषा के लिए एक समर्पित अनुभाग शुरू किया गया है। बीईएल की रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स शब्दावली शिक्षा मंत्रालय के वैज्ञानिक तथा तकनीकी शब्दावली आयोग (सीएसटीटी) के समन्वय से तैयार की जा रही है। पहला भारतेंदु राजभाषा कौशल अभिमुखीकरण कार्यक्रम की शुरुआत निगमित कार्यालय द्वारा बैंगलोर में स्थित केंद्र सरकार के कार्यालयों/बैंकों/उपक्रमों के राजभाषा अधिकारियों/अनुवादकों के लिए की गई थी। 10 जनवरी 2023 को विश्व हिंदी दिवस मनाया गया। बीईएल राजभाषा ज्ञान कोष (राजभाषा हिंदी पर 501 प्रश्न/उत्तर) निगमित राजभाषा द्वारा प्रकाशित किया गया था। कृष्णा सोबती हिंदी व्याख्यानमाला के अंतर्गत सामान्य रुचि और तकनीकी विषयों पर 05 व्याख्यान आयोजित किए गए।

राजभाषा कार्यान्वयन सुनिश्चित करने और कंपनी में हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 का कार्यान्वयन

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के प्रावधानों के अनुरूप, आपकी कंपनी के पास अधिनियम के प्रावधानों को संबोधित करने के लिए एक सुपरिभाषित तंत्र मौजूद है। कार्यान्वयन की निगरानी के लिए आपकी कंपनी में "नोडल अधिकारी" के रूप में महाप्रबंधक स्तर का एक नामित अधिकारी है। प्राप्त अनुरोधों की सूचना "केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ)" के रूप में नामित 17 वरिष्ठ कर्मियों द्वारा मुहैया कराई जाती है, जिसमें निगमित कार्यालय में एक और प्रत्येक इकाइयों/क्षेत्रीय कार्यालयों में शामिल है। आपकी कंपनी के पास अधिनियम के तहत दायर प्रथम अपीलों का निपटान करने के लिए ठप्रथम अपीलीय प्राधिकारीठ के रूप में महाप्रबंधक स्तर का एक नामित अधिकारी है। सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, आपकी कंपनी अधिनियम के तहत ऑनलाइन आवेदनों को सफलतापूर्वक कार्रवाई कर रही है।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 4(1)(बी) के अनुसार प्रदान की जाने वाली जानकारी कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट की गई है।

एफएए, सीपीआईओ और शामिल अन्य आंतरिक हितधारकों को प्रशिक्षण और कार्यशालाओं के माध्यम से अधिनियम के तहत उनके दायित्वों के बारे में जागरूक किया जाता है।

आपकी कंपनी को अप्रैल 2022 से मार्च 2023 की अवधि के दौरान 450 आवेदन प्राप्त हुए (अन्य लोक प्राधिकरणों द्वारा बीईएल को हस्तांतरित किए गए 77 सहित), और 15 आरटीआई आवेदनों को वित्तीय वर्ष 2021-22 से अग्रेनीत किए गए। कुल 465 आवेदनों में से 96 अस्वीकृत आवेदनों सहित कुल 422 आवेदनों का जवाब दिया गया। आपकी कंपनी को इस अवधि के दौरान 86 प्रथम अपील प्राप्त हुईं, जिनमें से 85 का निस्तारण किया गया। सभी चार (4) तिमाहियों के लिए तिमाही आरटीआई विवरणी केंद्रीय सूचना आयोग को प्रस्तुत किए गए हैं।

बोर्ड और समिति(यों) की बैठकें

वर्ष के दौरान, बोर्ड की आठ बैठकें आयोजित की गईं और किन्हीं दो बैठकों के बीच अधिकतम अंतराल 120 दिनों से अधिक नहीं था। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान आयोजित बोर्ड और समिति(यों) की बैठकों का विवरण कॉरपोरेट प्रशासन रिपोर्ट में प्रस्तुत किया गया है, जो इस रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों और उनकी शेयरधारिता में परिवर्तनु

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान आपकी कंपनी के निदेशालय और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिकों में निम्नलिखित परिवर्तन हुए:

क्र.सं.	निदेशक का नाम	पदनाम	नियुक्ति की तिथि	सेवा समाप्ति की तिथि
1	श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव	निदेशक (अन्य इकाइयां)	20.04.2022	लागू नहीं
2	सुश्री मंजुला जिल्लेलामुदी	सरकार द्वारा नामित निदेशक	लागू नहीं	01.05.2022
3	डॉ. बिनॉय कुमार दास	सरकार द्वारा नामित निदेशक	04.07.2022	लागू नहीं
4	श्रीमती आनंदी रामलिंगम	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक - अतिरिक्त प्रभार, निदेशक (विपणन) एवं निदेशक (मानव संसाधन) - अतिरिक्त प्रभार	लागू नहीं	31.08.2022
5	श्री राजशेखर एम वी	निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)	लागू नहीं	31.08.2022
6	श्री मनोज जैन	निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)	26.09.2022	लागू नहीं
7	श्री अनुराग बाजपेयी	सरकार द्वारा नामित निदेशक	लागू नहीं	23.12.2022
8	श्री दिनेश कुमार बत्रा	अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक - अतिरिक्त प्रभार, निदेशक (वित्त) और सीएफओ, निदेशक (विपणन) - अतिरिक्त प्रभार तथा निदेशक (मानव संसाधन) - अतिरिक्त प्रभार	लागू नहीं	31.10.2022
9	श्री टी नटराजन	सरकार द्वारा नामित निदेशक	02.01.2023	लागू नहीं
10	श्री दामोदर भट्टड एस	निदेशक (वित्त)	11.01.2023	लागू नहीं
11	श्री दामोदर भट्टड एस	सीएफओ	28.01.2023	लागू नहीं

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(51) के तहत परिभाषित किया गया है कि श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक (अतिरिक्त प्रभार), श्री दामोदर एस भट्टड, निदेशक (वित्त) एवं मुख्य वित्तीय अधिकारी तथा श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव केएमपी हैं।

श्री विक्रमन एन को दिनांक 01.06.2023 से अतिरिक्त निदेशक डनिदेशक (मानव संसाधन).और श्री के वी सुरेश कुमार को दिनांक 16.06.2023 से अतिरिक्त निदेशक डनिदेशक (विपणन).नियुक्त किया गया।

श्री विनय कुमार कत्याल, निदेशक (बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स) अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31 जुलाई 2023 को सेवानिवृत्त हुए।

श्री टी नटराजन और श्री दामोदर एस भट्टड, श्री विक्रमन एन और श्री के वी सुरेश कुमार, अतिरिक्त निदेशकों को 69वीं वार्षिक आम बैठक की सूचना में निर्धारित शर्तों के अनुसार निदेशकों के रूप में नियुक्त किए गए।

श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव, निदेशक (अन्य इकाइयां), आगामी वार्षिक आम बैठक में बारी-बारी से सेवानिवृत्त होते हैं और पात्र होने के नाते, खुद को पुनर्नियुक्ति के लिए प्रस्तावित करते हैं।

31 मार्च 2023 तक कंपनी में शेयर रखने वाले निदेशकों और प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक (केएमपी) का विवरण नीचे दिया गया है:

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	धारित इक्विटी शेयरों की संख्या
1	श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव	निदेशक (अन्य इकाइयां) सीएमडी - अतिरिक्त प्रभार निदेशक (विपणन) - अतिरिक्त प्रभार	3,789
2	श्री विनय कुमार कात्याल	निदेशक (बैंगलोर कॉम्प्लेक्स)	3,789
3	श्री मनोज जैन	निदेशक (अनुसंधान एवं विकास)	7,590
4	श्री दामोदर एस भट्टड	निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ	3,789
5	श्री श्रीनिवास एस	कंपनी सचिव	3,789

कंपनी ने वर्ष के दौरान कोई भी परिवर्तनीय प्रतिभूति जारी नहीं की है।

निदेशकों का उत्तरदायित्व विवरण

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(सी) और 134(5) के संदर्भ में, आपके निदेशक, अपनी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास तथा उनके द्वारा प्राप्त की गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार, बताते हैं कि-

क) वार्षिक खातों की तैयारी में, लागू लेखाकरण मानकों का पालन किया गया है और सामग्री विचलन से संबंधित उचित स्पष्टीकरण दिया गया है;

ख) 31 मार्च 2023 तक कंपनी के मामलों की स्थिति के बारे में सही और निष्पक्ष जानकारी के लिए निदेशकों द्वारा ऐसी लेखांकन नीतियों का चयन किया गया और उन्हें दृढ़ता से लागू किया गया जो उचित और विवेकपूर्ण थे तथा ऐसे निर्णय एवं अनुमान लगाए गए ताकि तथा 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के लाभ की जानकारी दे सकें।

ग) निदेशकों ने कंपनी की संपत्तियों की सुरक्षा और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं को रोकने एवं पता लगाने के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार समुचित लेखांकन रिकॉर्ड के रखरखाव हेतु उचित और पर्याप्त देखभाल की है;

घ) निदेशकों ने वार्षिक लेखे निकट भविष्य में अपने वित्तीय दायित्वों को पूरा करने के आधार पर तैयार किए हैं;

ङ) निदेशकों ने सुनिश्चित किया कि उपयुक्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण स्थापित थे और इस तरह के वित्तीय नियंत्रण पर्याप्त और प्रभावी रूप से काम कर रहे थे;

च) निदेशकों द्वारा सभी लागू कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए उचित प्रणालियाँ तैयार की गई और वह सभी पर्याप्त और प्रभावी ढंग से काम कर रही थी।

एकीकृत रिपोर्ट

कंपनी ने स्वेच्छा से एक एकीकृत रिपोर्ट प्रदान की है, जिसमें सदस्यों को अच्छी तरह से सूचित निर्णय लेने और कंपनी के लघु, मध्यम और दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य की बेहतर समझ रखने में सक्षम बनाने के लिए वित्तीय और गैर-वित्तीय दोनों जानकारी शामिल है। यह रिपोर्ट संगठन की रणनीति, प्रशासन के ढांचे, प्रदर्शन, और पूंजी के छह रूपों के आधार पर मूल्य निर्माण की संभावनाओं जैसे वित्तीय पूंजी, निर्मित पूंजी, बौद्धिक पूंजी, मानव पूंजी, सामाजिक और संबंध पूंजी, और प्राकृतिक पूंजी जैसे पहलुओं पर भी प्रकाश डालती है।

महत्वपूर्ण और भौतिक आदेश

नियामकों या अदालतों अथवा न्यायाधिकरणों द्वारा कंपनी के संचालन को लेकर अभी तक या निकट भविष्य में प्रभावित करने वाला कोई महत्वपूर्ण या भौतिक आदेश आज तक पारित नहीं किया गया हैं।

वित्तीय विवरणों की तिथि के बाद की स्थिति

31 मार्च 2023 और इस रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने की तिथि के बीच कंपनी की वित्तीय स्थिति को प्रभावित करने वाले कोई भौतिक परिवर्तन और प्रतिबद्धताएँ नहीं हैं।

संबंधित पार्टी के लेन-देन

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान किए गए संबंधित पार्टी के साथ लेन-देन एक दूसरे को प्रभावित किए बिना के आधार पर किया गया था और व्यापार के सामान्य ढंग में था। संबंधित पक्षों के साथ कोई भी लेन-देन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188(1) के दायरे में नहीं आता है। यदि आवश्यक हो तो सभी संबंधित पार्टी लेनदेन को लेखापरीक्षा समिति और अनुमोदन के लिए बोर्ड के समक्ष भी रखा जाता है। सदस्य संबंधित पार्टी के लेन-देन के विवरण के लिए खातों में टिप्पणियों का उल्लेख कर सकते हैं। कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर संबंधित पार्टी के लेन-देन की पॉलिसी अपलोड की गई है। कंपनी (लेखा) नियमावली, 2014 के नियम 8(2) के साथ पठित कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(3)(एच) के अनुसरण में सूचना इस रिपोर्ट के साथ **संलग्नक-1** के रूप में संलग्न है।

कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व

आपकी कंपनी ने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 और कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) नियम, 2014 के प्रावधानों के अनुसार कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय (एमसीए) द्वारा जारी किए गए विभिन्न स्पष्टीकरणों और संशोधनों के अनुसार एक कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति बनाई है। सीएसआर परियोजनाओं को कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची-VII के अनुरूप लिया जाता है, जो कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति में विधिवत शामिल है और हमारे सभी सीएसआर कार्यक्रमों के लिए मार्गदर्शक सिद्धांत बनाती है। बीईएल की कार्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व नीति, कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर प्रदर्शित की गई है।

इसका उद्देश्य समाज में उपेक्षित और वंचित वर्गों/समुदायों के सशक्तिकरण में क्षमता विकास उपायों के माध्यम से समावेशी विकास, सतत और समान विकास की दिशा में योगदान करना है। स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा, ग्रामीण विकास, पर्यावरणीय स्थिरता और व्यावसायिक कौशल विकास के क्षेत्रों में केंद्रित हस्तक्षेप किए जाते हैं।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, सीएसआर व्यय के लिए डीपीई दिशानिर्देश सीपीएसई को नीति आयोग द्वारा चिन्हित आकांक्षी जिलों को प्राथमिकता के साथ स्वास्थ्य और पोषण के सामान्य विषय पर केंद्रित सीएसआर हस्तक्षेप करने के लिए निर्धारित करते हैं। तदनुसार, कंपनी ने पूरे भारत में सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए केंद्रित हस्तक्षेप शुरू किए हैं। दूर-दराज के सरकारी स्कूलों में नवोन्मेषी शिक्षा को बढ़ावा देना, और कौशल भारत को बढ़ावा देना- तकनीकी कौशल को निखारना, उद्योग में अनुभव प्रदान करना, और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवाओं को रोजगारपरक कौशल प्रदान करना, सीएसआर क्षेत्र की उच्च प्राथमिकता हैं।

कंपनी (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) नियम, 2014 (यथासंशोधित) के तहत आवश्यकता के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए सीएसआर गतिविधियों पर एक रिपोर्ट **संलग्नक-2** के रूप में संलग्न है।

सांविधिक लेखापरीक्षक

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए, कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 139(5) के अनुसार, भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएंडएजी) द्वारा कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षक के रूप में, मैसर्स गुरु एंड जना, सनदी लेखाकार, बेंगलुरु को बैंगलोर कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद इकाई, चेन्नई इकाई और कॉर्पोरेट कार्यालय के खातों की लेखापरीक्षा के लिए नियुक्त किया गया। मैसर्स वीए दुधेडिया एंड कंपनी, सनदी लेखाकार, पुणे को नवी मुंबई और पुणे इकाइयों के शाखा लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। मैसर्स अश्विनी एंड एसोसिएट्स, सनदी लेखाकार, नई दिल्ली को गाजियाबाद, पंचकुला और कोटद्वार इकाइयों के शाखा लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। मैसर्स पी सुब्बारायुडु एंड कंपनी, सनदी लेखाकार, विजयवाड़ा को मछलीपट्टनम इकाई के लिए शाखा लेखापरीक्षक के रूप में नियुक्त किया गया था।

वित्त वर्ष 2022-23 के वित्तीय विवरणों पर सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट और वित्तीय विवरण पर कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(6)(बी) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएंड एजी) की 'शून्य' टिप्पणियां, समेकित वित्तीय विवरण सहित, वार्षिक रिपोर्ट में संलग्न हैं।

लागत लेखापरीक्षक और लागत अभिलेखों का रखरखाव

आपकी कंपनी ने कंपनी के लागत रिकॉर्ड के लेखापरीक्षा हेतु वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी के लागत लेखापरीक्षकों के रूप में मेसर्स मूर्ति एंड कंपनी एलएलपी, लागत लेखाकार, बेंगलुरु को नियुक्त किया गया। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148(1) के तहत केंद्र सरकार द्वारा निर्दिष्ट लागत रिकॉर्ड को कंपनी बनाए रखती है।

सचिवीय लेखा परीक्षक

वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए कंपनी का सचिवीय ऑडिट करने हेतु कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204 और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिकों की नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 (यथासंशोधित) के प्रावधानों के अनुसार, कंपनी ने मैसर्स थिरुपल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी, बेंगलुरु जो कंपनी सचिव की प्रेक्टिस कर रहे है, को नियुक्त किया है। सचिवीय ऑडिट रिपोर्ट इस रिपोर्ट के साथ **संलग्नक-3** के रूप में संलग्न है।

लेखा परीक्षकों द्वारा धोखाधड़ी के संबंध में प्रतिवेदन

वर्ष के दौरान, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 (2) के तहत कंपनी के अधिकारियों या कर्मचारियों द्वारा कंपनी के विरुद्ध की गई धोखाधड़ी की कोई भी घटना, न तो सांविधिक लेखापरीक्षक और न ही सचिवीय लेखापरीक्षा समिति को सूचित किया गया है, जिसका विवरण बोर्ड की रिपोर्ट में उल्लिखित करने की आवश्यकता होगी।

वार्षिक विवरणी

अधिनियम की धारा 134(3)(ए) के साथ पठित धारा 92(3) के अनुसरण में, 31 मार्च 2022 तक का वार्षिक विवरणी कंपनी की वेबसाइट पर उपलब्ध है-

https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx`MId=17&CId=427&LId=1&link=427

जोखिम प्रबंधन

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के संबंध में 21 के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल ने जोखिम प्रबंधन समिति गठित की है। समिति का विवरण और इसके संदर्भ की शर्तें, जोखिम प्रबंधन नीति, आदि कॉर्पोरेट प्रशासन रिपोर्ट में निर्धारित की गई हैं तथा प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में जोखिम प्रबंधन पर एक विस्तृत नोट दिया गया है, जो इस रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

निदेशक की नियुक्ति, पारिश्रमिक और बोर्ड के मूल्यांकन पर कंपनी की नीति

बोर्ड ने नामांकन और पारिश्रमिक समिति की सिफारिश पर निदेशकों के चयन और नियुक्ति, वरिष्ठ प्रबंधन और उनके पारिश्रमिक, बोर्ड मूल्यांकन आदि के लिए एक नीति तैयार की है। इसके विवरण कॉरपोरेट प्रशासन रिपोर्ट में दिए गए हैं, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

सतर्कता तंत्र / व्हिसल ब्लोअर नीति

धोखाधड़ी, कुप्रबंधन और अनैतिक व्यवहार, यदि कोई हो, से निपटने के लिए कंपनी के पास व्हिसल-ब्लोअर पॉलिसी नाम का एक सतर्क तंत्र है। कॉर्पोरेट प्रशासन रिपोर्ट में नीति का विवरण निर्धारित किया गया है।

स्वतंत्र निदेशक(कों) से घोषणा

कंपनी को कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 149(7) और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 16(1)(बी) के तहत कंपनी के स्वतंत्र निदेशकों से आवश्यक घोषणा प्राप्त हुई है कि कंपनी के स्वतंत्र निदेशक(कों), कंपनी अधिनियम, 2013 और सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 में निर्धारित उनकी स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करते हैं।

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के तहत आवश्यक प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट, और केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों (सीपीएसई) के लिए कॉरपोरेट प्रशासन पर सरकार (डीपीई) के दिशानिर्देशों के तहत इस रिपोर्ट के साथ **संलग्नक-4** के रूप में संलग्न है।

ऋण, गारंटियों और निवेशों का विवरण

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी परिपत्र संख्या जीएसआर 463 (ई) दिनांक 5 जून 2015 के अनुसार, कंपनी एक सरकारी कंपनी होने के नाते रक्षा उत्पादन में प्रवृत्त होने के कारण कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 186 से छूट प्राप्त है।

कर्मचारियों का विवरण और संबंधित प्रकटीकरण

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना संख्या जीएसआर 463 (ई) के मद्देनजर, दिनांक 5 जून 2015 को कंपनी अधिनियम की धारा 197 के प्रावधान और निर्दिष्ट सीमा से अधिक पारिश्रमिक प्राप्त करने वाले कर्मचारियों के विवरण के संबंध में संबंधित नियमों को सरकारी कंपनियों के लिए छूट दी गई है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रण

वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के पास पर्याप्त आंतरिक वित्तीय नियंत्रण है। प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर एक विस्तृत नोट प्रदान किया गया है, जो इस रिपोर्ट का हिस्सा है।

लेखापरीक्षा समिति

31 मार्च 2023 तक, लेखापरीक्षा समिति में स्वतंत्र निदेशक नामत: श्री प्रफुल्ल कुमार चौधरी, समिति के अध्यक्ष, डॉ. शिवनाथ यादव और श्री गोकुलन बी इसके सदस्य थे। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, बोर्ड द्वारा लेखा परीक्षा समिति द्वारा की गई सभी सिफारिशों को स्वीकार किया गया था।

कॉर्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 34 और डीपीई दिशानिर्देशों के संदर्भ में, कॉर्पोरेट प्रशासन पर कंपनी के सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा जारी रिपोर्ट अनुपालन प्रमाणपत्र के साथ **संलग्नक-5** के रूप में संलग्न है।

व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएंडएसआर)

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 ने बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 1,000 सूचीबद्ध संस्थाओं के लिए वार्षिक रिपोर्ट के हिस्से के रूप में व्यावसायिक उत्तरदायित्व और स्थिरता रिपोर्ट (बीआरएंडएसआर) को शामिल करना अनिवार्य किया गया है। सूचीबद्ध विनियमों के विनियम 34(2)(एफ) के संदर्भ में, वित्तीय वर्ष 2022-23 के लिए एक बीआरएंडएसआर, सेबी द्वारा निर्दिष्ट प्रारूप में पर्यावरण, सामाजिक और शासन (ईएसजी) परिप्रेक्ष्य से कंपनी द्वारा समय-समय पर की गई पहलों का वर्णन इस रिपोर्ट के साथ **संलग्नक-6** के रूप में संलग्न है।

ऊर्जा का संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन, विदेशी मुद्रा अर्जन और व्यय

आपकी कंपनी, एक रक्षा सार्वजनिक उपक्रम होने के नाते, कंपनियों के नियम 8(3) के साथ पठित धारा 134(3)(एम) के प्रावधानों के तहत ऊर्जा के संरक्षण, प्रौद्योगिकी समावेशन, विदेशी मुद्रा आय और व्यय के संबंध में सूचना का प्रकटीकरण (लेखा) नियम, 2014 (संशोधित) की आवश्यकता नहीं है क्योंकि कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय ने अधिसूचना जीएसआर संख्या 680 (ई) दिनांक 4 सितंबर 2015 के तहत रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों को छूट प्रदान की है।

सचिवीय मानकों का अनुपालन

भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सभी लागू अनिवार्य सचिवीय मानकों का कंपनी अनुपालन करती है।

अभिस्वीकृति

आपके निदेशक सभी ग्राहकों का, विशेष रूप से रक्षा सेवाओं और अर्धसैनिक बलों से प्राप्त मूल्यवान समर्थन के लिए अत्यधिक सराहना एवं आभार व्यक्त करते हैं तथा भविष्य में उनके निरंतर समर्थन और सहयोग की आशा करते हैं। भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों, विशेष रूप से रक्षा मंत्रालय और रक्षा निर्माण विभाग से प्राप्त समर्थन के लिए भी आपके निदेशक आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक विशेषत: संयुक्त विकास कार्यक्रमों तथा नए उत्पादों में रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और डीआरडीओ के अंतर्गत विभिन्न अनुसंधान प्रयोगशालाओं के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक, सांविधिक लेखापरीक्षकों, शाखा लेखापरीक्षकों, लागत लेखापरीक्षकों, सचिवीय लेखापरीक्षकों, कंपनी के बैंकरों, सहयोगियों और विक्रेताओं के प्रति हार्दिक धन्यवाद व्यक्त करते हैं। आपके निदेशक सभी स्तरों पर कर्मचारियों के वास्तविक प्रयास की सराहना करते हैं, जिससे कंपनी को वर्ष के दौरान अच्छा प्रदर्शन हासिल करने में मदद मिली। कंपनी में जताए गए विश्वास और भरोसे के लिए, आपके निदेशक सभी शेयरधारकों/निवेशकों के प्रति प्रशंसा और आभार व्यक्त करते हैं और आगामी वर्षों में कंपनी के विकास को आगे बढ़ाने में उनके निरंतर समर्थन और भागीदारी की आशा करते हैं।

बोर्ड की ओर से

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलुरु
1 अगस्त 2023

अनुलग्नक -1

फॉर्म संख्या एओसी-II

(कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134 की उप-धारा (3) के खंड (एच) और कंपनी (लेखा)
नियम, 2014 के नियम 8 (2) के अनुसार)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 188 की उप-धारा (1) में संदर्भित संबंधित पार्टियों के साथ कंपनी द्वारा किए गए संविदाओं/करारों के विवरण के प्रकटीकरण के लिए प्रपत्र, जिसमें उसके तीसरे परंतुक के तहत कुछ स्वतंत्र संव्यवहार लेनदेन शामिल हैं:

1. उन संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेन-देन का ब्योरा, जो स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर नहीं हैं

(ए) संबंधित पार्टी का नाम और संबंध की प्रकृति:	लागू नहीं
(बी) संविदाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति:	लागू नहीं
(सी) संविदाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की अवधि:	लागू नहीं
(डी) मूल्य सहित संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेनदेन की मुख्य शर्तें, यदि कोई हो:	लागू नहीं
(ई) ऐसी संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेनदेन में शामिल होने का औचित्य :	लागू नहीं
(एफ) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि:	लागू नहीं
(जी) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो:	लागू नहीं
(एच) जिस तारीख को धारा 188 के पहले परंतुक के तहत आवश्यक आम बैठक में विशेष प्रस्ताव पारित किया गया था:	लागू नहीं

2. सामग्री संविदाओं या व्यवस्थाओं या लेन-देन का स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर विवरण

(ए) संबंधित पार्टी का नाम और संबंध की प्रकृति:	लागू नहीं
(बी) संविदाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेनों की प्रकृति:	लागू नहीं
(सी) संविदाओं/व्यवस्थाओं/लेनदेन की अवधि:	लागू नहीं
डी) संविदाओं या व्यवस्थों या लेनदेन की मुख्य शर्तें, मूल्य सहित, यदि कोई हो:	लागू नहीं
(ई) बोर्ड द्वारा अनुमोदन की तिथि:	लागू नहीं
(एफ) अग्रिम के रूप में भुगतान की गई राशि, यदि कोई हो:	कोई नहीं

बोर्ड की ओर से

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
20 मई 2023

अनुलग्नक-2

कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) गतिविधियों पर वार्षिक रिपोर्ट

1. कंपनी की सीएसआर नीति पर संक्षिप्त रूपरेखा-

बीईएल की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) नीति को बीओडी द्वारा अनुमोदित किया गया है और यह कंपनी अधिनियम, 2013 और कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014, यथा संशोधित के अनुरूप है। इसका उद्देश्य क्षमता निर्माण उपायों के माध्यम से पिछड़े और वंचित वर्गों/समुदायों के सशक्तिकरण के द्वारा समाज में समावेशी विकास, निरंतर और समान विकास में योगदान करना है। सीएसआर नीति कंपनी की वेबसाइट https://www.bel-india.in पर अपलोड कर दी गई है।

2. वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान सीएसआर समिति की संरचना-

क्र. सं.	निदेशक का नाम	पदनाम / निदेशकता की प्रकृति	वर्ष के दौरान आयोजित सीएसआर समिति की बैठकों की सं.	वर्ष के दौरान सीएसआर समिति की बैठकों में भाग लिया (सं.)
1	श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव (दिनांक 01.11.2022 से सदस्य व अध्यक्ष नियुक्त)	अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, अतिरिक्त प्रभार / अध्यक्ष	4	कोई नहीं
2	श्रीमती आनंदी रामलिंगम (दिनांक 31.08.2022 से अध्यक्ष व सदस्य का कार्यकाल समाप्त)	अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, अतिरिक्त प्रभार / अध्यक्ष	4	2
3	श्री दिनेश कुमार बत्रा (दिनांक 01.09.2022 से अध्यक्ष नियुक्त। दिनांक 31.10.2022 से अध्य व सदस्य का कार्यकाल समाप्त)	अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, अतिरिक्त प्रभार / अध्यक्ष	4	3
4	श्री शिवनाथ यादव (दिनांक 22.07.2022 से सदस्य नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक/ सदस्य	4	2
5	श्री विनय कुमार कत्याल	निदेशक (बेंगलूरु कॉमप्लेक्स) / सदस्य	4	4
6	श्री सुनील कुमार कोहली (दिनांक 17.07.2022 से सदस्य का कार्यकाल समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक/ सदस्य	4	2
7	श्री मनसुखभाई शामजीभाई खचारिया	स्वतंत्र निदेशक/ सदस्य	4	4
8	श्री मनोज जैन (दिनांक 01.11.2022 से सदस्य नियुक्त)	निदेशक (एच.आर.), अतिरिक्त प्रभार / सदस्य	4	1
9	श्री दामोदर भट्टड एस (दिनांक 11.01.2023 से सदस्य नियुक्त)	निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ / सदस्य	4	1

3. वेब-लिंक प्रदान करें जहां कंपनी की वेबसाइटों पर बोर्ड द्वारा अनुमोदित सीएसआर समिति, सीएसआर नीति और सीएसआर परियोजनाओं की संरचना का खुलासा किया गया है-

i. सीएसआर समिति की संरचना वेब लिंक- https://bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=531&LId=1&link=531

ii. सीएसआर नीति वेब लिंक- https://bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527

iii. अनुमोदित सीएसआर परियोजनाएं वेब लिंक- https://bel-india.in/Documentviews.aspx?fileName=List%20of%20CSR%20Projects%20for%202022-23-29-May.pdf
https://bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527

4. नियम 8 के उप-नियम (3), यदि लागू हो, के तारतम्य में पूरी की गई सीएसआर परियोजनाओं के प्रभाव आकलन के वेब-लिंक के साथ-साथ कार्यपालक सारांश प्रदान करें।

कंपनी ने एक स्वतंत्र एजेंसी के माध्यम से सीएसआर के तहत बीईएल द्वारा सरकारी स्कूलों में सृजित अवसंरचना / सुविधाओं का प्रभाव आकलन अध्यनन कराया है। यह प्रभाव आकलन रिपोर्ट कंपनी की वेबसाइट https://bel-india.in/Documentviews.aspx?fileName=Impact%20Assessment%20Report%202022-23-29-May.pdf पर उपलब्ध है।

5. **(ए) धारा 135 की उपधारा (5) के अनुसार कंपनी का औसत निवल लाभ-** ₹ 28,74,26,00,000.00

(बी) धारा 135 की उप-धारा (5) के अनुसार कंपनी के औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत- ₹ 57,48,52,000.00

(सी) पिछले वित्तीय वर्षों की सी. एस. आर. परियोजनाओं या कार्यक्रमों या कार्यकलापों के कारण सृजित अधिशेष राशि- शून्य

(डी) वित्तीय वर्ष, यदि कोई हो, के लिए समायोजन हेतु अपेक्षित राशि- शून्य

(ई) वित्तीय वर्ष के लिए कुल सी. एस. आर. दायित्व [(बी)+(सी)-(डी)]- ₹ 57,48,52,000.00

6. (ए) सीएसआर परियोजनाओं पर खर्च की गई राशि (चालू परियोजना और चालू परियोजना के इतर, दोनों)- ₹ 23,92,80,194.00

(बी) प्रशासनिक उपरीव्ययों पर खर्च की गई राशि- ₹ 2,73,73,905.00

(सी) प्रभाव आकलन, यदि लागू हो, पर खर्च की गई राशि- शून्य

(डी) वित्तीय वर्ष में खर्च की गई कुल राशि [(ए)+(बी)+(सी)]- ₹ 26,66,54,099.00

(ई) वित्तीय वर्ष के लिए खर्च या अव्ययित सीएसआर राशि-

वित्तीय वर्ष के लिए खर्च की गई कुल राशि (₹ में)	अव्ययित राशि (₹ में)				
	धारा 135 (6) के अनुसार अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित कुल राशि		धारा 135(5) के दूसरे परंतुक के अनुसार अनुसूची VII के तहत किसी निर्दिष्ट निधि में हस्तांतरित राशि		
	राशि	हस्तांतरण की तिथि	फंड का नाम	राशि	हस्तांतरण की तिथि
26,66,54,099	30,81,97,901	28-04-2023	शून्य	शून्य	शून्य

(एफ) समंजन के लिए अतिरिक्त राशि, यदि कोई हो- शून्य

7. पिछले तीन वित्तीय वर्षों के लिए अव्ययित सीएसआर राशि का विवरण:

1	2	3	4	5	6		7	8
क्र.	गत वित्त वर्ष	धारा 135 (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में हस्तांतरित राशि (₹ में)	धारा 135 की उप-धारा (6) के तहत अव्ययित सीएसआर खाते में शेष राशि (₹ में)	वित्तीय वर्ष में खर्च की गई राशि (₹ में)	धारा 135(6) के अनुसार अनुसूची VII के तहत निर्दिष्ट किसी भी फंड में हस्तांतरित राशि, यदि कोई हो		आगामी वित्तीय वर्षों में खर्च की जाने वाली शेष राशि (₹ में)	कमी, यदि कोई हो
					राशि (₹ में)	हस्तांतरण की तिथि		
1	2021-22	22,56,32,261.68	22,56,32,261.68	12,06,46,195.54	शून्य	लागू नहीं	10,49,86,066.14	लागू नहीं
2	2020-21	24,09,27,914.33	20,65,01,338.55	5,53,29,169.82	शून्य	लागू नहीं	15,11,72,168.73	लागू नहीं
3	2019-20	7,90,34,548.28	5,48,32,485.43	4,05,97,221.64	शून्य	लागू नहीं	1,42,35,263.79	लागू नहीं
4	2018-19	7,59,00,834.24	2,25,65,518.24	2,25,65,518.24	शून्य	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं

8. क्या वित्तीय वर्ष में खर्च की गई कार्पोरेट सामाजिक दायित्व राशि के माध्यम से कोई पूंजीगत परिसंपत्ति सृजित / अर्जित की गई है - नहीं

यदि हां, तो सृजित या अर्जित की गई पूंजीगत संपत्ति का विवरण प्रदान करें- लागू नहीं

9. यदि कंपनी धारा 135 की उप-धारा (5) के अनुसार औसत निवल लाभ का दो प्रतिशत खर्च करने में विफल रही हो, तो कारण बताएं।

सीएसआर के माध्यम से दीर्घकालिक सामाजिक प्रभाव के लिए, कंपनी ने एक वर्ष से अधिक की परियोजना अवधि के साथ परियोजना मोड में कई चालू सीएसआर पहलें की हैं, जिसमें कार्य प्रगति आधारित भुगतान एक से अधिक वित्तीय वर्ष में फैले हुए हैं। इन चालू परियोजनाओं से संबंधित अप्रयुक्त राशि बीईएल के अव्ययित सीएसआर खाते को अंतरित की गई है जिसका उपयोग परियोजना में प्रगति होने पर किया जाएगा। यह कंपनी अधिनियम, 2013, कंपनी (सीएसआर नीति) नियम, 2014 और उसके संशोधनों के अनुरूप भी है।

बोर्ड की ओर से

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरु
1 अगस्त 2023

अनुलग्नक-3

सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट

31 मार्च 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए

[कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 204(1) और कंपनी (प्रबंधकीय कार्मिक नियुक्ति और पारिश्रमिक) नियम, 2014 के नियम संख्या 9 के अनुसार]

सेवा में

सदस्यगण

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
आउटर रिंग रोड
नागवारा, बेंगलूरु- 560045, कर्नाटक

हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (CIN:L32309KA1954GOI000787) (अब से कंपनी कहा जाएगा) द्वारा लागू वैधानिक प्रावधानों के अनुपालन और अच्छी कॉर्पोरेट प्रथाओं के पालन का सचिवीय लेखा परीक्षा की है। सचिवीय ऑडिट इस तरीके से किया गया था जिसने हमें कॉरपोरेट आचरण/सांविधिक अनुपालन का मूल्यांकन करने और उस पर अपनी राय व्यक्त करने के लिए एक उचित आधार प्रदान किया है।

कंपनी के बहीखातों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तकों, फॉर्म और रिटर्न और कंपनी द्वारा रखे गए अन्य अभिलेखों के सत्यापन के आधार पर और कंपनी, उसके अधिकारियों, एजेंटों और अधिकृत प्रतिनिधियों द्वारा सचिवीय लेखा परीक्षा के दौरान प्रदान की गई जानकारी के आधार पर हम एतद्द्वारा रिपोर्ट करते हैं कि हमारी राय में, कंपनी ने, 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष को कवर करने वाली लेखापरीक्षा अवधि के दौरान, यहां सूचीबद्ध सांविधिक प्रावधानों का अनुपालन किया है और यह भी कि कंपनी के पास उचित बोर्ड-प्रक्रियाएं और अनुपालन-तंत्र उस सीमा तक हैं, जिनके तहत इसके बाद की गई रिपोर्टिंग की गई है।

हमने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वित्तीय वर्ष के लिए इन प्रावधानों के अनुसार कंपनी द्वारा रखे गए बहीखातों, कागजातों, कार्यवृत्त पुस्तकों, प्रपत्रों और दाखिल रिटर्न और अन्य अभिलेखों की जांच की है-

(i) कंपनी अधिनियम, 2013 (अधिनियम) और उसके तहत बनाए गए नियम;

(ii) प्रतिभूति संविदा (विनियमन) अधिनियम, 1956 ('एससीआरए') और उसके तहत बनाए गए नियम;

(iii) डिपॉजिटरी एक्ट, 1996 और उसके तहत बनाए गए विनियम और उपनियम;

(iv) विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम, 1999 और उसके तहत बनाए गए नियम और विनियम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और बाहरी वाणिज्यिक उधार की सीमा तक;

(v) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड अधिनियम, 1992 ('सेबी अधिनियम') के तहत निर्धारित निम्नलिखित विनियम और दिशानिर्देश -

(a) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयरों और अधिग्रहणों का पर्याप्त अधिग्रहण) विनियम, 2011;

(b) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015;

(c) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी का निर्गम और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2018;

(d) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ) विनियम, 2014 / भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (शेयर आधारित कर्मचारी लाभ और स्वेट इक्विटी) विनियम, 2021 (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान लागू नहीं);

(e) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (गैर-परिवर्तनीय प्रतिभूतियों का निर्गम और सूचीकरण) विनियम, 2021 (लेखा परीक्षा अवधि के दौरान लागू नहीं);

(f) कंपनी अधिनियम और क्लाइंट के साथ व्यवहार के संबंध में भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (निर्गम और शेयर हस्तांतरण एजेंटों के लिए रजिस्ट्रार) विनियम, 1993;

(g) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (इक्विटी शेयरों को असूचीबद्ध करना) विनियम, 2021 (लेखापरीक्षा अवधि के दौरान लागू नहीं); और

(h) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (पूंजी का निर्गम और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 और

(i) भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (प्रतिभूतियों का बाय-बैक) विनियम, 2018 (लेखापरीक्षा अवधि के दौरान लागू नहीं)।

हमने निम्नलिखित के लागू खंडों के अनुपालन की भी जांच की है-

(a) भारतीय कंपनी सचिव संस्थान द्वारा जारी सचिवीय मानक।

समीक्षाधीन अवधि के दौरान कंपनी ने अधिनियम, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों और मानकों आदि के प्रावधानों का पालन किया है, जैसा ऊपर उल्लेख किया गया है।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि, कंपनी में प्रचलित अनुपालन प्रणाली को ध्यान में रखते हुए और उसके अनुसरण में संबंधित दस्तावेजों और अभिलेखों की जांच के आधार पर, नमूना-जांच के आधार पर, कंपनी ने निम्नलिखित कानूनों/ दिशानिर्देशों/नियमों का अनुपालन किया है जो विशेष रूप से कंपनी पर लागू होते हैं-

(i) सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा जारी दिशानिर्देश;

(ii) रक्षा मंत्रालय द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देश/परिपत्र;

(iii) भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेश/विनियम।;

(iv) ई-अपशिष्ट (प्रबंधन और हैंडलिंग) नियम, 2016;

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि-

यथा रिपोर्टिंग तारीख को कंपनी के निदेशक मंडल का विधिवत गठन किया गया है। समीक्षाधीन अवधि के दौरान हुए निदेशक मंडल की संरचना में परिवर्तन अधिनियम के प्रावधानों के अनुपालन में किए गए थे;

सभी निदेशकों को बोर्ड की बैठकों को आयोजित करने के लिए पर्याप्त नोटिस दिया गया था, एजेंडा पर विस्तृत नोट्स यथा लागू कम से कम सात/ दो दिन पहले भेजे गए थे और बैठक से पहले एजेंडा मदों पर और जानकारी और स्पष्टीकरण प्राप्त करने और बैठक में सार्थक भागीदारी के लिए प्रणाली मौजूद है; और

बहुमत से निर्णय किए गए थे, जबकि असंतुष्ट सदस्यों के विचार, यदि कोई हो, तो उसे स्वीकार किया गया था और कार्यवृत्त के हिस्से के रूप में दर्ज किया गया था।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लागू कानूनों, नियमों, विनियमों और दिशानिर्देशों की निगरानी और अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए कंपनी के आकार और संचालन के अनुरूप कंपनी में पर्याप्त प्रणालियां और प्रक्रियाएं हैं।

हम आगे रिपोर्ट करते हैं कि लेखापरीक्षा अवधि के दौरान उपरोक्त संदर्भित कानूनों, नियमों, विनियमों, दिशानिर्देशों, मानकों के अनुसरण में कंपनी के मामलों पर प्रमुख प्रभाव डालने वाली निम्नलिखित घटनाएं/गतिविधियां हुई हैं- शून्य।

कृते **तिरुपाल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी**
पेशवर कंपनी सचिव

सीएस तिरुपाल गोरिगे
नामित भागीदारी
एफसीएस नं. 6680; सीपी नं. 6424
यूडीआईएन- F006680E000341267

बेंगलुरु
20 मई 2023

नोट- इस रिपोर्ट को हमारे सम तिथि पत्र के साथ पढ़ा जाए जो **अनुलग्नक-ए** के रूप में संलग्न है और इस रिपोर्ट का अभिन्न अंग है।

'अनुलग्नक ए'

सेवा में

सदस्यगण
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
आउटर रिंग रोड
नागवारा, बेंगलूरु- 560045, कर्नाटक

उसी तिथि की हमारी रिपोर्ट इस पत्र के साथ पढ़ी जानी है।

(1) सचिवीय रिकॉर्ड का रखरखाव कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। मेरी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन सचिवीय अभिलेखों पर राय व्यक्त करना है।

(2) हमने उन लेखापरीक्षा प्रथाओं और प्रक्रियाओं का पालन किया है जो सचिवीय अभिलेखों की सामग्री की शुद्धता के बारे में उचित आश्वासन प्राप्त करने के लिए उपयुक्त थी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि सचिवीय अभिलेखों में सही तथ्य परिलक्षित होते हैं, परीक्षण के आधार पर सत्यापन किया गया था। हम मानते हैं कि हमने जिन प्रक्रियाओं और प्रथाओं का पालन किया है, वे हमारी राय के लिए उचित आधार प्रदान करती हैं।

(3) हमने कंपनी के वित्तीय अभिलेखों और बहीखातों की शुद्धता और उपयुक्तता को सत्यापित नहीं किया है।

(4) जहां कहीं आवश्यक हो, हमने कानूनों, नियमों और विनियमों के अनुपालन और घटनाओं आदि के बारे में प्रबंधन का निवेदन प्राप्त किया है।

(5) कॉर्पोरेट और अन्य लागू कानूनों, नियमों, विनियमों, मानकों के प्रावधानों का अनुपालन प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारी परीक्षा परीक्षण के आधार पर प्रक्रियाओं के सत्यापन तक सीमित थी।

(6) सचिवीय लेखा परीक्षा रिपोर्ट न तो कंपनी की भविष्य की व्यवहार्यता के बारे में आश्वासन है और न ही उस प्रभावकारिता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन कंपनी के मामलों का संचालन करता है।

कृते **तिरुपाल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी**
पेशवर कंपनी सचिव

सीएस तिरुपाल गोरिगे
नामित भागीदारी
एफसीएस नं. 6680; सीपी नं. 6424
यूडीआईएन- F006680E000341267

बेंगलुरु
20 मई 2023

अनुलग्नक - 4

प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट

(ए) उद्योग संरचना और विकास, शक्तियाँ, कमजोरियां, अवसर और खतरे, निरंतर प्रदर्शन और विकास सुनिश्चित करने के लिए की गईं प्रमुख पहल और बनाई गई योजना-

(ए) अर्थव्यवस्था का सामान्य दृष्टिकोण, उद्योग जिसमें कंपनी संचालित होती है, सरकारी बजट, विशेष रूप से रक्षा बजट, बाजार की स्थितियां और ये किस प्रकार कंपनी को प्रभावित करते हैं, कंपनी के हितों की रक्षा के लिए किए गए उपाय/बनाई गई कार्य योजना

इस सहस्राब्दी के तीसरे दशक में, वैश्विक उत्पादन में महामारी से आई कमी के साथ वर्ष 2020 के बाद से कम से कम तीन आर्थिक झटकों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित किया है । इसके बाद दुनिया ने युद्ध की स्थिति देखी है, जहां बड़ी वैश्विक शक्तियां एक दूसरे के विरुद्ध खड़ी दिखाई देती हैं । इसके परिणामस्वरूप मुद्रास्फीति में वृद्धि हुई है और मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने के लिए सभी अर्थव्यवस्थाओं में केंद्रीय बैंकों द्वारा समकालिक नीतिगत दर में वृद्धि की गई है । किन्तु, भारतीय अर्थव्यवस्था इन आर्थिक झटकों के प्रभाव से काफी हद तक अप्रभावित दिखाई देती है। भारतीय अर्थव्यवस्था सुस्ती के शुरुआती संकेतों को प्रकट करने और महामारी से निपटने के बाद आगे बढ़ गई तथा वित्त वर्ष 2021-22 में कई देशों से आगे निकल कर वित्त वर्ष 2022-23 में महामारी से पहले के विकास पथ पर दौड़ने की स्थिति में आ गई है।

भारत के लिए अब तक के वित्त वर्ष 2022-23 ने अपने आर्थिक लचीलेपन में देश के विश्वास को मजबूत किया है। इस प्रक्रिया में अपनी विकास गति को बनाए रखते हुए अर्थव्यवस्था ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों का सामना किया है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एन एस ओ) द्वारा किए गए पूर्वानुमान में, भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि वित्त वर्ष 2022-23 में मोटे तौर पर 6.5-7.0% की सीमा में है, जो लगभग सभी प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं से अधिक है और यहां तक कि इस दशक में महामारी तक अग्रणी रहते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था की औसत वृद्धि से थोड़ा अधिक है।

जब कि भारत का दृष्टिकोण उज्ज्वल बना हुआ है, अगले वर्ष के लिए वैश्विक आर्थिक संभावनाओं को अपेक्षित चुनौतियों के एक अनोखे सेट के संयोजन से लाद दिया गया है। आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23, वित्त वर्ष 2023-24 में वास्तविक रूप से 6.5% की बेसलाइन जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाता है, जो मोटे तौर पर विश्व बैंक, आईएमएफ, आरबीआई, आदि जैसी अन्य एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए अनुमानों के बराबर है। वैश्विक स्तर पर आर्थिक और राजनैतिक विकास के मार्ग के आधार पर वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि का यथार्थ परिणाम संभवत: 6.0% से 6.8% की सीमा में होगा ।

रक्षा

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रक्षा आवंटन को बढ़ाकर ₹ 5.94 लाख करोड़ कर दिया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 13% अधिक है। सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण और बुनियादी ढांचे के विकास से संबंधित पूँजी आवंटन को वित्त वर्ष 2022-23 में 1,52,370 करोड़ रुपये से बढ़ाकर वित्त वर्ष 2023-24 में 1,62,600 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 6.7% की वृद्धि है।

जहां तक पूंजीगत बजट आवंटन की बात है, वर्ष 2023-24 में वायु सेना 35% के साथ सबसे आगे है । इसके बाद नौसेना का आवंटन 32.5% और थल सेना का आवंटन 23% है।

रक्षा में अनुसंधान एवं विकास को मजबूत करने की दिशा में, वित्त वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान में 23,264 करोड़ रुपये के कुल आवंटन के साथ, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) के आवंटन में 9% की वृद्धि की गई है। नवाचार को और बढ़ावा देने, प्रौद्योगिकी विकास को प्रोत्साहित करने और रक्षा औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने के लिए, नवाचार (iDEX) और रक्षा परीक्षण अवसंरचना योजना (डीटीआईएस) को क्रमश: 116 करोड़ रुपये और 45 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो iDEX के लिए 93% और डीटीआईएस के लिए 95% की वृद्धि को दर्शाता है । यह वर्ष 2022-23 से अधिक है ।

हालांकि, आयुध कारखानों (ओएफ) ने, जिन्हें सरकार ने सात कार्पोरेट संस्थाओं में परिवर्तित कर दिया है, बजट में अपने शेयरों में समग्र गिरावट देखी है।

रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने रक्षा में `आत्मनिर्भरता' हासिल करने के लिए कई कदम उठाए हैं और सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची उस ध्येय को प्राप्त करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। रक्षा मंत्रालय ने प्रारम्भ में 'पहली, दूसरी और तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची जारी की थी, जिसमें 310 वस्तुएं शामिल थीं। अक्टूबर 2022 में 101 वस्तुओं की 'चौथी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' की घोषणा की गई, जो रक्षा में आत्मनिर्भरता को निरंतर गति प्रदान करेगी।

गैर रक्षा

अपने मूल रक्षा व्यवसाय के अलावा, बीईएल ने होमलैंड सिक्योरिटी, स्मार्ट सिटी, ऊर्जा भंडारण उत्पाद, सौर, अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स, नेटवर्क और साइबर सुरक्षा, रेलवे और मेट्रो समाधान, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स एवं हेल्थकेयर समाधान और सॉफ्टवेयर समाधान, आदि जैसे कई गैर-रक्षा क्षेत्रों में प्रवेश किया है।

होमलैंड सुरक्षा

भारत में होमलैंड सुरक्षा बाजार केन्द्र / राज्य सरकारों, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) और निजी क्षेत्र के संगठनों सहित सरकारी संस्थाओं में फैला हुआ है। पुलिस आधुनिकीकरण, महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे की सुरक्षा, सीमा प्रबंधन, आतंकवाद विरोधी गतिविधियों, शहरी क्षेत्र की सुरक्षा, भू-परिवहन, बंदरगाह एवं समुद्री सुरक्षा आदि में एक महत्वपूर्ण बाजार-अवसर मौजूद है। आतंकवादी गतिविधियों एवं अपराधों, डेटा चोरी के कारण चल रही आंतरिक सुरक्षा संबंधी चिंताएं, केंद्रीकृत कमान और नियंत्रण के लिए सुदूर निगरानी आवश्यकताएं, परिसंपत्ति संरक्षण और आपदा प्रबंधन, सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के विकास, बढ़े हुए आईटी खर्च और सुरक्षा खर्च में वृद्धि भारत में होमलैंड सुरक्षा बाजार की मांग को बढ़ा रहे हैं ।

वित्त वर्ष 2023-24 में गृह मंत्रालय (एमएचए) को वर्ष 2022-23 के 1.93 लाख करोड़ रुपये के संशोधित अनुमान से 1.1% की वृद्धि के साथ 1.96 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मंत्रालय के कुल बजट में से 65% व्यय पुलिस पर, 31% व्यय संघ राज्य क्षेत्रों के अनुदान पर और 4इ व्यय आपदा प्रबंधन, शरणार्थियों एवं प्रवासियों के पुनर्वास और जनगणना करने जैसी अन्य मदों पर होता है।

वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में पुलिस को वर्ष 2022-23 के 1.17 लाख करोड़ रुपए की तुलना में 1.27 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। आंतरिक सुरक्षा के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को पिछले वर्ष के 29,325 करोड़ रुपये की तुलना में वर्ष 2023-24 में 31,772 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। परमाणु परियोजनाओं, हवाई अड्डों और मेट्रो नेटवर्क जैसे महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा करने वाले केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को पिछले वर्ष के 12,202 करोड़ रुपए की तुलना में वर्ष 2023-24 में 13,215 करोड़ रुपए दिए गए हैं।

स्मार्ट सिटी

स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) को एक केंद्र प्रायोजित योजना (सीएसएस) के रूप में जून 2015 में शुरू किया गया था, जिसका उद्देश्य शहरों में नागरिकों को `स्मार्ट समाधान´ और मुख्य बुनियादी ढांचे में सुधार के माध्यम से बेहतरीन जीवन उपलब्ध कराना था। मिशन की योजना मूल रूप से मार्च 2022 तक के लिए बनाई गई थी, लेकिन इसे जून 2023 तक बढ़ा दिया गया है।

स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के लिए आवंटन वित्त वर्ष 2022-23 में 8,800 करोड़ रुपए से 9% कम होकर वित्त वर्ष 2023-24 के बजट अनुमान में संशोधित अनुमान 8,000 करोड़ रुपए हो गया। वित्त वर्ष 2023-24 तक संचयी रूप से स्मार्ट सिटी मिशन (एससीएम) के लिए 45,915 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो मिशन के लिए भारत सरकार की अनुमानित निधि का 96% है। अब तक कुल 92,439 करोड़ रुपये की परियोजना के साथ 64%परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं।

इसके अतिरिक्त, एससीएम के अन्तर्गत एक नई पहल, सिटी इन्वेस्टमेंट टु इनोवेट, इंटीग्रेट एंड सस्टेन (सीआईटीआईआईएस) ने वित्त वर्ष 2018-19 में अपनी शुरुआत से वित्त वर्ष 2023-24 के बीच कुल आवंटन में लगभग 10 गुना तक की वृद्धि देखी है।

होमलैंड सिक्योरिटी और स्मार्ट सिटी बिजनेस को देखने के लिए विशेष रूप से गठित की गई स्ट्रेटेजिक बिजनेस यूनिट ने होमलैंड सिक्योरिटी और स्मार्ट सिटी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं।

ऊर्जा भंडारण उत्पाद

ओजोन-हानिकारक ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) के लगातार बढ़ते उत्सर्जन ने राष्ट्रों और संगठनों को स्वच्छ और नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने के लिए ध्यान देकर समयबद्ध उपाय करने के लिए मजबूर किया है।

बाजार की रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) का बाजार वर्ष 2022 में 10.88 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2029 तक 31.20 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है, जो पूर्वानुमान अवधि के दौरान 16.3इ सीएजीआर को प्रदर्शित करता है।

भारत सरकार ने 01 अप्रैल, 2019 से शुरू होने वाली 5 साल की अवधि के लिए 10,000 करोड़ रुपए की बजटीय सहायता के साथ फास्टर एडॉप्शन एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑफ हाइब्रिड एंड इलेक्ट्रिक व्हीकल्स इन इंडिया (फेम इंडिया) के दूसरे चरण को अधिसूचित किया। इस योजना ने मार्च 2023 के अंत तक लगभग 10 लाख विद्युत चालित वाहनों को लगभग 4,500 करोड़ रुपये की मांग प्रोत्साहन के माध्यम से सहायता दी है ।

सरकार ने 18,100 करोड़ रुपये के बजटीय परिव्यय के साथ भारत की विनिर्माण क्षमताओं को बढ़ाने के लिए उन्नत रसायन सेल (एसीसी) की 50 गीगावाट आवर्स की विनिर्माण क्षमता हासिल करने के लिए `उन्नत रसायन सेल (एसीसी) बैटरी भंडारण पर राष्ट्रीय कार्यक्रम´ के रूप में उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को भी मंजूरी दे दी है। यह योजना भारत में बैटरी भंडारण विनिर्माण तंत्र के लिए स्थानीय मूल्यवर्धन को प्रोत्साहित करती है और बढ़े हुए शुल्क आदि के साथ कलपुर्ज़ों (कम्पोनेंट्स) के आयात को भी हतोत्साहित करती है।

बीईएल रणनीतिक अनुप्रयोगों (रक्षा सहित) की ऊर्जा भंडारण प्रणाली की आवश्यकता को भी देख रहा है और अपने विशेष ध्यान वाले बाजारों में ईवी खंड को शामिल किया है। बीईएल ने रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए उच्च क्षमता वाले लिथियम-आयन सेल के लिए डीआरडीओ से प्रौद्योगिकी प्राप्त की है और एक उत्पादन सुविधा स्थापित की है। बीईएल संभावित प्रौद्योगिकी भागीदारों के साथ साझेदारी में हाइड्रोजन ईंधन सेल-आधारित प्रौद्योगिकियों को वाणिज्यिक निर्माण के लिए अपनाने की संभावना भी तलाश रहा है।

सौर - नवीकरणीय ऊर्जा

सरकार ने वर्ष 2030 तक 280 गीगावॉट की स्थापित सौर क्षमता पैदा करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। वित्त वर्ष 2023-24 के बजट में, सरकार ने ग्रिड और ऑफ-ग्रिड परियोजनाओं सहित सौर ऊर्जा क्षेत्र के लिए 5331 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। यह 3,365 करोड़ रुपए के पिछले वर्षों के आवंटन की तुलना में लगभग 54इ की बढ़त है।

बीईएल ने इंजीनियरिंग प्रोक्योरमेंट कंस्ट्रक्शन (ईपीसी)/डेवलपर मोड के अन्तर्गत सेल/मॉड्यूल निर्माण से लेकर सौर ऊर्जा संयंत्र परियोजनाओं के निष्पादन तक अपने परिचालन को बढ़ा दिया है। बीईएल ने सौर व्यवसाय की आवश्यकताओं को लक्ष्य करने के लिए एक केंद्रित

दृष्टिकोण के साथ एक नया माइक्रो एसबीयू बनाया है, जिससे निकट भविष्य में निरंतर रूप से बीईएल के व्यवसाय में योगदान मिलने की संभावना है। बीईएल ने प्रायोगिक आधार पर द्विमुखी (बिफेशियल) सौर सेल तकनीक से बने सौर मॉड्यूलों का उपयोग करते हुए एक सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया है।

वर्ष के दौरान, बीईएल ने संयुक्त रूप से सौर विनिर्माण यूनिट की स्थापना के लिए विभिन्न संभावनाओं का पता लगाने के लिए एनएचपीसी के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स

इसरो ने भारतीय उद्योग के लिए प्रक्षेपण यानों और छोटे व सूक्ष्म उपग्रहों के निर्माण के अवसर खोल दिए हैं। इसरो की महत्वाकांक्षी योजना है कि वित्त वर्ष 2023-24 से आगे उपग्रह प्रक्षेपण की संख्या को बढ़ाकर औसतन लगभग 18 उपग्रह प्रति वर्ष कर दिया जाए। इसरो की योजनाओं के अनुरूप, अंतरिक्ष विभाग को वर्ष 2023-24 के लिए 12,544 करोड़ रुपए का बजट आवंटित किया गया है, जिसे वित्त वर्ष 2022-23 के बजट से 8% घटा दिया गया है। इसमें से 11,699 करोड़ रुपए विभिन्न मदों के अन्तर्गत परियोजनाओं के लिए निर्धारित किए गए हैं। यह स्पष्ट रूप से अपने अंतरिक्ष कार्यक्रम के विकास के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को इंगित करता है। इसके अलावा, इसरो को अगले तीन वर्षों में 30 पीएसएलवी और 10 जियो सिंक्रोनस सैटेलाइट लॉन्च व्हीकल (जीएसएलवी) के प्रक्षेपण की मंजूरी मिली है।

बीईएल उपग्रह संचार के जमीनी खंड में प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है और भारतीय निजी उद्योग के साथ संयुक्त रूप से अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम, छोटे एवं सूक्ष्म उपग्रहों के निर्माण, उपग्रहों के लिए पेलोड, उपग्रह संचार सेवाओं और पता प्रक्षेपण यान खंड में प्रवेश का इच्छुक है। बीईएल का अंतरिक्ष आधारित संपत्ति और पेलोड में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने का दीर्घकालिक उद्देश्य है। बीईएल ने इसरो के समर्थन से उपग्रहों और लघु उपग्रह प्रक्षेपण यानों (एसएसएलवी) के उत्पादन में भागीदारी के लिए भी अपनी रुचि व्यक्त की है ।

बीईएल ने उपग्रहों के संयोजन, एकीकरण और परीक्षण (एआईटी) के लिए इसरो के एक उद्योग भागीदार के रूप में सफलता प्राप्त की है। इसने इसरो में तीन आरआईएसएटी उपग्रहों के सैटेलाइट एआईटी को पूरा कर लिया है। बीईएल ने इसरो के साथ सहयोग किया है और इंडीजीनियस रिसीवर्स फॉर पोजिशनिंग एंड नेविगेशन (आईआरएनएसएस), सैटकॉम टर्मिनल, एलटीसीसी-आधारित सबस्ट्रेट्स और हाई पावर स्पेस टीडब्ल्यूटी जैसे अगली पीढ़ी के नए उत्पादों के साथ सामने आया है, जिनका रक्षा, सरकारी सेवाओं और अर्धसैनिक अनुप्रयोगों में उपयोग किया जाता है। बीईएल उपग्रह संचार अनुप्रयोगों के लिए विभिन्न प्रकार के उपग्रह नेटवर्कों और हब की आपूर्ति और कमीशनिंग के लिए इसरो के साथ संयुक्त रूप से काम कर रहा है। बीईएल की योजना रक्षा अंतरिक्ष संबंधी परियोजनाओं के लिए लियो उपग्रहों के साथ-साथ अंतरिक्ष-आधारित पेलोड के लिए विनिर्माण सुविधाएं स्थापित करने की है।

नेटवर्क और साइबर सुरक्षा

भारत में साइबर सुरक्षा बाजार, जो साइबर खतरों से बचाव के लिए संगठनों द्वारा किए गए निवेश से प्रेरित है, के वर्ष 2027 तक लगभग 29,116.00 करोड़ रुपए तक बढ़ने की आशा है। वैश्विक साइबर सुरक्षा बाजार वर्ष 2028 तक लगभग 366 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की आशा है।

नेटवर्क एवं साइबर सुरक्षा (एनडब्ल्यू एंड सीएस) प्रभाग ने वर्ष के दौरान सरकारी एजेंसियों के लिए सुरक्षा वैश्लेषिकी केंद्र (एसएसी), डेटा-डायोड समाधान, पीकेआई और रक्षा बलों के लिए संबद्ध सेवाएं, बैंकिंग/सरकारी एजेंसियों के लिए सुरक्षा सेवाएं, सुरक्षित मज़बूत लैपटॉप, अगली पीढ़ी की फ़ायरवॉल प्रणालियाँ, सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों आदि के लिए सुरक्षा संचालन केंद्र (एसओसी) जैसे साइबर सुरक्षा व्यवसाय को बड़ी मात्रा में कार्यान्वित करने में महत्वपूर्ण प्रगति की है।

नेटवर्क और साइबर सुरक्षा प्रभाग कई स्टार्ट-अपों, मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम), चैनल भागीदारों और एकेडेमिया के सहयोग से क्वांटम की डिस्ट्रीब्यूशन, ब्लॉक-चेन, डिजिटल फोरेंसिक, रिमोट वोटिंग, आईओटी सिक्योरिटी आदि जैसी वर्तमान प्रौद्योगिकियों का भी सख्ती से पालन कर रहा है।

बीईएल को सीईआरटी-इन ने सूचना सुरक्षा ऑडिटिंग सेवाएं प्रदान करने के लिए सूचीबद्ध किया है। बीईएल नेटवर्क और साइबर सुरक्षा एक आईएसओ 27001 सूचना सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली-प्रमाणित प्रभाग है। इस समूह ने घरेलू और वैश्विक निविदाओं में अर्हता प्राप्त करने के लिए सीईएच, जीएसईसी, आईएसओ 27001 के लिए लीड ऑडिटर, सीआईएसएसपी, सीएसक्यूई, सीएचएफआई, सीसीएनए आदि सहित विभिन्न साइबर सुरक्षा प्रमाणन प्राप्त किए गए हैं।

रेलवे और मेट्रो

भारतीय रेलवे ने भारत के लिए एक राष्ट्रीय रेल योजना 2030 तैयार की है। आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया पहल को सक्षम करने के लिए वर्ष 2030 तक भविष्य के लिए तैयार रेलवे प्रणाली बनाने की योजना है, जिससे भारतीय उद्योगों के लिए रसद लागत में कमी आएगी। डिजिटल इंडिया को बढ़ावा देने और 5जी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), एमएल और ड्रोन सहित उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने पर विशेष ज़ोर है ।

वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रेलवे द्वारा कुल पूंजीगत व्यय 2,65,000 करोड़ रुपए अनुमानित है, जो वर्ष 2022-23 के संशोधित अनुमानों से 9% अधिक है। भारतीय रेलवे 100 शहरों में 400 स्टेशनों का पुनर्विकास करने की योजना बना रहा है। इस कार्यक्रम का परिव्यय एक लाख करोड़ रुपए से अधिक है। अगले 3 वर्षों में 400 नई वंदे भारत ट्रेनों को शामिल किया जाना है। मेट्रो के लिए वित्त वर्ष 2023-24 का कुल बजट 19,518 करोड़ रुपए है।

मेट्रो के लिए आधुनिकीकरण और नई परियोजनाएं जैसे नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड (एनसीएमसी) के अनुरूप ऑटोमेटिक फेयर कलेक्शन (एएफसी) गेटिंग सिस्टम, भारतीय कंप्यूटर आधारित ट्रेन कंट्रोल/इंटेलिजेंट ऑटोमैटिक ट्रेन सुपरविजन (आई-ए टीएस), रोलिंग स्टॉक ड्राइवर ट्रेनिंग सिमुलेटर, भारतीय रेलवे के लिए तत्काल (रियल टाइम) सूचना प्रणाली (आरटीआईएस), पर्यवेक्षी नियंत्रण और डेटा अधिग्रहण

(स्काडा), सीसीटीवी रेडियो, वीडियो निगरानी प्रणाली, कोहरा दृश्यता (फॉग विजन), रेलवे के लिए एलटीई-आधारित मिशन क्रिटिकल कम्युनिकेशन नेटवर्क, मानव रहित रेलवे क्रॉसिंग सिस्टम, रेल और मेट्रो के लिए संयुक्त (कम्पोज़िट) पैनल, प्लेटफार्म स्क्रीन दरवाजे आदि बीईएल द्वारा अपनाए जा रहे कुछ प्रमुख क्षेत्र हैं।

बीईएल डीएमआरसी, आरडीएसओ, एनसीआरटीसी और विभिन्न सार्वजनिक/निजी संगठनों के साथ आई-एटीएस सिस्टम, मिशन क्रिटिकल कम्युनिकेशन सिस्टम, कम्पोजिट पैनल, प्लेटफॉर्म स्क्रीन डोर आदि के क्षेत्र में सहयोग कर रहा है। बीईएल द्वारा निष्पादित एनसीएमसी-अनुरूप एएफसी गेटिंग सिस्टम, परिवहन के सभी साधनों अर्थात मेट्रो, ट्रेनों या बसों में एक चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाएगा ।

कंपोजिट्स

कंपोजिट का उपयोग वायु/अन्तरिक्ष यान उद्योग (एयरोस्पेस) और रक्षा, पवन ऊर्जा, परिवहन, समुद्री अनुप्रयोगों आदि में विभिन्न उत्पादों के निर्माण के लिए किया जाता है। रिपोर्टों के अनुसार, वैश्विक कंपोजिट बाजार का आकार 8.20% के सीएजीआर पर वर्ष 2027 तक 168.6 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। भारतीय कंपोजिट बाजार का भविष्य भी पाइप और टैंक, एयरोस्पेस और रक्षा, पवन ऊर्जा, इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक्स, निर्माण, परिवहन, समुद्री और दूरसंचार में अवसरों के साथ आशाजनक दिखता है। वर्ष 2021-26 से 16.3% के सीएजीआर के साथ भारतीय बाजार वर्ष 2026 तक अनुमानित 1.9 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। उद्योगों में हल्के, उच्च प्रदर्शन वाले समाधानों की बढ़ती मांग के कारण कंपोजिट बाजार बढ़ रहा है।

बीईएल शिपयार्डों, पनडुब्बियों, हवाई संरचनाओं, रेलवे और मेट्रो, भूमि उपकरण, दबाव वाले मिसाइल कंटेनरों, उच्च ऊंचाई वाले बाड़ों आदि की मिश्रित संरचना आवश्यकताओं को पूरा करने की योजना बना रहा है। बीईएल ने इसके लिए सुविधाओं की स्थापना की है और मिश्रित संरचनाओं के परामर्श और विकास के लिए सरकारी प्रयोगशालाओं/ एकेडमिया के साथ भी करार किया है ।

नागरी विमानन

रिपोर्टों के अनुसार, वैश्विक घरेलू विमानन बाजार का मूल्य वर्ष 2027 तक 3.2% के सीएजीआर पर 1,130.8 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। भारत में विमान यात्री यातायात वर्ष 2037 तक 520 मिलियन तक पहुंचने का अनुमान है और एयरलाइन प्रचालकों को वर्ष 2027 तक अपने बेड़े के आकार को 1,100 विमानों तक बढ़ाने का अनुमान है। भारत के विमानन उद्योग में अगले चार वर्षों में 35,000 करोड़ रुपए के निवेश की आशा है। भारत सरकार वर्ष 2026 तक विमानन मार्गनिर्देशन (नेविगेशन) सेवाओं के साथ-साथ हवाई अड्डों के बुनियादी ढाँचों के विकास के लिए 1.83 बिलियन अमरीकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रही है। इसमें हवाई यातायात प्रबंधन, हवाई अड्डा थलीय (ग्राउंड) बुनियादी ढाँचे और आधुनिकीकरण की अन्य गतिविधियों आदि में निवेश शामिल है। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने देश भर में 100 हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण के लिए 25,000 करोड़ रुपए की धन राशि पांच साल की अवधि के लिए निर्धारित की है।

आत्मनिर्भर भारत और मेक-इन-इंडिया पहल को सक्षम करने के लिए, बीईएल, हवाई अड्डों के आधुनिकीकरण, हवाई यातायात प्रबंधन के समाधान देने, अन्य थलीय (ग्राउंड) और मार्गनिर्देशन (नेविगेशन) समाधान आदि के लिए मैसर्स भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के साथ सहयोग कर रहा है ।

इसके लिए, एएआई के सहयोग से बीईएल ने स्वदेशी स्वचालित वायु यातायात प्रबन्धन प्रणाली (एटीएमएस) और एडवांस्ड सरफेस मूवमेंट एंड गाइडेंस कंट्रोल सिस्टम (एएसएमजीसीएस) समाधान विकसित किए हैं, जिन्हें भुवनेश्वर हवाई अड्डे पर लगाया जा चुका है और उनका उपयोग और मान्यकरण किया जा रहा है।

बीईएल हवाई अड्डों और थलीय बुनियादी ढांचों के आधुनिकीकरण के लिए आवश्यक प्रणालियों और समाधानों के स्वदेशीकरण के लिए नागरिक उड्डयन के क्षेत्र में वैश्विक मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) के साथ साझेदारी की संभावनाएं तलाश रहा है।

सॉफ्टवेयर

रक्षा प्रौद्योगिकी, प्लेटफ़ॉर्म-केंद्रित युद्ध से नेटवर्क-केंद्रित युद्ध में परिवर्तित हो रही है। इस परिवर्तन के बीच, आधुनिक रक्षा प्रणाली में सॉफ्टवेयर हथियार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनता जा रहा है। उन्नत सॉफ्टवेयर प्रणालियाँ और अन्त:स्थापित (एम्बेडेड) सॉफ्टवेयर प्रौद्योगिकियां आधुनिक युद्ध और उत्पाद प्रस्तावों के हर पहलू को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

भारत, विश्व के अग्रणी सॉफ्टवेयर विकास केंद्रों में से एक है और भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग 10.71% की सीएजीआर से बढ़ रहा है। रिपोर्टों के अनुसार, भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी उद्योग, जिसमें सॉफ्टवेयर उत्पाद, आईटी सेवाएं, अभियांत्रिकी (इंजीनियरिंग) और अनुसंधान एवं विकास सेवाएं, आईटीईएस/बीपीओ, हार्डवेयर और ई-कॉमर्स शामिल हैं, के वर्ष 2025 तक 350 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है।

बीईएल का सॉफ्टवेयर एसबीयू बहु-अनुशासनात्मक परियोजनाओं/ कार्यक्रमों को संभाल रहा है, जिसके लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों की आवश्यकता होती है। एस बी यू इन-हाउस सॉफ़्टवेयर आवश्यकताओं को पूरा कर रहा है और घरेलू तथा निर्यात, दोनों बाजारों में अवसरों की खोज और समाधान भी कर रहा है।

मुख्य रक्षा क्षेत्रों के अलावा, होमलैंड सिक्योरिटी, ई-गवर्नेंस प्रोजेक्ट्स, स्मार्ट सिटीज, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोजेक्ट्स, हेल्थकेयर, सॉफ्टवेयर सिमुलेटर, सॉफ्टवेयर एश्योरेंस सर्विसेज, ईआरपी कार्यान्वयन और डिजिटल कृषि से संबंधित अवसरों पर भी ध्यान केंद्रित किया जा रहा है। वर्ष के दौरान, बीईएल ने सॉफ्टवेयर सेवाओं और सहायक गतिविधियों को पूरा करने के लिए वैजाग में एक सॉफ्टवेयर विकास केंद्र शुरू किया है।

चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य देखभाल (हेल्थकेयर) समाधान

विश्व स्तर पर चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार वर्ष 2030 तक 795 अरब अमरीकी डॉलर तक पहुंचने की आशा है। भारतीय चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स बाजार वर्ष 2025 तक 17% सीएजीआर पर 25 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ने की उम्मीद है।

महामारी के दौरान 30,000 आईसीयू वेंटिलेटर और लगभग 18,000 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर का सफलतापूर्वक निर्माण करने के बाद, बीईएल ने चिकित्सा इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य देखभाल के क्षेत्र में विविधता लाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। आपकी कंपनी का एक उद्देश्य इस बाजार खंड में प्रवेश करना और भारत में शहरी और ग्रामीण आबादी के लिए स्वास्थ्य-देखभाल सम्बन्धी किफायती उत्पादों/ समाधानों को लाना और स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता प्राप्त करना है।

इस क्षेत्र में तेज़ी से बढ़ने के लिए, भारतीय कंपनियों द्वारा स्वदेशी रूप से डिज़ाइन किए गए कुछ विशिष्ट उत्पादों की पहचान की गई है, जिन्हें टीओटी के माध्यम से बीईएल में निर्मित किया जा सकता है। आपकी कंपनी या तो आंतरिक (इन-हाउस) प्रयास के माध्यम से या सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास अभिगम के माध्यम से भविष्य के बाजारों के लिए अपने स्वयं के उत्पादों के साथ आने की योजना बना रही है। इन अभिगमों के साथ, आपकी कंपनी हीमोडायलिसिस मशीनों, पोर्टेबल रिमोट रोगी स्वास्थ्य निगरानी प्रणालियों, सघन चिकित्सा यूनिटों (आईसीयू) के लिए रोगी निगरानी प्रणाली, मूत्र एल्बुमिन पहचान प्रणाली, सी-आर्म एक्स-रे मशीनों, अल्ट्रासाउंड, टर्बाइन-आधारित वेंटिलेटरों, एमआरआई, आदि का उत्पादन करने की योजना बना रही है ।

रक्षा में नए क्षेत्रों की तरफ केंद्रित दृष्टिकोण

रक्षा और एयरोस्पेस क्षेत्र में आगामी क्षेत्रों हेतु एक केंद्रित दृष्टिकोण देने के लिए, बीईएल ने मानव रहित प्रणालियों, आरएफ और आईआर सीकर्स, मिसाइल, रॉकेट, ग्लाइड बम, हथियार और गोला बारूद में साहस किया है।

मानव रहित प्रणालियाँ

यूएवी बाजार वर्ष 2022 से 2027 तक 7.9% के सीएजीआर पर वर्ष 2022 में 26.2 बिलियन अमरीकी डॉलर से वर्ष 2027 तक 38.3 बिलियन अमरीकी डॉलर तक बढ़ने का अनुमान है। मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) दूर से संचालित, वैकल्पिक रूप से पायलट संचालित या पूरी तरह से स्वायत्त हवाई वाहन हैं, जो रक्षा और वाणिज्यिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

मानवरहित अंतर्जलीय वाहन (यूयूवी) का बाजार वर्ष 2022 से 2027 तक 16.0% के सीएजीआर पर वर्ष 2022 में 3.5 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है और वर्ष 2027 तक 7.4 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है । मानव रहित थल वाहन (यूजीवी) का बाजार वर्ष 2022 से 2027 तक 5.7% के सीएजीआर पर वर्ष 2022 में 2.7 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है और वर्ष 2027 तक 3.6 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। मानव रहित सतह वाहन (यूएसवी) का बाजार वर्ष 2022 से 2027 तक 11.1% की सीएजीआर पर वर्ष 2023 में 0.77 बिलियन अमरीकी डॉलर होने का अनुमान है और वर्ष 2027 तक 1.2 बिलियन अमरीकी डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है ।

भारतीय मानव रहित प्रणाली क्षेत्र बीईएल सहित भारतीय उद्योग के लिए अच्छे अवसर प्रदान करता है। बीईएल डीआरडीओ/विदेशी ओईएम/ इंडियन एकेडेमिया/स्टार्ट-अप आदि के साथ साझेदारी करके भारतीय रक्षा/ रक्षेतर क्षेत्रों की यूएवी/यूजीवी/यूयूवी/यूएसवी आवश्यकताओं को पूरा करता रहा है। बीईएल आयभार (पेलोड) (जैसे ईओ, संचार, ईएसएम, आदि), डेटा लिंक और मानव रहित हवाई वाहन (यूएवी) के भू-नियंत्रण केंद्र (ग्राउंड कंट्रोल स्टेशन) की आवश्यकताओं पर भी काम करता रहा है। बीईएल ने ड्रोन रक्षा प्रणालियों का विकास और आपूर्ति भी की है।

समर्पित संसाधनों के साथ ध्यान केन्द्रित कर मानव रहित प्रणालियों के व्यवसाय के अवसरों को देखने के लिए बीईएल बैंगलोर में एक अलग व्यावसायिक वर्टिकल बनाया गया है। यह वर्टिकल इन-हाउस विकास के साथ-साथ साझेदारी के माध्यम से मानव रहित सिस्टम्स व्यवसाय में पैठ हासिल करने के लिए अपनी क्षमताओं का निर्माण कर रहा है।

आरएफ और आईआर सीकर्स

वैश्विक मिसाइल अन्वेषकों के बाजार का आकार वर्ष 2021 से 2026 तक 5.2% के सीएजीआर पर वर्ष 2021 में 5.3 बिलियन अमरीकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2026 तक 6.8 बिलियन अमरीकी डॉलर हो जाने का अनुमान है । इस सेगमेंट के वैश्विक विकास के मुख्य चालक भू-राजनैतिक अस्थिरताएँ, युद्ध रणनीतियों में बदलाव, मिसाइल अन्वेषक प्रौद्योगिकियों में उन्नति और लघुकरण, स्टॉक की कमी, उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बढ़ते रक्षा बजट आदि का होना है ।

इस क्षेत्र की घरेलू मांग को रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियों की एक श्रृंखला जारी करने के साथ एक बड़ा बढ़ावा मिला, जिसमें सभी रणनीतिक मिसाइल प्रणालियों को चरणबद्ध तरीके से घरेलू निर्माण के लिए शामिल किया गया है। डीआरडीओ द्वारा स्वदेशी मिसाइल प्रणालियों के विकास में बड़ी प्रगति के साथ, घरेलू रक्षा उद्योग के पास प्रौद्योगिकी और उत्पादन को आत्मसात करने के लिए आने वाले वर्षों में एक प्रमुख भूमिका और अवसर होगा । बीईएल आरएफ और आईआर चाहने वालों के प्रौद्योगिकी अवशोषण, इंजीनियरिंग और उत्पादन के विकास के विभिन्न चरणों के दौरान डीआरडीओ से जुड़ा हुआ है। बीईएल सीकर्स के बड़े पैमाने पर निर्माण के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे के सृजन हेतु लगातार निवेश कर रहा है, जिससे कि आवश्यक मांग को पूरा किया जा सके। बीईएल आयुध के नवीनीकरण और जीवन विस्तार का पता लगाने के लिए इस क्षेत्र में सेना (सर्विसेज) के साथ भी काम कर रहा है।

मिसाइल, आयुध और गोला बारूद

स्मार्ट हथियारों सहित आयुध और गोला-बारूद देश की रणनीतिक जरूरतों के लिए महत्वपूर्ण हैं, जिसके लिए आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करनी होगी। लंबे समय तक सेनाएँ आयातित आयुधों/हथियारों पर निर्भर थीं। भारत सरकार/रक्षा मंत्रालय मेक-इन-इंडिया के लिए गोला-बारूद के स्वदेशीकरण, सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची, मेक-छ्छ, आदि जैसी प्रमुख नीतिगत पहलों के माध्यम से बीईएल सहित घरेलू रक्षा निर्माताओं को बड़े अवसर प्रदान कर रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार, हथियारों एवं गोला-बारूद (छोटे व स्मार्ट हथियारों सहित) का वैश्विक बाजार वर्ष 2030 तक 37.71 बिलियन डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है।

बीईएल मिसाइल सीकर्स, ग्लाइड बमों, रॉकेटों, गोला-बारूदों, इलेक्ट्रॉनिक फ़्यूज़ों और इससे संबंधित भागों के विकास के लिए डीआरडीओ, प्रौद्योगिकी भागीदारों, शिक्षाविदों, अनुसंधान एवं विकास संस्थानों, स्टार्ट-अपों आदि के साथ साझेदारी करने और विकास में संलग्न है। बीईएल ने सभी आवश्यक विनियामक लाइसेंसों और अनुमोदनों के साथ प्रसंस्करण/हॉट एकीकरण और कई भंडारण शस्त्रागारों के लिए सुविधाएं बनाने में पर्याप्त निवेश किया है।

(बी) उद्योग संरचना और विकास

वर्तमान में, भारत रक्षा उपकरणों के सबसे बड़े आयातकों में से एक है, जिसकी अधिकांश रक्षा जरूरतों को आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है । हालांकि रिपोर्ट के अनुसार, हाल के वर्षों में भारत के हथियारों के आयात में कमी आई है। भारत सरकार का लक्ष्य रक्षा क्षेत्र में एक मजबूत आत्मनिर्भर घरेलू उद्योग का विकास करना है, जिसमें एमएसएमई और स्टार्ट-अप सहित निजी क्षेत्र की पर्याप्त भागीदारी हो ताकि आयात की प्रवृत्ति को उलटा जा सके ।

इस संबंध में, सरकार ने मेक-इन-इंडिया कार्यक्रम, एमएसएमई/स्टार्ट-अप आदि द्वारा नवाचार के माध्यम से प्रौद्योगिकियों के विकास के लिए एक पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण जैसी कई पहल की हैं। सरकार के समर्थन से, भारतीय उद्योग से उम्मीद है कि मूल्य श्रृंखला में आगे बढ़ें और रक्षा बलों को बेहतरीन उत्पाद, प्रणालियाँ और सेवाएं प्रदान करें । सरकार ने रक्षा उत्पादन नीति का मसौदा जारी किया है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2025 तक रक्षा उत्पादन को 1,70,000 करोड़ रुपए तक बढ़ाना है।

रक्षा मंत्रालय ने डीपीपी 2016 के अंतर्गत, भारतीय निजी क्षेत्र के लिए रणनीतिक भागीदारी मॉडल (एसपी) प्रस्तुत किया है। इस मॉडल का उद्देश्य निजी क्षेत्र में उत्तरोत्तर स्वदेशी क्षमताओं का निर्माण करना है, जिससे जटिल हथियार प्रणालियों और प्लेटफार्मों का डिज़ाइन, विकास और निर्माण किया जा सके।

रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया 2020 (डीएपी 2020) में आत्मनिर्भरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए कई सुधार शामिल किए गए हैं, जिसमें निर्माण, डिजाइन एवं विकास और रणनीतिक साझेदारी की प्रक्रियाओं के माध्यम से स्वदेशीकरण और नवाचार को सक्षम किया गया है। घरेलू उद्योग/एमएसएमई की सहायता से जीवन चक्र लागत को कम करने और एक मजबूत पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के उद्देश्य से विभिन्न योजनाओं के माध्यम से आयात प्रतिस्थापन की सुविधा प्रदान की गई है। मेक-I और मेक-छ खरीद प्रक्रिया को और सरल बनाने, अंतरिक्ष गतिविधियों को शामिल करने आदि के लिए डीएपी-2020 में संशोधन किए जा रहे हैं।

स्वदेशी रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए, सरकार ने औद्योगिक लाइसेंसिंग के उदारीकरण, रक्षा गलियारों के विकास, iDEX/डीआईओ के माध्यम से रक्षा और एयरोस्पेस में नवाचार के लिए वित्त पोषण, डीपीपी को निरंतर अद्यतन करने, निर्यात पर जोर आदि जैसी पहल की हैं। मेक-II श्रेणी के अंतर्गत स्वत: प्रस्ताव भी प्रस्तुत किए जा सकते हैं।

जहाँ कहीं भी आधुनिक तकनीक का उपयोग करने की आवश्यकता है, वहाँ पर प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) स्वचालित मार्ग के माध्यम से 74% तक और सरकारी मार्ग के अंतर्गत 74% से अधिक अनुमत है।

डीआरडीओ द्वारा विकसित प्रौद्योगिकियां अब टीओटी और रॉयल्टी फीस के भुगतान पर निजी क्षेत्र सहित भारतीय उद्योग को विशिष्टेतर (नॉन-एक्सक्ल्युसिव) आधार पर उपलब्ध कराई जाती हैं। साथ ही, डीआरडीओ उद्योग को प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के लिए एक संशोधित नीति और प्रक्रियाएं लेकर आया है।

सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश और तमिलनाडु में दो रक्षा औद्योगिक गलियारे स्थापित किए जा रहे हैं। उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) में आगरा, अलीगढ़, चित्रकूट, झांसी, कानपुर और लखनऊ में छह नोड होंगे। तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारे (टीएनडीआईसी) के चेन्नई, कोयंबटूर, होसुर, सेलम और तिरुचिरापल्ली में पांच नोड होंगे। नवगठित डीपीएसयू और निजी कंपनियों सहित डीपीएसयू द्वारा तमिलनाडु और यूपी गलियारे के लिए क्रमश: लगभग 11,100 करोड़ रुपए और 8,700 करोड़ रुपए की निवेश योजना की घोषणा की गई है।

सरकार द्वारा `मेक-I´ और `मेक-II´ कार्यक्रमों की प्रक्रिया शुरू की जा चुकी है तथा इसे और सरल बनाया जा रहा है, जिससे एमएसएमई और स्टार्ट-अप कंपनियों को रक्षा उत्पादन में एकीकृत करने में मदद मिलने की संभावना है। बीईएल रक्षा सेवाओं के कई मेक-छ कार्यक्रमों में भी भाग ले रहा है।

आत्मनिर्भर भारत पहल के लिए रक्षा मंत्रालय के बड़े ज़ोर के लिए, रक्षा मंत्रालय ने अगस्त 2020 से 400 से अधिक वस्तुओं पर आयात प्रतिबंध लगा दिया है और रक्षा उत्पादन के स्वदेशीकरण को समय-सीमा के साथ बढ़ावा देने के लिए सेवाओं की चार सकारात्मक स्वदेशीकरण सूचियाँ प्रकाशित की हैं । बीईएल के उत्पाद/प्रणालियां रक्षा स्वदेशीकरण की इन सकारात्मक सूचियों के लगभग 30% को पूरा कर सकती हैं।

इन बदलते व्यावसायिक परिदृश्यों के अन्तर्गत बीईएल अपने संपर्क स्तर को बढ़ाने और भारतीय रक्षा उद्योग में उभरते सामरिक भागीदारों, उपयोगकर्ताओं और अन्य प्रमुख हितधारकों के साथ दीर्घकालिक संबंध बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

(सी) एसडब्ल्यूओटी विश्लेषण

ताकत

- भारत में रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में अग्रणी
- मजबूत बहुस्तरीय आंतरिक अनुसंधान एवं विकास, कुशल कार्य बल और विषय का गहन ज्ञान

- एक मजबूत पीएस नेटवर्क के साथ उत्पादन के व्यापक श्रृंखला
- निष्ठावान ग्राहक आधार / मजबूत संबंध

कमजोरियां

- प्रौद्योगिकी के कुछ क्षेत्रों में अंतराल
- रक्षा बाजार पर निर्भरता
- बाजार के लिए उच्च नेतृत्व समय
- प्रौद्योगिकी के लिए डीआरडीओ पर निर्भरता
- चुस्ती को प्रभावित करने वाले अत्यधिक/कई नियम

अवसर

- बढ़ती रक्षा और सुरक्षा के लिए बड़े पैमाने पर आधुनिकीकरण/उन्नयन योजनाओं की आवश्यकता है
- डीपीपी में आईडीडीएम श्रेणी की शुरूआत
- मित्र देशों के साथ सामरिक साझेदारी
- रक्षा मंत्रालय द्वारा स्वदेशीकरण के लिए सकारात्मक सूचियाँ

खतरे

- बढ़ी हुई प्रतिस्पर्धा - भारतीय निजी और वैश्विक
- ग्राहकों की पसंद बदलना
- प्रौद्योगिकियों में तेजी से परिवर्तन
- कुछ महत्वपूर्ण और अस्वीकृत प्रौद्योगिकियों को बाहर से लेना (सोर्सिंग)
- निजी क्षेत्र के पक्ष में नीतिगत हस्तक्षेप

(डी) कंपनी के निरंतर प्रदर्शन और विकास को सुनिश्चित करने के लिए शीर्ष प्रबंधन द्वारा निर्धारित रणनीति, ध्येयों और लक्ष्यों सहित की गई / नियोजित प्रमुख पहल

कंपनी के निरंतर प्रदर्शन और विकास को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी ने निम्नलिखित प्रमुख पहल की हैं-

(i) उभरते व्यवसायों में सह-विकास, सह-उत्पादन और विनिर्माण टीओटी के माध्यम से सामरिक गठजोड़-

कंपनी कई रणनीतिक और राष्ट्रीय महत्व के अन्य क्षेत्रों में काम कर रही है, जैसे-हथियार प्रणाली, निगरानी, ट्रैकिंग और मल्टीफंक्शन एईएसए-आधारित रेडार, नौसेना और हवाई अनुप्रयोग, अगली पीढ़ी के इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट और काउंटर मेज़र सिस्टम, सीकर्स और मिसाइल सहित एयर डिफेंस सिस्टम, भूमि, वायु, सतह और पानी के नीचे के अनुप्रयोगों के लिए मानव रहित सिस्टम, पनडुब्बीरोधी युद्ध प्रणाली, सामरिक अनुप्रयोगों के लिए सॉफ्टवेयर डिफ़ाइंड रेडियो, नेटवर्क सेंट्रिक सिस्टम, नाइट विजन डिवाइस, मल्टी-सेंसर स्थिरीकरण प्रणाली, हथियार और गोला-बारूद, रेलवे और मेट्रो के लिए परिवहन समाधान, भूमि के लिए कम्पोज़िट उत्पाद, समुद्री और वैमानिकी खंड, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स, अंतरिक्ष इलेक्ट्रॉनिक्स और प्रक्षेप (लॉन्च) वाहन, सौर, चिकित्सा उपकरण और संबंधित समाधान, ऊर्जा भंडारण उत्पाद आदि।

कई रणनीतिक गठजोड़ किए गए हैं और रक्षा प्रयोगशालाओं, पुरानी व नवगठित डीपीएसयू, एकाडमिया, स्टार्ट-अप, विख्यात प्रौद्योगिकी कंपनियों और प्रतिष्ठित वैश्विक मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) और भारतीय कंपनियों/एजेंसियों के साथ निर्यात सहित उभरते हुए रक्षा और रक्षेतर व्यवसाय को संबोधित करने के लिए अन्य चुनिंदा साझेदारियां की जा रही हैं।

कुछ उत्पादों और प्रणालियों की पहचान की गई और सह-विकास, सह-उत्पादन और विनिर्माण टीओटी और जीवनचक्र समर्थन के लिए गठजोड़ में सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल (एसएएम) प्रणाली, लंबी दूरी की मिसाइल, आरएफ / आईआईआर सीकर, वायु रक्षा रेडार (भूमि और नौसेना आधारित), नेविगेशनल कॉम्प्लेक्स सिस्टम, सोनार सिस्टम्स, नेक्स्ट जनरेशन नाइट विजन डिवाइसेस, गन अपग्रेड्स / न्यू गन प्रोग्राम्स, रक्षा के लिए छोटे हथियार, नेविगेशन रिसीवर्स, विस्फोटक सामग्री, गोला बारूद, इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम्स, हाई पावर लेजर्स, टीथर्ड अनमैन्ड हवाई वाहन और स्वार्म यूएवी, दूर से संचालित वाहन (आरओवी), काउंटर मेज़र सिस्टम, फ्यूचरिस्टिक एएफवी प्लेटफॉर्म एफआईसीवी आदि इलेक्ट्रॉनिक्स सिस्टम, सैटकॉम टर्मिनल, नेविगेशन रिसीवर, कम्पोज़िट उत्पाद, रेल और मेट्रो समाधान, ली-आयन सेल, चिकित्सा उपकरण और संबंधित समाधान आदि शामिल हैं।

(ii) संयुक्त उद्यम (मौजूदा/उभरते व्यावसायिक क्षेत्रों के लिए)-

बीईएल पूरक प्रौद्योगिकी/मजबूत क्षेत्रों में प्रतिष्ठित कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम/विशेष प्रयोजन वाहन स्थापित करने के अवसरों की लगातार तलाश कर रहा है ताकि प्रौद्योगिकी-अंतराल को पाटा जा सके और मौजूदा क्षेत्रों को बढ़ाने के साथ-साथ नए और उभरते व्यावसायिक क्षेत्रों में प्रवेश किया जा सके।

संयुक्त उद्यम बेल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (बीटीएसएल) का गठन बीईएल और थालेस, फ्रांस के बीच किया गया है, जिसका उद्देश्य भारतीय और वैश्विक बाजारों के लिए नागरिक और चुनिंदा रक्षा राडारों के डिजाइन, विकास, विपणन, आपूर्ति और समर्थन में संलग्न होना है। मूल कंपनियों की कार्य संस्कृति और प्रौद्योगिकी/विनिर्माण समर्थन के संगम से लाभ उठाते हुए, संयुक्त उद्यम ने दोनों मूल संगठनों की सर्वोत्तम प्रथाओं को आत्मसात किया है और उत्पादों के विकास, क्रमिक उन्नति और अनुकूलन के केंद्र और एक विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में विकसित हो रहा है।

बीटीएसएल ने लड़ाकू विमानों के लिए इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सूट समाधान हेतु लो बैंड रिसीवर मॉड्यूल का सफलतापूर्वक निर्माण और वितरण किया

है। बीटीएसएल ने भारतीय वायु सेना, सीएबीएसईसी आदि जैसे भारतीय ग्राहकों के लिए पैसिव रेडार की क्षमता को सफलतापूर्वक अनुकूलित और प्रदर्शित किया है। बीटीएसएल, थालेस के साथ मध्यम से लंबी दूरी की ट्रैकिंग और प्रकाश वाले रेडार सिस्टम के लिए बिल्ट टू प्रिंट परियोजनाओं पर भी काम कर रहा है। बीटीएसएल विभिन्न मौजूदा और नए ग्राहकों के लिए एयर सर्विलांस रेडार (एएसआर) और मोनो-पल्स सेकेंडरी सर्विलांस रेडार (एमएसएसआर) का रेडार सेवा प्रबन्धन भी कर रहा है। बीटीएसएल ने हाई-एंड एवियोनिक्स सिस्टम के लिए एक अच्छी तरह से सुसज्जित एकीकरण सुविधा स्थापित की है, जिसे गुणता निरीक्षण, परीक्षण, असेंबली, कार्यात्मक परीक्षण, थर्मल साइकिलिंग, कंपन परीक्षण आदि को शामिल करते हुए निर्माण गतिविधि के लिए आगे बढ़ाया गया है। बीईएल, भारत में हथियार प्रणाली कार्यक्रमों के लिए उत्पाद के जीवन चक्र को समर्थन देने हेतु एक संयुक्त उद्यम कंपनी स्थापित करने के लिए इज़राइल के एक मूल उपकरण निर्माता (ओईएम) के साथ उन्नत चर्चा कर रहा है, जिसके लिए इज़राइल का ओईएम मुख्य डिजाइनर है।

प्रौद्योगिकी उन्नयन और अनुसंधान एवं विकास की चुनौतियां

अत्याधुनिक उत्पादों और समाधानों को विकसित करने के लिए आवश्यक मुख्य प्रौद्योगिकियां प्राय: आसानी से उपलब्ध नहीं होती हैं। प्रमुख प्रौद्योगिकियों पर अनुसंधान एवं विकास के लिए प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त के साथ समाधानों को साकार करने के लिए निरंतर उन्नयन की आवश्यकता होती है। जबकि मालिकाना प्रौद्योगिकियों का उपयोग करना अनिवार्य है, प्रौद्योगिकियों/समाधानों के लिए एक ही स्रोत में बंद होना एक बड़ी चुनौती है।

गुणता की आवश्यकताओं के साथ-साथ आकार, वजन और शक्ति (SWaP) की मांगें हमेशा अनुसंधान एवं विकास के प्रयासों को और अच्छा करने के लिए प्रेरित करती हैं। घटक स्तर पर अनुसंधान एवं विकास के प्रयासों को एसओसी, एमएमआईसी, अत्यधिक एकीकृत प्रोसेसर आईसी, माइक्रोवेव सुपर-कंपोनेंट आदि की नई आवश्यकताओं को पूरा करने की दिशा में आगे बढ़ाया जाता है। उत्पाद स्तर पर अनुसंधान एवं विकास के प्रयास मॉड्यूलर, संरूपणीय, बहु-कर्मीय और दोष-सहिष्णु उत्पादों के सृजनोन्मुख होते हैं । प्रणालियों की प्रणाली को साकार करने के लिए प्रणाली एकीकरण विशेषज्ञता के साथ प्रणाली अभियांत्रिकी, परियोजना प्रबंधन में विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है। महत्वपूर्ण घटकों का अप्रचलन, विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं (ओईएम) पर निरंतर निर्भरता और उत्पाद के संपूर्ण जीवन चक्र को समर्थन देने की आवश्यकता अन्य महत्वपूर्ण चुनौतियां हैं।

उपाय

बीईएल में सभी उत्पादों और समाधानों के लिए अंतर्निहित कोर प्रौद्योगिकियों के निरंतर उन्नयन की चुनौती से निपटने के लिए, एक 3-स्तरीय अनुसंधान एवं विकास की संरचना स्थापित की गई है। बेंगलुरू और गाजियाबाद में स्थित केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाएं (सीआरएल), संचार, सी4आई, बिग डेटा, नेटवर्क सेंट्रिक सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर, रेडियो फ्रीक्वेंसी, माइक्रोवेव, पावर एम्पलीफायर्स, एंटीना, रेडार सिग्नल और डेटा प्रसंस्करण, इमेज प्रसंस्करण, इलेक्ट्रो-ऑप्टिक्स और लेजर, एंबेडेड स्मार्ट कंप्यूटिंग, सेंसर, नेटवर्किंग, नेविगेशन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, साइबर और नेटवर्क सुरक्षा, क्रिप्टो, स्विचिंग, क्लाउड और डेटा एनालिटिक्स, मशीन इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, मानव रहित वाहन, एनएमएस, डीएसएस, मल्टी-सेंसर ट्रैकिंग और डेटा फ्यूजन, जीआईएस टेक्नोलॉजीज, सिमुलेशन, वॉर गेमिंग, टैक्टिकल एल्गोरिदम, कॉग्निटिव कंप्यूटिंग, सेंसर-सिस्टम इंटीग्रेशन, वेब टेक्नोलॉजीज, सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग आदि के मुख्य प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में ब्लू स्काई अनुसंधान और अनुप्रयुक्त अनुसंधान में लगी हुई हैं।

बेंगलुरु में स्थित एक केंद्रीकृत उत्पाद विकास और नवाचार केंद्र (डीपीआईसी) और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और फोटोनिक्स (ईडब्ल्यू एंड पी), सैन्य संचार प्रणाली (एमसीएस) तथा रेडार और हथियार प्रणाली (आर एंड डब्ल्यूएस) के क्षेत्रों में उत्कृष्टता के 3 केंद्र (सीओई), उत्पादों/प्रणालियों में कोर प्रौद्योगिकी मॉड्यूल की इंजीनियरिंग पर ध्यान केंद्रित करते हैं। पीडीआईसी के मुख्य क्षेत्र ऑटोमेशन सॉल्यूशंस, एंटीना वर्टिकल, क्रिप्टो सॉल्यूशंस, एंबेडेड सिस्टम्स, एनर्जी सिस्टम्स, इंजीनियरिंग सॉल्यूशंस, आरएफ और माइक्रोवेव, एमएमआईसी, एसओसी, सोनार सिस्टम्स, सुपर कंपोनेंट्स, मार्गनिर्देशन (नेविगेशन) और स्थिरीकरण (स्टेबिलाइजेशन) आदि हैं।

विकास और अभियांत्रिकी (डी एंड ई) प्रभाग, सभी रणनीतिक व्यावसायिक यूनिटों (एसबीयू) में काम कर रहे हैं और ये इकाइयाँ ग्राहकों की आवश्यकताओं को समझने के लिए उनसे संपर्क करते हैं, तकनीकी विशिष्टताओं की योजना बनाते हैं और अन्य स्तरों, अर्थात सीआरएल और पीडीआईसी के माध्यम से विकसित मुख्य प्रौद्योगिकी मॉड्यूल को शामिल करते हुए उत्पादों/समाधानों को विकसित करते हैं।

बैंगलोर स्थित सॉफ्टवेयर रणनीतिक कारोबारी यूनिट (एसबीयू) का विकास एवं अभियांत्रिकी (डी एंड ई) प्रभाग सॉफ्टवेयर मॉड्यूल से संबंधित सभी आवश्यकताओं को या तो सीधे ग्राहकों को या एसबीयू/यूनिटों के संबंधित डी एंड ई के माध्यम से देखता है। हाल ही में, वैजाग में एक सॉ फ्टवेयर विकास केंद्र भी खोला गया है। सॉफ्टवेयर एसबीयू को बेंगलुरु और गाजियाबाद के सीआरएल वैज्ञानिकों द्वारा कुशलता से समर्थन प्राप्त है।

बीईएल में, नियोजित अनुसंधान एवं विकास पहल, सिस्टम इंजीनियरिंग, आर एंड डी जनशक्ति के लिए प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण, सिस्टम संचालित अप्रचलित वस्तुओं प्रबंधन और उपयुक्त सहयोगी आर एंड डी भागीदारों के माध्यम से विशेषज्ञता का लाभ उठाकर चुनौतियों का आगे समाधान किया जा रहा है।

व्यावहारिक क्षेत्रों में मालिकाना प्रौद्योगिकियों में लॉक-इन की चुनौती को दूर करने के लिए, कंपनी मानक प्रोटोकॉल के आधार पर और मॉड्यूलर डिजाइन के साथ प्रौद्योगिकी मॉड्यूल/समाधान विकसित करती है, जिसका मूल्यांकन मानक परीक्षण और मापन उपकरणों का उपयोग करके किया जा सकता है। यहां तक कि जब किसी दिए गए प्रौद्योगिकी मॉड्यूल / उत्पाद / समाधान को विनिर्देशों के अनुसार (रक्षा बलों के लिए उपयुक्त) बनाया गया है, तो उन्हें मानक इंटरफेस के साथ विकसित किया जाता है ताकि मॉड्यूलरिटी

और मापनीयता सुनिश्चित करने के लिए बड़े सिस्टम में प्लग-एंड-प्ले मॉड्यूल के रूप में इसका उपयोग किया जा सके। यह एकल-विक्रेता/स्वामित्व लॉक-इन स्थिति के विरुद्ध सुरक्षा देता है और यह सुनिश्चित करता है कि विकसित उत्पाद/सिस्टम आसानी से बनाए रखने योग्य हैं।

इसके अतिरिक्त, जहां भी कोई सबसिस्टम या कोई घटक खरीदा जाता है, कंपनी को एक ही स्रोत में बंद होने से बचाने के लिए इस सबसिस्टम/घटक के लिए कई स्रोत बनाए जाते हैं। एक मानक-संचालित दृष्टिकोण के आधार पर प्रसंस्करण प्रदर्शन, पैकेजिंग और ताप (थर्मल) प्रबंधन को अनुकूलित करके लघु आकार, वजन और शक्ति की निरंतर बढ़ती आवश्यकता को लघुकृत प्लेटफार्मों / उत्पादों / समाधानों की एक श्रृंखला के विकास के माध्यम से संबोधित किया जा रहा है। अप्रचलन प्रबंधन योजनाओं, उपकरणों और कार्यों के माध्यम से अप्रचलन के कार्य को देखा जा रहा है, जो वैकल्पिक स्रोतों की पहचान करने/बनाने और स्वदेशीकरण की ओर बढ़ने में मदद करता है।

अनुसंधान एवं विकास की पहल और उपलब्धियां

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान अनुसंधान एवं विकास और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्रों में बीईएल द्वारा की गई कुछ नई पहलें निम्नलिखित हैं-

- की गई नई पहलों में बीईएल ईआरपी सिस्टम पर ऑनलाइन अनुसंधान एवं विकास फ्लैश और आईपीआर जानकारी शामिल है, आर एंड डी परियोजना की स्थिति/प्रगति निगरानी/समीक्षा के लिए एक डैशबोर्ड का निर्माण, बीईएल के आर एंड डी सहयोग और ऊष्मायन (इनक्यूबेशन) केंद्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए बीईएल-भारतीय जल सेना इनक्यूबेशन सेल की स्थापना, एचएलएस, एसडब्ल्यू और सीआरएल-बीजी द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के साथ एआई-एमएल पर भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) बेंगलुरु के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर, अनुसंधान और विकास (आर एंड डी) और अनुसंधान और प्रौद्योगिकी (आर एंड टी) के रूप में दो वर्टिकल में सीआरएल-गा.बाद का पुनर्गठन, आर एंड डी के लिए एसडीओपी का संशोधन और बोर्ड/अनुसंधान एवं विकास समिति नोट प्रारूपों का मानकीकरण शामिल है ।
- बीईएल ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आधारित कई परियोजनाओं का विकास शुरू किया है, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं- एकीकृत फसल उपज पूर्वानुमानों के साथ डिजिटल कृषि प्लेटफॉर्म, आर्टिफ़िशियल इंटेलिजेंस-सक्षम अनुकूली यातायात संकेत नियंत्रण समाधान, यातायात नियम प्रवर्तन वैश्लेषिकी (एनालिटिक्स), कचरा और कूड़े का पता लगाना, दुर्घटना/वाहन के चलते-चलते बंद होने का पता लगाना, एआई-आधारित सतह लक्ष्य वर्गीकरण, उपग्रह निगरानी प्रणाली, हेक्सापॉड पर गतिकी काइनेमैटिक्स और एआई-आधारित वीडियो वैश्लेषिकी (एनालिटिक्स)।
- प्रमुख शिक्षण संस्थानों के साथ सहयोग बढ़ाने और चुनिंदा संस्थानों में अनुसंधान एवं विकास/नवाचार प्रकोष्ठ स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। कोच्चि स्थित बीईएल के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ ने सोनार और सिमुलेटर के लिए कोर टेक्नोलॉजी मॉड्यूल तैयार किए हैं। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान-मद्रास अनुसंधान पार्क स्थित बीईएल के अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ ने संचार प्रणालियों के लिए कोर प्रौद्योगिकी मॉड्यूल विकसित किया है। अन्य परिसरों में ऐसे अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठों की स्थापना का पता लगाया जा रहा है।
- बीईएल साल-दर-साल बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) से संबंधित गतिविधियों को जोर-शोर से आगे बढ़ा रहा है। इस संबंध में किए गए एकजुट प्रयासों के परिणामस्वरूप वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 22 पेटेंटों सहित 100 आईपीआर प्रदान किए गए । दिए गए कुछ पेटेंट हैं-

  मतदाता सत्यापित पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) प्रणाली; एक उन्नत लेजर अनुनादक यंत्र; टीडब्ल्यूएस रेडार के लिए व्युत्पन्न काईनेमेटिक्स का उपयोग करते हुए स्वचालित ट्रैक शुरुआत; रेखीय एंटीना विन्यास (ऐरे) के प्रतिक्रियाशील क्षेत्र में बेंच स्तर पर विकिरण पैटर्न का मापन; मल्टी फ्रेम डेटा वर्ड्स के लिए चक्रीय प्रचुरता रोकथाम की गणना के लिए एक विधि; डेटाबेस मुख्य बाधाओं का उपयोग कर तालिका पंक्ति डेटा निर्यात और आयात करने के लिए प्रणाली और पद्धति; रेडार में रेंज अस्पष्टता सुधार के लिए अपरिष्कृत वीडियो को संसाधित करने की विधि; डिजिटल रूप से ट्यून करने योग्य लघु निस्यंदक (फ़िल्टर); और एक सुसंबद्ध (कॉम्पैक्ट) पुन: संरूपणीय (रीकॉन्फ़िगरेबल) और पूरी तरह से मापनीय (स्केलेबल) एंटीना बीम स्टीयरिंग नियंत्रक।
- दिनांक 31/03/2023 तक, बीईएल को प्रदान/पंजीकृत संचयी बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर) 360 हैं (पेटेंट- 46, प्रतिलिप्याधिकर- 301, औद्योगिक डिजाइन- 10, एसआईसीएलडी- 1, टीएम- 2)। वित्त वर्ष 2022-23 में कुल 242 नए आईपीआर आवेदन दाखिल किए गए (पेटेंट- 121, प्रतिलिप्याधिकर- 110, औद्योगिक डिजाइन- 6, एसआईसीएलडी- 4, टीएम- 1)। वित्त वर्ष 2022-23 में आर एंड डी/डीएंडई के वैज्ञानिकों /अभियन्ताओं ने प्रतिष्ठित सम्मेलनों /संगोष्ठियों / जर्नलों में 79 पेपर प्रस्तुत और प्रकाशित किए हैं।
- बीईएल ने वित्त वर्ष 2022-23 में 9 नए सहयोगी अनुसंधान एवं विकास भागीदारों को सूचीबद्ध किया है। 31 मार्च 2023 तक, संचयी सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास भागीदारों की संख्या 309 (155 एमएसएमई सहित) है। अनुसंधान एवं विकास समाधान प्रदाताओं के अंतर्गत वर्गीकृत भागीदार- 39, डिजाइन सेवा प्रदाता- 198, परामर्शदाता- 40 और उत्पादन सेवा प्रदाता- 39, जिनमें से 7 भागीदारों को दो श्रेणियों के अंतर्गत सूचीबद्ध किया गया है।

शिक्षाविदों के सहयोग से बीईएल द्वारा की गई कुछ नई पहलें-

स्वचालित मॉड्यूलेशन वर्गीकरण - आईआईटी मंडी; ऑटो की वितरण का डिजाइन और विकास-आईआईटी मद्रास; आईओएमटी-आधारित मानवाकृतीय रोबोटिक दस्ताने-आईआईटी कोटा; फेरोइलेक्ट्रिक थिन फिल्म आधारित सौर सेल का विकास-आईआईएससी, बेंगलुरु; एजेआईटी प्रॉसेसर का अध्ययन और मूल्यांकन-आईआईटी पवई;

आईआईटी बॉम्बे छवि विश्लेषण के साथ सी बैंड 25 डब्ल्यू जीएएन आरएफ डिवाइस; गतिविधि टेंपलेटिंग और प्रवृत्ति अनुमान; खेल सिद्धांत आधारित अवरोधन; एआई-आधारित मल्टी-सेंसर फ्रेमवर्क; यूएवी अपने जहाज की स्थिति; आवाज आधारित पहचान; आरटी रेंज वर्धन।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान विशिष्ट क्षेत्र जिनमें अनुसंधान एवं विकास किया गया था और गतिविधियों के परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ और उपकरणों तथा घटकों के क्षेत्र में प्रमुख उपलब्धियों का विवरण-

विशिष्ट क्षेत्र जिनमें अनुसंधान एवं विकास किया गया था और गतिविधियों के परिणामस्वरूप प्राप्त लाभ

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, बीईएल ने कई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शुरू कीं और कई परियोजनाएं विशिष्ट व्यावसायिक खंडों/क्षेत्रों में पूरी की गईं। इनमें मिसाइल सिस्टम, रेडार, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध, वैमानिकी, मिलिट्री संचार व्यवस्था, नौसेना विषयक प्रणालियाँ, सोनार, सी 4 आई सिस्टम, वैद्युत-प्रकाशिकी और लेजर, टैंक इलेक्ट्रॉनिक्स, बंदूक उन्नयन, सिविलियन इक्विपमेंट, होमलैंड सिक्योरिटी, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और पुर्जे जैसे प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं शामिल हैं। उपर्युक्त व्यवसाय खंडों में कंपनी द्वारा सृजित राजस्व के प्रमुख हिस्से के रूप में प्राप्त लाभ हैं। कई प्रौद्योगिकी मॉड्यूल विकसित किए गए हैं, जिनमें से कुछ के परिणामस्वरूप आयात प्रतिस्थापन भी हुआ है। बीईएल द्वारा विकसित कुछ समाधानों के परिणामस्वरूप कंपनी को निर्यात ऑर्डर भी प्राप्त हुए हैं।

उपकरणों और घटकों क्षेत्र में प्रमुख उपलब्धियों का विवरण

एलआरएसएएम; एएमएस (7 एसक्यूडीएन); एफ़नेट; आईएसीसीएस; P15B के लिए शक्ति सिस्टम; सीएसएस चरण II; ए सी सी एस-P17A; अश्लेषा रेडार; एलवाईएनएक्स U2 (10 एसवाईएस); स्टार्स वी एमके-II 5W; टीआई-आईओई (एचएचटीआई-एलआरएफ आधारित); एलवाईएनएक्स U1 मॉड (08 एसवाईएस); टीआई-आईओई; डीएएस के लिए 150 एमकेबीटी; डीएमआरआर उन्नयन; दिल्ली पुलिस के लिए सीसीटीवी; एएमएस एएमसी, ईडब्ल्यू एलआईसी (सीसीआईएस-आरपीटी); वरुणा ईएसएम सिस्टम-एएसडब्ल्यू; एसडीआर (एनसी); जीबी वीयूएचएफ संचार जैमर; कक्षा जैमर; नेवल एंटी ड्रोन सिस्टम (एनएडीएस); एमसीईयू (भारतीय वायु सेना और नौसेना)।

- ``आत्मनिर्भर भारत´´ के अंतर्गत, निम्नलिखित उपकरणों और घटकों को लॉन्च किया गया-

  डीवाईएनएएफ 11ए पीसीबी एएसएसवाई; डब्ल्यूआर-187 के लिए डब्ल्यूजी फ्लेंज (सीपीआर-जी) एआई; एसडब्ल्यूआईआर क्लैंप; W/G कवर फ्लेंज (WR 187); सीडीयू एमके- II; W/G कवर फ्लेंज (WR 187); हेडसेट माइक्रो फोन; डब्ल्यूसीएस के लिए इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम; एच/डब्ल्यू ईटीएच एसडब्ल्यू जीबी रग्ड डब्ल्यू / सर्कुलर एफओ; ईओआईआर प्लेट; FLIR एक्सटेंशन प्लेट; जिम्बल लॉकिंग टूल-नया संस्करण; ईओआईआर इनसाइड प्लेट; 17 केवीए एमआईएल ग्रेड जेनरेटर; टिथर्ड यूएवी के लिए जिम्बल; लेजर रेंज फाइंडर; विंडो डिस्प्ले (एलसीडी); मिल-ग्रेड सर्वर; ऑपरेटर वर्कस्टेशन (MIL- ग्रेड); औद्योगिक सर्वर; यूवी मिसाइल एप्रोच चेतावनी सेंसर; एलडब्ल्यूआईआर 60-240 एनएम।

- अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं, जिन्होंने कंपनी के लिए काफी राजस्व प्राप्त किया है (रक्षा और रक्षेतर खंड दोनों) में शामिल हैं-

  VCCS IACCS बैच-III; एसडीआर-एनसी; सीएमएस 17ए; एसडीआर-टीएसी; सीएसएस आईसीजी चरण 2; असलेशा एमके-I; 4.8एम केयू बैंड एंटीना; जीबीवीयू कॉम जैमर; एलवाईएनएक्स U2 जीएफसीएस; एफएलआर एमके II के लिए एंटीना प्रणाली; डीएमईयू; आरटीआईएस; एसआरएएक्स एमकेआईआई; आकाश सिमुलेटर; आईएफडीएसएस; इलेक्ट्रिकल पावर सिस्टम-एलआरएसएएम; नेविगेशन कॉम्प्लेक्स सिस्टम; 4KW जीएएन ट्रांसमीटर।

- स्वदेशी रूप से विकसित कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकी मॉड्यूल और उप-प्रणालियां, जिनके परिणामस्वरूप आयात प्रतिस्थापन हुआ है, इस प्रकार हैं-

  लेजर चेतावनी सेंसर; टिथर्ड यूएवी के लिए जिम्बल; बीम संचालन यूनिट; जिम्बल लॉकिंग टूल; सीडीयू-MKII; आधार से टरेट उठाना; 4 किलोवाट आईएफएफ ऊॅं; लेंस4; इर्थ्ं एक्सटेंशन प्लेट।

- बीईएल द्वारा शुरू की गई अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं, जिसके परिणामस्वरूप निर्यात हुआ है-

  रेडार चेतावनी रिसीवर (आरडब्ल्यूआर); नियंत्रण कार्ड; लिंक-2 सिस्टम; सुसंबद्ध (कॉम्पैक्ट) बहुउद्देश्यीय उन्नत स्थिरीकरण प्रणाली (CoMPASS)

(ङ) विविधीकरण/विस्तार योजनाएं - नई सीमाएं

एक विविधीकरण रणनीति के रूप में, कंपनी विकास के लिए संबद्ध रक्षा और रक्षेतर क्षेत्रों में अवसरों की तलाश कर रही है, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स डोमेन में प्राप्त अपनी शक्तियों और क्षमताओं का लाभ उठा रही है और स्वदेशी समाधानों को प्रोत्साहित करने वाले अनुकूल नीतिगत वातावरण का लाभ उठा रही है। पिछले 5 वर्षों में, कंपनी के कारोबार में रक्षेतर कारोबार का हिस्सा औसतन कुल कारोबार (टर्नओवर) का लगभग 15-20% है। इस साल, कंपनी का रक्षेतर खंड से कारोबार लगभग 11% है। कंपनी का लक्ष्य आने वाले वर्षों में कंपनी के टर्नओवर के लगभग 30% तक रक्षेतर व्यवसाय से राजस्व प्राप्त करना, उसे बढ़ाना और बनाए रखना है।

कंपनी सतत विकास के लिए नए बाजारों में अपने कारोबार का विस्तार करने के लिए रक्षा और रक्षेतर दोनों क्षेत्रों में कई नए क्षेत्रों में प्रवेश करने और उन्हें देखने के लिए निरंतर प्रयास और ध्यान केन्द्रित कर रही है। रक्षा में जिन क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है, उनमें शामिल हैं - अगली पीढ़ी के स्वदेशी मिसाइल सिस्टम, आरएफ सीकर्स, इमेजिंग इंफ्रा-रेड (आईआईआर) सीकर्स, हथियार और गोला-बारूद तथा विस्फोटक, स्मार्ट हथियार, मिसाइल इलेक्ट्रॉनिक्स, मानव रहित सिस्टम, एयरबोर्न रेडार, नेविगेशन रिसीवर, नाइट विजन डिवाइसों के लिए नेक्स्ट जेन इमेज इंटेन्सिफायर्स और थर्मल इमेजिंग सॉल्यूशंस, इंडियन रीजनल नेविगेशन

सैटेलाइट सिस्टम (आईआरएनएसएस) आधारित इनर्शियल नेविगेशन सिस्टम्स (आईएनएस) और सॉल्यूशंस, डायरेक्टेड एनर्जी वेपन्स, एयर प्लेटफॉर्म्स के लिए काउंटरमेजर सिस्टम्स, अगली पीढ़ी के विमानों/हेलीकॉप्टरों के लिए वैमानिकी (एवियोनिक्स) प्रणालियाँ, सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर, नेटवर्क एवं साइबर सुरक्षा आदि।

रक्षेतर क्षेत्र में ध्यान केंद्रित किए जाने वाले कुछ क्षेत्रों में शामिल हैं- हवाई यातायात प्रबंधन समाधान सहित नागरिक उड्डयन क्षेत्र के लिए समाधान, एडवांस ग्राउंड कंट्रोल सरफेस मूवमेंट रेडार, एंटी ड्रोन सिस्टम, स्पेस / सैटेलाइट इलेक्ट्रॉनिक्स, अन्तरिक्ष प्रक्षेपण यान, उपग्रह संचार सेवाएँ, सैटेलाइट असेंबली और एकीकरण, सौर व्यवसाय, रेलवे और मेट्रो समाधान, सेवा के रूप में सॉफ्टवेयर, इलेक्ट्रिक वाहन (ली-आयन और ईंधन सेल, चार्जिंग स्टेशन आदि), होमलैंड सुरक्षा और स्मार्ट सिटी व्यवसाय, स्मार्ट मीटर, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स और स्वास्थ्य देखभाल समाधान की एक श्रृंखला आदि।

बीईएल इलेक्ट्रॉनिक गोला-बारूद फ्यूज, मिसाइल सीकर्स, लाइट वेट कम्पोजिट शेल्टर और मास्ट, होमलैंड सिक्योरिटी एवं स्मार्ट सिटी, नेटवर्क एंड साइबर सिक्योरिटी, रेल एवं मेट्रो सॉल्यूशंस, ऊर्जा भंडारण उत्पादों, सौर ऊर्जा संयन्त्रों, मेडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स, सेल और मॉड्यूल्स, साइबर सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन समाधान, उपग्रह संयोजन एवं एकीकरण आदि में सफलतापूर्वक विविधता लाया है।

बीईएल अपने सिद्ध उत्पादों, प्रणालियों और समाधानों के लिए मौजूदा भौगोलिक बाजारों के साथ-साथ नए भौगोलिक क्षेत्रों में नए ग्राहकों को आकर्षित करके अपने व्यवसाय का विस्तार करने का भी लगातार प्रयास करता है। बीईएल ने नए व्यवसाय मॉडल जैसे सरकार के स्वामित्व वाली संचालित कंपनी (जीओसीओ), ओपेक्स मॉडल आदि (जैसे क्लास रूम जैमर, एक्स-रे बैगेज निरीक्षण मशीनें आदि) में उद्यम किया है ताकि नए ग्राहक वर्गों पर अधिकार करके अपने व्यवसाय का विस्तार किया जा सके। बीईएल बाजार के विस्तार के साथ-साथ विशेष रूप से निर्यात बाजार में नए ग्राहक वर्गों/भौगोलिक क्षेत्रों की मांग को पूरा करने के लिए अपने उत्पादों/समाधानों के अनुकूलन के लिए अपनी दोहरे उपयोग वाली तकनीकों (जैसे एसडीआर, सौर उत्पाद, सैटकॉम समाधान, आदि) का दोहन करने का प्रयास कर रहा है।

बीईएल अपने उत्पादों और सेवाओं की पहुंच नए बाजारों तक बढ़ाने और उससे निकलने वाले अवसरों का पता लगाने के लिए अपने नए अंतर्राष्ट्रीय विपणन कार्यालयों का लाभ उठा रहा है। बीईएल संसाधन साझाकरण के माध्यम से भू-स्थानिक पहुंच का तेजी से विस्तार करने के लिए अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों/उद्योग के खिलाड़ियों के साथ साझेदारी भी कर रहा है।

(ई) जोखिम प्रबंधन, लागत कम करने और स्वदेशीकरण पर विशिष्ट उपाय-

1. जोखिम प्रबंधन-

आपकी कंपनी के पास एक स्थापित उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) है, जिसका परिनियोजन पूरी कंपनी में है। ईआरएम का परिनियोजन कंपनी की जोखिम प्रबंधन (आरएम) नीति पर आधारित है, जिसे बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) की सिफारिश के आधार पर बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया जाता है।

बाहरी कारोबारी माहौल में बदलावों को ध्यान में रखते हुए जोखिम प्रबंधन नीति की समय-समय पर समीक्षा और उसमें संशोधन किया जाता है। कंपनी की जोखिम प्रबंधन नीति को चालू वित्त वर्ष के दौरान संशोधित किया गया है। अन्य परिवर्तनों के अलावा, जोखिम के चिन्हित क्षेत्रों में ईएसजी जोखिम की शुरूआत भी शामिल है।

जोखिम प्रबंधन नीति, जोखिम प्रबंधन संरचना, दायरे और उद्देश्यों, जोखिम के पहचाने गए क्षेत्रों, विभिन्न स्तरों पर जोखिम प्रबंधन समितियों की भूमिकाओं और जिम्मेदारियों, ईआरएम कार्यान्वयन के संबंध में कंपनी में जोखिम चैंपियनों और अन्य संबंधित कर्मियों की भूमिका और कार्यों की रूपरेखा तैयार करती है।

कंपनी में जोखिम प्रबंधन नीति का कार्यान्वयन कंपनी में स्थापित एक उद्यम जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढांचे के माध्यम से होता है। कंपनी के जोखिम प्रबंधन ढांचे में तीन स्तरीय संरचना है, जिसमें शीर्ष स्तर पर बोर्ड की जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसी) के माध्यम से निदेशक मंडल (बीओडी); कार्पोरेट स्तर पर कार्पोरेट जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी) और रणनीतिक व्यावसायिक यूनिटों (एसबीयू)/यूनिटों/अनुसंधान एवं विकास केंद्रों आदि पर यूनिट जोखिम प्रबंधन समिति (यूआरएमसी) शामिल है।

नीति में प्रौद्योगिकी, बाजार, उत्पाद, साइबर सुरक्षा, पर्यावरणीय सामाजिक और शासन (ईएसजी), संचालन, वित्त, मानव संसाधन इत्यादि जैसे विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े तमाम जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन, प्राथमिकता और शमन के लिए एक व्यापक रूपरेखा भी परिभाषित की गई है।

यूआरएमसी द्वारा रिपोर्ट किए गए जोखिमों के विश्लेषण के आधार पर, कार्पोरेट जोखिम प्रबंधन समिति (सीआरएमसी) द्वारा प्रौद्योगिकी, विपणन, संचालन, वित्त, सुरक्षा, मानव संसाधन, ईएसजी आदि जैसे विभिन्न क्षेत्रों में ऐसे जोखिमों की पहचान की जाती है, जिनका कंपनी पर संभावित प्रभाव पड़ता है और जिन्हें आरएमसी की विशेषज्ञ सलाह और निर्देश की आवश्यकता होती है। आरएमसी की समीक्षा और इसकी सिफारिशों के आधार पर इन जोखिमों को उपयुक्त नीतियों और या व्यवसाय प्रक्रिया में सुधार शुरू करके संबोधित किया जाता है, जो जोखिम शमन उपायों को शामिल करते हुए निर्णय लेने पर जोर देते हैं।

अनुपालन के लिए आरएमसी द्वारा शमन उपायों के कार्यान्वयन की आगे समीक्षा की जाती है और कार्यान्वयन की स्थिति बोर्ड को बताई जाती है।

जो जोखिम कंपनी के संचालन पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं या जहां भी आवश्यक समझा जाता है, उन्हें आरएमसी को सूचित किया जाता है। आरएमसी जोखिमों की समीक्षा करती है और आगे के विचार-विमर्श और शमन उपायों की मंजूरी के लिए बोर्ड को सिफारिश करती है।

3. स्वदेशीकरण-

बीईएल का दृढ़ विश्वास है कि राष्ट्र की रणनीतिक जरूरतों को पूरा करने के लिए आत्मनिर्भरता प्राप्त करना प्रमुख उद्देश्यों में से एक है। इस प्रयास में, कंपनी का लगभग 75इ कारोबार स्वदेशी तकनीक से उत्पन्न होता है।

सरकार की ठमेक इन इंडियाठ नीति के अनुरूप, बीईएल इन-हाउस अनुसंधान एवं विकास और स्वदेशीकरण, भारतीय निजी उद्योगों से

आउटसोर्सिंग में वृद्धि, सरकारी निजी भागीदारी, संयुक्त उद्यम, क्षमता विस्तार, बुनियादी ढांचे का विकास और आधुनिकीकरण आदि पर जोर देकर आत्मनिर्भरता हासिल करने के लिए कई पहल कर रहा है। स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में की गई प्रमुख पहलों में निम्नलिखित प्रयास शामिल हैं-

- आंतरिक अनुसंधान एवं विकास के प्रयासों के माध्यम से निरंतर उत्पाद विकास, डीआरडीओ, राष्ट्रीय आर एंड डी लैब्स तथा अकादमिया और भारतीय निजी क्षेत्र (एमएसएमई/स्टार्ट-अप) व विदेशी ओईएम/डिज़ाइन हाउस के साथ सहयोगात्मक अनुसंधान एवं विकास की साझेदारी के साथ साझेदारी करके संयुक्त विकास।
- विदेशी ओईएम से टीओटी-आधारित गहन विनिर्माण
- इन-हाउस/घरेलू विक्रेता विकास के माध्यम से महत्वपूर्ण उप-प्रणालियों का आयात प्रतिस्थापन
- स्वदेशी विकास के लिए तीन साल की अनुसंधान एवं विकास योजना
- आउटसोर्सिंग एवं विक्रेता विकास नीति
- भारतीय निजी संस्थाओं द्वारा उपयोग के लिए परीक्षण सुविधाएं
- स्वदेशीकरण के लिए सक्षम/भावी घरेलू निर्माताओं को आकर्षित करने के लिए मेक-II के अंतर्गत आयातित वस्तुओं के लिए रुचियों की अभिव्यक्तियाँ प्रकाशित की गईं।
- स्वदेशीकरण के लिए नियोजित वस्तुओं का विवरण रक्षा मंत्रालय के स्वदेशीकरण पोर्टल 'सृजन पोर्टल' पर अपलोड किया गया।

सरकार ने आयात पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से भारत के भीतर रक्षा उपकरणों के स्वदेशी डिजाइन, विकास और निर्माण को प्रोत्साहित करने के लिए कई नीतिगत पहल की है और सुधार लाए हैं। इन पहलों में, अन्य बातों के अलावा, शामिल हैं (1) रक्षा अधिग्रहण प्रक्रिया (डीएपी)-2020 के अंतर्गत घरेलू स्रोतों से पूंजीगत वस्तुओं की खरीद को प्राथमिकता देना (2) कुल 411 वस्तुओं की चार 'सेवा सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची' की अधिसूचना जिसके लिए उनके सामने दर्शाई गई समयसीमा से परे आयात पर प्रतिबंध लगाया जाएगा। इन सूचियों में बीईएल की लगभग 133 वस्तुएं शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, आगामी वर्षों में रोजगार सृजन को ध्यान में रखकर दो रक्षा गलियारों की स्थापना की गई है, जिसमें एक उत्तर प्रदेश में और दूसरा तमिलनाडु में है । इसके बाद अलीगढ़, आगरा, चित्रकूट, झाँसी, कानपुर और लखनऊ नामक छह नोडों को उत्तर प्रदेश रक्षा औद्योगिक गलियारे (यूपीडीआईसी) के रूप में और चेन्नै, कोयंबत्तुर, होसूर, सेलम और तिरुचिरापल्ली नामक पाँच नोडों को तमिलनाडु रक्षा औद्योगिक गलियारे (टीएनडीआईसी) के रूप में चिन्हित किया गया। रक्षा औद्योगिक गलियारों की स्थापना का उद्देश्य इन दोनों राज्यों में रक्षा संबंधी वस्तुओं के निर्माण तंत्र को प्रोत्साहन देना है ।

महत्वपूर्ण घटकों के स्वदेशीकरण हेतु निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए भारत सरकार विभिन्न कार्य योजनाएँ लागू कर रही है, जो इस तंत्र के सभी पहलुओं का समाधान करेंगी।

स्वदेशीकरण पर सरकार के उद्देश्यों को साकार करने में बीईएल की भूमिका बड़ी और पूरक है। रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में बीईएल के सतत कारोबार विकास के साथ इसकी आपूर्ति शृंखला के भागीदारों, विशेष रूप से एमएसएमई, स्टार्ट-अपों और घरेलू संस्थाओं के लिए अवसर भी बढ़ रहे हैं, क्योंकि कम्पनी का "जोर और ध्यान केंद्रण" उसके प्रारम्भ से ही स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता पर रहा है।

जबकि बीईएल के उद्देश्य और पहल स्वदेशीकरण की गतिविधियों के लिए ज़बर्दस्त अवसर प्रदान करते हैं, ऐसी स्थिति में कम्पनी सभी क्षेत्रों की बढ़ी हुई भागीदारी के प्रति आश्वस्त है, जो अपनी आपूर्ति शृंखला के भागीदारों के बीच आत्मनिर्भरता और जीत की स्थिति को प्रशस्त करेगी ।

डीपीएसयू की सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची-

- दिसंबर 2021 में जारी डीपीएसयू की प्रथम सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची में 2 भाग हैं-
  - क) 2,500 मदें (इनका पहले ही स्वदेशीकरण हो चुका है) जिसमें से 152 मदें बीईएल से संबन्धित हैं।
  - ख) आगामी 3 वर्षों के दौरान 351 मदें (इनका स्वदेशीकरण किया जाना है) जिसमें से 18 मदें बीईएल से संबन्धित हैं।
- डीपीएसयू की दूसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची की 107 मदों में से 1768 करोड़ रुपए के आयात मूल्य की 21 मदें बीईएल से संबन्धित हैं। इन 21 मदों का आगामी 5 वर्षों के दौरान स्वदेशीकरण किया जाना है।
- डीपीएसयू की तीसरी सकारात्मक स्वदेशीकरण सूची की 780 मदों में से 222 करोड़ रुपए के आयात मूल्य की 69 मदें बीईएल से संबन्धित हैं। इन 69 मदों का वर्ष 2028 तक स्वदेशीकरण किया जाना है।

(बी) आंतरिक नियंत्रण प्रणाली और इसकी पर्याप्तता-

बीईएल के पास आंतरिक नियंत्रण की एक मजबूत प्रणाली है। इसने सभी वित्तीय और परिचालनगत कार्यों को शामिल करते हुए खरीद, उप-संविदा, कार्य संविदा, लेखांकन, मानव संसाधन, आईटी और सुरक्षा, शक्तियों के उप-प्रत्यायोजन आदि पर नीतियों और प्रक्रियाओं का प्रलेखीकरण किया है और बदलते समय के अनुरूप संशोधित किया है। इन नियंत्रणों को वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता सुनिश्चित करने, संचालन की निगरानी और परिसंपत्तियों को अनधिकृत उपयोग या हानि से बचाने, नियमों के अनुपालन आदि के लिए समुचित लेखांकन नियंत्रण बनाए रखने के संबंध में यथोचित आश्वासन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। बीईएल ने ऑनलाइन प्रसंस्करण और खरीद व अन्य प्रस्तावों के अनुमोदन के लिए फ़ाइल जीवन चक्र प्रबंधन प्रणाली (एफएलएम) को लागू किया है, जो सूचना/फ़ाइलों की पूर्ण पारदर्शिता, जवाबदेही, संरक्षा और सुरक्षा की सुविधा प्रदान करती है। भारतीय लेखांकन मानकों (भारतीय एएस) और कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुपालन के लिए खातों की तैयारी में विस्तृत दिशानिर्देशों का लगातार पालन किया जाता है।

बीईएल ने केंद्रीकृत परिनियोजन के साथ एक कंपनी-व्यापी ईआरपी प्रणाली (एसएपी) लागू की है। अभिशासन जोखिम और अनुपालन (जीआरसी) अभिगम नियंत्रण मॉड्यूल को व्यावसायिक लेनदेन के लिए प्राधिकरण प्रदान करते समय निवारक नियम आधारित जांच को अन्त:स्थापित करके

उपयोगकर्ता अभिगम जोखिमों को संबोधित करने के प्राथमिक साधन के रूप में लागू किया गया है।

उपयोगकर्ताओं को कर्तव्यों के पृथक्करण और न्यूनतम विशेषाधिकार के सिद्धांतों के आधार पर अधिकार दिए जाते हैं। सिस्टम में वित्त, प्रोक्योर टू पे, ऑर्डर टू कैश, मटेरियल मैनेजमेंट, एचआर और पे-रोल जैसी कई व्यावसायिक प्रक्रियाओं में जोखिम नियमों को संस्थित (कॉन्फ़िगर) किया गया है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रक्रियाएं नियंत्रण में हैं, जोखिम विश्लेषण रिपोर्ट नियमित रूप से चलाई जाती हैं। महत्वपूर्ण लेनदेनों के लिए बायोमेट्रिक फिंगरप्रिंट प्रमाणीकरण के रूप में अतिरिक्त नियंत्रण भी उपलब्ध है। सभी परिवर्तनों के लिए भूमिकाओं और प्राधिकरणों में ऑडिट लॉग बनाए रखे जाते हैं।

बीईएल के पास इसके संचालन के आकार और प्रकृति के अनुरूप अपना स्वयं का आंतरिक लेखा परीक्षा विभाग है । इसमें पेशेवर रूप से योग्य कर्मियों की टीमें हैं, जो यह सुनिश्चित करने के लिए नियमित और व्यापक आंतरिक लेखा परीक्षा करती हैं कि सभी जांच और आंतरिक नियंत्रण प्रणालियाँ मौजूद हैं। नौ यूनिटों (वर्ष 2022-23 के दौरान बीईएल कार्पोरेट कार्यालय, सीआरएल बीजी सीएक्स, सीआरएल गाजियाबाद और पीडीआईसी सहित) में विक्रेता भुगतानों (यात्रा/चिकित्सा दावों की प्रतिपूर्ति सहित) की 100% वाउचिंग करने के लिए बाहरी पेशेवर लेखा परीक्षा फर्मों की सेवाओं का उपयोग किया जा रहा है। कंपनी में लेखापरीक्षा समिति (एसी) नामक बोर्ड की एक उप-समिति है, जो आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों के साथ अनुपालन पर कड़ी नजर रखती है । इसके अलावा, एक सरकारी कंपनी होने के नाते, बीईएल की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सी एंड एजी) भी कर सकते हैं ।

बीईएल की आंतरिक लेखापरीक्षा टीमें कंपनी की प्रमुख विनिर्माण यूनिटों और कार्पोरेट कार्यालय में स्थित हैं, जो बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित जोखिम-आधारित वार्षिक लेखापरीक्षा कार्यक्रम के अनुसार लेखापरीक्षा करती हैं। जहां भी आवश्यक हो, कुछ क्षेत्रों में लेनदेन की बढ़ती मात्रा को देखने के लिए नए केंद्र की भी योजना बनाई गई है। आंतरिक लेखापरीक्षा लेखापरीक्षितियों को रिपोर्ट जारी करती है और लेखापरीक्षितियों के उत्तरों/कार्रवाई रिपोर्टों पर विचार करने के बाद, आंतरिक लेखा परीक्षा केंद्र लेखापरीक्षा के दौरान देखे गए महत्वपूर्ण मुद्दों की रिपोर्ट को आंतरिक लेखापरीक्षा प्रमुख के पास समय-समय पर प्रस्तुत करते हैं। आंतरिक लेखापरीक्षा प्रमुख सुधारात्मक कार्रवाइयों के लिए विभिन्न स्तरों पर कंपनी के प्रबंधन को अपनी रिपोर्ट सौंपते हैं और अंत में बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति के पास एक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हैं, जिसमें कंपनी की सुस्थापित आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों के अनुपालन की स्थिति और कंपनी की प्रमुख गतिविधियों से जुड़े जोखिम को कम करने की योजना का संकेत दिया जाता है। डेटा वैश्लेषिकी (एनालिटिक्स) के लिए आंतरिक लेखा परीक्षा में बहिर्वासियों (आउटलायर्स), यदि कोई हो, की पहचान के लिए अत्याधुनिक डेटा विश्लेषण माध्यम (एनालिटिकल टूल) का भी उपयोग किया जा रहा है।

बीईएल की आंतरिक लेखा परीक्षा नियमित लेखा परीक्षाओं, सिस्टम समीक्षाओं, प्रक्रिया समीक्षाओं, डेटा वैश्लेषिकी विश्लेषण आदि के माध्यम से आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता और प्रभावशीलता की जांच करती है और कंपनी की विधिक और नियामक आवश्यकताओं, आंतरिक नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुपालन पर आश्वासन प्रदान करती है। बोर्ड-स्तरीय लेखापरीक्षा समिति आंतरिक लेखापरीक्षा के कामकाज के साथ-साथ आंतरिक नियंत्रण प्रणालियों की समय-समय पर समीक्षा करती है। स्वतंत्र निदेशकों वाली निदेशक मंडल की लेखा परीक्षा समिति नियमित रूप से लेखा परीक्षा की योजनाओं, महत्वपूर्ण लेखा परीक्षा निष्कर्षों, आंतरिक नियंत्रणों की पर्याप्तता और लेखांकन मानकों और नीतियों के अनुपालन की समय-समय पर समीक्षा करती है तथा कंपनी जिस गतिशील वातावरण में काम कर रही है, उसे ध्यान में रखते हुए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को और मजबूत करने के लिए अनुपालन के निदेश जारी करती है।

बीईएल की आंतरिक लेखा परीक्षा की अनुदेश पुस्तिका (मैनुअल)-2023 व्यवसाय प्रक्रिया, सांविधिक अनुपालनों और हितधारकों की अपेक्षा के संबंध में व्यवसाय जगत में होने वाले परिवर्तनों के अनुरूप आंतरिक लेखा परीक्षा प्रक्रिया की रूपरेखा तैयार करती है। यह लेखा परीक्षा को सार्थक तरीके से संचालित करने के लिए लेखा परीक्षक की जानकारी और ज्ञान के लिए प्रासंगिक क्षेत्रों को संबोधित करती है। आंतरिक लेखापरीक्षा की अनुदेश पुस्तिका (मैनुअल) लेखापरीक्षा को संचालित करने के लिए एक पेशेवर मार्गदर्शक के रूप में कार्य करती है और प्रभावी आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य के लिए पेशेवर दृष्टिकोण में सुधार लाती है।

कंपनी कॉरपोरेट सुशासन (गवर्नेंस) के उच्चतम स्तर को सुनिश्चित करने के लिए अपनी सभी प्रक्रियाओं और नियंत्रणों को सर्वोत्तम वैश्विक प्रथाओं के अनुरूप ढालने के अपने प्रयास जारी रखे हुए है।

(सी) वित्तीय/परिचालनगत निष्पादन -

1. **रणनीति और उद्देश्य-** आपकी कंपनी की वित्तपोषण रणनीति के मुख्य उद्देश्य लाभदायक विकास के लिए पर्याप्त आंतरिक संसाधन उत्पन्न करना, पैसे का मूल्य देना और अंशधारकों के लिए धन सृजित करना, उच्चतम साख श्रेणी (क्रेडिट रेटिंग) बनाए रखना और वित्तीय जोखिमों के जोखिम को कम करने के लिए व्यावसायिक प्रक्रियाओं में जोखिम शमन रणनीतियों का निर्माण करना है।

2. **कार्यनिष्पादन की मुख्य बातें-**

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष
परिचालन से राजस्व	17,64,620	15,31,376
ब्याज, कर, मूल्यह्रास और परिशोधन से पहले की कमाई (ईबीआईटीडीए)	4,04,752	3,30,924
ईबीआईटीडीए मार्जिन (ईबीआईटीएसए/ परिचालन से राजस्व डनेट)	22.94%	21.61%
कर पश्चात लाभ	3,00,667	2,34,893
दिनों की संख्या सूची/उत्पादन का मूल्य	132	133
व्यापार प्राप्य / टर्नओवर के दिनों की संख्या	148	148
वर्तमान अनुपात	1.46	1.39
ऋण इक्विटी अनुपात	-	-

3. वित्त वर्ष 2022-23 के वित्तीय कार्यनिष्पादन का विश्लेषण-

- टर्नओवर में 15.22% की वृद्धि दर्ज हुई, जो वर्ष 2021-22 में 15,04,367 लाख रुपए से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 17,33,337 लाख रुपए हो गया।
- उत्पादन का मूल्य वर्ष 2021-22 में 15,32,064 लाख रुपए से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 17,73,082 लाख रुपए हो गया है। 15.73% की बढ़ोतरी.
- कर पश्चात लाभ में 28%की वृद्धि, वर्ष 2021-22 में 2,34,893 लाख रुपए से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 3,00,667 लाख रुपए हो गया।
- पीएटी से टर्नओवर अनुपात 2021-22 में 15.61% से बढ़कर 2022-23 में 17.35% हो गया।
- प्रति कर्मचारी टर्नओवर 2021-22 में 169.93 लाख रुपए से बढ़कर 2022-23 में 196.23 लाख रुपए हो गया।
- प्रति शेयर आय 2021-22 में 3.21 रुपए से बढ़कर 2022-23 में 4.11 रुपए हो गई ।
- प्रति शेयर बुक वैल्यू 2021-22 में 16.39 रुपए से बढ़कर 2022-23 में 18.58 रुपए हो गई।
- नेट वर्थ 2021-22 में 11,98,426 लाख रुपए से बढ़कर 2022-23 में 13,58,199 लाख रुपए हो गई।
- नेट वर्थ पर रिटर्न 2021-22 में 19.60% से बढ़कर 2022-23 में 22.14% हो गया ।

(डी) मानव संसाधन में विकास-

बीईएल विभिन्न मानव संसाधन विकास पहलों के माध्यम से व्यक्तिगत और टीम दोनों स्तरों पर अपने कर्मचारियों के निरंतर विकास पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। सभी क्षेत्र और ग्रेड के कार्यपालकों में कार्यात्मक, व्यावहारिक और नेतृत्व क्षमता के विकास और संवर्द्धन पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अनुरूप, विभिन्न प्रौद्योगिकी विशिष्ट कार्यक्रम, प्रबंधन विकास कार्यक्रम, गुणता संबंधी प्रमाणन कार्यक्रम और सीईपी कार्यक्रम आंतरिक रूप से विषय वस्तु विशेषज्ञों के माध्यम से और बाह्य रूप से प्रमुख प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से आयोजित किए गए।

वर्ष के दौरान सीखने और विकास के लिए शुरू की गई कुछ पहलों का विवरण नीचे दिया गया है-

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का सार	लक्षित दर्शक	विस्तार (कवरेज)
1	परिवीक्षाधीन अभियन्ताओं का प्रवेश कार्यक्रम बैच 1 व 2	36-दिवसीय प्रवेश कार्यक्रम नए शामिल हुए कार्यपालकों को नए कार्य वातावरण में सुचारू एकीकरण सुनिश्चित करने के लिए संयंत्र और ग्राहक यात्राओं के साथ-साथ व्यवसाय संचालन को समझने में सक्षम बनाता है।	ई-II ग्रेड	253 परिवीक्षाधीन अभियन्ताओं ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
2	प्रभावी नेतृत्व के लिए दक्षता निर्माण (बीएईएल)	कार्यक्रम इस बात पर ध्यान केंद्रित करता है कि बदलते कारोबारी माहौल के अनुकूल व्यवसायों को कैसे दक्ष होने की आवश्यकता है।	ई-VI और उससे ऊपर के	27 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया
3	अंतरवैयक्तिक प्रभावशीलता कार्यक्रम	पेशेवर विकास और व्यावसायिक उत्कृष्टता के लिए अंतरवैयक्तिक प्रभावशीलता के महत्व को समझने के लिए ई-६ ग्रेड के प्रोन्नत (प्रमोटी) कार्यपालकों के लिए अंतरवैयक्तिक प्रभावशीलता (पीआईई) कार्यक्रम आयोजित किया गया था।	ई-I ग्रेड	कार्यक्रम में 59 कार्यपालकों ने भाग लिया।
4	सक्षमता वृद्धि कार्यक्रम (सीओएमईटी)	बीईएल के व्यवहार सक्षमता सर्वेक्षण पर आधारित अंतरालों का पता लगाने के बाद सीओएमईटी का आयोजन विशिष्ट सक्षमताओं को बढ़ाने के लिए किया गया था ।	ई- I से ई- III ग्रेड	259 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
5	बौद्धिक सम्पदा अधिकार (आईपीआर)	यह कार्यक्रम बौद्धिक सम्पदा अधिकारों पर बुनियादी जागरूकता लाने के लिए आयोजित किया गया था, जिसमें पेटेंट, प्रतिलिप्याधिकार, ट्रेड मार्क्स आदि जैसे विभिन्न विषय शामिल किए गए।	सभी कार्यपालक	129 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
6	रचनात्मकता एवं नवाचार कार्यक्रम (सीआईपी)	यह कार्यक्रम नवोन्वेष के व्यावसायिक मामले और रचनात्मकता के विभिन्न पहलुओं तथा प्रभावी विकास में परिणत नवोन्मेषी व्यवहार की दिशा में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक पार्श्विक सोच को संबोधित करने के लिए आयोजित किया गया था।	ई- II व ई- III ग्रेड	26 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
7	समुद्रपारीय कार्यालयों में तैनात कार्यपालकों के लिए अभिमुखी कार्यक्रम	यूनिटों/एसबीयू में विभिन्न उत्पादों और बुनियादी ढांचे, भविष्य की उत्पाद विकास योजनाओं आदि की महत्वपूर्ण विशेषताओं पर नए तैनात अधिकारियों को अभिमुख करना।	समुद्रपारीय कार्यालयों में तैनात कार्यपालकों के लिए	10 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
8	वायु सेना के प्रशिक्षु अधिकारियों के लिए इंटर्नशिप कार्यक्रम	इंटर्नशिप कार्यक्रम बीईएल में विभिन्न प्रणालियों एवं उनके कलपुर्ज़ों के उत्पादन/ ओवरहॉल/ रखरखाव से संबन्धित विभिन्न गतिविधियों पर व्यावहारिक अनुभव प्रदान करने के लिए है।	वायु सेना के अभियांत्रिकी प्रशिक्षु अधिकारी	वायु सेना के 10 अभियांत्रिकी प्रशिक्षु अधिकारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का सार	लक्षित दर्शक	विस्तार (कवरेज)
9	रक्षा निर्यात नीति पर जागरूता कार्यक्रम	इस कार्यक्रम का उद्देश्य रक्षा निर्यात नीति के विभिन्न पक्षों पर जागरूकता लाना है।	विपणन और डी एंड ई में ई-II से ई-V ग्रेड	39 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
10	प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र-बैच 1	इस एक वर्षीय ऑनलाइन कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यपालक को व्यवसाय प्रबंधन और उसके कार्यों की समग्र समझ देना तथा रणनीतिक सोच व नेतृत्व कौशल को मजबूत करना है।	चयन द्वारा ई-IV एवं उससे ऊपर के कार्यपालक	25 कार्यपालकों ने कार्यक्रम को पूरा किया ।
11	प्रबंधन में स्नातकोत्तर प्रमाण पत्र-बैच 2	इस एक वर्षीय ऑनलाइन कार्यक्रम का उद्देश्य कार्यपालक को व्यवसाय प्रबंधन और उसके कार्यों की समग्र समझ देना तथा रणनीतिक सोच व नेतृत्व कौशल को मजबूत करना है।	चयन द्वारा ई-IV एवं उससे ऊपर के कार्यपालक	25 कार्यपालक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।
12	उच्च नेतृत्व कार्यक्रम-बैच 2	एएलपी का संचालन बीईएल व्यवहार योग्यता मॉडल पर आधारित मूल्यांकन केंद्र डेटा से समूह रिपोर्ट अंतर के आधार पर किया गया था।	ई-VI और उससे ऊपर के कार्यपालक	53 वरिष्ठ कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।
13	कार्यपालक कोचिंग में प्रमाणपत्र कार्यक्रम	व्यक्तिगत और व्यावसायिक विकास के लिए नेतृत्व विकास एक महत्वपूर्ण अनिवार्यता है। कार्यक्रम कार्यपालक प्रशिक्षकों को विकसित करने में मदद करेगा, जो विभिन्न स्तरों पर नेतृत्व क्षमता विकास की सुविधा प्रदान करेंगे।	मानव संसाधन कार्यपालक	24 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान, विभिन्न प्रौद्योगिकी कार्यक्रम आयोजित किए गए, जो विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में हमारे अभियन्ताओं के विषय संबंधी ज्ञान और दक्षताओं को बढ़ाने के लिए थे। कार्यपालकों को प्रमुख संस्थानों द्वारा संचालित बाहरी प्रौद्योगिकी कार्यक्रमों के लिए भी नामांकित किया गया था। बीएई में संचालित/ बीएई द्वारा नामांकित कुछ कार्यक्रम हैं-

क्र सं	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का सार	लक्षित दर्शक	विस्तार (कवरेज)
1	विभिन्न प्रौद्योगिकी क्षेत्रों से 60 विशिष्ट प्रौद्योगिकी कार्यक्रम	डीईडब्ल्यू सिस्टम, इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम, जीएएन-आधारित एचपीओसी डिजाइन, डीएफएम एंड ए, ईएमपी टेक्नोलॉजीज, संचार, सिग्नल प्रोसेसिंग, रेडार, सोनार, एमएम वेव इंजीनियरिंग, जैमिंग और एंटी-जैमिंग, एसडीआर के लिए पावर और स्पेक्ट्रम दक्षता बढ़ाने की तकनीक, उन्नत जीआईएस, ऑटोमेशन, कंट्रोल सिस्टम, रक्षा उत्पाद प्रौद्योगिकियों के लिए सिस्टम इंजीनियरिंग, वैमानिकी और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर सिस्टम, ईएमआई/ईएमसी, आरएफआईसी डिजाइन, मानव रहित सिस्टम, रक्षा प्रौद्योगिकियों में उभरते क्षेत्र, डीप लर्निंग, कंप्यूटर विजन के साथ इमेज प्रोसेसिंग, मशीन लर्निंग, क्रिप्टोग्राफी, सूचना सुरक्षा , आईओटी, उन्नत जीडी एवं टी, उन्नत क्लाउड कंप्यूटिंग, प्रोग्रामिंग भाषाएँ।	ई II-ई VI ए	1281 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
2	21 प्रमाणन कार्यक्रम	वायरलेस और सेल्युलर संचार, ब्लॉक चेन - डेवलपर्स के लिए हाइपर लेजर फैब्रिक, माइक्रोवेव इंजीनियरिंग, मैकेनिकल कंपन, मशीन लर्निंग, साइबर सुरक्षा, आईओटी का डिजाइन, आधुनिक रेडार सिस्टम के सिद्धांत और तकनीक, विनिर्माण स्वचालन, उद्योग 4.0, भारतीयएएस, सीडीएमए/ एमआईएमओ/ओएफडीएम, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के लिए पेटेंट कानून, विनिर्माण स्वचालन, नियंत्रण प्रणाली, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, पायथन के साथ डेटा एनालिटिक्स, डोहर्टी तकनीक का उपयोग करके अत्यधिक कुशल पीए का डिजाइन, डिजिटल इमेज प्रोसेसिंग, एंबेडेड ओएस/एंबेडेड सिस्टम, अप्रत्यक्ष कराधान - वित्त कार्यपालकों के लिए /जीएसटी.	ई॥-ई V	85 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
3	एम टेक (संचार एवं संकेत संसाधन)-आईआईटी मद्रास	डीएसपी, मॉड्युलेशन एवं कोडिंग, तरंग प्रसारण, एंटीना, तरंग गाइड्ज़, सूक्ष्मतरंग परिपथ और रेडार प्रणाली ।	ई।II-ईVI	18कार्यपालकों ने कार्यक्रम को पूरा किया ।
4	एम टेक (डाटा विज्ञान एवं अभियांत्रिकी/ ए आई)-बिट्स, पिलानी	डेटा विज्ञान के लिए गणितीय आधार प्रदान करता है और एआई, एमएल, डीप लर्निंग और नेचुरल लर्निंग प्रोसेसिंग पर आधारित मॉडल विकसित करता है।	ई।II-ईV	35कार्यपालकों ने कार्यक्रम को पूरा किया ।
5	आईआईटीएम-एमटेक (माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स)-आईआईटी मद्रास	माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों के डिजाइन, सिमुलेशन, मॉ डलिंग, निर्माण और परीक्षण पर जोर देने के साथ माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स में विशेषज्ञता।	ई।II-ईVI	20 कार्यपालक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं ।

क्र सं	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का सार	लक्षित दर्शक	विस्तार (कवरेज)
6	एमटेक (नेटवर्क्स विशेषज्ञता के साथ संचार एवं संकेत संसाधन)- आईआईटी मद्रास	वायरलेस लैन, सेलुलर संचार नेटवर्क सहित नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित करने के साथ संचार और संकेत संसाधन के क्षेत्रों में उन्नत विषयों को शामिल किया गया है।	ईIII-ईVI	13 कार्यपालक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं ।
7	एम टेक (मेकेनिकल डिज़ाइन)- आईआईटी मद्रास	उत्पाद डिजाइन, इंजीनियरिंग डिजाइन अनुकूलन, उन्नत कंपोजिट, ठोस पदार्थों की उन्नत यांत्रिकी, उत्पाद विश्वसनीयता, इंजीनियरिंग पर कम्प्यूटेशनल पद्धतियाँ, उन्नत गतिकी, कंपन, एफईए के क्षेत्रों को शामिल किया गया है।	ईIII-ईVI	16 कार्यपालक कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं ।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान गुणता के क्षेत्र में निम्नांकित कार्यक्रमों का आयोजन किया गया-

क्र सं	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का सार	लक्षित दर्शक	विस्तार (कवरेज)
1	प्रमाणित गुणता अभियंता (एएसक्यू-सीक्यूई)	एएसक्यू-सीक्यूई प्रमाणन किसी भी क्षेत्र में काम करने वाले गुणता इंजीनियरों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन है। यह सभी एएसक्यू प्रमाणपत्रों की जननी है, और यह गुणता के मामले में सबसे व्यापक कार्यक्रमों में से एक है। कार्यक्रम गुणता अवधारणाओं के पूरे सेट को शामिल करता है जो किसी भी क्षेत्र में काम करने वाले किसी भी इंजीनियर के लिए अनिवार्य है, और जो अपनी कार्य प्रक्रियाओं में सुधार करने का इरादा रखता है। एएसक्यू-सीक्यूई बॉडी ऑफ नॉलेज (बीओके) गुणता और संबंधित विषयों पर सभी नवीनतम और प्रासंगिक वैश्विक अवधारणाओं को शामिल करता है।	ई-III से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपालक	42 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
2	प्रमाणित विश्वसनीयता अभियंता (एएसक्यू-सीआरई)	एएसक्यू-सीआरई डिज़ाइन इंजीनियरों के लिए सबसे अधिक मांग वाले और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन में से एक है। एएसक्यू-सीआरई बॉडी ऑफ नॉलेज (बीओके) में डिजाइन समीक्षा और नियंत्रण, भविष्यवाणी, अनुमान और विभाजन पद्धति, एफएमईए, गणितीय मॉडलिंग सहित विश्वसनीयता परीक्षण की योजना, संचालन और विश्लेषण, विश्वसनीयता में मानवीय कारकों को समझना और विकसित करने और प्रशासन करने की क्षमता शामिल है। संपूर्ण उत्पाद जीवनचक्र में विफलता विश्लेषण, डिज़ाइन और प्रदर्शन में सुधार के लिए विश्वसनीयता सूचना प्रणाली	ई-III से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपालक	37 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
3	गुणता का प्रमाणित प्रबन्धक/ संगठनात्मक उत्कृष्टता (एएसक्यू-सीएमक्यू/ ओई)	एएसक्यू-सीएमक्यू/ओई शीर्ष-स्तरी य गुणता प्रबंधकों के लिए सबसे प्रतिष्ठित और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन में से एक है। एएसक्यू-सीएमक्यू/ओई बॉडी ऑफ नॉलेज (बीओके) में ऐसे विषय शामिल हैं- संगठनों में लीड और चैंपियन प्रक्रिया सुधार पहल। ग्राहक/आपूर्तिकर्ता संबंध स्थापित करने और निगरानी करने के लिए टीम प्रयासों का नेतृत्व करना; रणनीतिक योजना और तैनाती पहल का समर्थन। संगठनात्मक सुधार निर्धारित करने के लिए माप प्रणाली विकसित करना । कर्मचारियों को प्रेरित करना और उनका मूल्यांकन करना; परियोजनाओं और मानव संसाधनों का प्रबंधन करना । वित्तीय स्थितियों का विश्लेषण करना, जोखिम का निर्धारण और मूल्यांकन करना, और संगठनात्मक चुनौतियों को हल करने में ज्ञान प्रबंधन उपकरणों और तकनीकों को नियोजित करना ।	ई-V से ई-VII ग्रेड के कार्यपालक (F&-V +4 वर्ष का अनुभव)	21 Executives attended the program
4	प्रमाणित सॉफ्टवेयर गुणता अभियंता (एएसक्यू-सीएसक्यूई)	एएसक्यू-सीएसक्यूई प्रमाणन सॉफ्टवेयर गुणता इंजीनियरों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन है। यह सॉफ़्टवेयर गुणता पर ध्यान केंद्रित करने वाले सबसे व्यापक कार्यक्रमों में से एक है। इसमें सॉफ्टवेयर गुणता अवधारणाओं के पूरे सेट को शामिल किया गया है जो किसी भी सॉफ्टवेयर इंजीनियर के लिए सॉ फ्टवेयर गुणता विकास और कार्यान्वयन, सॉफ्टवेयर निरीक्षण, परीक्षण, सत्यापन और वैधीकरण और सॉफ्टवेयर विकास और रखरखाव प्रक्रियाओं और विधियों के कार्यान्वयन की समझ बनाने के लिए अनिवार्य है। एएसक्यू-सीएसक्यूई बॉडी ऑफ नॉलेज (बीओके) सॉफ्टवेयर गुणता इंजीनियरिंग, टीम कौशल, नेतृत्व कौशल, सॉफ्टवेयर गुणता प्रबंधन, सिस्टम और सॉफ्टवेयर इंजीनियरिंग प्रक्रियाओं, परियोजना प्रबंधन, सॉफ्टवेयर मेट्रिक्स और विश्लेषण, सॉफ्टवेयर सत्यापन और वैधीकरण और सॉ फ्टवेयर कॉन्फ़िगरेशन प्रबंधन के लाभों को शामिल करता है।	ई-III से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपालक	13 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
5	प्रमाणित आपूर्तिकर्ता गुणता पेशेवर (एएसक्यू-सीएसक्यूपी)	एएसक्यू-सीएसक्यूपी प्रमाणन किसी भी व्यावसायिक क्षेत्र के लिए आपूर्ति श्रृंखला के विकास और सुधार में काम करने वाले इंजीनियरों और पेशेवरों के लिए विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन है। यह आपूर्तिकर्ता गुणता विकास पर सबसे व्यापक कार्यक्रमों में से एक है। एएसक्यू-सीएसक्यूपी बॉडी ऑ फ नॉलेज (बीओके) में आपूर्ति श्रृंखला दृष्टि/मिशन, आपूर्ति जीवनचक्र प्रबंधन, आपूर्ति श्रृंखला लागत विश्लेषण, जोखिम प्रबंधन, आपूर्तिकर्ता चयन और आंशिक योग्यता, आपूर्तिकर्ता प्रदर्शन निगरानी और सुधार, आपूर्तिकर्ता गुणता प्रबंधन, संबंध प्रबंधन, व्यवसाय प्रशासन, नैतिकता और अनुपालन शामिल हैं।	ई-III से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपालक	19 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

क्र सं	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का सार	लक्षित दर्शक	विस्तार (कवरेज)
6	परियोजना प्रबंधन पेशेवर (पीएमपी)	पीएमपी प्रमाणन डपरीक्षा सामग्री रूपरेखा (ईसीओ) पर आधारित परियोजना प्रबंधकों के लिए सबसे अधिक मांग वाले और विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त प्रमाणन में से एक है। प्रोजेक्ट मैनेजमेंट बॉडी ऑफ नॉलेज (पीएमबीओके) में दस ज्ञान क्षेत्र (केए) और एजाइल प्रैक्टिस गाइड शामिल हैं। इन दस ज्ञान क्षेत्रों (केए) में कुल 49 प्रक्रियाएं हैं जिन्हें पांच प्रक्रिया समूहों अर्थात आरंभ करना, योजना बनाना, निष्पादन करना, निगरानी करना और नियंत्रित करना और समापन प्रक्रिया समूह के अंतर्गत समूहीकृत किया गया है। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को पीएमबीओके गाइड में दी गई एजाइल अवधारणाओं सहित बुनियादी परियोजना प्रबंधन पारिभाषिक शब्दावली, शब्दों और अवधारणाओं से परिचित कराता है। यह ठ35 संपर्क घंटे वाला परियोजना प्रबंधन तैयारी प्रशिक्षणठ कार्यक्रम पीएमआई-यूएसए द्वारा प्रस्तावित पीएमपी प्रमाणन परीक्षा देने के लिए एक अनिवार्य आवश्यकता है।	ई-IV से ई-VII ग्रेड के कार्यपालक	92 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में
7	सिक्स सिग्मा हरित पट्टी (डीएफएसएस-जीबी)(आईएसआई)	अध्ययनों से पता चला है कि सभी गुणता समस्याओं में से 70-80% डिज़ाइन से संबंधित हैं। डिज़ाइन . फॉर सिक्स सिग्मा (डीएफएसएस) का उद्देश्य उत्पादों, सेवाओं या प्रक्रियाओं को डिज़ाइन करना या फिर से डिज़ाइन करना है ताकि सिक्स सिग्मा गुणता प्राप्त की जा सके। सिक्स सिग्मा डीएमएआईसी टूल के अलावा, कार्यक्रम अंतिम उत्पाद या सेवा की अधिक व्यावसायिक और तकनीकी सफलता प्राप्त करने के लिए नए डिजाइन या डिजाइन संशोधन के लिए अतिरिक्त उपकरण, संरचना और बेहतर तरीके प्रदान करता है। डीएफएसएस दृष्टिकोण डीएमएडीवी की एक संरचित विधि का उपयोग करता है, जो डिजाइन सुधार के पांच चरणों को इंगित करता है, अर्थात परिभाषित करना, मापन, विश्लेषण करना , डिजाइन करना और सत्यापित करना ।	ई-III से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपालक	29 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
8	प्रमाणित सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट (सीएसएसबीबी) (आईएसआई)	सिक्स सिग्मा-डीएमएआईसी पद्धति डेटा और तथ्य संचालित दृष्टिकोण और सांख्यिकीय विश्लेषण के साथ मिलकर अच्छे प्रदर्शन मेट्रिक्स पर आधारित एक शक्तिशाली सफलता वाली व्यावसायिक रणनीति है। यह डीएमएआईसी की एक संरचित पद्धति का उपयोग करता है, अर्थात परिभाषित करें, मापें, विश्लेषण करें, सुधार करें और नियंत्रण करें। यह कार्यक्रम ब्लैक बेल्ट (बीबी) स्तर पर है। एक प्रमाणित सिक्स सिग्मा ब्लैक बेल्ट (सीएसएसबीबी) सफलता प्रक्रिया में सुधार के लिए कार्यप्रणाली को सफलतापूर्वक लागू कर सकता है जिसके परिणामस्वरूप गुणता, उत्पादकता और प्रतिस्पर्धात्मकता में महत्वपूर्ण सुधार हो सकता है।	ई-IV से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपालक	25 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
9	कारोबार वैश्लेषिकी एवं डाटा प्रबंधन (बीए एवं डीएम) (आईएसआई)	किसी संगठन के लिए डेटा बेहद महत्वपूर्ण है। डेटा विश्लेषण से प्राप्त अंतर्दृष्टि किसी संगठन को लागत में कमी, नए उत्पाद विकास और अनुकूलित ग्राहक पेशकश और बेहतर व्यावसायिक निर्णय लेने के लिए विशिष्ट रणनीतियों और कार्यों को विकसित करने में मदद कर सकती है जो विकास को बढ़ावा देती है और जोखिमों को कम करती है। तथ्य-आधारित निर्णय लेने की संस्कृति की ओर बढ़ने, प्रदर्शन का प्रबंधन करने, निर्णय लेने और रणनीतियों के अनुरूप एक ढांचा स्थापित करने के लिए, आज के संगठनों को बिजनेस एनालिटिक्स को अपनाना होगा। यह पाठ्यक्रम डेटा प्रबंधन तकनीकों, सांख्यिकीय शिक्षण तकनीकों का उपयोग करके मॉडल विकसित करने के लिए पर्यवेक्षित शिक्षण और मशीन लर्निंग तकनीकों पर केंद्रित होगा।	ई-III से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपालक	25 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
10	आईएसओ 14001:2015 ईएमएस अंतर्राष्ट्रीय लेखा परीक्षक कार्यक्रम	आंतरिक लेखापरीक्षा पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य वैश्विक पर्यावरण मुद्दों, पर्यावरण संरक्षण के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कानूनी और नियामक ढांचे और आईएसओ 14001:2015 मानक की आवश्यकताओं की समझ प्रदान करना है। कार्यक्रम में आईएसओ 19011 के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रभावी आंतरिक लेखा परीक्षा करने के लिए आवश्यक लेखांकन आवश्यकताओं और कार्यप्रणाली को भी शामिल किया गया है। एक आंतरिक लेखा परीक्षक के सीखने और आवश्यक कौशल को सुदृढ़ करने के लिए लेखा परीक्षा के मामलों के अध्ययन और खुली चर्चाओं का उपयोग किया जाता है।	ई-IV से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपाल क	53 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
11	आईएसओ 9001:2015 क्यूएमएस आंतरिक लेखा परीक्षक का कार्यक्रम	आंतरिक लेखापरीक्षा गुणता प्रबंधन प्रणाली का एक महत्वपूर्ण पहलू है। इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य आईएसओ 9000 श्रृंखला मानकों के विकास, मौलिक गुणता प्रबंधन सिद्धांतों और आईएसओ 9001:2015 मानक की आवश्यकताओं की समझ प्रदान करना है। कार्यक्रम में आईएसओ 19011 के दिशानिर्देशों के अनुसार प्रभावी आंतरिक लेखा परीक्षा करने के लिए आवश्यक लेखांकन आवश्यकताओं और कार्यप्रणाली को भी शामिल किया गया है। आंतरिक लेखा परीक्षक के सीखने और आवश्यक कौशल को सुदृढ़ करने के लिए लेखा परीक्षा के मामलों का अध्ययन और खुली चर्चाओं का उपयोग किया जाता है।	ई-IV से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपाल क	12 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।
12	सिक्स सिग्मा डीएमएआईसी-हरित पट्टी (डीएमएआईसी-जीबी)	सिक्स सिग्मा उत्पादों, प्रक्रियाओं और सेवाओं में महत्वपूर्ण सुधार लाने के लिए एक डेटा-संचालित, प्रक्रिया उन्मुख दृष्टिकोण है। सिक्स सिग्मा व्यवसाय करने की एक नई संस्कृति है। इसकी शुरुआत प्रक्रियाओं में परिवर्तनशीलता में कमी के माध्यम से दोष उन्मूलन के साथ हुई, और अब यह व्यावसायिक उत्कृष्टता प्राप्त करने का एक साधन बन गया है। सिक्स सिग्मा डीएमएआईसी पद्धति परिभाषित, माप, विश्लेषण, सुधार और नियंत्रण की एक संरचित पद्धति का उपयोग करती है। कार्यक्रम में सिक्स सिग्मा की बुनियादी अवधारणाओं, संरचित समस्या समाधान विधियों के लिए विभिन्न मात्रात्मक डेटा विश्लेषण तकनीकों, सरल अवधारणाओं, सिद्धांतों और उपकरणों को शामिल किया जाएगा। यह कार्यक्रम प्रतिभागियों को सिक्स सिग्मा ग्रीन बेल्ट प्रमाणन प्राप्त करने और महत्वपूर्ण सुधार के लिए कार्यप्रणाली को सफलतापूर्वक लागू करने के लिए तैयार करेगा।	ई-III से ई-VI ए ग्रेड के कार्यपालक	181 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

क्र सं	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का सार	लक्षित दर्शक	विस्तार (कवरेज)
13	नए कार्यक्रम	गुणता प्रबंधन के साधन, बुनियादी सांख्यिकी एवं सिक्स सिग्मा से परिचय, परियोजना प्रबंधन के सिद्धान्त	ई II-ई III ग्रेड के कार्यपालक	100 कार्यपालकों ने कार्यक्रम में भाग लिया ।

उपर्युक्त के अलावा वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान निम्नलिखित कर्मचारी सहायता कार्यक्रम की शुरुआत की गई-

क्र. सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का सार	विस्तार
1	भावनात्मक कल्याण एवं संवर्धन के लिए कार्यक्रम (पावर)	कर्मचारी सहायता कार्यक्रम कर्मचारियों की भावनात्मक भलाई पर केंद्रित है। इसे यूनाइटेड वी केयर कॉर्पोरेशन के सहयोग से एक मोबाइल आधारित एप्लिकेशन के रूप में लॉन्च किया गया है जो सभी कर्मचारियों को समग्र कल्याण से संबंधित उपकरणों और हस्तक्षेपों की एक विस्तृत श्रृंखला तक असीमित 24 x 7 पहुंच प्रदान करता है और पूर्ण गोपनीयता के वादे के साथ जीवन प्रशिक्षक, मनोवैज्ञानिक, मनोचिकित्सक, स्वास्थ्य विशेषज्ञ, पोषण विशेषज्ञ आदि विशेषज्ञों से सलाह लेने का विकल्प भी प्रदान करता है।	बीईएल के सभी कर्मचारी (8844 कर्मचारीहअधिकतम 3 आश्रित/ पारिवारिक सदस्य

हमारे कार्यपालकों ने कुछ बाहरी/ खुले कार्यक्रमों / सम्मेलनों में भाग लिया था, जो निम्नलिखित हैं-

(i) आईडिया डेटा एनालिसिस सॉफ्टवेयर द्वारा केसवेयर आईडिया 12 एडवांस्ड एनालिटिक्स पर ऑनलाइन लाइव आईडिया बूट कैंप आयोजित किया गया।

(ii) आंतरिक लेखा परीक्षा संस्थान ने आईआईए वार्षिक सम्मेलन 2022 (साइबर सुरक्षा और डिजिटल परिवर्तन का प्रभाव) आयोजित किया गया।

(iii) सार्वजनिक उद्यम विभाग ने अपने सीपीएसई में सीएसआर के कार्यान्वयन को संभालने वाले सीपीएसई के वरिष्ठ अधिकारियों की इंटरएक्टिव कार्यशाला आयोजित की ।

(iv) इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) ने बेहतर बोर्ड बनाने पर मास्टर क्लास का आयोजन किया ।

(v) केंद्रीय सतर्कता आयोग ने एनएफएसयू, गांधीनगर, गुजरात में निवारक सतर्कता पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया ।

(vi) ईएलसीआईएनए ने 11वां रणनीतिक इलेक्ट्रॉनिक शिखर सम्मेलन (रक्षा और एयरोस्पेस) आयोजित किया ।

(vii) आईसीएआई ने आईसीडीएस और कर लेखा परीक्षा (टैक्स ऑडिट) पर सेमिनार आयोजित किया।

(viii) वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने पीएसयू के वरिष्ठ अधिकारियों के लिए पीएम गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान पर प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्यशाला आयोजित की ।

(ix) लिंग तटस्थता की दिशा में आगे बढ़ने पर सीपीएसई के लिए ज्ञान साझा करने की कार्यशाला - ओएनजीसी और एनएलसी इंडिया लिमिटेड द्वारा आयोजित की गई।

(x) XIME, बेंगलुरु द्वारा नवाचार उत्कृष्टता के लिए डिजाइन सोच को लागू करने पर कार्यशाला आयोजित की गई।

(xi) डीपीई और स्कोप ने सीपीएसई द्वारा एमएसई से और जीईएम पोर्टल के माध्यम से खरीद पर वेबिनार आयोजित किया गया।

(xii) भारतीय जनसंपर्क परिषद ने ठप्रतिष्ठा के संरक्षक-नए आख्यान का निर्माणठ विषय पर 16वां वैश्विक संचार सम्मेलन आयोजित किया ।

(xiii) गोवा शिपयार्ड लिमिटेड ने डीपीएसयू की एचआर बैठक आयोजित की ।

(xiv) एलडीआरए ने एलडीआरए टूल सूट पर गहन प्रशिक्षण आयोजित किया गया।

बोर्ड के लिए और उसकी ओर से

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलुरु
1 अगस्त 2023

अनुलग्नक- 5

कार्पोरेट गवर्नेंस रिपोर्ट

दर्शन और गवर्नेंस संहिता

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (कंपनी/बीईएल) का कार्पोरेट गवर्नेंस का दर्शन ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, जवाबदेही, पर्याप्त प्रकटीकरण, अनुपालन, निर्णय लेने में पारदर्शिता और हितों के टकराव से बचने के सिद्धांतों पर आधारित है। कंपनी अपनाए गए कार्पोरेट मूल्यों और उद्देश्यों को महत्व देती है और कार्पोरेट नागरिक के रूप में सामाजिक जिम्मेदारियों के निर्वहन में सभी स्तरों पर लगातार नैतिक और जिम्मेदार नेतृत्व सुनिश्चित करती है। कंपनी ग्राहकों की संतुष्टि, वित्तीय विवेक और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता में विश्वास करती है। हमारी कार्पोरेट संरचना, व्यवसाय और प्रकटीकरण प्रथाओं को हमारे कार्पोरेट गवर्नेंस दर्शन के अनुरूप बनाया गया है।

कंपनी अपने सभी हितधारकों के लिए मूल्यवर्धन की दिशा में लगातार ध्यान केंद्रित करते हुए, कार्पोरेट गवर्नेंस की बुनियादी आवश्यकताओं से बहुत आगे निकलने का प्रयास करती है।

निदेशक मंडल

संरचना

कंपनी अधिनियम, 2013 के अनुसार, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड 'सरकारी कंपनी' है क्योंकि 31 मार्च 2023 तक कंपनी की कुल चुकता शेयर पूंजी का 51.14% भारत के राष्ट्रपति के पास है।

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के विनियम 17 के प्रावधानों (अब से 'सूचीकरण विनियम' कहा जाएगा), और भारत सरकार के सार्वजनिक उद्यम विभाग द्वारा केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कार्पोरेट गवर्नेंस पर जारी दिशानिर्देश (डीपीई दिशानिर्देश) के अनुरूप, कंपनी के निदेशक मंडल की संरचना में कार्यकारी निदेशकों का एक उपयुक्त मिश्रण है, जिसमें सीएमडी और गैर-कार्यकारी निदेशक शामिल हैं, जिनका प्रतिनिधित्व सरकारी नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों द्वारा किया जाता है, ताकि बोर्ड की स्वतंत्रता बनाए रखी जा सके और प्रबंधन और नियंत्रण के बोर्ड के कार्यों को अलग रखा जा सके। जैसा कि अध्यक्ष एक कार्यकारी निदेशक है, बोर्ड के आधे निदेशक स्वतंत्र निदेशक होते हैं।

31 मार्च 2023 तक, बीईएल के निदेशक मंडल में चार पूर्णकालिक कार्यकारी (कार्यात्मक) निदेशक शामिल हैं जिनमें सीएमडी, दो अंशकालिक सरकारी (गैर-कार्यकारी) निदेशक और महिला स्वतंत्र निदेशक सहित सात अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यकारी) निदेशक हैं।

बोर्ड की बैठकों की उपस्थिति

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, बोर्ड की आठ बैठकें आयोजित की गईं और किसी भी दो बैठकों के बीच अधिकतम अंतराल 120 दिनों से अधिक नहीं था। बोर्ड की बैठक 23 मई 2022, 16 जुलाई 2022, 04 अगस्त 2022, 27 अक्तूबर 2022, 22 नवंबर 2022, 28 जनवरी 2023, 21 फरवरी 2023 और 17 मार्च 2022 को आयोजित की गई। सभी बैठकों के लिए अपेक्षित कोरम मौजूद था। 31 मार्च 2023 को निदेशक मंडल की बैठकों में उपस्थिति, वार्षिक आम बैठक और उनके द्वारा आयोजित अन्य निदेशकों/समिति सदस्यताओं की संख्या का विवरण नीचे दिया गया है-

क्र. सं.	निदेशकों का नाम	संबंधित निदेशकों के कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	कितनी बैठकों में भाग लिया	30 अगस्त 2022 को आयोजित अंतिम एजीएम में उपस्थिति	धारित निदेशक पद की संख्या *	सभी कंपनियों में समिति सदस्यता की संख्या #		अन्य सूचीबद्ध यूनिट में निदेशक पद (निदेशक पद की श्रेणी)
						सदस्य के रूप में	अध्यक्ष के रूप में	
	पूर्णकालिक कार्यात्मक (कार्यपालक) निदेशक							
1	श्रीमती आनंदी रामलिंगम (दिनांक 31.08.2022 से निदेशक का कार्यकाल समाप्त)	03	03	जी, हां	-	-	-	-
2	श्री दिनेश कुमार बत्रा (दिनांक 31.10.2022 से निदेशक का कार्यकाल समाप्त)	04	04	जी, हां	-	-	-	-
3	श्री राजशेखर एम वी (दिनांक 31.08.2022 से निदेशक का कार्यकाल समाप्त)	03	03	जी, हां	-	-	-	-
4	श्री विनय कुमार कत्याल	08	08	जी, हां	02	01	शून्य	शून्य
5	श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव (दिनांक 20.04.2022 से निदेशक के पद पर नियुक्त)	08	08	जी, हां	02	02	शून्य	शून्य

क्र. सं.	निदेशकों का नाम	संबंधित निदेशकों के कार्यकाल के दौरान आयोजित बैठकें	कितनी बैठकों में भाग लिया	30 अगस्त 2022 को आयोजित अंतिम एजीएम में उपस्थिति	धारित निदेशक पद की संख्या *	सभी कंपनियों में समिति सदस्यता की संख्या #		अन्य सूचीबद्ध यूनिट में निदेशक पद (निदेशक पद की श्रेणी)
						सदस्य के रूप में	अध्यक्ष के रूप में	
6	श्री मनोज जैन (दिनांक 26.09.2022 से निदेशक के पद पर नियुक्त)	05	05	शून्य	03	03	01	शून्य
7	श्री दामोदर एस भट्टड (दिनांक 11.01.2023 से निदेशक के पद पर नियुक्त)	03	03	शून्य	03	02	शून्य	शून्य
	अंशकालिक सरकारी (गैर-कार्यपालक) निदेशक							
8	डॉ बिनॉय कुमार दास (दिनांक 04.07.2022 से निदेशक के पद पर नियुक्त)	07	07	शून्य	01	शून्य	शून्य	शून्य
9	श्री अनुराग बाजपेयी (दिनांक 23.12.2022 से निदेशक का कार्यकाल समाप्त)	05	02	जी, नहीं	-	-	-	-
10	श्री टी नटराजन (दिनांक 02.01.2023 से निदेशक के पद पर नियुक्त)	03	02	शून्य	03	शून्य	शून्य	हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड - नामित निदेशक
	अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यपालक) निदेशक							
11	श्री सुनील कुमार कोहली (दिनांक 17.07.2022 से निदेशक का कार्यकाल समाप्त)	02	02	लागू नहीं	-	-	-	-
12	डॉ पार्थसारथी पी वी	08	08	जी, हां	01	शून्य	शून्य	शून्य
13	श्री मनसुखभाई एस खचारिया	08	06	जी, हां	01	01	01	शून्य
14	डॉ संतोषकुमार एन	08	08	जी, हां	01	शून्य	शून्य	शून्य
15	श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी	08	08	जी, हां	01	01	01	शून्य
16	डॉ शिवनाथ यादव	08	08	जी, हां	01	01	शून्य	शून्य
17	श्री गोकुलन बी	08	08	जी, हां	01	01	शून्य	शून्य
18	श्रीमती श्यामा सिंह	08	08	जी, हां	01	01	शून्य	शून्य

* कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत पंजीकृत कंपनियों में निदेशक, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत निजी कंपनियों, विदेशी कंपनियों और कंपनियों में निदेशक पद को छोड़कर।

लिस्टिंग विनियमों के विनियम 26 के अनुसार, पब्लिक लिमिटेड कंपनियों में ऑडिट कमेटी और स्टेकहोल्डर्स रिलेशनशिप कमेटी की अध्यक्षता/सदस्यता पर विचार किया जाता है।

वर्ष 2022-23 के दौरान किसी भी निदेशक का आपस में कोई संबंध नहीं था। किसी भी गैर-कार्यकारी निदेशक के पास कंपनी का कोई इक्विटी शेयर या परिवर्तनीय दस्तावेज नहीं था।

उपरोक्त निदेशक पद और समिति के पदों की संख्या निदेशकों द्वारा अधिसूचित है और यह पुष्टि की जाती है कि कंपनी का कोई भी निदेशक दस से अधिक समितियों का सदस्य नहीं रहा है या सभी कंपनियों में पांच से अधिक समितियों के अध्यक्ष के रूप में कार्य नहीं किया है, जिसमें वह निदेशक है। कंपनी का कोई भी निदेशक दस से अधिक सार्वजनिक कंपनियों में निदेशक नहीं है और कंपनी का कोई भी निदेशक सात से अधिक सूचीबद्ध कंपनियों में निदेशक या स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य नहीं करता है। कंपनी का कोई भी पूर्णकालिक निदेशक / प्रबंध निदेशक तीन से अधिक लिस्टिंग कंपनियों में स्वतंत्र निदेशक के रूप में कार्य नहीं करता है।

कंपनी के पास कंपनी पर लागू होने वाले सभी कानूनों की अनुपालन रिपोर्ट और गैर-अनुपालन के मामलों को सुधारने के लिए कंपनी द्वारा उठाए गए कदमों की समय-समय पर समीक्षा करने के लिए बोर्ड को सक्षम करने हेतु उचित प्रणालियां हैं। बोर्ड ने अर्ध-वार्षिक आवधिकता पर अनुपालन रिपोर्टों की समीक्षा की।

स्वतंत्र निदेशक से प्राप्त घोषणाओं के आधार पर, निदेशक मंडल पुष्टि करता है कि स्वतंत्र निदेशक लिस्टिंग विनियमों में निर्दिष्ट स्वतंत्रता के मानदंडों को पूरा करता है और वे प्रबंधन से स्वतंत्र हैं। कंपनी के किसी भी स्वतंत्र निदेशक ने अपना कार्यकाल समाप्त होने से पहले इस्तीफा नहीं दिया।

निदेशक मंडल के कौशल / विशेषज्ञता / क्षमताएं

बीईएल सरकारी कंपनी है और इसके बोर्ड के सभी निदेशकों अर्थात कार्यात्मक निदेशकों, सरकारी नामित निदेशकों और स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति भारत

के राष्ट्रपति द्वारा प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से की जाती है। कंपनी से संबंधित व्यवसाय (व्यवसायों) और क्षेत्र (क्षेत्रों) के संदर्भ में आवश्यक कौशल/विशेषज्ञता/क्षमता की पहचान भारत सरकार द्वारा की जाती है और तदनुसार कंपनी के बोर्ड में निदेशकों का चयन सरकार द्वारा निदेशकों की प्रत्येक श्रेणी के लिए सुनिर्धारित प्रक्रिया के अनुसार किया जाता है।

प्रत्याशियों की वांछनीय योग्यता और अनुभव कार्यात्मक क्षेत्रों अर्थात वित्त, संचालन, तकनीकी, मानव संसाधन और विपणन की आवश्यकता के अनुसार हैं। कार्यात्मक निदेशकों की भर्ती के समय, उम्मीदवारों का कार्य विवरण, वांछनीय योग्यता और अनुभव, रिक्तियों की घोषणा और उम्मीदवारों की भर्ती के लिए प्रशासनिक मंत्रालय के माध्यम से लोक उद्यम चयन बोर्ड को भेजा जाता है।

स्वतंत्र निदेशकों के लिए परिचय कार्यक्रम

स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) को शामिल करते समय, कंपनी अधिनियम 2013, लिस्टिंग विनियम और अन्य लागू विनियम के तहत उनसे अपेक्षित अनुपालनों के अलावा निदेशक के रूप में किए जाने वाले कर्तव्यों और जिम्मेदारियों के विवरण के साथ एक स्वागत पत्र निदेशक (निदेशकों) को भेजा जाता है। कंपनी का प्रबंधन नवनियुक्त निदेशक (निदेशकों) को कंपनी, कंपनी के संबंध में उसके संचालन, कंपनी की विभिन्न नीतियों और प्रक्रियाओं, कंपनी के विभिन्न प्रभागों और उनकी भूमिका और जिम्मेदारियों, गवर्नेंस और आंतरिक नियंत्रण प्रक्रियाओं और अन्य प्रासंगिक महत्वपूर्ण जानकारी से परिचित कराता है। निदेशकों को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों द्वारा आयोजित बोर्ड से संबंधित प्रथाओं और अभिविन्यास कार्यक्रमों आदि से संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए नियमित रूप से प्रोत्साहित और प्रायोजित किया जाता है। निदेशकों को दिए गए प्रशिक्षण का विवरण कंपनी की वेबसाइट पर वेब-लिंक: https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=2505&LId=1&link=2505 पर पोस्ट किया गया है।

पेशवर कंपनी सचिव से प्रमाण पत्र

मेसर्स थिरुपल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी, प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरीज ने लिस्टिंग विनियमों के तहत एक प्रमाण पत्र जारी किया है जिसमें पुष्टि की गई है कि कंपनी के बोर्ड के किसी भी निदेशक को 31 मार्च 2023 तक सेबी/कार्पोरेट मामलों के मंत्रालय या ऐसे किसी भी सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से वंचित या अयोग्य घोषित नहीं किया गया है। प्रमाण पत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

निदेशक मंडल की अनिवार्य समितियां

लेखा परीक्षा समिति

31 मार्च 2023 तक लेखा परीक्षा समिति की संरचना कंपनी अधिनियम 2013 (अधिनियम) की धारा 177, लिस्टिंग विनियमों के विनियम 18 और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुरूप है। कंपनी की लेखा परीक्षा समिति में तीन (03) स्वतंत्र निदेशक होते हैं। इसके अलावा, कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों, निदेशक (बेंगलुरु कॉम्प्लेक्स), निदेशक (वित्त), निदेशक (अन्य यूनिट्स) और आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुख को भी लेखा परीक्षा समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है। लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष स्वतंत्र निदेशक हैं। लेखा परीक्षा समिति के अध्यक्ष ने 30 अगस्त 2022 को आयोजित कंपनी की 68वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लिया है। लेखा परीक्षा समिति के लिए विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177, अनुसूची II के विनियम के साथ पठित 18 लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के भाग-सी (सरकारी कंपनियों को प्रदान की गई छूट की सीमा को छोड़कर) में निर्दिष्ट हैं। वर्ष 2022-23 के दौरान लेखापरीक्षा समिति की छह (6) बैठकें हुई। लेखा परीक्षा समिति की सभी सिफारिशों को निदेशक मंडल द्वारा स्वीकार कर लिया गया है।

लेखापरीक्षा समिति द्वारा निष्पादित कुछ महत्वपूर्ण कार्य इस प्रकार हैं-

- कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया की निगरानी और वित्तीय जानकारी का प्रकटीकरण यह सुनिश्चित करने के लिए कि वित्तीय विवरण सही, पर्याप्त और विश्वसनीय हैं;
- कंपनी के लेखा परीक्षकों की नियुक्ति, पारिश्रमिक और नियुक्ति की शर्तों के लिए सिफारिश;
- सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा प्रदान की गई किसी भी अन्य सेवाओं के लिए सांविधिक लेखा परीक्षकों को भुगतान की स्वीकृति;
- त्रैमासिक अलेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों और लेखापरीक्षकों की सीमित समीक्षा रिपोर्ट की समीक्षा करना / लेखा परीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरण और लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट अनुमोदन के लिए बोर्ड को प्रस्तुत करने से पहले, विशेष संदर्भ के साथ जैसा कि लिस्टिंग विनियमों के अनुसूची II भाग सी (ए) (4) में उल्लेख किया गया है;
- ऑडिटर की स्वतंत्रता, निष्पादन और ऑडिट प्रक्रिया की प्रभावशीलता की समीक्षा और निगरानी करना;
- संबंधित पक्षों के साथ कंपनी के लेनदेन की स्वीकृति या उसके बाद का कोई संशोधन;
- अंतर-कार्पोरेट ऋणों और निवेशों की संवीक्षा;
- कंपनी के उपक्रमों या परिसंपत्तियों का मूल्यांकन, जहां कहीं आवश्यक हो;
- आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों और जोखिम प्रबंधन प्रणालियों का मूल्यांकन;

- प्रबंधन के साथ समीक्षा, सांविधिक और आंतरिक लेखा परीक्षकों के निष्पादन, आंतरिक नियंत्रण की पर्याप्तता;
- आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग की संरचना, स्टाफिंग और विभाग के प्रमुख अधिकारी की वरिष्ठता, रिपोर्टिंग संरचना कवरेज और आंतरिक लेखापरीक्षा की आवृत्ति सहित आंतरिक लेखापरीक्षा कार्य की पर्याप्तता की समीक्षा करना;
- किसी भी महत्वपूर्ण निष्कर्ष के आंतरिक लेखा परीक्षकों के साथ चर्चा और उस पर अनुवर्ती कार्रवाई;
- आंतरिक लेखा परीक्षकों द्वारा किसी भी आंतरिक जांच के निष्कर्षों की समीक्षा उन मामलों में जहां संदिग्ध धोखाधड़ी या अनियमितता या भौतिक प्रकृति की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की विफलता है और मामले को बोर्ड को रिपोर्ट करना;
- लेखापरीक्षा शुरू होने से पहले सांविधिक लेखापरीक्षकों के साथ चर्चा, लेखापरीक्षा की प्रकृति और दायरे के साथ-साथ किसी भी चिंता के विषय का पता लगाने के लिए लेखापरीक्षा के बाद की चर्चा;
- शेयरधारकों (घोषित लाभांश का भुगतान न करने की स्थिति में) और लेनदारों को भुगतान में पर्याप्त चूक के कारणों पर गौर करना;
- व्हिसल ब्लोअर तंत्र के कामकाज की समीक्षा करना;
- इनसाइडर ट्रेडिंग की रोकथाम के लिए आचार संहिता की समीक्षा करना;
- वित्तीय स्थिति और संचालन के परिणामों की प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण की समीक्षा करना;
- सांविधिक लेखापरीक्षकों द्वारा जारी प्रबंधन पत्र/आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों के पत्र की समीक्षा करना;
- उम्मीदवार की योग्यता, अनुभव और पृष्ठभूमि आदि का आकलन करने के बाद मुख्य वित्तीय अधिकारी की नियुक्ति की स्वीकृति;
- होल्डिंग कंपनी द्वारा सहायक कंपनी में ₹ 100 करोड़ या सहायक कंपनी के परिसंपत्ति आकार के 10%, जो भी कम हो, मौजूदा ऋण/अग्रिम/निवेश सहित ऋणों और/या अग्रिमों/निवेशों के उपयोग की समीक्षा करना;
- मुख्य आंतरिक लेखा परीक्षक की नियुक्ति, हटाने और पारिश्रमिक की शर्तें लेखा परीक्षा समिति द्वारा समीक्षा के अधीन होंगी;
- आंतरिक नियंत्रण कमजोरियों से संबंधित आंतरिक लेखापरीक्षा रिपोर्टों की समीक्षा करना;
- सीएजी ऑडिट के लेखापरीक्षा अवलोकन पर अनुवर्ती कार्रवाई की समीक्षा करना;
- कोई अन्य कार्य करना जो बोर्ड द्वारा समिति को निर्दिष्ट किया जाए।

वर्ष 2022-23 के दौरान लेखा परीक्षा समिति की संरचना और बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है-

नाम	वर्ग	31 मार्च 2023 को धारित पद	इन तारीखों को हुई लेखापरीक्षा समिति की बैठकों में उपस्थिति-					
			21 मई 2022	15 जुलाई 2022	25 अक्तूबर 2022	16 दिसंबर 2022	27 जनवरी 2023	20 फरवरी 2023
श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी (दिनांक 22.07.2022 से अध्यक्ष के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां
श्री सुनील कुमार कोहली (दिनांक 17.07.2022 से अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	-	जी, हां	जी, हां	NA	NA	NA	NA
डॉ शिवनाथ यादव स्वतंत्र निदेशक	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां
श्री गोकुलन बी (दिनांक 22.07.2022 से सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां

स्वतंत्र निदेशक | स्वतंत्र निदेशक | अध्यक्ष | सदस्य | जी, हां | NA लागू नहीं

नामांकन और पारिश्रमिक समिति

31 मार्च 2023 को नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 और लिस्टिंग विनियमों के विनियम 19 के अनुरूप है। नामांकन और पारिश्रमिक समिति के अध्यक्ष एक स्वतंत्र निदेशक हैं। नामांकन और पारिश्रमिक समिति के अध्यक्ष ने 30 अगस्त 2022 को आयोजित कंपनी की 68वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लिया है। नामांकन और पारिश्रमिक समिति के विचारार्थ विषय कंपनी अधिनियम, 2013, विनियम 19 की धारा 178 में निर्दिष्ट हैं। सूचीकरण विनियमों की अनुसूची घ्र भाग-डी के साथ (सरकारी कंपनियों को प्रदान की गई छूट की सीमा को छोड़कर)। नामांकन और पारिश्रमिक समिति द्वारा किए गए कुछ महत्वपूर्ण कार्यों में शामिल हैं-

- कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों, भारत सरकार द्वारा समय-समय पर जारी डीपीई दिशानिर्देशों और राष्ट्रपति के निर्देशों/दिशानिर्देशों के अनुरूप बोर्ड को नीति की सिफारिश करना;
- कंपनी के कर्मचारियों को निष्पादन संबंधी वेतन की स्वीकृति;
- बोर्ड स्तर से नीचे के कार्यकारी निदेशकों (ईडी) / महाप्रबंधकों (जीएम) का चयन।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति की पांच (5) बैठकें हुई। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान समिति की संरचना और उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है-

नाम	वर्ग	31 मार्च 2023 को धारित पद	इन तारीखों को हुई नामांकन व पारिश्रमिक समिति की बैठकों में उपस्थिति-				
			16 मई 2022	04 जुलाई 2022	05 और 06 जुलाई 2022	26 अक्तूबर 2022	27 जनवरी 2023
श्री संतोषकुमार एन (दिनांक 22.07.2022 से अध्यक्ष के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक (भरा चिह्न)	अध्यक्ष	✓	✓	✓	✓	✓
श्री सुनील कुमार कोहली (दिनांक 17.07.2022 से अध्यक्ष का कार्यकाल समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक (भरा चिह्न)	-	✓	✓	✓	NA	NA
श्रीमती आनंदी रामलिंगम (दिनांक 31.08.2022 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक (खाली चिह्न)	-	✓	✓	✓	NA	NA
श्री दिनेश कुमार बत्रा (दिनांक 01.09.2022 से सदस्य के पद पर नियुक्त। दिनांक 31.10.2022 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक (खाली चिह्न)	-	NA	NA	NA	✓	NA
श्रीमती श्यामा सिंह (दिनांक 22.07.2022 से सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक (भरा चिह्न)	सदस्य	NA	NA	NA	✓	✓
डॉ पार्थसारथी पी वी	स्वतंत्र निदेशक (भरा चिह्न)	सदस्य	✓	✓	✓	✓	✓
श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव (दिनांक 01.11.2022 से सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक (खाली चिह्न)	सदस्य	NA	NA	NA	NA	✓

स्वतंत्र निदेशक (भरा चिह्न)   स्वतंत्र निदेशक (खाली चिह्न)   अध्यक्ष   सदस्य   ✓ जी, हां   NA लागू नहीं

निदेशकों की पारिश्रमिक नीति और निष्पादन मूल्यांकन

बीईएल, केंद्र सरकार का सार्वजनिक क्षेत्र का उद्यम होने के नाते, निदेशकों (सीएमडी सहित कार्यात्मक निदेशकों) की नियुक्ति, कार्यकाल और पारिश्रमिक सरकार द्वारा निर्धारित किया जाता है। सार्वजनिक उद्यम चयन बोर्ड (पीईएसबी)/सर्च कमेटी के माध्यम से, नियुक्ति के नियमों और शर्तों को दर्शाता है, जिसमें कंपनी के प्रासंगिक नियमों के अनुसार नियुक्ति की अवधि, मूल वेतन, महंगाई भत्ता, आवास की पात्रता आदि जैसे घटकों के साथ वेतनमान शामिल हैं। सीएमडी सहित कार्यकारी निदेशकों के वेतनमान, रक्षा मंत्रालय से प्राप्त राष्ट्रपति के निर्देशों द्वारा शासित होते हैं।

सरकार नामित निदेशकों को रक्षा मंत्रालय द्वारा (पदेन निदेशक के रूप में) नियुक्त किया जाता है और वे किसी भी पारिश्रमिक / बैठक शुल्क के हकदार नहीं होते।

गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति भारत सरकार द्वारा की जाती है और वे सरकार के निर्देशों/सांविधिक नियमों और विनियमों के अनुपालन में बोर्ड द्वारा निर्धारित बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए बैठक शुल्क के हकदार होते हैं।

प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के संबंध में नियुक्ति/पारिश्रमिक और अन्य मामले बीईएल भर्ती नियमों और प्रक्रियाओं द्वारा शासित होते हैं और निदेशक मंडल और/या सीएमडी द्वारा समय-समय पर जारी की जा

सकने वाली नीतियों और निर्देशों के अधीन होते हैं। केएमपी और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों के वेतनमान रक्षा मंत्रालय से प्राप्त राष्ट्रपति के निर्देशों द्वारा शासित होते हैं।

स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) ने 15 मार्च 2023 को आयोजित स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) की एक अलग बैठक में अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, कार्यात्मक पूर्णकालिक निदेशकों, गैर-स्वतंत्र निदेशकों और बोर्ड के निष्पादन की समीक्षा की। सीएमडी सहित अलग-अलग निदेशकों के निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए कुछ महत्वपूर्ण मापदंडों जैसे जुड़ाव और योगदान के स्तर, निर्णय की स्वतंत्रता का प्रयोग, उद्देश्यों और लक्ष्यों की उपलब्धि, विभिन्न हितधारकों के हितों की सुरक्षा आदि के आधार पर निष्पादन का मूल्यांकन करने के लिए एक गतिविधि हाथ में ली गई थी। स्वतंत्र निदेशकों के निष्पादन मूल्यांकन का कार्य पूरे बोर्ड द्वारा किया गया था।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान निदेशकों को दिया गया पारिश्रमिक निम्नानुसार है-

(राशि ₹ में)

निदेशक का नाम	पदनाम	वेतन व भत्ते	कार्य-निष्पादन संबंधी प्रोत्साहन	अन्य अनुलाभ व परिलब्धियां	कुल
श्रीमती आनंदी रामलिंगम (दिनांक 31.08.2022 से निदेशक का कार्यकाल समाप्त)	सीएमडी - अतिरिक्त प्रभार, निदेशक (विपणन) एवं निदेशक (एच.आर.) - अतिरिक्त प्रभार	18,10,481	15,36,627	17,87,069	51,34,177
श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव (दिनांक 20.04.2022 से निदेशक के पद पर नियुक्त)	सीएमडी - अतिरिक्त प्रभार, निदेशक (ओ.यू.) एवं निदेशक (विपणन) - अतिरिक्त प्रभार	36,33,919	8,20,867	20,41,736	64,96,522
श्री एम वी राजशेखर (दिनांक 31.08.2022 से निदेशक का कार्यकाल समाप्त)	निदेशक (आर एंड डी)	17,79,539	12,99,582	9,25,895	40,05,016
श्री विनय कुमार कत्याल	निदेशक (बेंगलूरु कॉमप्लेक्स)	40,04,653	13,69,075	22,04,260	75,77,988
श्री दिनेश कुमार बत्रा (दिनांक 31.10.2022 से निदेशक का कार्यकाल समाप्त)	सीएमडी - अतिरिक्त प्रभार, निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ, निदेशक (विपणन) एवं निदेशक (एच.आर.) - अतिरिक्त प्रभार	22,19,411	13,27,208	19,22,609	54,69,228
श्री मनोज जैन (दिनांक 26.09.2022 से निदेशक के पद पर नियुक्त)	निदेशक (आर एंड डी)	26,10,186	9,12,590	12,52,799	47,75,575
श्री दामोदर एस भट्टड (दिनांक 11.01.2023 से निदेशक के पद पर नियुक्त)	निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ	8,28,879	7,30,391	11,15,453	26,74,723

अंशकालिक सरकारी (सरकारी/गैर-कार्यकारी) निदेशकों को बोर्ड/समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए कोई पारिश्रमिक या बैठक शुल्क नहीं दिया जाता। अंशकालिक स्वतंत्र (गैर-कार्यकारी) निदेशकों को बोर्ड की प्रत्येक बैठक के लिए ₹ 30,000 और बोर्ड की प्रत्येक समिति (समितियों) की बैठक के लिए ₹ 25,000 की बैठक शुल्क का भुगतान किया जाता है। वर्ष 2022-23 के दौरान बोर्ड और समिति की बैठकों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र निदेशकों को भुगतान किए गए बैठक शुल्क का विवरण नीचे दिया गया है-

स्वतंत्र निदेशकों का नाम	राशि (₹)
श्री सुनील कुमार कोहली	3,10,000
डॉ. पार्थसारथी पी वी	4,15,500
श्री मनसुखभाई एस खाचरिया	3,05,000
डॉ. संतोषकुमार एन	5,15,000
श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी	4,40,000
डॉ. शिवनाथ यादव	4,65,000
श्री गोकुलन बी	4,40,000
श्रीमती श्यामा सिंह	3,40,000
कुल	**32,30,500**

कंपनी अपने निदेशकों को कोई कमीशन नहीं देती है। कंपनी ने अपने निदेशकों को कोई स्टॉक विकल्प जारी नहीं किया है। बैठक शुल्क प्राप्त करने और अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किए गए खर्चों की प्रतिपूर्ति के अलावा, गैर-कार्यकारी निदेशकों में से किसी का वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी के साथ कोई आर्थिक संबंध या लेनदेन नहीं था।

हितधारकों की संबंध समिति

31 मार्च 2023 को पणधारत संबंध समिति का संघटन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 178 और सूचीबद्धता विनियम के विनियम 20 के अनुरूप है। पणधारक संबंध समिति के अध्यक्ष ने 30 अगस्त 2022 को हुई कंपनी की 68वीं वार्षिक आम बैठक में भाग लिया। पणधारक संबंध समिति के विचारार्थ विषय अधिनियम की धारा 178 और सूचीबद्धता विनियमों के भाग-डी, अनुसूची घ्घ के साथ पठित विनियम 20 में निर्दिष्टानुसार हैं।

हितधारकों की संबंध समिति द्वारा किए गए कुछ कार्यों में शामिल हैं-

- कंपनी के सिक्योरिटी धारकों की शिकायतों का समाधान जिसमें शेयरों के हस्तांतरण/ट्रांसमिशन, वार्षिक रिपोर्ट प्राप्त न होने, घोषित लाभांश प्राप्त न होने, नए/डुप्लीकेट प्रमाण पत्र जारी करने, आम बैठक आदि से संबंधित शिकायतें शामिल हैं।
- शेयरधारकों द्वारा मतदान अधिकारों के प्रभावी प्रयोग के लिए किए गए उपायों की समीक्षा करना।
- रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सेवाओं के संबंध में सूचीबद्ध कंपनी द्वारा अपनाए गए सेवा मानकों के पालन की समीक्षा करना।
- दावा रहित लाभांश की मात्रा को कम करने के लिए लिस्टेड कंपनी द्वारा किए गए विभिन्न उपायों और पहलों की समीक्षा करना और कंपनी के शेयरधारकों द्वारा लाभांश वारंट/वार्षिक रिपोर्ट/सांविधिक नोटिस की समय पर प्राप्ति सुनिश्चित करना।

वर्ष 2022-23 के दौरान हितधारकों की संबंध समिति की संरचना और उक्त समिति की बैठक में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है-

नाम	वर्ग	31 मार्च 2023 को धारित पद	27 जनवरी 2023 को हुई पणधारक संबंध समिति में उपस्थिति
श्री मनसुखभाई एस खचारिया (दिनांक 22.07.2022 से अध्यक्ष के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	जी, हां
श्री सुनील कुमार कोहली (दिनांक 17.07.2022 से अध्यक्ष व सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	-	NA
श्रीमती आनंदी रामलिंगम, (निदेशक (एच.आर.) - अतिरिक्त प्रभार के रूप में दिनांक 31.08.2022 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	-	NA
श्री दिनेश कुमार बत्रा (दिनांक 31.10.2023 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	-	NA
श्री विनय कुमार कत्याल (दिनांक 01.11.2023 से सदस्य के पद पर नियुक्त। निदेशक (वित्त) - अतिरिक्त प्रभार के रूप में दिनांक 10.01.2023 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	-	NA
श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव (दिनांक 20.04.2022 से सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां
श्रीमती श्यामा सिंह (दिनांक 22.07.2022 से सदस्य के पद पर नियुक्त))	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां
श्री मनोज जैन (दिनांक 01.11.2022 से निदेशक (एच.आर.) - अतिरिक्त प्रभार के रूप में सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां
श्री दामोदर एस भट्टड (दिनांक 11.01.2023 से सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	

स्वतंत्र निदेशक   स्वतंत्र निदेशक   अध्यक्ष   सदस्य   जी, हां   NA लागू नहीं

शेयरधारकों से प्राप्त शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई की जाती है। वर्ष के दौरान शेयरधारकों से मुख्य रूप से लाभांश भुगतान और वार्षिक रिपोर्ट से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई और उनका समाधान किया गया। 31 मार्च 2023 तक कोई शिकायत लंबित नहीं थी। 2022-23 (सेबी स्कोर) के दौरान निवेशकों की शिकायतों का विवरण निम्नलिखित है-

प्राप्त शिकायतों की संख्या	समाधान की गई शिकायतों की संख्या	लंबित शिकायतों की संख्या
04	04	शून्य

अनुपालन अधिकारी

श्री एस. श्रीनिवास कंपनी सचिव और अनुपालन अधिकारी हैं। उनके संपर्क विवरण हैं-

श्री एस. श्रीनिवास

कंपनी सचिव
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
पंजीकृत एवं कार्पोरेशन कार्यालय, आउटर रिंग रोड,
नागवारा, बेंगलुरु - 560045
टेलीफोन- 080-25039266
ईमेल- secretary@bel.co.in

कार्पोरेट सामाजिक दायित्व समिति

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के प्रावधानों, उसके तहत बनाए गए नियमों (यथा संशोधित) और डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार, कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) समिति का गठन किया गया है। सीएसआर समिति के विचारार्थ मुख्य विषयों में सीएसआर नीति की समीक्षा करना और की अनुसूची-ख्ख्र और समय-समय पर संशोधित डीपीई दिशानिर्देशों के तहत कंपनी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को इंगित करने के लिए इसे और अधिक व्यापक बनाना शामिल है। समिति के कुछ महत्वपूर्ण विचारार्थ विषय इस प्रकार हैं-

- कार्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति और कंपनी द्वारा की जाने वाली गतिविधियों को तैयार करना, समीक्षा करना और बोर्ड को सिफारिश करना;
- कार्यक्रमों, वार्षिक कार्य योजना और शुरू की गई गतिविधियों पर किए जाने वाले व्यय की राशि की सिफारिश करना;
- कार्पोरेट सामाजिक दायित्व के क्षेत्र में कंपनी के निष्पादन की समीक्षा करना;
- समय-समय पर कंपनी की कार्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति की निगरानी करना।

वर्ष 2022-23 के दौरान सीएसआर समिति की संरचना और उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है-

सदस्य का नाम	वर्ग	31 मार्च 2023 को धारित पद	इन तारीखों को हुई सीएसआर समिति की बैठकों में उपस्थिति-			
			16 मई 2022	15 जुलाई 2022	18 अक्तूबर 2022	20 फरवरी 2023
श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव (दिनांक 01.11.2022 से सदस्य व अध्यक्ष के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	NA	NA	NA	LA
श्रीमती आनंदी रामलिंगम (दिनांक 31.08.2022 से अध्यक्ष व सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	-	जी, हां	जी, हां	NA	NA
श्री दिनेश कुमार बत्रा (दिनांक 01.09.2022 से अध्यक्ष के पद पर नियुक्त। दिनांक 31.10.2022 से अध्यक्ष व सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	-	जी, हां	जी, हां	जी, हां	NA
श्री शिवनाथ यादव (दिनांक 22.07.2022 से सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	जी, हां	जी, हां
श्री विनय कुमार कत्याल	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां
श्री सुनील कुमार कोहली (दिनांक 17.07.2022 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां	जी, हां	NA	NA
श्री मनसुखभाई एस खचारिया	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां	जी, हां	जी, हां	जी, हां
श्री मनोज जैन (दिनांक 01.11.2022 से निदेशक (एच.आर.) - अतिरिक्त प्रभार के रूप में सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	NA	जी, हां
श्री दामोदर एस भट्टड (दिनांक 11.01.2023 से सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA	NA	जी, हां

स्वतंत्र निदेशक   स्वतंत्र निदेशक   अध्यक्ष   सदस्य   जी, हां   NA लागू नहीं

जोखिम प्रबंधन समिति

लिस्टिंग विनियमों के विनियम 21 की आवश्यकताओं के अनुसार, निदेशक मंडल ने निदेशक मंडल के अधिकांश सदस्यों के साथ जोखिम प्रबंधन समिति का गठन किया है। निदेशक मंडल जोखिम प्रबंधन समिति के माध्यम से जोखिम प्रबंधन की स्थिति की समीक्षा और निगरानी करता है, जो आंतरिक कॉर्पोरेट जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा पहचाने गए जोखिमों की जांच करता है, कंपनी में जोखिम प्रबंधन की वर्तमान स्थिति का आकलन करता है, जोखिम कम करने के उपायों के कार्यान्वयन और प्रभावशीलता की निगरानी और समीक्षा करता है। जोखिम प्रबंधन नीति कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट की गई है। जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया पर एक राइट-अप प्रबंधन चर्चा और विश्लेषण रिपोर्ट का एक हिस्सा है।

वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान जोखिम प्रबंधन समिति की संरचना और उक्त समिति की बैठकों में सदस्यों की भागीदारी का विवरण निम्नानुसार है-

सदस्य का नाम	वर्ग	31 मार्च 2023 को धारित पद	इन तारीखों को हुई आरएमसी की बैठकों में उपस्थिति-	
			25 अगस्त 2022	20 फरवरी 2023
श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव (दिनांक 20.04.2022 से सदस्य के पद पर नियुक्त) डनिदेशक (विपणन) - अतिरिक्त प्रभार के रूप में दिनांक 01.11.2022 को अध्यक्ष पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	जी, हां	LA
श्रीमती आनंदी रामलिंगम (दिनांक 31.08.2022 से अध्यक्ष व सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	अध्यक्ष	LA	NA
श्री विनय कुमार कत्याल	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां	
श्री सुनील कुमार कोहली (दिनांक 17.07.2022 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA
श्री राजशेखर वेंकट मट्टुकुमल्ली (दिनांक 20.04.2022 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	NA
श्री दिनेश कुमार बत्रा (दिनांक 31.10.2022 से सदस्यता समाप्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां	NA
श्री संतोषकुमार एन (दिनांक 22.07.2022 से सदस्य पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	जी, हां	जी, हां
श्री दामोदर एस भट्टड (दिनांक 11.01.2023 से सदस्य के पद पर नियुक्त)	स्वतंत्र निदेशक	सदस्य	NA	जी, हां

स्वतंत्र निदेशक   स्वतंत्र निदेशक   अध्यक्ष   सदस्य   जी, हां   NA लागू नहीं

स्वतंत्र निदेशकों की बैठक

वर्ष 2022-23 के दौरान, अन्य बातों के साथ-साथ, 15 मार्च 2023 को स्वतंत्र निदेशक (निदेशकों) की एक बैठक आयोजित की गई-

i. गैर-स्वतंत्र निदेशकों और पूरे बोर्ड के निष्पादन की समीक्षा करना;

ii. कार्यकारी और गैर-कार्यकारी निदेशकों के विचारों को ध्यान में रखते हुए, कंपनी के अध्यक्ष के निष्पादन की समीक्षा करना;

iii. कंपनी के प्रबंधन और बोर्ड के बीच सूचना के प्रवाह की गुणवत्ता, सामग्री और समय-सीमा का आकलन करना जो बोर्ड के लिए अपने कर्तव्यों को प्रभावी ढंग से और उचित रूप से करने के लिए आवश्यक है।

अन्य गैर-अनिवार्य समितियां

बोर्ड की निम्नलिखित उप समितियों का गठन किया गया है-

अनुसंधान एवं विकास समिति

प्रमुख अनुसंधान, विकास और इंजीनियरिंग प्रस्तावों पर विचार करने और उन्हें मंजूरी देने के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, दो स्वतंत्र निदेशक, निदेशक (वित्त) और निदेशक (आर एंड डी) को मिलाकर अनुसंधान एवं विकास समिति का गठन किया गया है।

पूंजी निवेश समिति

पूंजी निवेश समिति में दो स्वतंत्र निदेशक, निदेशक (वित्त), निदेशक (बेंगलुरु कॉम्प्लेक्स), निदेशक (अन्य यूनिटें) और निदेशक (आर एंड डी) शामिल हैं और इसका गठन प्रमुख पूंजी निवेश प्रस्तावों पर विचार और अनुमोदन के लिए किया गया है।

शेयर ट्रांसफर समिति

शेयर ट्रांसफर, ट्रांसमिशन, डुप्लीकेट सर्टिफिकेट आदि पर विचार और अनुमोदन के लिए अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, निदेशक (वित्त) और निदेशक (अन्य यूनिटें) को मिलाकर शेयर ट्रांसफर समिति का गठन किया गया है।

कंपनी सचिव ऊपर उल्लिखित बोर्ड की सभी समितियों के सचिव हैं।

आचार संहिता

कंपनी के निदेशक मंडल ने लिस्टिंग विनियमों और डीपीई दिशानिर्देशों के विनियम 17(5) के अनुसार सभी बोर्ड सदस्यों, केएमपी और कंपनी के वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण और नैतिकता की संहिता निर्धारित की है। व्यापार और नैतिकता आचार संहिता को कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट किया गया है। सभी बोर्ड सदस्यों, केएमपी और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने 31 मार्च 2023 तक व्यापार और नैतिकता आचार संहिता के अनुपालन की पुष्टि की है। अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक द्वारा हस्ताक्षरित इस आशय की एक घोषणा इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

इनसाइडर ट्रेडिंग की रोकथाम और निष्पक्ष प्रकटीकरण के लिए संहिता

सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 (संशोधित) के अनुसरण में, कंपनी ने इनसाइडर द्वारा ट्रेडिंग के विनियमन, निगरानी और रिपोर्टिंग के लिए एक आचार संहिता और अप्रकाशित मूल्य के उचित प्रकटीकरण के लिए अभ्यास और प्रक्रिया संहिता बनाई है। निदेशक मंडल द्वारा विधिवत अनुमोदित संवेदनशील जानकारी (अबसे कोड के रूप में संदर्भित)। यह कोड उन सभी नामित व्यक्तियों पर लागू होता है, जिनमें उनके निकटतम रिश्तेदार शामिल हैं, जो मूल्य संवेदनशील जानकारी और सेबी (इनसाइडर ट्रेडिंग का निषेध) विनियम, 2015 में परिभाषित किसी भी अन्य से जुड़े हुए हैं। कंपनी सचिव संहिता के कार्यान्वयन के लिए जिम्मेदार हैं। इस संहिता को कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर पोस्ट किया गया है।

सहायक कंपनियां

31 मार्च 2023 तक कंपनी के पास कोई भी सामग्री असूचीबद्ध भारतीय सहायक कंपनी नहीं है। कंपनी की लेखा परीक्षा समिति कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों के साथ-साथ लेखा परीक्षित वार्षिक वित्तीय विवरणों की समीक्षा करती है, जिसमें सहायक कंपनियों के तिमाही परिणाम शामिल हैं, जिसमें सहायक कंपनियों के द्वारा किए गए निवेश भी शामिल हैं। कंपनी की गैर-सूचीबद्ध सहायक कंपनियों के महत्वपूर्ण लेनदेन और व्यवस्थाओं की एक रिपोर्ट के साथ बोर्ड की बैठकों के कार्यवृत्त कंपनी के निदेशक मंडल के समक्ष रखे जाते हैं। महत्वपूर्ण सहायक कंपनियों पर एक नीति तैयार की गई है और कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट की गई है-

https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527

राष्ट्रपति के निर्देश और दिशानिर्देश

आपकी कंपनी राष्ट्रपति के निर्देशों और समय-समय पर भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देशों का पालन कर रही है।

सीईओ / सीएफओ प्रमाणीकरण

सूचीबद्धता के विनियमों और डीपीई के दिशा-निर्देशों में बताई गई आवश्यकता अनुसार, सीईओ और सीएफओ का प्रमाण-पत्र इस रिपोर्ट का साथ संलग्न है।

शेयर पूंजी लेखा परीक्षा का मिलान

सेबी (डिपॉजिटरी एंड पार्टिसिपेंट्स) रेगुलेशन, 2018 के विनियम 76 के अनुसार, कंपनी नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (सीडीएसएल), और कुल जारी और सूचीबद्ध पूंजी के साथ भौतिक होल्डिंग के साथ कुल स्वीकृत पूंजी का मिलान करने के लिए प्रत्येक तिमाही में एक प्रैक्टिसिंग कंपनी सेक्रेटरी से शेयर कैपिटल ऑडिट रिपोर्ट (आरएससीएआर) का मिलान प्राप्त करती है। आरएससीएआर पुष्टि करता है कि कुल जारी / प्रदत्त पूंजी भौतिक रूप में शेयरों की कुल संख्या और एनएसडीएल और सीडीएसएल के पास रखे गए डीमैटेरियलाइज्ड शेयरों की कुल संख्या के अनुरूप है। आरएससीएआर को स्टॉक एक्सचेंजों (बीएसई और एनएसई) को अग्रेषित किया जाता है।

डीपीई ग्रेडिंग

सीपीएसई के लिए कॉरपोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देश प्रदान करते हैं कि सीपीएसई को दिशानिर्देशों के अनुपालन के आधार पर वर्गीकृत किया जाएगा। डीपीई ने वर्ष 2022-23 के लिए बीईएल को 'उत्कृष्ट' श्रेणी में रखा है।

निवेशक शिक्षण और सुरक्षा कोष खाते में हस्तांतरण

निवेशक शिक्षण और संरक्षण निधि प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, हस्तांतरण और धनवापसी) नियम, 2016 (संशोधित) के साथ पठित अधिनियम की धारा 124 और 125 के अनुसार, लाभांश, यदि भुगतान की तारीख से सात साल की अवधि के लिए दावा नहीं किया गया है तो कंपनी के अदत्त लाभांश खाते में हस्तांतरण, निवेशक शिक्षा और संरक्षण कोष (आईईपीएफ) में हस्तांतरित किए जाने के लिए उत्तरदायी हैं। इसके अलावा, सभी शेयर जिनके संबंध में लाभांश अदत्त लाभांश खाते में स्थानांतरण की तारीख से लगातार सात वर्षों या उससे अधिक के लिए दावा नहीं किया गया है, उन्हें भी आईईपीएफ प्राधिकरण को हस्तांतरित कर दिया जाएगा। उक्त आवश्यकता उन शेयरों पर लागू नहीं होती है जिनके संबंध में न्यायालय, न्यायाधिकरण या सांविधिक प्राधिकरण का एक विशिष्ट आदेश है, जो शेयरों के किसी भी हस्तांतरण को रोकता है।

वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी ने अंतिम लाभांश 2014-15 और अंतरिम लाभांश 2015-16 से संबंधित दावारहित/ अदत्त राशि आईईपीएफ को

हस्तांतरित की। दावारहित/ अदत्त लाभांश राशि वर्ष 2015-16 के लिए अंतिम लाभांश से संबंधित है और वर्ष 2016-17 के लिए अंतरिम लाभांश 2023-24 के दौरान आईईपीएफ को हस्तांतरण के कारण है। कंपनी ने अपनी वेबसाइट www.bel-india.in पर `निवेशक - लाभांश' शीर्षक से एक अलग पृष्ठ में दावारहित लाभांश का विवरण और अदत्त लाभांश का दावा करने के लिए मार्गदर्शन जानकारी पोस्ट की है। शेयरधारकों से अनुरोध है कि अदत्त/ दावारहित लाभांश का दावा करने के लिए वहां दिए गए दावा प्रपत्र का उपयोग करें। आईईपीएफ को हस्तांतरित शेयरों का विवरण आईईपीएफ और कंपनी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

आईईपीएफ को हस्तांतरित किए गए लाभांश/शेयरों के संबंध में, शेयरधारक आईईपीएफ प्राधिकरण (लेखा, लेखा परीक्षा, स्थानांतरण और वापसी) नियम, 2016 के तहत निर्धारित प्रक्रिया का पालन करके आईईपीएफ प्राधिकरण से इसका दावा कर सकते हैं।

आम सभा की बैठकें

(a) **जहां पिछली तीन एजीएम आयोजित की गई थीं उनका स्थान और समय: पिछली तीन वार्षिक आम बैठकों का विवरण इस प्रकार है-**

वित्त वर्ष	स्थान	दिनांक समय
2019-20	वीडियो कान्फ्रेंसिंग ("वीसी'')/ अन्य श्रव्य-दृश्य माध्यम ("ओएवीएम'') द्वारा	30 सितंबर 2020, सुबह 10:00 बजे
2020-21	वीडियो कान्फ्रेंसिंग ("वीसी'') / अन्य श्रव्य-दृश्य माध्यम ("ओएवीएम'') द्वारा	28 सितंबर 2021, सुबह 10:00 बजे
2021-22	वीडियो कान्फ्रेंसिंग ("वीसी'') / अन्य श्रव्य-दृश्य माध्यम ("ओएवीएम'') द्वारा	30 अगस्त 2022 सुबह 10:00 बजे

(b) **पिछले तीन एजीएम में पारिक विशेष संकल्प:** संस्था के अंतर्नियमों में पूंजी खंड में परिवर्तन और स्वतंत्र निदेशक नामत: डॉ पार्थसारथी पी वी, श्री मनसुखभाई एस खचारिया, श्री प्रफुल्ल कुमार चौधुरी, डॉ शिवनाथ यादव, डॉ संतोषकुमार एन, श्री गोकुलन बी और श्रीमती श्यामा सिंह की नियुक्ति के लिए 30 अगस्त 2022 को हुई 68वीं वार्षिक आम बैठक में पारित विशेष संकल्प।

(c) **पिछले साल पोस्टल बैलेट से पारित हुआ विशेष प्रस्ताव:** वोटिंग पैटर्न का विवरण- 2022-23 के दौरान पोस्टल बैलेट के जरिए कोई विशेष प्रस्ताव पारित नहीं किया गया।

(d) **पोस्टल बैलेट प्रयोग करने वाले व्यक्ति -** लागू नहीं।

(e) **पोस्टल बैलेट के माध्यम से प्रस्तावित विशेष संकल्प-** फिलहाल पोस्टल बैलेट के माध्यम से विशेष प्रस्ताव पारित करने का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(f) **पोस्टल बैलेट की प्रक्रिया-** लागू नहीं।

संचार के माध्यम

जैसा कि लिस्टिंग विनियमों के तहत आवश्यक है, कंपनी स्टॉक एक्सचेंजों को बोर्ड की बैठकों के लिए अग्रिम रूप से एक नोटिस जारी करती है, जिसमें गैर-लेखापरीक्षित / लेखा परीक्षित वित्तीय परिणाम विचार के लिए होते हैं। कंपनी के त्रैमासिक (अलेखापरीक्षित) और वार्षिक (लेखापरीक्षित) वित्तीय परिणाम एनएसई इलेक्ट्रॉनिक एप्लिकेशन प्रोसेसिंग सिस्टम (एनईएपीएस) और बीएसई लिस्टिंग सेंटर पर लिस्टिंग विनियमों की आवश्यकताओं के अनुसार अपलोड किए जाते हैं। स्वीकृत वित्तीय परिणाम बोर्ड की बैठक के समापन के 48 घंटों के भीतर पूरे या काफी हद तक पूरे भारत में प्रसारित होने वाले कम से कम एक अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र (फिनांश्यल एक्सप्रेस, बिसिनेस स्टैंडर्ड, बिसिनेस लाइन) में और क्षेत्रीय भाषा (कन्नड़) में प्रकाशित एक दैनिक समाचार पत्र (प्रजावाणी) में प्रकाशित किए जाते हैं, जहां कंपनी का पंजीकृत कार्यालय स्थित है और कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर भी अपलोड किया जाता है।

कंपनी स्टॉक एक्सचेंज को खुलासा करती है, सेबी विनियमों की अनुसूची छ्छ के भाग ए के साथ पठित विनियम 30 के तहत खुलासा करने के लिए आवश्यक सभी जानकारी जिसमें कंपनी के निष्पादन / संचालन या अन्य मूल्य संवेदनशील जानकारी पर असर डालने वाली सामग्री जानकारी शामिल है। आधिकारिक मीडिया विज्ञप्तियां और संस्थागत निवेशकों/विश्लेषकों को दी गई प्रस्तुतियां कंपनी की वेबसाइट पर पोस्ट की जाती हैं।

लिस्टिंग विनियमों के विनियम 46 के अनुपालन में, कंपनी अपनी वेबसाइट पर सूचना प्रसारित करती है जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ निदेशक मंडल की विभिन्न समितियों के निदेशक मंडल की संरचना, आचार संहिता, आरपीटी से निपटने की नीति, निवेशकों की शिकायतों आदि की सहायता और प्रबंधन के लिए जिम्मेदार कंपनी के नामित अधिकारी की संपर्क जानकारी शामिल है।

शेयरधारकों के लिए सामान्य जानकारी

वार्षिक आम बैठक

दिनांक - 28 अगस्त 2023

समय - सुबह 10.00 बजे (आईएसटी)

स्थान - कंपनी की 69वीं एजीएम वीसी/ओएवीएम के माध्यम से एमसीए के सामान्य परिपत्र सं. 14/2020 दिनांक 8 अप्रैल 2020,17/2020 दिनांक 13 अप्रैल 2020,20/2020 दिनांक 5 मई 2020,2/2022 दिनांक 5 मई 2022-नवीनतम दिनांक 10/2022 दिनांक 28 दिसंबर 2022 और भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) के परिपत्र सं. सेबी/एचओ/सीएफडी/पीओडी-2/ सीआईआर/2023/4 दिनांक 5 जनवरी 2023 के अनुसार आयोजित की जाएगी और इसलिए एजीएम के लिए किसी स्थल की आवश्यकता नहीं है। अधिक जानकारी के लिए, कृपया कंपनी की 69वीं एजीएम की सूचना देखें।

वित्तीय कैलेंडर 2023-24

वित्तीय वर्ष	:	1 अप्रैल 2023 से 31 मार्च 2024
पहली तिमाही के नतीजे	:	जुलाई 2023 के अंत तक
दूसरी तिमाही के नतीजे	:	अक्टूबर 2023 के अंत तक
तीसरी तिमाही के नतीजे	:	जनवरी 2024 के अंत तक
वार्षिक लेखापरीक्षित नतीजे	:	मई 2024 के अंत तक
वार्षिक आम बैठक	:	अगस्त / सितंबर 2024 तक

बही बंदी

18 अगस्त 2023 से 20 अगस्त 2023 तक (दोनों दिन सम्मिलित)।

लाभांश भुगतान तिथि

लाभांश का भुगतान घोषणा की तारीख से 30 दिनों के भीतर किया जाएगा।

स्टॉक एक्सचेंजों पर लिस्टिंग

बीईएल के शेयर वर्तमान में निम्नलिखित स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं-

(1) **बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज लिमिटेड (बीएसई)**

फीरोज जीजीवॉय टॉवर,
दलाल स्ट्रीट, लकाघोडा, फोर्ट, मुंबई - 400 001.

(2) **नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई)**

एक्सचेंज प्लाजा, प्लॉट नंबर सी/1, जी ब्लॉक
बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स, बांद्रा (ई)
मुंबई - 400 051

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए दोनों स्टॉक एक्सचेंजों को लिस्टिंग शुल्क का भुगतान किया है।

संबंधित स्टॉक एक्सचेंजों द्वारा कंपनी के इक्विटी शेयरों को सौंपा गया स्टॉक कोड और कंपनी के इक्विटी शेयरों के डीमैट व्यापार के लिए डिपॉजिटरी द्वारा सौंपा गया आईएसआईएन नंबर नीचे दिया गया है-

विवरण	
बीएसई लिमिटेड	स्टॉक कोड 500049
नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड	स्टॉक कोड बीईएल
आईएसआईएन	INE263A01024
सीआईएन	L32309KA1954GOI000787

डिपॉजिटरी को कस्टडी फीस

कंपनी ने वित्तीय वर्ष 2022-23 और 2023-24 के लिए दोनों डिपॉजिटरी, अर्थात, नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) और सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज (इंडिया) लिमिटेड (CDSL) को वार्षिक कस्टडी शुल्क का भुगतान किया है।

रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट

इंटीग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड, बेंगलुरु, सेबी पंजीकृत श्रेणी-I रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट कंपनी का रजिस्ट्रार और शेयर ट्रांसफर एजेंट (आरटीए) है इसेबी रजि. संख्या: INR000000544.आरटीए का पता सभी शेयर ट्रांसफर / ट्रांसमिशन / स्प्लिट /कॉन्सोलिडेशन / डुप्लीकेट सर्टिफिकेट जारी करने/पते के अनुरोध / डीमैटरियलाइजेशन / रीमैटरियलाइजेशन अनुरोध और संबंधित मामलों के साथ-साथ सभी लाभांश संबंधी प्रश्नों और शिकायतों आदि को अग्रेषित करने के लिए नीचे दिया गया है । कंपनी के आरटीए का पता और संपर्क विवरण: इंटीग्रेटेड रजिस्ट्री मैनेजमेंट सर्विसेज प्रा. लिमिटेड नंबर 30, रमना रेजीडेंसी, चौथा क्रॉस संपिगे रोड, मल्लेश्वरम, बेंगलूरु-560003, टेलीफोन- 080-23460815/16/17/18 फैक्स: 080 23460819 ई-मेल: irg@integratedindia.in.

शेयर ट्रांसफर सिस्टम

सेबी लिस्टिंग विनियमों के विनियम 40(1), समय-समय पर संशोधित के अनुसार, प्रतिभूतियों के ट्रांसमिशन या ट्रांसपोज़िशन के लिए प्राप्त अनुरोध के मामले को छोड़कर, प्रतिभूतियों को केवल 1 अप्रैल 2019 से डीमैट रूप में हस्तांतरित किया जा सकता है। हालांकि, शेयरधारकों को भौतिक रूप में शेयर रखने से रोक नहीं है। भौतिक रूप में शेयर धारित करने वाले सदस्यों से अनुरोध है कि वे अपनी धारिता को डीमटेरियलाइज रूप में परिवर्तित करने पर विचार करें। इलेक्ट्रॉनिक रूप में इक्विटी शेयरों का हस्तांतरण कंपनी की भागीदारी के बिना डिपॉजिटरी के माध्यम से किया जाता है।

शेयरों और लिक्विडिटी का डीमटेरियलाइजेशन

कंपनी के शेयरों का बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) पर अनिवार्य रूप से डीमैट रूप में कारोबार किया जाता है। 31 मार्च 2023 तक, कंपनी के कुल इक्विटी शेयरों में से 99.99% एनएसडीएल और सीडीएसएल के पास डीमैट रूप में निवेशकों के पास हैं। डिपॉजिटरी सिस्टम के तहत, कंपनी के शेयरों को आवंटित अंतरराष्ट्रीय प्रतिभूति पहचान संख्या (आईएसआईएन) आईएनई263A01024 है

कंपनी के शेयर काफी लिक्विड हैं और बीएसई और एनएसई में सक्रिय रूप से कारोबार कर रहे हैं। वित्त वर्ष 2022-23 के टर्नओवर के प्रासंगिक आंकड़े नीचे दिए गए हैं-

विवरण	बीएसई	एनएसई	कुल
कारोबार किए गए शेयरों की संख्या	15,83,24,564	321,10,23,273	3,36,93,47,837
मूल्य (₹ लाख में)	2,29,374	47,02,798	49,32,172

बाजार मूल्य डेटा

बीएसई लिमिटेड (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनएसई) में कंपनी के शेयरों के उच्च/निम्न बाजार मूल्यों का विवरण निम्नानुसार है।

अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 तक बीएसई सेंसेक्स की तुलना में बीएसई पर बीईएल शेयर की कीमत-

महीना	बीएसई सेंसेक्स बंद	बीईएल शेयर मूल्य उच्च (₹ में)	निम्न (₹ में)	बंद (₹ में)	ट्रेड किए गए शेयरों की संख्या	कारोबार (₹ लाख में)
अप्रैल 2022	57,061	259.50	210.35	238.00	1,16,60,538	27,970
मई 2022	55,566	240.20	215.80	234.60	82,29,930	19,064
जून 2022	53,019	250.40	223.65	234.10	40,72,390	9,755
जुलाई 2022	57,570	276.95	224.25	275.05	75,70,343	19,063
अगस्त 2022	59,537	312.05	267.25	306.50	79,21,366	22,732
सितंबर 2022*	57,427	341.25	96.30	101.00	1,82,42,168	29,603
अक्तूबर 2022	60,747	109.20	98.00	106.80	2,57,35,337	26,749
नवंबर 2022	63,100	112.20	104.15	105.10	1,65,54,251	17,920
दिसंबर 2022	60,841	108.45	94.75	99.95	1,51,36,249	15,355
जनवरी 2023	59,550	104.00	87.00	94.95	1,49,15,004	14,383
फरवरी 2023	58,962	98.65	88.30	94.65	1,48,06,507	14,058
मार्च 2023	58,992	98.35	89.68	97.55	1,34,80,481	12,721

वर्ष 2022-23 के दौरान बीएसई सेंसेक्स की बंद स्थिति के साथ बीएसई पर कंपनी के शेयर मूल्य के बंद कोटेशन की तुलना निम्नलिखित ग्राफ में प्रस्तुत की गई है-

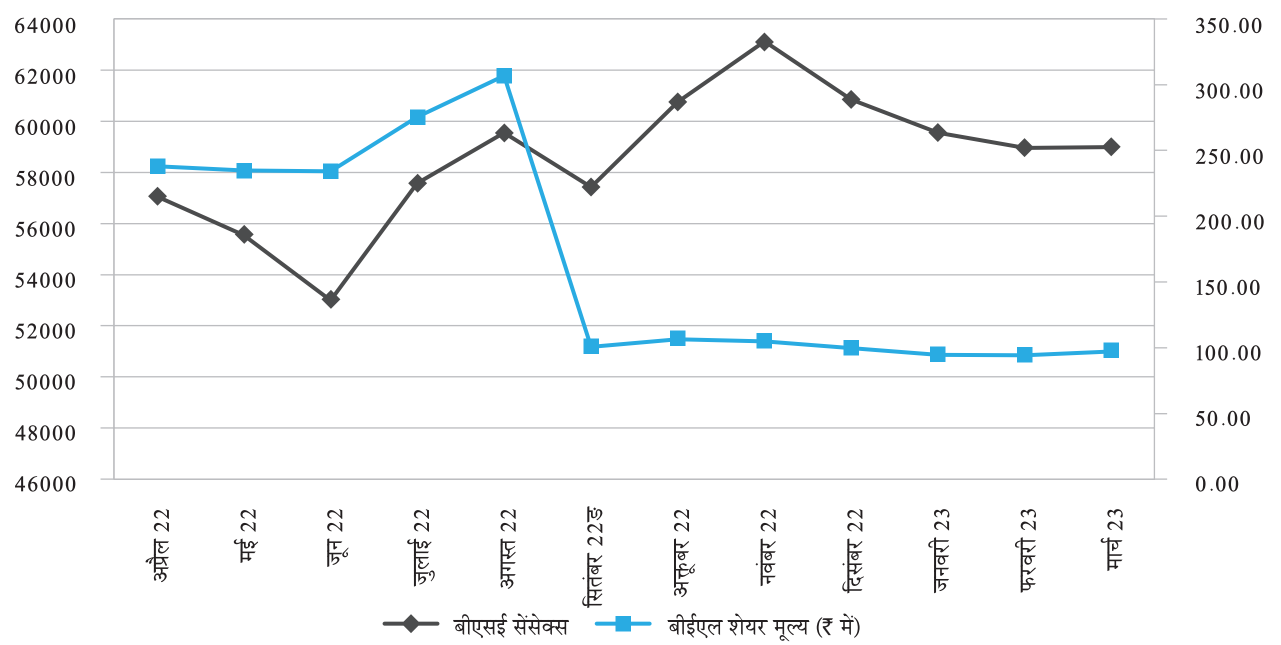

नोट*- प्रत्येक एक शेयर पर दो बोनस शेयर सितंबर 2022 में जारी किए गए। इसके परिणामस्वरूप, कंपनी का शेयर मूल्य दिनांक 15 सितंबर 2022 से तदनुसार समायोजित किया गया।

अप्रैल, 2022 से मार्च, 2023 तक एनएसई निफ्टी की तुलना में एनएसई पर बीईएल शेयर की कीमत-

महीना	बीएसई सेंसेक्स बंद	बीईएल शेयर मूल्य उच्च (₹ में)	बीईएल शेयर मूल्य निम्न (₹ में)	बीईएल शेयर मूल्य बंद (₹ में)	ट्रेड किए गए शेयरों की संख्या	कारोबार (₹ लाख में)
अप्रैल 2022	17,103	259.50	210.25	238.55	25,22,40,054	6,02,556
मई 2022	16,585	240.20	215.75	234.75	11,48,88,383	2,63,062
जून 2022	15,780	250.45	223.70	234.10	11,37,37,730	2,71,905
जुलाई 2022	17,158	276.90	224.15	275.20	17,99,87,083	4,56,182
अगस्त 2022	17,759	311.85	267.25	306.50	17,42,09,037	5,03,347
सितंबर 2022*	17,094	341.60	96.25	100.95	42,80,60,830	6,51,813
अक्तूबर 2022	18,012	109.20	98.10	106.85	30,17,62,899	3,16,052
नवंबर 2022	18,758	112.20	104.15	105.10	37,88,18,677	4,09,071
दिसंबर 2022	18,105	108.40	94.65	99.90	32,03,60,530	3,26,785
जनवरी 2023	17,662	104.00	87.00	94.95	32,64,24,758	3,15,683
फरवरी 2023	17,304	98.65	88.30	94.60	31,19,50,771	2,95,641
मार्च 2023	17,360	98.45	89.65	97.55	30,85,82,521	2,90,699

वर्ष 2022-23 के दौरान एनएसई निफ्टी की क्लोजिंग पोजीशन के साथ एनएसई पर कंपनी के शेयर की कीमत के क्लोजिंग कोटेशन की तुलना निम्नलिखित ग्राफ में प्रस्तुत की गई है-

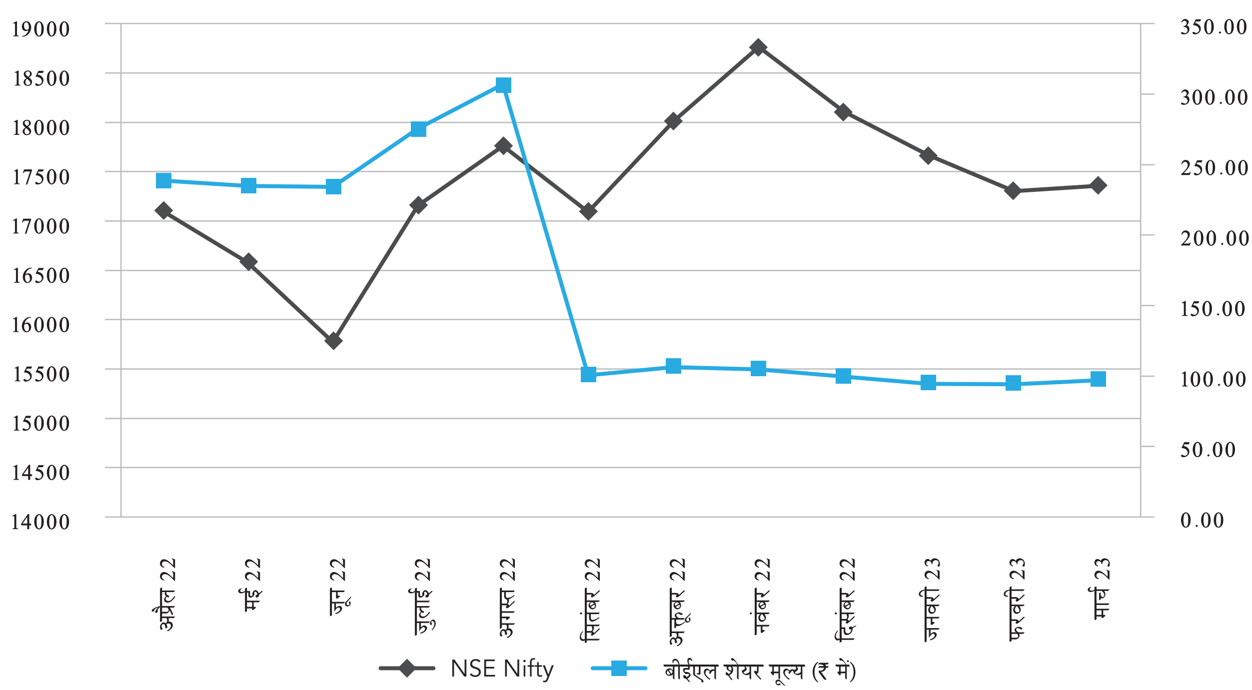

नोट* - प्रत्येक एक शेयर पर दो बोनस शेयर सितंबर 2022 में जारी किए गए। इसके परिणामस्वरूप, कंपनी का शेयर मूल्य दिनांक 15 सितंबर 2022 से तदनुसार समायोजित किया गया।

31 मार्च 2023 तक श्रेणी-वार शेयरधारकों का पैटर्न

क्र.	श्रेणी	शेयरधारकों की संख्या	शेयरों की संख्या	होल्डिंग का %
1	केन्द्र सरकार	1	3,73,79,21,934	51.14
2	म्युचुअल फंड / यूटीआई	239	1,46,73,82,940	20.07
3	वित्तीय संस्थान / बैंक	5	61,38,900	0.08
4	वैकल्पिक निवेश कोष	22	91,45,468	0.13
5	बीमा कंपनी	73	30,23,99,545	4.14
6	विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक	698	1,20,04,08,567	16.42
7	भविष्य निधि / पेंशन निधि	29	7,89,86,045	1.08
8	आरबीआई के साथ पंजीकृत NBFCs	7	38,690	0.00
9	निकाय कॉर्पोरेट	1895	3,26,31,497	0.45
10	व्यक्ति	766102	44,84,11,706	6.14
11	न्यास	43	30,43,982	0.04
12	एनआरआई	10953	2,20,55,691	0.30
13	विदेशी व्यक्ति	0	0	0.00
14	समाशोधन सदस्य	143	11,46,304	0.02
15	निवेशक शिक्षण और संरक्षण कोष प्राधिकरण कॉर्पोरेट मंत्रालय	1	67,560	0.00
	कुल	**7,80,211**	**7,30,97,78,829**	**100.00**

31 मार्च 2023 तक शीर्ष 10 शेयरधारक (प्रवर्तकों के अलावा) (पैन के आधार पर)

क्र.	शेयरधारक का नाम	शेयरों की संख्या	होल्डिंग का %
1	सीपीएसई एक्सचेंज ट्रेडेड स्कीम (सीपीएसई ईटीएफ)	31,13,54,967	4.26
2	कोटक फ्लेक्सीकैप फंड	25,41,82,339	3.48
3	एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लि. - एकाउंट एचडीएफसी मिड-कैप अपार्च्युनिटीज़ फंड	22,53,28,460	3.08
4	केनरा रोबेको म्युचुअल फंड एकाउंट केनरा रोबेको एमर्जिंग इक्विटी	9,13,67,449	1.25
5	एनपीएस ट्रस्ट - एकाउंट एसबीआई पेंशन फंड स्कीम - राज्य सरकार	7,89,86,045	1.08
6	डीएसपी फ्लेक्सी कैप फंड	7,48,22,745	1.02
7	एमआईआरएई असेट मिडकैप फंड	7,26,49,544	0.99
8	मैक्स लाइफ इंश्योरेंस कं. लि. एकाउंट पार्टिसिपेटिंग फंड	6,40,43,303	0.88
9	फिडेलिटी इनवेस्टमेंट ट्रस्ट फिडेलिटी सिरीज़ एमर्जिंग मार्केट्स अपार्चुनिटीज़ फंड	6,24,65,900	0.85
10	भारत 22 ईटीएफ	6,14,90,902	0.84

31 मार्च 2023 तक शेयरधारिता का वितरण

धारित इक्विटी शेयरों की संख्या	शेयरधारकों की संख्या	%	शेयरों की संख्या	%
500 तक	6,39,492	81.96	7,27,28,196	0.99
501 - 1,000	63,821	8.18	4,80,00,502	0.66
1,001 - 2,000	37,232	4.77	5,46,17,138	0.75
2,001 - 3,000	14,561	1.87	3,77,23,921	0.52
3,001 - 4,000	6,639	0.85	2,36,36,298	0.32
4,001 - 5,000	4,417	0.57	2,04,55,140	0.28
5,001 - 10,000	7,718	0.99	5,55,53,939	0.76
10,001 और उससे अधिक	6,331	0.81	6,99,70,63,695	95.72
कुल	**7,80,211**	**100.00**	**7,30,97,78,829**	**100.00**

बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई कन्वर्टीबल इंस्ट्रुमेंट, रूपांतरण तिथि और इक्विटी पर संभावित प्रभाव-

कंपनी ने अतीत में कोई जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई कन्वर्टीबल इंस्ट्रुमेंट जारी नहीं किया है और इसलिए, 31 मार्च 2023 तक, कंपनी के पास कोई बकाया जीडीआर/एडीआर/वारंट या कोई कन्वर्टीबल इंस्ट्रुमेंट नहीं है।

कमोडिटी मूल्य जोखिम या विदेशी मुद्रा जोखिम और हैजिंग गतिविधियां- विवरण वार्षिक रिपोर्ट में खातों की टिप्पणियों के नोट संख्या 34 में खुलासा किया गया है।

संयंत्र स्थान

1. जालहल्ली पोस्ट, बेंगलुरु - 560013 (कर्नाटक)।
2. साइट IV, साहिबाबाद औद्योगिक क्षेत्र, भारत नगर पोस्ट, गाजियाबाद - 201010 (उत्तर प्रदेश)।
3. प्लॉट नंबर 405, इंडस्ट्रियल एरिया, फेज III, पंचकूला - 134113 (हरियाणा)।
4. बलभद्रपुर, जिला पौड़ी गढ़वाल, कोटद्वार - 246149, (उत्तराखंड)।
5. प्लॉट नंबर L-1, एमआईडीसी इंडस्ट्रियल एरिया, नवी मुंबई - 410208।
6. एनडीए रोड, पाषाण, पुणे - 411021 (महाराष्ट्र)।
7. इंडस्ट्रियल एस्टेट, नाचारम, हैदराबाद - 500076 (तेलंगाना)।
8. पोस्ट बॉक्स नंबर 26, रवींद्रनाथ टैगोर रोड, मछलीपट्टनम - 521001 (आंध्र प्रदेश)
9. पोस्ट बॉक्स नंबर 981, नंदमबक्कम, चेन्नई - 600089 (तमिलनाडु)

पत्रव्यवहार हेतु पता

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
पंजीकृत कार्यालय और कॉर्पोरेट कार्यालय,
आउटर रिंग रोड, नागवारा, बेंगलुरु - 560045
टेलीफोन- (080) 25039300, फैक्स- (080) 25039233
ई-मेल- secretary@bel.co.in
वेबसाइट- www.bel-india.in

क्रेडिट रेटिंग

ICRA (क्रेडिट रेटिंग एजेंसी) ने कंपनी की निम्नलिखित क्रेडिट रेटिंग की पुष्टि की है-

(i) क्रेडिट की निधि आधारित सीमा 500 करोड़ रु. और दीर्घावधि - अनआवंटित 300 करोड़ रु. के लिए डआईसीआरए.की दीर्घावधि रेटिंग एएए (घोषित आईसीआरए ट्रिपल ए)।

(ii) क्रेडिट की गैर-निधि आधारित सीमा 4,500 करोड़ ₹ के लिए [आईसीआरए] की अल्पावधि रेटिंग ए 1+ (घोषित आईसीआरए ए वन प्लस)।

दीर्घावधि रेटिंग पर आउटलुक `स्थिर' है। ये रेटिंग दीर्घ और अल्प अवधि में उच्चतम क्रेडिट गुणवत्ता दर्शाती हैं। इन श्रेणियों में रेटेड दस्तावेजों में दीर्घावधि और अल्पावधि में सबसे कम क्रेडिट जोखिम होता है। ये रेटिंग 1 मार्च, 2024 तक वैध हैं।

अन्य खुलासे -

(a) कंपनी ऐसे किसी भी महत्वपूर्ण संबंधित पार्टी लेनदेन में शामिल नहीं हुई है जिससे बड़े पैमाने पर कंपनी के हितों के साथ संभावित टकराव हो सकता है। वित्तीय वर्ष के दौरान संबंधित पार्टियों के साथ किए गए लेन-देन व्यवसाय के सामान्य क्रम में और स्वतंत्र संव्यहार के आधार पर थे और लेखापरीक्षा समिति द्वारा अनुमोदित किए गए थे। फिर भी, संबंधित पक्षों के साथ लेनदेन का खुलासा वार्षिक रिपोर्ट में खातों की टिप्पणियों के नोट संख्या 31 में किया गया है। संबंधित पार्टी लेनदेन के लिए बोर्ड की अनुमोदित नीति को कंपनी की वेबसाइट https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527 पर रखा गया है और इसे देखा जा सकता है।

(b) पिछले तीन वर्षों के दौरान पूंजी बाजार से संबंधित किसी भी मामले पर कंपनी द्वारा गैर-अनुपालन, स्टॉक एक्सचेंज (जों) या बोर्ड या किसी वैधानिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी पर लगाए गए दंड का विवरण;

एनएसई और बीएसई ने विनियमन 17 (1) के प्रावधान - एक स्वतंत्र महिला निदेशक सहित पर्याप्त संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति, 18(1) एंड (2) - लेखा परीक्षा समिति की संरचना और कोरम तथा 19(1) एंड (2) नामांकन और पारिश्रमिक समिति की संरचना का पालन न करने पर जुर्माना लगाया है। बोर्ड ने सुझाव दिया कि एनएसई और बीएसई को डीपीई दिशानिर्देशों के अनुसार कंपनी द्वारा अपनाई जाने वाली निदेशकों की नियुक्ति की प्रक्रिया के बारे में सूचित किया जाना चाहिए कि सरकारी कंपनी होने के नाते स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा की जाती है। इसलिए, एनएसई और बीएसई द्वारा बीईएल पर लगाए गए दंड को माफ किया जा सकता है। तदनुसार, बीएसई और एनएसई को जवाब भेजा गया था और कोई जुर्माना नहीं दिया गया है।

जनवरी 2021 और जून 2021 माह में हुई लेखापरीक्षा समिति की दो बैठकों के बीच का अंतर विनियम 18(2) के परिप्रेक्ष्य में 120 दिनों से अधिक था। कंपनी द्वारा सूचित किया गया कि कोविड-19 वैश्विक महामारी की मौजूदा स्थिति, राज्य में प्रतिबंध / लॉक डाउन और निदेशकों की अनुपलब्धता के कारण लेखापरीक्षा समिति की बैठक पिछली बैठक की तारीख से 120 दिनों के भीतर नहीं की जा सकी।

एनएसई और बीएसई ने 31 मार्च 2022 को समाप्त अर्ध वार्षिक के लिए संबंधित पक्षकार के लेनदेन का प्रकटण करने में हुई देरी के लिए जुर्माना

लगाया है। कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया कि यह देरी स्टॉक एक्सचेंजों से XBRL यूटिलिटी उपलब्ध न होने कारण हुई थी, तदनुसार कंपनी ने जुर्माने को माफ करने का अनुरोध किया था।

(c) कंपनी ने एक सतर्क तंत्र स्थापित किया है और निदेशकों और कर्मचारियों के लिए अनैतिक व्यवहार, वास्तविक या संदिग्ध धोखाधड़ी या कंपनी की व्यावसायिक आचार संहिता और नैतिकता नीति के उल्लंघन के बारे में चिंताओं की रिपोर्ट करने के लिए एक व्हिसल ब्लोअर नीति अपनाई है। कर्मचारियों को अपनी किसी भी चिंता को व्हिसल बजाकर उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है और किसी भी कर्मचारी को लेखा परीक्षा समिति तक पहुंच से वंचित नहीं किया गया है। व्हिसल ब्लोअर पॉलिसी कंपनी की वेबसाइट www.bel-india.in पर उपलब्ध है।

(d) वर्ष 2022-23 के दौरान, निदेशक मंडल ने अपनी समितियों की उन सभी सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है जिनकी अनिवार्य रूप से आवश्यकता थी।

(e) लिस्टिंग विनियमों के विनियम 32 (7ए) में निर्दिष्ट अनुसार कंपनी ने अधिमान्य आवंटन या योग्य संस्थानों के प्लेसमेंट के माध्यम से कोई धन नहीं जुटाया है।

(f) कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों द्वारा सांविधिक लेखापरीक्षक और नेटवर्क में सभी संस्थाओं फर्म/नेटवर्क यूनिट, जिसका सांविधिक लेखापरीक्षक एक हिस्सा है, को वर्ष 2022-23 के दौरान समेकित आधार पर सभी सेवाओं के लिए भुगतान किए गए कुल शुल्क का विवरण नीचे दिया गया है-

विवरण	राशि (₹ लाख में)
लेखा - परीक्षण शुल्क	37
कर लेखा परीक्षा शुल्क	6
अन्य सेवाएं	10
व्यय की प्रतिपूर्ति	9
कुल	**62**

(g) वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान यौन उत्पीड़न से संबंधित दायर, निपटाए गए और लंबित शिकायतों का विवरण बोर्ड की रिपोर्ट से जुड़ी व्यावसायिक जिम्मेदारी और संधारणीय रिपोर्ट में दिया गया है।

(h) इसके व्यवसाय से प्रत्यक्ष रूप से संबंधित या उसके आनुषंगिक व्यय के अलावा अन्य कोई भी मद को बहीखातों में डेबिट नहीं किया गया है, जो इसके कर्मचारियों/पूर्व कर्मचारियों के कल्याण के लिए, इसके कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व को पूरा करने के लिए खर्च की गई थी।

(i) निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए किए गए खर्च कंपनी के नियमों के तहत अनुमत वेतन, भत्ते, अनुलाभ, लाभ और बैठक शुल्क की प्रकृति में हैं। निदेशक मंडल और शीर्ष प्रबंधन के लिए कोई अन्य खर्च नहीं किया गया है, जो प्रकृति में व्यक्तिगत हैं।

(j) कुल व्यय के प्रतिशत के रूप में प्रशासनिक और कार्यालय व्यय और वृद्धि के कारण, यदि कोई हो।

वर्ष 2022-23 के लिए प्रशासनिक और कार्यालय खर्च कुल खर्च का 2.74% था, जो पिछले वर्ष में 2.51% था।

(k) कंपनी ने ऐसी फर्म/कंपनी को कोई ऋण या अग्रिम राशि नहीं दी है जिसमें निदेशक इच्छुक हों।

विवेकाधीन गैर-अनिवार्य प्रावधानों का अनुपालन

लिस्टिंग विनियमों में गैर-अनिवार्य अनुशंसाओं के अनुपालन की स्थिति निम्नानुसार है:

- कंपनी के पास अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक (कार्यकारी) का पद है और कोई गैर-कार्यकारी अध्यक्ष नहीं है।
- शेयरधारकों के साथ संवाद करने की प्रक्रिया बहुत मजबूत है और प्रक्रिया को 'संचार के साधन' के तहत स्पष्ट किया गया है।
- कंपनी के वित्तीय विवरणों को असंशोधित लेखापरीक्षा राय के साथ प्रकट किया जाता है।
- आंतरिक लेखा परीक्षा के प्रमुख सीधे अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक को रिपोर्ट करते हैं और लेखा परीक्षा समिति की बैठक में एक स्थायी आमंत्रित व्यक्ति होते हैं।

अनुपालन

कंपनी ने विनियमों के विनियम 46 के उप-विनियम (2) के विनियम 17 से 27 और खंड (बी) से (i) में निर्दिष्ट आवश्यकताओं और सीपीएसई के लिए कॉर्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों की सभी अनिवार्य आवश्यकताओं का विधिवत अनुपालन किया है। कंपनी स्टॉक एक्सचेंजों और सरकार को कॉरपोरेट गवर्नेंस पर तिमाही अनुपालन रिपोर्ट भी प्रस्तुत करती रही है। जैसा कि स्टॉक एक्सचेंजों के साथ लिस्टिंग विनियमों के तहत आवश्यक है, कंपनी द्वारा कॉरपोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन पर लेखा परीक्षकों का प्रमाणपत्र इस रिपोर्ट के साथ संलग्न है।

बोर्ड की ओर से

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलुरु
1 अगस्त 2023

निदेशकों की गैर-अयोग्यता का प्रमाण पत्र

(सेबी (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के विनियम 34(3) और
अनुसूची V पैरा सी खंड (10)(i) के अनुसरण में)

सेवा में
सदस्यगण
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
आउटर रिंग रोड, नागवारा
बेंगलुरु - 560045, कर्नाटक

भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 की अनुसूची ₹ पैरा-सी उप खंड 10(ग) के साथ पठित विनियम 34(3) के अनुसरण में, हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, जिनके पास सीआईएन L32309KA1954GOI000787 है और जिनका पंजीकृत कार्यालय आउटर रिंग रोड, नागवारा, बेंगलुरु - 560045, कर्नाटक (अबसे 'कंपनी' कहा जाएगा) में है के निदेशकों से प्राप्त विवरणी और प्रकटीकरण, प्रासंगिक रजिस्टरों, अभिलेखों, प्रपत्रों की जांच की है जिन्हें इस प्रमाणपत्र को जारी करने के लिए कंपनी द्वारा हमारे सामने प्रस्तुत किया गया है।

कंपनी के निदेशकों से प्राप्त लिखित प्रकटीकरण/घोषणाओं के आधार पर और यथावश्यक सत्यापन के अनुसार (पोर्टल www.mca.gov.in पर निदेशक मास्टर डेटा और डीआईएन स्थिति) और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार, हम एतद्द्वारा प्रमाणित करते हैं कि कंपनी के निदेशक मंडल में नीचे दर्शाए अनुसार 31 मार्च, 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी के निदेशकों में से किसी को भी भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड, कॉर्पोरेट मामलों का मंत्रालय, या ऐसा कोई अन्य सांविधिक प्राधिकरण द्वारा कंपनी के निदेशक के रूप में नियुक्त या जारी रखने से वंचित या अयोग्य नहीं ठहराया गया है।

क्र. सं.	निदेशक का नाम	डीआईएन	पद	कंपनी में नियुक्ति की तिथि
1	श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव	09578183	पूर्णकालिक निदेशक	20/04/2022
2	श्री विनय कुमार कत्याल	08281078	पूर्णकालिक निदेशक	27/11/2018
3	श्री मनोज जैन	09749046	पूर्णकालिक निदेशक	26/09/2022
4	श्री दामोदर एस भट्टड	09780732	पूर्णकालिक निदेशक	11/01/2023
5	श्री टी नटराजन	00396367	सरकार नामित निदेशक	02/01/2023
6	डॉ. बिनोय कुमार दास	09660260	सरकार नामित निदेशक	04/07/2022
7	डॉ वेंकट पार्थसारथी पोडाला	06400408	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
8	श्री मनसुखभाई एस खचारिया	01423119	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
9	डॉ एन संतोष कुमार	09451052	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
10	श्री प्रफुल्ला कुमार चौधुरी	00871919	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
11	डॉ. शिव नाथ यादव	09450917	स्वतंत्र निदेशक	28/12/2021
12	श्री गोकुलन बंगकंडी	09473378	स्वतंत्र निदेशक	20/01/2022
13	सुश्री श्यामा सिंह*	09495164	स्वतंत्र निदेशक	07/02/2022

* एमसीए रिकॉर्ड के अनुसार, नाम श्रीमती श्यामाकुमारी (मूलनाम) है।

कृते तिरुपाल गोरिगे एंड एसोसिएट्स एलएलपी
पेशेवर कंपनी सचिव

सीएस तिरुपाल गोरिगे
पदनामित साझेदार
एफसीएस नंबर 6680; सीपी नंबर 6424
यूडीआईएन-F006680E000341256

स्थान: बेंगलुरु
दिनांक: 20 मई 2023

व्यावसायिक आचार संहिता और नैतिकता के अनुपालन की घोषणा

सेबी (एलओडीआर) विनियम, 2015 के तहत प्रासंगिक प्रावधानों और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के दिशानिर्देशों के अनुसार केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कार्पोरेट गवर्नेंस पर दिशानिर्देश, जैसा कि डीपीई के कार्यालय ज्ञापन संख्या 18(8)/2005-जीएम दिनांक 22 जून 2007 में निहित है, कंपनी के सभी बोर्ड सदस्यों और वरिष्ठ प्रबंधन कर्मियों ने 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए बोर्ड के सदस्यों, केएमपी और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के वरिष्ठ प्रबंधन के लिए व्यावसायिक आचरण संहिता और नैतिकता के अनुपालन की पुष्टि की है।

बोर्ड की ओर से

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

गुवाहाटी
20 मई 2023

सीईओ और सीएफओ द्वारा ड्राफ्ट सर्टिफिकेट

सेबी (सूचीबद्धता दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 के उद्देश्य के लिए और कार्पोरेट गवर्नेंस पर डीपीई दिशानिर्देशों के तहत आवश्यकता के रूप में

सेवा में
निदेशक मंडल
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड

हम यहां प्रमाणित करते हैं- :

(a) हमने 31 मार्च 2023 को समाप्त अवधि के लिए वित्तीय विवरण और नकद प्राप्ति विवरण की समीक्षा की है और हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार-

- (i) इन परिणामों में कोई तथ्यात्मक रूप से असत्य कथन नहीं है या किसी भी तथ्यात्मक बिंदु को छोड़ा नहीं गया है या ऐसे कथन शामिल नहीं हैं जो भ्रामक हो सकते हैं;
- (ii) ये परिणाम कुल मिलाकर कंपनी के मामलों का सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं और मौजूदा भारतीय लेखा मानकों, लागू कानूनों और विनियमों के अनुपालन में हैं।

(b) हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार, वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा कोई भी ऐसा लेनदेन नहीं किया गया जो कपटपूर्ण, अवैध या कंपनी की आचार संहिता का उल्लंघन हो।

(c) हम वित्तीय रिपोर्टिंग के लिए आंतरिक नियंत्रण स्थापित करने और बनाए रखने की जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं और हमने वित्तीय रिपोर्टिंग से संबंधित कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की प्रभावशीलता का मूल्यांकन किया है और हमने लेखा परीक्षकों और प्रबंधन को इस तरह के आंतरिक नियंत्रण के डिजाइन या संचालन में कमियों, यदि कोई हों, जिनके बारे में हम जानते हैं और इन कमियों को दूर करने के लिए हमने जो कदम उठाए हैं या उठाने का प्रस्ताव किया है उनका खुलासा किया है।

(d) हमने लेखा परीक्षकों और प्रबंधन को निम्न के बारे में इंगित किया है-

- (i) इस अवधि के दौरान वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक नियंत्रण में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन;
- (ii) इस अवधि के दौरान लेखांकन नीतियों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन और;
- (iii) वित्तीय रिपोर्टिंग पर कंपनी की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले प्रबंधन या कर्मचारी की महत्वपूर्ण धोखाधड़ी के किसी भी उदाहरण के बारे में हमें पता चला हो और उसमें भागीदारी, यदि कोई हो।

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) और सीएफओ

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

गुवाहाटी
20 मई 2023

कार्पोरेट गवर्नेंस पर स्वतंत्र लेखा परीक्षक का प्रमाण पत्र

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 की अनुसूची V के खंड ई के अनुसार

सेवा में,
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यगण,

हमने 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ('कंपनी') द्वारा कार्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन की जांच विनियम 17 से 27, विनियम 46(2) के खंड (बी) से (i) और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (लिस्टिंग दायित्व और प्रकटीकरण आवश्यकताएं) विनियम, 2015 ('लिस्टिंग विनियम') और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कॉर्पोरेट प्रशासन पर दिशानिर्देश के अनुसार की है।

प्रबंधन की जिम्मेदारी

कार्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन कंपनी के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। लिस्टिंग विनियमों में निर्धारित कॉर्पोरेट प्रशासन की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी में आंतरिक नियंत्रण और प्रक्रियाओं का डिजाइन, कार्यान्वयन और बनाए रखना शामिल है।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी कार्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए कंपनी द्वारा अपनाई गई प्रक्रियाओं और उसके कार्यान्वयन की जांच करने तक सीमित है। यह न तो ऑडिट है और न ही कंपनी के वित्तीय विवरणों पर राय की अभिव्यक्ति है।

हमने इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा विशेष प्रयोजन के लिए रिपोर्ट या सर्टिफिकेट पर जारी गाइडेंस नोट के अनुसार कंपनी के प्रासंगिक रिकॉर्ड की जांच की है।

गाइडेंस नोट्स के लिए आवश्यक है कि हम भारतीय चार्टर्ड एकाउंटेंट संस्थान द्वारा जारी आचार संहिता की नैतिक आवश्यकताओं का अनुपालन करें। हमने उन फर्मों के लिए गुणता नियंत्रण पर मानक की प्रासंगिक लागू आवश्यकताओं का अनुपालन किया है जो ऐतिहासिक वित्तीय जानकारी, और अन्य आश्वासन और संबंधित सेवाओं के जुड़ाव की ऑडिट और समीक्षा करती हैं।

राय

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम सूचना के अनुसार और कंपनी के प्रबंधन द्वारा दिए गए स्पष्टीकरण के अनुसार, हम एतद्द्वारा यह प्रमाणित करते हैं कि कंपनी ने केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के लिए कार्पोरेट गवर्नेंस संबंधी केंद्र सरकार द्वारा जारी विनियमों और सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) के अनुसूची ऽ के विनियम 17 से 27, विनियम 46 (2) के खंड (बी) से (आई) और पैरा सी और डी के खंड (सी) और पैरा सी और डी में वर्णित कार्पोरेट गवर्नेंस की शर्तों का अनुपालन किया है।

अन्य मामले और उपयोग पर प्रतिबंध

यह रिपोर्ट न तो कंपनी की भावी व्यवहार्यता का आश्वासन है और न ही उस दक्षता या प्रभावशीलता के बारे में जिसके साथ प्रबंधन ने कंपनी के मामलों का संचालन किया है।

यह रिपोर्ट कंपनी के सदस्यों को पूरी तरह से लिस्टिंग विनियमों और लागू दिशानिर्देशों के तहत अपने दायित्वों का पालन करने में सक्षम बनाने के उद्देश्य से प्रदान की जाती है और किसी अन्य व्यक्ति द्वारा या किसी अन्य उद्देश्य के लिए इसका उपयोग नहीं किया जाना चाहिए। तदनुसार, हम किसी भी दायित्व या देखभाल के किसी भी कर्तव्य या किसी अन्य उद्देश्य के लिए या किसी अन्य पार्टी को जिसे यह दिखाया गया है या जिसके हाथों में यह हमारी पूर्व सहमति के बिना हो सकता है, को स्वीकार या ग्रहण नहीं करते हैं। इस रिपोर्ट की तारीख के बाद होने वाली घटनाओं और परिस्थितियों के लिए इस रिपोर्ट को अपडेट करने की हमारी कोई जिम्मेदारी नहीं है।

कृते गुरु एंड जाना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण संख्या: 006826एस

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता संख्या- 215205
यूडीआईएन- 23215205BGUXCS3210

गुवाहाटी
20 मई 2023

अनुलग्नक - 6

कारोबारी उत्तरदायित्व और संधारणीयता रिपोर्टिंग प्रारूप

खंड ए - सामान्य प्रकटीकरण

I. सूचीबद्ध इकाई का विवरण -

1.	सूचीबद्ध इकाई की कॉर्पोरेट पहचान संख्या (सीआईएन)	:	L32309KA1954GOI000787
2.	सूचीबद्ध इकाई का नाम	:	भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
3.	निगमन का वर्ष	:	1954
4.	पंजीकृत कार्यालय का पता	:	आउटर रिंग रोड, नागवारा, बेंगलूरू -560045
5.	कॉर्पोरेट पता	:	आउटर रिंग रोड, नागवारा, बेंगलूरू -560045
6.	ई-मेल	:	secretary@bel.co.in
7.	टेलीफोन	:	080-25039300
8.	वेबसाइट	:	www.bel-india.in
9.	रिपोर्ट का वित्तीय वर्ष	:	2022-23
10.	स्टॉक एक्सचेंजेज़ के नाम जहां शेयर सूचीबद्ध हैं	:	1. बीएसई लिमिटेड और 2. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इंडिया लिमिटेड
11.	चुकता पूंजी	:	7,30,97,78,829

12. बीआरएसआर रिपोर्ट पर किसी भी पूछताछ के लिए व्यक्ति का नाम और संपर्क विवरण (टेलीफोन, ईमेल पता):

श्री एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
पंजीकृत और कॉर्पोरेट कार्यालय, आउटर रिंग रोड,
नागवारा, बेंगलूरू - 560045
टेलीफ़ोन: 080-25039266
ई-मेल: secretary@bel.co.in

13. रिपोर्टिंग सीमा - क्या इस रिपोर्ट के तहत प्रकटीकरण स्टैंडअलोन आधार पर किए गए हैं (अर्थात केवल स्वत्व के लिए) या समेकित आधार पर (यानी स्वत्व और सभी स्वत्वों के लिए एक साथ, जो इसके समेकित वित्तीय विवरणों का एक हिस्सा हैं,) - स्टैंडअलोन आधार.

II. उत्पाद और सेवाएं:

14. व्यावसायिक गतिविधियों का विवरण (कारोबार का 90 प्रतिशत हिस्सा) -

क्र. सं.	मुख्य गतिविधि का विवरण	व्यावसायिक गतिविधि का विवरण	स्वत्व के कारोबार का %
1	विनिर्माण	सामरिक इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों/प्रणालियों की व्यापक श्रेणी की डिजाइनिंग, विकास, निर्माण और आपूर्ति	89.97
2	सेवाएं	कंपनी द्वारा प्रदत्त उत्पादों / प्रणालियों की संस्थापना, मरम्मत और रखरखाव, एएमसी अनुबंध	10.03

15. स्वत्व द्वारा बेचे गए उत्पाद/सेवाएं (स्वत्व के कारोबार का 90 प्रतिशत हिस्सा) -

क्र. सं.	उत्पाद/सेवा	एनआईसी कोड	कुल कारोबार का %
1	हथियार प्रणालियां	2927	2022-23 के लिए रक्षा के लिए आपूर्ति कारोबार में 89% का योगदान
2	संचार प्रणालियां	2630	
3	इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणालियां	2008	

III. संचालन:

16. उन स्थानों की संख्या जहां स्वत्व के संयंत्र और/या संचालन/कार्यालय स्थित हैं:

स्थान	संयंत्रों की संख्या	कार्यालयों की संख्या	कुल
राष्ट्रीय	12 (9 उत्पादन इकाइयां और 3 आर एंड डी)	25	37
अंतरराष्ट्रीय	-	6	6

17. स्वत्व द्वारा जिन बाजारों को सेवा दी जाती है:

ए. स्थानों की संख्या -

स्थान	संख्या
राष्ट्रीय (राज्यों की संख्या)	हमारे उत्पाद की पहुंच हमारे रक्षा बलों / गैर-रक्षा ग्राहकों के माध्यम से पूरे भारतीय क्षेत्र तक है
अंतर्राष्ट्रीय (देशों की संख्या)	12

बी. स्वत्व के कुल कारोबार के प्रतिशत के रूप में निर्यात का कितना योगदान है?

2.28%

सी. ग्राहकों के प्रकार, संक्षेप में

बीईएल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के ग्राहकों को रक्षा के साथ-साथ सिविल संचालन के लिए आपूर्ति करता है। हालांकि, कंपनी की अधिकांश आपूर्तियाँ भारतीय रक्षा सेवाओं के लिए हैं।

IV. कर्मचारी

18. वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर विवरण:

ए. कर्मचारी और श्रमिक (दिव्यांग सहित):

क्र. सं.	विवरण	कुल (ए)	पुरुष		महिला	
			संख्या (बी)	% (बी /ए)	संख्या (सी)	% (सी /ए)
			कर्मचारी			
1.	स्थायी (डी)	8,832	6,921	78.3	1,911	21.7
2.	स्थायी के अलावा (ई)	6,604	5,140	77.8	1,464	22.2
3.	**कुल कर्मचारी (डी + ई)**	**15,436**	**12,061**	**78.1**	**3,375**	**21.9**
			श्रमिक			
4.	स्थायी (एफ)	2,626	1,953	74.3	673	25.7
5.	स्थायी के अलावा (जी)	4,600	3,670	79.8	930	20.2
6.	**कुल श्रमिक (एफ + जी)**	**7,226**	**5,633**	**77.9**	**1593**	**22.1**

बी. दिव्यांग कर्मचारी और श्रमिक:

क्र. सं.	विवरण	कुल (ए)	पुरुष		महिला	
			संख्या (बी)	% (बी / ए)	संख्या (सी)	% (सी / ए)
			दिव्यांग कर्मचारी			
1.	स्थायी (डी)	111	96	86.48	15	13.52
2.	स्थायी के अलावा (ई)	72	59	81.94	13	18.06
3.	**कुल दिव्यांग कर्मचारी (डी + ई)**	**183**	**155**	**84.70**	**28**	**15.30**
			दिव्यांग श्रमिक			
4.	स्थायी (एफ)	94	76	80.85	18	19.15
5.	स्थायी के अलावा (जी)	59	50	84.75	9	15.25
6.	**कुल दिव्यांग श्रमिक (एफ + जी)**	**153**	**126**	**82.35**	**27**	**17.65**

19. महिलाओं की भागीदारी/समावेशन/प्रतिनिधित्व -

	कुल (ए)	महिलाओं की संख्या और प्रतिशत	
		संख्या (बी)	% (बी / ए)
निदेशक मंडल	13	1	7.69
प्रमुख प्रबंधन कार्मिक	3	शून्य	शून्य

20. स्थायी कर्मचारियों और श्रमिकों की कुल कारोबार दर -

(पिछले 3 वर्षों के रुझान दर्शाएं)

	वित्त वर्ष 2022-23			वित्त वर्ष 2021-22			वित्त वर्ष 2020-21		
	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
स्थायी कर्मचारी	3.36	4.11	3.51	2.12	3.99	2.50	1.16	1.14	1.16
स्थायी श्रमिक	0.35	0.29	0.34	0.76	0.28	0.64	0.21	0.13	0.19

V. होल्डिंग, सहायक और सहयोगी कंपनियां (संयुक्त उपक्रमों सहित):

21. (ए) होल्डिंग/सहायक/सहयोगी कंपनियों/संयुक्त उपक्रमों के नाम

क्र. सं.	होल्डिंग /सहायक / संबद्ध कंपनियों /संयुक्त उपक्रमों के नाम (ए)	दर्शाएं कि क्या होल्डिंग / सहायक / सहयोगी / संयुक्त उपक्रम हैं	सूचीबद्ध स्वत्व द्वारा धारित शेयरों का %	क्या कॉलम ए में दर्शाया गया स्वत्व, सूचीबद्ध स्वत्व के व्यावसायिक उत्तरदायित्व पहलों में भाग लेता है? (हां/नहीं)
1	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लिमिटेड	सहायक	100	नहीं
2	बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड	सहायक	74	नहीं
3	जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	सहयोगी	26	नहीं
4	डिफेंस इनोवेशन ऑर्गनाइजेशन	सहयोगी	50	नहीं

VI. सीएसआर विवरण:

22. (i) क्या कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 के अनुसार सीएसआर लागू है - हां

(ii) कारोबार (₹ में) - ₹ 17,33,337 लाख

(iii) निवल मालियत (₹ में) - ₹ 13,58,199 लाख

VII. पारदर्शिता और प्रकटीकरण अनुपालनः

23. उत्तरदायी व्यावसायिक आचरण पर राष्ट्रीय दिशानिर्देशों के तहत किसी भी सिद्धांत (सिद्धांत 1 से 9) से संबंधित परिवाद/ शिकायतें -

हितधारक समूह जिससे शिकायत प्राप्त हुई है	विद्यमान शिकायत निवारण तंत्र (हां/नहीं) (यदि हां, तो शिकायत निवारण नीति का वेब-लिंक प्रदान करें)	वित्त वर्ष 2022-23			वित्त वर्ष 2021-22		
		वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में समाधान के लिए लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान दर्ज शिकायतों की संख्या	वर्ष के अंत में समाधान के लिए लंबित शिकायतों की संख्या	टिप्पणियां
समुदाय	कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग के तहत केंद्रीयकृत लोक शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (सीपीजीआरएएमएस)	78	शून्य	शून्य	69	शून्य	शून्य
निवेशक (शेयरधारकों के अलावा)	लागू नहीं	शून्य	शून्य	-	शून्य	शून्य	-
शेयरधारक (सेबी स्कोर)	हांङ	4	शून्य	-	5	शून्य	-
कर्मचारी और श्रमिक	हां	00	शून्य		06	शून्य	
ग्राहक	हां	12,969	1,207	-	12,939	1,227	-
मूल्य श्रृंखला भागीदार	हाँ, सीपीग्राम पोर्टल के माध्यम से	20	-	-	13	-	-
अन्य (कृपया निर्दिष्ट करें))	-	-	-	-	-	-	-

* सेबी सूचीबद्धता विनियमों के अनुसार शेयरधारकों से प्राप्त शिकायतों के निवारण के लिए कंपनी में हितधारक संबंध समिति है। इसलिए, कोई वेबलिंक नहीं है।

24. स्वत्व के महत्वपूर्ण जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण मुद्दों का अवलोकन:

निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार, कृपया पर्यावरण और सामाजिक मामलों से संबंधित महत्वपूर्ण जिम्मेदार व्यावसायिक आचरण और संधारणीयता के मुद्दों को दर्शाएं जो आपके व्यवसाय के लिए जोखिम या अवसर प्रस्तुत करते हैं, इसकी पहचान करने के लिए औचित्य, इसके वित्तीय निहितार्थों के साथ-साथ जोखिम को अनुकूलित या कम करने के लिए दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं-

क्र. सं.	अभिचिह्नित प्रमुख मुद्दा	दर्शाएं कि जोखिम हैं या अवसर (जोखिम/ अवसर)	जोखिम/अवसर की पहचान करने का औचित्य	जोखिम के मामले में, उसका अनुकूलन या कम करने का दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय सूचक (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ दर्शाएं)
1	कार्बन फुटप्रिंट	अवसर	ग्रीन हाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन की बढ़ती चिंता के साथ, बीईएल बिजली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए "स्वच्छ और अक्षय" ऊर्जा स्रोतों का दोहन करने की ओर बढ़ रही है।	लागू नहीं	सकारात्मक - अक्षय ऊर्जा संसाधनों और ऊर्जा संरक्षण उपायों के माध्यम से "कार्बन तटस्थ स्थिति" प्राप्त करना
2	पर्यावरणीय फुटप्रिंट- जल प्रबंधन	जोख़िम	पानी की कमी कंपनी के संचालन और व्यापार को बाधित कर सकती है	जल प्रबंधन पर कर्मचारी जागरूकता, परिसरों में पानी का अधिक कुशल उपयोग, वर्षा जल संचयन और अपशिष्ट जल का पुनर्चक्रण जिसके परिणामस्वरूप अपशिष्ट जल उत्पादन में कमी आई है	नकारात्मक

क्र. सं.	अभिचिह्नित प्रमुख मुद्दा	दर्शाएं कि जोखिम हैं या अवसर (जोखि़म/अवसर)	जोखिम/अवसर की पहचान करने का औचित्य	जोखिम के मामले में, उसका अनुकूलन या कम करने का दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय सूचक (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ दर्शाएं)
3	सामुदायिक और सामाजिक प्रभाव	जोखि़म	समुदायों के साथ कोई भी प्रतिकूल संबंध कंपनी की दीर्घकालिक मूल्य सृजित करने की क्षमता को नुकसान पहुंचा सकता है	स्कूली शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल, ग्रामीण विकास, पर्यावरण संधारणीयता और व्यावसायिक कौशल विकास के क्षेत्रों में केंद्रित पहल किए जाते हैं। बीईएल क्षमता निर्माण उपायों, सीमांत और वंचित वर्गों/समुदायों के सशक्तिकरण के माध्यम से समाज में समावेशी विकास, सतत और समान विकास की दिशा में योगदान देता है	नकारात्मक - उद्योग में ब्रांड प्रतिष्ठा को प्रभावित करता है
		अवसर	बीईएल ने कंपनी की सीएसआर नीति के अनुसार विभिन्न सीएसआर कार्यक्रम/पहल/परियोजनाएं शुरू की हैं, जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 135 और अनुसूची ञ्छ के अनुरूप है। बीईएल अपनी सीएसआर योजना को अपनी व्यावसायिक योजनाओं और रणनीतियों के साथ एकीकृत करता है। हमारी कंपनी का उद्देश्य सार्थक सामाजिक-आर्थिक सतत विकास का समर्थन करना और बड़ी संख्या में लोगों को देश की आर्थिक प्रगति में भाग लेने और लाभान्वित करने में सक्षम बनाना है	लागू नहीं	सकारात्मक -सीएसआर गतिविधियों का समर्थन करने से हमें उन समुदायों के लिए सार्थक प्रभाव पैदा करने में मदद मिलती है जिनके साथ हम बातचीत करते हैं।
4	साइबर सुरक्षा	जोखि़म	बढ़ते डिजिटलीकरण के कारण गोपनीयता और डेटा सुरक्षा एक बड़ा जोखिम बनता जा रहा है	साइबर हमलों, खतरों और कमजोरियों के खिलाफ संगठन के साइबर स्पेस की सुरक्षा के लिए सूचना सुरक्षा प्रबंधन नीति और साइबर सुरक्षा और साइबर लचीलापन नीति मौजूद है।	नकारात्मक - गोपनीयता और डेटा सुरक्षा का उल्लंघन
5	आपदा रिकवरी	जोखि़म	1. आग के खतरे के कारण व्यापार में रुकावट	1. विभाग/यूनिट स्तर पर आपातकालीन तैयारी और प्रतिक्रिया योजना विद्यमान है 2. इसके लिए मॉक ड्रिल नियमित रूप से कराई जा रही है।	नकारात्मक - व्यवसाय के संचालन में व्यवधान से नकारात्मक वित्तीय प्रभाव पड़ता है
6	प्रशिक्षण और शिक्षा	अवसर	कुशल कर्मचारी और श्रमिक कंपनी की संपत्ति होते हैं। उच्च प्रशिक्षित कर्मचारी और श्रमिक कम समय में और चोट लगने की कम संभावना के साथ अपने कार्यों को अधिक कुशलतापूर्वक करते हैं	1. प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों की आवश्यकता-आधारित और अभिनव सामग्री प्रदान करना 2. विशेष रूप से उन भूमिकाओं के लिए डिज़ाइन किए गए प्रोग्राम प्रदान करना जिनके लिए उन्नत कौशल की आवश्यकता होती है	सकारात्मक - लगातार प्रयास करने से उत्पादकता में सुधार, दोषों में कमी आदि के कारण सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा
7	रखरखाव	जोखि़म	उप-इष्टतम अनुरक्षण कार्यक्रम/योजना का जोखिम जिसके परिणामस्वरूप गैर-आर्थिक अनुरक्षण लागत आती है	परिचालन कार्य-निष्पादन और रखरखाव (पीएम और ब्रेकडाउन) की नियमित रूप से निगरानी की जा रही है।	नकारात्मक - कारोबार की निरंतरता प्रभावित होने से आर्थिक नुकसान हो सकता है
8	प्रदूषण रहित वातावरण	जोखि़म	सुरक्षित कार्यस्थल प्रदान न करने से बीईएल को उप-इष्टतम उत्पादकता, व्यापारिक प्रतिष्ठा का नुकसान और अन्य खर्चों के प्रति संकट का खतरा होता है।	1. वायु, ध्वनि आदि के लिए सभी आवश्यक प्रदूषण नियंत्रण मानदंडों का पालन किया जाता है 2. अनुमेय सीमा के भीतर हानिकारक अपशिष्टों के निपटान की निगरानी की जाती है	नकारात्मक - व्यावसायिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाली घटनाओं से नकारात्मक वित्तीय प्रभाव पड़ता है

क्र. सं.	अभिचिह्नित प्रमुख मुद्दा	दर्शाएं कि जोखिम हैं या अवसर (जोख़िम/ अवसर)	जोखिम/अवसर की पहचान करने का औचित्य	जोखिम के मामले में, उसका अनुकूलन या कम करने का दृष्टिकोण	जोखिम या अवसर के वित्तीय सूचक (सकारात्मक या नकारात्मक निहितार्थ दर्शाएं)
9	स्वास्थ्य, संरक्षा और पर्यावरण	जोख़िम	1. कर्मचारियों द्वारा सुरक्षा उपायों का पालन न करना 2. सामग्री की खतरनाक प्रकृति की जानकारी न होना 3. कोविड-19 सुरक्षा उपायों का पालन नहीं करना	1. बीबीएस (व्यवहार आधारित संरक्षा प्रणाली) का सख्त अनुपालन 2. प्रवाह सृजन को कम करने और उसे स्रोत पर ही कम करने और खतरनाक सामग्री से निपटने के लिए एमएसडीएस का पालन करने पर ध्यान देना 3. कोविड-19 के लिए विस्तृत एसओपी, कर्मचारियों के प्रशिक्षण और अनुपालन का सख्ती से पालन 4. सरकारी विनियमों के अनुसार चिकित्सा जांच, टीकाकरण अभियान	नकारात्मक - कर्मचारियों के मनोबल और व्यावसायिक प्रतिष्ठा को प्रभावित करने वाली घटनाएं जिससे नकारात्मक वित्तीय प्रभाव पड़ता है
10	डेटा सुरक्षा	जोख़िम	1. यूएसबी ड्राइव/फ्लैश ड्राइव के जरिए गोपनीय डेटा लीक होने का खतरा 2. वर्क फ्रॉम होम और संबंधित डेटा तक पहुंच के कारण कंपनी डेटा का एक्सपोजर	1. सभी विशेषाधिकार प्राप्त सिस्टम एक्सेस की समय-समय पर समीक्षा की जाती है और इन उपकरणों पर डेटा लीकेज रोकथाम प्रणाली लागू की जाती है 2. वर्क फ्रॉम होम गतिविधियों की निगरानी के लिए सीमित डेटा एक्सेस कंट्रोल और डेटा एन्क्रिप्शन	यह उद्योग में ब्रांड की प्रतिष्ठा पर प्रभाव डालता है, जिससे वित्तीय हानि होती है।

खंड बी - प्रबंधन और प्रक्रिया प्रकटीकरण

इस खंड का उद्देश्य व्यवसायों को एनजीआरबीसी के सिद्धांतों और मूल तत्वों को अपनाने के लिए स्थापित संरचनाओं, नीतियों और प्रक्रियाओं को प्रदर्शित करने में सहायता करना है।

प्रकटीकरण प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
नीति और प्रबंधन प्रक्रियाएं									
1. ए. क्या आपके संगठन की नीति/नीतियों में एनजीआरबीसी के प्रत्येक सिद्धांत और उसके मूल तत्वों को शामिल किया जाता हैं?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
बी. क्या नीति को बोर्ड द्वारा अनुमोदित है?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
सी. नीतियों का वेब लिंक, यदि उपलब्ध हो	https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527								
2. क्या संगठन ने नीति को प्रक्रियाओं में रूपांतरित किया है.	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
3. क्या सूचीबद्ध नीतियां आपके मूल्य श्रृंखला भागीदारों के लिए लागू हैं?	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां	हां
4. आपके संगठन द्वारा अपनाए गए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय कोड / प्रमाणन / लेबल / मानकों (जैसे फ़ॉरेस्ट स्टीवर्डशिप काउंसिल, फेयरट्रेड, रेनफ़ॉरेस्ट एलायंस, ट्रस्टिया) मानकों (जैसे एसए 8000, ओएचएसएएस, आईएसओ, बी आई एस) का नाम बताएं और प्रत्येक सिद्धांत के लिए मैप किया गया।	आई एस ओ 45001:2018 (ओएचएसएएस) , आईएसओ 13485:2016 (चिकित्सा उपकरण संरक्षा), आईएसओ 14001:2015 (पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली)								
5. निर्धारित समय सीमा के साथ संगठन द्वारा निर्धारित विशिष्ट प्रतिबद्धताएं, उद्देश्य और लक्ष्य, यदि कोई हो।	जहां भी लागू हो, प्रमाणपत्रों का निरंतर उन्नयन और समय पर नवीनीकरण सुनिश्चित किया जाता है।								
6. विशिष्ट प्रतिबद्धताओं, उद्देश्यों और लक्ष्यों की तुलना में संगठन का कार्य-निष्पादन, साथ ही यदि उन्हें पूरा नहीं किया जाता है तो उसके कारण।	लागू नहीं क्योंकि हम यथा लागू प्रणालियों और प्रमाणनों का समय पर और निरंतर उन्नयन सुनिश्चित करते हैं।								
गवर्नेंस, नेतृत्व और निरीक्षण									
7. व्यावसायिक उत्तरदायित्व रिपोर्ट के लिए जिम्मेदार निदेशक कथन जिसमें ईएसजी से संबंधित चुनौतियों, लक्ष्यों और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया (सूचीबद्ध संगठन के पास इस प्रकटीकरण के स्थानन के संबंध में लचीलापन है) कंपनी लक्षित सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से सक्रिय रूप से सामाजिक आर्थिक नवीकरण को बढ़ावा दे रही है, जैसे स्वास्थ्य देखभाल जिसमें कोविड-19 के खिलाफ लड़ना, रोजगार वृद्धि और स्वरोजगार के लिए कौशल विकास, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, पर्यावरण संधारणीयता और खेलकूद का विकास आदि शामिल हैं।									

प्रकटीकरण प्रश्न	पी1	पी2	पी3	पी4	पी5	पी6	पी7	पी8	पी9
8. व्यवसाय उत्तरदायित्व नीति (यों) के कार्यान्वयन और निरीक्षण के लिए जिम्मेदार सर्वोच्च प्राधिकरण का विवरण।	निदेशक (मानव संसाधन)								
9. क्या संगठन के पास संधारणीयता से संबंधित मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए जिम्मेदार बोर्ड/निदेशक की निर्दिष्ट समिति है?	बोर्ड अपनी विभिन्न समितियों के माध्यम से नीतियों के अनुपालन और कार्यान्वयन की देखरेख करता है।								

10. कंपनी द्वारा एनजीआरबीसी की समीक्षा का विवरण:

समीक्षा का विषय	दर्शाएं कि क्या समीक्षा निदेशक / बोर्ड की समिति / किसी अन्य समिति द्वारा की गई									आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही/कोई अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें								
	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी6	पी 7	पी8	पी9	पी 1	पी 2	पी3	पी4	पी5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
उपरोक्त नीतियों से संबंधित कार्य-निष्पादन और अनुवर्ती कार्रवाई	बोर्ड अपनी विभिन्न समितियों के माध्यम से नीतियों के अनुपालन और कार्यान्वयन की देखरेख करता है									जब और जैसा आवश्यक हो								
सिद्धांतों की प्रासंगिकता की सांविधिक आवश्यकताओं का अनुपालन, और किसी भी गैर-अनुपालन में सुधार																		

11. क्या संगठन ने किसी बाहरी एजेंसी द्वारा अपनी नीतियों की कार्यप्रणाली का स्वतंत्र आंकलन/मूल्यांकन कराया है?	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
	नहीं								

12. यदि ऊपर दिए गए प्रश्न (1) का उत्तर "नहीं" है, अर्थात सभी सिद्धांत किसी नीति में शामिल नहीं होते हैं, तो कारण बताएं-

प्रश्न	पी 1	पी 2	पी 3	पी 4	पी 5	पी 6	पी 7	पी 8	पी 9
संगठन सिद्धांतों को अपने व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण नहीं मानता है	लागू नहीं।								
संगठन उस चरण में नहीं है जहां वह निर्दिष्ट सिद्धांतों पर नीतियां बनाने और लागू करने की स्थिति में है									
संगठन के पास कार्य के लिए वित्तीय या/मानवीय और तकनीकी संसाधन उपलब्ध नहीं हैं									
इसे अगले वित्त वर्ष में करने की योजना है									
कोई अन्य कारण (कृपया निर्दिष्ट करें)									

खंड सी - सिद्धांत- वार कार्य-निष्पादन का प्रकटीकरण

इस खंड का उद्देश्य संस्थाओं को प्रमुख प्रक्रियाओं और निर्णयों के साथ सिद्धांतों और मूल तत्वों को एकीकृत करने में उनके कार्य-निष्पादन को प्रदर्शित करने में मदद करना है। मांगी गई जानकारी को ``आवश्यक´´ और ``नेतृत्व´´ के रूप में वर्गीकृत किया गया है। एक ओर जहां प्रत्येक संगठन को आवश्यक संकेतकों का खुलासा किए जाने की उम्मीद है इस अनिवार्य रिपोर्ट को दर्ज करने के लिए, उन संगठनों द्वारा नेतृत्व संकेतक स्वेच्छा से प्रकट किए जा सकते हैं जो सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक रूप से जिम्मेदार होने के अपने प्रयास में उच्च स्तर तक प्रगति करने की इच्छा रखते हैं।

सिद्धांत 1- व्यवसायों को ईमानदारी के साथ और नैतिक, पारदर्शी और जवाबदेह तरीके से संचालन और खुद को नियंत्रित करना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. वित्तीय वर्ष के दौरान किसी भी सिद्धांत पर प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों द्वारा प्रतिशत समाविष्टि :

खंड	आयोजित प्रशिक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों की कुल संख्या	प्रशिक्षण के अंतर्गत आने वाले विषय/सिद्धांत और उसका प्रभाव	जागरूकता कार्यक्रम में शामिल किए गए संबंधित वर्ग में व्यक्तियों का प्रतिशत
निदेशक मंडल	2	आईआईसीए और डीपीई द्वारा संचालित बोर्ड में नए पदधारी के लिए बेहतर बोर्ड बनाने के लिए मास्टर क्लास	15.38%
प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	-	-	-
बीओडी और केएमपी के अलावा अन्य कर्मचारी श्रमिक	150	(i) कर्मचारियों के कल्याण, सीडीए, सुरक्षा, पर्यावरण और संधारणीयता आदि से संबंधित प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम। (ii) ये प्रशिक्षण/जागरूकता कार्यक्रम कर्मचारियों को उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए ज्ञान/कौशल प्राप्त करने में सक्षम बनाएंगे	34.23% 32.19%

2. वित्तीय वर्ष में नियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों के साथ कार्यवाहियों (इकाई द्वारा या निदेशकों/केएमपी द्वारा) में भुगतान किए गए जुर्माने/दंड/सजा/फैसले/चक्रवृद्धि शुल्क/निपटान राशि का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में (नोट- संगठन महत्व के आधार पर प्रकटीकरण करेगी जैसा कि सेबी (सूचीबद्धता के दायित्व और प्रकटीकरण दायित्व) विनियम, 2015 के विनियम 30 में निर्दिष्ट है और जैसा कि संगठन की वेबसाइट पर दर्शाया गया है)-

मौद्रिक					
	एनजीआरबीसी सिद्धांत	विनियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/ न्यायिक संस्थानों के नाम	राशि (₹ में)	मामले का संक्षिप्त विवरण	क्या अपील को प्राथमिकता दी गई है? (हां/नहीं)
दंड/जुर्माना	-	-	-	-	-
निपटान	-		-	-	-
चक्रवृद्धि शुल्क	-	-	-	-	-

गैर-मौद्रिक					
	एनजीआरबीसी सिद्धांत	विनियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/ न्यायिक संस्थानों के नाम	राशि (₹ में)	मामले का संक्षिप्त विवरण	क्या अपील को प्राथमिकता दी गई है? (हां/नहीं)
कारावास	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
सजा	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

3. ऊपर दिए गए प्रश्न 2 में बताए गए उदाहरणों में से, उन मामलों में अपील/संशोधन का विवरण जहां मौद्रिक या गैर-मौद्रिक कार्रवाई की अपील की गई है।

केस विवरण	नियामक/प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों के नाम
लागू नहीं	लागू नहीं

4. क्या संस्था में भ्रष्टाचार विरोधी या रिश्वतखोरी विरोधी नीति है? यदि हाँ, तो संक्षेप में विवरण दें और यदि उपलब्ध हो, तो नीति का वेब-लिंक प्रदान करें।

जी हां, कंपनी व्यावसायिकता, ईमानदारी, सत्यनिष्ठा और नैतिक व्यवहार के उच्चतम मानकों को अपनाकर निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से अपने संघटकों के मामलों के संचालन में विश्वास करती है। इस दिशा में, कंपनी ने आचार संहिता को अपनाया है, जो सिद्धांतों और मानकों को निर्धारित करती है, जो कंपनी और उसके कर्मचारियों के कार्यों को नियंत्रित करते हैं। तदनुसार, कंपनी में सचेतक नीति तैयार की गई है ताकि कंपनी के कर्मचारियों को संहिता के किसी भी संभावित उल्लंघन के लिए लेखापरीक्षा समिति के अध्यक्ष से संपर्क करने की व्यवस्था उपलब्ध कराया जा सके।

नीति का वेब लिंक - https://www.bel-india.in/ContentPage.aspx?MId=17&CId=527&LId=1&link=527

5. निदेशकों/केएमपी/कर्मचारियों/श्रमिकों की संख्या जिनके विरुद्ध रिश्वतखोरी/भ्रष्टाचार के आरोपों के लिए किसी कानून प्रवर्तन एजेंसी द्वारा अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई:

	वित्तीय वर्ष 2022-23	वित्तीय वर्ष 2021-22
निदेशक	शून्य	शून्य
केएमपी	शून्य	शून्य
कर्मचारी	शून्य	शून्य
श्रमिक	शून्य	शून्य

6. हितों के टकराव से संबंधित शिकायतों का विवरण:

	वित्तीय वर्ष 2022-23		वित्तीय वर्ष 2021-22	
	संख्या	टिप्पणियां	संख्या	टिप्पणियां
निदेशकों के हितों के टकराव के मामलों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य
केएमपी के हितों के टकराव के मुद्दों के संबंध में प्राप्त शिकायतों की संख्या	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

7. भ्रष्टाचार और हितों के टकराव के मामलों पर नियामकों/कानून प्रवर्तन एजेंसियों/न्यायिक संस्थानों द्वारा जुर्माने/दंड/ कार्रवाई से संबंधित मुद्दों पर की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

लागू नहीं।

सिद्धांत 2- व्यवसायों को सामान और सेवाएं इस तरीके से प्रदान करनी चाहिए जो टिकाऊ और सुरक्षित हो

आवश्यक संकेतक

1. उत्पाद और प्रक्रियाओं के पर्यावरण और सामाजिक प्रभावों में सुधार के लिए विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में आर एंड डी और पूंजीगत व्यय (कैपेक्स) निवेश का प्रतिशत और संगठन द्वारा क्रमश: किए गए कुल आर एंड डी और कैपेक्स निवेश।

	वित्तीय वर्ष 2022-23 (₹ करोड़ में)	वित्तीय वर्ष 2021-22 (₹ करोड़ में)	पर्यावरण और सामाजिक प्रभावों में सुधार का विवरण
आर एंड डी	1088	1045	-
कैपेक्स	451	565	-

2. ए. क्या संगठन के पास संधारणीय सोर्सिंग के लिए प्रक्रियाएँ विद्यमान हैं?

नहीं ।

बी. यदि हां, तो कितने प्रतिशत निविष्टियों को स्थायी रूप से प्राप्त किया गया?

3. (ए) प्लास्टिक (पैकेजिंग सहित) (बी) ई-अपशिष्ट (सी) खतरनाक अपशिष्ट और (डी) अन्य अपशिष्ट के लिए, जीवन के अंत में पुन: उपयोग, पुनर्चक्रण और निपटान के लिए अपने उत्पादों को सुरक्षित रूप से पुन: प्राप्त करने के लिए विद्यमान प्रक्रियाओं का वर्णन करें।

कंपनी उत्पादों का पुनर्चक्रण नहीं करती है क्योंकि अधिकांश उत्पाद रणनीतिक/राष्ट्रीय सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए उपयोग किए जाते हैं। ग्राहकों को सुपुर्द किए गए उत्पाद कंपनी को वापस नहीं किए जाते हैं। कुछ मामलों में उत्पाद खुद ही अपग्रेडेशन के लिए वापस आ जाते हैं जिन्हें अपग्रेड करके पुन: उपयोग योग्य उत्पाद बनाया जाता है। ऐसे उत्पाद के लिए जो हमारे पास वापस नहीं आते हैं, ग्राहकों को उनके जीवन के अंत वाले उत्पादों के प्रबंधन और निपटान के लिए दिशा-निर्देश दिए गए हैं। हालांकि, उन ग्राहकों को सेवाएं प्रदान की गई हैं जो वैज्ञानिक निपटान के लिए उत्पादों को वापस करने के इच्छुक हैं। खत्म हो चुके उत्पादों को प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुमोदित एजेंसी के माध्यम से वैज्ञानिक रूप से संसाधित और पुनर्चक्रित किया जाता है। कंपनी के पास प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा अनुमोदित अधिकृत रिसाइकलरों के माध्यम से अपने उत्पादों/उपकरणों की निर्माण प्रक्रिया से निकलने वाले अपशिष्ट को वितरित करने के लिए एक संरचित तंत्र है। धातु अपशिष्ट, अपशिष्ट तेल, सॉल्वैंट्स और तांबा युक्त रिजेक्ट्स को (100%) अधिकृत रिसाइकलरों को रीसाइक्लिंग और रिकवरी के लिए भेजा जाता है। कागज और प्लास्टिक को रीसाइकिलर्स को सौंप दिया जाता है। इसके अलावा, खाद्य अपशिष्ट का उपयोग बायो-मीथेनेशन संयंत्र में बायो-गैस उत्पादन के लिए किया जाता है, जो बदले में हल्के खाना पकाने के उद्देश्यों के लिए या जैविक पदार्थ को जैविक अपशिष्ट परिवर्तक में खाद में परिवर्तित किया जाता है।

4. क्या विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी (ईपीआर) संगठन की गतिविधियों पर लागू है। यदि हाँ, तो क्या अपशिष्ट संग्रह योजना प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को प्रस्तुत की गई विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी (ईपीआर) योजना के अनुरूप है? यदि नहीं, तो उन उपायों को बताएं जो उसी को संबोधित करने के लिए किए गए हैं।

लागू नहीं। अधिकांश उत्पाद भारतीय रक्षा और अन्य रणनीतिक अनुप्रयोगों के लिए हैं, आपूर्ति किए गए उत्पाद हमारे पास वापस नहीं आते हैं। जिन अन्य संगठनों को उत्पाद की आपूर्ति की जाती है, वे नियमानुसार थोक उपभोक्ता होते हैं, उन्हें उत्पादों की समाप्ति के बाद प्रबंधन और निपटान के लिए दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। हालांकि, बीईएल ने भारतीय निर्वाचन आयोग के अनुरोध के अनुसार उत्पाद की जीवन अवधि समाप्त होने के बाद वैज्ञानिक रूप से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का निपटान करने की पहल की है।

सिद्धांत 3- व्यवसायों को सभी कर्मचारियों जिसमें उनकी मूल्य श्रृंखलाओं के कर्मचारी भी शामिल हैं, के कल्याण का सम्मान करना चाहिए और उनकी भलाई को बढ़ावा देना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. ए. कर्मचारियों के कल्याण के उपायों का विवरण -

वर्ग	निम्न द्वारा शामिल कर्मचारियों का %										
	कुल (ए)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		डे केयर सुविधाएं	
		संख्या (बी)	% (बी/ए)	संख्या (सी)	% (सी/ए)	संख्या (डी)	% (डी/ए)	संख्या (ई)	% (ई/ए)	संख्या (एफ)	% (एफ/ए)
स्थायी कर्मचारी											
पुरुष	6921	6921	100%	6921	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	6921	100%	लागू नहीं	लागू नहीं
महिला	1911	1911	100%	1911	100%	1911	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	1911	100%
कुल	**8832**	**8832**	**100%**	**8832**	**100%**	**1911**	**100%**	**6921**	**100%**	**1911**	**100%**
स्थायी कर्मचारियों के अलावा											
पुरुष	5140	5140	100%	5140	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-	लागू नहीं	लागू नहीं
महिला	1464	1464	100%	1464	100%	1464	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-
कुल	**6604**	**6604**	**100%**	**6604**	**100%**	**1464**	**100%**	**-**	**-**	**-**	**-**

बी. श्रमिकों के कल्याण हेतु उपायों का विवरण -

वर्ग	निम्न द्वारा शामिल कर्मचारियों का %										
	कुल (ए)	स्वास्थ्य बीमा		दुर्घटना बीमा		मातृत्व लाभ		पितृत्व लाभ		डे केयर सुविधाएं	
		संख्या (बी)	% (बी/ए)	संख्या (सी)	% (सी/ए)	संख्या (डी)	% (डी/ए)	संख्या (ई)	% (ई/ए)	संख्या (एफ)	% (एफ/ए)
स्थायी कर्मचारी											
पुरुष	1953	1953	100%	1953	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	1953	100%	लागू नहीं	लागू नहीं
महिला	673	673	100%	673	100%	673	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	673	100%
कुल	**2626**	**2626**	**100%**	**2626**	**100%**	**673**	**100%**	**1953**	**100%**	**673**	**100%**
स्थायी कर्मचारियों के अलावा											
पुरुष	3680	3680	100%	3680	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	3680	100३	लागू नहीं	लागू नहीं
महिला	920	920	100%	920	100%	920	100%	लागू नहीं	लागू नहीं	-	-
कुल	**4600**	**4600**	**100%**	**4600**	**100%**	**920**	**100%**	**3680**	**100%**	**-**	**-**

उपरोक्त श्रमशक्ति डेटा 31.03.2023 तक का है। कर्मचारियों/श्रमिकों और उनके आश्रितों की चिकित्सा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए कंपनी की आंतरिक चिकित्सा योजना है। चिकित्सा जरूरतों को पूरा करने के लिए बीईएल की प्रत्येक इकाई में चिकित्सा केंद्र है। विशेष उपचार के मामले में, कर्मचारी/श्रमिक सूचीबद्ध अस्पतालों में इलाज करा सकते हैं।

स्थायी कर्मचारियों / श्रमिकों के अलावा प्रशिक्षु / परियोजना अभियंताओं जैसे अन्य के मामले में, स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम प्रबंधन द्वारा वहन किया जाता है। संविदा कर्मियों के मामले में, वे ईएसआई अधिनियम के अंतर्गत आते हैं। हालांकि आपात उपचार के मामले में, वे यूनिट के चिकित्सा केंद्र में चिकित्सा सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

2. चालू वित्त वर्ष और पिछले वित्तीय वर्ष के लिए सेवानिवृत्ति अनुलाभों का विवरण।

अनुलाभ	वित्तीय वर्ष चालू वित्तीय वर्ष			वित्तीय वर्ष पूर्व वित्तीय वर्ष		
	कुल कर्मचारियों के इ के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या	कुल श्रमिकों के% के रूप में शामिल श्रमिकों की संख्या	प्राधिकरण के पास कटौती और जमा (हाँ/नहीं/लागू नहीं)	कुल कर्मचारियों के % के रूप में शामिल कर्मचारियों की संख्या	कुल श्रमिकों के % के रूप में शामिल श्रमिकों की संख्या	प्राधिकरण के पास कटौती और जमा (हाँ/नहीं/लागू नहीं)
पीएफ	100%	100%	हां	100%	100%	हां
ग्रेच्युटी	100%	100%	हां	100%	100%	हां
ईएसआई	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं
अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें	-	-	-	-	-	-

3. कार्यस्थलों तक पहुंच

क्या दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 की आवश्यकताओं के अनुसार, संस्था के परिसर/कार्यालय अलग-अलग सक्षम कर्मचारियों और श्रमिकों के लिए सुलभ हैं? यदि नहीं, तो क्या संस्था द्वारा इस संबंध में कोई कदम उठाए जा रहे हैं।

जी हाँ

4. क्या संस्था के पास दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम, 2016 के अनुसार समान अवसर नीति है? यदि ऐसा है, तो नीति का वेब-लिंक प्रदान करें।

नहीं। हालांकि, पीडब्ल्यूबीडी से संबंधित सभी छूट और रियायतें दिव्यांग व्यक्तियों के अधिकार अधिनियम के अनुसार दिए जाते हैं।

5. पितृत्व अवकाश लेने वाले स्थायी कर्मचारी एवं श्रमिकों के कार्य पर लौटने और प्रतिधारण की दरें।

लिंग	स्थायी कर्मचारी		स्थायी श्रमिक	
	कार्य पर लौटने की दर	प्रतिधारण की दर	कार्य पर लौटने की दर	प्रतिधारण की दर
पुरुष	100%	100%	100%	100%
महिला	100%	100%	100%	100%
व ुल	**100%**	**100%**	**100%**	**100%**

6. क्या कर्मचारियों और श्रमिकों की निम्नलिखित श्रेणियों के लिए शिकायतों को प्राप्त करने और निवारण करने के लिए कोई तंत्र उपलब्ध है? यदि हाँ, तो तंत्र का संक्षेप में विवरण दें।

	हां/नहीं (यदि हां, तो तंत्र का संक्षेप में विवरण दें)
स्थायी श्रमिक	जी हाँ। बीईएल में कर्मचारी शिकायत निवारण और निगरानी प्रणाली (ई-ग्राम) मौजूद है जिसमें सभी कर्मचारियों को शामिल किया जाता है। कर्मचारी वेतन के भुगतान, छुट्टी, स्थानांतरण, पदोन्नति, वरिष्ठता, कार्य समनुदेशन, पदनाम, कानून के तहत प्रदान की गई किसी भी कल्याण सुविधा का विस्तार न करने, या नियमों के तहत देय लाभ जो किसी कर्मचारी को प्रभावित करते हैं, आदि से संबंधित अपनी शिकायत ऑनलाइन दर्ज कर सकते हैं। शिकायतों के शीघ्र निवारण के लिए प्रत्येक स्तर पर समय-सीमा को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है।
स्थायी श्रमिक के अलावा	
स्थायी कर्मचारी	
स्थायी कर्मचारी के अलावा	

7. सूचीबद्ध संस्था द्वारा मान्यता प्राप्त संघों या यूनियनों में कर्मचारियों और श्रमिकों की सदस्यता-

वर्ग	वित्त वर्ष 2022-23			वित्त वर्ष 2021-22		
	संबंधित वर्ग में कुल कर्मचारी/ श्रमिक (ए)	संबंधित वर्ग में कर्मचारियों/श्रमिकों की संख्या, जो एसोसिएशन या यूनियन का हिस्सा हैं (बी)	% (बी/ए)	संबंधित र्ग में कुल कर्मचारी/ श्रमिक (सी)	संबंधित र्ग में कर्मचारियों/श्रमिकों की संख्या, जो एसोसिएशन या यूनियन का हिस्सा हैं (डी)	% (डी/ सी)
कुल स्थायी कर्मचारी (कार्यपालक, टीसी, गैर कार्यपालक)	**8832**	**8015**	**90.75**	**8853**	**8146**	**92.01इ**
- पुरुष	6921	6280	90.74	6926	6345	91.61
- महिला	1911	1735	90.79	1927	1801	93.46
कुल स्थायी श्रमिक (गैर-कार्यपालक)	**2626**	**2432**	**92.61**	**2784**	**2576**	**92.53**
- पुरुष	1953	1810	92.68	2083	1927	92.51
- महिला	673	622	92.42	701	649	92.58

8. कर्मचारियों एवं श्रमिकों को दिये गये प्रशिक्षण का विवरण:

वर्ग	वित्त वर्ष 2022-23					वित्त वर्ष 2021-22				
	कुल (ए)	स्वास्थ्य और संरक्षा उपायों पर		कौशल उन्नयन बावत		कुल (डी)	स्वास्थ्य और संरक्षा उपायों पर		कौशल उन्नयन पर	
		संख्या (बी)	%(बी/ए)	संख्या (सी)	%(सी/ए)		संख्या (ई)	% (ई/डी)	संख्या (एफ)	% (एफ/डी)
कर्मचारी										
पुरुष	6921	2212	31.96	6457	93.30	6927	2080	30.03	6391	92.26
महिला	1911	640	33.49	1757	91.94	1926	615	31.93	1785	92.68
कुल	**8832**	**2852**	**32.29**	**8214**	**93.00**	**8853**	**2695**	**30.44**	**8176**	**92.35**
श्रमिक										
पुरुष	1953	622	31.85	1817	93.04	2083	590	28.32	1870	89.77
महिला	673	220	32.69	620	92.12	701	215	30.67	670	95.58
कुल	**2626**	**842**	**32.06**	**2437**	**92.80**	**2784**	**805**	**28.92**	**2540**	**91.24**

9. कर्मचारियों और श्रमिकों के कार्य-निष्पादन और कैरियर विकास समीक्षा का विवरण-

वर्ग	वित्त वर्ष 2022-23			वित्त वर्ष 2021-22		
	कुल (ए)	संख्या (बी)	% (बी/ए)	कुल (सी)	संख्या (डी)	% (डी/सी)
कर्मचारी						
पुरुष	6921	1045	15	6926	1344	19.4
महिला	1911	246	12.8	1927	417	21.65
कुल	**8832**	**1291**	**14.6**	**8853**	**1761**	**19.9**
श्रमिक						
पुरुष	1953	150	7.6	2083	474	22.8
महिला	673	55	8.17	701	178	25.4
कुल	**2626**	**205**	**7.8**	**2784**	**652**	**23.4**

10. स्वास्थ्य और संरक्षा प्रबंधन प्रणाली-

ए. क्या संगठन द्वारा व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा प्रबंधन प्रणाली लागू की गई है? यदि हां, तो ऐसी व्यवस्था की समाविष्टि?

जी हाँ। बीईएल की सभी यूनिटों में व्यावसायिक स्वास्थ्य और संरक्षा प्रबंधन प्रणाली का कार्यान्वयन प्रगति पर है जिसमें सिस्टम में निम्नलिखित पहलू शामिल किए गए हैं-

- ईएचएस पॉलिसी;
- एचएस नियमावली, परिचालन नियंत्रण प्रक्रिया (ओसीपी), कार्य निर्देश, आपातकालीन तैयारी योजना, आदि जैसे दस्तावेज़;
- आंतरिक लेखापरीक्षक प्रशिक्षण और लेखापरीक्षा;
- संयंत्र स्तरीय संरक्षा समिति की बैठकें
- बीईएल-बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स और बीईएल-गाजियाबाद ने पहले ही आईएसओ लागू कर दिया है 45001:2018

बी. कार्य से संबंधित खतरों की पहचान करने और संगठन द्वारा नियमित और गैर-नियमित आधार पर जोखिमों का आकलन करने के लिए उपयोग की जाने वाली प्रक्रियाएं क्या हैं?

कंपनी द्वारा नियमित और गैर-नियमित आधार पर कार्य से संबंधित खतरों की पहचान करने और जोखिमों का आकलन करने के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया का उपयोग किया जाता है -

- खतरे की पहचान और जोखिम आकलन (एचआईआरए)
- आस्पेक्ट एंड इम्पैक्ट रजिस्टर

- कर्मचारियों के प्रतिनिधियों के साथ संयंत्र स्तरीय संरक्षा समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं
- आवधिक सुरक्षा निरीक्षण / अवलोकन
- नियमित अंतराल पर आंतरिक लेखापरीक्षा

सी. क्या आपके पास श्रमिकों के काम से संबंधित खतरों की रिपोर्ट करने और खुद को ऐसे जोखिमों से दूर करने की प्रक्रियाएँ हैं।

जी हाँ

डी. क्या संगठन के कर्मचारियों/ श्रमिकों की गैर-पेशेवर चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच है?

11. निम्नलिखित प्रारूप में सुरक्षा संबंधी घटनाओं का विवरण -

जी हाँ

संरक्षा घटना/संख्या	वर्ग	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2021-22
लॉस्ट टाइम इंजरी फ्रीक्वेंसी रेट (एलटीआईएफआर) (प्रति दस लाख व्यक्ति काम किए गए घंटे)	कर्मचारी	शून्य	शून्य
	श्रमिक	शून्य	शून्य
दर्ज करने योग्य कार्य संबंधी कुल चोट	कर्मचारी	शून्य	शून्य
	श्रमिक	शून्य	शून्य
मौतों की संख्या	कर्मचारी	शून्य	शून्य
	श्रमिक	शून्य	शून्य
उच्च परिणाम कार्य-संबंधी चोट या अस्वस्थता (मृत्यु को छोड़कर)	कर्मचारी	शून्य	शून्य
	श्रमिक	शून्य	शून्य

12. एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए संगठन द्वारा किए गए उपायों का वर्णन करें।

एक सुरक्षित और स्वस्थ कार्यस्थल सुनिश्चित करने के लिए संगठन द्वारा निम्नलिखित उपाय किए गए हैं -

- कार्यस्थल पर पर्याप्त हवा, प्रकाश व्यवस्था, मशीन गार्ड और निकास प्रणाली का प्रावधान;
- पेयजल, विश्राम कक्ष और प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना के प्रावधान;
- जहां भी आवश्यक हो, व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण का प्रावधान;
- प्रमुख स्थानों पर साइनेज, एहतियाती बोर्डों के प्रदर्शन और संरक्षा, स्वास्थ्य और प्राथमिक चिकित्सा पर प्रशिक्षण के माध्यम से जागरूकता पैदा की गई
- हाइट वर्क, हॉट वर्क जैसी वर्क परमिट प्रणालियों का कार्यान्वयन;
- ओएसएचएमएस और ईएमएस का कार्यान्वयन
- कर्मचारियों का समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण;
- संरक्षा बैनर प्रदर्शित करते हुए, सुरक्षा प्रतिज्ञा लेकर और सुरक्षा जागरूकता पोस्टर आदि प्रदर्शित करते हुए संरक्षा दिवस मनाना।
- प्रभावी आपात तैयारी और प्रतिक्रिया योजना की उपस्थिति

13. निम्नलिखित पर कर्मचारियों और श्रमिकों द्वारा की गई शिकायतों की संख्या:

	वित्त वर्ष 2022-23			वित्त वर्ष 2021-22		
	वर्ष के दौरान दाखिल	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान दाखिल	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	टिप्पणियां
कामकाजी परिस्थितियां	शून्य	शून्य	-	शून्य	शून्य	-
स्वास्थ्य और संरक्षा	शून्य	शून्य	-	शून्य	शून्य	-

14. वर्ष के लिए आकलन -

	आपके संयंत्रों और कार्यालयों का प्रतिशत, जिनका मूल्यांकन किया गया था (संगठन या वैधानिक प्राधिकरणों या तृतीय पक्षों द्वारा)
स्वास्थ्य और सुरक्षा पद्धतियां	55.5
कामकाजी परिस्थितियां	

15. संरक्षा से संबंधित घटनाओं (यदि कोई हो) की रोकथाम करने के लिए और स्वास्थ्य और संरक्षा पद्धतियों और कामकाजी परिस्थितियों के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों / चिंताओं पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण दें।

सुरक्षा संबंधी घटनाओं की रोकथाम करने के लिए निम्नलिखित सुधारात्मक कार्रवाई की गई है या चल रही है -

- कर्मचारियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए कार्यस्थल पर एसओपी प्रदर्शित किए जा रहे हैं;
- संरक्षा पर जागरूकता पैदा करने के लिए संरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया;
- कर्मचारियों को कार्यस्थल पर पीपीई पहनने की सलाह दी गई;
- कार्य अनुदेश और सुरक्षित कार्य पद्धतियां आसानी से उपलब्ध कराई जाती हैं;
- संरक्षा निरीक्षण और दुर्घटना की जांच नियमित आधार पर की जाती है;
- संरक्षा समिति की बैठकें, संरक्षा निरीक्षणों और लेखापरीक्षा का उपयोग जोखिम की पहचान के लिए किया जाता है;
- सरकारी प्राधिकारियों की सिफारिश के अनुसार संरक्षा लेखापरीक्षा की जाती है।

सिद्धांत 4 - व्यवसायों को अपने सभी हितधारकों के हितों का सम्मान करना चाहिए और उनके प्रति उत्तरदायी होना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. संगठन के प्रमुख हितधारक समूहों की पहचान करने की प्रक्रियाओं का वर्णन करें।

कंपनी में प्रमुख हितधारकों की पहचान करने की मजबूत प्रणाली है। हितधारक नियोजन एक सतत प्रक्रिया है और कंपनी अपने हितधारकों के साथ विभिन्न स्तरों पर उनकी अपेक्षाओं को समझने और उन्हें पूरा करने और साझा मूल्य बनाने के लिए उनके साथ सहयोग करती है। कंपनी ने आपसी विश्वास, पारदर्शिता, नैतिकता और जवाबदेही के आधार पर अपने सभी हितधारकों के साथ एक प्रगाढ़ संबंध बनाया है। कंपनी के संचालन से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर उनकी प्रतिक्रिया के साथ हितधारकों के साथ निरंतर दो-तरफा संवाद प्रक्रिया ने हमें हितधारकों के साथ स्थायी संबंध स्थापित करने में सक्षम बनाया है। ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, कर्मचारियों, शेयरधारकों, सरकार, विनियामक और वैधानिक निकायों, लेखा परीक्षकों, बैंकरों, सहयोगियों और संयुक्त उद्यम के भागीदारों के अलावा, कंपनी के संयंत्र / प्रभागों के आसपास के सभी समुदाय के सदस्यों को कंपनी का प्रमुख हितधारक माना जाता है।

2. आपके संगठन के लिए प्रमुख के रूप में पहचान किए गए हितधारक समूहों की सूची बनाएं और प्रत्येक हितधारक समूह के साथ संबद्धता की आवृत्ति बताएं।

हितधारक समूह	क्या कमजोर और सीमांत समूहों के रूप में पहचान की गई है (हां/नहीं)	संचार के माध्यम (ईमेल, एसएमएस, समाचार पत्र, पैम्फलेट, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, नोटिस बोर्ड, वेबसाइट), अन्य	संलग्नता की आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/तिमाही/अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें)	इस तरह के जुड़ाव के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों और चिंताओं सहित संलग्नता का उद्देश्य और दायरा
ग्राहक	नहीं	ईमेल, पत्र, बैठक	जब और जैसा आवश्यक हो	कंपनी द्वारा आपूर्ति किए जा रहे उत्पादों से संबंधित तकनीकी, वाणिज्यिक एवं विभिन्न मुद्दों के संबंध में
शेयरधारक	नहीं	वेबसाइट, ईमेल, पत्र, बैठकें, समाचार पत्र प्रकाशन, वार्षिक रिपोर्ट,	जब और जैसा आवश्यक हो	शेयरधारकों की बैठक और शिकायत का समाधान,
कर्मचारी	नहीं	ई-न्यूजलेटर, आंतरिक वेबसाइट	जब और जैसा आवश्यक हो	कंपनी की गतिविधियों के बारे में जानकारी

हितधारक समूह	क्या कमजोर और सीमांत समूहों के रूप में पहचान की गई है (हां/नहीं)	संचार के माध्यम (ईमेल, एसएमएस, समाचार पत्र, पैम्फलेट, विज्ञापन, सामुदायिक बैठकें, नोटिस बोर्ड, वेबसाइट), अन्य	संलग्नता की आवृत्ति (वार्षिक/अर्धवार्षिक/ तिमाही/अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें)	इस तरह के जुड़ाव के दौरान उठाए गए प्रमुख विषयों और चिंताओं सहित संलग्नता का उद्देश्य और दायरा
विक्रेता / आपूर्तिकर्ता	नहीं	वेबसाइट, ईमेल	जब और जैसा आवश्यक हो	निविदा, आदेश और भुगतान संबंधी जानकारी। विभिन्न खरीद संबंधी जानकारी वेबसाइट में डाली जाती है
उद्योग निकाय, नियामक	नहीं	ईमेल, पत्र, बैठक	जब और जैसा आवश्यक हो	नियमों एवं विनियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाता है
समुदाय	नहीं	जरुरत के अनुसार	जब और जैसा आवश्यक हो	कंपनी के कार्य-निष्पादन तथा संबंधित समुदायों से संबंधित अन्य सूचनाएं दी जाती हैं

सिद्धांत 5 - व्यवसायों को मानवाधिकारों का सम्मान करना चाहिए और उन्हें बढ़ावा देना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. कर्मचारियों और श्रमिकों को निम्नलिखित प्रारूप में मानव अधिकारों के मुद्दों और संगठन की नीति (ओं) पर प्रशिक्षण प्रदान किया गया है-

वर्ग	वित्त वर्ष 2022-23			वित्त वर्ष 2021-22		
	कुल (ए)	शामिल किए गए कर्मचारियों/श्रमिकों की संख्या (बी)	% (बी/ए)	कुल (सी)	शामिल किए गए कर्मचारियों/श्रमिकों की संख्या (डी)	% (डी/सी)
कर्मचारी						
स्थायी	8832	300	1.94%	8853	85	0.57%
स्थायी के अलावा	6604			6133		
कुल कर्मचारी	**15436**	**300**	**1.94%**	**14986**	**85**	**0.57%**
श्रमिक						
स्थायी	2626	112	1.55%	2784	39	0.54%
स्थायी के अलावा	4600			4400		
कुल श्रमिक	**7226**	**112**	**1.55%**	**7184**	**39**	**0.54%**

2. निम्न प्रारूप में कर्मचारियों और कामगारों को भुगतान की जाने वाली न्यूनतम मजदूरी का विवरण -

वर्ग	वित्त वर्ष 2022-23					वित्त वर्ष 2021-22				
	कुल (ए)	न्यूनतम वेतन के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक		कुल (डी)	न्यूनतम वेतन के बराबर		न्यूनतम वेतन से अधिक	
		संख्या (बी)	% (बी/ए)	संख्या (सी)	% (सी/ए)		संख्या (ई)	% (ई/डी)	संख्या (एफ)	% (एफ/डी)
कर्मचारी										
स्थायी	8832	-	-	8832	100	8853	-	-	8853	100
पुरुष	6921	-	-	6921	100	6926	-	-	6926	100
महिला	1911	-	-	1911	100	1927	-	-	1927	100
स्थायी के अलावा	6604	-	-	6604	100	6133	-	-	6133	100
पुरुष	5140	-	-	5140	100	4805	-	-	4805	100
महिला	1464	-	-	1464	100	1328	-	-	1328	100
श्रमिक										
स्थायी	2626	-	-	2626	100	2784	-	-	2784	100
पुरुष	1953	-	-	1953	100	2083	-	-	2083	100
महिला	673	-	-	673	100	701	-	-	701	100
स्थायी के अलावा	4600	-	-	4600	100	4400	-	-	4400	100
पुरुष	3670	-	-	3670	100	3520	-	-	3520	100
महिला	930	-	-	930	100	880	-	-	880	100

3. निम्नलिखित प्रारूप में पारिश्रमिक/वेतन/मजदूरी का विवरण-

	पुरुष		महिला	
	संख्या	औसत पारिश्रमिक/वेतन/ संबंधित श्रेणी की मजदूरी	संख्या	औसत पारिश्रमिक/वेतन/ संबंधित श्रेणी की मजदूरी
निदेशक मंडल (बीओडी)	6	51,22,402	1	51,34,177
प्रमुख प्रबंधकीय कार्मिक	1	36,11,872	-	-
बीओडी और केएमपी के अलावा अन्य कर्मचारी	7,653	15,89,090	2,039	15,69,394
श्रमिक				

4. क्या आपके पास मानवाधिकारों के प्रभावों या व्यवसाय द्वारा उत्पन्न या योगदान किए गए मुद्दों का समाधान करने के लिए जिम्मेदार कोई केंद्र बिंदु (व्यक्ति/समिति) है?

नहीं

5. मानवाधिकारों के मुद्दों से संबंधित शिकायतों के निवारण के लिए आंतरिक तंत्र का वर्णन करें।

नहीं। कंपनी में मानव अधिकारों के मुद्दों के निवारण के लिए अलग तंत्र मौजूद है। हालांकि, सेवा से संबंधित मामलों पर कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए शिकायत निवारण प्रक्रिया मौजूद है।

6. निम्नलिखित पर कर्मचारियों और श्रमिकों द्वारा की गई शिकायतों की संख्या-

	वित्त वर्ष 2022-23			वित्त वर्ष 2021-22		
	वर्ष के दौरान दाखिल	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान दाखिल	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	टिप्पणियां
यौन उत्पीड़न	02	01	आईसीसी की रिपोर्ट की प्रतीक्षा है	1	0	-
कार्यस्थल पर भेदभाव	-	-	-	-	-	-
बाल मजदूरी	-	-	-	-	-	-
बलात मजदूरी/ अनैच्छिक मजदूरी	-	-	-	-	-	-
वेतन	-	-	-	-	-	-
मानवाधिकार से जुड़े अन्य मुद्दे	-	-	-	-	-	-

7. भेदभाव और उत्पीड़न के मामलों में शिकायतकर्ता को प्रतिकूल परिणामों को रोकने की व्यवस्था।

यह सुनिश्चित किया जाता है कि यदि शिकायतकर्ता और प्रतिवादी दोनों एक ही कार्य स्थल पर हैं, तो शिकायतकर्ता और प्रतिवादी को अलग-अलग कार्य स्थानों पर रखने से शिकायतकर्ता को कार्य संबंधी कोई प्रतिकूल परिणाम नहीं मिलता है। इसके अलावा, शिकायतकर्ता उचित कार्रवाई के लिए ऐसी किसी भी घटना की सूचना उच्च अधिकारियों को दे सकता है।

8. क्या मानवाधिकार आवश्यकताएं आपके व्यावसायिक समझौतों और अनुबंधों का हिस्सा हैं?

नहीं।

9. वर्ष के लिए आकलन -

	आपके संयंत्रों और कार्यालयों का प्रतिशत जिनका आकलन किया गया था (इकाई या वैधानिक प्राधिकरणों या तीसरे पक्ष द्वारा)
बाल मजदूरी	शून्य
बलात् मजदूरी/ अनैच्छिक मजदूरी	शून्य
यौन उत्पीड़न	शून्य
कार्यस्थल पर भेदभाव	शून्य
वेतन	शून्य
अन्य - कृपया निर्दिष्ट करें	शून्य

10. ऊपर दिए गए प्रश्न 9 के आकलन से उत्पन्न होने वाले महत्वपूर्ण जोखिमों/चिंताओं को दूर करने के लिए किए गए या चल रहे सुधारात्मक कार्यों का विवरण प्रदान करें। - लागू नहीं

सिद्धांत 6 - व्यवसायों को पर्यावरण का सम्मान करना चाहिए और पर्यावरण की रक्षा और पुनर्स्थापना के प्रयास करना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. निम्नलिखित प्रारूप में कुल ऊर्जा खपत (जूल या गुणकों में) और ऊर्जा की तीव्रता का विवरण -

मानदंड	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2021-22
कुल बिजली खपत (ए)	107347.828 गीगा जूल	100119.207 गीगा जूल
कुल ईंधन खपत (बी)	3767.554 गीगा जूल	5808.115 गीगा जूल
अन्य स्रोतों के माध्यम से ऊर्जा की खपत (सी)	95592.173 गीगा जूल	90278.128 गीगा जूल
कुल ऊर्जा खपत (ए+बी+सी)	206707.57 गीगा जूल	196205.462 गीगा जूल
कारोबार के प्रति रुपये में ऊर्जा की तीव्रता (कुल ऊर्जा खपत/कारोबार रुपये में)	206707.57 गीगा जूल / 17287.84 करोड़	196205.462 गीगा जूल / 15044 गीगा जूल 13.042 गीगा जूल / करोड़

नोट: इंगित करें कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम।

2. क्या संगठन के पास भारत सरकार के कार्य निष्पादन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना के अंतर्गत नामित उपभोक्ताओं (डीसी) के रूप में पहचान की गई कोई साइट / सुविधाएं हैं? यदि हां, तो बताएं कि क्या पीएटी योजना के तहत निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त कर लिया गया है। यदि लक्ष्यों को प्राप्त नहीं किया गया है, तो की गई उपचारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो, प्रदान करें।

   नहीं।

3. पानी से संबंधित निम्न प्रकटीकरणों का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें

मानदंड	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2021-22
स्रोत द्वारा पानी की निकासी (किलोलीटर में)		
(i) सतही जल	शून्य	शून्य
(ii) भूजल	917581	881435
(iii) तृतीय पक्षकार से प्राप्त पानी	521259	557392
(iv) समुद्री जल / विलवणीकृत जल	शून्य	शून्य
(v) अन्य	39086	26493
पानी निकासी की कुल मात्रा (किलोलीटर में) (i + ii + iii + iv + v)	1477926	1465320
पानी की खपत की कुल मात्रा (किलोलीटर में)	1477926	1465320
प्रति रु कारोबार पानी की तीव्रता (पानी की खपत / कारोबार)	= 1477926 केएल / 17287.84 करोड़ = 85.489 केएल /करोड़	= 1465320 केएल/ 15044 करोड़ 97.402 केएल / करोड़

नोट - इंगित करें कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम।

4. क्या संस्था ने जीरो लिक्विड डिस्चार्ज के लिए एक तंत्र लागू किया है? यदि हां, तो इसके कवरेज और कार्यान्वयन का विवरण दें।

   निर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न अपशिष्ट जल को स्रोत पर ही अलग किया जाता है और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा निर्धारित मानकों को पूरा करने के लिए उचित उपचार किया जाता। यह पृथक उपचार इस प्रकार के अपशिष्ट जल के लिए विशिष्ट है ताकि कम रासायनिक खपत के साथ प्रभावी विषहरण सुनिश्चित किया जा सके। बीईएल ने पुन: प्रयोज्य मानकों को पूरा करने के लिए अपशिष्ट जल के उपचार में एक कदम आगे बढ़ाया है और इस प्रकार इसे उत्पादन उद्देश्यों के लिए पुनर्चक्रित किया है। इसी तरह, घरेलू अपशिष्ट जल का उपचार किया जाता है और बागवानी उद्देश्यों के लिए पुनर्नवीनीकरण किया जाता है। ड्यूल पम्पिंग प्रणाली सभी नई इमारतों के लिए डिजाइन का एक हिस्सा है। फाइव स्टार ग्रृहा संबंधी बीईएल उत्कृष्टता अकादमी और सी-टाइप के आवासीय क्षेत्र ड्यूल पम्पिंग प्रणाली से सुसज्जित हैं।

5. कृपया निम्नलिखित प्रारूप में संगठन द्वारा वायु उत्सर्जन (जीएचजी उत्सर्जन के अलावा) का विवरण प्रदान करें -

मानदंड	कृपया यूनिट बताएं	वित्त वर्ष 2022-23*	वित्त वर्ष 2021-22*
NOx	पीपीएम	353.12	344.193
SOx	पीपीएम	1456.88	1389.92
कणिका तत्व (पीएम)	एमजी/एनएम3	600.003	607.068
स्थायी जैविक प्रदूषक (पीओपी)	एमजी/एनएम3	142.6	142.6
वाष्पशील कार्बनिक यौगिक (वीओसी)	एमजी/एनएम3	5.023	5.698
खतरनाक वायु प्रदूषण (एचएपी)	-	-	-
अन्य - (पीबी, एसिड धुएं, एसिड धुंध, विलायक वाष्प)	एमजी/एनएम3	5.18	5.87

* दर्शाए गए आंकड़े वार्षिक औसत उत्सर्जन सांद्रता पर आधारित हैं।

नोट- इंगित करें कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम।

नहीं।

6. निम्नलिखित प्रारूप में ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन (स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन) और इसकी तीव्रता का विवरण प्रदान करें-

मानदंड	यूनिट	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2021-22
कुल स्कोप 1 उत्सर्जन (जीएचजी का सीओ2, सीएच4, एन2ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ6, एनएफ3 के अलग-अलग आंकड़े, यदि उपलब्ध हो)	मीट्रिक टन सीओ2 समतुल्य	1951.5	1853.92
कुल स्कोप 2 उत्सर्जन (जीएचजी का ब्रेक-अप सीओ2, सीएच4, एन2ओ, एचएफसी, पीएफसी, एसएफ6, एनएफ3, यदि उपलब्ध हो)	मीट्रिक टन सीओ2 समतुल्य	20739.27	20132.93
कारोबार के प्रति रुपये पर कुल स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन		**=22690.77 एमटी/ 17287.84 करोड़ = 1.312 एमटी /करोड़**	**= 21986.85 एमटी / 15044 करोड़ = 1.46 एमटी /करोड़**

नोट- इंगित करें कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम।

7. क्या संगठन में ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन को कम करने से संबंधित कोई परियोजना है? यदि हाँ, तो विवरण दें।

जी हाँ। बीईएल ने अक्षय ऊर्जा संचयन पहलों की स्थापना के माध्यम से सतत विकास में योगदान दिया है, जैसे कर्नाटक के दावणगेरे और हासन जिलों में कैप्टिव खपत के लिए 13.9 मेगावाट संचयी क्षमता के पवन ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना और साथ ही, 2.3 मेगावाट ग्रिड कनेक्ट सोलर पीवी पावर प्लांट्स की स्थापना बेंगलूरू यूनिट में किया है। सभी नई इमारतों के लिए ग्रीन बिल्डिंग अवधारणा का पालन किया जा रहा है। भविष्य की सभी इमारतों के लिए गृहा रेटिंग (एकीकृत आवास आकलन के लिए ग्रीन रेटिंग) को लक्षित किया जाएगा। ये पहलें वायुमंडल में ग्रीन हाउस गैसों (जीएचजी) के उत्सर्जन को कम करने में मदद करती हैं।

बीईएल ने 1774 केडब्लूपी रूफ टॉप सौर शक्ति प्लांट स्थापित किया था और अतिरिक्त 395 केडब्लूपी रूफ टॉप सौर संयंत्र गाजियाबाद यूनिट में वित्तीय वर्ष 2022-23 में स्थापित करने की योजना बनाई गई है।

अगले 2 वर्षों में अतिरिक्त 4 मेगावाट पवन ऊर्जा संयंत्र स्थापित करने की योजना बनाई गई है क्योंकि हरित ऊर्जा पहल की दिशा में और वृद्धि के कारण पर्यावरण में CO2 उत्सर्जन में कमी आई है।

8. निम्नलिखित प्रारूप में संगठन द्वारा अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित विवरण प्रदान करें-

मानदंड	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2021-22
कुल उत्पन्न अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)		
प्लास्टिक अपशिष्ट **(ए)**	78.94	52.8
ई-अपशिष्ट **(बी)**	76.99	41.28
जैव चिकित्सा अपशिष्ट **(सी)**	0.67	13.74
निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट **(डी)**	-	-
बैटरी अपशिष्ट **(ई)**	14.72	24.82

मानदंड	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2021-22
रेडियोधर्मी अपशिष्ट **(एफ)**	-	-
अन्य खतरनाक अपशिष्ट। कृपया निर्दिष्ट करें, यदि कोई हो। **(जी)**		
i. प्रयुक्त तेल और शीतलक तेल	10.43	16.87
ii. धातु कीचड़ चढ़ाना / पेंट कीचड़ / ईटीपी कीचड़	33.83	22.82
iii. स्पेंट एचिंग रसायन और साल्वेंट	5.70	10.57
iv. अन्य	88.39	65.11
उप योग (जी)	**138.35**	**115.37**
अन्य गैर-खतरनाक अपशिष्ट उत्पन्न **(एच)**। कृपया निर्दिष्ट करें, यदि कोई हो। (कंपोज़ीशन द्वारा ब्रेक-अप अर्थात क्षेत्र से संबंधित सामग्री द्वारा)		
i. धातु स्क्रैप	292.69	267.36
ii. गैर-धातु स्क्रैप	461.06	420.78
iii. अन्य स्क्रैप	147.2	68.51
उप योग (एच)	**900.95**	**756.65**
कुल (ए+बी + सी + डी + ई + एफ + जी+ एच)	**1210.63**	**1004.66**
उत्पन्न कचरे की प्रत्येक श्रेणी के लिए, पुनर्चक्रण, पुन: उपयोग या अन्य पुनर्प्राप्ति कार्यों (मीट्रिक टन में) के माध्यम से प्राप्त कुल अपशिष्ट		
अपशिष्ट के संवर्ग		
(i) पुनर्चक्रित	-	-
(ii) पुन: उपयोग किए	-	-
(iii) अन्य पुनर्प्राप्ति संचालन	-	-
कुल	**-**	**-**
उत्पन्न अपशिष्ट की प्रत्येक श्रेणी के लिए, निपटान विधि की प्रकृति द्वारा निपटाया गया कुल अपशिष्ट (मीट्रिक टन में)		
कचरे के संवर्ग (प्लास्टिक कचरा)		
(i) भस्मीकरण	0	0
(ii) लैंडफिलिंग	0	0
(iii) अन्य निपटान कार्य	65.65	63.58
कुल	**65.65**	**63.58**
कचरे के संवर्ग (ई-अपशिष्ट)		
(i) भस्मीकरण	0	0
(ii) लैंडफिलिंग	0	0
(iii) अन्य निपटान कार्य	29.97	29.53
कुल	**29.97**	**29.53**
कचरे के संवर्ग (जैव चिकित्सा अपशिष्ट)		
(i) भस्मीकरण	0.67	13.73
(ii) लैंडफिलिंग	0	0
(iii) अन्य निपटान कार्य	0	0
कुल	**0.67**	**13.73**
कचरे के संवर्ग (बैटरी अपशिष्ट)		
(i) भस्मीकरण	0	0
(ii) लैंडफिलिंग	0	0
(iii) अन्य निपटान कार्य	5	19.99
कुल	**5**	**19.99**
कचरे के संवर्ग (अन्य खतरनाक अपशिष्ट)		
(i) भस्मीकरण	22.05	38.172
(ii) लैंडफिलिंग	34.55	20.13
(iii) अन्य निपटान कार्य	53.13	45.51
कुल	**109.73**	**103.812**
कचरे के संवर्ग (अन्य गैर-खतरनाक अपशिष्ट)		
(i) भस्मीकरण	0	0
(ii) लैंडफिलिंग	0	0
(iii) अन्य निपटान कार्य	623.89	745.98
कुल	**623.89**	**745.98**

नोट- इंगित करें कि क्या किसी बाहरी एजेंसी द्वारा कोई स्वतंत्र मूल्यांकन/मूल्यांकन/आश्वासन किया गया है? यदि हां, तो बाहरी एजेंसी का नाम - नहीं।

9. अपने प्रतिष्ठानों में अपनाई जाने वाली अपशिष्ट प्रबंधन प्रथाओं का संक्षेप में वर्णन करें। अपने उत्पादों और प्रक्रियाओं में खतरनाक और जहरीले रसायनों के उपयोग को कम करने के लिए आपकी कंपनी द्वारा अपनाई गई रणनीति और ऐसे कचरे के प्रबंधन के लिए अपनाई गई प्रथाओं का वर्णन करें।

खतरनाक अपशिष्ट प्रबंधन - खतरनाक अपशिष्ट से निपटने के दौरान, कमी, पुन: उपयोग, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के सिद्धांत का पालन किया जाता है। स्वच्छ प्रौद्योगिकियों के उपयोग के अलावा, अपशिष्ट जल विषहरण प्रक्रिया में कम खतरनाक कीचड़ पैदा करने वाले उपयुक्त रसायनों और प्रक्रियाओं को शुरू करके खतरनाक कचरे के उत्पादन को प्रक्रिया स्तर पर कम किया गया है। चूने, ब्लीच पाउडर और आयरन सल्फेट के स्थान पर सोडियम हाइपोक्लोराइट और सोडियम मेटाबाइसल्फ़ाइट का उपयोग खतरनाक कीचड़ की मात्रा को कम करने में मदद करता है। इसके अलावा, साइनाइड-मुक्त गैल्वनाइजिंग और कॉपर चढ़ाना प्रक्रियाओं की शुरूआत ने खतरनाक अपशिष्ट के उत्पादन को कम करने में मदद की है। पिछले वर्ष में, बीईएल ने सौर संयंत्र में एचएफ ऑक्साइड ईचिंग प्रक्रिया में आईपीए के उपयोग को समाप्त कर लगातार सुधार हासिल किया। इन पहलों के परिणामस्वरूप कम खतरनाक अपशिष्टों का उत्पादन हुआ। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने खतरनाक अपशिष्टों के सुरक्षित भंडारण के लिए एक विशेष, अच्छी तरह से संरक्षित जगह बनाकर खतरनाक कचरे के सुरक्षित संचालन के लिए एक प्रणाली स्थापित की है। बीईएल ने ठोस खतरनाक कचरे के निपटान के लिए राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के उपचार, भंडारण और निपटान सुविधा संचालकों के साथ करार किया है जो जमीन में भरे जा सकते हैं। पुनर्चक्रण योग्य अपशिष्ट को वैज्ञानिक प्रसंस्करण और पुनर्चक्रण के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अधिकृत सुविधाओं को सौंप दिया जाता है। यह प्रणाली खतरनाक अपशिष्टों से प्रदूषण को प्रभावी ढंग से रोकती है।

ई-अपशिष्ट प्रबंधन - उत्पादों के निर्माण के दौरान उत्पन्न होने वाले इलेक्ट्रॉनिक कचरे को वैज्ञानिक प्रसंस्करण, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अधिकृत एजेंसियों को देने के लिए अलग, संग्रहीत किया जाता है और सौंपा जाता है। कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे उपयोग समाप्त हो चुके इलेक्ट्रॉनिक कचरे को भी वैज्ञानिक प्रसंस्करण, पुनर्प्राप्ति और पुनर्चक्रण के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की अधिकृत एजेंसियों को सौंप दिया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन जैसे उपयोग समाप्त हो चुके उत्पाद को विस्तारित निर्माता जिम्मेदारी पहल के तहत वापस प्राप्त किया जाता है और वैज्ञानिक रूप से निपटाया जाता है। इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के उपयोगकर्ता को समय सीमा समाप्त होने के बाद इलेक्ट्रॉनिक कचरे के सुरक्षित निपटान के लिए हैंडलिंग और निपटान संबंधी दिशानिर्देश दिए जाते हैं। अधिक से अधिक आरओएचएस अनुरूप कंपोनेंट का उपयोग करते हुए इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों में हानिकार घटकों को कम करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन - बीईएल ने कचरे के उचित प्रबंधन के लिए स्रोत पृथक्करण प्रणाली स्थापित की है। बायोडिग्रेडेबल कचरे जैसे खाद्य अपशिष्ट और कॉलोनी के हरे कचरे को प्रति दिन औसतन 0.45 से 0.6 टन के साथ 1.0 टन जैविक अपशिष्ट कनवर्टर के माध्यम से प्रसंस्कृत किया जाता है, जिससे खाद तैयार किया जाता है। इस प्रकार उत्पन्न खाद का उपयोग बीईएल एस्टेट क्षेत्र में बागवानी के लिए किया जाता है। बीईएल में उत्पन्न हरे कचरे को प्राकृतिक खाद के अधीन किया जाता है। हरे कचरे के आकार को कम करने के लिए लीफ श्रेडिंग मशीन उपलब्ध है। इसके अलावा, फैक्ट्री कैंटीन में उत्पन्न होने वाले खाद्य अपशिष्ट को दैनिक आधार पर बायो-मिथेनेशन प्लांट में ले जाया जाता है। अवायवीय बायोगैस संयंत्र 2.0 टन की क्षमता के साथ यूएएसबी तकनीक पर आधारित है और खाना पकाने में प्रति दिन लगभग 50 एससीएम पीएनजी की बचत करता है। भूमि भरने योग्य अपशिष्ट को प्रसंस्करण के लिए अच्छी तरह से स्थापित ठोस अपशिष्ट उपचार सुविधा के लिए भेजा जाता है।

10. यदि संगठन के पास पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों (जैसे राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभ्यारण्य, बायोस्फीयर रिजर्व, आर्द्रभूमि, जैव विविधता हॉटस्पॉट, वन, तटीय विनियमन क्षेत्र आदि) में/के आसपास परिचालन/कार्यालय हैं, जहां पर्यावरणीय अनुमोदन/मंजूरी की आवश्यकता है, तो कृपया विवरण निम्नलिखित प्रारूप निर्दिष्ट करें-

क्र.सं.	संचालन/कार्यालयों का स्थान	संचालन का प्रकार	क्या पर्यावरण अनुमोदन/क्लीयरेंस की शर्तों का अनुपालन किया जा रहा है? यदि नहीं, तो उसके कारण और की गई सुधारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो।
बीईएल का पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्रों में/आस-पास कोई संचालन/कार्यालय नहीं है।			

11. चालू वित्त वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर संगठन द्वारा पूरी की गई परियोजनाओं के पर्यावरणीय प्रभाव आकलन का विवरण -

परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	ईआईए अधिसूचना संख्या	दिनांक	क्या स्वतंत्र बाहरी एजेंसी द्वारा संचालित किया गया (हां/नहीं)	सार्वजनिक डोमेन में सूचित परिणाम (हां/नहीं)	संबंधित वेब लिंक
लागू नहीं। वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान ईआईए आकलन के लिए कोई परियोजना शुरू नहीं की गई है					

12. क्या संगठन में भारत में लागू पर्यावरण कानून/नियमों/दिशानिर्देशों का अनुपालन किया जाता है; जैसे जल (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, वायु (प्रदूषण की रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, पर्यावरण संरक्षण अधिनियम और उसके तहत आने वाले नियम। यदि नहीं, तो ऐसे सभी गैर-अनुपालन का विवरण निम्नलिखित प्रारूप में प्रदान करें-

क्र. सं.	कानून/विनियम/दिशानिर्देश निर्दिष्ट करें जिनका पालन नहीं किया गया था	अनुपालन न करने का विवरण दें	प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड या अदालतों जैसी नियामक एजेंसियों द्वारा की गई कोई भी जुर्माना / दंड / कार्रवाई	की गई सुधारात्मक कार्रवाई, यदि कोई हो
लागू नहीं।				

सिद्धांत 7- सार्वजनिक और नियामक नीति को प्रभावित करने वाले व्यवसायों को यह कार्य इस तरीके से करना चाहिए जो जिम्मेदार और पारदर्शी हो-

आवश्यक संकेतक

1. ए. व्यापार और उद्योग चैम्बर/संघों के साथ संबद्धता की संख्या।

बी. शीर्ष 10 व्यापार और उद्योग चैम्बर/संघों की सूची बनाएं (ऐसे निकाय के कुल सदस्यों के आधार पर निर्धारित) जहां संगठन सदस्य है / संबद्ध है।

क्र.सं.	व्यापार और उद्योग चैम्बर/संघों के नाम	व्यापार और उद्योग चैम्बर/संघों की पहुंच (राज्य/राष्ट्रीय)
1	फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की)	राष्ट्रीय
2	कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई)	राष्ट्रीय
3	एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ऑफ इंडिया (एसोचैम)	राष्ट्रीय
4	स्टैंडिंग कान्फ्रेंस ऑफ पब्लिक इंटरप्राइजेस (स्कोप)	राष्ट्रीय

2. नियामक प्राधिकरणों के प्रतिकूल आदेशों के आधार पर, संगठन द्वारा प्रतिस्पर्धा-विरोधी आचरण से संबंधित किसी भी मुद्दे पर की गई या चल रही सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें।

प्राधिकरण का नाम	मामले का संक्षिप्त विवरण	की गई सुधारात्मक कार्रवाई
	शून्य	

सिद्धांत 9- व्यवसायों को समावेशी विकास और समान विकास बढ़ाना चाहिए।

आवश्यक संकेतक

1. चालू वित्त वर्ष में लागू कानूनों के आधार पर संगठन द्वारा शुरू की गई परियोजनाओं के सामाजिक प्रभाव आकलन (एसआईए) का विवरण।

परियोजना का नाम और संक्षिप्त विवरण	एसआईए अधिसूचना संख्या	अधिसूचना की तिथि	क्या स्वतंत्र बाहरी एजेंसी द्वारा संचालित किया गया है (हां/नहीं)	सार्वजनिक डोमेन में सूचित परिणाम (हां/नहीं)	संबंधित वेब-लिंक
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

2. निम्नलिखित प्रारूप में उन परियोजनाओं के बारे में जानकारी प्रदान करें जिनके लिए आपके संगठन द्वारा पुनर्वास और पुनर्स्थापन (आर एंड आर) कार्य किए जा रहे हैं-

क्र.सं.	परियोजना का नाम जिसके लिए आर एंड आर चल रहा है	राज्य	जिला	परियोजना प्रभावित परिवारों की संख्या (पीएएफ)	आर एंड आर द्वारा कवर किए गए पीएएफ का इ	वित्त वर्ष 2022-23 में पीएएफ को भुगतान की गई राशि (रुपये में)
शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य	शून्य

3. समुदाय की शिकायतों को प्राप्त करने और उनका निवारण करने के तंत्र का वर्णन करें। .

लोक शिकायत पोर्टल के माध्यम से शिकायत एवं परिवाद प्राप्त किया जा सकता है।

4. आपूर्तिकर्ताओं से प्राप्त इनपुट सामग्री का प्रतिशत (मूल्य द्वारा कुल इनपुट का इनपुट) -

	वित्त वर्ष 2022-23	वित्त वर्ष 2021-22
एमएसएमई/छोटे उत्पादकों से सीधे प्राप्त किया जाता है	31.65%	31.06%
सीधे जिले के भीतर और पड़ोसी जिलों से प्राप्त किया गया	ला.न.	ला.न.

सिद्धांत 9- व्यवसायों को जिम्मेदार तरीके से अपने उपभोक्ताओं के साथ जुड़ना चाहिए और उन्हें प्रतिफल प्रदान करना चाहिए

आवश्यक संकेतक

1. उपभोक्ता की शिकायतों और फीडबैक प्राप्त करने और उनका जवाब देने के तंत्र का वर्णन करें।

   ग्राहक/उपभोक्ता शिकायतों के मामले में बीईएल की उत्पादन / आपूर्ति / सर्विसिंग यूनिट के पास उसे दर्ज करने या बातचीत करने के लिए बीईएल ने कस्टमर केयर नंबर 18004250433 प्रदान किया है।

2. उन सभी उत्पादों/सेवाओं के कारोबार के प्रतिशत के रूप में ऐसे उत्पादों और/सेवाओं का कारोबार, जिनमें निम्नलिखित के बारे में जानकारी होती है -

	कुल कारोबार के प्रतिशत के तौर पर
उत्पाद से संबंधित पर्यावरण और सामाजिक मानदंड	सामरिक/राष्ट्रीय सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए रक्षा/गैर-रक्षा ग्राहकों को कंपनी के मुख्य उत्पादों की आपूर्ति की जा रही है। अत: लागू नहीं होता
सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग	100
पुनर्चक्रण और/या सुरक्षित निपटान	सामरिक/राष्ट्रीय सुरक्षा अनुप्रयोगों के लिए रक्षा/गैर-रक्षा ग्राहकों को कंपनी के मुख्य उत्पादों की आपूर्ति की जा रही है। एक बार उत्पाद बेचे जाने के बाद, आइटम कंपनी को वापस प्राप्त नहीं होते हैं। अत: लागू नहीं होता

3. निम्नलिखित के संबंध में उपभोक्ता शिकायतों की संख्या -

	वित्त वर्ष 2022-23			वित्त वर्ष 2021-22		
	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	टिप्पणियां	वर्ष के दौरान प्राप्त	वर्ष के अंत में लंबित समाधान	टिप्पणियां
डाटा गुप्तता	-	-	-	-	-	-
विज्ञापन	-	-	-	-	-	-
साइबर सुरक्षा	-	-	-	-	-	-
आवश्यक सेवाओं की सुपुर्दगी	-	-	-	-	-	-
प्रतिबंधात्मक व्यापार व्यवहार	-	-	-	-	-	-
अनुचित व्यापार व्यवहार	-	-	-	-	-	-
अन्य	12969	1207	शेष शिकायतों का समाधान किया जा रहा है	12939	11712	शेष शिकायतों का समाधान 2022-23 के दौरान किया जाता है

4. संरक्षा मुद्दों के कारण उत्पाद रिकॉल के उदाहरणों का विवरण-

	संख्या	रिकॉल के कारण
स्वैच्छिक रिकॉल	शून्य	ला.न.
बलात् रिकॉल	शून्य	ला.न.

5. क्या संस्था के पास साइबर सुरक्षा और डेटा गोपनीयता से संबंधित जोखिमों पर कोई व्यवस्था/नीति है? यदि उपलब्ध हो, तो नीति का वेब-लिंक प्रदान करें।

   हाँ। उक्त नीति प्रकृति में गोपनीय है और इसलिए सार्वजनिक डोमेन में नहीं डाली गई है।

6. विज्ञापन, आवश्यक सेवाओं की सुपुर्दगी, साइबर सुरक्षा और ग्राहकों की डेटा गोपनीयता; उत्पाद रिकॉल के उदाहरणों की पुनरावृत्ति; उत्पादों/सेवाओं की सुरक्षा पर नियामक प्राधिकरणों द्वारा दंड/कार्रवाई से संबंधित मुद्दों पर की गई या चल रही किसी भी सुधारात्मक कार्रवाई का विवरण प्रदान करें ।

   कंपनी से संबंधित मुख्य ग्राहक रक्षा बल हैं और इसलिए जानकारी गोपनीय है।

बोर्ड के लिए और उसकी ओर से

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

बेंगलूरू
1 अगस्त 2023

स्वतंत्र लेखा परीक्षक का प्रतिवेदन

प्रतिष्ठा में, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के सदस्य

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

हमने **भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड** ("कंपनी") के संलग्न स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा की है, जिसमें 31 मार्च, 2023 तक का तुलन पत्र, लाभ और हानि का विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का विवरण और समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्राप्ति का विवरण और वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां, जिसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी का सारांश शामिल है (जिसे यहाँ इसके बाद "स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण" कहा गया है) जिनमें गाज़ियाबाद, पंचकूला, कोटद्वार, पुणे, नवी मुंबई और मछिलिपट्टणम में स्थित कंपनी की शाखाओं के शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित, उस तारीख को समाप्त वर्ष की विवरणियाँ शामिल हैं ।

हमारी राय में और जहां तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, उक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") द्वारा आवश्यक सूचना अपेक्षित ढंग से देते हैं और अधिनियम की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015, यथा संशोधित ("भारतीय ए.एस.") के साथ पढ़ा जाना है तथा भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत अन्य लेखा सिद्धांतों में वर्णित भारतीय लेखा मानकों के अनुरूप सच्ची और उचित स्थिति प्रस्तुत करते हैं-

क) तुलन-पत्र के मामले में, 31 मार्च 2023 को कंपनी के कार्यकलाप;

ख) लाभ व हानि विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ और कुल व्यापक आय;

ग) इक्विटी में परिवर्तन के विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष की इक्विटी में परिवर्तन तथा

घ) नकदी प्राप्ति विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष की नकदी प्राप्ति।

अभिमत का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट लेखा मानकों ("एस.ए.") के अनुसार अपनी स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियों खंड में अतिरिक्त रूप से बताया गया है। हम नैतिक अपेक्षाएँ जो अधिनियम और उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के साथ-साथ भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी नैतिक आचार संहिता के अनुसार कंपनी से स्वतंत्र हैं, और हमने इन अपेक्षाओं तथा आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है। हमारा विश्वास है कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले

लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले वे हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे । स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारे लेखा परीक्षा के संदर्भ में इन मामलों पर संपूर्ण रूप से विचार किया गया और उन पर हमारी राय निर्धारित करने में, हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले लेखा-परीक्षा के प्रमुख मामलों के रूप में नीचे वर्णित मामलों का निर्धारण किया है।

क्र. सं.	लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले	लेखा परीक्षक के उत्तर
1	भारतीय लेखा मानक 115 - ग्राहकों की संविदा से राजस्व के प्रति राजस्व तथा संबंधित शेषों का अभिचिह्नन, मापन, प्रस्तुति और प्रकटण की सटीकता । इस मानक के अनुप्रयोग में सुस्पष्ट कार्य-निष्पादन देयताओं की पहचान, प्रत्येक अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता के लिए लेनदेन कीमत का निर्धारण, समय के दौरान या किसी निश्चित समय ऐसी कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए प्रयुक्त निर्णयों का आंकलन शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस मानक के अनुप्रयोग में संविदा को प्राप्त करने या उसे पूरा करने में उपगत लागत की राशि को अभिचिह्नित करने में प्रयुक्त निर्णय और वे अवधियाँ भी शामिल होती हैं जिनमें रिपोर्टिंग की तारीख के बाद कार्य-निष्पादन की देयताएँ पूरी की जाती हैं। ठेकों से कंपनी के राजस्व में मुख्यत: रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों की आपूर्ति शामिल है। (स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 23 देखें और लेखा नीतियों का क्र.सं. 5 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रियाएँ** हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं में आंतरिक नियंत्रणों तथा इस मानक के अनुप्रयोग के संबंध में उनकी प्रचालनीय प्रभावशीलता की पहचान शामिल है। हमने ऐसे लेनदेनों की सारभूत जाँच भी की है। क. हमने लागू भारतीय लेखा मानकों से तुलना करते हुए राजस्व निर्धारण नीतियों की उपयुक्तता का आकलन किया है। ख. चालू संविदाओं और नए संविदाओं के नमूने का चयन किया और कार्य-निष्पादन देयताओं की पहचान की और उसकी तुलना कंपनी द्वारा अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता के साथ की। ग. संविदा में विशिष्ट रूप से उल्लेख न किए जाने पर अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता हेतु लेनदेन कीमत के आबंटन के आधार का सत्यापन किया। घ. कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने के आधार की पहचान की गई और उसकी तुलना कंपनी द्वारा समय के दौरान या किसी निश्चित समय पर कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने में प्रयुक्त निर्णयों के साथ की गई । ङ. वचनबद्ध माल या सेवाओं के लिए कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने हेतु विचार किए गए उचित साक्ष्यों का सत्यापन किया गया। च. ऐसी संविदाओं के संबंध में जहाँ कार्य-निष्पादन देयता पूरा करना समय पर निर्भर है, हमने राजस्व को अभिचिह्नित करने क लिए कंपनी द्वारा अभिचिह्नित विधि का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया कि ऐसी विधियाँ कार्य-निष्पादन देयता की प्रकृति पर विचार करते हुए उपयुक्त हैं। छ. ऐसी लागतों की पहचान करने के लिए कंपनी द्वारा प्रयुक्त निर्णयों का सत्यापन किया जो संविदा को प्राप्त करने या पूरा करने में उपगत हुईं और जिस अवधि में ऐसी लागतों को परिशोधित किया जाएगा। ज. शेष कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के लिए कंपनी के पास उपलब्ध योजना की समीक्षा की जिन्हें ऐसी अवधियों से संबंधित प्रकटण तैयार करने हेतु ग्राहक के आदेश में निर्धारित सुपुर्दगी शर्तों के आधार पर अभिचिह्नित किया गया जिनमें शेष पूरी न की गई या आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताएँ रिपोर्टिंग तिथि के बाद पूरी की जानी हैं। झ. बिल और होल्ड व्यवस्थाओं के मामले में शर्त रहित विनियोजन के तहत कार्य-निष्पादन देयता की पहचान करने के लिए कंपनी द्वारा प्रयुक्त निर्णयों का सत्यापन किया।
2	दुर्वह संविदाओं के संबंध में महत्वपूर्ण अनुमान- ऐसी संविदाएँ जो दुर्वह बन गई हैं, के संबंध में कार्य-निष्पादन देयताएँ पूरी करने हेतु अपरिहार्य लागतों का प्राक्कलन करना महत्वपूर्ण है। कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के लिए अपरिहार्य लागत जो लेखा प्राक्कलन है, प्राक्कलन की निश्चितता के अधीन है। (स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 21 और लेखा नीतियों का क्र.सं. 23 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रिया** हमने दुर्वह संविदाओं तथा ऐसी संविदाओं को पूरा करने की लागत की पहचान करने के लिए उपलब्ध आंतरिक नियंत्रणों के संबंध में कंपनी के प्रबंधन से पूछताछ की है । क. चालू तथा नए ठेकों के नमूनों का चयन किया और किसी विशेष ठेके की लागत निर्धारित करने के लिए विद्यमान नियंत्रण और उसमें पूरी न की गई / आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत के प्राक्कलन की प्रभावशीलता की जांच की। ख. नियंत्रणों और दुर्वह संविदाओं के लिए अपरिहार्य लागतों के प्राक्कलन निर्धारित करने की समुचित प्रक्रियाओं की जाँच की। ग. कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने और उसमें आई लागत को पूरा करने के लिए जारी क्रय / सेवा आदेशों का सत्यापन किया। घ. संबंधित संविदाओं पर उपगत लागतों की पहचान करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया गया कि संविदा की संबंधित लागत ही दर्ज की जाती है। ङ. जुर्माने, संविदा में संशोधनों के संबंध में शेष कार्य-निष्पादन देयताओं के प्रति संविदा कीमत में संभावित कटौतियों का सत्यापन

क्र. सं.	लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले	लेखा परीक्षक के उत्तर
3	समय के दौरान कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करने की अनुमानित लागत के संबंध में महत्वपूर्ण प्राक्कलन किए गए । इस प्राक्कलन में कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत का अनुमान लगाने की निश्चितता की अंतर्निहित सीमा है। (स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 23 और लेखा नीतियों का क्र.सं. 5 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रिया -** हमने ऐसी संविदाओं की पहचान करने के लिए उपलब्ध आंतरिक नियंत्रणों के संबंध में कंपनी के प्रबंधन से पूछताछ की है जहाँ समय के दौरान कार्य-निष्पादन देयता पूरी की गई हैं- क. चालू तथा नए ठेकों के नमूनों का चयन किया और किसी विशेष ठेके की लागत निर्धारित करने के लिए विद्यमान नियंत्रण और उसमें पूरी न की गई / आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत के प्राक्कलन की प्रभावशीलता की जांच की। ख. नियंत्रणों और संविदा को पूरा करने के लिए किए गए प्राक्कलन निर्धारित करने की समुचित प्रक्रियाओं की जाँच की। ग. कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने और उसमें आई लागत को पूरा करने के लिए जारी क्रय / सेवा आदेशों का सत्यापन किया। घ. संबंधित संविदाओं पर उपगत लागतों की पहचान करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया गया कि संविदा की संबंधित लागत ही दर्ज की जाती है। ङ. जुर्माना, ठेका संशोधनों के संबंध में शेष कार्य-निष्पादन देयताओं के ठेका मूल्य में संभावित कटौतियों का सत्यापन किया। च. कंपनी के प्रबंधन के साथ चर्चा की और इस बात का विश्लेषण किया कि प्राक्कलित लागत ऐसे कार्यों के लिए है जो कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करने के लिए लंबित है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और उन पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं की तैयारी के लिए जिम्मेदार है । अन्य सूचना में बोर्ड की रिपोर्ट शामिल है जिसमें इसके अनुलग्नक, कॉर्पोरेट गवर्नेंस और शेयरधारकों की सूचना शामिल है, लेकिन इसमें स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण और उन पर हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उन पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारे लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ना और ऐसा करते समय यह विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी वास्तविक रूप से स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के असंगत है या हमारी लेखा परीक्षा के दौरान प्राप्त हमारा ज्ञान या अन्यथा वास्तविक रूप से गलत बताया गया है या नहीं।

यदि हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि ऐसी अन्य जानकारी में वास्तविक रूप से गलत कथन दिए गए हैं तो हमें ऐसे तथ्य की रिपोर्ट करनी होगी। इस संबंध में हम कोई रिपोर्ट नहीं करते हैं ।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों का उत्तरदायित्व

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत भारतीय एसएस और अन्य लेखा सिद्धांतों के अनुसार कंपनी की वित्तीय स्थिति, वित्तीय कार्य-निष्पादन, कुल व्यापक आय, स्टैंडअलोन इक्विटी में परिवर्तन तथा नकदी प्राप्तियों की सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं, तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए कंपनी का निदेशक मंडल उत्तरदायी है । कंपनी का प्रबंधन कंपनी की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने के लिए तथा धोखाधड़ी या अन्य अनियमितताओं से रोकथाम करने और उनका पता लगाने; उचित लेखा नीतियों का चयन और लागू करने; उचित और दूरदर्शी निर्णय लेने और अनुमान लगाने; और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण तैयार करने, लागू करने और बनाए रखने जो स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण, जो सच्ची और सही स्थिति दर्शाते हैं और महत्वपूर्ण मिथ्याकथनों से मुक्त हैं, चाहे कपट या त्रुटि से क्यों न हों, जिसका उपयोग यथा उपरोक्त कंपनी के निदेशकों द्वारा स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के प्रयोजन के लिए किया गया, को तैयार करने और प्रस्तुत करने से संबंधित, लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित हो रहे थे, के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार समुचित लेखा अभिलेख रखने के लिए उत्तरदायी है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण तैयार करने में, कंपनी के प्रबंधन सक्रिय व लाभप्रद कारोबार को जारी रखने में योग्यता का आंकलन करने, सक्रिय व लाभप्रद कारोबारी से संबंधित मामलों का यथा लागू प्रकटण करने और लेखों का सक्रिय व लाभप्रद कारोबार के आधार का उपयोग करने के लिए उत्तरदायी है जब तक कि प्रबंधन का आशय कंपनी को परिसमाप्त करना न हो या कामकाज बंद करना न हो या ऐसा करने के अलावा कोई अन्य विकल्प न हो ।

निदेशक मंडल कंपनी की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करने के लिए भी उत्तरदायी है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक के उत्तरदायित्व

हमारा उद्देश्य इस संबंध में औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या ये स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण पूर्णत: महत्वपूर्ण मिथ्याकथन से मुक्त हैं, चाहे वे कपट या त्रुटि के कारण हों, और अपने विचार के समर्थन में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है । औचित्यपूर्ण आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन होता है परंतु यह इस बात की गारंटी नहीं है कि एस.ए. के अनुसार की गई लेखा परीक्षा विद्यमान होने पर हमेशा किसी महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता लगाएगी। मिथ्याकथन कपट या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें वैयक्तिक रूप से या सकल रूप से महत्वपूर्ण माने जाने पर, वे इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को पर्याप्त रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

एस.ए. के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में, हमने पेशेवर निर्णय लिया है और संपूर्ण लेखा परीक्षा के दौरान पेशेवर संशयवाद बनाए रखा है । हमने -

- कपट या त्रुटि, डिज़ाइन के कारण इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथनों के जोखिमों की पहचान भी की है और उनका आंकलन भी किया है और ऐसे जोखिमों को कम करने वाली लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ पूरी की है और हमारे विचार का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है। कपट के परिणामस्वरूप किसी महत्वपूर्ण मिथ्याकथन का पता न लगा पाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले मिथ्याकथन से अधिक होता है क्योंकि कपटपूर्ण कार्य में मिली-भगत, धोखाधड़ी, जानबूझकर विलोपन, गलत-बयानी या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल होता है।
- परिस्थितियों के लिए उचित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ तैयार करने के उद्देश्य से लेखा परीक्षा के संगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को भी समझा है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस पर भी अपने विचार व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं कि, क्या कंपनी के पास स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण के संदर्भ में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मौजूद है और क्या ऐसे नियंत्रण प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किए जा रहे हैं।
- प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखा प्राक्कलनों तथा संबंधित प्रकटणों की औचित्यता का भी मूल्यांकन किया है।
- लेखांकन के सक्रिय व लाभप्रद कारोबार आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्कतता का भी निष्कर्ष निकाला है और लेखा परीक्षा से प्राप्त साक्ष्य के आधार पर, चाहे कार्यशील संस्था के रूप में जारी रहने की ग्रूप और उसके संबद्ध की क्षमता पर उल्लेखनीय संदेह पैदा करने वाली घटनाओं या परिस्थितियों से संबंधित कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता हो या न हो । यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि महत्वपूर्ण निश्चितता है, तो हमें स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटणों के लिए अपनी लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना होगा या यदि ऐसे प्रकटण समुचित नहीं हैं तो अपने विचार में संशोधन करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। बहरहाल, भावी घटनाएँ या परिस्थितियाँ ग्रूप और उसके संबद्ध को कार्यशील संस्था के रूप में जारी रखना समाप्त कर सकती हैं।
- प्रकटण सहित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण, संरचना एवं सामग्री का मूल्यांकन भी किया है और इस बात का भी मूल्यांकन किया है कि क्या ये स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेनों और घटनाओं को उस तरह से दर्शाते हैं कि उनका उचित प्रस्तुतीकरण किया जा सके।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में मिथ्याकथनों की मात्रा की महत्ता होती है जो वैयक्तिक रूप से या सकल रूप से इसकी संभावना बनाते हैं कि इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों का उचित ज्ञान रखने वाले प्रयोक्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हमने (i) अपनी लेखा परीक्षा के कार्यक्षेत्र की योजना बनाने और अपने कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में किसी अभिचिह्नित मिथ्याकथन के प्रभाव का आंकलन करने में प्रमात्रात्मक महत्ता और गुणात्मक कारकों पर विचार किया है।

हमने अपनी लेखा परीक्षा के दौरान पाई गई आंतरिक नियंत्रण की किसी उल्लेखनीय कमी सहित, लेखा परीक्षा और उल्लेखनीय लेखा परीक्षा के उल्लेखनीय परिणामों के योजित कार्यक्षेत्र और समय के संबंध में, अन्य बातों के साथ-साथ, कंपनी, ऐसे अन्य संस्थान, जो इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में शामिल है और जिनके लिए हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं, के ऐसे लोग जिन्हें गवर्नेंस का कार्य सौंपा गया है, से बातचीत की है ।

हमने गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों को ऐसे विवरण भी प्रदान किए हैं कि हमने स्वतंत्रता संबंधी संगत नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है और उन्हें ऐसे सभी संबंधों तथा अन्य मामलों के बारे में बताया है जिन्हें हमारी स्वतंत्रता से उचित ढंग से संबद्ध माना जा सकता है और जहाँ लागू हो, संबंधित बचाव किए गए हैं।

गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों को बताए गए मामलों में से, हमने ऐसे मामलों को लिया जो चालू अवधि के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे, इसलिए लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले हैं। इन मामलों का वर्णन हमने अपनी लेखा परीक्षक रिपोर्ट में किया है जब तक कि ऐसे मामले का प्रकटण कानून या विनियम द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया जाता है या जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह तय करते हैं कि मामले की सूचना हमारी रिपोर्ट में दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम ऐसी सूचना के लोक हित अनुलाभ से महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

हमने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर अपने विचार तय करने में कंपनी के शाखा लेखा परीक्षक द्वारा लेखा परीक्षित छः शाखाओं की लेखा परीक्षा रिपोर्ट पर विचार किया है।

अन्य मामले

1. हमने कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में शामिल छः शाखाओं के वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा नहीं की है जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2023 को ₹ 7,54,532 लाख की कुल परिसंपत्तियाँ और उस तारीख को समाप्त वर्ष (संबंधित यूनिटों के लेखापरीक्षित वित्तीय विवरणों के अनुसार) के लिए ₹ 6,01,569 लाख के कुल राजस्व को दर्शाते हैं जैसा कि इन स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में विचार किया गया है। इन शाखाओं के वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा भारत के नियंत्रक व महा

लेखा परीक्षक द्वारा नियुक्त शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनकी रिपोर्ट हमें दी गई है और जहां तक हमारे विचार इन शाखाओं के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटणों से संबंधित हैं, पूरी तरह ऐसे शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर आधारित हैं।

उपर्युक्त मामले के संबंध में हमारे विचार में संशोधन नहीं किया गया है।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143 की उप-धारा (11) के संदर्भ में भारत के केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("ऑर्डर") में की गई अपेक्षा अनुसार, **अनुलग्नक-क** में हमने लागू सीमा तक उक्त आदेश के अनुच्छेद 3 और 4 में निर्दिष्ट मामलों पर एक विवरण प्रस्तुत किया है।

2. अधिनियम की धारा 143(3) में बताई गई आवश्यकता अनुसार, हमारी लेखा परीक्षा के अनुसार हम रिपोर्ट करते हैं कि-

क. हमने ऐसी सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरण की मांग की और प्राप्त किया जो जहाँ तक हमारी जानकारी और विश्वास है, हमारी उक्त स्टैंडअलोन वित्तीय परिणामों की लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।

ख. हमारे विचार से, जहाँ तक खाता बहियों के हमारे परीक्षण से प्रतीत होता है, कंपनी ने कानून द्वारा यथा आवश्यक, उचित लेखा बहियाँ रखी हैं। यूनिटों (बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स, हैदराबाद और चेन्नै) तथा कार्पोरेट कार्यालय के खातों की लेखा परीक्षा हमारे द्वारा की गई जबकि गाज़ियाबाद, पंचकूला, कोटद्वार, पुणे, नवी मुंबई और मछिलिपट्टणम यूनिटों की लेखा परीक्षा संबंधित शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा की गई। हमने अपनी रिपोर्ट तैयार करते समय इन शाखा लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर विचार किया। न्यूयॉर्क, सिंगापुर और अन्य कार्यालयों के मामले में, जिनका दौरा हमने नहीं किया, उक्त कार्यालयों से प्राप्त विवरणियाँ / अभिलेख का सत्यापन किया गया और हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ उन्हें समुचित पाया गया।

ग. अधिनियम की धारा 143(8) के तहत शाखा लेखा परीक्षकों द्वारा लेखा परीक्षित कंपनी के शाखा कार्यालयों के लेखों की रिपोर्ट (गाज़ियाबाद, पंचकूला, कोटद्वार, पुणे, नवी मुंबई और मछिलिपट्टणम यूनिटों के संबंध में) हमें भेजी गई और इस रिपोर्ट को तैयार करने में उस पर उचित रूप से विचार किया गया।

घ. इस रिपोर्ट में व्यवहरित तुलन पत्र, लाभ व हानि की विवरणी, अन्य व्यापक आय, इक्विटी में परिवर्तन की विवरणी तथा नकदी प्राप्ति विवरणी कंपनी द्वारा रखी गई लेखा बहियों और कार्यालय जिनकी लेखा परीक्षा हमने नहीं किया, से प्राप्त विवरणियों के अनुरूप हैं ।

ङ. हमारे विचार से, उक्त स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 में निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानकों का पालन करते हैं।

च. चूँकि कंपनी सरकारी कंपनी है, निदेशकों की अनर्हता के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164(2) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

छ. कंपनी की स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की प्रचालनीय प्रभावशीलता के संबंध में, **"अनुलग्नक-ख"** में हमारी अलग रिपोर्ट देखें, जो कंपनी की लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर है।

ज. कंपनी अधिनियम, 2013, यथा संशोधित, की धारा 197(16) की अपेक्षाओं के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में -

हमारी राय में जहाँ तक हमारी जानकारी है चूँकि यह कंपनी सरकारी कंपनी है, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 जिसे अनुसूची V के साथ पढ़ा जाना है, के प्रावधानों के अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिक के भुगतान से संबंधित प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

झ. कंपनी (लेखा परीक्षा एवं लेखा परीक्षक) नियम, 2014, यथा संशोधित के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार -

i. कंपनी ने 31 मार्च 2023 के अपने स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में अपनी वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव को प्रकट किया है - स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 30(8) देखें।

ii. कंपनी ने दीर्घकालीन संविदाओं पर महत्वपूर्ण पूर्वानुमान योग्य हानि, यदि कोई हो, के लिए लागू कानून या लेखा मानकों के तहत यथा अपेक्षित प्रावधान किए हैं - स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 21 देखें। कंपनी में कोई व्युत्पन्नी संविदा नहीं है - स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 30(15) देखें।

iii. कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं संरक्षा निधि को अंतरित की जाने वाली राशि में कोई विलंब नहीं किया गया।

iv. a) प्रबंधन ने बताया है कि जहां तक उसकी जानकारी और विश्वास है, कंपनी द्वारा विदेशी स्वत्व ("मध्यस्थ") सहित किसी अन्य व्यक्ति या स्वत्व में या उसे इस समझौते के साथ, चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज हो, कोई निधि (जो वैयक्तिक रूप से या सम्मिलित रूप से महत्वपूर्ण है) अग्रेषित नहीं की गई है या कर्ज पर नहीं दी गई है या निवेश नहीं की गई है (उधार ली गई निधि से या शेयर प्रीमियम से या किसी अन्य स्रोत से या निधियों के रूप में) कि मध्यस्थ कंपनी ("अंतिम हितलाभी") द्वारा या कंपनी की ओर से किसी भी तरीके से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या स्वत्वों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कर्ज नहीं देंगे या उनमें निवेश नहीं करेंगे या

अंतिम हितलाभी की ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या सदृश्य प्रदान नहीं करेंगे;

b) प्रबंधन ने बताया है कि जहां तक उसकी जानकारी और विश्वास है, कंपनी द्वारा विदेशी स्वत्व ("वित्तपोषण पक्षकार") सहित किसी अन्य व्यक्ति या स्वत्व से इस समझौते के साथ, चाहे लिखित रूप में या अन्यथा दर्ज हो, कोई निधि (जो वैयक्तिक रूप से या सम्मिलित रूप से महत्वपूर्ण है) प्राप्त नहीं की गई है कि वित्तपोषण पक्षकार ("अंतिम हितलाभी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या स्वत्वों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से कर्ज नहीं देंगे या उनमें निवेश नहीं करेंगे या अंतिम हितलाभी की ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या सदृश्य प्रदान नहीं करेंगे;

c) लेखा परीक्षा की प्रक्रियाओं के आधार पर जिन्हें हमने परिस्थितियों में उचित और उपयुक्त पाया है, हमारे संज्ञान में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसके कारण हमें यह विश्वास करना पड़े कि उक्त (क) और (ख) में बताए गए अनुसार, नियम 11(ई) के उप-खंड (i) और (ii) में दिए गए अभ्यावेदन में कोई महत्वपूर्ण मिथ्याकथन है।

v. स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 30(18) में बताए गए अनुसार

क. पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश जिसे कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान घोषित और अदा किया गया, अधिनियम की यथा लागू धारा 123 के अनुसार है।

ख. कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान तथा इस रिपोर्ट की तारीख तक घोषित और अदा किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है।

ग. कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश की राशि अधिनियम की यथा लागू धारा 123 के अनुसार है।

vi. लेखा सॉफ्टवेयर जिसमें ऑडिट ट्रेल (एडिट लॉग) की सुविधा है, का उपयोग करते हुए लेखा बहियों के रख-रखाव के लिए कंपनी (लेखा) नियम, 2014 के नियम 3(1) का परंतुक 1 अप्रैल, 2023 से कंपनी पर लागू होता है और तदनुसार, 31 मार्च 2023 को समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष के लिए कंपनी (लेखापरीक्षा और लेखापरीक्षक) नियम, 2014 के नियम 11(जी) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

3. अधिनियम की धारा 143(5) में की गई अपेक्षा अनुसार, हमने भारत के नियंत्रक व महालेखा परीक्षक द्वारा जारी निर्देशों, उन पर की गई कार्रवाई और **"अनुलग्नक-ग"** में कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर उनके प्रभाव पर विचार किया है।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826S

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. - 215205
यूडीआईएन - 23215205BGUXCT1418

गुवाहाटी
20 मई 2023

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की समान तारीख की रिपोर्ट का ''अनुलग्नक-क''

(भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों की हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के `अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट' खंड के तहत अनुच्छेद 1 में संदर्भित)

जहां तक हमारी जानकारी है और कंपनी द्वारा हमें दिए गए स्पष्टीकरणों और लेखा परीक्षा के सामान्य क्रम में हमारे द्वारा जांची गई लेखा बहियों और अभिलेखों के अनुसार, हम सूचित करते हैं कि -

i. कंपनी की संपत्ति, संयंत्र व उपकरणों तथा अमूर्त परिसंपत्तियों के संबंध में -

क. क. कंपनी ने सामान्य रूप से उचित अभिलेख रखे हैं जिनमें संपत्ति, संयंत्र व उपकरणों के परिमाणात्मक विवरण और स्थिति तथा उपयोग के अधिकार की परिसंपत्तियों के संबंधित विवरण सहित, पूर्ण विवरण दर्शाए गए हैं।

ख. कंपनी ने अपनी अचल परिसंपत्तियों के प्रमात्रात्मक विवरण और परिस्थितियाँ सहित पूर्ण विवरण दर्शाते हुए सामान्य रूप से उचित अभिलेख रखे हैं।

ख. वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा संपत्ति, संयंत्र व उपकरणों का भौतिक सत्यापन किया गया और ऐसे सत्यापन में कोई महत्वपूर्ण विसंगति देखने को नहीं मिली।

ग. अचल संपत्तियों के हक विलेख कंपनी के नाम पर हैं सिवाय ऐसी संपत्ति के जिसका उल्लेख स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 1 (xiv) में किया गया है।

घ. कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी संपत्ति, संयंत्र व उपकरण, उपयोग के अधिकार की परिसंपत्तियों तथा अमूर्त परिसंपत्तियों का पुनर्मूल्यांकन नहीं किया है।

ङ. बेनामी संपत्ति लेनदेन अधिनियम, 1988 (2016 में यथा संशोधित) और उसके तहत बनाए गए नियमों के निषेध के तहत किसी बेनामी संपत्ति को धारित करने के लिए 31 मार्च 2023 को कंपनी के समक्ष वर्ष के दौरान कोई कार्यवाही शुरु नहीं की गई या लंबित नहीं है।

ii. क. कंपनी ने उचित अंतराल में वस्तुसूची का भौतिक सत्यापन किया है और हमारे विचार में, कंपनी द्वारा किए गए ऐसे सत्यापन की परिधि और प्रक्रिया उचित है; इसके अलावा, वस्तुसूची के प्रत्येक वर्ग के कुल में 10% या उससे अधिक की विसंगति नहीं थी, इसलिए, हम इस विषय पर कोई टिप्पणी नहीं कर रहे हैं।

उप-ठेकेदारों के पास की सामग्री के संबंध में, कुछ पुष्टिकरण प्राप्त किए गए और लेखा बहियों के साथ उनका समाधान किया गया। ऐसी मदों के मामले में जहां पुष्टिकरण प्राप्त नहीं हुए हैं और जो उल्लेखनीय नहीं हैं, कंपनी लेखा बहियों में आवश्यक प्रावधान करते हुए ऐसे मामलों से निपटती है।

ख. कंपनी ने चालू परिसंपत्तियों की प्रतिभूति के आधार पर बैंकों से कुल पांच करोड़ ₹ से अधिक की कार्यशील पूंजी सीमा स्वीकृत की है। किसी भी वित्तीय संस्थान से कोई कार्यशील पूंजी सीमा नहीं ली गई है। ऐसे बैंकों में कंपनी द्वारा दाखिल तिमाही विवरणी या विवरण कंपनी की लेखा बहियों के अनुरूप है।

iii. कंपनी ने कर्मचारियों को ऋण की प्रकृति में दिए गए ऋण और अग्रिम राशि को छोड़कर, किसी कंपनी, फर्म, सीमित दायित्व वाली साझेदारी या किसी अन्य पक्षकार के साथ कोई निवेश नहीं किया है, ऋण, रक्षित या अरक्षित की प्रकृति की कोई गारंटी या प्रतिभूति प्रदान नहीं की है या अग्रिम प्रदान नहीं किया है।

क. वर्ष के दौरान, कंपनी ने कर्मचारियों को ऋण की प्रकृति के ऋण व अग्रिम को छोड़कर किसी अन्य स्वत्व को ऋण की प्रकृति के ऋण, अग्रिम प्रदान नहीं किया है या इसके लिए गारंटी या प्रतिभूति नहीं दी है -

(₹ लाख में)

विवरण	गारंटी	प्रतिभूति	ऋण	ऋण की प्रकृति के अग्रिम
कर्मचारियों को वर्ष के दौरान स्वीकृत/ प्रदान की गई कुल राशि	कुछ नहीं	कुछ नहीं	87.37	325.97
उक्त के संबंध में तुलन-पत्र की तारीख में शेष बकाया	कुछ नहीं	कुछ नहीं	602.31	164.31

b. यदि ऋण की प्रकृति के स्वीकृत ऋण और अग्रिम कंपनी के हित के प्रतिकूल नहीं है।

c. ऋण की प्रकृति के स्वीकृत ऋण और अग्रिम के मामले में, मूलधन के चुकतान और ब्याज के भुगतान की अनुसूची निर्दिष्ट है और चुकतान / प्राप्तियां नियमित हैं।

d. नीचे दी गई राशियों के अलावा, ऋण की प्रकृति के स्वीकृत ऋण और अग्रिम के संबंध में, 90 दिनों से अधिक की अवधि की अतिदेय राशि नहीं है।

(₹ लाख में)

मामलों की सं.	अतिदेय मूलधन	अतिदेय ब्याज	कुल अतिदेय	अभ्युक्ति (यदि कोई हो)
1	0.51	-	0.51	

इसके अलावा, कंपनी द्वारा अतिदेय राशि की वसूली के लिए किए गए उपाय समुचित हैं।

e. ऋण की प्रकृति के प्रदान किए गए कोई ऋण / अग्रिम जो वर्ष के दौरान देय थे, को समान पक्षकारों को दिए गए मौजूदा ऋण के अतिदेय को निपटाने के लिए नवीकृत नहीं किया गया या विस्तारित नहीं किया गया अथवा नए ऋण नहीं दिए गए।

f. कंपनी ने मांग पर चुकौती योग्य अथवा चुकतान की शर्त या अवधि को निर्दिष्ट किए बिना ऋण की प्रकृति का कोई ऋण या अग्रिम नहीं प्रदान किया है।

iv. चूँकि कंपनी सरकारी कंपनी है, ऋण, निवेश, गारंटी और प्रतिभूति के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 185 और 186 के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

v. कंपनी ने भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा जारी निर्देशों तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 73 से 76 या कोई अन्य संबंधित प्रावधान और उनके तहत बनाए गए नियमों के अनुसार कंपनी ने चालू वर्ष में सार्वजनिक से कोई जमा राशि स्वीकार नहीं की है। हमें सूचित किया गया कि कंपनी विधि बोर्ड या राष्ट्रीय कंपनी विधि ट्रिब्यूनल या भारतीय रिज़र्व बैंक या किसी न्यायालय अथवा किसी अन्य ट्रिब्यूनल द्वारा कोई आदेश पारित नहीं किया गया ।

पूर्व के वर्षों की सभी जमा राशियाँ (फरवरी 2006 से पहले वसूल किया गया।) परिपक्व हो गई हैं उनका निपटान कर दिया गया है सिवाय ₹ 36.95 लाख के, जिसमें से ₹ 36.50 लाख को लोकायुक्त, बेंगलूरु के गारनिशी आदेश के अनुसार रोक रखा गया है और शेष ₹ 0.45 लाख हालांकि परिपक्व हो गया है, कानूनी मामलों के कारण अदत्त है।

vi. हमने कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 148 (1) (d) के तहत लागत अभिलेख रखने के लिए केंद्र सरकार द्वारा वर्णित कंपनी (लागत अभिलेख व लेखा परीक्षा) नियम, 2014 के तारतम्य में कंपनी द्वारा रखी गई लागत संबंधी सामग्री, श्रम व अन्य मदों से संबंधित लेखा बहियों की व्यापक समीक्षा की है और हमारा विचार है कि प्रथम दृष्टया, निर्धारित लेखे और अभिलेख बनाए और रखे गए हैं। वे सटीक या संपूर्ण हैं यह निर्धारित करने की दृष्टि से हमने लागत अभिलेखों का विस्तृत परीक्षण नहीं किया है।

vii. सांविधिक देयों के संबंध में -

a. हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरण के अनुसार तथा लेखा बहियों और अभिलेखों के हमारे परीक्षण के आधार पर, कंपनी समुचित प्राधिकारियों को माल व सेवा कर, भविष्य निधि, कर्मचारी राज्य बीमा, आय कर, विक्रय कर, सेवा कर, उत्पाद कर, सीमा शुल्क, मूल्य वर्धित कर, उपकर तथा अन्य अन्य सांविधिक देयों सहित अविवादित सांविधिक देयों को जमा करने में सामान्य रूप से नियमित रही है। 31 मार्च 2023 को उक्त के संबंध में बकाया राशि के रूप में देय कोई अविवादित राशि नहीं थी जो उनके देय होने की तारीख से छ महीनों से अधिक अवधि के लिए देय थी।

b. उप-खंड (ए) में संदर्भित सांविधिक देय जो विवाद के कारण 31 मार्च 2023 को जमा नहीं किए गए थे, के ब्यौरे नीचे दिए गए हैं -

सांविधि की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	राशि (₹)	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहाँ विवाद लंबित है
आय कर अधिनियम, 1961	कर निर्धारण आदेशों के अनुसार अस्वीकृतियाँ	4,586.37	2008-09, 2009-10, 2011-12 to 2013-14, 2015-16 to 2017-18, 2019-20, 2020-21	आय कर आयुक्त (अपील)
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	206.75	2011-12	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	मोडवैट क्रेडिट	23.65	1991-92	आयुक्त अपील

सांविधि की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	राशि (₹)	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहाँ विवाद लंबित है
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क पर ब्याज	243.87	2011-12 & 2012-13	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	25.45	2012-13	सीमा शुल्क आयुक्त (अपील)
केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944	उत्पाद शुल्क	6.04	1991-92	आयुक्त (अपील)
विक्रय कर अधिनियम, बिहार	बिहार विक्रय कर के तहत विवादित कर	66.44	1995-96 to 1997-98	वाणिज्यिक कर आयुक्त (अपील), चिरकुंडा, बिहार
आंध्र प्रदेश राज्य वैट अधिनियम	विक्रय कर	21.66	2009-10	वाणिज्यिक कर अधिकारी, नामपल्ली, हैदराबाद
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	713.31	2014-15 & 2015-16	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	427.80	2015-16	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
वाणिज्यिक कर	वाणिज्यिक कर	31.83	2011-12 & 2013-14	सीटीओ, राजस्थान सरकार
केंद्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956	केंद्रीय विक्रय कर	2,728.91	2016-17	वाणिज्यिक कर- अपील के संयुक्त आयुक्त
कर्नाटक मूल्य वर्धित कर, 2003	कर्नाटक मूल्य वर्धित कर	291.93	2016-17	वाणिज्यिक कर- अपील के संयुक्त आयुक्त
मध्य प्रदेश मूल्य वर्धित कर, 2002	मूल्य वर्धित कर तथा प्रवेश कर	48.37	2010-11	एम.पी. वाणिज्यिक कर अपीलीय बोर्ड
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	1,540.46	2020-21	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	0.20	2020-21	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
आय कर अधिनियम, 1961	स्रोत पर काटा गया कर	40.13	2007-08 से 2017-18	टीडीएस सर्किल, एलटीयू
केंद्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956	केंद्रीय विक्रय कर	162.87	2020-21	उपायुक्त, वाणिज्यिक कर (डीसीसीटी)
कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	कर्मचारी राज्य बीमा देय	45.73	2006-2011	अपील का दाखिल किया जाना लंबित
सीमा शुल्क अधिनियम, 1962	सीमा शुल्क	68.98	2021-22	सीमा शुल्क के अपर आयुक्त
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	10.58	2007-08	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी)
तमिलनाडु सामान्य विक्रय कर अधिनियम, 1959	विक्रय कर	48.00	2007-08 to 2009-10	विक्रय कर ट्रिब्यूनल
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	515.90	2010-11 से 2015-16	सीईएसटीएटी, चेन्नै
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	30.93	2016-17 से 2017-18	सीईएसटीएटी, चेन्नै
तमिलनाडु सामान्य विक्रय कर अधिनियम, 1959	विक्रय कर	106.64	2015-16	विक्रय कर ट्रिब्यूनल
तमिलनाडु सामान्य विक्रय कर अधिनियम, 1959	विक्रय कर	30.97	2016-17	विक्रय कर ट्रिब्यूनल
माल और सेवा कर अधिनियम	माल व सेवा कर	4.50	2022-23	संयुक्त आयुक्त (जीएसटी)
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	211.57	2005-06 से 2008-09	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी), बेंगलूरु
उत्तर प्रदेश मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2008	मूल्य वर्धित कर	22.54	2014-15	अपर आयुक्त, अधिनियम, 2008 श्रेणी-2 (अपील) - IV, गाज़ियाबाद
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	60.93	30 जून 2017 तक	अधीक्षक, 2017 रेंज 34, मंडल VII, गाज़ियाबाद

सांविधि की प्रकृति	देय राशि की प्रकृति	राशि (₹)	अवधि जिससे राशि संबंधित है	फोरम जहाँ विवाद लंबित है
कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	विलंब जमा के लिए ब्याज और क्षतिपूर्ति	3.52	2000-01	पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय, चंडीगढ़
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	6.18	2005-06 से 2008-09	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी) बेंगलूरु
उत्तराखंड मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005	व्यापार कर व ब्याज	220.08	2001-02	उत्तराखंड उच्च न्यायालय अधिनियम, नैनीताल
वित्त अधिनियम, 1994 का अध्याय V	सेवा कर	1.01	2005-06 से 2008-09	सीमा शुल्क, उत्पाद शुल्क और सेवा कर अपीलीय ट्रिब्यूनल (सीईएसटीएटी) बेंगलूरु
कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	ई.एस.आई. अंशदान	10.17	1992-93	आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय
कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948	ब्याज तथा वसूली की लागत	20.26	1998-99 से 2000-01	आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय
राजस्थान विक्रय कर अधिनियम, 1994	विक्रय कर	58.85	2008-09	मामला राजस्थान कर बोर्ड में लंबित
स्थानीय निकाय कर	स्थानीय निकाय कर	41.43	2016-17	सहायक आयुक्त, पनवेल नगर निगम
स्थानीय निकाय कर	स्थानीय निकाय कर	16.80	2017-18	सहायक आयुक्त, पनवेल नगर निगम

viii. पहले दर्ज न की गई आय से संबंधित कोई लेनदेन नहीं है जिसे आय कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान अभ्यर्पित या प्रकट किया गया है।

ix. क. कंपनी ने किसी भी ऋणदाता को ऋण या अन्य उधार या उस पर ब्याज के भुगतान की चुकौती में कोई चूक नहीं की है।

ख. कंपनी को किसी बैंक या वित्तीय संस्थान या सरकार या सरकारी प्राधिकारी द्वारा इरादतन चूककर्ता के रूप में घोषित नहीं किया गया है।

ग. कंपनी ने कोई मीयादी ऋण नहीं लिया है, इसलिए, आदेश के खंड 3(ix)(c) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

घ. कंपनी के वित्तीय विवरणों की समग्र जांच करने पर, कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान अल्पकालीन आधार पर जुटाई गई निधियों का उपयोग प्रथम दृष्ट्या, दीर्घकालीन उद्देश्यों के लिए नहीं किया गया।

ङ. कंपनी ने अपनी सहायक कंपनियों, सहयोगी कंपनियों या संयुक्त उद्यमों की देयताओं के कारण या उन्हें पूरा करने के लिए किसी स्वत्व या व्यक्ति से कोई निधि नहीं ली है।

च. कंपनी ने वर्ष के दौरान अपनी सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों या सहयोगी कंपनियों में धारित प्रतिभूतियों को गिरवी रखते हुए कोई ऋण नहीं जुटाया है, इसलिए, आदेश के खंड 3(ix)(f) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

x. क. वर्ष के दौरान प्रारंभिक सार्वजनिक प्रस्ताव या अतिरिक्त सार्वजनिक प्रस्ताव (कर्ज लिखत सहित) द्वारा जुटाई गई धनराशि की रिपोर्टिंग आवश्यकता लागू नहीं होगी क्योंकि वर्ष के दौरान ऐसा कोई लेनदेन नहीं था।

ख. वर्ष के दौरान कंपनी ने शेयरों या परिवर्तनीय ऋणपत्रों का अधिमान आबंटन या निजी तौर पर शेयर आबंटन नहीं किया है इसलिए, आदेश के खंड 3(x)(b) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xi. क. पूरी की गई लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हम यह रिपोर्ट करते हैं कि हमारी लेखा परीक्षा के क्रम में कंपनी द्वारा या कंपनी पर कोई महत्वपूर्ण धोखाधड़ी नहीं देखी गई या रिपोर्ट नहीं की गई।

ख. वर्ष के दौरान और इस रिपोर्ट की तारीख तक कंपनी (लेखा परीक्षा और लेखा परीक्षक) नियम, 2014 के नियम 13 के तहत वर्णित फार्म एडीटी-4 में कंपनी अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (12) के तहत कोई रिपोर्ट केंद्र सरकार में दाखिल नहीं की गई है।

ग. प्रबंधन द्वारा दिए गए अभ्यावेदन के अनुसार, वर्ष के दौरान कंपनी को कोई सचेतक शिकायत प्राप्त नहीं हुई।

xii. कंपनी निधि कंपनी नहीं है, इसलिए, आदेश के खंड (xii) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xiii. हमारे विचार में, संबंधित पक्षकारों के किए गए सभी लेनदेन कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 177 और 188, जहां लागू होते हैं, के अनुपालन में हैं और ऐसे लेनदेनों के ब्यौरे भारतीय लेखा मानक द्वारा यथा अपेक्षित, स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में प्रकट किए गए हैं।

xiv. क. कंपनी में आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली मौजूद है जो इसके कारोबार के आकार और प्रकृति के अनुरूप है।

ख. हमने वर्ष के दौरान और इस तारीख तक हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं की प्रकृति, समय और सीमा तय करने में कंपनी को जारी लेखा परीक्षाधीन वर्ष की आंतरिक लेखा परीक्षा रिपोर्टों पर विचार किया है।

xv. हमारे विचार में, वर्ष के दौरान कंपनी ने अपने निदेशकों या निदेशकों से संबद्ध व्यक्तियों के साथ नकद-इतर कोई लेनदेन नहीं किया है, इसलिए, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 192 के प्रावधान कंपनी पर लाग नहीं होते हैं।

xvi. हमारे विचार में,

क. कंपनी को भारतीय रिज़र्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45-IA के तहत पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3(xvi)(a) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

ख. कंपनी ने कोई गैर-बैंककारी वित्तीय या आवास वित्त कार्य नहीं किया है। इसलिए आदेश के खंड 3(xvi)(b) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

ग. कंपनी भारतीय रिज़र्व बैंक के विनियमों के तहत परिभाषित कोर निवेश कंपनी (सीआईसी) नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3(xvi)(c) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

घ. समूह जिसका कंपनी एक हिस्सा है, में कोई कोर निवेश कंपनी नहीं है। इसलिए, आदेश के खंड 3(xvi)(d) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

xvii. कंपनी को चालू वित्त वर्ष में या ठीक पिछले वित्त वर्ष में कोई नकद हानि नहीं हुई है।

xviii. वर्ष के दौरान कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक ने इस्तीफा नहीं दिया है।

xix. वित्तीय अनुपात, वित्तीय परिसंपत्तियों की वसूली तथा वित्तीय देयताओं के भुगतान की काल प्रभावन और अपेक्षित तारीखों के आधार पर, वित्तीय विवरणों के साथ दी गई अन्य सूचना तथा निदेशक मंडल और प्रबंधन की योजनाओं के बारे में हमारी जानकारी और मान्यताओं का समर्थन करने वाले साक्ष्य की हमारे द्वारा किए गए परीक्षण के आधार पर, हमारे संज्ञान में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसके कारण हमें यह विश्वास करना पड़े कि लेखा परीक्षा की रिपोर्ट की तारीख को ऐसी कोई महत्वपूर्ण अनिश्चतता थी कि कंपनी तुलन-पत्र की तारीख को विद्यमान देयताओं के, तुलन-पत्र की तारीख से एक वर्ष के भीतर देय होने पर उसे पूरा करने में सक्षम नहीं थी।

बहरहाल, हम सूचित करते हैं कि यह कंपनी की भावी व्यवहार्यता का आश्वासन नहीं है। इसके अलावा, हम सूचित करते हैं कि हमारी रिपोर्टिंग, लेखा परीक्षा रिपोर्ट की अद्यतन तारीख के तथ्यों पर आधारित है और हम इस बात की कोई गारंटी या आश्वासन नहीं देते हैं कि तुलन-पत्र की तारीख से एक वर्ष की अवधि के भीतर देय होने वाली सभी देयताएं उनके देय पर होने पर कंपनी द्वारा पूरी की जाएंगी।

xx. क. कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) की चालू परियोजनाएं जिनमें कंपनी अधिनियम की धारा 135 की उप-धारा (5) के दूसरे परंतुक के अनुपालन में कंपनी अधिनियम की अनुसूची ꠶ में निर्दिष्ट कोष को अंतरित करने की आवश्यकता है, को छोड़कर सीएसआर के प्रति खर्च न की जाने वाली कोई राशि नहीं है। तदनुसार, आदेश के खंड 3(xx)(a) के तहत रिपोर्टिंग लागू नहीं है।

ख. चालू परियोजनाओं के संबंध में, कंपनी ने चालू वित्तीय वर्ष के अंत में और पिछले वित्तीय वर्ष की कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) की खर्च न की गई राशि को अधिनियम की धारा 135(6) के प्रावधान के अनुपालन में उक्त वित्तीय वर्ष के अंत से 30 दिनों की अवधि के भीतर एक विशेष खाते को अंतरित किया है।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826S

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. - 215205
यूडीआईएन - 23215205BGUXCT1418

गुवाहाटी
20 मई 2023

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की समान तारीख की रिपोर्ट का "अनुलग्नक-ख"

(भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों की हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के 'अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट' खंड के तहत अनुच्छेद 2(g) में संदर्भित)

कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i) के तहत स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में उक्त तारीख को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("कंपनी") की स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

कंपनी का प्रबंधन भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रणों के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए कंपनी द्वारा स्थापित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के मानदंड संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को संस्थापित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। इन जिम्मेदारियों में ऐसे समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अभिकल्प, कार्यान्वयन और अनुरक्षण शामिल है जो कंपनी के कारोबार को उचित और प्रभावी ढंग से करना सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से किए जा रहे थे जिनमें कंपनी की नीतियों का पालन, उसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों का निवारण और पता लगाना, लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अपेक्षित, विश्वसनीय वित्तीय सूचना समय पर तैयार करना शामिल हैं।

लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखा परीक्षा आई.सी.ए.आई. द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी ("मार्गदर्शी टिप्पणी") और आई.सी.ए.आई. द्वारा जारी लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार की है जिन्हें कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत वर्णित माना जाता है, जो स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर लागू होते हैं। इन मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी में यह आवश्यक बनाया गया है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का पालन करें और इस बात का औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संस्थापित किए गए हैं और रखे गए हैं और क्या ऐसे नियंत्रण सभी महत्वपूर्ण पहलुओं में प्रभावी ढंग से प्रचालित हैं या नहीं।

हमारी लेखा परीक्षा में स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त करने के लिए निष्पादित की जाने वाली प्रक्रियाएँ और उनकी प्रचालनीय दक्षता शामिल हैं। स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की हमारी लेखा परीक्षा में वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की समय प्राप्त करना, इस बात के जोखिम का आंकलन करना कि महत्वपूर्ण कमी थी और आंकलित जोखिम के आधार पर आंतरिक नियंत्रण की डिज़ाइन और प्रचालनीय प्रभावशीलता का जांच और मूल्यांकन करना शामिल है। लेखा परीक्षक के निर्णय के अनुसार चयनित प्रक्रियाएं जिनमें वित्तीय विवरणियों के महत्वपूर्ण मिथ्याकथन की जोखिम का आंकलन, चाहे धोखाधड़ी से हो या त्रुटि से हो, शामिल हैं।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली के बारे में अपनी लेखा परीक्षा का विचार प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे वित्तीय रिपोर्टिंग की विश्वसनीयता के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने और सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों को तैयार करने के लिए अभिकल्पित है। स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में ऐसी नीतियाँ और प्रक्रियाएँ शामिल हैं जो-

1) ऐसे अभिलेखों के रख-रखाव से संबंधित है जो औचित्यपूर्ण विवरण में, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन और निपटान को सटीक और न्यायोचित ढंग से प्रतिबिंबित करते हैं;

2) इस बात का उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि लेनदेन सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के नुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करना अनुमत करने हेतु यथा आवश्यक दर्ज किए जाते हैं और यह कि कंपनी की प्राप्तियाँ और खर्च कंपनी के प्रबंधन और निदेशकों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए जा रहे हैं; तथा

3) कंपनी की परिसंत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करते हैं जो वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते थे।

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें नियंत्रणों के टकराव या अनुचित प्रबंधन की अवहेलना की संभावना शामिल है, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण मिथ्याकथन हो सकते हैं जिनका पता नहीं चल सकता है। इसके अलावा, भावी अवधियों के लिए स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के विकसित होने का पूर्वानुमान ऐसे जोखिम के अधीन होता है कि स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन का स्तर क्षीण हो सकता है।

विचार

हमारे विचार में, जहां तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, कंपनी ने हमें भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी में बताए गए आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करने वाले मानदंडों पर आधारित स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की प्रणाली पर लेखा परीक्षा के समुचित और उपयुक्त साक्ष्य प्रदान किए हैं।

हमने अधिनियम की धारा 143(10) के तहत निर्दिष्ट, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार भी लेखा परीक्षा की है जिसमें 31 मार्च 2023 का तुलन-पत्र और संबंधित लाभ व हानि विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का विवरण और उस तारीख को समाप्त वर्ष का नकदी प्राप्ति विवरण तथा उल्लेखनीय लेखा नीतियों का सार व अन्य व्याख्यात्मक सूचना तथा उन पर अनर्ह विचार व्यक्त करते हुए हमारी उसी तारीख की रिपोर्ट शामिल हैं।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826S

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. - 215205
यूडीआईएन - 23215205BGUXCT1418

गुवाहाटी
20 मई 2023

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों की समान तारीख की रिपोर्ट का "अनुलग्नक-ग"

(भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों की हमारी इसी तारीख की रिपोर्ट के 'अन्य विधिक एवं विनियामक अपेक्षाओं पर रिपोर्ट' खंड के तहत अनुच्छेद 3 में संदर्भित)

कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) के तहत भारत के महानियंत्रक व महालेखा परीक्षक द्वारा जारी **वर्ष 2022-23 के लिए भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड** के वार्षिक लेखों की लेखा परीक्षा के दौरान सांविधिक लेखा परीक्षकों द्वारा जाँचे गए क्षेत्रों को दर्शाने वाले निर्देश।

क्र. सं.	निर्देश / उप-निर्देश	की गई कार्रवाई	स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर प्रभाव
1	क्या कंपनी में आई.टी. सिस्टम द्वारा सभी लेखांकन लेनदेनों की प्रक्रिया पूरी करने की प्रणाली है? यदि हाँ, तो वित्तीय विहितार्थ, के साथ-साथ लेखों की सत्यनिष्ठा पर आई.टी. सिस्टम से बाहर के लेखा लेनदेनों की प्रक्रिया करने के विहितार्थ, यदि कोई हो, बताएँ।	जी हाँ। कंपनी में आई.टी. सिस्टम द्वारा दैनंदिन आधार पर सभी लेखा लेनदेन की प्रक्रिया पूरी की जाती है।	कुछ नहीं
2	क्या ऋण की चुकौती करने की कंपनी की अक्षमता के कारण किसी मौजूदा ऋण की पुनर्संरचना या कंपनी को ऋणदाता द्वारा कर्ज / ऋण / ब्याज आदि का अधित्याग किया गया / बट्टे खाते में डाला गया? यदि हाँ, तो उसका वित्तीय प्रभाव बताएँ। क्या ऐसे मामलों का उचित ढंग से लेखा किया गया? (यदि ऋणदाता सरकारी कंपनी है तो यह निर्देश ऋणदाता कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षक पर भी लागू होता है)।	हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों के हमारे सत्यापन के अनुसार, कंपनी ने किसी बैंक या वित्तीय संस्थान से कोई ऋण नहीं लिया है, इसलिए, यह खंड कंपनी पर लागू नहीं होता है।	कुछ नहीं
3	क्या केंद्रीय /राज्य सरकार या उसकी एजेंसियों की विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त / प्राप्य निधियों (अनुदान / सहायकी आदि) का लागू निबंधन व शर्तों के अनुसार उचित लेखांकन किया गया/उपयोग किया गया? विचलन के मामलों की सूची दें।	जी हाँ। हमें दी गई सूचना और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा अभिलेखों के हमारे सत्यापन के आधार पर, केंद्रीय / राज्य एजेंसियों की विशिष्ट योजनाओं के लिए प्राप्त निधियों का उचित लेखांकन किया गया और जिस प्रयोजन के लिए उन्हें प्राप्त किया गया, उनके लिए उनका उपयोग किया गया।	कुछ नहीं

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826S

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. - 215205
यूडीआईएन - 23215205BGUXCT1418

गुवाहाटी
20 मई 2023

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

स्पीड पोस्ट द्वारा
गोपनीय

सं./No. Insp-1/BEL Accs 22-23/2023-24/115A

प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन सदस्य
लेखापरीक्षा बोर्ड का कार्यालय, बेंगलूर – 560 001.
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL
AUDIT and ex-Officio MEMBER, AUDIT BOARD,
BENGALURU - 560 001.

दिनांक/ DATE. 14.07.2023

सेवा में,
श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव,
अध्यक्ष, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड,
बेंगलुरु - 560 045.

महोदया,

विषयः कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

मैं 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु के लेखाओ पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का "शून्य टिप्पणी प्रमाण पत्र " अग्रेषित करता हूँ|

कृपया सुनिश्चित करे कि टिप्पणियाः

1. बिना कोई संशोधन किये पूर्ण रूप से छापी जाये|
2. सूचि में उचित संकेत के साथ कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आगे रखा जाये|
3. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत वार्षिक सामान्य बैठक में रखा जाये।

कृपया पत्र की पावती भेजें|

भवदीय,

((जे एन पेरुमल))
निदेशक (प्रशासन)

संलग्नः यथोपरि

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
प्रथम तल, बसव भवन, श्री बसवेश्वर रोड, बेंगलूर – 560 001.
1st Floor, Basava Bhavan, Sri Basavesware Road, Bengaluru - 560 001.

दू.भा./Phone : 2226 7646 / 2226 1168
Email : mabbangalore@cag.gov.in
फैक्स /Fax : 080-2226 2491

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6) (b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT ELECTRONICS LIMITED, BENGALURU FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2023

The preparation of financial statements of **Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2023 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditor appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) of the Act is responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 20 May 2023.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the financial statements of **Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2023 under section 143(6) (a) of the Act. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditor and is limited primarily to inquiries of the statutory auditor and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit, nothing significant has come to my knowledge which would give raise to any comment upon or supplement to the statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

राजेश

(Rajesh Ranjan)
Principal Director of Audit (Defence-Commercial)

Place: Bengaluru
Date: 14 July 2023

तुलन-पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी संख्या	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2022
परिसंपत्तियाँ			
1 गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	1	2,59,630	2,45,451
(ख) पूँजीगत चालू कार्य	2	36,157	39,855
(ग) निवेश संपत्ति	3	6	7
(घ) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4	7,583	6,905
(ङ) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5	47,970	46,045
(च) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) निवेश	6	66,440	1,55,424
(ii) व्यापार प्राप्य	7	-	-
(iii) ऋण	8	656	728
(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	1,917	2,275
(छ) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	10	50,339	62,070
(ज) वस्तुसूचियाँ	11	587	2,734
(i) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	12	43,835	67,784
		5,15,120	**6,29,278**
2 चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) वस्तुसूचियाँ	11	6,40,618	5,53,956
(ख) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) व्यापार प्राप्य	7	7,02,201	6,10,339
(ii) नकद और नकद समतुल्य	13	3,86,418	1,23,904
(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	14	4,14,482	6,26,010
(iv) ऋण	8	172	148
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	22,392	10,231
(ग) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	15	40,156	14,325
(घ) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	12	7,83,889	7,76,803
		29,90,328	**27,15,716**
कुल परिसंपत्तियाँ		**35,05,448**	**33,44,994**
इक्विटी और देयताएं			
इक्विटी			
(क) इक्विटी शेयर पूँजी	16	73,098	24,366
(ख) अन्य इक्विटी		12,85,101	11,74,060
		13,58,199	**11,98,426**
देयताएं			
1 गैर-चालू देयताएँ			
(क) आस्थगित आय	17	6,019	6,152
(ख) वित्तीय देयताएँ			
(i) उधार	18	-	-
(ia) पट्टे की देयताएं		5,942	5,151

तुलन-पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी संख्या	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2022
(ii) व्यापार प्रदेय	19		
क. सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के कुल बकाया देय; तथा		-	-
ख. सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों को कुल बकाया देय		37	34
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	20	473	2,022
(ग) प्रावधान	21	83,897	1,80,006
(घ) अन्य गैर-चालू देयताएं	22	-	-
		96,368	1,93,365
2 **चालू देयताएँ**			
(क) आस्थगित आय	17	336	339
(ख) वित्तीय देयताएं			
(i) उधार	18	-	-
(ia) पट्टे की देयताएं		192	119
(ii) व्यापार प्रदेय			
क. सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के कुल बकाया देय; तथा		20,713	24,795
ख. सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों को कुल बकाया देय		3,11,253	3,11,801
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ		1,27,006	95,736
(ग) अन्य चालू देयताए		15,29,066	14,78,850
(ख) प्रावधान		62,315	41,563
(ङ) चालू कर देयताएँ (निवल)		-	-
		20,50,881	**19,53,203**
कुल इक्विटी और देयताएं		**35,05,448**	**33,44,994**

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी.सं. 006826एस

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

लाभ व हानि का स्टैंडअलोन विवरण

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी संख्या	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिये	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिये
I	प्रचालनों से राजस्व	23	17,64,620	15,31,376
II	अन्य आय	24	36,002	23,359
III	कुल आय (I + II)		18,00,622	15,54,735
IV	व्यय			
	क खपत सामग्री की लागत		9,34,270	8,09,634
	ख भंडार और खपत पुर्जों की लागत		3,574	2,964
	ग व्यापारगत स्टॉक की खपत		82,785	1,05,349
	घ तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूचियाँ में परिवर्तन	25	(39,745)	(27,697)
	ङ कर्मचारी अनुलाभ व्यय		2,29,773	2,10,939
	च वित्त लागत		1,479	485
	छ मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय		40,787	38,018
	ज अन्य व्यय		1,49,211	99,263
	कुल व्यय डक से ज.		14,02,134	12,38,955
V	असाधारण मदों एवं कर पूर्व लाभ (III - IV)		3,98,488	3,15,780
VI	असाधारण मदें		-	-
VII	कर पूर्व लाभ (V - VI)		3,98,488	3,15,780
VIII	कर व्यय	10		
	- चालू कर		87,446	91,052
	- पूर्व के वर्षों का कर		(2,001)	
	- आस्थगित कर		12,376	(10,165)
	कराधान का कुल प्रावधान		97,821	80,887
IX	वर्ष का लाभ (VII - VIII)		3,00,667	2,34,893
X	अन्य व्यापक आय/(हानि)			
	ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि के बाद पुन:वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	- निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन		(22,217)	(19,940)
	- अन्य व्यापक आय द्वारा इक्विटी विलेख		2	1
	- इन मदों से संबंधित आय कर		5,591	5,018
	कुल अन्य व्यापक आय /(हानि) (निवल कर)		(16,624)	(14,921)
XI	वर्ष की कुल व्यापक आय (IX + X) [जिसमें वर्ष का लाभ तथा अन्य व्यापक आय शामिल है]	30(i)	2,84,043	2,19,972
XII	प्रति शेयर अर्जन (आईएनआर 1/- प्रत्येक का अंकित मूल्य)-			
	(1) मूल [आईएनआर में]		4.11	3.21
	(2) परिवर्तित [आईएनआर में]		4.11	3.21

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी.सं. 006826एस

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

ईक्विटी में परिवर्तन का विवरण

(₹ लाख में)

क. इक्विटी में परिवर्तन का विवरण

विवरण	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2022 को शेष		24,366
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तन		
- शेयर जारी करना	16	48,732
- शेयरों की पुनर्खरीद		-
31 मार्च 2023 को शेष		**73,098**

विवरण	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2021 को शेष		24,366
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तन		
- बोनस शेयर जारी करना	16	-
-शेयरों की पुनर्खरीद		-
31 मार्च 2022 को शेष		**24,366**

ख. अन्य इक्विटी

विवरण	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण व अधिशेष					अन्य प्रारक्षण	कुल अन्य इक्विटी
		पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजी मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्रतिधारित अर्जन	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी विलेख *	अन्य व्यापक आय *	
1 अप्रैल 2022 को शेष		4,669	1,868	4,39,546	7,70,718	9	(42,750)	11,74,060
वर्ष का लाभ		-	-	-	3,00,667	-	-	3,00,667
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	2	(16,626)	(16,624)
कुल		**4,669**	**1,868**	**4,39,546**	**10,71,385**	**11**	**(59,376)**	**14,58,103**
सामान्य प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	40,000	(40,000)	-	-	-
स्वामी के ओहदे में स्वामियों के साथ लेनदेन								
लाभांश	16	-	-	-	(1,24,270)	-	-	(1,24,270)
बोनस शेयर जारी करना	16	-	-	(48,732)	-	-	-	(48,732)
शेयरों की पुनर्खरीद	16	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2023 को शेष		**4,669**	**1,868**	**4,30,814**	**9,07,115**	**11**	**(59,376)**	**12,85,101**

ईक्विटी में परिवर्तन का विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण व अधिशेष					अन्य प्रारक्षण	कुल अन्य इक्विटी
		पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजी मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्रतिधारित अर्जन	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी विलेख *	अन्य व्यापक आय *	
1 अप्रैल 2021 को शेष		4,669	1,868	3,99,546	6,78,160	8	(27,828)	10,56,423
वर्ष का लाभ		-	-	-	2,34,893	-	-	2,34,893
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-		1	(14,922)	(14,921)
कुल		**4,669**	**1,868**	**3,99,546**	**9,13,053**	**9**	**(42,750)**	**12,76,395**
सामान्य प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	40,000	(40,000)	-	-	-
स्वामी के ओहदे में स्वामियों के साथ लेनदेन								
लाभांश	16	-	-	-	(1,02,335)	-	-	(1,02,335)
बोनस शेयर जारी करना	16	-	-	-	-	-	-	-
शेयरों की पुनर्खरीद	16	-	-	-	-	-	-	-
31 मार्च 2022 को शेष		**4,669**	**1,868**	**4,39,546**	**7,70,718**	**9**	**(42,750)**	**11,74,060**

* टिप्पणी 16 (ख) देखें

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी.सं. 006826एस

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
क. प्रचालनीय कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
असाधरण मदों और कर से पहले लाभ	3,98,488	3,15,780
इनके लिए समायोजन		
मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	40,787	38,018
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों का प्रावधान	544	-
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ, जिन्हें प्रभारित किया गया	1,950	-
अन्य प्रावधान - संविदा लागत	4,180	-
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व	5,749	5,329
सरकारी अनुदान से अंतरण	(350)	(398)
ब्याज की आय	(25,741)	(17,377)
लाभांश की आय	(8,122)	(407)
पट्टे की देयता पर ब्याज	370	306
वित्त लागत	1,109	179
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री पर लाभ	(152)	(45)
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पहले प्रचालनीय लाभ	**4,18,812**	**3,41,385**
निम्नलिखित के कारण वृद्धि / (कमी)		
व्यापार प्राप्य	(91,862)	44,815
ऋण	48	392
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	(11,630)	(3,540)
अन्य परिसंपत्तियाँ	12,683	(1,14,859)
वस्तुसूचियाँ	(84,515)	(61,223)
व्यापार देय	(4,627)	6,947
अन्य वित्तीय देयताएँ	30,296	6,133
अन्य देयताएँ	50,216	2,62,353
प्रावधान	(97,572)	26,640
चालू कर परिसंपत्तियाँ	(14,830)	(12,683)
प्रचालनों से जनित नकद	**2,07,019**	**4,96,360**
अदा किया गया आय कर (निवल)	(91,500)	(80,244)
असाधारण मदों से पहले नकदी प्राप्ति	**1,15,519**	**4,16,116**
असाधारण मदें	-	-
प्रचालनीय कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकद	**1,15,519**	**4,16,116**
ख. निवेश संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति-		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की खरीद	(56,382)	(55,348)
अनुदान की प्राप्ति	214	-
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की बिक्री से प्राप्ति	170	740
मियादी जमा तथा अन्य बैंक शेष से वृद्धि / (कमी)	2,11,355	(4,26,927)
अन्य निवेश	88,984	(22,305)
प्राप्त ब्याज	25,741	17,377
प्राप्त लाभांश	8,122	407
निवेश संबंधी कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**2,78,204**	**(4,86,056)**

नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण		31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
ग.	वित्त संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति-		
	कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च	(5,058)	(4,738)
	अदा किया गया लाभांश	(1,24,239)	(1,02,331)
	पट्टे की देयताओं की चुकौती	(433)	(167)
	पट्टे की देयता पर ब्याज	(370)	(306)
	वित्त लागत	(1,109)	(179)
	वित्त संबंधी कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(1,31,209)**	**(1,07,721)**
	नकद और नकद समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	**2,62,514**	**(1,77,661)**
	वर्ष के प्रारंभ में नकद और नकद समतुल्य	**1,23,904**	**3,01,565**
	वर्ष के अंत में नकद और नकद समतुल्य	**3,86,418**	**1,23,904**

वित्त संबंधी कार्यकलापों के कारण देयताओं के संबंध में निर्धारित नकद-इतर परिवर्तन - कुछ नहीं

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा है ।

हमारी इसी दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826S

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) व सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं.. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 1 - संपत्ति, संयंत्र और उपकरण

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2022	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 1 अप्रैल 2022 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष का मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2022
स्वामित्व की परिसंपत्ति										
पूर्णस्वामित्व की भूमि	14,317	44	-	14,361	-	-	-	-	14,361	14,317
सड़क और पुलिया	2,271	593	-	2,864	513	127	-	640	2,224	1,758
इमारतें	88,055	10,721	-	98,776	15,351	3,766	-	19,117	79,659	72,704
संस्थापनाएँ	4,990	960	94	5,856	2,800	483	93	3,190	2,666	2,190
संयंत्र और मशीनरी	1,65,832	23,660	133	1,89,359	80,770	17,071	130	97,711	91,648	85,062
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	64,480	3,231	59	67,652	44,407	6,761	59	51,109	16,543	20,073
अनु. व वि. लैब के	52,491	7,761	66	60,186	37,467	7,202	60	44,609	15,577	15,024
उपकरण वाहन	1,096	214	53	1,257	644	156	45	755	502	452
कार्यालयीन उपकरण	13,950	3,427	111	17,266	9,428	1,857	111	11,174	6,092	4,522
फर्नीचर, फिक्सर तथा अन्य	10,084	970	50	11,004	5,841	915	50	6,706	4,298	4,243
उपकरण प्रायोजित अनुसंधान के लिए	65	-	-	65	65	-	-	65	-	-
अर्जित परिसंपत्तियाँ										
परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार अन्य परिसंपत्तियों का पट्टा	4,862	1,468	205	6,125	441	353	205	589	5,536	4,421
पट्टाधारित भूमि	21,037	-	-	21,037	352	161	-	513	20,524	20,685
कुल	**4,43,530**	**53,049**	**771**	**4,95,808**	**1,98,079**	**38,852**	**753**	**2,36,178**	**2,59,630**	**2,45,451**

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2021	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 1 अप्रैल 2021 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष का मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
स्वामित्व की परिसंपत्ति										
पूर्णस्वामित्व की भूमि	13,711	606	-	14,317	-	-	-	-	14,317	13,711
सड़क और पुलिया	2,216	55	-	2,271	396	117	-	513	1,758	1,820
इमारतें	82,337	5,718	-	88,055	11,981	3,370	-	15,351	72,704	70,356
संस्थापनाएँ	4,717	275	2	4,990	2,366	436	2	2,800	2,190	2,351
संयंत्र और मशीनरी	1,51,093	14,885	146	1,65,832	65,935	14,981	146	80,770	85,062	85,158
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	59,822	5,169	511	64,480	37,612	7,158	363	44,407	20,073	22,210
अनु. व वि. लैब के	46,958	5,567	34	52,491	30,260	7,241	34	37,467	15,024	16,698
उपकरण वाहन	875	271	50	1,096	540	136	32	644	452	335
कार्यालयीन उपकरण	12,132	1,869	51	13,950	7,743	1,736	51	9,428	4,522	4,389
फर्नीचर, फिक्सर तथा अन्य	9,348	799	63	10,084	4,972	931	62	5,841	4,243	4,376
उपकरण प्रायोजित अनुसंधान के लिए	65	-	-	65	65	-	-	65	-	-
अर्जित परिसंपत्तियाँ										
परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार अन्य परिसंपत्तियों का पट्टा	440	4,459	37	4,862	198	280	37	441	4,421	242
पट्टाधारित भूमि	20,821	757	541	21,037	202	163	13	352	20,685	20,619
कुल	**4,04,535**	**40,430**	**1,435**	**4,43,530**	**1,62,270**	**36,549**	**740**	**1,98,079**	**2,45,451**	**2,42,265**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 2,081.80 एकड़ (2,081.80 एकड़) और पट्टाधारित भूमि में 989.28 एकड़ (989.20 एकड़) शामिल हैं ।

ii. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 5.32 एकड़ (5.32 एकड़) व्यावसायिक / धार्मिक संगठनों को पट्टाधारित एवं उनके कब्ज़े में शामिल है ।

iii. वर्ष के दौरान आर एंड डी परिसंपत्तियों से संबंधित परिवर्धन इसमें शामिल है

क) केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशाला / उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र की परिसंपत्तियों के संबंध में ₹ 2,440 (₹ 995) नैसर्गिक कोड शीर्ष के तहत परिकलित किया गया है ।

ख) नवी मुंबई की परिसंपत्तियो के संबंध में ₹ 205 (कुछ नहीं) नैसर्गिक कोड शीर्ष के तहत परिकलित किया गया है ।

iv. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मूल्य में कुछ नहीं (रु. 886) मूल्य की पीओएस मशीनें शामिल हैं जो हरियाणा सरकार (प्रचालित पट्टा) के नियंत्रण में हैं।

v. स्थल पुन:स्थापन बाध्यता

पवन चक्की और सौर शक्ति संयंत्रों के संबंध में स्थल पुन:स्थापन बाध्यता के लिए टिप्पणी 21 देखें ।

संयंत्र और मशीनरी के सकल ब्लॉक मूल्य में पवन चक्की और सौर शक्ति संयंत्रों से संबंधित रु. 2,355 (रु. 2,318) की स्थल पुन:स्थापन बाध्यता शामिल है ।

vi. संविदाजन्य प्रतिबद्धताएं

बकाया संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30(6) देखें।

vii. मानी गई लागत

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है ।

viii. परिसंपत्तियाँ के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन

प्रबंधन ने परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन के जोखिम आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए मूर्त परिसंपत्तियों (जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में दर्शित उपयोगी जीवनकाल से अलग हैं) के विभिन्न वर्गों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन किया है ।

मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
भवन	20 - 40
सड़क और पुलिया	20 - 40
संस्थापना	10
संयंत्र एवं मशीनरी	2 - 25
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	5 - 7
वाहन	4 - 5
कार्यालयीन उपकरण	5 - 7
फर्नीचर, जुड़नार और उपकरण	6 - 10
अनु. व वि. लैब के उपकरण	5

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ix. मूल्यह्रास / परिशोधन

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

पट्टे की परिसंपत्तियों को उनके प्राक्कलित जीवकाल या उनकी संबंधित पट्टा अवधि, इनमें से जो भी कम हो, के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है।

x. मूल्यह्रास के लेखांकन की विधि

मूल्यह्रास/परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है। अन्य परिसंपत्तियों के लागत के भाग के रूप में निर्धारित मूल्यह्रास राशि कुछ नहीं (कुछ नहीं) है ।

xi. परिसंपत्तियों का ह्रास

टिप्पणी 30 (4) देखें।

xii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान किए गए असमायोजित पूँजी अग्रिम के संबंध में टिप्पणी 12 देखें ।

xiii. कुछ यूनिटों में सरकार से निशुल्क अधिग्रहित भूमि का परिकलन भारतीय एस 101 के प्रावधानों के अनुरूप किया गया है ।

xiv. पंजीकरण, लंबित मुकदमेबाजी आदि का विवरण

क) बीईएल, हैदराबाद को मल्लापुर में आबंटित 5.60 एकड़ (5.60 एकड़) की जमीन के संबंध में हक बिक्री विलेख का निष्पादन और आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम (एपीआईआईसी) द्वारा आबंटित जमीन का भौतिक कब्जा सौंपे जाना लंबित होने पर और इस मामले के मुकदमे के तहत होने के कारण, लेखा बहियों में पंजीकरण और अन्य खर्तों का प्रावधान नहीं किया गया। ए. पी. आई. आई. सी. को अदा की गई ₹ 65 (₹ 65) की भूमि की लागत शीर्षक 'पूंजीगत अग्रिम' के तहत वित्तीय विवरण में टिप्पणी-12 अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियों में दर्शाई गई है।

ख) रक्षा अधिकारियों के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के आधार पर, बीईएल को आवंटित भूमि पर निर्मित संपत्तियां जो बीईएल के कब्जे में है, हैदराबाद यूनिट की स्थापना के संबंधित शीर्षों के तहत पूँजीकरण किया गया । उपयुक्त अधिकारियों द्वारा निबंधन व शर्तों को अंतिम रूप दिया जाना लंबित होने के कारण, 25.11 एकड़ (25.11 एकड़) की भूमि की लागत को लेखा बहियों में हिसाब में लिया गया है ।

ग) इब्राहिपटनम में एपीआईआईआईसी / टीएसआईआईसी द्वारा आवंटित 122.82 एकड़ (122.82 एकड़) भूमि जिसका कब्जा दिया गया है जिसका बिक्री विलेख लंबित है ।

घ) 1.22 एकड़ (1.22 एकड़) की पूर्ण स्वामित्व की भूमि जो 1.24 एकड़ (1.24 एकड़) भूमि सौंपने के एवज में सरकारी प्राधिकारियों द्वारा आबंटित की गई थी, मुकदमेबाज़ी के अधीन है ।

ङ) कंपनी ने तीन स्थलों में पवन चक्की जनरेटर स्थापित किए हैं । पवन चक्की जनरेटर-I को वर्ष 2006-07 में पट्टे की भूमि में पूँजीकृत किया गया। इस पट्टे का अग्रिम किराया कुछ नहीं है और भूमि के पट्टे के करार को अंतिम रूप दिया जाना लंबित है । पवन चक्की जनरेटर - II को ₹ 36 के पट्टे का अग्रिम किराया अदा करते हुए पट्टाधारित भूमि पर वर्ष 2007-08 में पूँजीकृत किया गया। भूमि के पट्टे के करार को अंतिम रूप दिया जाना लंबित है।

च) 0.566 एकड़ (0.30 एकड़) की भूमि का हक विलेख विवाद में है। तीन मामले सिविल न्यायालय, अम्बाला, एसडीएम सह सहायक आयुक्त, यूटी, चंडीगढ़ और जिला न्यायालय, पंचकुला में लंबित हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

छ) पालसमुद्रम (डिफेंस सिस्टम इंटग्रेशन कॉमप्लेक्स-डीएसआईसी), अनंतपुर जिला, आंध्र प्रदेश में 913.99 एकड़ (913.99 एकड़) की भूमि की बिक्री विलेख को अंतिम रूप देना लंबित है।

झ) पठानकोट में 8.93 एकड़ (8.93 एकड़) की पट्टेवाली भूमि को पूर्णस्वामित्व की भूमि में परिवर्तित किया गया और मई 2022 में पंजीकृत किया गया।

ञ) सोहना (हरियाणा) में 12.52 एकड़ की भूमि जिसका परिवर्तन संबंधित तहसीलदार (गाज़ियाबाद) के पास लंबित है।

xv. कंपनी ने ओ.एफ.बी. मेडक, इटारसी, बोलांगीर और एच.वी.एफ. आवड़ी, जीसीएफ जबलपुर, वीएफजे जबलपुर, हजरतपुर, मुरादनगर, नालंदा, एमएसएफ इशापुर में प्रत्येक संयंत्र के लिए वार्षिक पट्टा किराया के रूप में आई.एन.आर. (परम अंक दर्शाता है) का नाममात्र मूल्य अदा करते हुए पट्टे की भूमि पर सौर शक्ति संयंत्र स्थापित किया है।

xvi. भारतीय एएस 116 के परिवर्तन पर उपयोग का अधिकार के रूप में पूँजीकृत 3 मे.वा. हासन और 8.4 मे.वा. दावणगेरे पवन चक्की संयंत्रों के लिए पूर्वदत्त किराए का भुगतान किया ।

xvii. देवनहल्ली, बेंगलूरु में स्थित 31.15 एकड़ (31.15 एकड़) की भूमि कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) से प्राप्त की गई और पंजीकरण की लागत के साथ भूमि की लागत जो 7,974 (₹ 7974) है पूर्ण स्वामित्व की भूमि के तहत पूंजीकृत की गई। पट्टा करार की शर्तों के अनुसार, परियोजना को सफलतापूर्वक शुरु करने के लिए इसे पूर्णस्वामित्व में बदल दिया जाएगा ।

xviii. वर्ष के दौरान बढ़ाई गई अल्पकालिक पट्टे की राशि कुछ नहीं (कुछ नहीं) है।

xix. पट्टाधारित भूमि में निर्माण के दौरान सरकारी संगठन को पट्टे पर दी गई 9.62 एकड़ (9.62 एकड़) की भूमि शामिल है जो वर्षांत में एनसीआरटीसी के अधिकार में है (गाज़ियाबाद)।

xx. तमिलनाडु इंडस्ट्रियल एक्सप्लोज़िव लि. (टीईएल), चेन्नै के साथ 29 वर्षों के लिए 50 एकड़ के पट्टे के लिए पट्टे का करार किया गया है जिसे ₹ 5,166 के कुल मूल्य के लिए आरओयू परिसंपत्ति के रूप में वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान पूंजीकृत किया गया है। पट्टे के देयता पर ब्याज व्यय ₹ 289 है। भारतीय-एएस 116 के अनुसार बट्टे की दर 6.95% (यानी लागू वृद्धिशील उधार दर) है। टीईएल की कुल नकदी प्राप्ति ₹ 13,685 है।

xxi. "इलेक्ट्रॉनिक कंप्यूटर सिस्टम" से संबंधित उपकरण जिसका सकल ब्लॉक ₹ 3 (₹ 3) है और संचित मूल्यह्रास ₹ 3 (₹ 2) है और "विविध अनुरक्षण उपकरण" से संबंधित उपकरण जिसका सकल ब्लॉक ₹ 2 (₹ 1) है और संचित मूल्यह्रास ₹ 1 (₹ 1) है, नौसेना गोदी, वैजाग में हैं।

xxii. यूनिट द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल को पट्टाधारित भूमि का एक हिस्सा प्रदान किया गया। इसे खाली कराने के लिए यूनिट ने डीएवी पब्लिक स्कूल के विरुद्ध मामला दाखिल किया है (गाज़ियाबाद यूनिट)।

xxiii. वर्ष के दौरान पट्टे का चुकतान ₹ 433 (₹ 167)

xxiv. कर्मचारियों के क्वार्टर के प्रति ₹ 974 (समायोजित ब्याज की आय) की उधार लागत पूँजीकृत किया है । पूँजीकरण दर प्रति वर्ष कुछ नहीं (6.47%) है।

xxv. ₹ 780 के कुल मूल्य के लिए आरओयू परिसंपत्ति के रूप में 2 वर्षों की विस्तारणीय अवधि (कुल पट्टा अवधि 6 वर्ष है) के साथ (गैर-रद्द करने योग्य अवधि) के लिए स्थान के पट्टे की दिशा में क्यूबीईएक्सपीआरओ, विशाखापत्तनम के साथ पट्टा समझौता किया गया है और वर्ष के दौरान इसका पूंजीकरण किया गया है। पट्टा देयता ₹ 205 है। इंडेक्स एएस-116 के अनुसार आगमन व्यय के लिए बट्टाकरण के लिए उपयोग की जाने वाली दर 7.66% प्रति वर्ष है। एसडीसी-विजाग पट्टे का कुल नकदी प्रवाह ₹ 986 है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 2 - पूँजीगत चालू कार्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2023		यथा 31 मार्च 2022	
सिविल निर्माण कार्य	25,429		20,849	
संयंत्र एवं मशीनरी	5,048		16,918	
अन्य	5,505		1,643	
मार्गस्थ पूँजीगत मदें	299		569	
		36,281		39,979
घटाएँ - ह्रास का प्रावधान		(124)		(124)
		36,157		**39,855**

पंजीगत चालू कार्य 2022-2023

विवरण	इस अवधि के लिए पूंजीगत चालू कार्य की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	7,538	8,161	3,291	2,370	21,358
अन्य	13,460	889	242	208	14,799
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजना	-	-	-	124	124
ह्रास का प्रावधान	-	-	-	(124)	(124)
कुल	**20,998**	**9,049**	**3,533**	**2,577**	**36,157**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण 2022-2023

विवरण	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
एलआरसैम अवसंरचना सुविधा	2,520	-	-	-	2,520
डीएसआईसी पालसमुद्रम	592	-	-	274	866
परियोजना - इब्राहिमपट्नम	-	309	-	-	309
उत्पादन भवन	-	124	-	-	124
एमडबल्यूसी भवन	-	106	-	-	106
टीईएल सुविधा	95	-	-	-	95
ईवीएम परियोजना	63	-	-	-	63
एमसीजी सीएडीडीएस भवन	-	38	-	-	38
बीएमएस फेस II	31	-	-	-	31
फ्लैप बैरियर	-	-	26	-	26
डीसीसीएस हैंगर एमआईएससी वर्क्स	21	-	-	-	21
नवीकरण पीएस-एनसीएस	20	-	-	-	20
ऑटोमेटिक ह्यूमैसीलिंग	-	17	-	-	17
कुल	**3,341**	**595**	**26**	**274**	**4,235**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं 2022-2023

विवरण	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
उत्पादन भवन	-	124	-	-	124
कुल	**-**	**124**	**-**	**-**	**124**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

पूंजीगत चालू कार्य 2021-2022

विवरण	इस अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	22,423	7,240	2,744	1,747	34,154
अन्य	4,817	489	178	217	5,701
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	124	124
अनर्जकता का प्रावधान	-	-	-	(124)	(124)
कुल	**27,240**	**7,729**	**2,922**	**1,964**	**39,855**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण 2021-2022

विवरण	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
एलआरसैम	18,023	-	-	-	18,023
डीएसआईसी पालसमुद्रम	565	-	-	274	839
उत्पादन भवन	124	-	-	-	124
टीईएल सुविधा	104	-	-	-	104
एमडबल्यूसी भवन	11	-	-	87	98
परियोजना - इब्राहिमपट्नम	47	-	-	-	47
एमसीजी सीएडीडीएस भवन	-	-	-	38	38
फ्लैप बैरियर	-	26	-	-	26
कुल	**18,874**	**26**	**-**	**399**	**19,299**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं 2021-2022

विवरण	इस अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
उत्पादन भवन	124	-	-	-	124
कुल	**124**	**-**	**-**	**-**	**124**

i. सिविल निर्माण में मुख्यत: उत्पादन संबंधी इमारत, अनु. व वि. इमारत और कर्मचारियों के क्वार्टर शामिल हैं।

ii. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के संबंध में टिप्पणी 30 (6) देखें।

iii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के लिए अदा किए गए असमायोजित पूँजी अग्रिम के लिए टिप्पणी 12 देखें।

iv. परिसंपत्तियों का ह्रास

₹ 124 की वहनीय मूल्य का निर्माणाधीन भवन का कार्य तीन वर्षों से अधिक समय तक रोका गया क्योंकि ठेकेदार से उक्त कार्य दिया गया था, काम बंद कर रहा था और कार्य में कोई प्रगति नहीं हो रही थी। वर्ष 2021-22 के दौरान स्वतंत्र मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर अधिकारिक परिसमापक को ₹ 1,398 का दावा प्रस्तुत किया गया। अधिकारिक परिसमापक (उच्च न्यायालय, मद्रास) ने बीईएल को देरी के लिए क्षमा मांगने के साथ दावा प्रस्तुत करने को कहा। कंपनी इसे प्रस्तुत कर रही है। वित्त वर्ष 2018-19 में ₹ 124 की राशि अनर्जक थी। टिप्पणी 30(4) देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 3 - निवेश संपत्ति

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2022 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	1 अप्रैल, 2022 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2022
पूर्ण स्वामित्व की भूमि*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
इमारत	14	-	-	14	7	1	-	8	6	7
कुल	14	-	-	**14**	7	1	-	**8**	**6**	**7**

* पूर्ण स्वामित्व की भूमि में आईएनआर 3,830 (आईएनआर 3,830) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है ।

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
पूर्ण स्वामित्व की भूमि*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
इमारत	14	-	-	14	6	1	-	7	7	8
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**6**	**1**	**-**	**7**	**7**	**8**

* पूर्ण स्वामित्व की भूमि में आईएनआर 3,830 (आईएनआर 3,830) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है ।

i. **लाभ व हानि के विवरण में दर्शित राशि**

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
क. किराए की आय	242	191
ख. किराए की आय प्रदान करने वाली संपत्ति से प्रत्यक्ष प्रचालनीय व्यय (आर एंड एम सहित)	-	-
ग. उपर्युक्त को छोड़कर प्रत्यक्ष प्रचालनीय व्यय (आर एंड एम सहित)	-	-
घ. मूल्यह्रास	(1)	(1)
ङ. निवेश संपत्ति से लाभ	241	190

ii. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (9) देखें।

iii. **निवेश संपत्तियों का अंकित मूल्य**

विवरण	यथा 31 मार्च 2023 को	यथा 31 मार्च 2022 को
भूमि	2,896	2,896
इमारत	844	839

iv. भूमि जिसमें मूल कंपनी की 1.48 एकड़ (1.48 एकड़) की पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि शामिल है।

v. **मानी गई लागत**

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

vi. परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन

प्रबंधन ने परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन के जोखिम आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए मूर्त परिसंपत्तियों (जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में दर्शित उपयोगी जीवनकाल से अलग हैं) के विभिन्न वर्गों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन किया है।

मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं-

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
इमारत	40

vii. मूल्यहृास

मूल्यहृास की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है। मूल्यहृास की राशि को लाभ व हानि के विवरण में व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

viii. मूल्यहृास के लेखांकन की विधि

मूल्यहृास की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है।

ix. परिसंपत्तियों का हृास

चूँकि निवेश संपत्ति का अंकित मूल्य उसके वहनीय मूल्य से अधिक है, हृास का कोई संकेत नहीं है।

x. निवेश की गई संपत्ति से धनप्राप्ति पर प्रतिबंध

भूमि भारत सरकार द्वारा आबंटित की गई है।

xi. संबंधित पक्षकार के लेन-देन

निवेश संपत्ति में सहायक कंपनी बीईएल थालेस सिस्टम लि. को निरस्त योग्य प्रचालनीय पट्टे के तहत दी गई 0.31 एकड़ (0.31 एकड़) की इमारत और भूमि शामिल है। कृपया टिप्पणी 31 देखें।

xii. पंजीकरण, लंबित मुकदमों आदि के विवरण

क. कुछ नहीं (कुछ नहीं)

xiii. उचित मूल्य का प्राक्कलन - कंपनी ने निवेश संपत्ति के स्थल में इसी प्रकार की परिसंपत्तियों के सरकारी मार्गदर्शी मूल्य (नगरपालिका का मूल्य) के आधार पर निवेश संपत्ति के उचित का प्राक्कलन किया है, पंजीकृत मूल्यांकक के आधार पर नहीं। निवेश संपत्तियों के सभी परिणामी उचित मूल्य प्राक्कलन स्तर-2 में शामिल किए गए हैं।

टिप्पणी 4 - अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	सकल वहनीय राशि				परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2022 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	1 अप्रैल,2022 को	वर्ष के दौरान परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2022
सॉफ्टवेयर लाइसेंस/ इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ई.आर.पी.) का कार्यान्वयन	2,614	438	-	3,052	680	899	-	1,579	1,473	1,934
अन्य (विकास लागत)*	7,239	2,174	-	9,413	2,268	1,035	-	3,303	6,110	4,971
कुल	**9,853**	**2,612**	**-**	**12,465**	**2,948**	**1,934**	**-**	**4,882**	**7,583**	**6,905**

* अन्य विकास एजेंसियों को किए गए वित्त-पोषण सहित।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	सकल वहनीय राशि				परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च , 2022	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च , 2022	यथा 31 मार्च , 2022	यथा 31 मार्च , 2021
सॉफ्टवेयर लाइसेंस/ इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ई.आर.पी.) का कार्यान्वयन	291	2,323	-	2,614	286	394	-	680	1,934	5
अन्य (विकास लागत)*	6,919	320	-	7,239	1,194	1,074	-	2,268	4,971	5,725
कुल	**7,210**	**2,643**	**-**	**9,853**	**1,480**	**1,468**	**-**	**2,948**	**6,905**	**5,730**

* अन्य विकास एजेंसियों को किए गए वित्त-पोषण सहित।

i. मानी गई लागत

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है।

ii. प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल

अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों का प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार है -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
साफ्टवेयर लाइसेंस / इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ई.आर.पी.) का कार्यान्वयन	3
अन्य (विकास लागत)	3 - 15

iii. परिशोधन

परिशोधन की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है। परिशोधन की राशि को लाभ व हानि के विवरण में व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

iv. परिशोधन के गणना की विधि

परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है।

v. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (6) देखें।

vi. परिसंपत्तियों का ह्रास

टिप्पणी 30 (4) देखें।

vii. परिसंपत्तियों के अधिकार पर प्रतिबंध करार की शर्तें द्वारा नियंत्रित होता है।

viii. अवधि के दौरान व्यय माने गए अनुसंधान व विकास व्यय की कुल राशि के लिए टिप्पणी 30 (7) देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 5 - विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
आंतरिक रूप से विकसित *	55,728	53,258
घटाएँ - ह्रास का प्रावधान	(7,758)	(7,213)
	47,970	**46,045**

* अन्य विकास एजेंसियों को किए गए वित्त-पोषण सहित।

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ 2022-2023

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि के लिए विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	4,212	18,920	1,526	29,593	54,251
अन्य	803	674	-	-	1,477
ह्रास का प्रावधान	(544)	-	-	(7,213)	(7,758)
कुल	**4,471**	**19,594**	**1,526**	**22,379**	**47,970**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण 2022-2023

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
क्यूआरसैम	-	18,027	-	-	18,027
अतुल्य	8,435	-	-	-	8,435
जैगुअर के लिए डीजेएजी का विकास	6,404	-	-	-	6,404
सारंक्षी के लिए क्यूटी मॉडल	459	-	-	-	459
हीमे डायलिसिस मशीन	-	374	-	-	374
समुद्रिका परियोजना का विकास	342	-	-	-	342
सर्वधारी प्रणाली के लिए विकास कार्य	144	-	-	-	144
एएसयू का विकास	30	-	-	-	30
एंटी शिप एप्लिकेशन के लिए एक्स-बेंड आरएफ सीकर	-	16	-	-	16
तुषार के लिए यूईटी मॉडल	15	-	-	-	15
कुल	**15,829**	**18,417**	**-**	**-**	**34,246**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं 2022-2023

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ 2021-2022

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि के लिए विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों की राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	6,672	1,526	2,576	34,415	45,189
अन्य	856	-	277	6,936	8,069
ह्रास का प्रावधान	-	-	(277)	(6,936)	(7,213)
कुल	**7,528**	**1,526**	**2,576**	**34,415**	**46,045**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण 2021-2022

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
क्यूआरसैम	17,105	-	-	-	17,105
अतुल्य	8,416	-	-	-	8,416
सारंग के लिए क्यूटी मॉडल	478	-	-	-	478
एएफसी गेट का डिज़ाइन और विकास	242	-	-	-	242
निकश सिस्टम का विकास कार्य	173	-	-	-	173
पारपाइस अपग्रेडेशन परियोजना	118	-	-	-	118
सर्वधारी प्रणाली के लिए विकास कार्य	104	-	-	-	104
समुद्रिका परयोजना का विकास	97	-	-	-	97
सारंक्षी के लिए क्यूटी मॉडल	36	-	-	-	36
तुषार के लिए यूईटी मॉडल	15	-	-	-	15
कुल	**26,784**	**-**	**-**	**-**	**26,784**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं 2021-2022

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

i. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (6) देखें।

ii. **परिसंपत्तियों का ह्रास -**

₹ 545 (शून्य) की राशि का प्रावधान अनर्जक हानि के रूप में किया गया था क्योंकि वर्तमान में विकास कार्य नहीं किए जा रहे हैं और कंपनी के आकलन के अनुसार भी इससे आर्थिक अनुलाभ सृजित करने की संभावना नहीं थी (टिप्पणी 30(4) देखें)।

iii. ₹ 1,950 (शून्य) की राशि वर्ष के दौरान लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित की गई।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 6 - निवेश

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
सहायक कंपनी को दिए गए ऋण का उचित मूल्यांकन		
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि., पुणे	227	227
(I) इक्विटी विलेखों में निवेश (अनुद्धत)		
(क) सहायक कंपनी (लागत पर)		
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि., पुणे ** प्रत्येक आई.एन.आर.100 पूर्ण चुकता के 84,506,970 (84,506,970)) इक्विटी शेयर	16,763	16,763
बीईएल - थालेस सिस्टम्स लिमिटेड,बेंगलूरु प्रत्येक आई.एन.आर.100 पूर्ण चुकता के 4,263,538 (4,263,538) इक्विटी शेयर	4,264	4,264
(ख) संबंद्ध कंपनी (लागत पर)		
जीई-बीई प्राइवेट लि., बेंगलूरु प्रत्येक आई.एन.आर.10 पूर्ण चुकता के 2,600,000 (2,600,000) इक्विटी शेयर	260	260
(ग) अन्य (एफवीओसीआई पर) (नीचे दी गई टिप्पणी देखें)		
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि., हैदराबाद् प्रत्येक ₹ 1000 पूर्ण चुकता के 500 (500) इक्विटी शेयर	15	13
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु प्रत्येक ₹ 1000 पूर्ण चुकता के 50 (50) इक्विटी शेयर	1	1
(II) अन्य निवेश (अनुद्धत)		
(क) कोऑपरेटिव सोसाइटियों में निवेश (लागत पर)* **कफ़ परेड पर्सोपोलिस प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव सोसाइटी, मुंबई आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 40 (40) शेयर**	-	-
सुखसागर प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव, सोसाइटी, मुंबई आई.एन.आर.50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 10 (10) शेयर	-	-
श्री सप्तरत्न कोऑप. सोसाइटी लि., मुंबई आई.एन.आर.50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 10 (10) शेयर	-	-
दालामल पार्क कोऑप. सोसाइटी लि., मुंबई आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 5 (5) शेयर	-	-
चंद्रलोक कोऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पुणे आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 30 (30) शेयर	-	-
(ख) अन्य (एफवीटीपीएल पर)		
भारतीय जीवन बीमा निगम (टिप्पणी ii देखें)	44,910	1,33,896
	66,440	**1,55,424**

* आईएनआर 4,750 (समग्र अंक) (आईएनआर 4,750) (समग्र अंक) जिसे पूर्णांकित किया गया। यह हाउसिंग सोसाइटियों में उनके उप-नियमों के अनुसार अर्जित शेयर का मूल्य दर्शाते हैं।

i.

विवरण	2022-23	2021-22
उद्धृत निवेशों का कुल मूल्य और उनका बाज़ार मूल्य	-	-
अनुद्धृत निवेशों का कुल मूल्य	66,440	1,55,424
निवेश के मूल्य में ह्रास की कुल राशि	-	-

ii. क. कंपनी ने अपनी छुट्टी नकदीकरण देयता का निवेश एलआईसी के न्यू ग्रूप लीव एन्कैशमेंट प्लान में किया है।

ख. वर्ष के दौरान बीईआरईसीएचएस देयता जो न्यू ग्रूप सुपरएन्यूएशन कैश एक्युमुलेशन प्लान में है, से संबंधित एलआईसी निवेश को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सेवानिवृत्त कर्मचारी मेडिकल ट्रस्ट (बीआरईएमटी) को अंतरित किया गया है। (टिप्पणी 21 देखें)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

iii. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iv. मे. डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ)में इक्विटी पूँजी के लिए आईएनआर 50,000 (परम अंक दर्शाता है) का अंशदान किया गया। डीआईओ की स्थापना कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार अलाभ कंपनी के रूप में ₹ 100 की प्राधिकृत शेयर पूँजी (बीईएल-50%; एचएएल-50%) के साथ रक्षा क्षेत्र में नवाचार का वित्तपोषण करने हेतु 10 अप्रैल 2017 को की। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेंगलूरु में अवस्थित है।

प्रारंभिक कोर्पस निधि में अंशदान हेतु लेखाबहियों में ₹ 5000 का प्रावधान किया गया है। इसमें से ₹ 4000 की राशि वितरण के लिए लंबित है।

v. क. कंपनी ने एफवीओसीआई में मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. तथा डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु के इक्विटी शेयरों में निवेश किया है क्योंकि ये इक्विटी शेयर ऐसे निवेश को दर्शाते हैं जो रणनीतिक प्रयोजन से लंबे समय तक धारित करने के लिए आशयित हैं। निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि के आधार पर निवेश का अंकित मूल्य इस प्रकार है -

विवरण	31 मार्च 2023 को अंकित मूल्य	2022-2023 के दौरान निर्धारित लाभांश आय	31 मार्च 2022 को अंकित मूल्य	2021-2022 के दौरान निर्धारित लाभांश आय
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि., हैदराबाद	15	-	13	-
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु	1	-	1	-

ख. कंपनी ने इन निवेशों पर अब तक कोई लाभांश प्राप्त नहीं किया है।

ग. 2022-23, के दौरान कोई रणनीतिक निवेश को निपटाया नहीं गया और इन निवेशों के संबंध में इक्विटी में कोई संचित लब्धि या हानि अंतरित नहीं की गई।

vi. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

टिप्पणी 7 - व्यापार प्राप्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें संदिग्ध माना गया		
व्यापार प्राप्य	1,83,839	1,59,043
घटाएँ - प्रावधान*	(1,83,839)	(1,59,043)
उप कुल (क)	-	-
चालू		
रक्षित, जिन्हें खरा माना गया	934	785
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया	7,01,267	6,09,554
उप कुल (ख)	**7,02,201**	**6,10,339**
कुल (क+ख)	**7,02,201**	**6,10,339**

* इसमें प्राप्य क्रेडिट ह्रासमान हैं, से संबंधित ₹ 339 (₹ 339) शामिल है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

गैर चालू व्यापार प्राप्य 2022-2023

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 महीनों से कम	6 महीनों से 1 वर्ष तक	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	1,899	36	17,435	15,059	19,118	13,033	1,00,483	1,67,062
अविवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
अविवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	339	339
विवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	16,438	16,438
विवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
घटाएँ - प्रावधान	(1,899)	(36)	(17,435)	(15,059)	(19,118)	(13,033)	(1,17,260)	(1,83,839)
कुल	-	-	-	-	-	-	-	-

चालू व्यापार प्राप्य 2022-2023

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 महीनों से कम	6 महीनों से 1 वर्ष तक	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	89,818	2,916	3,36,506	1,10,435	88,154	32,399	41,172	7,01,400
अविवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
अविवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापारप्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	801	801
विवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**89,818**	**2,916**	**3,36,506**	**1,10,435**	**88,154**	**32,399**	**41,973**	7,02,201

गैर चालू व्यापार प्राप्य 2021-2022

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 महीनों से कम	6 महीनों से 1 वर्ष तक	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित व्यापार प्राप्य - संदिग्ध माना गया	8,582	59	10,507	7,287	14,348	15,291	86,192	1,42,266
अविवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
अविवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	339	339
विवादित व्यापारप्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	16,438	16,438
विवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
घटाएँ - प्रावधान	(8,582)	(59)	(10,507)	(7,287)	(14,348)	(15,291)	(1,02,969)	(1,59,043)
कुल	-	-	-	-	-	-	-	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

चालू व्यापार प्राप्य 2021-2022

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 महीनों से कम	6 महीनों से 1 वर्ष तक	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
अविवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	82,465	3,362	3,11,367	68,204	71,810	45,315	27,015	6,09,538
अविवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
अविवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - जिन्हें खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	801	801
विवादित व्यापार प्राप्य - उल्लेखनीय ऋण जोखिम	-	-	-	-	-	-	-	-
विवादित व्यापार प्राप्य - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**82,465**	**3,362**	**3,11,367**	**68,204**	**71,810**	**45,315**	**27,816**	6,10,339

i. भुगतान के निबंधन

क. अधिकांश संविदाओं में, मदों की सुपुर्दगी पर भुगतान (प्राप्त अग्रिम, यदि कोई हो, का निवल) देय है। बहरहाल, कुछ संविदाओं में देयों का एक हिस्सा (सामान्यत: 5% से 10%) अतिरिक्त कार्य-निष्पादन देयता की संतुष्टि से जुड़ा है जैसे संस्थापना एवं कार्यारंभ संबंधी कार्यों को पूरा करना आदि। टर्नकी संविदाओं के संबंध में, भुगतान (निवल अग्रिम, यदि कोई हो) निर्दिष्ट उपलब्धियों को प्राप्त करने से जुड़ा होता है।

ख. ग्राहक से प्राप्त प्रगामी भुगतानों सहित अग्रिम को संविदा की देयता के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और संबंधित कार्य-निष्पादन देयता के समापन पर समायोजित किया जाता है।

ग. संविदा में अन्य कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के साथ भुगतान को जोड़ने के कारण पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में ग्राहकों द्वारा रोक रखी गई राशि को संविदा परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। प्राप्त शेष राशि को व्यापार प्राप्य के रूप में वर्गीकृत किया जाता है ।

ii. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iii. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 30 के अनुरुप किया गया है।

iv. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

v. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 8 - ऋण

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
कर्मचारियों को ऋण	656	728
	656	**728**
अन्य		
कर्मचारियों को ऋण	1	1
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)
अन्य को ऋण	132	132
घटाएँ - प्रावधान*	(132)	(132)
उप कुल (क)	**656**	**728**
चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
संबंधित पक्षकारों को ऋण **	-	-
अन्य		
कर्मचारियों को ऋण	172	148
उप कुल (ख)	**172**	**148**
कुल(क+ख)	**828**	**876**

* इसमें ऐसे ऋणों से संबंधित ₹ 132 (₹ 132) शामिल है जो क्रेडिट ह्रासमान हैं।

** वर्ष के दौरान किसी भी समय बकाया अधिकतम राशि कुछ नहीं (₹ 1640) है, जिसमें ब्याज शामिल है।

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 30 के अनुरुप किया गया है।

iii. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

iv. प्रतिभूति, दृष्टिबंधन आदि के लिए टिप्पणी 35 देखें

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 9 - अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
सुरक्षा जमा	1,744	2,076
12 महीनों से अधिक परिपक्वता के साथ बैंक जमा **	173	173
अन्य परिसंपत्तियाँ	-	26
	1,917	**2,275**
अरक्षित, जिन्हें संदिग्ध माना गया		
सुरक्षा जमा	83	80
घटाएँ - प्रावधान	(83)	(80)
अन्य को दिए गए अग्रिम	14	14
घटाएँ - प्रावधान	(14)	(14)
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	971	969
घटाएँ - प्रावधान*	(971)	(969)
अन्य परिसंपत्तियाँ	107	74
घटाएँ - प्रावधान	(107)	(74)
उप कुल (क)	**1,917**	**2,275**
चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
सुरक्षा जमा	2,128	1,881
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम	166	168
अन्य को दिए गए अग्रिम	3	3
प्रोद्भत ब्याज परंतु मीयादी जमा पर देय नहीं	1,969	3,775
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	1,795	2,540
प्रतिभूति ***	2,199	-
अन्य परिसंपत्तियाँ	14,132	1,864
उप कुल (ख)	**22,392**	**10,231**
कुल (क+ख)	**24,309**	**12,506**

* टिप्पणी 30 (23) देखें

** बैंक गारंटी के समक्ष मार्जिन राशि के रूप में धारित शेष दर्शाता है।

*** मार्च 2023 के दौरान, ₹ 2,199 की राशि 87,16,850 राइट इश्यू के प्रति निवेश की गई जिसका आवंटन दिनांक 09.05.2023 को किया गया। संबंधित पक्षकार के प्रकटण के लिए टिप्पणी सं. 31 देखें।

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 30 के अनुरुप किया गया है।

iii. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

iv. कुछ नहीं (कुछ नहीं) की निवल वहनीय राशि को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण जो सक्रिय प्रयोग में नहीं हैं के संबंध में अन्य परिसंपत्तियों में शामिल किया गया है।

v. प्रतिभूति, दृष्टिबंधन आदि के लिए टिप्पणी 35 देखें

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 10 - आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	71,159	83,519
आस्थगित कर देयताएँ	(20,820)	(21,449)
	50,339	**62,070**

i. लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित आय

क्र. सं.	विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
1	**आय कर के व्यय -**		
	- चालू अवधि	87,446	91,052
	- पूर्व के वर्षों से संबंधित प्राक्कलनों में परिवर्तन	(2,001)	-
2	**आस्थगित कर -**		
	- अस्थायी अंतरों का उद्गम और व्युत्क्रमण	12,376	(10,165)
3	**आस्थगित कर के कुल व्यय/(अनुलाभ) कर के**	**12,376**	**(10,165)**
4	**व्यय**	**97,821**	**80,887**

ii. अन्य व्यापक आय में निर्धारित आय कर

क्र. सं.	विवरण	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
		कर पूर्व	कर (व्यय)/ अनुलाभ	निवल कर	कर पूर्व	कर (व्यय)/ अनुलाभ	निवल कर
1	निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / (परिसंपत्ति) का पुन:मापन	(22,217)	5,592	(16,625)	(19,940)	5,019	(14,921)
2	अन्य द्वारा इक्विटी विलेख समग्र आय	2	(1)	1	1	(1)	-
	कुल	**(22,215)**	**5,591**	**(16,624)**	**(19,939)**	**5,018**	**(14,921)**

iii. इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से निर्धारित आय कर

इक्विटी 31 मार्च 2023 को और 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से अभिचिह्नत कोई आय कर नहीं है।

iv. प्रभावी कर दरों का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2023		यथा 31 मार्च 2022	
	दर	राशि	दर	राशि
कर पूर्व लाभ		3,98,488		3,15,780
कंपनी की घरेलू कर दर का इस्तेमाल करते हुए कर	25.17%	1,00,291	25.17%	79,476
प्रभाव	-	-	-	-
अनुसंधान एवं विकास व्ययों पर अतिरिक्त कटौती	-	-	-	-
छूट प्राप्त आय	-	-	-	-
कर प्रोत्साहन	-0.50%	(2,001)	-	-
पिछले वर्षों से संबंधित प्राक्कलनों में परिवर्तन	0.42%	1,676	0.42%	1,338
गैर-कटौती योग्य व्यय	-	-	-	-
कर दर में परिवर्तन का प्रभाव अन्य	-0.54%	(2,145)	0.02%	73
प्रभावी कर दर	**24.55%**	**97,821**	**25.61%**	**80,887**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

v. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) और देयताएँ निम्नलिखित के कारण हैं -

क्र. सं.	विवरण	आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)		आस्थगित कर देयताएँ		निवल आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताएँ	
		यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
1.	व्यापार प्राप्य	(12,372)	(10,985)	-	-	(12,372)	(10,985)
2.	वस्तुसूची	(15,380)	(11,784)	-	-	(15,380)	(11,784)
3.	प्रावधान अन्य	(20,160)	(17,707)	-	-	(20,160)	(17,707)
4.	कर्मचारी अनुलाभ	(18,321)	(39,387)	-	-	(18,321)	(39,387)
5.	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	-	409	487	409	487
6.	आस्थगित राजस्व	(261)	(261)	-	-	(261)	(261)
7.	अन्य परिसंपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-
8.	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	-	-	15,938	16,488	15,938	16,488
9.	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-	-	-
10.	इक्विटी निवेश	-	-	2	2	2	2
11.	अन्य वित्तीय देयताएँ	-	-	8	8	8	8
12.	ह्रास का प्रावधान	(4,665)	(3,394)	-	-	(4,665)	(3,394)
13.	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	-	4,463	4,463	4,463	4,463
14.	**कुल**	**(71,159)**	**(83,518)**	**20,820**	**21,448**	**(50,339)**	**(62,070)**
15.	(परिसंपत्ति)/ देयता का पृथक्करण	20,820	21,448	(20,820)	(21,448)	-	-
	निवल आस्थगित कर (परिसंपत्ति)/ देयता	**(50,339)**	**(62,070)**	**-**	**-**	**(50,339)**	**(62,070)**

vi. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) एवं देयताओं का संचलन-

क्र. सं.	विवरण	यथा 1 अप्रैल,2022 को शेष	2022-2023 के दौरान लाभ व हानि में निर्धारित	2022-2023 के दौरान ओसीआई में निर्धारित	यथा 31 मार्च 2023 को शेष
1.	व्यापार प्राप्य	(10,985)	(1,387)	-	(12,372)
2.	वस्तुसूची	(11,784)	(3,596)	-	(15,380)
3.	प्रावधान अन्य	(17,707)	(2,453)	-	(20,160)
4.	कर्मचारी अनुलाभ	(39,387)	21,711	(645)	(18,321)
5.	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	487	(78)	-	409
6.	आस्थगित राजस्व	(261)	-	-	(261)
7.	अन्य परिसंपत्तियाँ	-	-	-	-
8.	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	16,488	(550)	-	15,938
9.	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-
10.	इक्विटी निवेश	2	-	-	2
11.	अन्य वित्तीय देयताएँ	8	-	-	8
12.	ह्रास का प्रावधान	(3,394)	(1,271)	-	(4,665)
13.	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4,463	-	-	4,463
	कुल	**(62,070)**	**12,376**	**(645)**	**(50,339)**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

आस्थगित कर (परिसम्पत्तियो) और देयताओ का संचलन

क्र. सं.	विवरण	यथा 1 अप्रैल,2021 को शेष	2021-2022 के दौरान लाभ व हानि में निर्धारित	2021-2022 के दौरान ओसीआई में निर्धारित	यथा 31 मार्च 2022 को शेष
1 .	व्यापार प्राप्य	(10,154)	(831)	-	(10,985)
2 .	वस्तुसूची	(11,039)	(745)	-	(11,784)
3 .	प्रावधान अन्य	(14,687)	(3,020)	-	(17,707)
4 .	कर्मचारी अनुलाभ	(30,429)	(3,391)	(5,567)	(39,387)
5 .	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	442	45	-	487
6 .	आस्थगित राजस्व	(268)	7	-	(261)
7 .	अन्य परिसंपत्तियाँ	1	(1)	-	-
8 .	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	18,010	(1,522)	-	16,488
9 .	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-
10 .	इक्विटी निवेश	3	(1)	-	2
11 .	अन्य वित्तीय देयताएँ	7	1	-	8
12 .	ह्रास का प्रावधान	(2,687)	(707)	-	(3,394)
13 .	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4,463	-	-	4,463
	कुल	**(46,339)**	**(10,165)**	**(5,567)**	**(62,070)**

vii. अनिर्धारित आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) / देयताएँ -

ऐसे कोई अस्थायी अंतर नहीं हैं जिनमें 31 मार्च 2023 और 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) / देयताओं को निर्धारित किया गया।

viii. आगे ले जाई गई कर की हानि-

ऐसे कोई कर की हानि नहीं हैं जिसे 31 मार्च 2023 और 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/देयताओं को निर्धारित किया गया।

ix. समाधान के लिए प्रयुक्त कर की दर की कार्पोरेट कर दर 25.168% (25.168%) है जो आयकर अधिनियम, 1961 के तहत कर योग्य लाभों पर कार्पोरेट संस्थानों द्वारा देय है। वित्त वर्ष 2020-21 से कंपनी ने आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 115 बीएए के तहत निम्नतर कर दर जिसे कराधार कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा शामिल किया गया था, का विकल्प लिया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 11 - वस्तुसूचियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
कच्चा माल और घटक	61,317	49,002
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	67	64
घटाएँ - प्रावधान	(60,806)	(46,419)
	578	**2,647**
व्यापारगत स्टॉक	49	88
घटाएँ - प्रावधान	(49)	(88)
भंडार व पुर्जे	202	275
घटाएँ - प्रावधान	(197)	(246)
	5	**29**
खुले औजार	62	127
घटाएँ - प्रावधान	(58)	(69)
	4	**58**
उप कुल (क)	**587**	**2,734**
चालू		
कच्चा माल और घटक	3,83,157	3,35,495
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार व पुर्जे	21,557	21,517
	4,04,714	**3,57,012**
चालू कार्य	1,93,943	1,67,272
तैयार माल	11,067	14,536
जोड़ें - मार्गस्थ तैयार माल	25,940	9,712
	37,007	**24,248**
व्यापारगत स्टॉक	1,225	1,647
जोड़ें - मार्गस्थ व्यापारगत स्टॉक	-	5
	1,225	**1,652**
भंडार व पुर्जे	2,237	2,722
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार व पुर्जे	25	-
	2,262	**2,722**
खुले औजार	916	814
	916	**814**
रद्दी का निपटान	551	236
	551	**236**
उप कुल (ख)	**6,40,618**	**5,53,956**
कुल (क+ख)	**6,41,205**	**5,56,690**

i. 179 (₹ 386) की सामग्री पुष्टिकरण और समाधान के अधीन है। 179 (₹ 386) के समक्ष ₹ 163 (₹ 386) की राशि का प्रावधान किया गया है।

ii. **वर्ष की स्टॉक सत्यापन विसंगतियाँ इस प्रकार हैं -**

₹ 713 (₹ 705) की कमी और ₹ 240 (₹ 389) का अधिशेष । समाधान के लंबित होने पर, ₹ 447(₹ 316) की राशि का प्रावधान किया गया है।

iii. वस्तुसूचियों का मूल्यांकन कंपनी की लेखा नीति सं. 18 के अनुसार किया गया है।

iv. **क.** संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सचिवालय ने 05.11.2007 से 31.03.2012 की सत्यापन अवधि के लिए 2.5 मे.वॉ. बीईएल ग्रिड कनेक्टेड पवन शक्ति परियोजना, दावणगेरे जिला, कर्नाटक के लिए, पूर्व के वर्षों के दौरान 15,856 (15,856) टन CO2EQ कार्बन क्रेडिट मंजूर किया है। इन कार्बन क्रेडिट को ₹ 2 (₹ 2) के मूल्य पर तैयार माल के तहत शामिल किया जाता है। सी.ई.आर. को आईसीएआई द्वारा जारी सीईआर संबंधी मार्गदर्शी टिप्पणी द्वारा यथा अपेक्षित लागत पर मूल्यांकित किया जाता है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ख. प्रमाणीकरण के तहत सीईआर - कुछ नहीं (कुछ नहीं).

ग. वर्ष के दौरान उत्सर्जन कम करने वाले उपकरणों का मूल्यह्रास और प्रचालन -

क्र.सं.	विवरण	2022-23	2021-22
i.	मूल्यह्रास	295	287
ii.	उत्सर्जन कम करने वाले उपकरणों की प्रचालनीय लागत	210	201
	कुल	**505**	**488**

v. प्रतिभूति, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

vi. लाभ व हानि का विवरण में दर्शित राशि

वस्तुसूचियों को निवल वसूली योग्य मूल्य में बट्टे खाते में डालने की राशि ₹ 945 (₹ 1,575) है, को लाभ व हानि के विवरण में दर्शाया गया।

vii. वर्ष के दौरान वस्तुसूचियों को बट्टे खाते में डालने का ₹ 885 (₹ 539) का व्युत्क्रमण किया गया जिन्हें पिछले वर्ष में व्यय के रूप में दर्शाया गया ।

viii. परिसंपत्तियों का ह्रास

वस्तुसूची का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 18के अनुरूप किया गया है।

ix. ₹ 4157 (₹ 4,350) राशि की सामग्री को ग्राहक के परिसर में वास्तविक रूप से देखा गया ।

x. कंपनी ने संविदाजन्य शर्तों के अनुसार ग्राहकों की परिसंपत्तियों को प्राप्त किया / प्रतिधारित किया है जो वस्तुसूची का भाग नहीं है।

टिप्पणी 12 - अन्य परिसंपत्तियां

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
पूँजीगत अग्रिम	2,280	2,576
	2,280	**2,576**
पूँजीगत अग्रिमों के अलावा अग्रिम		
क्रय के लिए अग्रिम	2,754	2,742
घटाएँ - प्रावधान	(2,754)	(2,742)
	-	-
संविदा परिसंपत्ति	21,870	15,282
घटाएँ - प्रावधान	(21,870)	(15,282)
	-	-
अन्य		
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष	458	497
घटाएँ - प्रावधान	(384)	(424)
	74	**73**
पूर्वदत्त व्यय	220	504
प्राप्त दावे - क्रय	1,152	1,102

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
घटाएँ - प्रावधान	(1,152)	(1,102)
	-	-
संविदा की लागत	45,441	64,631
घटाएँ - प्रावधान	(4,180)	-
	41,261	**64,631**
अन्य - परिसंपत्तियाँ	19	19
घटाएँ - प्रावधान	(19)	(19)
	-	-
उप कुल (क)	**43,835**	**67,784**
चालू		
पूँजीगत अग्रिमों के अलावा अग्रिम		
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम	677	781
क्रय के लिए अग्रिम	1,02,783	1,41,295
संविदा परिसंपत्ति	6,09,644	5,67,036
अन्य		
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष*	33,241	35,826
पूर्वदत्त व्यय	1,073	5,348
पूर्वदत्त कर	10,346	6,178
प्राप्त दावे - क्रय	3,287	2,370
संविदा की लागत	19,777	16,760
अन्य - परिसंपत्तियाँ	3,061	1,209
उप कुल (ख)	**7,83,889**	**7,76,803**
कुल (क+ख)	**8,27,724**	**8,44,587**

* सीमाशुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकारियों के पास शेष - माननीय मद्रास उच्च न्यायालय के एकल व बृहद खंडपीठ द्वारा बीईएल के पक्ष में दो निर्णय लिए गए। सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवाद दाखिल किया गया और जीएसटी विभाग को क्रेडिट का उपयोग करने में बीईएल को सक्षम बनाने हेतु समझाया गया। तदुपरांत, सीजीएसटी संक्रमण क्रेडिट के ₹ 1,497 की राशि का उपयोग वर्ष के दौरान किया गया।

i. परिसंपत्तियों का ह्रास

गैर वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 13 के अनुरूप किया गया है।

ii. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

iii. संविदा परिसंपत्तियों का ह्रास

संविदा परिसंपत्तियों का ह्रास ₹ 4,952 (₹ 881).

iv. उचित मूल्य का मापन

	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
	FVTPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVTPL	FVOCI	परिशोधित लागत
संविदा परिसंपत्ति	-	-	6,09,644	-	-	5,67,036

v. संविदा की लागत का अंतिम शेष ग्राहकों से ₹ 318 (₹ 7,970) और की संविदा प्राप्त करने की लागत दर्शाता है तथा संविदा पूरा करने की लागत ₹ 60,720(₹ 73,421)।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

vi. संविदा लागतों का परिशोधन और ह्रास- संविदा लागतों के परिशोधन का निर्धारण जो संविदा लागत से अपेक्षित अनुलाभ की अवधि के आधार पर किया गया, ₹ 24,716 (₹ 11,717) है। संविदा लागतों का ह्रास ₹ 4,180 (कुछ नहीं) निर्धारित किया गया।

vii. प्रतिभूति, दृष्टिबंधन आदि के लिए टिप्पणी 35 देखें

टिप्पणी 13 - नकद व नकद समतुल्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
बैंकों के पास शेष	83,717	38,403
हस्तस्थ नकद	1	1
मीयादी जमा	3,02,700	85,500
	3,86,418	**1,23,904**

नकद व नकद समतुल्य में तीन महीनों तक की परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा शामिल हैं। तीन महीनों से अधिक और बारह महीनों तक की परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा को बैंक शेष में शामिल किया गया है (टिप्पणी 14 देखें) और बाहर महीनों से अधिक की मूल परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा को अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ में शामिल किया गया है (टिप्पणी 9 देखें)।

i. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. नकद व नकद समतुल्य के संबंध में कोई प्रत्यावर्ती प्रतिबंध नहीं है।

iii. बैंकों के पास शेष में शामिल हैं- माननीय कर्नाटक उच्च न्यायालय से प्राप्त स्थगन आदेश के अनुसार, बैंक प्राधिकारियों ने वसूली अधिकारी - ईएसआई निगम द्वारा जारी गारनिशी आदेश के आधार पर ₹ 46 (₹ 46) रोक रखा। इस गार्निशी आदेश का निपटान दिनांक 23.08.2022 को किया गया।

iv. प्रतिभूति, दृष्टिबंधन आदि के लिए टिप्पणी 35 देखें

टिप्पणी 14 - बैंक शेष [उक्त (ii) के अलावा]

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
मीयादी जमा*	4,12,509	6,24,300
अदत्त लाभांश खाता **	1,973	1,710
	4,14,482	**6,26,010**

* इसमें अधिनिर्णायक प्राधिकारी के कुर्की आदेश दिनांक 14.03.2023 (धन शोधन रोकथाम अधिनियम, 2002) के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से धारित ₹ 1,209 की जमा राशि शामिल है। यह राशि एबीजी शिप यार्ड लि. से संबंधित है। तदुपरांत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस राशि को दिनांक 17.04.2023 को भुनाया।

** इसमें लाभांश वितरण पर रोका गया ₹ 1,727 (₹ 1,495) का कर शामिल है।

i. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. बैंक शेष के संबंध में प्रत्यावर्तन पर कोई प्रतिबंध नहीं है।

iii. प्रतिभूति, दृष्टिबंधन आदि के लिए टिप्पणी 35 देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 15

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		
आय कर का अग्रिम भुगतान	40,156	14,325
	40,156	**14,325**
चालू कर देयताएँ (निवल)		
कराधान का प्रावधान	-	-
	-	**-**

टिप्पणी 16

क. इक्विटी शेयर पूँजी

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
i.	**अधिकृत पूँजी**		
	आईएनआर 1 (आईएनआर 1) प्रत्येक के 7,500,000,000(2,500,000,000) इक्विटी शेयर	75,000	25,000
ii.	**जारी, अभिदत्त एवं पूर्ण चुकता पूँजी**		
	आईएनआर 1 (आईएनआर 1) प्रत्येक के 7,309,778,829(2,436,592,943) इक्विटी शेयर	73,098	24,366

iii. अवधि के प्रारंभ और अंत में बकाया शेयरों की संख्या का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2023		यथा 31 मार्च 2022	
	शेयरों की सं.	राशि	शेयरों की सं.	राशि
रिपोर्टिंग अवधि के प्रारंभ में बकाया शेयर	2,43,65,92,943	24,366	2,43,65,92,943	24,366
जोड़ें - वर्ष के दौरान जारी शेयर	4,87,31,85,886	48,732	-	-
घटाएँ - वर्ष के दौरान पुन:खरीद किए गए शेयर	-	-	-	-
रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया शेयर	7,30,97,78,829	73,098	2,43,65,92,943	24,366

iv. कंपनी में 5% से अधिक शेयर धारित करने वाले प्रत्येक शेयरधारक द्वारा धारित शेयर

शेयरधारक का नाम	यथा 31 मार्च 2023		यथा 31 मार्च 2022	
	शेयरों की सं.	शेयरधारण का %	शेयरों की सं.	शेयरधारण का %
भारत सरकार	3,73,79,21,934	51.14%	1,24,59,73,978	51.14%
एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लि. - खाता एचडीएफसी मिड-कैप अपार्च्युनिटी फंड	-	-	12,65,04,722	5.19%

v. पिछले 5 वर्षों के दौरान बोनस शेयरों द्वारा पूर्ण चुकता के रूप में आवंटित शेयरों की कुल संख्या और वर्ग।

बोनस शेयरों द्वारा पूर्ण चुकता के रूप में आबंटित इक्विटी शेयर -

वर्ष	2018-2019	2019-2020	2020-2021	2022-2023	2022-2023
शेयरों की सं.	-	-	-	-	4,87,31,85,886

vi. पिछले 5 वर्षों के दौरान पुन:खरीदे गए शेयरों की कुल संख्या और वर्ग

पुन:खरीदे गए इक्विटी शेयर -

वर्ष	2018-2019	2019-2020	2020-2021	2022-2023	2022-2023
शेयरों की सं.	-	-	-	-	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
vii.	विकल्प के तहत जारी करने के लिए आरक्षित शेयर तथा शेयर / विनिवेश की बिक्री की संविदाएँ/प्रतिबद्धताएँ	-	-
viii.	अदत्त कॉल का कुल मूल्य (कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों सहित)	-	-
ix.	जब्त शेयर	-	-

x. प्रत्येक वर्ग के शेयर से संबद्ध निबंधन, अधिकार, अधिमानता और प्रतिबंध

क. कंपनी में केवल एक वर्ग के शेयर नामत: इक्विटी शेयर हैं।

ख. इक्विटी शेयर के प्रत्येक धारक हाथ दिखाकर एक मत के हकदार होंगे और धारित शेयरों की संख्या के अनुपात में मतदान कर सकेंगे।

ग. प्रत्येक शेयरधारक को कंपनी द्वारा घोषित लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है।

घ. कंपनी के समापन पर, इक्विटी शेयरधारक नियमों के अनुसार सभी अधिमान राशियों के वितरण के बाद, कंपनी की शेष परिसंपत्तियाँ, यदि कोई हो, के वसूल किए जाने वाले मूल्य के हकदार होंगे। यह वितरण शेयरधारकों द्वारा धारित इक्विटी शेयरों की संख्या के अनुपात में किया जाएगा।

xi. क. अंतरिम लाभांश और अंतिम लाभांश

विवरण	मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
वित्तीय वर्ष 2021-2022 और वित्तीय वर्ष 2020-2021 के क्रमश: अंतिम लाभांश	36,549	29,239
वित्तीय वर्ष 2022-2023 और वित्तीय वर्ष 2021-2022 के क्रमश: अंतरिम लाभांश	87,717	73,098

ख. प्रारक्षणों की प्रकृति और उद्देश्य

क. पूँजीगत प्रारक्षण

पूँजी प्रारक्षण प्रतिधारित अर्जन से अंतरण करते हुए बनाया जाता है जो कंपनी द्वारा अर्जित पूँजीगत लाभ के समतुल्य राशि होती है। इस प्रारक्षण का प्रयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

ख. पूँजी मोचन प्रारक्षण

पूँजी मोचन प्रारक्षण सामान्य प्रारक्षण से अंतरण करते हुए बनाया जाता है जो पुन:खरीद किए गए शेयरों के अंकित मूल्य के समतुल्य राशि होती है। इस प्रारक्षण का प्रयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

ग. अन्य व्यापक आय (ओसीआई) द्वारा इक्विटी निवेश

कंपनी ने अन्य व्यापक आय में कुछेक इक्विटी निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तनों को दर्शाने का विकल्प लिया है। उचित मूल्य में परिवर्तन इस प्रारक्षण में संचित होता है। जब कभी निवेश को न दर्शाने का विकल्प लिया जाता है, संचित राशि को प्रतिधारित अर्जन को अंतरित कर दिया जाता है।

घ. अन्य व्यापक आय (ओसीआई)

अन्य व्यापक आय ऐसी लब्धियाँ और हानियाँ होती हैं जिनकी वसूली अभी नहीं हुई है और जिन्हें लाभ व हानि के विवरण में शामिल नहीं किया गया है। इसमें मुख्य रूप से निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / परिसंपत्ति (निवल कर) का पुनर्मापन शामिल किया जाता है।

xii. भारत सरकार प्रवर्तक होने के नाते 31.03.2023 को 51.14% (51.14%) शेयर धारित करती है। तुलनपत्र की तारीख तक धारित इक्विटी शेयरों की संख्या 373,79,21,934 (124,59,73,978) है, बोनस जारी करने के कारण वृद्धि हुई है।

xiii. वर्ष के दौरान नकदी के अलावा अन्य विचारणों के लिए 487,31,85,886 बोनस शेयर जारी किए गए।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 17 - आस्थगित आय

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
सरकारी अनुदान - आस्थगित	6,019	6,152
उप कुल (क)	**6,019**	**6,152**
चालू		
सरकारी अनुदान - आस्थगित	336	339
उप कुल (ख)	**336**	**339**
कुल (क+ख)	**6,355**	**6,491**

i. प्रस्तुतीकरण की विधि के लिए लेखा नीति 16 देखें

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
ii. सरकारी अनुदान की उपयोगिता की प्रकृति		
क) राजस्व खर्च	-	-
ख) पूँजीगत खर्च		
- संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	6,355	6,491
iii. अन्य प्रकार की सरकारी सहायता जिससे कंपनी को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिला है	-	-
iv. सरकारी अनुदान से संबद्ध पूरी न की गई शर्तों के विवरण	-	-
v. सरकारी अनुदान से संबद्ध आकस्मिकताएँ	-	-

vi. प्राप्त उक्त अनुदान सौर शक्ति संयंत्रो के लिए व्यवहार्यता कमी के वित्त-पोषण, रूफ़ टॉप सौर प्रणालियों तथा ज़ेडएनएस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम-शिप) संशोधित सहायता को दर्शाते हैं।

टिप्पणी 18 - उधार

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
रक्षित		
बैंकों से मीयादी ऋण	-	-
उप कुल (क)	**-**	**-**
चालू		
बैंकों से मीयादी ऋण		
बैंकों से मीयादी ऋण	-	-
उप कुल (ख)	**-**	**-**
कुल (क+ख)	**-**	**-**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 19 - व्यापार देय

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
- अन्य	37	34
उप कुल (क)	**37**	**34**
चालू		
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय	20,713	24,844
- अन्य	3,11,253	3,11,801
उप कुल (ख)	**3,31,966**	**3,36,596**
कुल(क+ख)	**3,32,003**	**3,36,630**

गैर चालू व्यापार देय 2022-2023

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(ii) अन्य	-	-	-	-	-	37	37
(iii) विवादित देय - एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iii) विवादित देय - अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**37**	**37**

चालू व्यापार देय 2022-2023

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	1,677	14,831	4,031	11	6	-	20,556
(ii) अन्य	9,192	2,26,745	64,339	3,022	1,621	6,053	3,10,973
(iii) विवादित देय - एमएसएमई	-	158	-	-	-	-	158
(iii) विवादित देय - अन्य	-	227	-	-	-	52	280
कुल	**10,869**	**2,41,962**	**68,370**	**3,033**	**1,627**	**6,105**	**3,31,966**

गैर चालू व्यापार देय 2021-2022

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(ii) अन्य	-	-	-	-	-	34	34
(iii) विवादित देय - एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iii) विवादित देय - अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**34**	**34**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

चालू व्यापार देय 2021-2022

विवरण	बिल न किया गया	बिल किया गया, अदेय	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	4,125	12,188	8,317	6	-	1	24,637
(ii) अन्य	25,425	1,90,432	75,918	12,263	2,262	5,201	3,11,501
(iii) विवादित देय - एमएसएमई	-	158	-	-	-	-	158
(iii) विवादित देय - अन्य	-	217	-	-	11	72	300
कुल	**29,550**	**2,02,995**	**84,235**	**12,269**	**2,274**	**5,274**	**3,36,596**

i. 31 मार्च, 2023 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के तहत यथा अपेक्षित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय संबंधी सूचना नीचे दी गई है :

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
क. उस पर देय मूलधन और ब्याज जो 31 मार्च को अदत्त थे -		
मूलधन *	21,344	25,132
ब्याज	3	14
ख. एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के परिप्रेक्ष्य में कंपनी द्वारा अदा किया गया ब्याज और 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान निर्धारित दिन के बाद किए गए भुगतान की राशि -		
मूलधन	-	-
ब्याज	8	4
ग. 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा व्युत्क्रमित ब्याज	4	-
घ. विलंब की अवधि के लिए देय और प्रदेय ब्याज (जिसका भुगतान तो किया गया लेकिन वर्ष के दौरान निर्धारित दिन के बाद) परंतु अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।**	-	-
ङ. 31 मार्च को समाप्त वर्ष के अंत में प्रोद्भूत एवं अदत्त ब्याज	5	14
च. ब्याज जो बाद के वर्षों में भी देय और प्रदेय तब तक बना रहा जब तक उपरोक्तानुसार ब्याज की देय राशियाँ एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती करने योग्य खर्च के रूप में अस्वीकृत करने के प्रयोजनार्थ लघु उद्यम को वास्तविक रूप से अदा नहीं कर दी गई।	3	12

* इसमें टिप्पणी 20 में दर्शित राशि शामिल है ।

** इसमें आईएनआर शून्य (आईएनआर 8,470) [परम अंक को दर्शाता है] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है।

ii यह सूचना ऐसे आपूर्तिकर्ताओं के संबंध में उस सीमा तक दी गई है जहां तक उन्हें कंपनी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यम के रूप में अभिचिह्नित किया जाता है और लेखा परीक्षकों द्वारा इस पर विश्वास किया गया है।

iii **वित्तीय विलेख**

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iv. **संबंधित पक्षकारों के प्रकटण**

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

v. व्यापार देय के संबंध में मुद्रा तथा चलनिधि के जोखिम के प्रति कंपनी का एक्सपोज़र टिप्पणी 34 में प्रकट किया गया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 20 - अन्य वित्तीय देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
सुरक्षा जमा	473	2,022
उप कुल (क)	**473**	**2,022**
चालू		
सुरक्षा जमा	38,972	28,476
व्यापार देय पर प्रोद्भूत एवं देय ब्याज *	5	14
अन्य व्यापार देय	14,697	8,745
अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	37	37
अदत्त लाभांश	246	215
सूक्ष्म व लघु उद्यम को देय गैर-व्यापार देय	631	337
बकाया व्यय	70,953	56,912
अन्य देयताएँ	1,465	1,000
उप कुल (ख)	**1,27,006**	**95,736**
कुल(क+ ख)	**1,27,479**	**97,758**

तुलन-पत्र की तारीख को निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि को अंतरित की जाने वाली राशि

कुछ नहीं (कुछ नहीं)

* टिप्पणी 19 देखें

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

टिप्पणी 21 - प्रावधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
कर्मचारी अनुलाभ		
दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ	40,955	37,444
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	-	1,06,186
भविष्य निधि ब्याज दायित्व	2,563	-
अन्य		
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान	614	628
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान	37,357	33,377
स्थल पुन:स्थापन बाध्यता का प्रावधान	2,408	2,371
उप कुल (क)	**83,897**	**1,80,006**
चालू		
कर्मचारी अनुलाभ		
उपदान *	274	(2,210)
दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ	5,487	3,972
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	25,381	10,308
भविष्य निधि ब्याज दायित्व	258	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
अन्य		
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान	25,883	26,320
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान	5,032	3,173
उप कुल (ख)	**62,315**	**41,563**
कुल(क+ख)	**1,46,212**	**2,21,569**

* (₹ 2,210) की बाध्यता पर योजित परिसंपत्ति का अतिरिक्त दर्शाता है।

i. 2022-2023 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों का संचलन

विवरण	कार्यनिष्पादन वारंटी	दुर्वह संविदा	स्थल पुन:स्थापन बाध्यता
यथा 1 अप्रैल को	59,697	3,801	2,371
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	23,758	2,283	37
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि (नीचे की टिप्पणी v देखें)	-	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशि	20,215	438	-
यथा 31 मार्च	**63,240**	**5,646**	**2,408**

2021-2022 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों का संचलन

विवरण	कार्यनिष्पादन वारंटी	दुर्वह संविदा	स्थल पुन:स्थापन बाध्यता
यथा 1 अप्रैल को	50,191	1,821	2,158
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	33,149	2,527	213
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि (नीचे की टिप्पणी v देखें)	-	-	-
वर्ष के दौरान गैर-व्युत्क्रमित राशि	23,643	547	-
यथा 31 मार्च	**59,697**	**3,801**	**2,371**

ii. वारंटियों का प्रावधान - कंपनी की लेखा नीति 20 के अनुसार

ऐसे उत्पादों के संबंध में वारंटियों का प्रावधान किया जाता है जिनकी सामान्य वारंटी अवधि बकाया होती है। चूँकि वारंटी प्रावधान की अवधि उत्पाद-दर-उत्पाद अलग भिन्न होती है, वारंटी अवधि की औसत अवधि के आधार पर रणनीतिक कारोबारी यूनिट (एसबीयू) स्तर पर प्रावधान किया जाता है। संभावित व्ययों की प्रवृत्ति आधारित प्राक्कलन के आधार पर प्रावधान किया जाता है। इस प्रावधान का मापन वारंटी की प्राक्कलित लागत के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

iii. स्थल पुन:स्थापन का प्रावधान - कंपनी की लेखा नीति 23 के अनुसार

पट्टादाता के साथ किए गए पट्टा करार के निबंधनों व शर्तों के अनुसार, कंपनी को भूमि उसकी मूल स्थिति में वापस करना है। तदनुसार, स्थल पुन:स्थापन देयता का प्रावधान किया गया है। इस प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्षांत में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं।

इस प्रावधान का मापन पुन:स्थापन की लागत के सर्वोत्तम प्राक्कलन के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

iv. दुर्वह संविदाओं का प्रावधान - कंपनी की लेखा नीति 23 के अनुसार

कंपनी द्वारा की गई कुछेक संविदाओं के संबंध में, यह अपेक्षा की जाती है कि संविदा को पूरी करने की संभावित लागत संविदा के समक्ष प्राप्त / प्राप्य राजस्व से अधिक होगी। ऐसे मामलों में, संभावित हानियों का प्रावधान किया गया। इस प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्षांत में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं। इस प्रावधान का मापन संभावित हानि की प्राक्कलित लागत के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

v. प्रारंभिक प्रावधान को नामे की गई राशि ।

vi. वारंटी की लागत के संबंध में नैसर्गिक कोड शीर्ष के समक्ष रु. 6,937 (रु. 7,555) की राशि नामें की गई । स्थल पुन:स्थापन की देयता के संबंध में नैसर्गिक कोड शीर्षक के समक्ष कुछ नहीं राशि (कुछ नही) नामे की गई ।

vii. ऐसी बिक्री के संबंध में कार्य-निष्पादन वारंटी देयता, जहाँ पूर्तिकर्ता की दुतरफा वारंटी उपलब्ध है, पूर्तिकर्ता द्वारा चूक करने की स्थिति में संभावित देयता यदि कोई हो, अभिनिश्चित नहीं की जाती और इसका महत्वपूर्ण होना अपेक्षित नहीं है ।

(क) नियोजन पश्चात् कर्मचारी अनुलाभ देयता

(i) उपदान -

"कंपनी भारत में उपदान संदाय अधिनियम, 1972 के अनुसार कर्मचारियों को उपदान प्रदान करती है। कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए एक उपदान योजना है जो वित्त-पोषित योजना है। प्रत्येक वर्ष कंपनी निधि देयताओं पर परिसंपत्तियों की कमी की सीमा तक इस उपदान ट्रस्ट में निधि विप्रेषित करती है जो बीमांकक मूल्यांकन द्वारा तय की जाती है। इस उपदान योजना के अनुसार, कंपनी में कम से कम पाँच वर्षों की सतत् सेवा प्रदान करने के बाद सेवा समाप्ति पर कर्मचारी को देय होता है। सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष या छ: महीनों की अवधि से अधिक भाग के लिए, कंपनी अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर पंद्रह दिन के वेतन की दर से कर्मचारी को उपदान का भुगतान करती है।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि की विवरणी में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और तुलन-पत्र में निर्धारित राशियों का सार और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों के दौरान निवल निर्धारित अनुलाभ देयता का संचलन दिया गया है -"

विवरण	2022-23	2021-22
i) देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -		
वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य	68,101	70,202
चालू सेवा लागत	1,335	1,574
ब्याज की लागत	4,762	4,661
विगत सेवा लागत	-	-
अदा किए गए अनुलाभ	(6,442)	(6,471)
अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
योजित देयता में वित्तीय मान्यताओं का परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	1,793	(2,217)
योजित देयता में अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	(238)	352
अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	69,311	68,101
ii) योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन		
वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	70,375	71,703
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	4,930	4,765
अंशदान	-	-
अदा किए गए अनुलाभ	(6,442)	(6,471)
अन्य व्यापक आय में निर्धारित योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकक लब्धि / (हानि)	174	378
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	69,037	70,375
निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	274	(2,274)
परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव - वर्ष के प्रारंभ में	64	-
परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव - वर्ष के अंत में	(64)	64
निवल निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	274	(2,210)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2022-23	2021-22
iii) लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय		
चालू सेवा लागत	1,335	1,574
निवल निर्धारित अनुलाभ देयता पर निवल ब्याज	(167)	(104)
विगत सेवा लागत		
लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	1,168	1,470
iv) अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन:मापन)		
योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	1,554	(1,865)
योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि) / हानि	(174)	(378)
तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	(64)	64
अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	1,316	(2,179)
v) तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -		
अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	69,311	68,101
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	69,037	70,375
वित्त पोषण की स्थिति [(अधिशेष) / कमी]	274	(2,274)
परिसंपत्ति की सीमा के प्रभाव - वर्ष के प्रारंभ में	64	-
परिसंपत्ति की सीमा के प्रभाव - वर्ष के अंत में	(64)	64
तुलन-पत्र के अनुसार 31 मार्च को वर्ष की देयता / (परिसंपत्ति)	274	(2,210)
vi) योजित परिसंपत्तियाँ		
योजित परिसंपत्तियों के वर्ग इस प्रकार हैं -		
राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	-	0.11%
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	0.50%	1.21%
उच्च गुणता के कार्पोरेट बांड	-	-
सूचीबद्ध कंपनियों की इक्विटी शेयर	-	-
संपत्ति	-	-
विशेष जमा योजना	-	-
बीमाकर्ता के पास निवेश	99.49%	98.67%
अन्य (बैंक शेष)	0.01%	0.01%
vii) बीमांकक मान्यताएँ -		
बट्टे की दर	7.21%	7.34%
प्रतिपूरक स्तर में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%
योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	7.21%	7.34%
अनुमानित औसत भावी कार्यशील जीवन	14.40	15.10
viii) अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन -		
तुलन-पत्र के बाद शुरु होने वाली वार्षिक अवधि के दौरान उपदान के लिए अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन ₹ 274 (कुछ नहीं) है।		
ix) संवेदनशीलता विश्लेषण -		
बट्टे की दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.71%	7.84%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(2,647)	(2,722)
बट्टे की दर (0.50% संचलन) में कमी	6.71%	6.84%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	2,858	2,945
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.50%	7.50%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	655	741
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में कमी	6.50%	6.50%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(738)	(820)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकिक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. उपदान निर्धारित अनुलाभ देयता का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
वर्ष 1	4,744	4,134
वर्ष 2	12,000	10,010
वर्ष 3	8,398	8,441
वर्ष 4	7,856	8,085
वर्ष 5	7,102	7,399
अगले 5 वर्ष	25,367	27,642

ii) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सेवानिवृत्त कर्मचारी चिकित्सा ट्रस्ट (बीआरईएमटी) -

"वर्ष के दौरान बीईएल ने अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक चिकित्सा निधि संचालित करनेके लिए 'भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सेवानिवृत्त कर्मचारी मेडिकल ट्रस्ट (बीआरईएमटी)' ['ट्रस्ट'] का गठन किया है। कंपनी के पास अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक अंशदायी स्वास्थ्य योजना "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी' अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (BERECHS) है जो एक वित्त पोषित योजना है। कंपनी बीआरईएम ट्रस्ट को निधि दायित्वों से अधिक संपत्ति की कमी की सीमा तक निधियां भेजती है, जो बीमांकिक मूल्यांकन के माध्यम से निर्धारित किया जाता है। योजना का प्राथमिक उद्देश्य सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर या सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। वी.आर.एस. योजना के तहत अनुलाभ केवल सदस्य बनने वाले कर्मचारियों और उनकी पत्नी/पति को ही उपलब्ध होगा।

निम्नलिखित तालिका लाभ और हानि के विवरण में निर्धारित प्राप्त शुद्ध लाभ व्यय के घटकों और तुलन-पत्र में निर्धारित प्राप्त राशियों और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों में शुद्ध निर्धारित लाभ दायित्व में संचलन का सारांश इस प्रकार है -

विवरण	2022-23
i) देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -	
वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	1,16,494
चालू सेवा लागत	6,139
ब्याज की लागत	8,551
विगत सेवा लागत	0
अदा किए गए अनुलाभ*	0
अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	
गैर-योजित देयता पर वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	3,466
गैर-योजित देयता पर अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	13,492
योजित देयता पर जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन का प्रभाव - हानि / (लब्धि)	0
अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	**1,48,142**
ii) योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -	
वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	0
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	7,647
प्रत्यक्ष अनुलाभ भुगतान करने के लिए प्रत्यक्ष अंशदान	0

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2022-23
अदा किए गए अनुलाभ*	0
अन्य समग्र आय में निर्धारित योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लब्धि / (हानि)	(1,379)
योजित परिसंपत्तियों में अंशदान	1,16,493
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**1,22,761**
निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	**25,381**
वर्ष के प्रारंभ में परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव	
वर्ष के अंत में परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव	
निवल निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	**25,381**
iii) लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	
चालू सेवा लागत	6,139
निर्धारित अनुलाभ देयता पर ब्याज	904
विगत सेवा लागत	0
लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय	**7,043**
iv) अन्य समग्र आय के विवरण में निर्धारित राशियां (पुनर्मापन)	
योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	16,958
योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	1,379
अन्य समग्र आय के विवरण में निर्धारित राशियां	**18,337**
v) तुलन-पत्र में निर्धारित राशियां -	
अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	1,48,142
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,22,761
वित्तपोषण की स्थिति [(अधिशेष) / कमी]	**25,381**
वर्ष के प्रारंभ में परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव	**0**
वर्ष के अंत में परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव	**0**
तुलन-पत्र के अनुसार 31 मार्च को वर्ष की देयता / (परिसंपत्ति)	**25,381**
vi) योजित परिसंपत्तियां	
योजित परिसंपत्तियों के वर्ग इस प्रकार हैं -	
भारत सरकार की प्रतिभूतियां	-
राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	-
हाई क्वालिटी के कार्पोरेट बांड	-
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	-
संपत्ति	-
विशेष जमा योजना	-
बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधियां	99.99३
अन्य (बैंक शेष)	0.01३
vii) बीमांकिक मान्यताएं-	
बट्टे की दर	7.21%
चिकित्सा मुद्रास्फीति दर	7.00%
संघर्षण दर	1.50%
viii) अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन -	
तुलन-पत्र के बाद शुरु होने वाली वार्षिक अवधि के दौरान बीईआरईसीएचएस के प्रति अदा किए गए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन ₹ 25,381 (ला.न.) है।	

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2022-23
ix) सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु वृद्धि का प्रभाव	
सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	1,862
निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	14,925
सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु कमी	
सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	(1,606)
निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	(12,872)
x) संवेदनशीलता विश्लेषण	
बट्टे की दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.71%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(7,748)
बट्टे की दर में (0.50% संचलन) कमी	6.71%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	8,574
चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.50%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	7,183
चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) कमी	6.50%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(6,670)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. बीईआरईसीएचएस का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2023 को
वर्ष 1	6,892
वर्ष 2	7,207
वर्ष 3	7,520
वर्ष 4	7,990
वर्ष 5	8,430
अगले 5 वर्ष	49,557

टिप्पणी-

* बीईआरईसीएचएस व्यय के लिए अदा की गई ₹ 6,564 की राशि बीआरईएम ट्रस्ट के कारण है जिसे पीवीओ में शामिल किया गया है।

(ii) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)-

"कंपनी में अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक अंशदायी स्वास्थ्य योजना" "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (बीईआरईसीएचएस) है जो गैर-वित्त पोषित योजना है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों या वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है। इस योजना के तहत अनुलाभ ऐसे कर्मचारियों को उपलब्ध होते हैं जो स्वयं और जिनकी पत्नी/पति मात्र इसके सदस्य बनते हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि की विवरणी में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और तुलन-पत्र में निर्धारित राशियों का सार और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों के दौरान निवल निर्धारित अनुलाभ देयता का संचलन दिया गया है -

विवरण		2021-22
i)	देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -	
	वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	82,507
	चालू सेवा लागत	4,348
	ब्याज की लागत	5,775
	विगत सेवा लागत	1,727
	अदा किए गए अनुलाभ	920
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	
	गैर-योजित देयता पर वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	(2,312)
	गैर-योजित देयता पर अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	23,529
	योजित देयता पर जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन का प्रभाव - हानि / (लब्धि)	-
	अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	**1,16,494**
ii)	गैर-योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन (प्रतिपूर्ति के अधिकार) -	
	वर्ष के प्रारंभ में गैर-योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	72,230
	गैर-योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	5,549
	प्रत्यक्ष अनुलाभ भुगतान करने के लिए प्रत्यक्ष अंशदान	4,629
	अदा किए गए अनुलाभ	(4,629)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित गैर-योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकक लब्धि / (हानि)	(902)
	गैर-योजित परिसंपत्तियों में अंशदान	15,000
	अवधि के अंत में गैर-योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**91,877**
iii)	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -	
	प्रारंभिक निवल देयता	-
	चालू सेवा लागत	4,348
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर ब्याज	5,775
	विगत सेवा लागत	1,727
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय [व्यय - **कुछ नहीं (₹ 389), प्रावधान - ₹ 11850 (₹ 6846)**]	**11,850**
iv)	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन:मापन) -	
	गैर-योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	21,217
	गैर-योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	902
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	**22,119**
v)	तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -	
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	1,16,494
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-
	वित्त-पोषण की स्थिति	(1,16,494)
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता (बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार)	**1,16,494**
	अगले बारह महीनों में प्रदेय के लिए अपेक्षित	**10,308**
	अगले बारह महीनों के बाद प्रदेय के लिए अपेक्षित	**1,06,186**
vi)	बीमांकक मान्यताएँ -	
	बट्टे की दर	7.34%
	चिकित्सा स्फीति दर	6.50%
	पलायन दर	1.00%

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2021-22
vii) सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु वृद्धि का प्रभाव -	
सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	1,511
निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	11,987
सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु कमी -	
सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	(1,306)
निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	(10,365)
viii) संवेदनशीलता विश्लेषण -	
बट्टे की दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.84%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(6,306)
बट्टे की दर में (0.50% संचलन) कमी	6.84%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	6,975
चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.00%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	5,772
चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) कमी	6.00%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(5,368)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. बीईआरईसीएचएस का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2022 को
वर्ष 1	6,446
वर्ष 2	6,834
वर्ष 3	7,241
वर्ष 4	7,672
वर्ष 5	8,089
अगले 5 वर्ष	46,160

(iii) कर्मचारी भविष्य निधि [ब्याज में कमी] -

कर्मचारी भविष्य निधि का प्रबंध कंपनी के भविष्य निधि ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। कंपनी इस ट्रस्ट में कर्मचारी भविष्य निधि के प्रति देय प्रबंधन का अंशदान देती है।

कंपनी द्वारा किया गया अंशदान और ब्याज की कमी, यदि कोई हो, को कर्मचारी अनुलाभ व्यय के तहत लाभ और हानि के विवरण में व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है। भविष्य निधि देनदारियों के बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार और निर्धारण के आधार पर, ब्याज लागत में कमी होती है क्योंकि भविष्य निधि ट्रस्ट के ब्याज की अपेक्षित गारंटीकृत दर के आधार पर निधि की अपेक्षित भावी आय का वर्तमान मूल्य व्यक्तिगत सदस्यों को जमा की जाने वाली अपेक्षित राशि से कम है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2022-23	2021-22
i) अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -		
वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य	3,62,025	3,34,350
चालू सेवा लागत	12,092	11,723
ब्याज की लागत	26,203	23,058
विगत सेवा लागत (अनिहित अनुलाभ)	-	0
विगत सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	0
बीमांकिक (लब्धि) / हानि	12,561	9,944
प्रदेय / अदा किए गए अनुलाभ	(75,564)	(70,067)
अंशदान	53,875	53,017
अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	**3,91,192**	**3,62,025**
ii) योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -		
वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	3,70,216	3,40,609
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	26,804	23,494
अंशदान*	65,495	63,958
प्रदेय / अदा किए गए अनुलाभ	(75,564)	(70,067)
योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लब्धि / (हानि)	1,678	12,222
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**3,88,629**	**3,70,216**
iii) लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -		
प्रारंभिक निवल देयता	-	0
चालू सेवा लागत	12,092	11,723
ब्याज की लागत	26,203	23,058
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	(26,804)	(23,494)
अवधि में निर्धारित निवल बीमांकिक (लब्धि) / हानि	0	0
विगत सेवा लागत (अनिहित अनुलाभ)	-	0
विगत सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	0
लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	**11,491**	**11,287**
iv) तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -		
अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	3,91,192	3,62,025
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	3,88,629	3,70,216
तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-	8,191
अंतर	**2,563**	**0**
अनिर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	0
तुलन-पत्र में निर्धारित देयता	**2,563**	**0**
v) चालू अवधि की राशि -		
देयता का वर्तमान मूल्य	3,91,192	3,62,025
योजित परिसंपत्तियाँ	3,88,629	3,70,216
तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-	8,191
अधिशेष / (कमी)	(2,563)	0

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2022-23	2021-22
योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि	(13,287)	(9,991)
योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि	1,678	12,222
vi) अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन: मापन)		
योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि)/ हानि	12,561	9,944
योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि) / हानि	(1,678)	(12,222)
तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	(8,320)	2,278
अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	2,563	0
vii) यथा 31 मार्च को परिसंपत्तियों का वर्ग -		
भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ और राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	53.60%/57.64%	54.49%/61.35%
उच्च गुणता के कार्पोरेट बांड	33.10%/26.14%	32.88%/24.69%
म्युच्युअल फंड	2.70%/2.49%	2.71%/1.59%
अन्य	7.68%/9.10%	8.55%/8.55%
उद्यम से वसूल किए गए **	2.92%/4.63%	1.37%/3.82%
कुल	**100%/100%**	**100%/100%**
vii) बीमांकिक मान्यताएँ -		
बट्टे की दर	7.21%	7.34%
वेतन वृद्धि दर	7.00%	7.00%
योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	7.96%/8.16%	8.07%/8.30%

* नोट - चालू वर्ष के लिए भविष्य निधि ट्रस्ट की कमी की पूर्ति के लिए '258' को शामिल करें और प्रदान करें।

** नोट - निवेश का अरक्षित (मूलधन) हिस्सा जो ₹ 13,601 (₹ 8,551) बनता है, को ट्रस्ट ने गैर-निष्पादनीय निवेश माना है और इस राशि को चूक की स्थिति में उद्यम से वसूल की जाने वाली राशि के रूप में वर्गीकृत किया गया है और तदनुसार इसका प्रावधान किया गया है।

ख. दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति -

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति योजना है जो गैर वित्त-पोषित योजना है। कंपनी के कर्मचारी दी प्रकार की दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियाँ लेने के हकदार होते हैं - कार्यपालकों के लिए वार्षिक छुट्टी (ए.एल.) और आधे वेतन की छुट्टी (एच.एल.) और गैर-कार्यपालकों के लिए वार्षिक छुट्टी (ए.एल.) और बीमारी छुट्टी (एस.एल.)। इस योजना में अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर प्राप्त न की गई छुट्टी (कार्यपालकों के लिए ए.एल. और एच.एल. और गैर-कार्यपालकों के लिए ए.एल. और एस.एल.) के समक्ष कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति देने का प्रावधान होता है। ए. एल. को सेवा के दौरान या त्यागपत्र देने के समय भी भुनाया जा सकता है।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और बीमांकक द्वारा दी गई प्रकटण रिपोर्ट में दिए गए अनुसार, योजना के लिए तुलन-पत्र में निर्धारित राशि के विवरण दिए गए हैं -

विवरण	2022-23	2021-22
i) लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -		
लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय [2022-23 नकदीकृत छुट्टी - ₹ 1,925, प्रावधान - ₹ 5,027] [2021-22 नकदीकृत छुट्टी - ₹ 1,890, प्रावधान - ₹ 1,602]	6,952	3,492
ii) तुलन-पत्र में निर्धारित की जाने वाली राशियाँ -		
तुलन-पत्र में निर्धारित देयता (बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार)	46,443	41,416
iii) बीमांकिक मान्यताएँ -		
बट्टे की दर	7.21%	7.34%
क्षतिपूरण स्तर में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%
iv) विगत अनुभव के आधार पर, कंपनी यह अपेक्षा नहीं करती है कि अगले 12 महीनों में सभी कर्मचारी प्रोद्भत छुट्टी की पूर्ण राशि लेंगे या इसका भुगतान करने की आवश्यकता होगी। निम्नलिखित राशियाँ ऐसी छुट्टी को दर्शाते हैं जिसे अगले 12 महीनों के भीतर / 12 महीनों के बाद लिया जाएगा या भुगतान किया जाएगा।		
चालू छुट्टी की देयता अगले 12 महीनों में निपटाना अपेक्षित है	5,488	3,972
12 महीनों के बाद निपटाने के लिए अपेक्षि छुट्टी की देयता	40,955	37,444
कुल	**46,443**	**41,416**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ग. पेंशन योजना

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए एक निर्धारित अंशदान पेंशन अनुलाभ योजना है जिसमें इस प्रयोजनार्थ स्थापित ट्रस्ट में वार्षिक आधार पर अंशदान दिया जाता है।

इस योजना के तहत अनुलाभ इस संबंध में निर्धारित नियमों के अनुसार कर्मचारियों पर लागू होते हैं।

ग) निर्धारित अनुलाभ योजना (यानी उपदान और बीईआरईसीएचएस) के कारण पैदा होने वाले विशिष्ट या असाधारण जोखिमों का व्याख्यात्मक वर्णन

निर्धारित अनुलाभ योजनाओं से संबंधित विशिष्ट जोखिम इस प्रकार हैं -

दो रिपोर्टिंग अवधियों के बीच दीर्घकालीन सरकारी बांड दर में संचलन बट्टे की दर को प्रभावित करेगा और इसके परिणामस्वरूप देयताओं का वर्तमान मूल्य प्रभावित होगा।

वित्तीय वर्ष में वास्तविक अनुभव के समक्ष मूल्यांकन के लिए विचार किए गए उच्चतर / निम्नतर वेतन वृद्धि / अनुलाभ का जोखिम।

बहरहाल, दोनों प्रकार की जोखिमों को नियमित आधार यानी वार्षिक रूप से कम किया जाता है क्योंकि अद्यतन मान्यताओं के आधार पर ये मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के बाद किए जाते हैं।

गग) किसी परिसंपत्ति - देयता की मेल करने वाली रणनीति का व्याख्यात्मक वर्णन

कंपनी की उपदान योजना वित्त-पोषित योजना है। इस योजना की समर्थक परिसंपत्तियाँ मुख्यत: बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित निधियाँ होती हैं। इसलिए, इस योजना के लिए परिसंपत्ति-देयता का मेल करने वाली रणनीतियों को कार्यान्वित करने के परिप्रेक्ष्य में, कंपनी की सीमित लोचता होती है। कंपनी की सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना गैर-वित्त पोषित योजना है। इसलिए, परिसंपत्ति-देयता का मेल करने वाली रणनीतियाँ इस योजना के लिए संगत नहीं हैं।

गगग) वित्त-पोषण की व्यवस्थाओं और वित्त-पोषण की नीति का वर्णन

क) कंपनी की उपदान योजना वित्त-पोषित योजना है। इस योजना की योजित परिसंपत्तियों का 99.49% (98.67%) बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित परिसंपत्तियाँ होती हैं और योजित परिसंपत्तियों का 0.50% (1.32%) निवेश केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में किया जाता है। इस निधि का वार्षिक अंशदान आम तौर पर अनुलाभ देयताओं के पूर्ववर्ती बीमांकिक मूल्यांकन द्वारा प्रकट किए गए अनुसार, कमी के समतुल्य तय किया जाता है।

ख) कंपनी की बीईआरईसीएचएस चिकित्सा योजना एक वित्त-पोषित योजना है। इस योजना का समर्थन करने वाली योजना परिसंपत्तियों का 99.99% (लागू नहीं) बीमाकर्ता प्रबंधित परिसंपत्तियां हैं। निधि के लिए वार्षिक योगदान आमतौर पर लाभ दायित्वों के पिछले वास्तविक मूल्यांकन द्वारा प्रकट किए गए घाटे के बराबर निर्धारित किया जाता है।

टिप्पणी 22 - अन्य देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
- अन्य	-	-
उप कुल (क)	**-**	**-**
चालू		
संविदा की देयताएँ		
आस्थगित राजस्व	14,672	7,173
ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम	14,81,740	14,48,782
सांविधिक देयताएँ	26,772	17,625
अन्य	5,882	5,270
उप कुल (ख)	**15,29,066**	**14,78,850**
कुल (क+ख)	**15,29,066**	**14,78,850**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

ii. ठेके की देयता - अवधि के दौरान निर्धारित राजस्व ₹ 5,68,898 (₹ 4,82,793) है जिसे अवधि के प्रारंभ में ठेका देयता शेष में शामिल किया गया।

टिप्पणी 23 - प्रचालनों से राजस्व

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
उत्पादों की बिक्री	15,59,423		13,57,069	
सेवाओं से आय	1,73,914		1,47,298	
		17,33,337		15,04,367
अन्य प्रचालन राजस्व				
रद्दी की बिक्री		500		879
परिवहन प्राप्तियां		312		360
किराए की प्राप्तियां		658		643
कैन्टीन से प्राप्ति		1,469		1,202
एकत्रित बिजली प्रभार		238		246
एकत्रित जल प्रभार		54		47
वापस लिए गए प्रावधान				
- संदिग्ध ऋण, परिनिर्धारित हर्जाना	8,794		8,264	
- वस्तुसूची	2,867		2,957	
- ऋण व अग्रिम	360		108	
		12,021		11,329
शुल्क वापसी सहित सरकारी अनुदान		860		622
ग्राहक अनुदान		-		112
विविध		15,171		11,569
		17,64,620		**15,31,376**

(i) ग्राहकों की संविदाओं के समक्ष निर्धारित राजस्व का विसमुच्चयन (2022-2023)

विवरण	घरेलू			निर्यात	कुल
	भारत सरकार		अन्य		
	रक्षा	गैर-रक्षा			
उत्पादों की बिक्री	13,73,842	1,24,039	26,493	35,049	15,59,423
सेवाओं से आय	1,35,056	33,815	637	4,406	1,73,914
कुल	**15,08,898**	**1,57,854**	**27,130**	**39,455**	**17,33,337**

ग्राहकों की संविदाओं के समक्ष निर्धारित राजस्व का विसमुच्चयन (2021-2022)

विवरण	घरेलू			निर्यात	कुल
	भारत सरकार		अन्य		
	रक्षा	गैर-रक्षा			
उत्पादों की बिक्री	12,34,899	75,585	24,758	21,827	13,57,069
सेवाओं से आय	1,15,464	29,703	359	1,772	1,47,298
कुल	**13,50,363**	**1,05,288**	**25,117**	**23,599**	**15,04,367**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

(ii) संविदा कीमत के साथ लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित राजस्व का समाधान

विवरण	2022-23		2021-22	
	राशि	राशि	राशि	राशि
लाभ व हानि के विवरण के अनुसार राजस्व				
उत्पादों की बिक्री	15,59,423		13,57,069	
सेवाओं से आय	1,73,914		1,47,298	
कुल (क)		17,33,337		15,04,367
जोड़ें / (घटाएं) संविदा कीमत का समायोजन				
विदेशी मुद्रा विनियम के उतार-चढ़ाव का दावा	(42,001)		(28,596)	
कीमत पुनरीक्षण	(5,842)		-	
दिया गया बट्टा और रिबेट	39		1,026	
अन्य	(5,492)		(2,501)	
कुल समायोजन (ख)		(53,296)		(30,071)
संविदा कीमत (क + ख)		**16,80,041**		**14,74,296**

निष्पादन देयता पूरा करना

क. अधिकांश संविदाओं में, कार्य-निष्पादन की देयता ऐसे 'समय-बिंदु' में पूरी की जाती है जो प्राथमिक रूप से ग्राहक द्वारा परिसंपत्ति पर नियंत्रण प्राप्त करने से निर्धारित होती है। इसके लिए विचार किया गया एक प्रमुख संसूचक उल्लेखनीय जोखिम का अंतरण और ग्राहकों का पारितोषिक है जो इन्को की शर्तों पर आधारित होता है। जहाँ संविदा में एक से अधिक कार्य-निष्पादन देयताएँ होती हैं तो कार्य-निष्पादन देयता पूरी करने का समय-बिंदु तय करने के लिए भारतीय ए.एस. 115 में निर्दिष्ट मानदंड लागू किया जाता।

ख. "बिल एंड होल्ड" व्यवस्था में, कार्य-निष्पादन देयता संविदा में माल के निस्शर्त विनियोजन पर पूरी की जाती है। सामान्य रूप से, अभिरक्षा सेवा के लिए कोई देयता नहीं होती।

ग. ग्राहक के साथ की गई संविदा में आम तौर पर महत्वपूर्ण वित्तीय घटक नहीं होता और ग्राहक द्वारा प्राप्त अग्रिम भुगतान तथा / या प्रतिधारित राशि संविदा के दोनों पक्षकारों की रक्षा करने के आशय से रखी जाती है।

घ. परिवर्ती प्रतिफल में प्राथमिक रूप से विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव खंड के समक्ष प्राप्य / प्रतिपूर्ति योग्य राशि शामिल होती है। इसके संबंध में निर्धारित राजस्व की राशि संविदा में निर्दिष्ट कार्यप्रणाली के आधार पर तय की जाती है। इस राशि को ग्राहक का दावा प्रोद्भूत होने / स्वीकार करने पर राजस्व के रूप में निर्धारित किया जाता है।

ङ. कंपनी के कुल कारोबार में मुख्य रूप से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों की आपूर्ति शामिल है।

च. ग्राहकों के साथ की गई संविदा में सामान्य रूप से वापसी / धन-वापसी का खंड नहीं होता है।

छ. प्रदान की गई वारंटियाँ मुख्य रूप से कार्य-निष्पादन वारंटी की प्रकृति की होती हैं।

ज. कंपनी ऐसी संविदाओं के संबंध में राजस्व निर्धारित करने के लिए सामान्य रूप से निविष्टि विधि का उपयोग करती है जिनमें कार्य-निष्पादन देयता एक समयावधि में पूरी की जाती है। राजस्व निर्धारित करने के लिए, समापन प्रतिशत विधि अपनाई जाती है जिसमें निर्धारित किए जाने वाले राजस्व की प्रमात्रा तय करने के लिए संविदा की कीमत में कुल प्राक्कलित लागत में उपगत वास्तविक लागत का प्रतिशत लागू किया जाता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

झ. ग्राहकों के साथ की गई संविदा (ए.एम.सी. को छोड़कर) जिसके संबंध में राजस्व एक समयावधि में निर्धारित की गई है, में सामान्य रूप से विभिन्न प्रकृति के अनेक कार्यकलाप शामिल होते हैं जैसे भवन निर्माण, उपकरणों की आपूर्ति और संस्थापना, उपकरण और सिस्टम की नेटवर्किंग आदि। इसके कारण, किए गए कार्य (यानी उत्पादन) की मात्रा को विश्वसनीय रूप से वास्तविक परिप्रेक्ष्य में निर्धारित करना संभव नहीं होता है। जबकि, निविष्टि विधि के अंतर्गत, इन विविध कार्यकलापों के संबंध में उपगत लागत प्राप्त की जा सकती है और समापन का प्रतिशत ज्ञात करने के लिए आने वाली लागत (जिसका प्राक्कलन विश्वसनीय रूप से किया जा सकता है) के कुल प्राक्कलित लागत से इसकी तुलना की जा सकती है। ए.एम.सी. संविदाओं के मामले में, राजस्व निर्धारित करने के लिए उत्पादन विधि का उपयोग किया जाता है जहाँ कार्य-निष्पादन देयता पूरी करने के लिए समय अंतराल मानदंड होता है।

ञ. "समय-बिंदु" पर पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में राजस्व निर्धारित करने के लिए, यह तय करने के लिए कि क्या ग्राहक ने "परिसंपत्ति पर नियंत्रण" प्राप्त किया है या नहीं, निम्नलिखित मानदंड का उपयोग किया जाता है -

- उल्लेखनीय जोखिम और परितोष का अंतरण
- ग्राहक का परिसंपत्ति पर कानूनी हक है
- संस्थान ने परिसंपत्ति का वास्तविक अधिकार अंतरित कर दिया है
- ग्राहक ने परिसंपत्ति को स्वीकार किया है
- संस्थान का परिसंपत्ति का भुगतान करने का वर्तमान अधिकार है

ट. लेनदेन की कीमत का निर्धारण सामान्य रूप से ग्राहक के साथ की गई संविदा पर आधारित होता है। अनेक देयताओं के संबंध में लेनदेन की कीमत का आबंटन सापेक्ष स्टैंडअलोन बिक्री कीमत पर आधारित होता है।

ठ. चालू / पिछले वर्ष के दौरान कोई नकद-रहित प्रतिफल प्राप्त नहीं किया गया / दिया गया।

पिछली अवधियों में पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता में से वर्ष के दौरान राजस्व के रूप में रु.कुछ नहीं (₹ 247) (निवल) की राशि निर्धारित की गई।

टिप्पणी 24 - अन्य आय

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
स्टाफ / आईटी रीफंड / अन्य से ब्याज आय*	244	292
दीर्घकालीन निवेश (लाभांश) से आय **	8,122	407
मीयादी जमा से ब्याज की आय	25,741	17,377
पीपीई की बिक्री पर लाभ	152	45
किराए की आय - निवेश संपत्ति	242	191
विदेशी मुद्रा विनिमय लाभ / हानि	773	4,190
म्यूचुअल फंड पर लाभ / (हानि)	587	587
विविध (व्ययों का निवल)	141	270
	36,002	**23,359**

* संबंधित पक्षकार के प्रकटणों के लिए टिप्पणी 31 देखें

** सहायक कंपनियों और संबद्ध कंपनियों से आय को दर्शाता है जिसे लागत पर निर्धारित किया गया।

i. विदेशी मुद्रा विनिमय की लब्धि / हानि ऐसे लेनदेन को दर्ज करने की तारीख और निपटान / रिपोर्टिंग की तारीख के बीच विदेशी मुद्रा के लेनदेनों से आने वाले दर उतार-चढ़ाव के कारण है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 25 - तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूचियों में परिवर्तन

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
चालू कार्य -				
- अंतिम वस्तुसूची	1,93,943		1,67,272	
- प्रारंभिक वस्तुसूची	1,67,272		1,36,061	
		(26,671)		(31,211)
तैयार माल-				
- अंतिम वस्तुसूची	37,007		24,248	
- प्रारंभिक वस्तुसूची	24,248		27,675	
		(12,759)		3,427
रद्दी -				
- अंतिम वस्तुसूची	551		236	
- प्रारंभिक वस्तुसूची	236		323	
		(315)		87
		(39,745)		**(27,697)**

टिप्पणी 26 - कर्मचारी अनुलाभ व्यय

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
वेतन, मजदूरी और बोनस / अनुग्रह		1,84,994		1,64,123
सेवानिवृत्ति अनुलाभ व्यय				
- उपदान	1,168		1,460	
- भविष्य निधि और पेंशन निधि में अंशदान	12,668		11,798	
- बीईएल अधिवर्षिता (पेंशन) योजना के लिए प्रबंधन योगदान	6,040		6,063	
- बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना का प्रावधान	7,043		11,868	
		26,919		31,189
कल्याण व्यय		17,860		15,627
		2,29,773		**2,10,939**

कल्याण व्यय में वेतन ₹ 1,134 (₹ 1,107), पी.एफ. अंशदान ₹ 116 (₹ 117)

i. टिप्पणी 21 (ए) (iii) देखें, तदनुसार रु. 5,050 (₹ 2,811)) का प्रावधान किया गया।

ii. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के पारिश्रमिक के लिए टिप्पणी 31 देखें।

टिप्पणी 27 - वित्त लागत

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
ब्याज व्यय				
सूक्ष्म व लघु उद्यमों को देयों पर ब्याज	(1)		13	
पट्टे की देयता पर ब्याज व्यय	1		-	
आय कर पर ब्याज	370		306	
अन्य ब्याज व्यय	1,088		144	
		1,458		463
उधार की अन्य लागत				
ऋण प्रसंस्करण प्रभार		21		22
		1,479		**485**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 28 - मूल्यह्रास और परिशोधन व्यय

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण पर मूल्यह्रास / परिशोधन	38,338	36,106
निवेश संपत्ति पर मूल्यह्रास	1	1
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों पर परिशोधन	1,934	1,468
प्रयोगाधिकार परिसंपत्तियों पर मूल्यह्रास	514	443
	40,787	**38,018**

टिप्पणी 29 - अन्य व्यय

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
बिजली और ईंधन *		4,014		3,711
जल प्रभार		396		419
रॉयल्टी और तकनीकी सहायता		551		1,346
किराया		1,680		1,713
दर व कर		813		530
बीमा		2,733		2,413
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				
- लेखा परीक्षा शुल्क	34		34	
- कर लेखा परीक्षा के शुल्क	5		5	
- अन्य सेवाएं (प्रमाणीकरण शुल्क)	10		9	
- व्ययों की प्रतिपूर्ति	9		12	
		58		60
लागत लेखा परीक्षा शुल्क		4		4
मरम्मत और रख-रखाव				
- भवन	2,519		2,602	
- संयंत्र व मशीनरी	1,680		1,120	
- अन्य	10,243		11,364	
		14,442		15,086
बैंक प्रभार		366		342
मुद्रण व लेखन सामग्री		352		277
विज्ञापन व प्रचार		1,768		289
यात्रा के व्यय		12,914		7,823
वैन/टैक्सी भाड़े पर लेने के व्यय		1,489		1,124
पैकिंग व फार्वर्डिंग		2,541		2,845
- अशोध्य ऋण एवं अग्रिम राशि, जिन्हें बट्टा खाते में डाला गया	5,855		1,307	
- घटाएँ - प्रावधानों को प्रभारित	(5,855)		(1,307)	
		-		-
अप्रचलित/व्यतिरिक्त सामग्रियों का प्रावधान		20,591		6,840
संदिग्ध ऋण, एलडी, ग्राहकों के दावों और अस्वीकृतियों का प्रावधान		46,327		26,963

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
संदिग्ध अग्रिम, दावों का प्रावधान		165		219
निष्पादन वारंटी का प्रावधान (निवल)**		3,542		9,507
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान		1,844		1,980
- अप्रचलन और व्यतिरिक्तता के कारण कच्चे माल, भंडार और घटकों को बट्टे खाते में डालना	3,519		936	
- घटाएँ - प्रावधानों को प्रभारित	(3,436)		(920)	
		83		16
अन्य प्रावधान		4,180		-
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों का प्रावधान		544		-
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों को बट्टे खाते में डालना		1,950		-
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व		5,475		5,075
अन्य				
- अन्य विविध प्रत्यक्ष खर्च	14,546		7,585	
- बिक्री पश्चात सेवा	462		316	
- टेलीफ़ोन	1,088		766	
- संगोष्ठियों और पाठ्यक्रमों पर खर्च	759		685	
- बिक्री संबंधी अन्य व्यय	127		1,250	
- विविध	6,167		5,040	
		23,149		15,642
घटाएँ - पूंजीगत कार्यों के लिए आवंटित खर्च		(2,760)		(4,961)
		1,49,211		**99,263**

* वित्तीय वर्ष के दौरान उपगत बिजली खर्च रु. 1,737 (रु. 1,627) के पवन बिजली सृजन को समंजित करने के बाद है।

** टिप्पणी 21 देखें

टिप्पणी 30 - लेखों की सामान्य टिप्पणियाँ

1 अर्जित प्रति इक्विटी शेयर

	विवरण	2022-23	2021-22
क	सतत् प्रचालनों से		
	प्रति शेयर मूल अर्जन [आईएनआर]	4.11	3.21
	प्रति शेयर परिवर्तित अर्जन [आईएनआर]	4.11	3.21
ख	प्रति शेयर मूल व परिवर्तित अर्जन में न्यूमरेटर के रूप में प्रयुक्त राशि	3,00,667	2,34,893
ग	प्रति शेयर मूल व परिवर्तित अर्जन का परिकलन करने में प्रयुक्त इक्विटी शेयरों की भारित औसत संख्या	7,30,97,78,829	7,30,97,78,829

2 अनुपालन का विवरण

स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण भारतीय लेखांकन मानकों (भारतीय ए.एस.) [कंपनी अधिनियम ("एक्ट" की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015, यथा संशोधित, के साथ पढ़ा जाना है, में यथा अधिसूचित.और अधिनियम के अन्य संगत प्रावधान के अनुसार तैयार किए जाते हैं।

31 मार्च 2016 तक के और इस तारीख के लिए कंपनी के स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 और अधिनियम के अन्य संगत प्रावधानों के तहत अधिसूचित, कंपनी (लेखा मानक) नियम, 2006 के अनुसार तैयार किए गए थे।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

3 प्रचालनीय चक्र

कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची III की अपेक्षाओं के अनुसार, रणनीतिक कारोबारी यूनिट (एसबीयू) / यूनिट स्तर, जो लागू हो, में प्रचालनीय चक्र तय किया गया है।

4 परिसंपत्तियों की अनर्जकता

कंपनी ने नकद सृजक यूनिट (सीजीयू) मानी गई प्रत्येक भौगोलिक सम्मिश्रित निर्माणी यूनिट की परिसंपत्तियों की अनर्जकता के सूचकों का विश्लेषण किया है। आंतरिक और बाहरी कारकों के आंकलन के आधार पर, अनर्जकता के प्रावधान के रूप में ₹ 7,337 (₹ 124) की राशि का प्रावधान किया गया है। वर्ष के दौरान आस्ति हानि के रूप में ₹ 545 (शून्य) की राशि प्रदान की गई है।.

5 अल्पकालीन उधार

a कंपनी को संघीय बैंकों (एसबीई अग्रणी बैंक) द्वारा ₹ 500,000 (₹ 400,000) की कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। इस मंजूर सीमा में रु. 50,000 (₹ 500,000) की निधि आधारित सीमा और ₹ 450,000 (₹ 3,50,000) की गैर निधि आधारित सीमा शामिल है।

b निधि आधारित सीमा पर देय ब्याज दर एसबीआई की 3 महीने (1 वर्ष) की एमसीएलआर दर से जुड़ी है। [31.03.2021 को देय ब्याज दर 8.10% प्रति वर्ष (6.65%) है].

c प्रयुक्त राशि की चुकौती मांग पर की जाती है। यथा 31.03.2023 को यह उपयोगिता कुछ नहीं (कुछ नहीं) है।

d उक्त मंजूरी सीमा कंपनी की चालू परिसंपत्तियों के दृष्टबंधन द्वारा रक्षित है (टिप्पणी 35 देखें)

6 संविदाजन्य प्रतिबद्धताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
क. संविदाओं की प्राक्कलित राशि जो पूँजी खाते में निष्पादित की जानी है और 31 मार्च को जिनका प्रावधान नहीं किया गया है		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	71,286	43,332
निवेश संपत्ति	-	-
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5,481	4,473
ख. निवेश संपत्ति की मरम्मत और रख-रखाव तथा वर्धन के लिए संविदाजन्य प्रतिबद्धता	-	-
ग. 31 मार्च को अन्य प्रतिबद्धताएँ यानी निरस्त न करने योग्य संविदाजन्य प्रतिबद्धताएँ (यानी जिसे निरस्त करने से संबंधित अनुलाभ के लिए अनुपातरहित जुर्माना लगाया जाएगा)	-	-

7 अनुसंधान व विकास पर किया गया खर्च -

कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान अनुसंधान व विकास पर किए गए खर्च को संबंधित प्राकृतिक वर्गीकरण में शामिल किया गया है, इस प्रकार है -

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
व्यय		
सामग्री	24,045	23,708
कर्मचारी पारिश्रमिक और अनुलाभ	55,841	52,987
मूल्यह्रास	9,161	9,021
अन्य	18,517	21,222
सकल खर्च	**1,07,564**	**1,06,938**

नोट - उक्त खर्च में ₹ 2466 (₹ 3647) शामिल है जिसे प्रभारित नहीं किया गया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

8 आकस्मिक देयताएँ -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
दावे जिन्हें ऋण नहीं माना गया	1,02,532	1,00,509
बकाया साख पत्र	62,865	72,997
अन्य	26,336	3,486
ग्राहक के अनिष्पादित आदेश जहाँ सुपुर्दगी की तारीख समाप्त हो चुकी है, में 31 मार्च तक का अनंतिम निर्णीत हर्जाना	46,236	35,986

कुछ मामलों के संबंध में, आज की तारीख में देयता को समाप्त नहीं किया जा सकता है, क्योंकि मामले पर निर्णय होना अभी बाकी है। हालांकि ऐसे देयता को महत्वपूर्ण नहीं माना जाता है।

9 आकस्मिक परिसंपत्ति -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
कुछ नहीं	-	-

10 शेषों का पुष्टीकरण

व्यापार की लेनदारी, व्यापार देय, अग्रिम और जमा राशियों के संबंध में शेषों के पुष्टिकरण का अनुरोध करते हुए पत्र भेजे गए हैं। जहां कहीं उत्तर प्राप्त हुए हैं, समाधान प्रगति में है और वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होने की अपेक्षा नहीं है।

11 श्रम विवाद

श्रम मामलों के संबंध में, चूँकि ऐसे मामलों पर अधिनिर्णय अभी किया जाना है, देयता, यदि कोई हो, अभिनिश्चित नहीं की जा सकती। बहरहाल, ऐसी देयता का महत्वपूर्ण होना अपेक्षित नहीं है।

12 पट्टा

भारतीय ए.एस. 116 को अपनाना

1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी करते हुए कंपनी ने संशोधित पूर्वप्रभावी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए भारतीय ए.एस. 116 "पट्टे" को अपनाया है, इसलिए, तुलनात्मक सूचना दोबारा नहीं बताई जा रही है। इस मानक को अपनाने से कंपनी के वित्तीय परिणामों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

क) पट्टाकर्ता के रूप में -

i) भावी प्राप्त न्यूनतम पट्टा किराया

विवरण	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
एक वर्ष से अधिक नहीं	62	53
एक वर्ष से अधिक परंतु पाँच वर्षों से अधिक नहीं	316	241
पाँच वर्षों से अधिक	2,715	2,785

ii) कंपनी ने 2016-17 से 2021-22 तक की अवधि के लिए हरियाणा सरकार को प्वाइंट ऑफ सेल्स मशीनों को पट्टे पर दिया है।

iii) कंपनी ने रद्द न करने योग्य प्रचालनीय पट्टे के तहत विभिन्न संगठनों को भूमि का कुछ हिस्सा पट्टे पर दिया है। पट्टे की अवधि वर्ष 1967 से 2077 तक की है। पट्टों की विभिन्न शर्तें, वृद्धि खंड, पट्टा नवीकरण अधिकार आदि है। नवीकरण पर, पट्टे की शर्त दोबारा वार्ता कर तय की जाती हैं।

कंपनी ने आकस्मिक किराए के रूप में कोई आय निर्धारित नहीं की है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ख) पट्टेदार के रूप में -

कंपनी में ऐसे पट्टे हैं जिन्हें भारतीय ए.एस. 17 लागू करते हुए वित्त पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया गया था, ऐसे पट्टों के लिए, भारतीय ए.एस. 116 के प्रारंभिक अनुप्रयोग की तारीख में उपयोग के अधिकार की राशि की वहनीय राशि, भारतीय ए.एस. 17 को लागू करते हुए मापे गए अनुसार संक्रमण की तारीख पर पट्टे की वहनीय राशि है। तदनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण से ₹ 1,275 की राशि परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार में वर्गीकृत की गई ।

संक्रमण पर, कंपनी पट्टे की समाप्त न हुई अवधि के लिए अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग के अपने अधिकार को दर्शाते हुए परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार निर्धारित करती है।

उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति को इसमें निर्धारित किया जाता है -

क) पूर्वदत्त किराए की वहनीय राशि जब कोई भावी पट्टा भुगतान देय नहीं होता है; या

ख) वहनीय राशि तथा वृद्धिशील उधार दर पर भुनाया गया। तदनुसार, उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति ₹ 365 है और पट्टे की संबंधित देयता रु. 365 निर्धारित की गई। इन परिसंपत्तियों के संबंध में भारतीय ए.एस. 116 को लागू करने पर, व्ययों की प्रकृति को पट्टे के किराए से उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति की मूल्यह्रास लागत में और पट्टे की देयता पर प्रोद्भूत ब्याज की वित्त लागत में पुन:वर्गीकृत किया गया ।

कंपनी द्वारा दर्ज उक्त पट्टे की संविदाएँ सौर परियोजना द्वारा बिजली पैदा करने और कारोबारी प्रयोजनों के लिए भवन निर्माण के लिए पट्टे पर ली गई भूमि से संबंधित हैं। इन परिसंपत्तियों का निपटान करना कंपनी के लिए प्रतिबंधित है।

कंपनी ने किसी भी व्यय को आकस्मिक किराए के रूप में निर्धारित नहीं किया है।

पट्टे की देयताओं के ठेकाजन्य नकदी प्राप्ति का परिपक्वता विश्लेषण टिप्पणी 34 में दिया गया है।

13 खंडवार रिपोर्टिंग

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना सं. 463 (ई) दिनांक 5 जून, 2015, यथा संशोधित, द्वारा खंडवार रिपोर्टिंग करने की आवश्यकता से रक्षा उत्पाद में लगी कंपनियों को छूट प्रदान की है।

14 प्रतिधारण बिक्री

वर्ष के कुल कारोबार में शामिल प्रतिधारण बिक्री (यानी, ग्राहकों के अनुरोध पर और उनके जोखिम पर कंपनी के पास रखा गया सामान) का मूल्य ₹ 76,411 (₹ 80,880) है।

उक्त में से, कारखाना बाह्य बिक्री का मूल्य ₹ 10,008 (कुछ नहीं) है।

15 विदेशी मुद्रा विनिमय के एक्सपोज़र

"विदेशी मुद्रा विनिमय एक्सपोज़र" के प्रकटण की आवश्यकता बताते हुए आईसीएआई की घोषणा के अनुसार, 31 मार्च 2023 को प्रमुख मुद्रा-वार एक्सपो. जर नीचे दिए गए हैं। [विदेशी मुद्राएँ लाख में दर्शाई गई हैं] (पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दिए गए हैं) ।

मुद्रा	देय		प्राप्य / संविदा परिसंपत्ति		आकस्मिक देयता*	
	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य
USD	734	60,914	234	19,029	480	39,895
	(626)	(47,968)	(134)	(10,007)	(576)	(44,175)
EURO	158	14,373	16	1,409	125	11,368
	(203)	(17,446)	-	(22)	(172)	(14,822)
GBP	20	2,039	-	-	12	1,212
	(10)	(966)	-	-	(10)	(1,050)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

मुद्रा	देय		प्राप्य / संविदा परिसंपत्ति		आकस्मिक देयता*	
	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य	विदेशी मुद्रा	भारतीय रुपए के समतुल्य
JYEN	93	59	-	-	-	-
	(11)	(7)	-	-	-	-
CHF	30	2,710	-	-	29	2,690
	(10)	(849)	-	-	(1)	(94)
अन्य	3	157	-	-	-	-
	(9)	(532)	-	-	(15)	(125)
कुल (₹)		**80,252**		**20,438**		**55,165**
		(67,768)		**(10,029)**		**(60,265)**
उक्त में से ग्राहकों से विनिमय दर उतार-चढ़ाव खंड द्वारा शामिल राशि		**18,168**		**-**		**23,506**
		(17,830)		**-**		**(27,997)**

* इसमें बकाया साख पत्रों और पूँजीगत प्रतिबद्धताओं से संबंधित एक्सपोज़र शामिल हैं।

वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, कंपनी ने दृढ़ प्रतिबद्धताओं के संबंध में विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव की रक्षा करने के लिए वायदा संविदा किया है। 31.03.2023 को कोई बकाया वायदा संविदा नहीं है।

16 सीएसआर खर्च संबंधी प्रकटण

क वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान कंपनी द्वारा खर्च की जाने वाली सकल राशि ₹ 5749 (₹ 5,329) है।

ख वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान खर्च की गई राशि -

क्र. सं.	विवरण	नकद में	नकद में अदा किया जाना बाकी	कुल	खर्च न की गई राशि का विनियोजन / प्रावधानङ	सीएसआर का सकल योग
i)	किसी परिसंपत्ति पर निर्माण / अधिग्रहण	-	-	-	-	-
		-	-	-	-	-
ii)	उक्त (i) के अलावा प्रयोजन	2,652	15	2,667	3,082	5,749
		(2,958)	(115)	(3,073)	(2,256)	(5,329)

* सीएसआर की खर्च न की गई राशि के लिए, कंपनी (कार्पोरेट सामाजिक दायित्व नीति) संशोधन नियम, 2021 (ठनियमठ) के अनुसार ₹ 3082 (₹ 2,409) का प्रावधान किया गया चूंकि यह चालू परियोजनाओं से संबंधित है।

उक्त खर्च में ₹ 274 (₹ 254) का सीएसआर प्रशासनिक ऊपरीव्यय शामिल है जिसे कर्मचारी अनुलाभ व्यय के तहत समूहित किया गया है।

ग. सीएसआर प्रावधान का संचलन

क्र.सं.	विवरण	2022-23	2021-22
i	1 अप्रैल को	5,095	4,504
ii	वर्ष के दौरान निर्धारित अतिरिक्त प्रावधान / विनियोजन	3,082	2,256
iii	घटाएँ - वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि	2,391	1,665
iv	घटाएँ - वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित राशि	-	-
v	31 मार्च का	5,786	5,095

* इसमें सीएसआर निधियों से अर्जित ब्याज का प्रावधान शामिल है - कुछ नहीं (कुछ नहीं)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

क्र.सं.	विवरण	2022-23	2021-22
1	कंपनी द्वारा वर्ष के दौरान खर्च की जाने वाली राशि	5,749	5,329
2	किए गए खर्च की राशि	2,667	3,073
3	वर्षांत में कमी	3,082	2,256
4	पिछले वर्षों की कमी का कुल	2,704	2,839
5	कमी के कारण	चालू परियोजनाओं से संबंधित	
6	सीएसआर कार्यकलापों की प्रकृति	शिक्षा, स्वास्थ्य की देखभाल और साफ-सफाई, ग्रामीण विकास की परियोजनाएं, पर्यावरण का संधारणीय विकास, कौशल भारत पहल	
7	संबंधित पक्षकार के लेनदेन के ब्यौरे जैसे संगत लेखा मानकों के अनुसार सीएसआर व्यय के संबंध में कंपनी द्वारा नियंत्रित ट्रस्ट को अंशदान	ला.न.	ला.न.
8	यदि ठेकाजन्य देयता करते हुए उपगत देयता से संबंधित कोई प्रावधान किया गया है तो वर्ष के दौरान ऐसे प्रावधान का संचलन अलग से दर्शाया जाए।	ला.न.	ला.न.

17 कोविड-19 का प्रभाव

कंपनी ने वित्तीय विवरणों को तैयार करने में कोविड 19 महामारी के परिणामस्वरूप संभावित प्रभावों पर विचार किया है जिसमें वित्तीय एवं गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की वहनीय राशि वसूल करने की संभावना शामिल है। महामारी के कारण वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में संभावित भावी अनिश्चितता से संबंधित मान्यताएँ तय करने में, कंपनी ने सूचना के अपने उपलब्ध आंतरिक और बाहरी स्रोतों तथा आर्थिक पूर्वानुमान का प्रयोग किया है और कंपनी यह अपेक्षा करती है कि इन परिसंपत्तियों की वहनीय राशि वसूल की जाएगी। वित्तीय विवरणों पर कोविड-19 का प्रभाव इन वित्तीय विवरणों के अनुमोदन की तारीख पर किए गए प्राक्कलन से अलग हो सकता है।

18 रिपोर्टिंग अवधि के अंत में निर्धारित न किया गया लाभांश

निदेशकों ने प्रति शेयर आईएनआर 1.20 (आईएनआर 1.20) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है। [परम अंक दर्शाता है].

प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन की शर्त पर है और यदि अनुमोदन प्रदान किया जाता है तो इसके कारण लगभग ₹ 43,859 (₹ 36,549) का नकदी बहिर्वाह होगा।

19 ₹ 26 (कुछ नहीं) की राशि रक्षा उत्पादन के आई.टी. प्रभाग को प्रदान की गई है जिसे आयुध निर्माणी बोर्ड(ओएफबी) और रक्षा क्षेत्र की सरकारी यूनिटों सहित रक्षा उत्पादन विभाग में आई.टी. संबंधी पहल कार्यान्वित करने के लिए एचएएल के एक प्रभाग के रूप में सृजित किया गया है।

20 शेष कार्य-निष्पादन देयता का मूल्य (लंबित आदेश जिनका निष्पादन करना है)

ग्राहकों की संविदाओं से अनिर्धारित राजस्व जिन्हें आंशिक रूप से पूरा किया गया है या पूरा नहीं किया गया है (लंबित आदेश जिनका निष्पादन करना है)

विवरण	कुल राशि	एक वर्ष के भीतर	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक
अनिष्पादित आदेश का मूल्य	60,69,000	23,04,450	19,12,029	11,43,345	7,09,176

विशेष रूप से प्रमुख आदेश रक्षा से प्राप्त होते हैं जिनकी उत्पादन-पूर्व अवधि लंबी होती है। कंपनी पूरी न की गई (या आंशिक रूप से पूरी न की गई) कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में कंपनी 3 से 5 वर्षों की अवधि में राजस्व को अभिचिह्नित करने की आशा करती है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

21 संशोधित अनुसूची III की अपेक्षाओं के अनुसार वित्तीय अनुपात-

क्र.सं.	विवरण	2022-23	2021-22	% परिवर्तन	टिप्पणी
अंश	चाल परिसंपत्तियां	29,90,328	27,15,716		
हर	चालू देयताएं		19,53,203		
(a)	**चालू अनुपात (गुना में)**	1.46	1.39	5.04	
अंश	कुल ऋण	-	-		
हर	शेयरधारकों की इक्विटी / निवल मालियत	13,58,199	11,98,426		
(b)	**ऋण-इक्विटी अनुपात (गुना में)**	-	-		
अंश	ऋण सेवा के लिए उपलब्ध अर्जन (पीएटी + ब्याज लागत + मूल्यह्रास / परिशोधन)	3,42,933	2,73,396		
हर	ऋण सेवा (ब्याज + पट्टे के भुगतान + मूलधन की चुकौती)	1,479	485		
(c)	**ऋण सेवा कवरेज अनुपात (गुना में)**	231.87	563.70	(58.87)	पिछले वर्ष के दौरान ₹ 944 की बकाया ऋण राशि की पूर्ण चुकौती के कारण ऋण सेवा में आई कमी के कारण।
अंश	कर पश्चात् लाभ (पीएटी)	3,00,667	2,34,893		
हर	औसत शेयरधारकों की इक्विटी/ निवल मालियत	12,78,313	11,39,608		
(d)	**इक्विटी अनुपात में प्राप्ति (% में)**	23.52	20.61	14.12	
अंश	विक्रय और सर्विस	17,33,337	15,04,367		
हर	औसत वस्तुसूचा	5,98,948	5,26,079		
(e)	**वस्तुसूची आवर्त अनुपात (गुना में)**	2.89	2.86	1.05	
अंश	विक्रय और सर्विस	17,33,337	15,04,367		
हर	औसत व्यापार लेनदारिया	6,56,270	6,32,747		
(f)	**व्यापार लेनदारी आवर्त अनुपात (गुना में)**	2.64	2.38	10.92	
अंश	खरीद	11,05,144	9,79,170		
हर	औसत व्यापार देय	3,34,317	3,33,157		
(g)	**व्यापार देय आवर्त अनुपात (गुना में)**	3.31	2.94	12.59	
अंश	बिक्री और सर्विस	17,33,337	15,04,367		
हर	कार्यशील पूंजी	9,39,447	7,62,513		
(h)	**निवल पंजी आवर्त अनुपात (गुना में)**	1.85	1.97	(6.09)	
अंश	कर पश्चात लाभ (पीएटी)	3,00,667	2,34,893		
हर	बिक्री और सर्विस	17,33,337	15,04,367		
(i)	**निवल लाभ अनुपात (इ में)**	17.35	15.61	11.15	
अंश	ब्याज और कर पूर्व अर्जन (ईबीआईटी)	3,99,967	3,16,265		
हर	नियोजित पूंजी	12,06,666	10,14,876		
(j)	**नियोजित पूंजी पर प्राप्ति (% में)**	33.15	31.16	6.39	
अंश	दीर्घकालीन निवेशों से आय (लाभांश)	8,124	408		

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

क्र.सं.	विवरण	2022-23	2021-22	% परिवर्तन	टिप्पणी
हर	इक्विटी लिखत में निवेश	21,303	21,301		
(k)	**निवेश पर प्राप्ति (% में)**	38.14	1.92	1,886.46	चालू वर्ष के दौरान सहायक और एसोसिएट कंपनी से प्राप्त लाभांश आय में ₹ 7,715 की वृद्धि के कारण।

22 अनुसूची III के संशोधनों के अनुसार आवश्यक अन्य प्रकटन।

क कंपनी के पास कोई बेनामी संपत्ति नहीं है, जहां कोई बेनामी संपत्ति रखने के लिए कंपनी के खिलाफ कोई कार्रवाई शुरू की गई है या लंबित है।

ख समाप्त हो चुकी कंपनियां

आईएनआर में ₹ (परम अंक दर्शाता है)

प्रभावित कंपनी का नाम	प्रभावित कंपनी के साथ किए गए लेनदेन की प्रकृति	प्रभावित कंपनी के साथ संबंध, यदि प्रकट करने योग्य हो	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
मुस्कान इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	-	3,012
राजू इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	-	1,67,649
हेमा इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	-	16,815
शॉर्प प्रॉडक्ट्स प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	28,932	28,932
एम एस इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	399	53,640
एच. एम. ब्रोस लि.	व्यापार प्रदेय	-	38,586	-
रवि थर्मल इंजीनियर्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय		6,480	-
एस पी इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	1,908	1,908
एयरकम्फोर्ट इंजीनियर्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	32,253	32,253
आर्कटिक इंडिया सेल्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,10,520	1,10,520
बर्जेन एसोसिएट्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	3,07,390
बिगटेक साफ्टवेयर प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,34,436	68,759
चावला हेल्थ केयर प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	90,473	1,57,976
चावला हेल्थ केयर प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	4,87,435	4,87,435
कंप्यू लीज़ नेटवर्क्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	13,44,917	12,86,926
ईएल कैमिनो टेक्नालाजीस प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	19,500	19,500
एम्बेडेड साफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	8,13,920
एक्सीजेंट सॉल्यूशन्स प्रा. लि.	अग्रिम अदा किया गया	-	19,50,934	19,50,934
एक्सीजेंट सॉल्यूशन्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय		72,632	72,632
इन्नोवायर टेक्नालाजीस प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	4,98,550	4,98,550
इंटेग्रा माइक्रो सिस्टम्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	1,95,216
कैपट्रॉन प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,26,000	1,26,000
रोड कैरियर ऑफ इंडिया प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	25,000	25,000
एस.बी.एस. टेक्नोकाट्र्स एंड इंजीनियर्स प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	-	2,23,054
एस.बी.एस. टेक्नोकाट्र्स एंड इंजीनियर्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	3,74,973
सोलास्टेक नेटवर्क सिस्टम्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	11,02,839	11,02,839
स्टार इन्फार्मेटिक्स प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	1,50,450	1,50,450
सुमिट्रॉन एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	41,681

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

आईएनआर में ₹ (परम अंक दर्शाता है)

प्रभावित कंपनी का नाम	प्रभावित कंपनी के साथ किए गए लेनदेन की प्रकृति	प्रभावित कंपनी के साथ संबंध, यदि प्रकट करने योग्य हो	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
स्वाति एयरकंडीशनिंग प्रा.लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	6,251	6,251
वैल्यू प्वाइंट आईटी सर्विसेस प्रा.लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	-	2,000
वैल्यू प्वाइंट आईटी सर्विसेस प्रा.लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	1,971
तांगमर्ग इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड	शेयरधारक	-	7,540	-
सतिदम इंडस्ट्रीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	-	12,000
गर्ग कैपिटल एंड स्टॉक प्रा.लि.	शेयरधारक	-	9,900	3,300
डी आर शेयर्स प्रा.लि.	शेयरधारक	-	9,900	3,300
सलासार सेक्योरिटीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	-	1,200
ऐस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्रा.लि.	शेयरधारक	-	-	1,100
अरविंद सेक्योरिटीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	-	198

ग कंपनी में ऐसे कोई प्रभार या चुकौती नहीं है जिसे सांविधिक अवधि से परे कंपनियों के पंजीयक (आरओसी) के पास दर्ज किया जाना है।

घ कंपनी ने वित्तीय वर्ष के दौरान क्रिप्टो करेंसी या वर्चुअल करेंसी में कोई लेनदेन या निवेश नहीं किया है।

ङ कंपनी ने इस समझ के साथ किसी विदेशी स्वत्व (मध्यवर्ती) सहित किसी अन्य व्यक्ति या स्वत्व को कोई अग्रिम राशि नहीं दी है या ऋण नहीं दिया है या उसमें निवेश नहीं किया है, कि मध्यवर्ती -

क. कंपनी द्वारा या उसकी ओर से (अंतिम हितलाभी) किसी भी तरीके से अन्य व्यक्तियों या स्वत्वों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उधार या निवेश नहीं करेंगे या

ख. अंतिम हितलाभी को या उसकी ओर से कोई गारंटी, जमानत नहीं देंगे या इसी प्रकार का कार्य नहीं करेंगे।

च कंपनी ने इस समझ के साथ विदेशी स्वत्व (वित्तपोषण पक्ष) सहित किसी अन्य व्यक्ति या स्वत्व से कोई निधि प्राप्त नहीं की है (लिखित में या अन्यथा दर्ज) कि कंपनी -

क. वित्तपोषण पक्ष (अंतिम हितलाभी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी तरीके से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या स्वत्वों में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उधार नहीं देगी या निवेश नहीं करेगी या

ख. अंतिम हितलाभी को या उसकी ओर से कोई गारंटी, जमानत नहीं देंगी या इसी प्रकार का कार्य नहीं करेगी।

छ कंपनी ने ऐसा कोई लेनदेन नहीं किया है जो लेखा बहियों में दर्ज नहीं है और जिसे आय कर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारण में वर्ष के दौरान आय के रूप में अभ्यर्पित या प्रकट किया गया है (जैसे खोज या सर्वेक्षण या आय कर अधिनियम, 1961 का किसी अन्य संगत प्रावधान)

23 वर्ष 2019-20 के दौरान, नेमी आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान कर्मचारियों द्वारा कंपनी के साथ रु. 1,000 की धोखाधड़ी की घटना का पता चला है। उक्त राशि में से, रु.64 की वसूली की गई और शेष रु. 936 की राशि को लेनदारी के रूप में निर्धारित किया गया, वसूली के लंबित होने के कारण, इसे लाभ व हानि के विवरण में संदिग्ध माना गया है। कंपनी ने इस संबंध में उचित कार्रवाई की है और जाँच प्रगति में है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान सिविल वाद दाखिल करने के लिए न्यायालय शुल्क के रूप में रु. 54 खर्च किए गए हैं।

24 सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 को लागू करने की तारीख अधिसूचित नहीं की गई है और कंपनी इसके लागू होने पर इसके प्रभाव का आकलन करेगी और ऐसे प्रभाव को संहिता के प्रभावी होने पर दर्ज करेगी।

25 कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष से संबंधित हैं।

26 वित्तीय विवरणों के सभी आंकड़ों को निकटतम लाख में पूर्णांकित किया गया है जब तक कि अन्यथा उल्लिखित न हो।

27 स्टैंडअलोन भारतीय ए.एस. वित्तीय विवरणों को दिनांक 23 मई 2023 को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 31 - संबंधित पक्षकार के लेनदेन

क. सहायक कंपनियाँ और एसोसिएट

निकाय का नाम	कारोबार का स्थान	कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित		नियंत्रण-रहित हितों द्वारा धारित स्वामित्व हित		मुख्य कार्यकलाप
		यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022	
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि. (बेलॉप) - सहायक कंपनी	भारत	100%	100%	-	-	इमेज इंटेन्सीफायर ट्यूबों का निर्माण व आपूर्ति
बीईएल - थालेस सिस्टम्स लि. - सहायक कंपनी	भारत	74%	74%	26%	26%	रक्षा व नागरी रेडारों का अभिकल्प, विकास, आपूर्ति और समर्थन
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन - एसोसिएट	भारत	50%	50%	50%	50%	रक्षा संबंधी अनुसंधान एवं विकास कार्यकलाप करना
जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड - एसोसिएट	भारत	26%	26%	-	-	चिकित्सा उपकरणों का निर्माण

ख. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के विवरण

i. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के नाम

श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव, 20.04.2022 से निदेशक [अन्य यूनिटें], 01.11.2022 से अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार और 01.11.2022 से निदेशक [विपणन]।

श्री विनय कुमार कत्याल, निदेशक [बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स], 01.11.2022 से 10.01.2023 तक निदेशक [वित्त] के रूप में अतिरिक्त प्रभार।

श्री मनोज जैन, 26.09.2023 से निदेशक [अनुसंधान व विकास] और 01.11.2022 से निदेशक [मानव संसाधन] का अतिरिक्त प्रभार।

श्री दामोदर भट्टड, 11.01.2023 से निदेशक [वित्त] और सीएफओ।

श्री दिनेश कुमार बत्रा, 31.102022 तक निदेशक [वित्त] और सीएफओ, 01.09.2022 से 31.10.2022 तक अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, निदेशक [विपणन] और निदेशक [मानव संसाधन] का अतिरिक्त प्रभार।

श्रीमती आनंदी रामलिंगम, निदेशक [विपणन],
01.07.2021 से 31.08.2022 तक अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार।

श्री राजशेखरन एम वी, 31.08.2022 तक निदेशक [आर एंड डी]

श्री एम वी गौतमा, 30.06.2021 तक अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

श्रीमती शिखा गुप्ता, 08.05.2021 तक निदेशक [अन्य यूनिटें]

श्री शिवकुमारन के एम, 31.08.2021 तक निदेशक [एच.आर.]

श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव

ii. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के प्रतिपूर्ति

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
अल्पकालीन कर्मचारी हितलाभ	314	301
नियोजन के बाद के हितलाभ	10	11
दीर्घकालीन कर्मचारी हितलाभ	74	62
सेवानिवृत्ति के लाभ	-	-
शेयर आधारित भुगतान	-	-
कुल	**398**	**374**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ग. नियोजन के बाद की अनुलाभ योजनाएं

विवरण	कंपनी द्वारा अंशदान	
	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
बीईएल भविष्य निधि ट्रस्ट	11,598	10,922
बीईएल उपदान ट्रस्ट निधि	-	-
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड अधिवर्षिता (पेंशन) ट्रस्ट	6,040	6,063
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सेवानिवृत्त कर्मचारी चिकित्सा ट्रस्ट (बीआरईएमटी)	1,16,493	-

*बीआरईएमटी के संबंध में नोट 21 (ए) (ii) देखें।

घ मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के अलावा संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए लेनदेन इस प्रकार हैं (पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दर्शाए गए हैं) -

विवरण	सहायक कंपनी		एसोसिएट		कुल योग
	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लि. (बेलॉप)	बीईएल-थालेस सिस्टम्स लि.	जीई बीई प्राइवेट लि.	डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन	
माल की खरीद	904	4,359	-	-	5,263
	(1,268)	-	-	-	(1,268)
माल की बिक्री	-	723	2,240	-	2,963
	-	(2,543)	(2,365)	-	(4,908)
प्राप्त सेवाएँ	118	587	-	-	705
	(57)	(432)	-	-	(489)
प्रदान की गई सेवाएँ	1	34	-	-	35
	-	(7)	-	-	(7)
प्राप्त किराया (पट्टा)	-	48	-	-	48
	-	(45)	-	-	(45)
ब्याज की आय	-	-	-	-	-
	(3)	-	-	-	(3)
निवेश पर लाभांश आय	206	116	7,800	-	8,122
	(147)	-	(260)	-	(407)
वितरित ऋण	-	-	-	-	-
	-	-	-	-	-
31.03.2022 को बकाया व्यापार देय	69	647	-	-	716
	(36)	(440)	-	-	(476)
31.03.2022 को बकाया व्यापार प्राप्य	1	1	515	-	517
	(1)	(330)	(606)	-	(937)
31.03.2022 को इक्विटी में निवेश	16,990	4,264	260	1	21,515
	(16,990)	(4,264)	(260)	(1)	(21,515)
2022-23 के दौरान राइट इश्यू*	2,199	-	-	-	2,199
	-	-	-	-	-
31.03.2022 को बकाया अंशदान	-	-	-	4,000	4,000
	-	-	-	(4,000)	(4,000)

* मार्च 2023 के दौरान, 87,16,850 राइट्स इश्यू शेयरों के लिए ₹ 2,199 की राशि का निवेश किया गया था, जिसके लिए 09.05.2023 को आवंटन किया गया था।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

निदेशकों का बैठक शुल्क -

गैर कार्यकारी निदेशकों को अदा किया गया बैठक शुल्क वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान ₹ 32 और वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान ₹ 18 है।

घ. संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए सभी लेनदेन स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर हैं। सहायक कंपनी (बेलॉप) को दिए गए ऋण के संबंध में नीचे दी गई टिप्पणी "छ" देखें।

ङ. सभी बकाया शेष अरक्षित हैं। सभी बकाया शेष (ऋण के अलावा) अगले 6 महीनों के भीतर नकद में चुकौती योग्य हैं। ऋणों के बकाया शेष के लिए नीचे दी गई टिप्पणी "छ" देखें।

च. कंपनी ने एक्सडी-4 II ट्यूबों के टीओटी के लिए भुगतान करने के लिए बेलॉप को ₹ 10,416 [₹ 26,040 में से ₹ 15,624 घटाकर] की राशि का अस्थायी रूप से वित्त-पोषण करने के लिए अप्रैल, 2013 में बेलॉप के साथ एक करार किया था, जिसकी शेष राशि की रसीद रक्षा मंत्रालय से लंबित है। 31.03.2022 को, बेलॉप को ₹ 9,851 (₹ 9,851) की राशि बेलॉप को अदा की गई जिसमें से ₹ 9,851 (₹ 9851) की राशि रक्षा मंत्रालय से प्राप्त हुई है।

इस करार के अनुसार, वित्तीय वर्ष के दौरान कुछ नहीं (कुछ नहीं) की राशि निधि लागत के लिए बेलॉप से प्राप्त हुई है।

छ. **संबंधित पक्षकारों को ऋण**

1. कंपनी ने रु. 4,600 का मीयादी ऋण प्रदान करने के लिए अगस्त 2016 में बेलॉप के साथ एक करार किया था जिसमें से ₹ 2,935 की राशि 31.03.2023 को वितरित कर दी गई और 31.03.2023 को कुछ नहीं (कुछ नहीं) की राशि बकाया है।

ज. **कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति सहित प्रबंधन की संविदाएँ**

बीईएल के दो अधिकारियों को बेलॉप (सहायक कंपनी) में और सात अधिकारियों को बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (सहायक कंपनी) में तैनात किया गया और वर्ष के दौरान उनके वेतन तथा अन्य भत्ते नियोजन के निबंधन व शर्तों के अनुसार क्रमश: बेलॉप और बीईएल-थालेस सिस्टम्स लि. द्वारा अदा किए गए।

झ **सरकार और सरकार संबंधी निकायों के साथ लेनदेन**

चूँकि बीईएल रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण के अधीन एक सरकारी कंपनी है, कंपनी ने सरकार और सरकारी निकायों के साथ लेनदेन के संबंध में भारतीय ए.एस. 24 के तहत अपेक्षित विवरणों को प्रकटण करने से छूट प्राप्त की है।

बहरहाल, भारतीय ए.एस. 24 के तहत यथा अपेक्षित, निम्नलिखित लेनदेन वैयक्तिक रूप से उल्लेखनीय हैं -

वित्त वर्ष 2022-23 में 249,19,47,956 (शून्य) बोनस शेयर जारी किए गए थे।

₹ 63,456 (₹ 52,331) की राशि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान लाभांश के रूप में अदा की गई।

उपर्युक्त के अलावा, कंपनी के कुल कारोबार का लगभग 96% (97%), व्यापार प्राप्य का लगभग 97% (99%) और ग्राहकों के अग्रिम का लगभग 99% (99%) सरकार और सरकार संबंधी निकायों से संबंधित है।

ञ बेलॉप से संबंधित निवेश में ऋण का उचित मूल्यांकन शामिल है।

ट कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार, 10 अप्रैल 2017 को लाभ रहित कंपनी के रूप में डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) की स्थापना रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेषी कार्य का वित्त पोषण करने के उद्देश्य से ₹ 100 (बीईएल: 50%; एचएएल: 50%) की प्राधिकृत शेयर पूँजी के साथ की गई। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेंगलूरु में बीईएल के परिसर में स्थित है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 32 - एसोसिएट में हित

क

निकाय का नाम		जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड
कारोबार का स्थान / निगमन का स्थान		भारत
स्वामित्व हित का %		26%
संबंध		एसोसिएट
वहनीय राशि	2022-23	20,083
	2021-22	(23,299)

एसोसिएट में निवेश का उचित मूल्य प्रकट नहीं किया गया है क्योंकि जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड की इक्विटी अनुद्धत है।

जीई बीई प्राइवेट लि. चिकित्सा यंत्रों का निर्माण करती है और उसके उत्पाद बीईएल बेंगलूरु कॉम्प्लेक्स के कंपोनेंट एसबीयू और बीईएल पुणे यूनिट के कारोबारी खंड में मदद करते हैं।

जीई बीई प्राइवेट लि. में कंपनी के हित की वहनीय राशि (लेखा परीक्षित)

संक्षिप्त तुलन-पत्र	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	25,567	24,378
चालू परिसंपत्तियाँ		
नकद और नकद समतुल्य	17,669	1,344
अन्य परिसंपत्तियाँ	57,294	92,831
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**74,963**	**94,175**
कुल परिसंपत्तियाँ	**1,00,530**	**1,18,553**
गैर-चालू देयताएँ		
व्यापार देय के अलावा वित्तीय देयताएँ	31	18
अन्य देयताएँ	1,024	439
कुल गैर-चालू देयताएँ	**1,055**	**457**
चालु देयताएँ		
व्यापार देय के अलावा वित्तीय देयताएँ	872	771
अन्य देयताएँ	21,362	27,714
कुल चालू देयताएँ	**22,234**	**28,485**
कुल देयताएँ	**23,289**	**28,942**
निवल परिसंपत्तियाँ	**77,241**	**89,611**
निवल परिसंपत्तियों में कंपनी का अंश	**20,083**	**23,299**

लाभ व हानि का संक्षिप्त विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
राजस्व	1,57,910	1,56,672
ब्याज की आय	1,082	1,682
मूल्यह्रास एवं परिशोधन	3,707	3,598
ब्याज व्यय	44	16
आय कर संबंधी व्यय	6,040	6,041
वर्ष का लाभ	17,624	17,578
अन्य व्यापक आय	6	(24)
कुल व्यापक आय	17,630	17,554
कंपनी का लाभ में हिस्सा	4,582	4,570
ओसीआई में कंपनी का हिस्सा	2	(6)
कुल व्यापक आय में कंपनी का हिस्सा	4,584	4,564

कंपनी ने ₹ 7,800 (₹ 260) का लाभांश प्राप्त किया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

वहनीय राशियों का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
प्रारंभिक निवल परिसंपत्तियां	23,299	18,995
वर्ष के लिए लाभ	4,582	4,570
अन्य व्यापक आय	2	(6)
अदा किया गया लाभांश	7,800	260
अंतिम निवल परिसंपत्तियाँ	**20,083**	**23,299**

एसोसिएट संबंधी प्रतिबद्धताएँ एवं आकस्मिक देयताएँ -

विवरण	जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	
	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
पूँजीगत प्रतिबद्धताएँ	210	180
अन्य प्रतिबद्धताएँ	-	-
अन्य आकस्मिक देयताएँ	117	831

ख

संस्था का नाम		डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन
कारोबार का स्थान / निगमन का स्थान		भारत
स्वामित्व हित का %		50%
संबंध		एसोसिएट
वहनीय राशि	2022-23	1
	2021-22	1

टिप्पणी 33 - वित्तीय विलेख - उचित मूल्य मापन

1 लेखा वर्गीकरण एवं उचित मूल्य

निम्नलिखित टेबल वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देयताओं की वहनीय राशि और उचित मूल्य दर्शाता है -

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
I	**निवेश**						
i	इक्विटी विलेख - मना एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्रा. लि.	-	15	-	-	13	-
ii	इक्विटी विलेख - डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन	-	1	-	-	1	-
iii	अन्य निवेश	-	-	-	-	-	-
क	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में निवेश (छुट्टी नकदीकरण और बीईआरईसीएचएस के लिए)	44,910		-	1,33,896	-	-
	उप कुल	**44,910**	**16**	**-**	**1,33,896**	**14**	**-**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिन्हें उचित मूल्य में नहीं मापा गया						
II	**व्यापार प्राप्य**	-	-	7,02,201	-	-	6,10,339
III	**ऋण**						
क	संबंधित पक्षकारों को ऋण	-	-	-	-	-	-
ख	कर्मचारियों को ऋण	-	-	828	-		876
ग	अन्य को ऋण	-	-	-		-	-
IV	**नकद और नकद समतुल्य**	-	-	3,86,418	-	-	1,23,904
V	**अन्य बैंक शेष**	-	-	4,14,482	-	-	6,26,010
VI	**नकद और नकद समतुल्य**						
क	प्रतिभूति जमा	-	-	3,872	-	-	3,957
ख	कर्मचारियों को अग्रिम	-	-	166	-	-	168
ग	अन्य को अग्रिम	-	-	3	-	-	3
घ	प्राप्य (व्यापार प्राप्यों के अलावा)	-	-	1,795	-		2,540
ङ	12 महीनों से अधिक परिपक्व के साथ बैंक जमा	-	-	173	-	-	173
च	प्रोद्भत ब्याज परंतु जो मीयादी जमा पर देय नहीं है	-	-	1,969	-	-	3,775
छ	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ		-	14,132	-	-	1,890
	अन्य निवेश						
क	को-ऑपरेटिव सोसाइटियों, हाउसिंग सोसाइटियों आदि में निवेश*	-	-	-	-	-	-
ख	सहायक कंपनियों में निवेश	-	-	21,254	-	-	21,254
ग	एसोसिएट में निवेश	-	-	260	-	-	260
	उप कुल	**-**	**-**	**15,49,752**	**-**	**-**	**13,95,149**
	कुल	**44,910**	**16**	**15,49,752**	**1,33,896**	**14**	**13,95,149**

* आईएनआर 4,750 (आईएनआर 4,750) [परम अंक दर्शाता है] जिसे पूर्णांकित किया गया।

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय देयताएँ						
	कुल	-	-	-	-	-	-
	वित्तीय देयताएँ जिन्हें उचित मूल्य पर मापा नहीं गया						
I	उधार	-	-	-	-	-	-
II	व्यापार देय	-	-	3,32,003	-	-	3,36,630
III	**अन्य वित्तीय देयताएँ**						
क	प्रतिभूति जमा	-	-	39,445	-	-	30,498
ख	मीयादी ऋण पर प्रोद्भत और देय ब्याज	-	-	-	-	-	-
ग	व्यापार देय पर प्रोद्भत और देय ब्याज	-	-	5	-	-	14
घ	अन्य व्यापार देय	-	-	14,697	-	-	8,745
ङ	अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	-	-	37	-	-	37
च	अदत्त लाभांश	-	-	246	-	-	215
छ	सूक्ष्म व लघु उद्यमों को बकाया गैर व्यापार देय	-	-	631	-	-	337
ज	बकाया व्यय	-	-	70,953	-	-	56,912
झ	पट्टे की अन्य देयता			6,134			5,270
ञ	अन्य देयताएँ	-	-	1,465	-	-	1,000
	कुल			**4,65,616**			**4,39,658**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

2 उचित मूल्य का पदानुक्रम

जहाँ कहीं लागू हो, वित्तीय विवरणों के उचित मूल्य के मापन के लिए प्रयुक्त अनुक्रम स्तर नीचे दिए गए हैं -

	विवरण	टिप्पणी	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
			स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
I	**उचित मूल्य पर मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ - आवर्ती उचित मूल्य मापन**							
क	वित्तीय परिसंपत्तियाँ							
i	FVPL में वित्तीय निवेश	6	-	44,910	-	-	1,33,896	-
ii	FVOCI में वित्तीय निवेश - अनुद्धृत	6	-	-	16	-	-	14
II	**वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएं जिन्हें परिशोधित लागत पर मापा गया**		किसी अलग उचित मूल्य का प्रकटण नहीं किया गया है क्योंकि इन परिसंपत्तियों और देयताओं का वहनीय मूल्य उनके उचित मूल्य को दर्शाता है।					

स्तर 1 - स्तर 1 के पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करते हुए मापित वित्तीय विलेख शामिल हैं।

स्तर 2 - ऐसे वित्तीय विलेख जिनका लेनदेन सक्रिय बज़ार में नहीं किया गया है, का उचित मूल्य ऐसी मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग कर तय किया जाता है जो प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों का उपयोग अधिकतम करते हैं और निकाय के विशिष्ट प्राक्कलनों पर कम से कम निर्भर होते हैं।

स्तर 3 - यदि एक या एक से अधिक महत्वपूर्ण निविष्टियाँ प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों पर आधारित नहीं होती हैं तो विलेख को स्तर 3 में शामिल किया जाता है। गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों के मामलों में ऐसा किया जाता है।

3 उचित मूल्य तय करने में प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक

क. एलआईसी निवेश - (स्तर 2)

एलआईसी की योजना के मूल्यांकन रिपोर्ट पर आधारित

. ख मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. - (स्तर 3)

बीईएल ने मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. जो कि गैर-सूचीबद्ध कंपनी है, की इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश किया है। मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. में निवेश की कंपनी की लागत केवल ₹ 5 (₹ 163 की जारी शेयर पूँजी में से) है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि चुना है।

ग डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) - (स्तर 3)

बीईएल ने डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार एक 'लाभरहित कंपनी' है और जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेष का वित्त-पोषण करना है, की इक्विटी पूँजी में अंशदान किया है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि चुना है।

टिप्पणी 34 - वित्तीय जोखिम प्रबंधन

i) जोखिम प्रबंधन का ढांचा और नीतियाँ

कंपनी में वित्तीय विलेखों के परिणामस्वरूप व्यापक रूप से क्रेडिट जोखिम, चलनिधि जोखिम और बाज़ार का जोखिम (विनिमय दरों, ब्याज की दरों और कीमत जोखिम में उतार-चढ़ाव) बना रहता है।

कंपनी की जोखिम प्रबंधन संरचना की संस्थापना, निगरानी और पर्यवेक्षण की समग्र जिम्मेदारी निदेशक मंडल की होगी। मंडल ने इस प्रयोजनार्थ एक जोखिम प्रबंधन समिति गठित की है जो जोखिम प्रबंधन नीतियों को तैयार करने और उनकी निगरानी करने के लिए जिम्मेदार होगी। कंपनी ने एक जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है जिसमें जोखिम प्रबंधन की संरचना दी गई है और वित्त तथा प्रचालन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन, वरीयता और उपचार की व्यापक संरचना दी गई है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

कंपनी में एक केंद्रीकृत निधि विभाग है जो मंडल द्वारा तैयार की गई नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय जोखिमों को कम करने के उचित उपाय करता है। बचाव संबंधी व्यवहार बाहरी विशेषज्ञ के सलाह से उपयुक्त कौशल और अनुभव रखने वाली टीम द्वारा किए जाते हैं। कंपनी सट्टा बाज़ार में व्यापार नहीं करती।

ii) बाज़ार जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम है जो विदेशी मुद्रा दरों के रूप में बाजार मूल्य में परिवर्तन करता है, ब्याज दरें कंपनी की आय या वित्तीय साधनों की इसकी होल्डिंग के मूल्य को प्रभावित करेगी। बाजार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य रिटर्न को अनुकूलित करते हुए स्वीकार्य मापदंडों के भीतर बाजार जोखिम जोखिमों का प्रबंधन और नियंत्रण करना है।

कंपनी की गतिविधियाँ मुख्य रूप से विदेशी विनिमय दरों और ब्याज दर आंदोलनों में बदलाव के वित्तीय जोखिमों को उजागर करती हैं (मुद्रा जोखिम और ब्याज जोखिम के नीचे के नोटों देखें)।

iii) मुद्रा जोखिम

बीईएल विदेशी मुद्रा संचालन से उत्पन्न होने वाले विदेशी विनिमय जोखिम खासकर अमेरिकी डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड और जापानी येन जैसे विदेशी मुद्राओं में खरीदी और बिक्री से संबंधित होता है इसका खुलासा करता है। विदेशी मुद्रा जोखिम मौजूदा और भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन से उत्पन्न होता है और मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों और देनदारियों की मुद्रा मानी जाती है जो कि कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (आई.एन.आर.) नहीं है ।

कंपनी के पास जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा कार्यान्वित एक बोर्ड अनुमोदित मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है जो इस जोखिम के लिए कंपनी के जोखिम को नियमित आधार पर समीक्षा करती है। जोखिम प्रबंधन नीति खुली विदेशी मुद्रा जोखिम के 50% तक बचाव व्यवस्था की सिफारिश करती है। हालांकि बचाव व्यवस्था में प्रवेश करने का निर्णय प्रासंगिक डेटा आदानों के आधार पर जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है और इस उद्देश्य के लिए बनाए गए बाहरी विशेषज्ञ सलाहकार की सलाह दी जाती है।

कंपनी का निर्यात आय ज्यादातर एक निर्यात अर्जक विदेशी मुद्रा खाते (ईईएफसी) में प्रेषण द्वारा महसूस होता है, जिसका उपयोग विदेशी मुद्रा में किए जाने वाले भुगतानों के लिए किया जाता है, जिससे निर्यात पर मुद्रा जोखिम को कम किया जा सकता है। लगभग 12% (8%) वार्षिक विदेशी मुद्रा के बाहर जाने का आयात संबंधित ग्राहक संविदा में विनिमय दर भिन्नता (ईआरवी) खंड द्वारा कवर नहीं किया गया है और इसलिए यह मुद्रा जोखिम के लिए खुला होता है। इन आयातों को मामले दर मामले के आधार पर नीति और जोखिम को कवर करने के लिए उचित निर्णय मामले के आधार पर मानदंड किया जाता है। जहां भी जरूरत हो, कंपनी की मुद्रा जोखिम नीति आगे की आवश्यकता के मुताबिक जोखिम को कम करने के लिए बचाव व्यवस्था संविदा का समर्थन करती है।

यथा 31 मार्च 2023 को, कोई बकाया वायदा संविदा नहीं है।

प्रमुख मुद्राओं के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम हेतु कंपनी एक्सपोज़र नीचे दिए गए है -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023					यथा 31 मार्च 2022				
	USD	EURO	GBP	CHF	J Yen	USD	EURO	GBP	CHF	J Yen
व्यापार प्रदेय	734	158	20	30	93	626	203	10	10	11
व्यापार प्राप्य / संविदा संपत्ति	234	16	-	-	-	134	-	-	-	-
निवल एक्सपोज़र	500	142	20	30	93	492	203	10	10	11

iv) विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता

विनिमय दर में होने वाले लाभ या हानियों की संवेदनशीलता मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा में निहित वित्तीय साधनों से होती है । प्रमुख मुद्राओं के संबंध में संवेदनशीलता की विविधता नीचे दी गई है । यह विश्लेषण स्पष्ट करता है कि अन्य सभी परिवर्तनशील लगातार बने रहते हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	लाभ पर प्रभाव	
	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
USD - 5% बढ़ोत्तरी	2,076	1,885
USD - 5% कमी	(2,076)	(1,885)
EURO - 5% बढ़ोत्तरी	648	874
EURO - 5% कमी	(648)	(874)
GBP - 5% बढ़ोत्तरी	104	51
GBP - 5% कमी	(104)	(51)
CHF - 5% बढ़ोत्तरी	137	42
CHF - 5% कमी	(137)	(42)

v) ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम या तो उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम या नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम हो सकता है। उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण निश्चित ब्याज वाले निवेश के उचित मूल्यों में होने वाले बदलावों का जोखिम है। नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है ताकि बाजार में ब्याज दर में उतार-चढ़ाव की वजह से चलायमान ब्याज वाले उपकरणों के भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होगा।

vi) परिवर्तनीय दर उधार

इसके अलावा कंपनी को ₹ 500,000 (₹ 4,00,000) की कार्यशील पूँजी की सीमा को मंजूरी दी गई है। स्वीकृत सीमा में निधि आधारित सीमा ₹ 50,000 (₹ 50,000) और गैर-आधारित आधार सीमा ₹ 4,50,000 (₹ 3,50,000) शामिल हैं। वर्ष के दौरान ₹ 50,000 की निधि आधारित सीमा का उपयोग नहीं किया गया है ड31 मार्च 2023 तक बकाया शून्य है (31 मार्च 2022 शून्य है)। गैर-निधि आधारित सीमा के संबंध में 31.03.2023 को बकाया राशि ₹ 2,37,600 (₹ 2,69,500) है। यह ब्याज एसबीआई की 3 महीने (1 वर्ष) की एमसीएलआर दर के आधार पर देय है। चूंकि ऋण लेना शून्य है, इसलिए ब्याज दरों में संभावित बदलाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

vii) इक्विटी मूल्य जोखिम

इक्विटी मूल्य जोखिम के संबंध में कंपनी का निवेश नगण्य है क्योंकि इसके औचित्य निवेश (सहायक व सहयोगी के अलावा) नगण्य है।

viii) चलनिधि जोखिम

चलनिधि जोखिम वह जोखिम है कि कंपनी को वित्तीय देनदारियों से जुड़ी दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, नकदी और अन्य वित्तीय संपत्ति या जोखिम के जरिये कंपनी को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने में कठिनाई का सामना करना होगा। लिक्विडिटी जोखिम के लिए कंपनी का अनावरण बहुत कम है क्योंकि इसमें एक विवेकपूर्ण चलनिधि जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया होती है, जिसकी वजह से पर्याप्त दायित्वों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नकदी और बिक्री योग्य प्रतिभूतियां बनाए रखता है। जब आवश्यक हो वित्तपोषण की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी को बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा, नकद ऋण सुविधा और अल्पकालिक उधार की प्रकृति में अपनी चालू कार्यशील पूँजी आवश्यकताओं और विकास की जरूरतों के लिए उपयोग किया जाता है।

कंपनी अपनी चलनिधि आवश्यकताओं को पूरा करती है मुख्य रूप से आंतरिक रूप से उत्पन्न नकदी प्रवाहों के माध्यम से जो कि राजकोष द्वारा मुख्य बिन्दु पर निगरानी रखी जाती है। विभिन्न ऑपरेटिंग यूनिटों से नकद पूर्वानुमान के रोलिंग की एक स्थापित प्रक्रिया है जो देयताओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित नकदी प्रवाह को अंकित करने का आधार बनाती है।

नीचे दी गई तालिका में कंपनी की वित्तीय देनदारियों का विश्लेषण किया गया है, जो उनके संविदा संबंधी परिपक्वता पर आधारित हैं। दर्शित राशि संविदात्मक और रियायती नकदी प्रवाह है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

यथा 31 मार्च 2023

विवरण	3 महीनों से कम	3 से 6 महीने	6 महीनों से 1 वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	5 वर्षों से अधिक	कुल
उधार	-	-	-	-	-	-	-
व्यापार प्रदेय	2,65,746	47,675	18,422	123	37	-	3,32,003
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	5	-	-	-	-	-	5
पट्टे की देयता	1,140	23	28	261	690	3,992	6,134
अन्य वित्तीय देयताएँ	94,165	2,773	29,444	996	96	-	1,27,474

यथा 31 मार्च 2022

विवरण	3 महीनों से कम	3 से 6 महीने	6 महीनों से 1 वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	5 वर्षों से अधिक	कुल
उधार	-	-	-	-	-	-	-
व्यापार प्रदेय	3,10,782	11,751	14,063	-	34	-	3,36,630
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	14	-	-	-	-	-	14
पट्टे की देयता	275	36	46	245	676	3,992	5,270
अन्य वित्तीय देयताएँ	72,295	2,894	20,232	2,266	59	-	97,744

31 मार्च 2023 को कंपनी में कोई बकाया व्युत्पन्नी नहीं है।

ix) ऋण जोखिम

ऋण जोखिम ऐसे जोखिम को दर्शाता है जिससे कारण प्रति-पक्षकार द्वारा अपने संविदा संबंधी दायित्वों पर चूक करने के परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय नुकसान होता है । ग्राहकों से ऋण जोखिम, बैंकों के साथ नकदी और नकद समकक्ष, सुरक्षा जमा और ऋण से ऋण जोखिम उत्पन्न होता है।

कंपनी के ऋण जोखिम को जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा एक कॉरपोरेट स्तर पर प्रबंधित किया जाता है जिसने अपने ग्राहकों और अन्य प्राप्तियों के लिए क्रेडिट नीति मानदंडों की स्थापना की है। व्यापार प्राप्तियों की महत्वपूर्ण मात्रा सरकारी / सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) की वजह से होती है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को ऐसी प्राप्तियों के साथ जुड़े क्रेडिट जोखिम नहीं मिलता है। गैर सरकारी व्यापार प्राप्तियों के मामले में, आम तौर पर बिक्री ग्राहक द्वारा स्थापित साख-पत्र के आधार पर किया जाता है जिससे क्रेडिट जोखिम कम हो जाता है।

कुछ मामलों में, ग्राहक की शोधन क्षमता का आकलन करने के बाद और ऋण योग्यता को निर्धारित करने के लिए आवश्यक कारणों से बाजार की स्थितियों के आधार पर ग्राहकों के ऋण को बढ़ाया जाता है। अग्रिम भुगतान बैंक गारंटी के प्रतिकूल किए जाते हैं जो इस तरह के भुगतान से जुड़े क्रेडिट जोखिम को सुरक्षित रखते हैं। वित्तीय परिसंपत्तियों पर नुकसान हानि (जो मुख्य रूप से विलंबित सुपुर्दगियों तथा अन्य अस्वीकृतियों के लिए उगाही योग्य निर्णीत हर्जाने को दर्शाते हैं) संविदा के नियमों आदि कारकों और अन्य संकेतकों के बाद किया गया है।

बैंकों के साथ नकद और नकद समकक्ष 1 वर्ष तक की परिपक्वता अवधि के परिप्रेक्ष्य अवधि के साथ अल्पकालिक जमा के रूप में हैं। कंपनी की एक अच्छी तरह से संरचित जोखिम निवारण नीति है जिसके तहत प्रत्येक बैंक के लिए अपनी कुल मूल्य और कमाई क्षमता के आधार पर निर्धारित सीमाएं हैं, जो कि आवधिक आधार पर समीक्षा की जाती हैं। कंपनी ने जमाओं पर बैंकों से चूक के कारण किसी भी प्रकार की हानि नहीं की है ।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में ऋण जोखिम नगण्य है क्योंकि वे ज्यादातर सरकारी विभाग / पक्षकारों के कारण होते हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

x) पूँजी प्रबंधन

कंपनी का पूँजी प्रबंधन का उद्देश्य शेयरधारकों को पर्याप्त रिटर्न प्रदान करने के लिए एक मजबूत पूँजी आधार बनाए रखना है और कंपनी की क्षमता बढ़ती चिंता के रूप में जारी रखने की क्षमता सुनिश्चित करना है। कंपनी के पास ऋण के माध्यम से पूँजी जुटाने के लिए एक रूढ़िवादी दृष्टिकोण है, लेकिन यह उचित समय पर इस विकल्प का लाभ उठाने और इष्टतम पूँजी संरचना को बनाए रखने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

इस समग्र उद्देश्य के तहत कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-2023 में बोनस शेयर जारी करते हुए पूंजीगत आधार का विस्तार किया है। कंपनी की एक सुपरिभाषित लाभांश वितरण नीति है जो भविष्य की वृद्धि और शेयरधारकों की संपत्ति में वृद्धि के लिए लाभांश के भुगतान और अधिशेष को बनाए रखने की रूपरेखा तैयार करती है। कंपनी को ₹ 5,00,000 तक की उधार सीमा मंजूर की गई है।

गियरिंग अनुपात -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
निवल ऋण	-	-
कुल इक्विटी	13,58,199	11,98,426
निवल ऋण से इक्विटी का अनुपात	-	-

टिप्पणी 35 - सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ

मियादी ऋण एवं चालू पूँजी उधार राशियाँ के लिए सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ का स्वीकृत राशि -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
(i) वस्तुसूचियाँ	6,40,618	5,53,956
(ii) व्यापार प्राप्य	7,02,201	6,10,339
(iii) नकद एवं नकद समतुल्य	3,86,417	1,23,857
(iv) बैंक शेष [उपर्युक्त (iii) के अलावा]	4,11,300	6,24,300
(v) ऋण	172	148
(vi) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	22,392	10,231
(vii) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	7,52,693	7,48,517
सुरक्षा हेतु गिरवी कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**29,15,793**	**26,71,348**

उधार राशियाँ के विवरण हेतु टिप्पणी 18 देखें ।

टिप्पणी 36 - महत्वपूर्ण प्राक्कलन और फैसले

वित्तीय विवरणों की तैयारी करते समय, प्रबंधन ने कुछ निर्णय, प्राक्कलन और धारणाएं बनाई हैं जो लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की मात्रा को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं।

अनुमान और अंतर्निहित मान्यताओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों के लिए संशोधनों को भविष्य में मान्यता प्राप्त है।

लेखा नीतियों को कार्यान्वित करते समय लिए गए फैसले वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशि पर महत्वपूर्ण प्रभाव है जिसके तहत सामग्री समायोजन में जिसके परिणामस्वरूप होने का एक महत्वपूर्ण जोखिम इस प्रकार है -

i. **अनुसंधान और विकास व्यय - लेखा नीति सं. 10 (टिप्पणी संख्या 5 एवं 12 देखें)**

नहीं लागत नहीं प्रतिबद्धता (एनसीएनसी) परियोजनाओं और संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास संबंधी व्यय जो कि विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से क्षतिपूर्ण नहीं किए जाते हैं, परियोजना के पूरा होने तक आगे किए जा रहे हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ii. निर्धारित लाभ दायित्व का अनुमान - मुख्य बीमांकिक मान्यताएं - (टिप्पणी संख्या 21 देखें)

iii. वारंटी दावों के प्रावधान का आकलन (टिप्पणी संख्या 21 देखें)

वारंटी प्रावधान गणना में प्रवृत्ति आधारित विश्लेषण के आधार पर औसत वारंटी लागत का आकलन शामिल है। यदि विविध अनुमान लगाया जाए, तो यह उसी मान्य व्यय को प्रभावित करेगा।

iv. राजस्व का अभिचिह्नन - (टिप्पणी संख्या 23 देखें)

पूर्णता विधि का प्रतिशत संविदा पूरा करने के लिए अनुमानित कुल लागतों के वास्तविक लागत के आधार पर पूरा होने के चरण का अनुमान लगाता है। अगर विविध अनुमान लगाए जाए, तो यह उसी संबंधित राजस्व को प्रभावित करेगा।

v. अमूर्त परिसंपत्तियाँ - (टिप्पणी संख्या 4 और 5 देखें)

अन्य अमूर्त संपत्ति और विकास के तहत अमूर्त संपत्ति के रूप में आगे की गई राशि को भविष्य के आर्थिक लाभों की निश्चितता के संबंध में प्रतिवर्ष हानि के लिए परीक्षण किया जाता है।

vi. पट्टा (टिप्पणी 1 देखें)

यदि भारतीय ए.एस. 116 की अपेक्षाओं के अनुसार कोई करार पट्टे के रूप में योग्य बनता है तो कंपनी इसका मूल्यांकन करती है। पट्टे की पहचान करना निर्णायक होता है। कंपनी पट्टे के निबंधन (प्रत्याशित नवीकरणों सहित) और लागू बट्टा दर का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण निर्णय लेती है।

बट्टे की दर सामान्य रूप से मूल्यांकन किए जा रहे पट्टे की वृद्धिशील उधार दर पर आधारित होती है।

टिप्पणी 37 - हाल ही में की गई लेखा उद्घोषणाएं

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ("एमसीए") ने समय-समय पर जारी कंपनी (भारतीय लेखा मानक) के तहत मौजूदा मानकों में नए मानक या संशोधन अधिसूचित किए हैं।

31 मार्च, 2023 को एमसीए ने कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2023 में निम्नानुसार संशोधन किया है-

भारतीय एएस 1 - वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति - इस संशोधन के लिए संस्थाओं को अपनी महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के बजाय अपनी सामग्री लेखांकन नीतियों का खुलासा करने की आवश्यकता है। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि 1 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद शुरू होने वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने इस संशोधन का मूल्यांकन किया है और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में इस संशोधन का प्रभाव नगण्य है।

भारतीय एएस 8 - लेखांकन नीतियां, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटियां - इस संशोधन ने 'लेखा अनुमान' की एक परिभाषा पेश की है और संस्थाओं को लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन से लेखांकन नीतियों में परिवर्तन को अलग करने में मदद करने के लिए भारतीय एएस 8 में संशोधन शामिल किया है। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि 1 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद शुरू होने वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने संशोधन का मूल्यांकन किया है और उसके स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारतीय एएस 12 - आयकर - इस संशोधन ने प्रारंभिक मान्यता छूट के दायरे को सीमित कर दिया है ताकि यह उन लेनदेन पर लागू न हो जो समान और अस्थायी मतभेदों को जन्म देते हैं। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि 1 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद शुरू होने वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने इस संशोधन का मूल्यांकन किया है और उसके स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

कार्पोरेट सूचना

साथ में दिए गए वित्तीय विवरणों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (कंपनी) के वित्तीय विवरण हैं। कंपनी भारत में स्थित एक सरकारी कंपनी है और भारत में लागू कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत निगमित है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भारत में दो मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय और इसके कारोबार का मुख्य स्थान बेंगलूरु, कर्नाटक, भारत में स्थित है ।

कंपनी रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक सरकारी क्षेत्र का उद्यम है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड रक्षा क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों का निर्माण और आपूर्ति करती है। रक्षा क्षेत्र के अलावा, कंपनी असैनिक बाजार में भी सीमित स्तर तक मौजूद है।

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर मान्य लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार तैयार किए जाते हैं और प्रस्तुत किए जाते हैं जिनमें अनिवार्य भारतीय लेखा मानक (भारतीय एएस) [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाना है], के तहत यथा अधिसूचित, समय-समय पर यथा संशोधित, और जो जहाँ तक लागू हैं, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान शामिल हैं और इन्हें निरंतरता के साथ लागू किया गया है।

2. प्राक्कलनों का प्रयोग

जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण की तैयारी के लिए प्रबंधन के लिए यह आवश्यक होता है कि वह ऐसे अनुमान और पूर्वानुमान लगाए जो वित्तीय विवरणों की तारीख पर रिपोर्ट की गई परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशियों, आकस्मिक देयता और आकस्मिक परिसंपत्तियों के प्रकटण को प्रभावित करते हैं। यद्यपि ऐसे अनुमान सभी उपलब्ध सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए औचित्यपूर्ण और दूरदर्शी आधार पर किए जाते हैं, तथापि वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं और ऐसे अंतरों को उस अवधि में निर्धारित किया जाता है जिसमें परिणाम अभिनिश्चित किए जाते हैं।

3. मापन का आधार

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किया गया है सिवाय निम्नलिखित परिसंपत्तियों और दायित्वों के, जिन्हें उचित मूल्य पर मापा गया है-

- व्युत्पन्नी वित्तीय विलेख, यदि कोई हो
- वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएँ जो उचित मूल्य पर मापे जाने योग्य हैं
- निर्धारित अनुलाभ परिसंपत्ति / देयता को निर्धारित अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में से योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटाकर निर्धारित किया जाता है ।

4. कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (आईएनआर) में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी की कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा है ।

5. राजस्व का निर्धारण

A. ग्राहकों के साथ ठेका से राजस्व

i. राजस्व को तब निर्धारित किया जाता है जब (या जैसे) कंपनी ग्राहक को वचनबद्ध माल या सेवाओं (जैसे परिसंपत्ति) को अंतरित करते हुए कार्य-निष्पादन की देयता को पूरी करती है ।

ii. **समय के साथ कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करना**

a. राजस्व को ऐसे समय के दौरान निर्धारित किया जाता है जहाँ उस कार्य-निष्पादन देयता की पूर्ति के लिए हुई प्रगति को मापते हुए समय के साथ माल या सेवाओं का नियंत्रण अंतरित किया जाता है यदि निम्न से कोई भी एक मानदंड पूरा किया जाता हो-

- कंपनी के कार्य-निष्पादन से ग्राहक को कंपनी के कार्य-निष्पादन करने के साथ-साथ अनुलाभ प्राप्त करने और उनका उपभोग करने का हक मिलता है।
- कंपनी के कार्य-निष्पादन से किसी परिसंपत्ति को तैयार किया जाता है या बढ़ाया जाता है जिसे ग्राहक परिसंपत्ति सृजित करने या बढ़ने के साथ-साथ नियंत्रित करता है।
- कंपनी के कार्य-निष्पादन से कंपनी के वैकल्पिक उपयोग के साथ परिसंपत्ति तैयार नहीं की जाती और कंपनी को यथातिथि पूर्ण किए गए कार्य-निष्पादन के लिए भुगतान का प्रवर्तनीय हक होता है।

b. कार्य-निष्पादन देयता को पूर्ण करने के लिए की हुई प्रगति का आंकलन रिपोर्टिंग की तारीख तक संविदा पर उपगत वास्तविक लागत से संविदा को पूरा करने के लिए अपेक्षित कुल प्राक्कलित लागत के अनुपात के आधार पर किया जाता है। यदि कार्य-निष्पादन देयता के परिणाम का विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है और जहां यह संभव है कि लागत की वसूली हो जाएगी, राजस्व को उपगत लागत की सीमा तक निर्धारित किया जाता है ।

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

c. एएमसी संविदाओं के मामले में जहाँ समय विस्तारण कार्य-निष्पादन देयताओं को पूर्ण करने का एक मापदंड होता है, राजस्व को निर्गत पद्धति के अनुसार निर्धारित किया जाता है।

iii. **किसी निश्चित समय में कार्य-निष्पादन देयता को पूर्ण करना**

a. ऐसे मामलों में जहाँ नियंत्रण का अंतरण समय के साथ नहीं होता है, कंपनी उस समय बिंदु पर राजस्व को निर्धारित करती है जब कार्य-निष्पादन देयताएँ पूरी की जाती हैं।

b. कार्य-निष्पादन देयता को तब पूरा माना जाता है जब ग्राहक परिसंपत्ति का नियंत्रण प्राप्त करता है। नियंत्रण को अंतरित करने के सूचकों में निम्नलिखित शामिल हैं -

- कंपनी ने परिसंपत्ति के भौतिक स्वामित्व का अंतरण किया है
- ग्राहक के पास परिसंपत्ति का न्यायिक अधिकार है
- ग्राहक ने परिसंपत्ति को स्वीकार किया है
- जब कंपनी को परिसंपत्ति पर भुगतान का वर्तमान अधिकार है
- ग्राहक के पास परिसंपत्ति के स्वामित्व का महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल है। महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल स्वामित्व के अंतरण का आंकलन संविदाओं के अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक शर्तों (इन्को-टर्म) के आधार पर किया जाता है ।

कारखाना बाह्य संविदा- कारखाना बाह्य संविदाओं के मामले में, राजस्व तब निर्धारित किया जाता है, जब पूर्व निरीक्षण और स्वीकृति, यदि आवश्यक हो, के बाद निर्दिष्ट माल को किसी शर्त के बिना विनियोजित किया जाता है।

एफ.ओ.आर. संविदाएँ- एफ.ओ.आर. संविदाओं के मामले में, राजस्व को तब निर्धारित किया जाता है, जब माल पूर्व निरीक्षण और स्वीकृति यदि निर्दिष्ट हो, के बाद वाहक को खरीददार तक पारेषित करने के लिए सौंप दिया जाता है, और एफ.ओ.आर. गंतव्य संविदाओं के मामले में, यदि इस बात की उचित अपेक्षा हो कि माल लेखांकन अवधि के भीतर गंतव्य तक पहुंच जाएगा।

ग. बिल और होल्ड बिक्री

बिल और होल्ड बिक्री को तब निर्धारित किया जाता है जब निम्नलिखित मानदंडों को पूरा किया जाता है-

- बिल और होल्ड बिक्री का समुचित कारण है
- उत्पाद की अलग से पहचान की गई है कि वह ग्राहक का है
- उत्पाद वर्तमान में ग्राहक को भौतिक हस्तांतरण के लिए तैयार है ।
- कंपनी उत्पाद का उपयोग करने या किसी अन्य ग्राहक को निर्देशित करने में असमर्थ है।

iv. **मापन**

a. राजस्व को लेनदेन मूल्य की ऐसी राशि में निर्धारित किया जाता है जो कार्य-निष्पादन देयता के लिए आबंटित की गई है।

लेन-देन की कीमत उस प्रतिफल की राशि है, जिसके लिए कंपनी को उम्मीद है कि वह तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशि को छोड़कर, किसी ग्राहक को वचनबद्ध माल या सेवाओं को स्थानांतरित करने के बदले में हकदार होगी।

मूल्य वृद्धि और ईआरवी के मामले में, राजस्व का निर्धारण संविदाजन्य शर्तों के अनुसार ग्राहक से वसूल की जाने वाली सर्वाधिक संभावित राशि पर किया जाता है ।

b. जहां संविदाओं में कई कार्य-निष्पादन देयताएँ शामिल हैं, कंपनी संबंधित स्टैंड-अलोन बिक्री मूल्य के आधार पर प्रत्येक कार्य-निष्पादन दायित्व के लिए लेनदेन मूल्य आबंटित करती है।

संयुक्त संविदाएँ - संयुक्त संविदा के मामले में, जहां संस्थापना और कार्यारंभ या अलग से निर्धारित किए जाने वाले किसी अन्य घटक के लिए अलग शुल्क निर्धारित नहीं है, कंपनी लेनदेन के अलग से पहचाने जाने योग्य घटकों (माल की बिक्री, संस्थापना और कार्यारंभ आदि) का निर्धारण मानदंड लागू करती है और राजस्व को इन घटकों को स्टैंडअलोन बिक्री दर के आधार पर आबंटित करती है।

एकाधिक तत्व - ऐसे मामलों में जहाँ संस्थापना और कार्यारंभ अथवा कोई अलग से निर्धारित किए जाने वाला घटक निर्दिष्ट किया गया है जिसकी कीमत पर अलग से सहमति हुई है, तो कंपनी ऐसे लेनदेन के अलग से निर्धारित किए जाने योग्य घटक (माल की बिक्री तथा संस्थापना एवं कार्यारंभ आदि) पर निर्धाण मानदंड लागू करती है और ऐसे अलग घटकों की स्टैंडअलोन बिक्री कीमत के आधार पर उनके लिए राजस्व आबंटित करती है।

c. अगर स्टैंड-अलोन बिक्री कीमत उपलब्ध नहीं है तो कंपनी स्टैंड-अलोन बिक्री कीमत का अनुमान लगाती है।

v. **जुर्माना**

संविदा में निर्दिष्ट जुर्माने (सुपुर्दगी में देरी के लिए निर्णीत हर्जाने सहित) को लेनदेन की कीमत दर का अंतर्निहित हिस्सा नहीं माना जाता यदि उसकी उगाही ग्राहक के समीक्षाधीन हो।

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

vi. **महत्वपूर्ण वित्तीय घटक**

रक्षा संबंधी परियोजनाओं के निष्पादन के लिए प्राप्त अग्रिमों को महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक निर्धारित करने के लिए विचार में नहीं लिया जाता क्योंकि इसका उद्देश्य संविदा में शामिल पक्षकारों के हितों की रक्षा करना है।

अन्य संविदाओं के लिए, महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक की विद्यमानता की समीक्षा मामला-दर-मामला आधार पर की जाती है।.

B. अन्य आय

अन्य आय का निर्धारण इस प्रकार किया जाता है-

i. ब्याज आय

ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग करते हुए निर्धारित किया जाता है ।

ii. लाभांश आय

कंपनी द्वारा भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित होने पर लाभांश आय को निर्धारित किया जाता है।

iii. किराए की आय

प्रचालनीय पट्टों से होने वाली किराए की आय का परिकलन पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा आधार पर किया जाता है, जब तक किराए में वृद्धि अपेक्षित मुद्रास्फीति के अनुरूप नहीं होती है या अन्यथा उचित होती है।

iv. शुल्क की कमियां

निर्यात पर शुल्क की कमी के दावों का परिकलन प्रोद्भूत आधार पर किया जाता है।

v. अन्य आय

अन्य आय जिसे ऊपर विशिष्ट रूप से नहीं बताया गया है, को प्रोदभूत आधार निर्धारित किया जाता है।

6. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, पूंजीगत चालू कार्य

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को शुरू में लागत पर मापा जाता है और बाद में लागत में से संचित मूल्यह्रास और संचयी अनर्जक हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है । इस उद्देश्य के लिए लागत में परिसंपत्ति को उसके स्थान और स्थिति में लाने से संबंधित सभी लागत शामिल किए जाते हैं। यदि किसी प्रावधान के लिए निर्धारण मानदंडों को पूरा किया जाता है, तो परिसंपत्ति को इसके उपयोग के बाद समाप्त करने के लिए अपेक्षित लागत का वर्तमान मूल्य संबंधित परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर की लागत जो प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उनके आशयित उपयोग के लिए तैयार नहीं है, को पूंजीगत चालू कार्य के रूप में प्रकट किया जाता है।

पूंजीगत चालू कार्य में आपूर्ति-सह-निर्माण संविदाएं, स्थल पर प्राप्त एवं स्वीकृत पूंजी और मार्गस्थ एवं निरीक्षणाधीन पूंजीगत माल शामिल होते हैं।

7. अमूर्त परिसंपत्तियाँ, विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति

आंतरिक उपयोग के लिए अर्जित साफ्टवेयर (जो संबंधित हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा नहीं है) और जिससे भविष्य में महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ अपेक्षित है, उपयोग के लिए तैयार होने पर उसकी लागत को लेखा बहियों में एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियाँ जो रिपोर्ट करने की तारीख तक अपने आशयित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं, को ठविकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तिठ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है ।

पूरे किए गए विकास कार्य की लागत, जहाँ कहीं अर्ह हो, को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है।

विकासाधीन कार्य की लागत, जहाँ कहीं अर्ह हो, को विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति में विकास परियोजनाओं के लिए बाहरी एजेँसियों को कंपनी द्वारा वित्त पोषित राशि और कंपनी द्वारा सामग्री की लागत, कर्मचारी लागत तथा अन्य प्रत्यक्ष व्यय पर उपगत व्यय शामिल होते हैं।

अमूर्त परिसंपत्तियों को प्रारंभिक रूप से लागत पर और उसके बाद लागत में से संचित परिशोधन और संचित अनर्जक हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है।

अमूर्त परिसंपत्ति को निपटान पर या जब उसके उपयोग अथवा निपटान से कोई भावी आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित नहीं होते हैं, निर्धारण से बाहर किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियों को निर्धारण से बाहर किए जाने से होने वाली लब्धि या हानि, यदि कोई हो, को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है।

8. मूल्यह्रास / परिशोधन

मूल्यह्रास का परिकलन परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा आधार पर किया जाता है। तकनीकी आकलन के आधार

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

पर कंपनी भवन, संयंत्र और उपकरण की कुछेक मदों तथा परिसंपत्तियों के अन्य वर्गों का मूल्यह्रास प्राक्कलित उपयोगी जीवन पर करती है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में वर्णित उपयोगी जीवनकाल से अलग होते हैं। प्रबंधन का मानना है कि ये प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल वास्तविक हैं और उस अवधि के निष्पक्ष अनुमान को प्रतिबिंबित करते हैं जिन पर संपत्ति का उपयोग होने की संभावना है।

जहाँ परिसंपत्ति के किसी भाग की लागत उस परिसंपत्ति की कुल लागत के लिए उल्लेखनीय होती है और उस भाग का प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल शेष परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवनकाल से अलग होता है तो ऐसे उल्लेखनीय भाग के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल का अलग से निर्धारण किया जाता है और उल्लेखनीय भाग को उसके प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी-रेखा पद्धति आधार पर मूल्यह्रास किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और मूल्यह्रास की विधियों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और यदि उपयुक्त हो, तो भविष्यलक्षी रूप से समायोजित किया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्तियों को उनके उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तारीख से, उनके वैयक्तिक प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा पद्धति आधार पर परिशोधित किया जाता है। अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और परिशोधन के तरीकों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और उपयुक्त होने पर भविष्यलक्षी रूप से समायोजित किया जाता है।

9. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का निपटान

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की कोई मद तथा उसका कोई भाग जिसे प्रारंभ में निर्धारित किया जाता है, को उनके निपटान पर या जब उनके उपयोग या निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित नहीं होता है, को निर्धारण से बाहर किया जाता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को निर्धारण से बाहर करने के कारण प्राप्त लब्धि या हानि (जिसका परिकलन निवल निपटान प्राप्ति, यदि कोई हो, और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वहनीय राशि के बीच के अंतर के रूप में किया जाता है) को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को निर्धारण से बाह करने पर लाभ व हानि के विवरण में शामिल किया जाता है।

10. अनुसंधान और विकास व्यय

(i) अनुसंधान गतिविधि पर व्यय को उसके खर्चे की अवधि के दौरान व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

(ii) विकास व्यय (ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए गए विशिष्ट विकास-सह-बिक्री संविदा और विकास संबंधी परियोजनाओं के अलावा), को उपगत होने पर व्यय के रूप में प्रभारित किया जाता है। विकास-सह-बिक्री संविदाओं और विकास संबंधी परियोजनाएं जो, ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए जाते हैं, पर विकास संबंधी व्यय को अन्य बिक्री संविदाओं के समान माना जाता है।

संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास व्यय, जो विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से प्रतिपूर्ति नहीं किए गए हैं, आगे ले जाया जाते हैं जहां कंपनी को उत्पादन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है और जिनसे भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद है।

विकास परियोजनाओं की आवधिक समीक्षा की जाती है और अग्रेनीत राशि, यदि कोई हो, को ग्राहक द्वारा आदेश के लिए किसी प्रतिबद्धता के बिना परियोजना को बंद घोषित किए जाने पर शुल्क लिया जाता है।

(iii) अन्य विकास कार्यों से संबंधित व्यय (बाहरी एजेंसियों के सहयोग से किए जाने वाले संयुक्त विकास कार्य सहित) जहाँ अनुसंधान के परिणामों या अन्य ज्ञान का उपयोग नए या वर्धिक उत्पादों या प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए किया जाता है, को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है यदि भारतीय एएस 38 में दिए निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों और जब विकसित उत्पाद या प्रक्रिया को तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से उपयोग करने की अपेक्षा हो, कंपनी के पास इसको पूर्ण रूप से विकसित कर इस अमूर्त परिसंपत्ति का उपयोग करने या बिक्री करने के लिए पर्याप्त संसाधन हों और वह उत्पाद या प्रक्रिया से भावी आर्थिक अनुलाभ प्राप्त होने की संभावना हो।

(iv) ग्राहक से प्राप्त कोटेशन के अनुरोध के आधार पर, लागत नहीं, प्रतिबद्धता नहीं (एनसीएनसी) परीक्षणों में भाग लेने के लिए विकास संबंधी परियोजनाओं पर किए गए खर्च को परीक्षण समाप्त होने तक आगे ले जाया जाता है और इन्हें आदेशों के प्राप्त होने पर परिशोधित किया जाता है।

यदि ग्राहक का आदेश तुरंत प्राप्त नहीं होने वाला है :

- राशि पूँजीकृत कर दी जाती है यदि उसके उपयोग से अतिरिक्त आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित हो, या
- परियोजना को ग्राहक / अंतिम प्रयोक्ता द्वारा आदेश देने की किसी प्रतिबद्धता के बिना बंद किए जाने पर राशि प्रभारित कर दी जाती है।

11. तकनीकी जानकारी पर व्यय

तकनीकी जानकारी पर किए गए खर्च को ऐसे खर्च के उपगत होने पर लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है जब तक कि वह पृथक रूप

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

से स्वयं या अन्य परिसंपत्तियों / व्ययों के संयोजन से एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित करने के लिए अर्ह नहीं बन जाता है ।

12. निवेश संपत्ति

निवेश संपत्तियों को प्रारंभ में लेनदेन लागत सहित लागत पर मापा जाता है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद निवेश संपत्तियों को लागत में से संचित मूल्यह्रास और संचित हानि के नुकसान, यदि कोई हो, पर मापा जाता है।

13. गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर यह मूल्यांकन करती है कि क्या किसी परिसंपत्ति के ह्रास होने के कोई संकेत तो नहीं है। अगर कोई संकेत मौजूद है, या जब परिसंपत्ति के लिए वार्षिक हानि जांच की आवश्यकता होती है, तो कंपनी परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। एक परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि उसे माना जाता है जो परिसंपत्ति या नकद-पैदा करने वाली यूनिट (सीजीयू) के उचित मूल्य में से उसके निपटान लागत और उपयोग के दौरान उसके मूल्य को घटाकर जो राशि बचती है, उससे अधिक हो। किसी वैयक्तिक परिसंपत्ति की वसूल योग्य राशि निर्धारित की जाती है जब तक कि परिसंपत्ति द्वारा ऐसी नकदी प्राप्ति नहीं होती जो अन्य परिसंपत्तियों या परिसंपत्ति के समूह से उत्पन्न नकदी प्रवाह से अधिकतर स्वतंत्र नहीं है। जब किसी परिसंपत्ति या सीजीयू की वहनीय राशि इसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है, तो परिसंपत्ति को ह्रासमान माना जाता है और उसे उसकी वसूली योग्य राशि से बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

उपयोग के दौरान मूल्य का आंकलन करने में प्राक्कलित भावी नकदी प्रवाह को उस समय प्रचलित बाज़ार मूल्यांकन को और उचित मूल्य में से निपटान की लागत को घटाकर उसे निर्धारित करने में परिसंपत्ति विशिष्ट जोखिम को प्रतिबिंबित करने वाले कर-पूर्व डिस्काउंट दर का उपयोग करते हुए उसके वर्तमान मूल्य पर बट्टा दिया जाता है।

ह्रास के प्रावधान को तब व्युत्क्रमित किया जाता है जब किसी परिसंपत्ति या नकद सृजित करने वाली यूनिट (सीजीयू) की प्राक्कलित सेवा संभाव्यता में, ऐसी परिसंपत्ति के ह्रास को अंतिम बार निर्धारित करने की तारीख के बाद, पुनर्मूल्यांकन पर, उपयोग या बिक्री से, बढ़ोत्तरी होती हो।

14. पट्टे

पट्टेदार के रूप में कंपनी-

तृतीय पक्षकारों की संविदाएँ जिनसे कंपनी को किसी परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार प्राप्त होता है, का परिकलन भारतीय ए.एस. 116 - पट्टे के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है, यदि लेखा मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे होते हों।

अल्पकालिक पट्टों से और कम मूल्य की परिसंपत्तियों से संबंधित पट्टों के भुगतान को पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा आधार पर या अन्य क्रमबद्ध आधार, जो लागू हो, पर व्ययों के रूप में प्रभारित किया जाता है।

प्रारंभ की तारीख पर, "प्रयोग का अधिकार" के मूल्य को पट्टे के बकाया मूल्य के वर्तमान मूल्य तथा अंतर्निहित परिसंपत्ति को अलग करने या हटाने तथा जिसे संयंत्र, संपत्ति और उपकरण के भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया है, की किसी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत या प्राक्कलित लागत, यदि कोई हो, पर पूँजीकृत किया जाता है।

इसके बाद प्रयोग का अधिकार परिसंपत्ति का मापन लागत मॉडल द्वारा किया जाता है।

पट्टे की देयता उस राशि के लिए सृजित की जाती है जो पट्टे के बकाया भुगतान के वर्तमान मूल्य के समतुल्य हो और उसे उधार के रूप में दर्शाया जाता है।

पट्टे के प्रत्येक भुगतान को सृजित देयता और वित्त लागत के बीच आबंटित किया जाता है। वित्त लागत को पट्टे की अवधि पर लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है ताकि इससे प्रत्येक अवधि के लिए देयता की शेष राशि पर ब्याज की स्थिर आवधिक दर प्राप्त हो सके।

प्रयोग के अधिकार की परिसंपत्ति का मूल्यह्रास परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल से कम अवधि पर और सीधी रेखा आधार पर पट्टे की अवधि पर किया जाता है ।

पट्टे के भुगतान को पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग कर भुनाया जाता है यदि इसकी दर निर्धारित की जा सकती हो या कंपनी की वृद्धिशील उधार दर पर भुनाया जाता है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हो, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि मानक में निर्दिष्ट मानदंड पूरे किए जाते हों।

पट्टाकर्ता के रूप में कंपनी-

पट्टों को भारतीय ए.एस. - पट्टे में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंडों के आधार पर प्रचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

a) वित्तीय पट्टा -

प्रारंभ की तारीख में, "पट्टे में निवल निवेश" के समतुल्य राशि लेनदारी के रूप में दर्शाई जाती है। "पट्टे में निवल निवेश" के मूल्य का मापन करने के लिए अंतर्निहित ब्याज दर का उपयोग किया जाता है।

पट्टे के प्रत्येक भुगतान को सृजित लेनदारी और वित्त आय के बीच आबंटित किया जाता है। वित्त लागत को पट्टे की अवधि पर लाभ

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है ताकि पट्टे में निवल निवेश पर प्राप्ति की स्थिर आवधिक दर दर्शाई जा सके।

परिसंपत्ति की जाँच विनिर्धारण और भारतीय ए.एस. 109 - वित्तीय विलेख के अनुसार अनर्जकता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए की जाती है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हों, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि उक्त मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों।

b) प्रचालनीय पट्टा -

कंपनी प्रचालनीय पट्टों के पट्टे के भुगतान को सीधी-रेखा आधार या किसी दूसरे क्रमबद्ध आधार, यदि आवश्यक हो, पर आय के रूप में निर्धारित करती है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हों, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि उक्त मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों।

15. उधार की लागत

उधार की लागतें प्रत्यक्ष रूप से ऐसी परिसंपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के कारण होती है जिसमें उसके आशयित उपयोग के लिए तैयार होने की सारभूत अवधि आवश्यक रूप से लगती है या बिक्री को परिसंपत्ति की लागत के भाग के रूप में पूँजीकृत किया जाता है । उधार की सामान्य लागतों को उस परिसंपत्ति पर खर्च की पूँजीकरण दर का उपयोग करते हुए अर्हक परिसंपत्तियों में पूँजीकृत किया जाता है । पूँजीकरण की दर विशिष्ट उधार को छोड़कर, सामान्य उधार बकाया पर लागू उधार की लागतों का भारित औसत होती है । उधार की अन्य सभी लागतों के व्यय उस अवधि में किए जाते हैं जिसमें वे उपगत होते हैं । उधार की लागतों में ब्याज और ऐसी अन्य लागतें शामिल होती है जो एक निकाय निधियों के उधार के संबंध में उपगत करता है । उधार की लागत में विनिमय के ऐसे अंतर भी शामिल होते हैं जहाँ तक उन्हें उधार की लागतों का समायोजन माना जाता है ।

16. सरकारी अनुदान

सरकार से प्राप्त अनुदान उचित मूल्य पर मापे जाते हैं जिन्हें शुरू में आस्थगित आय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

अचल परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण आस्थगित आय में उपलब्ध राशि को संबंधित परिसंपत्ति का ह्रास मूल्य के अनुपात में अधिग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाले सरकारी अनुदानों तक सीमित करते हुए लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

राजस्व व्यय के कारण आस्थगित आय में उपलब्ध राशि को कुल मंजूर लागत और वित्त-पोषण के अनुपात अनुमान के अनुसार व्यय और सरकारी अनुदान तक सीमित रखते हुए वहित लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

17. संयुक्त उद्यम और एसोसिएट में निवेश

कम्पनी अपने सहयोगियों और संयुक्त उद्यमों में अपने हितों को लागत के अनुसार अलग-अलग वित्तीय विवरण में दर्शाता है।

18. वस्तुसूचियां

प्रयोज्य रद्दी को छोड़कर कंपनी के सभी वस्तु सूचियां मूल्य या निवल वसूली योग्य मूल्य में से कम पर मूल्यित किए जाते है। रद्दी अनुमानित निवल प्राप्य मूल्य पर मूल्यित किया जाता है। सामग्री की लागत का भारित औसत लागत सूत्र का उपयोग करते हुए पता लगाया जाता है।

कार्य प्रगति और तैयार माल की लागत में सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम और उपयुक्त उपरी प्रभार शामिल हैं।

वस्तु सूचियों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाता है जो पांच वर्ष से अधिक पुराना हो, जो आगे उपयोग के लिए आवश्यक नहीं हो सकता है।

19. आय कर

आयकर में मौजूदा और आस्थगित कर शामिल हैं।

(i) वर्तमान आय कर

वर्तमान कर परिसंपत्तियां और देनदारियां कराधान प्रधिकारियों से अपेक्षित वसूली की या भुगतान की राशि पर मापे जाते है। इस राशि की गणना करने के लिए प्रयुक्त कर की दरें और कर कानून उन रिपोर्टिंग तारीखों पर अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित होते हैं। ऐसी मदों से संबंधिक चालू कर जिसे प्रत्यक्ष रूप से अन्य व्यापक आय में निर्धारित किया जाता है या इक्विटी को अन्य व्यापक आय में या इक्विटी में निर्धारित किया जाता है, लाभ और हानि के विवरण में नहीं।

(ii) आस्थगित कर

आस्थगित कर रिपोर्टिंग तिथि पर वित्तीय रिपोर्टिंग प्रयोजनों के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर और उनकी आगे लाई गई राशि के साथ तुलन-पत्र विधि का उपयोग करते हुए प्रदान किया जाता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतर, अप्रयुक्त कर क्रेडिट को आगे ले जाते हुए और अप्रयुक्त कर हानियों के लिए निर्धारित किया जाता है जहाँ तक कि इस बात की संभावना हो कि

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके समक्ष कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मात्रा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और इस हद तक कम हो जाती है कि यह अब संभव नहीं है कि आस्थगित कर संपत्ति के सभी या हिस्से का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

20. वारंटियों के लिए प्रावधान

कार्य-निष्पादन की गारंटी और बेचे गए माल के प्रतिस्थापन / मरम्मत के कारण व्यय का प्रावधान प्रवृत्ति आधारित अनुमानों के आधार पर किया जाता है।

ऐसे मामले में जहाँ प्रवृत्ति का पता लगाने योग्य नहीं है, प्रबंधन के सर्वोत्तम अनुमानों के आधार पर वारंटी का प्रावधान किया जाता है।

21. विदेशी मुद्राएं के लेनदेन और रूपांतरण

विदेशी मुद्राओं में लेन-देन शुरू में कंपनी द्वारा उस तारीख की संबंधित मुद्रा विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है जिस तारीख में ऐसे लेनदेन निर्धारित करने के लिए पहले अर्ह होते हैं। विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को रिपोर्टिंग की तारीख में अंतिम मुद्रा-विनिमय दर का प्रयोग करते हुए कार्यशील मुद्रा में रपांतरित किया जाता है। मौद्रिक मदों के निपटान या रूपांतरण से आने वाले अंतर को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है। गैर-मौद्रिक मदें जिन्हें विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के परिप्रेक्ष्य में मापा जाता है, को प्रारंभिक लेनदेन की तारीखों की मुद्रा-विनिमय दर का प्रयोग करते हुए रूपांतरित किया जाता है।

22. कर्मचारी हितलाभ

(i) संबंधित सेवाएँ प्रदान करने के बारह महीनों के भीतर पूरी तरह देय सभी कर्मचारी हितलाभों को अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उनमे मुख्य रूप से शामिल हैं (क) मजदूरी और वेतन; (ख) अल्पकालिक प्रतिपूरक अनुपस्थिति; (ग) लाभ-भाजन, प्रोत्साहन और बोनस और (घ) गैर-मौद्रिक लाभ जैसे चिकित्सा देखभाल, सहायता-प्राप्त परिवहन, कैंटीन सुविधाएं आदि, जिन्हें बट्टारहित आधार पर मूल्यांकित किया जाता है और संबंधित सेवाएं प्रदान करने की अवधि के दौरान निर्धारित किया जाता है।

(ii) दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ जैसे वार्षिक छुट्टी, बीमारी छुट्टी और आधा वेतन छुट्टी को प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से निर्धारित देयता के वर्तमान मूल्य तथा तुलन-पत्र में किए गए प्रावधान के वहनीय मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और इसका प्रावधान किया जाता है।

(iii) कर्मचारियों को उपदान और कर्मचारी भविष्य निधि के भुगतान के लिए वृद्धिशील देयता का निर्धारण प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से निर्धारित देयता के वर्तमान मूल्य और इस प्रयोजनार्थ स्थापित अनुमोदित ट्रस्ट जिसके लिए भविष्य निधि के मामले में मासिक अंशदान किए जाते हैं और उपदान के मामले में एकमुश्त अंशदान दिए जाते हैं, में वित्त-पोषित योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित की जाती है।

(iv) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) के तहत वृद्धिशील देयता का निर्धारण प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से किया जाता है और इसका प्रावधान किया जाता है।

(v) वर्ष की बीमांकिक देयता का निर्धारण प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंत में कर्मचारियों के संदर्भ में किया जाता है।

(vi) बीमांकिक लाभ और हानि और योजित परिसंपत्तियों (ब्याज को छोड़कर) पर प्राप्ति और परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा का प्रभाव (यदि कोई हो, ब्याज को छोड़कर) का निर्धारण अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में तुरंत किया जाता है। निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) पर निवल ब्याज व्यय (आय) का परिकलन बट्टे की दर लागू करते हुए किया जाता है जिसका प्रयोग वर्ष के दौरान अंशदान और अनुलाभ भुगतानों के परिणामस्वरूप, किसी परिवर्तन को ध्यान में रखने के बाद, वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) में निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) को मापने में किया जाता है। निर्धारित अनुलाभ योजनाओं से संबंधित निवल ब्याज व्यय तथा अन्य व्ययों को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है।

जब किसी योजना का लाभ बदल जाता है या जब कोई योजना कम की जाती है, तो अनुलाभ में परिणामी परिवर्तन जो पिछली सेवा से या ऐसी कटौती पर लब्धि या हानि से संबंधित होता है, को लाभ व हानि के विवरण में तुरंत निर्धारित किया जाता है।

(vii) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति अनुलाभों का भुगतान होने पर उसे राजस्व को प्रभारित किया जाता है।

(viii) निर्धारित अंशदान योजना

कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना और अधिवार्षिता पेंशन योजना संचालित करती है जिन्हें निर्धारित योगदान योजनाओं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। निर्धारित अंशदान योजनाओं के लिए, कंपनी कर्मचारियों के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत पर स्वतंत्र रूप से संचालित निधियों में अंशदान देती है। इन योगदानों को लाभ व हानि के विवरण में

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

दर्ज किया गया है। कंपनी की देयता इन योजनाओं में दिए गए अंशदान की सीमा तक ही सीमित है।

23. प्रावधान

A. प्रावधान

प्रावधान तब निर्धारित किए जाते हैं जब किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप कंपनी की वर्तमान देयता (कानूनी या प्रलक्षित) होती है, हो सकता है कि आर्थिक लाभों में शामिल संसाधनों का बहिर्वाह देयता के निपटान के लिए आवश्यक हो और ऐसी देयता की राशि का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता हो। जब कंपनी कुछ या सभी प्रावधानों की प्रतिपूर्ति की अपेक्षा करती है, उदाहरण के लिए, बीमा संविदा के तहत, प्रतिपूर्ति एक अलग परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित की जाती है, लेकिन केवल तभी, जब प्रतिपूर्ति लगभग निश्चित हो। ऐसे प्रावधान से संबंधित व्यय किसी भी प्रतिपूर्ति के निवल के रूप में लाभ व हानि के विवरण में दर्शाया जाता है।

दुर्वह संविदाओं का प्रावधान तब निर्धारित किया जाता है जब संविदा से कंपनी को प्राप्त होने वाले अपेक्षित अनुलाभ संविदा के तहत इसकी देयताओं को पूरा करने की अपरिहार्य लागत से कम होते हैं। ऐसे प्रावधान को संविदा समाप्त होने की अपेक्षित लागत से कम के वर्तमान मूल्य और संविदा जारी रखने की अपेक्षित निवल लागत से मापा जाता है। प्रावधान स्थापित करने से पहले, कंपनी ऐसी संविदा से जुड़ी परिसंपत्तियों पर किसी प्रकार की अनर्जक हानि को निर्धारित करती है।

यदि धन के समय मूल्य का प्रभाव महत्वपूर्ण होता है तो चालू कर-पूर्व दर जो विनियोजित होने पर देयता के लिए विशिष्ट जोखिम दर्शाता है, का प्रयोग करते हुए ऐसे प्रावधानों को भुनाया जाता है। जब ऐसी भुनाई का उपयोग किया जाता है, तो समय बीतने के कारण प्रावधान में बढ़ोत्तरी को वित्त लागत के रूप में निर्धारित किया जाता है।

ख. आकस्मिक देयताएं / परिसंपत्तियाँ

आकस्मिक देनदारियों / परिसंपत्तियों को प्रबंधन की जानकारी तक वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के माध्यम से प्रकट किया जाता है।

24. नकद प्राप्ति विवरण

नकद प्राप्ति का विवरण भारतीय एएस 7 - नकदी प्राप्ति विवरण में वर्णित अप्रत्यक्ष विधि के अनुसार तैयार किया जाताहै।

25. उचित मूल्य का मापन

कंपनी कुछ वित्तीय विलेखों को अपने वित्तीय विवरणों में प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उचित मूल्य पर मापती है जैसे व्युत्पन्नी तथा अन्य मदें।

सभी परिसंपत्तियां और देनदारियां जिनके लिए उचित मूल्य को वित्तीय विवरणों में मापा या प्रकट किया गया है, को निम्नतम स्तर इनपुट जो संपूर्ण रूप से उचित मूल्य के मापन के लिए महत्वपूर्ण है, के आधार पर उचित मूल्य के पदानुक्रम में वर्गीकृत किया जाता है -

स्तर 1 - समरूप परिसंपत्तियों या देयताओं के लिए सक्रिय बाजार में कोट की गई कीमतें (असमायोजित)।

स्तर 2 - स्तर 1 में शामिल कोट की गई कीमतों के अलावा अन्य निविष्टियाँ जो प्रत्यक्ष रूप से या परोक्ष रूप से परिसंपत्ति या देयता के लिए प्रेक्षणीय है (यानी कीमतों से व्युत्पन्न)।

स्तर 3 - ऐसी परिसंपत्तियों या देयताओं की निविष्टियाँ जो प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं (अप्रेक्षणीय निविष्टियां)।

उचित मूल्य प्रकटीकरण के प्रयोजनार्थ, कंपनी ने प्रकृति, विशेषताओं और परिसंपत्तियों या देयताओं के जोखिमों और उचित मूल्य पदानुक्रम के स्तर के आधार पर परिसंपत्तियों और देयताओं के वर्गों का निर्धारण किया है।

26. वित्तीय परिसंपत्तियां

(i) प्रारंभिक निर्धारण और मापन

सभी वित्तीय परिसंपत्तियां शुरू में उचित मूल्य पर निर्धारित की जाती हैं। यदि वित्तीय परिसंपत्तियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर दर्ज नहीं किया जाता है, तो लेनदेन की लागत वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण होती है जिसे परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

(ii) अनुवर्ती मापन

अनुवर्ती माप के प्रयोजनार्थ, वित्तीय परिसंपत्तियों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है-

- परिशोधित लागत पर मापे गए ऋण विलेख,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए ऋण विलेख,
- लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए ऋण विलेख, व्युत्पन्नी और इक्विटी विलेख,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी विलेख।

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

(iii) विनिर्धारण

किसी वित्तीय परिसंपत्ति या उसका हिस्से को तब विनिर्धारित किया जाता है जब परिसंपत्ति से नकदी प्राप्त करने के अधिकार की समय सीमा समाप्त हो जाती है।

(iv) व्यापार और अन्य लेनदारियां

लेनदारियों को प्रारम्भ में उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है, जो ज्यादातर मामलों में मामूली मूल्य के लगभग होता है। यदि ऐसा कोई अनुवर्ती संकेत हो कि उन परिसंपत्तियों का ह्रास हो सकता है, तो हानि के लिए उनकी समीक्षा की जाती हैं।

27. वायदा संविदाएं

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों का बचाव करने के लिए वायदा मुद्रा संविदा जैसे व्युत्पन्नी वित्तीय विलेखों का उपयोग करती है। ऐसे व्युत्पन्न वित्तीय विलेखों को प्रारंभ में उस तारीख को उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है जिस पर व्युत्पन्नी संविदा की जाती है और बाद में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। व्युत्पन्नी को वित्तीय संपत्ति के रूप में लिया जाता है जब उचित मूल्य धनात्मक होता है और वित्तीय देयताओं के रूप में उचित मूल्य ऋणात्मक होता है ।

28. अंतर्निहित व्युत्पन्नी

आवश्यकता पड़ने पर अंतर्निहित व्युत्पन्नी को समूह संविदा से अलग किया जाता है और उचित मूल्य पर मापा जाता है।

29. नकद और नकद समतुल्य

नकद में हस्तस्थ नकद और मांग जमा शामिल हैं। नकद समतुल्य तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के अत्यधिक अल्पकालिक चलनिधि निवेश होते हैं जो नकदी की ज्ञात राशि में आसानी से परिवर्तनीय होते हैं और जो मूल्य में परिवर्तन के मामूली जोखिम के अधीन होता है।

बैंक ओवरड्राफ्ट, यदि कोई हो, को तुलन-पत्र में चालू देयताओं के तहत उधार के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

30. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

भारतीय ए.एस. 109 के अनुसार, कंपनी ऋण जोखिम वाली वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास के मापन एवं निर्धारण के लिए प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) पद्धति का उपयोग करती है।

क. सरकार / सरकारी विभागों / सरकारी कंपनियों से कालातीत बकाया राशि को आम तौर पर ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों के क्रेडिट जोखिम में वृद्धि नहीं माना जाता है।

ख. यदि देय कानूनी कार्यवाही में विवादित होते हैं तो वहां प्रावधान किया जाता है अगर कोई निर्णय कंपनी के खिलाफ दिया जाता है, भले ही इसके लिए उच्चतर प्राधिकारियों / न्यायालयों में अपील की गई हो।

ग. समय की महत्वपूर्ण अवधि के बकाया देय की समीक्षा की जाती है और मामला-दर-मामला आधार पर प्रावधान किया जाता है।

हानि भत्ता (या व्युत्क्रमण) को लाभ व हानि के विवरण में व्यय / आय के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

31. वित्तीय देयताएं

(i) प्रारंभिक निर्धारण और मापन

वित्तीय देयताओं को ऋण, उधार, प्रदेय या व्युत्पन्नी, के रूप में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य में, जैसा उपयुक्त हो, पर वर्गीकृत किया जाता है ।

ऋण, उधार और प्रदेय को लेनदेनों की ऐसी निवल लागत उन पर दर्शाया जाता है जो प्रत्यक्ष रूप से उनके कारण सृजित होते हैं।

(ii) अनुवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं का मापन नीचे बताए गए अनुसार उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है-

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं-

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताओं में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य में प्रारंभिक निर्धारण पर दी गई वित्तीय देयताएं शामिल हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा तैयार किए गए ऐसे व्युत्पन्नी वित्तीय विलेख भी शामिल हैं, जिन्हें भारतीय ए.एस. 109 में परिभाषित बचाव संबंधों में बचाव विलेख के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया गया है। विलगित अंतर्निहित व्युत्पन्नों को भी व्यापार के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब तक कि उन्हें प्रभावी बचाव विलेख नहीं कहा जाता है। व्यापार के लिए धारित देयताओं पर लाभ या हानि को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है ।.

(iii) ऋण और उधार

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, ब्याजयुक्त ऋणों और उधार को कबाद में प्रभावी ब्याज दर पद्धति (ईआईआर) का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ या हानि के रूप में तब निर्धारित किया जाता है जब देयताओं को ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के साथ-साथ विनिर्धारित किया जाता है ।

वित्तीय देयता को तब विनिर्धारित किया जाता है जब देयता के तहत दायित्व का निर्वहन किया जाता है या उसे रद्द या समाप्त किया जाता है।

भारतीय लेखा मानक स्टैन्डअलोन वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

(iv) व्यापार और अन्य देय

देयताओं का निर्धारण प्राप्त माल या सेवाओं के लि भविष्य में अदा की गई राशि के लिए किया जाता है चाहे वे आपूर्तिकर्ता द्वारा बिल किए गए हों या न हों।

32. वित्तीय विलेखों का पुन: वर्गीकरण

कंपनी प्रारंभिक निर्धारण पर वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों का वर्गीकरण निर्धारित करती है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए कोई पुनर्वितरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी उपकरण और वित्तीय देनदारियां हैं। वित्तीय साधनों के लिए जो ऋण के साधन हैं, एक पुनर्वर्गीकरण केवल तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यापार मॉडल में बदलाव होता है। यदि कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्वर्गीकरण करती है, ऐसा पुनर्वर्गीकरण भविष्यलक्षी रूप से किया जाता है।

33. वित्तीय विलेखों का समंजन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं का समंजन किया जाता है और निवल राशि की रिपोर्ट तुलन-पत्र में की जाती है यदि वर्तमान में निर्धारित राशियों को समंजित करने का कानूनी अधिकार प्रवर्तनीय हो और परिसंपत्तियों को वसूल करने और देयताओं को एक साथ निपटाने के लिए, निवल आधार पर निपटाने का आशय हो।

34. इक्विटी धारकों को नकद लाभांश और गैर-नकद वितरण

कंपनी इक्विटी धारकों को नकद या गैर नकद वितरण करने के लिए देयता निर्धारित करती है जब ऐसा वितरण अधिकृत हो और कंपनी के विवेकाधिकार में न हो।

35. त्रुटियां और अनुमान

यदि भारतीय ए.एस. में परिवर्तन के कारण या यदि परिवर्तन करने से वित्तीय विवरणओं के उपयोगकर्ताओं को अधिक संगत और विश्वसनीय सूचना मिलती है, तो कंपनी अपनी लेखांकन नीतियों का संशोधन करती है। लेखा नीतियों में परिवर्तन पूर्वव्यापी रूप से किए जाते हैं जब तक कि ऐसा करना अव्यवहार्य न हो । लेखा अनुमान में बदलाव, जिसके परिणामस्वरूप निर्धारित परिसंपत्तियों या देयताएं की मात्रा में परिवर्तन या लाभ और हानि का ब्यौरा परिवर्तन की अवधि (ओं) में भविष्यलक्षी रूप से लागू किया जाता है।

महत्वपूर्ण त्रुटियों की खोज पूर्वावधि, जिसमें ऐसी त्रुटि ज्ञात हुई की परिसंपत्तियो, देयताओं और इक्विटी की तुलनात्मक राशियों को दोबारा दर्शते हुए पूर्व प्रभावी रूप से पुनरीक्षण में परिणामित होती हैं । पूर्व की अवधि के प्रारंभिक शेषों को भी दोबारा बताया जाता है ।

36. प्रति शेयर अर्जन

कंपनी अपने साधारण शेयरों के लिए मूल एवं परिवर्तन प्रति शेयर अर्जन डेटा दर्शाती है। प्रति शेयर मूल आय की गणना कंपनी के साधारण इक्विटी धारकों के लिए लाभ या हानि को विभाजित कर सामान्य शेयरधारकों की भारित औसत संख्या द्वारा, उस समय के दौरान बकाया साधारण शेयरों से की जाती है, जो अपने शेयरों के लिए समायोजित होते हैं। परिवर्तित प्रति शेयर अर्जित कमाई सामान्य इक्विटी धारकों के लिए मुनाफे या हानि का समायोजन करते हुए और बकाया साधारण शेयरों की भारित औसत संख्या, सभी शेयरों के लिए समायोजित, सभी परिवर्तित संभावित साधारण शेयरों के प्रभावों के लिए निर्धारित करते हुए निर्धारित की जाती है।

37. रिपोर्टिंग अवधि के बाद की घटनाएं

समायोजनीय घटनाएं ऐसी घटनाएं होती हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियैं का अतिरिक्त साक्ष्य प्रदान करती हैं । ऐसी घटनाओं के लिए वित्तीय विवरणों को जारी करने के प्राधिकरण से पहले समायोजित किया जाता है।

गैर-समायोजन घटनाएं ऐसी घटनाएं हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक उत्पन्न होने वाली स्थिति की संकेतक हैं। रिपोर्टिंग की तारीख के बाद गैर-समायोजन घटनाओं को हिसाब में नहीं लिया गया है, परंतु उन्हें प्रकट किया गया है।

हमारी इसी दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826S

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) व सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं.. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

स्वतंत्र लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन

सेवा में,

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों के लिए

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा-परीक्षा पर रिपोर्ट

अभिमत

हमने भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("धारक कंपनी") और उसकी सहायक कंपनियों (धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों को मिलकर "धारक कंपनी" कहा गया है) और उसकी संबद्ध कंपनियों के संलग्न समेकित वित्तीय विवरणों का लेखा-परीक्षा किया है, जिसमें 31 मार्च, 2023 तक का समेकित तुलन पत्र, लाभ और हानि का समेकित विवरण (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और समाप्त वर्ष के लिए नकदी प्राप्ति का समेकित विवरण और समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणियां, जिसमें महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक जानकारी (जिन्हें यहाँ इसके बाद "समेकित वित्तीय विवरण'' कहा गया है) का सारांश शामिल है।

हमारी राय में और हमारी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, भारत में आमतौर पर स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुरूप उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरण कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") द्वारा आवश्यक जानकारी अपेक्षित ढंग से प्रदान करते हैं तथा सच्ची और निष्पक्ष जानकारी प्रदान करते हैं-

क) समेकित तुलना-पत्र के मामले में, 31 मार्च 2023 को ग्रूप और उसके संबंद्ध कंपनी के कार्यकलाप;

ख) लाभ व हानि के समेकित विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष के लाभ और कुल व्यापक आय;

ग) इक्विटी में परिवर्तन के समेकित विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष की इक्विटी में परिवर्तन तथा

घ) नकदी प्राप्ति समेकित विवरण के मामले में, उस तारीख को समाप्त वर्ष की नकदी प्राप्ति।

अभिमत का आधार

हमने अधिनियम की धारा 143 (10) के तहत निर्दिष्ट लेखा मानकों ("एस.ए.") के अनुसार अपनी समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा की है। उन मानकों के तहत हमारी जिम्मेदारियों को हमारी रिपोर्ट के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षकों की जिम्मेदारियों खंड में अतिरिक्त रूप से बतया गया है। हम नैतिक अपेक्षाएँ जो अधिनियमऔर उसके तहत बनाए गए नियमों के प्रावधानों के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के साथ-साथ भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आईसीएआई") द्वारा जारी नैतिक आचार संहिता के अनुसार ग्रूप और उसके संबद्ध कंपनी से स्वतंत्र हैं, और हमने इन अपेक्षाओं तथा आईसीएआई की आचार संहिता के अनुसार अपनी अन्य नैतिक जिम्मेदारियों को पूरा किया है।

हमारा विश्वास है कि समेकित वित्तीय विवरणों पर हमने जो लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किए हैं, वे हमारे अभिमत का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और उपयुक्त हैं।

लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले

लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले वे हैं जो हमारे पेशेवर निर्णय में, वर्तमान अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा में सबसे अधिक महत्वपूर्ण थे। समेकित वित्तीय विवरणों की हमारे लेखा परीक्षा के संदर्भ में इन मामलों पर संपूर्ण रूप से विचार किया गया और उन पर हमारी राय निर्धारित करने में, हम इन मामलों पर एक अलग राय प्रदान नहीं करते हैं। हमने अपनी रिपोर्ट में सूचित किए जाने वाले लेखा-परीक्षा के प्रमुख मामलों के रूप में नीचे वर्णित मामलों का निर्धारण किया है।

क्र. सं.	लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले	लेखा परीक्षक के उत्तर
1	भारतीय लेखा मानक 115 - ग्राहकों की संविदा से राजस्व के प्रति राजस्व तथा संबंधित शेषों का अभिचिह्नन, मापन, प्रस्तुति और प्रकटण की सटीकता । इस मानक के अनुप्रयोग में सुस्पष्ट कार्य-निष्पादन देयताओं की पहचान, प्रत्येक अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता के लिए लेनदेन कीमत का निर्धारण, समय के दौरान या किसी निश्चित समय ऐसी कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करना सुनिश्चित करने के लिए प्रयुक्त निर्णयों का आंकलन शामिल है। इसके अतिरिक्त, इस मानक के अनुप्रयोग में संविदा को प्राप्त करने या उसे पूरा करने में उपगत लागत की राशि को अभिचिह्नित करने में प्रयुक्त निर्णय और वे अवधियाँ भी शामिल होती हैं जिनमें रिपोर्टिंग की तारीख के बाद कार्य-निष्पादन की देयताएँ पूरी की जाती हैं। ठेकों से धारक कंपनी के राजस्व में मुख्यत: रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों की आपूर्ति शामिल है। (समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 23 देखें और लेखा नीतियों का क्र.सं. 5 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रियाएँ** हमारी लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं में आंतरिक नियंत्रणों तथा इस मानक के अनुप्रयोग के संबंध में उनकी प्रचालनीय प्रभावशीलता की पहचान शामिल है। हमने ऐसे लेनदेनों की सारभूत जाँच भी की है। क) हमने लागू भारतीय लेखा मानकों से तुलना करते हुए राजस्व निर्धारण नीतियों की उपयुक्तता का आकलन किया है। ख) चालू संविदाओं और नए संविदाओं के नमूने का चयन किया और कार्य-निष्पादन देयताओं की पहचान की और उसकी तुलना धारक कंपनी द्वारा अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता के साथ की। ग) संविदा में विशिष्ट रूप से उल्लेख न किए जाने पर अभिचिह्नित कार्य-निष्पादन देयता हेतु लेनदेन कीमत के आबंटन के आधार का सत्यापन किया। घ) कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने के आधार की पहचान की गई और उसकी तुलना धारक कंपनी द्वारा समय के दौरान या किसी निश्चित समय पर कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने में प्रयुक्त निर्णयों के साथ की गई। ङ) वचनबद्ध माल या सेवाओं के लिए कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना निर्धारित करने हेतु विचार किए गए उचित साक्ष्यों का सत्यापन किया गया। च) ऐसी संविदाओं के संबंध में जहाँ कार्य-निष्पादन देयता पूरा करना समय पर निर्भर है, हमने राजस्व को अभिचिह्नित करने क लिएधारित कंपनी द्वारा अभिचिह्नित विधि का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया कि ऐसी विधियाँ कार्य-निष्पादन देयता की प्रकृति पर विचार करते हुए उपयुक्त हैं। छ) ऐसी लागतों की पहचान करने के लिए धारक कंपनी द्वारा प्रयुक्त निर्णयों का सत्यापन किया जो संविदा को प्राप्त करने या पूरा करने में उपगत हुई और जिस अवधि में ऐसी लागतों को परिशोधित किया जाएगा। ज) शेष कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के लिए कंपनी के पास उपलब्ध योजना की समीक्षा की जिन्हें ऐसी अवधियों से संबंधित प्रकटण तैयार करने हेतु ग्राहक के आदेश में निर्धारित सुपुर्दगी शर्तों के आधार पर अभिचिह्नित किया गया जिनमें शेष पूरी न की गई या आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताएँ रिपोर्टिंग तिथि के बाद पूरी की जानी हैं। झ) बिल और होल्ड व्यवस्थाओं के मामले में शर्त रहित विनियोजन के तहत कार्य-निष्पादन देयता की पहचान करने के लिए कंपनी द्वारा प्रयुक्त निर्णयों का सत्यापन किया।
2	दुर्वह संविदाओं के संबंध में महत्वपूर्ण अनुमान- ऐसी संविदाएँ जो दुर्वह बन गई हैं, के संबंध में कार्य-निष्पादन देयताएँ पूरी करने हेतु अपरिहार्य लागतों का प्राक्कलन करना महत्वपूर्ण है। कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के लिए अपरिहार्य लागत जो लेखा प्राक्कलन है, प्राक्कलन की निश्चितता के अधीन है। (समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 21और लेखा नीतियों का क्र.सं. 22देखें)	लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रिया - हमने दुर्वह संविदाओं तथा ऐसी संविदाओं को पूरा करने की लागत की पहचान करने के लिए उपलब्ध आंतरिक नियंत्रणों के संबंध में धारित कंपनी के प्रबंधन से पूछताछ की है। क) चालू तथा नए ठेकों के नमूनों का चयन किया और किसी विशेष ठेके की लागत निर्धारित करने के लिए विद्यमान नियंत्रण और उसमें पूरी न की गई / आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत के प्राक्कलन की प्रभावशीलता की जांच की। ख) नियंत्रणों और दुर्वह संविदाओं के लिए अपरिहार्य लागतों के प्राक्कलन निर्धारित करने की समुचित प्रक्रियाओं की जाँच की। ग) कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने और उसमें आई लागत को पूरा करने के लिए जारी क्रय / सेवा आदेशों का सत्यापन किया। घ) संबंधित संविदाओं पर उपगत लागतों की पहचान करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया गया कि संविदा की संबंधित लागत ही दर्ज की जाती है। ङ) जुर्माने, संविदा में संशोधनों के संबंध में शेष कार्य-निष्पादन देयताओं के प्रति संविदा कीमत में संभावित कटौतियों का सत्यापन

क्र. सं.	लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले	लेखा परीक्षक के उत्तर
3	समय के दौरान कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करने की अनुमानित लागत के संबंध में महत्वपूर्ण प्राक्कलन किए गए । इस प्राक्कलन में कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत का अनुमान लगाने की निश्चितता की अंतर्निहित सीमा है। (समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी संख्या 23 और लेखा नीतियों का क्र.सं. 5 देखें)	**लेखा परीक्षा की प्रमुख प्रक्रिया -** हमने ऐसी संविदाओं की पहचान करने के लिए उपलब्ध आंतरिक नियंत्रणों के संबंध में धारित कंपनी के प्रबंधन से पूछताछ की है जहाँ समय के दौरान कार्य-निष्पादन देयता पूरी की गई हैं- क) चालू तथा नए ठेकों के नमूनों का चयन किया और किसी विशेष ठेके की लागत निर्धारित करने के लिए विद्यमान नियंत्रण और उसमें पूरी न की गई / आंशिक रूप से पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने की लागत के प्राक्कलन की प्रभावशीलता की जांच की। ख) नियंत्रणों और संविदा को पूरा करने के लिए किए गए प्राक्कलन निर्धारित करने की समुचित प्रक्रियाओं की जाँच की। ग) कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने और उसमें आई लागत को पूरा करने के लिए जारी क्रय / सेवा आदेशों का सत्यापन किया। घ) संबंधित संविदाओं पर उपगत लागतों की पहचान करने के लिए आंतरिक नियंत्रणों का सत्यापन किया और यह सुनिश्चित किया गया कि संविदा की संबंधित लागत ही दर्ज की जाती है। ङ) जुर्माना, ठेका संशोधनों के संबंध में शेष कार्य-निष्पादन देयताओं के ठेका मूल्य में संभावित कटौतियों का सत्यापन किया। च) कंपनी के प्रबंधन के साथ चर्चा की और इस बात का विश्लेषण किया कि प्राक्कलित लागत ऐसे कार्यों के लिए है जो कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करने के लिए लंबित है।

समेकित वित्तीय विवरण और उन पर लेखा परीक्षक की रिपोर्ट के अलावा अन्य जानकारी

धारक कंपनी का निदेशक मंडल अन्य सूचनाओं की तैयारी के लिए जिम्मेदार है। अन्य सूचना में बोर्ड की रिपोर्ट शामिल है जिसमें इसके अनुलग्नक, कॉर्पोरेट गवर्नेंसऔर शेयर धारकों की सूचना शामिल है, लेकिन इसमें समेकित वित्तीय विवरण और उन पर हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट शामिल नहीं है।

समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारी राय में अन्य जानकारी शामिल नहीं है और हम उन पर किसी भी प्रकार का आश्वासन निष्कर्ष व्यक्त नहीं करते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों की हमारे लेखा परीक्षा के संबंध में, हमारी जिम्मेदारी अन्य जानकारी को पढ़ना और ऐसा करते समय यह विचार करना है कि क्या अन्य जानकारी वास्तविक रूप से समेकित वित्तीय विवरणों के असंगत है या हमारी लेखा परीक्षा के दौरान प्राप्त हमारा ज्ञान या अन्यथा वास्तविक रूप से गलत बताया गया है या नहीं।

यदि हमारे द्वारा किए गए कार्य के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि ऐसी अन्य जानकारी में वास्तविक रूप से गलत कथन दिए गए हैं तो हमें ऐसे तथ्य की रिपोर्ट करनी होगी। इस संबंध में हम कोई रिपोर्ट नहीं करते हैं।

समेकित वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन और गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों का उत्तरदायित्व

समेकित वित्तीय विवरण जो अधिनियम की धारा 133 के तहत निर्दिष्ट लेखा मानकों सहित, भारत में सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार ग्रूप और उसके संबद्ध की समेकित वित्तीय स्थिति, समेकित वित्तीय कार्य-निष्पादन, समेकित कुल व्यापक आय, समेकित इक्विटी में परिवर्तन तथा समेकित नकदी प्राप्तियों की सच्ची और सही स्थिति प्रदान करते हैं, तैयार करने के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 134(5) में बताए गए मामलों के लिए धारक कंपनी का निदेशक मंडल उत्तरदायी है। ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों की परिसंपत्तियों को सुरक्षित रखने और धोखाधड़ी तथा अन्य अनियमितताओं से रोकथाम करने और उनका पता लगाने; उचित लेखा नीतियों का चयन और लागू करने; उचित और दूरदर्शी निर्णय लेने और अनुमान लगाने; और समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण तैयार करने, लागू करने और बनाए रखने जो समेकित वित्तीय विवरण, जो सच्ची और सही स्थिति दर्शाते हैं और महत्वपूर्ण मिथ्याकथनों से मुक्त हैं, चाहे कपट या त्रुटि से क्यों न हों, जिसका उपयोग यथा उपरोक्त धारक कंपनी के निदेशकों द्वारा समेकित वित्तीय विवरणों के प्रयोजन के लिए किया गया, को तैयार करने और प्रस्तुत करने से संबंधित, लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी रूप से प्रचालित हो रहे थे, के लिए अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार समुचित लेखा अभिलेख रखने के लिए उत्तरदायी हैं।

समेकित वित्तीय विवरण तैयार करने में, ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों में शामिल कंपनियों के संबंधित निदेशक मंडल एक कार्यशील संस्था के रूप में जारी रहने में ग्रूप और उसके संस्थान की क्षमता का मूल्यांकन करने, कार्यशील संस्था से संबंधित मामलों, जो लागू हो, का प्रकटण करने और लेखांकन के कार्यशील संस्था आधार का उपयोग करने के लिए उत्तरदायी है जब तक कि प्रबंधन का आशय ग्रूप को परिसमाप्त करना न हो या कामकाज बंद करना न हो या ऐसा करने के अलावा कोई अन्य विकल्प न हो।

ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों से संबंधित निदेशक मंडल ग्रूप और उसके संबद्ध की वित्तीय रिपोर्टिंग प्रक्रिया का पर्यवेक्षण करने के लिए भी उत्तरदायी है।

समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा के लिए लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारा उद्देश्य इस संबंध में औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करना है कि क्या ये समेकित वित्तीय विवरण पूर्णत: महत्वपूर्ण मिथ्याकथन से मुक्त हैं, चाहे वे कपट या त्रुटि के कारण हों, और अपने विचार के समर्थन में लेखा परीक्षक की रिपोर्ट जारी करना है । औचित्यपूर्ण आश्वासन उच्च स्तर का आश्वासन होता है परंतु यह इस बात की गारंटी नहीं है कि एस.ए. के अनुसार की गई लेखा परीक्षा विद्यमान होने पर हमेशा किसी महत्वपूर्ण मिथ्या कथन का पता लगाएगी। मिथ्या कथन कपट या त्रुटि से उत्पन्न हो सकते हैं और उन्हें वैयक्तिक रूप से या सकल रूप से महत्वपूर्ण माने जाने पर, वे इन समेकित वित्तीय विवरणों के आधार पर प्रयोक्ताओं द्वारा लिए गए आर्थिक निर्णयों को पर्याप्त रूप से प्रभावित कर सकते हैं।

एस.ए. के अनुसार लेखा परीक्षा के भाग के रूप में, हमने पेशेवर निर्णय लिया है और संपूर्ण लेखा परीक्षा के दौरान पेशेवर संशयवाद बनाए रखा है । हमने -

- कपट या त्रुटि, डिज़ाइन के कारण इन समेकित वित्तीय विवरणों के महत्वपूर्ण मिथ्या कथनों के जोखिमों की पहचान भी की है और उनका आंकलन भी किया है और ऐसे जोखिमों को कम करने वाली लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ पूरी की है और हमारे विचार का आधार प्रदान करने के लिए पर्याप्त और समुचित लेखा परीक्षा साक्ष्य प्राप्त किया है। कपट के परिणामस्वरूप किसी महत्वपूर्ण मिथ्या कथन का पता न लगा पाने का जोखिम त्रुटि के परिणामस्वरूप होने वाले मिथ्या कथन से अधिक होता है क्योंकि कपटपूर्ण कार्य में मिली-भगत, धोखाधड़ी, जानबूझकर विलोपन, गलत-बयानी या आंतरिक नियंत्रण का उल्लंघन शामिल होता है।

- परिस्थितियों के लिए उचित लेखा परीक्षा प्रक्रियाएँ तैयार करने के उद्देश्य से लेखा परीक्षा के संगत आंतरिक वित्तीय नियंत्रण को भी समझा है। कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(3)(i) के तहत, हम इस पर भी अपने विचार व्यक्त करने के लिए उत्तरदायी हैं कि क्या ग्रूप और उसके संबद्ध में समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ के साथ समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मौजूद है और क्या ऐसे नियंत्रण प्रभावी ढंग से कार्यान्वित किए जा रहे हैं।

- प्रबंधन द्वारा प्रयुक्त लेखा नीतियों की उपयुक्तता तथा लेखा प्राक्कलनों तथा संबंधित प्रकटणों की औचित्यता का भी मूल्यांकन किया है।

- लेखांकन के कार्यशील संस्था आधार के प्रबंधन के उपयोग की उपयुक्ता का भी निष्कर्ष निकाला है और लेखा परीक्षा से प्राप्त साक्ष्य के आधार पर, चाहे कार्यशील संस्था के रूप में जारी रहने की ग्रुप और उसके संबद्ध की क्षमता पर उल्लेखनीय संदेह पैदा करने वाली घटनाओं या परिस्थितियों से संबंधित कोई महत्वपूर्ण अनिश्चितता हो या न हो। यदि हम यह निष्कर्ष निकालते हैं कि महत्वपूर्ण निश्चितता है, तो हमें समेकित वित्तीय विवरणों में संबंधित प्रकटणों के लिए अपनी लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में ध्यान आकृष्ट करना होगा या यदि ऐसे प्रकटण समुचित नहीं हैं तो अपने विचार में संशोधन करना होगा। हमारे निष्कर्ष हमारे लेखा परीक्षक की रिपोर्ट की तारीख तक प्राप्त लेखा परीक्षा साक्ष्य पर आधारित हैं। बहरहाल, भावी घटनाएँ या परिस्थितियाँ ग्रूप और उसके संबद्ध को कार्यशील संस्था के रूप में जारी रखना समाप्त कर सकती हैं।

- प्रकटण सहित समेकित वित्तीय विवरणों के समग्र प्रस्तुतीकरण, संरचना एवं सामग्री का मूल्यांकन भी किया है और इस बात का भी मूल्यांकन किया है कि क्या ये समेकित वित्तीय विवरण अंतर्निहित लेनदेनों और घटनाओं को उस तरह से दर्शाते हैं कि उनका उचित प्रस्तुतीकरण किया जा सके।

समेकित वित्तीय विवरणोंमें मिथ्याकथनों की मात्रा की महत्ता होती है जो वैयक्तिक रूप से या सकल रूप से इसकी संभावना बनाते हैं कि इन वित्तीय विवरणों का उचित ज्ञान रखने वाले प्रयोक्ता के आर्थिक निर्णय प्रभावित हो सकते हैं। हमने (i) अपनी लेखा परीक्षा के कार्यक्षेत्र की योजना बनाने और अपने कार्य के परिणामों का मूल्यांकन करने में; और (ii) समेकित वित्तीय विवरणों में किसी अभिचिह्नित मिथ्या कथन के प्रभाव का आंकलन करने में प्रमात्रात्मक महत्ता और गुणात्मक कारकों पर विचार किया है।

हमने अपनी लेखा परीक्षा के दौरान पाई गई आंतरिक नियंत्रण की किसी उल्लेखनीय कमी सहित, लेखा परीक्षा और उल्लेखनीय लेखा परीक्षा के उल्लेखनीय परिणामों के योजित कार्यक्षेत्र और समय के संबंध में, अन्य बातों के साथ-साथ, धारक कंपनी, ऐसे अन्य संस्थान, जो इन समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल है और जिनके लिए हम स्वतंत्र लेखा परीक्षक हैं, के ऐसे लोग जिन्हें गवर्नेंस का कार्य सौंपा गया है, से बातचीत की है ।

हमने गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों को ऐसे विवरण भी प्रदान किए हैं कि हमने स्वतंत्रता संबंधी संगत नैतिक आवश्यकताओं का पालन किया है और उन्हें ऐसे सभी संबंधों तथा अन्य मामलों के बारे में बताया है जिन्हें हमारी स्वतंत्रता से उचित ढंग से संबद्ध माना जा सकता है और जहाँ लागू हो, संबंधित बचाव किए गए हैं।

गवर्नेंस का कार्य सौंपे गए लोगों को बताए गए मामलों मेंसे, हमने ऐसे मामलों को लिया जो चालू अवधि के समेकित वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा में सर्वाधिक महत्वपूर्ण थे, इसलिए लेखा परीक्षा के प्रमुख मामले हैं। इन मामलों का वर्णन हमने अपनी लेखा परीक्षक रिपोर्ट में किया है जब तक कि ऐसे मामले का प्रकटण कानून या विनियम द्वारा प्रतिबंधित नहीं किया जाता है या जब अत्यंत दुर्लभ परिस्थितियों में, हम यह तय करते हैं कि मामले की सूचना हमारी रिपोर्ट में दी जानी चाहिए क्योंकि ऐसा करने के प्रतिकूल परिणाम ऐसी सूचना के लोक हित अनुलाभ से महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं।

अन्य मामले

1. हमने दो सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा नहीं की है जिनके वित्तीय विवरण 31 मार्च, 2023 को ₹ 48,646 लाख की कुल परिसंपत्तियाँ और उस तारीख को समाप्त वर्ष के लिए ₹ 15,656 लाख के कुल राजस्व और ₹ 1,968 की निवल नकदी प्राप्ति दर्शाते हैं जैसा कि इन समेकित वित्तीय विवरणों में विचार किया गया है । समेकित वित्तीय विवरण में, वर्ष 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए सहायक

कंपनियों के शेयर का निवल लाभ (अन्य व्यापक आय सहित) रु.1,396 लाख शामिल है, जिनके वित्तीय विवरणों का हमारे द्वारा लेखा परीक्षा नहीं किया गया है।

समेकित वित्तीय विवरण सहायक कंपनी जिसके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा हमारे द्वारा नहीं की गई है, में रु. 20,083 लाख की निवल परिसंपत्तियां और रु.4,584 लाख के निवल लाभ (अन्य व्यापक आय सहित) के समूह के हिस्से को दर्शाते हैं।

इन वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अन्य लेखा परीक्षकों द्वारा की गई है जिनके रिपोर्ट प्रबंधन द्वारा हमें प्रस्तुत किए गए हैं और समेकित वित्तीय विवरणों पर हमारा विचार, जहाँ तक वे इन सहायक कंपनियों और संबद्ध कंपनी के संबंध में शामिल राशियों और प्रकटणों से संबंधित हैं, और अधिनियम की धारा 143 की उप-धारा (3) और (11) के अनुसार हमारी रिपोर्ट में, जहाँ तक उक्त सहायक कंपनी और संबद्ध कंपनी से संबंधित है, ऐसे अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट पर एकमात्र रूप से आधारित हैं।

समेकित वित्तीय विवरण पर हमारा विचार और नीचे दी गई अन्य कानूनी और नियामक आवश्यकताओं पर हमारी रिपोर्ट, किए गए कार्य और अन्य लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट तथा प्रबंधन द्वारा प्रमाणित वित्तीय विवरणों के आधार पर उक्त मामले के संबंध में हमारा विचार संशोधित नहीं है।

उपर्युक्त मामलों पर हमारा विचार संशोधित नहीं है।

अन्य विधिक एवं विनियामक आवश्यकताओं पर रिपोर्ट

1. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट में शामिल करने हेतु अधिनियम की धारा 143(11) के परिप्रेक्ष्य में, केंद्र सरकार द्वारा जारी कंपनी (लेखा परीक्षक की रिपोर्ट) आदेश, 2020 ("ऑर्डर" / "सी.ए.आर.ओ.") के अनुच्छेद 3(xxi) और 4 में निर्दिष्ट मामलों के संबंध में, हमें दी गई जानकारी और स्पष्टीकरणों के अनुसार तथा धारक कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों में शामिल धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों जिनके लिए हमारे द्वारा जारी सी.ए.आर.ओ. के तहत रिपोर्टिंग लागू होती है, के लिए जारी सी.ए.आर.ओ. रिपोर्ट के आधार पर, हम रिपोर्ट करते हैं कि इन सी.ए.आर.ओ. रिपोर्ट की कोई अर्हता नहीं है या इनमें कोई प्रतिकूल टिप्पणी नहीं की गई है।

2. अधिनियम की धारा 143 (3) में बताई गई आवश्यकता अनुसार, हमारी लेखा परीक्षा के अनुसार जहाँ तक लागू है, हम रिपोर्ट करते हैं कि-

क) हमने ऐसी सभी सूचनाएँ और स्पष्टीकरणों की मांग की और प्राप्त किया जो जहाँ तक हमारी जानकारी और विश्वास है, उक्त समेकित वित्तीय विवरण की लेखा परीक्षा के प्रयोजनार्थ आवश्यक थे।

ख) हमारे विचार से, उपरोक्त समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने के संबंध में कानून द्वारा यथा आवश्यक, उचित लेखा बहियाँ रखी गई हैं जैसा कि अन्य लेखा परीक्षकों की खाता बहियों और रिपोर्ट के हमारे परीक्षण से प्रतीत होता है ।

ग) इस रिपोर्ट में व्यवहरित समेकित तुलन पत्र, लाभ व हानि की समेकित विवरणी (अन्य व्यापक आय सहित), इक्विटी में परिवर्तन की समेकित विवरणी तथा नकदी प्राप्ति समेकित विवरणी समेकित वित्तीय विवरणी तैयार करने के प्रयोजनार्थ लेखा बहियों, से प्राप्त विवरणियों के अनुरूप हैं।

घ) हमारे विचार से, उक्त समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 में निर्दिष्ट भारतीय लेखा मानकों का पालन करते हैं।

ङ) चूँकि धारक कंपनी और उनकी सहायक कंपनी सरकारी कंपनी है, निदेशकों की अनर्हता के संबंध में कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 164(2) के प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

भारत में निगमित सहायक कंपनी के सांविधिक लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर, सहायक कंपनी के कोई भी निदेशक अधिनियम की धारा 164(2) के परिप्रेक्ष्य में निदेशक के पद पर नियुक्त होने के लिए यथा 31 मार्च 2023 को अयोग्य नहीं हैं।

च) ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनियों की समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रण की पर्याप्तता और ऐसे नियंत्रणों की प्रचालनीय प्रभावशीलता के संबंध में, "**अनुलग्नक-ख**" में हमारी अलग रिपोर्ट देखें, जो धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों की लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर है।

छ) कंपनी अधिनियम, 2013, यथा संशोधित, की धारा 197(16) की अपेक्षाओं के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में -

चूँकि धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनी सरकारी कंपनी होने के कारण और उसके संबद्ध निजी कंपनी होने के कारण, कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 197 जिसे अनुसूची ५ के साथ पढ़ा जाना है, द्वारा अनिवार्य बनाए गए अनुसार प्रबंधकीय पारिश्रमिक के भुगतान से संबंधित प्रावधान लागू नहीं होते हैं।

ज) कंपनी (लेखा परीक्षा एवं लेखा परीक्षक) नियम, 2014, यथा संशोधित के नियम 11 के अनुसार लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट में शामिल किए जाने वाले अन्य मामलों के संबंध में, हमारे विचार से तथा जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार -

i. समेकित वित्तीय विवरणों में ग्रूप और उसके संबद्ध के वित्तीय स्थिति पर लंबित मुकदमों के प्रभाव को प्रकट किया गया है - समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 30(10) देखें।

ii. ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनी ने दीर्घकालीन संविदाओं पर महत्वपूर्ण पूर्वानुमान योग्य हानि, यदि कोई हो, के लिए लागू कानून या लेखा मानकों के तहत यथा अपेक्षित प्रावधान किए हैं - समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी सं. 21 देखें । ग्रूप और उसके संबद्ध में कोई व्युत्पन्नी संविदा नहीं है।

iii. ग्रूप और उसकी संबद्ध कंपनी द्वारा निवेशक शिक्षा एवं संरक्षा निधि को अंतरित की जाने वाली राशि के अंतरण में कोई विलंब नहीं किया गया।

iv. क) कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और जिनके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अधिनियम के तहत की गई है, के संबंधित प्रबंधन ने हमें बताया है कि जहां तक उसकी जानकारी और विश्वास है, धारक कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या संस्थान में या को, जिसमें विदेशी संस्था ("मध्यस्थ") भी शामिल है, लिखित में दर्ज या अन्यथा किसी आशय के साथ कोई निधि (जो वैयक्तिक रूप से सम्मिलित रूप से महत्वपूर्ण है) अग्रेषित नहीं की गई या ऋण या निवेश के लिए नहीं दी गई (उधार की निधियों या या शेयर प्रीमियम से या किसी अन्य स्रोत से या किसी प्रकार की निधि से) कि प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से धारक कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी ("अंतिम हितलाभी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी प्रकार से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या संस्थानों में उधार या निवेश नहीं करेंगे या अंतिम हितलाभियों की ओर से कोई गारंटी, जमानत या इसी तरह की अन्य सुविधा प्रदान नहीं करेंगे;

ख) कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और जिनके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अधिनियम के तहत की गई है, के संबंधित प्रबंधन ने हमें बताया है कि जहां तक उनकी जानकारी और विश्वास है, धारक कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति या संस्थान से, जिसमें विदेशी संस्था ("वित्तपोषण पक्ष") भी शामिल है, लिखित में दर्ज या अन्यथा किसी आशय के साथ कोई निधि (जो वैयक्तिक रूप से सम्मिलित रूप से महत्वपूर्ण है) प्राप्त नहीं की गई कि धारक कंपनी या उसकी किसी सहायक कंपनी वित्तपोषण पक्ष ("अंतिम हितलाभी") द्वारा या उसकी ओर से किसी भी प्रकार से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या संस्थानों में उधार या निवेश नहीं करेंगे या अंतिम हितलाभियों की ओर से कोई गारंटी, जमानत या इसी तरह की अन्य सुविधा प्रदान नहीं करेंगे;

ग) धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं और जिनके वित्तीय विवरणों की लेखा परीक्षा अधिनियम के तहत की गई है, के संबंध में हमारे द्वारा निष्पादित परिस्थितियों में हमारे द्वारा उचित और उपयुक्त समझी गई लेखा परीक्षा प्रक्रियाओं के आधार पर, हमारी जानकारी में ऐसी कोई बात नहीं आई है जिसके कारण हमें यह विश्वास करना पड़ा हो कि नियम 11 (ई) के उप-खंड (i) और (ii) के तहत, जैसा कि ऊपर (क) और (ख) में बताया गया है, किए गए अभ्यावेदन में कोई महत्वपूर्ण मिथ्याकथन हो।

v. समेकित वित्तीय विवरणों की टिप्पणी 30(16) में बताए गए अनुसार

क) पिछले वर्ष में प्रस्तावित अंतिम लाभांश जिसे ग्रूप द्वारा वर्ष के दौरान घोषित और अदा किया गया, अधिनियम की यथा लागू धारा 123 के अनुसार है।

ख) ग्रूप द्वारा वर्ष के दौरान तथा इस रिपोर्ट की तारीख तक घोषित और अदा किया गया अंतरिम लाभांश अधिनियम की धारा 123 के अनुसार है।.

ग) धारित कंपनी के निदेशक मंडल ने वर्ष के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है जो आगामी वार्षिक आम बैठक में सदस्यों के अनुमोदन के अधीन है। प्रस्तावित लाभांश की राशि अधिनियम की यथा लागू धारा 123 के अनुसार है।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826ए

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता संख्या - 215205
यूडीआईएन - 23215205BGUXCU1342

गुवाहाटी
20 मई 2023

स्वतंत्र लेखा परीक्षक की इसी दिनांक की रिपोर्ट का "अनुलग्नक-क"

(भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के सदस्यों को इसी दिनांक की हमारी रिपोर्ट के `अन्य विधिक तथा विनियामक आवश्यकतों पर रिपोर्ट' खंड के तहत अनुच्छेद 2 (एफ) में संदर्भित)

कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") की धारा 143 की उप-धारा 3 के खंड (i)के तहत समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर रिपोर्ट

हमने 31 मार्च, 2023 को समाप्त वर्ष के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरणों की हमारी लेखा परीक्षा के संबंध में, हमने उक्त तारीख को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ("धारक कंपनी") और उसकी सहायक कंपनियां, जो भारत में निगमित कंपनियाँ हैं, के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा की है।

आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारी

धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित हैं, भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान ("आई.सी.ए.आई.") द्वारा जारी मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रणों के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए संबंधित कंपनियों द्वारा स्थापित समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक नियंत्रण के आधार पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संस्थापित करने और उन्हें बनाए रखने के लिए जिम्मेदार है। इन जिम्मेदारियों में ऐसे समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अभिकल्प, कार्यान्वयन और अनुरक्षण शामिल है जो कंपनी के कारोबार को उचित और प्रभावी ढंग से करना सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी ढंग से किए जा रहे थे जिनमें कंपनी की नीतियों का पालन, उसकी परिसंपत्तियों की सुरक्षा, धोखाधड़ी और त्रुटियों का निवारण और पता लगाना, लेखा अभिलेखों की सटीकता और संपूर्णता और कंपनी अधिनियम, 2013 के तहत अपेक्षित, विश्वसनीय वित्तीय सूचना समय पर तैयार करना शामिल हैं ।

लेखा परीक्षक की जिम्मेदारी

हमारी जिम्मेदारी हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों पर विचार व्यक्त करना है। हमने अपनी लेखा परीक्षा वित्तीय रिपोर्टिंग (मार्गदर्शी नोट) पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण और आईसीएआई द्वारा जारी तथा कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(10) के तहत वर्णित लेखा परीक्षा के मानक के अनुसार किया है जो जहां तक समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर लागू होते हैं।इन मानकों और मार्गदर्शी टिप्पणी में यह आवश्यक बनाया गया है कि हम नैतिक अपेक्षाओं का पालन करें और इस बात का औचित्यपूर्ण आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और निष्पादित करें कि वित्तीय रिपोर्टिंग पर समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण संस्थापित किए गए हैं और रखे गए हैं और क्या ऐसे नियंत्रण सभी महत्वपूर्ण पहलुओं में प्रभावी ढंग से प्रचालित हैं या नहीं।

हमारी लेखा परीक्षा में समेकित वित्तीय विवरणों की रिपोर्टिंग और उनकी प्रचालनीय पर्याप्तता के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता के बारे में लेखा परीक्षा के साक्ष्य प्राप्त करने हेतु निष्पादनीय प्रक्रियाएं शामिल हैं। समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की हमारी लेखा परीक्षा में समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों को समझना, किसी महत्वपूर्ण कमजोरी होने के जोखिम का आकलन करना और आकलित जोखिम के आधार पर आंतरकि नियंत्रण की डिज़ाइन और प्रचालनीय दक्षता का परीक्षण और आकलन करना शामिल है। लेखा परीक्षक के निर्णय के अनुसार चयनित प्रक्रियाएं जिनमें वित्तीय विवरणियों के महत्वपूर्ण मिथ्या कथन की जोखिम का आंकलन, चाहे धोखाधड़ी से हो या त्रुटि से हो, शामिल हैं।

हमारा विश्वास है कि हमारे द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य तथा नीचे दिए गए `अन्य मामलों' के संदर्भ में उनकी रिपोर्ट के अनुसार अन्य लेखा परीक्षक द्वारा प्राप्त लेखा परीक्षा के साक्ष्य, धारक कंपनी और उसकी सहायक कंपनियों के समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के बारे में अपनी लेखा परीक्षा का विचार प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त और समुचित है।

समेकित वित्तीय विवरणों के संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों का अर्थ

समेकित वित्तीय विवरणों पर कंपनी का आंतरिक वित्तीय नियंत्रण एक ऐसी प्रक्रिया है जिसे सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार बाहरी प्रयोजनों के लिए वित्तीय विवरण की विश्वसनीयता के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करने के लिए अभिकल्पित है । समेकित वित्तीय विवरणों पर कंपनी के आंतरिक वित्तीय नियंत्रण में ऐसी नीतियाँ और प्रक्रियाएँ शामिल हैं जो -

1) ऐसे अभिलेखों के रख-रखाव से संबंधित है जो औचित्यपूर्ण विवरण में, कंपनी की परिसंपत्तियों के लेनदेन और निपटान को सटीक और न्यायोचित ढंग से प्रतिबिंबित करते हैं;

2) इस बात का उचित आश्वासन प्रदान करते हैं कि लेनदेन सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धांतों के अनुसार वित्तीय विवरणों को तैयार करना अनुमत करने हेतु यथा आवश्यक दर्ज किए जाते हैं और यह कि कंपनी की प्राप्तियाँ और खर्च कंपनी के प्रबंधन और निदेशों के प्राधिकरणों के अनुसार ही किए जा रहे हैं; तथा

3) कंपनी की परिसंत्तियों के अनधिकृत अधिग्रहण, उपयोग या निपटान की रोकथाम या समय पर पता लगने के संबंध में उचित आश्वासन प्रदान करते हैं जो वित्तीय विवरणों पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते थे।

समेकित वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाएँ

समेकित वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की अंतर्निहित सीमाओं के कारण, जिसमें नियंत्रणों के टकराव या अनुचित प्रबंधन की अवहेलना की

संभावना शामिल है, त्रुटि या धोखाधड़ी के कारण महत्वपूर्ण मिथ्याकथन हो सकते हैं जिनका पता नहीं चल सकता है। इसके अलावा, भावी अवधियों के लिए समेकित वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों के विकसित होने का पूर्वानुमान ऐसे जोखिम के अधीन होता है कि समेकित वित्तीय विवरणों पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रण परिस्थितियों में परिवर्तन के कारण अपर्याप्त हो सकता है या नीतियों या प्रक्रियाओं के अनुपालन का स्तर क्षीण हो सकता है।

विचार

हमारे विचार में, जहाँ तक हमारी जानकारी है और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार, धारक कंपनीऔर उसकी सहायक कंपनियां जो भारत में निगमित कंपनियां हैं, में सभी महत्वपूर्ण पहलुओं से, समेकित वित्तीय विवरणोंके संदर्भ में समुचित आंतरिक वित्तीय नियंत्रण प्रणाली मौजूद है और समेकित वित्तीय विवरणों पर ऐसे आंतरिक वित्तीय नियंत्रण भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी वित्तीय रिपोर्टिंग पर आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की लेखा परीक्षा पर मार्गदर्शी टिप्पणी में उल्लिखित आंतरिक नियंत्रण के आवश्यक घटकों पर विचार करते हुए संबंधित कंपनी द्वारा स्थापित आंतरिक नियंत्रण के आधार पर 31 मार्च, 2023 को प्रभावी रूप से प्रचालित थे।

अन्य मामले

समेकित वित्तीय विवरणोंके संदर्भ में आंतरिक वित्तीय नियंत्रणों की पर्याप्तता और प्रचालनीय दक्षता के बारे में अधिनियम की धारा 143(3) (i) के तहत हमारी उपरोक्त रिपोर्ट, जहाँ तक वे दो सहायक कंपनियाँ तथा एक सहयोगी कंपनी, जो भारत में निगमित कंपनियाँ हैं, से संबंधित हैं, भारत में निगमित उक्त कंपनियों की लेखा परीक्षक की संबंधित रिपोर्टों पर आधारित हैं।

हमने भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान द्वारा जारी लेखापरीक्षा के मानकों के अनुसार, जैसा कि अधिनियम की धारा 143 (10) में निर्दिष्ट किया गया है, धारक कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण, जिसमें 31 मार्च 2023 का समेकित तुलन-पत्र और लाभ-हानि का संबंधित समेकित विवरण, इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण और उस अवधि को समाप्त वर्ष का नकदी प्राप्ति विवरण और महत्वपूर्ण लेखा नीतियों और अन्य व्याख्यात्मक सूचनाओं का सार की भी लेखापरीक्षा की है और हमारी उसी तारीख की रिपोर्ट में इस पर अनर्ह राय व्यक्त की गई है।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजीकरण सं.- 006826ए

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता संख्या - 215205
यूडीआईएन - 23215205BGUXCU1342

गुवाहाटी
20 मई 2023

स्पीड पोस्ट द्वारा
गोपनीय

लोकहितार्थ सत्यनिष्ठा
Dedicated to Truth in Public Interest

सं./No. Insp-1/BEL Accs 22-23/2023-24/115A

प्रधान निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा एवं पदेन सदस्य
लेखापरीक्षा बोर्ड का कार्यालय, बेंगलूर – 560 001.
OFFICE OF THE PRINCIPAL DIRECTOR OF COMMERCIAL
AUDIT and ex-Officio MEMBER, AUDIT BOARD,
BENGALURU - 560 001.

दिनांक/ DATE. 14.07.2023

सेवा में,
श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव,
अध्यक्ष, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड,
बेंगलुरु - 560 045.

महोदया,

विषयः कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

मैं 31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के मेसर्स भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु के लेखाओ पर कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का "शून्य टिप्पणी प्रमाण पत्र " अग्रेषित करता हूँ|

कृपया सुनिश्चित करे कि टिप्पणिया:

1. बिना कोई संशोधन किये पूर्ण रूप से छापी जाये|
2. सूचि में उचित संकेत के साथ कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट में सांविधिक लेखापरीक्षकों की रिपोर्ट के आगे रखा जाये|
3. कंपनी अधिनियम 2013 की धारा 143(6)(b) के तहत वार्षिक सामान्य बैठक में रखा जाये।

कृपया पत्र की पावती भेजें|

भवदीय,

((जे एन पेरुमल))
निदेशक (प्रशासन)

संलग्नः यथोपरि

भारतीय लेखापरीक्षा तथा लेखा विभाग
INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
प्रथम तल, बसव भवन, श्री बसवेश्वर रोड, बेंगलूर – 560 001.
1st Floor, Basava Bhavan, Sri Basavesware Road, Bengaluru - 560 001.

दू.भा./Phone : 2226 7646 / 2226 1168
Email : mabbangalore@cag.gov.in
फैक्स /Fax : 080-2226 2491

COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) READ WITH SECTION 129(4) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE CONSOLIDATED FINANCIAL STATEMENTS OF BHARAT ELECTRONICS LIMTED, BENGALURU FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2023

The preparation of consolidated financial statements of **Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2023 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act) is the responsibility of the management of the company. The statutory auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under section 139(5) read with section 129(4) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under section 143 read with section 129(4) of the Act based on independent audit in accordance with the standards on auditing prescribed under section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 20 May 2023.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit of the consolidated financial statements of **Bharat Electronics Limited, Bengaluru** for the year ended 31 March 2023 under section 143(6) (a) read with section 129(4) of the Act. We conducted a supplementary audit of the financial statements of **Bharat Electronics Limted, Bengaluru and BEL Thales Systems Limited, Bengaluru but did not conduct** supplementary audit of the financial statements of **BEL Optronics Devices Limited, Pune** for the year ended on that date. **Further, section 139(5) and 143(6)(a) of the Act are not applicable to GE BE Private Limited, Bengaluru being private entity for appointment of their Statutory Auditor and for conduct of supplementary audit. Accordingly, Comptroller and Auditor General of India has neither appointed the Statutory Auditor nor conducted the supplementary audit of this company.** This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the statutory auditors and is limited primarily to inquiries of the statutory auditors and company personnel and a selective examination of some of the accounting records.

On the basis of my supplementary audit, nothing significant has come to my knowledge which would give raise to any comment upon or supplement to the statutory auditors' report under section 143(6)(b) of the Act.

For and on behalf of the
Comptroller & Auditor General of India

(Rajesh Ranjan)
Principal Director of Audit (Defence-Commercial)

Place: Bengaluru
Date: 14 July 2023

समेकित तुलन-पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
परिसंपत्तियाँ			
(1) गैर-चालू परिसंपत्तियाँ			
(क) संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	1	2,69,431	2,50,937
(ख) पूँजीगत चालू कार्य	2	36,123	44,593
(ग) निवेश संपत्ति	3	6	7
(घ) अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4	26,849	16,582
(ङ) विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5	49,371	56,011
(च) संबंद्ध कंपनी में निवेश		20,073	23,292
(छ) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) निवेश	6	44,926	1,33,910
(ii) व्यापार प्राप्य	7	-	-
(iii) ऋण	8	656	728
(iv) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	2,045	2,417
(ज) आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	10	50,372	62,094
(झ) वस्तुसूचियाँ	11	587	2,734
(ञ) अन्य गैर-चालू परिसंपत्तियाँ	12	43,904	68,382
		5,44,343	**6,61,687**
(2) चालू परिसंपत्तियाँ			
(a) वस्तुसूचियाँ	11	6,44,804	5,59,190
(b) वित्तीय परिसंपत्तियाँ			
(i) व्यापार प्राप्य	7	7,03,348	6,10,809
(ii) नकद और नकद समतुल्य	13	3,94,569	1,30,086
(iii) बैंक शेष [उपर्युक्त (ii) के अलावा]	14	4,16,589	6,26,288
(iv) ऋण	8	172	148
(v) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	9	20,342	10,254
(c) चालू कर परिसंपत्तियाँ (निवल)	15	40,314	14,474
(d) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	12	7,84,636	7,78,122
		30,04,774	**27,29,371**
कुल परिसंपत्तियाँ		**35,49,117**	**33,91,058**
इक्विटी और देयताएं			
इक्विटी			
(a) इक्विटी शेयर पूँजी	16	73,098	24,366
(b) अन्य इक्विटी		13,13,065	12,04,227
कंपनी के स्वामियों के कारण सृजित कुल इक्विटी		**13,86,163**	**12,28,593**
नियंत्रणेतर ब्याज		1,775	1,634
कुल इक्विटी		**13,87,938**	**12,30,227**

समेकित तुलन-पत्र

(₹ लाख में)

विवरण	टिप्पणी सं.	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
देयताएं			
(1) गैर-चालू देयताएँ			
(क) आस्थगित आय	17	13,395	14,843
(ख) वित्तीय देयताएँ			
(i) उधार	18	-	-
(iक) पट्टा देयताएं		5,942	5,151
(ii) व्यापार प्रदेय	19		
- सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के कुल बकाया देय; और		-	-
- सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों को कुल बकाया देय		37	34
(iii) अन्य वित्तीय देयताएँ	20	473	2,022
(ग) प्रावधान	21	84,465	1,80,532
(घ) अस्थगित कर देयताएँ (निवल)	10	289	145
(ङ) अन्य गैर-चालू देयताएँ	22	-	-
		1,04,601	**2,02,727**
(2) चालू देयताएँ			
(क) आस्थगित आय	17	1,665	1,654
(ख) वित्तीय देयताएँ			
(i) उधार	18	-	-
(iक) पट्टा देयताएं		192	119
(i) व्यापार प्रदेय	19		
- सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के कुल बकाया देय; और		20,754	24,844
- सूक्ष्म उद्यमों एवं लघु उद्यमों के अलावा लेनदारों को कुल बकाया देय		3,12,284	3,12,086
(ii) अन्य वित्तीय देयताएँ	20	1,29,023	96,043
(ग) अन्य चालू देयताएँ	22	15,29,906	14,80,907
(घ) प्रावधान	21	62,754	42,382
(ङ) चालू कर देयताएँ (निवल)	15	-	69
		20,56,578	**19,58,104**
कुल इक्विटी और देयताएं		**35,49,117**	**33,91,058**

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

लाभ व हानि का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
I	प्रचालनों से राजस्व	23	17,73,444	15,36,818
II	अन्य आय	24	28,080	23,154
III	**कुल आय (I + II)**		**18,01,524**	**15,59,972**
IV	**व्यय**			
	क खपत सामग्री की लागत		9,35,601	8,09,336
	ख भंडार और खपत पुर्जों की लागत		3,698	3,059
	ग व्यापारगत स्टॉक की खपत		82,785	1,05,349
	घ तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तु सूचियों में परिवर्तन	25	(39,328)	(28,028)
	ङ कर्मचारी अनुलाभ व्यय	26	2,31,734	2,12,801
	च वित्त लागत	27	1,495	505
	छ मूल्यह्रास एवं परिशोधन व्यय	28	42,882	40,113
	ज अन्य व्यय	29	1,50,366	1,00,213
	कुल व्यय (क से ज)		**14,09,233**	**12,43,348**
V	**असाधारण मदों, इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट के निवल लाभ के हिस्से और कर से पहले लाभ (III - IV)**		**3,92,291**	**3,16,624**
VI	**असाधारण मदें**		-	-
VII	**इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट के निवल लाभ के हिस्से और कर से पहले लाभ (V - VI)**		**3,92,291**	**3,16,624**
VIII	**कर व्यय**	10		
	- चालू कर		87,747	91,431
	- पूर्व के वर्षों का कर		(2,001)	6
	- आस्थगित कर		12,510	(10,259)
	कराधान का कुल प्रावधान		**98,256**	**81,178**
IX	**इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट के निवल लाभ के हिस्से और कर से पहले लाभ (VII - VIII)**		**2,94,035**	**2,35,446**
X	इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट के निवल लाभ का हिस्से		4,589	4,576
XI	**वर्ष का लाभ (IX - X)**		**2,98,624**	**2,40,022**
XII	**अन्य व्यापक आय/(हानि)**			
	ऐसी मदें जिन्हें लाभ या हानि के बाद पुन:वर्गीकृत नहीं किया जाएगा			
	- निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / परिसंपत्ति का पुनर्मापन		(22,189)	(19,926)
	- अन्य व्यापक आय द्वारा इक्विटी विलेख		2	1
	- इक्विटी विधि के तहत परिकलित एसोसिएट की कुल व्यापक आय का हिस्सा (निवल कर)		2	(6)
	- इन मदों से संबंधित आय कर		5,583	5,014
	कुल अन्य व्यापक आय /(हानि) (निवल कर)		**(16,602)**	**(14,917)**
XIII	**वर्ष की कुल व्यापक आय (IX + X) डवर्ष के लाभ तथा अन्य व्यापक आय सहित.**		**2,82,022**	**2,25,105**

लाभ व हानि का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

क्र. सं.	विवरण	टिप्पणी सं.	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
XIV	निम्नलिखित से संबंधित निवल लाभ/ (हानि)			
	क) कंपनी के स्वामी		2,98,442	2,39,887
	ख) नियंत्रण रहित हित		182	135
	निम्नलिखित से संबंधित अन्य व्यापक आय			
	क) कंपनी के स्वामी		(16,602)	(14,917)
	ख) नियंत्रण रहित हित		-	-
	निम्नलिखित से संबंधित कुल व्यापक आय			
	क) कंपनी के स्वामी		2,81,840	2,24,970
	ख) नियंत्रण रहित हित		182	135
XV	**प्रति इक्विटी शेयर आर्जन (₹ 1/- प्रत्येक का अंकित मूल्य)**	30(1)		
	(1) मूल [आईएनआर में]		4.09	3.28
	(2) परिवर्तित [आईएनआर में]		4.09	3.28

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते गुरु एंड जना
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

क. इक्विटी शेयर पूँजी

	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2022 को शेष		24,366
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तन		
- शेयर जारी करना	16	48,732
- शेयरों की पुनखरीद		-
31 मार्च 2023 को शेष		**73,098**

	टिप्पणी सं.	राशि
यथा 1 अप्रैल 2021 को शेष		24,366
वर्ष के दौरान इक्विटी शेयर पूँजी में परिवर्तन		
- शेयर जारी करना	16	-
- शेयरों की पुनखरीद		-
31 मार्च 2022 को शेष		**24,366**

ख. अन्य इक्विटी

		प्रारक्षण व अधिशेष					अन्य प्रारक्षण			
	टिप्पणी सं.	पूँजीगत प्रारक्षण *	सहायक कंपनी के समेकन पर पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजी मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्रतिधारित अर्जन	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी विलेख *	अन्य व्यापक आय *	नियंत्रण रहित हित	कुल अन्य इक्विटी
1 अप्रैल 2022 को शेष		4,669	362	1,868	4,39,546	8,01,007	9	(43,234)	1,634	12,05,861
वर्ष का लाभ		-	-	-	-	2,98,624	-		182	2,98,806
समेकन समायोजन		-	-	-	-	(182)	-		-	(182)
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	-	2	(16,604)	-	(16,602)
कुल		**4,669**	**362**	**1,868**	**4,39,546**	**10,99,449**	**11**	**(59,838)**	**1,816**	**14,87,883**
सामान्य प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	-	40,000	(40,000)	-	-	-	-
पूँजीगत प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	-	-	-	-	-	-	-
स्वामी के ओहदे में स्वामियों के साथ लेनदेन										
लाभांश	16	-	-	-	-	(1,24,270)	-	-	(41)	(1,24,311)
शेयर जारी करना	16	-	-	-	(48,732)	-	-	-	-	(48,732)
शेयरों की पुनर्खरीद	16	-		-	-	-	-	-	-	-
यथा 31 मार्च 2023 को शेष		**4,669**	**362**	**1,868**	**4,30,814**	**9,35,179**	**11**	**(59,838)**	**1,775**	**13,14,840**

इक्विटी में परिवर्तन का समेकित विवरण

(₹ लाख में)

	टिप्पणी सं.	प्रारक्षण व अधिशेष					अन्य प्रारक्षण			
		पूँजीगत प्रारक्षण *	सहायक कंपनी के समेकन पर पूँजीगत प्रारक्षण *	पूँजी मोचन प्रारक्षण *	सामान्य प्रारक्षण	प्रतिधारित अर्जन	अन्य व्यापक आय के माध्यम से इक्विटी विलेख *	अन्य व्यापक आय *	नियंत्रण रहित हित	कुल अन्य इक्विटी
1 अप्रैल 2021 को शेष		4,669	362	1,868	3,99,546	7,03,455	8	(28,316)	1,499	10,83,091
वर्ष का लाभ		-	-	-	-	2,40,022	-	-	135	2,40,157
समेकन समायोजन		-	-	-	-	(135)	-	-	-	(135)
वर्ष के दौरान परिवर्धन		-	-	-	-	-	1	(14,918)	-	(14,917)
कुल		**4,669**	**362**	**1,868**	**3,99,546**	**9,43,342**	**9**	**(43,234)**	**1,634**	**13,08,196**
सामान्य प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	-	40,000	(40,000)	-		-	-
पूँजीगत प्रारक्षण को अंतरित राशि		-	-	-	-	-	-		-	-
स्वामी के ओहदे में स्वामियों के साथ लेनदेन										
लाभांश	16	-	-	-	-	(1,02,335)	-		-	(1,02,335)
शेयर जारी करना	16	-	-	-	-	-	-	-	-	-
शेयरों की पुनर्खरीद	16	-	-	-	-	-	-		-	-
यथा 31 मार्च 2022 को शेष		**4,669**	**362**	**1,868**	**4,39,546**	**8,01,007**	**9**	**(43,234)**	**1,634**	**12,05,861**

* टिप्पणी 16 (ख) देखें .

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा हैं।

हमारी संलग्न समान दिनांक की रिपोर्ट के अनुसार।

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) एवं सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

समेकित नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
क. प्रचालनीय कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति -		
संबंद्ध संस्थान के शेयर के बाद परंतु असाधरण मदों और कर से पहले लाभ	3,96,880	3,21,200
इनके लिए समायोजन		
मूल्यहास एवं परिशोधन व्यय	42,882	40,113
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों का प्रावधान	544	-
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ, जिन्हें प्रभारित किया गया	1,950	-
अन्य प्रावधान - संविदा लागत	4,180	-
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व	5,770	5,348
सरकारी अनुदान से अंतरण	(1,665)	(1,713)
ब्याज की आय	(26,088)	(17,645)
पट्टे की देयता पर ब्याज	370	306
वित्त लागत	1,125	199
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री पर लाभ	(152)	(45)
कार्यशील पूँजी में परिवर्तन से पहले प्रचालनीय लाभ	**4,25,796**	**3,47,763**
निम्नलिखित के कारण वृद्धि / (कमी)		
व्यापार प्राप्य	(92,539)	45,390
ऋण	48	12
अन्य वित्तीय परिसंपत्तियां	(9,456)	(3,456)
अन्य परिसंपत्तियाँ	13,784	(1,15,459)
वस्तु सूचियाँ	(83,467)	(61,188)
व्यापार देय	(3,889)	7,045
अन्य वित्तीय देयताएँ	32,025	6,093
प्रावधान	(97,882)	26,755
अन्य देयताएँ	48,999	2,60,611
चालू कर परिसंपत्तियाँ	(15,411)	(12,415)
प्रचालनों से जनित नकद	**2,18,008**	**5,01,151**
अदा किया गया आय कर (निवल)	(91,322)	(80,429)
असाधारण मदों से पहले नकदी प्राप्ति	**1,26,686**	**4,20,722**
असाधारण मदें	-	-
प्रचालनीय कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकद	**1,26,686**	**4,20,722**
ख. निवेश संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति-		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण तथा अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की खरीद	(59,045)	(55,456)
अनुदान की प्राप्ति	228	-
संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण की बिक्री से प्राप्ति	170	740
मियादी जमा तथा अन्य बैंक शेष से वृद्धि / (कमी)	2,09,439	(4,23,480)
अन्य निवेश	92,204	(26,615)
प्राप्त ब्याज	26,088	17,645
निवेश संबंधी कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**2,69,084**	**(4,87,166)**

समेकित नकदी प्राप्ति विवरण

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
ग. वित्त संबंधी कार्यकलापों से नकदी प्राप्ति-		
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च	(5,079)	(4,757)
अदा किया गया लाभांश	(1,24,280)	(1,02,331)
पट्टे की देयताओं की चुकौती	(433)	(167)
पट्टे की देयता पर ब्याज	(370)	(306)
वित्त लागत	(1,125)	(199)
वित्त संबंधी कार्यकलापों से / (में प्रयुक्त) निवल नकदी	**(1,31,287)**	**(1,07,760)**
नकद और नकद समतुल्यों में निवल वृद्धि / (कमी) (क+ख+ग)	**2,64,483**	**(1,74,204)**
वर्ष के प्रारंभ में नकद और नकद समतुल्य	**1,30,086**	**3,04,290**
वर्ष के अंत में नकद और नकद समतुल्य	**3,94,569**	**1,30,086**

1. वित्त संबंधी कार्यकलापों के कारण देयताओं के संबंध में निर्धारित नकद-इतर परिवर्तन
   (i) मूल कंपनी - कुछ नहीं (कुछ नहीं)
   (ii) सहायक कंपनी बेलोप - कुछ नहीं (कुछ नहीं)
   (iii) सहायक कंपनी बीईएल-थेलेस - कुछ नहीं (कुछ नहीं)

2. उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ एवं साथ में दी गई टिप्पणियाँ वित्तीय विवरणों का अभिन्न हिस्सा है ।

हमारी इसी दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) व सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 1 - संपत्ति, संयंत्र एवं उपकरण

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2022	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 1 अप्रैल 2022 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष का मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2022
स्वामित्व की परिसंपत्ति										
पूर्णस्वामित्व की भूमि	14,317	44	-	14,361	-	-	-	-	14,361	14,317
सड़क और पुलिया	2,271	593	-	2,864	513	127	-	640	2,224	1,758
इमारतें	88,544	10,721	-	99,265	15,558	3,797	-	19,355	79,910	72,986
संस्थापनाएँ	5,120	968	94	5,994	2,880	495	93	3,282	2,712	2,240
संयंत्र और मशीनरी	1,76,043	28,799	133	2,04,709	85,993	17,788	130	1,03,651	1,01,058	90,050
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	64,805	3,231	59	67,977	44,659	6,823	59	51,423	16,554	20,146
अनु. व वि. लैब के उपकरण	52,491	7,761	66	60,186	37,467	7,202	60	44,609	15,577	15,024
वाहन	1,096	214	53	1,257	644	156	45	755	502	452
कार्यालयीन उपकरण	14,091	3,437	111	17,417	9,536	1,869	111	11,294	6,123	4,555
फर्नीचर, फिक्सर तथा अन्य उपस्कर	10,178	971	50	11,099	5,892	924	50	6,766	4,333	4,286
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	65	65	-	-	65	-	-
परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार										
पट्टाधारित भूमि	21,055	-	-	21,055	353	161	-	514	20,541	20,702
अन्य परिसंपत्तियों का पट्टा	4,862	1,468	205	6,125	441	353	205	589	5,536	4,421
कुल	**4,54,938**	**58,207**	**771**	**5,12,374**	**2,04,001**	**39,695**	**753**	**2,42,943**	**2,69,431**	**2,50,937**

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास/परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2021	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 1 अप्रैल 2021 को संचित मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष का मूल्यह्रास / परिशोधन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
स्वामित्व की परिसंपत्ति										
पूर्णस्वामित्व की भूमि	13,711	606	-	14,317	-	-	-	-	14,317	13,711
सड़क और पुलिया	2,216	55	-	2,271	396	117	-	513	1,758	1,820
इमारतें	82,826	5,718	-	88,544	12,158	3,400	-	15,558	72,986	70,668
संस्थापनाएँ	4,847	275	2	5,120	2,432	450	2	2,880	2,240	2,415
संयंत्र और मशीनरी	1,61,274	14,915	146	1,76,043	70,442	15,697	146	85,993	90,050	90,832
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	60,147	5,169	511	64,805	37,802	7,220	363	44,659	20,146	22,345
अनु. व वि. लैब के उपकरण	46,958	5,567	34	52,491	30,260	7,241	34	37,467	15,024	16,698
वाहन	875	271	50	1,096	540	136	32	644	452	335
कार्यालयीन उपकरण	12,260	1,882	51	14,091	7,837	1,750	51	9,536	4,555	4,423
फर्नीचर, फिक्सर तथा अन्य उपस्कर	9,439	802	63	10,178	5,014	940	62	5,892	4,286	4,425
प्रायोजित अनुसंधान के लिए अर्जित परिसंपत्तियाँ	65	-	-	65	65	-	-	65	-	-
परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार										
पट्टाधारित भूमि	20,839	757	541	21,055	203	163	13	353	20,702	20,636
अन्य परिसंपत्तियों का पट्टा	440	4,459	37	4,862	198	280	37	441	4,421	242
कुल	**4,15,897**	**40,476**	**1,435**	**4,54,938**	**1,67,347**	**37,394**	**740**	**2,04,001**	**2,50,937**	**2,48,550**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 2,081.80 एकड़ (2,081.80 एकड़) और पट्टाधारित भूमि में 992.66 एकड़ (992.66 एकड़) शामिल हैं।

ii. पूर्ण स्वामित्व की भूमि में 5.32 एकड़ (5.32 एकड़) व्यावसायिक / धार्मिक संगठनों को पट्टाधारित एवं उनके कब्ज़े में शामिल है ।

iii. पट्टाधारित भूमि में निर्माण के दौरान सरकारी संगठन को पट्टे पर दी गई 9.62 एकड़ (9.62 एकड़) है जो वर्षांत में एनसीआरटीसी के अधिकार में है।

iv. सहायक कंपनी डबेलोप.ने नए नियमों और शर्तों पर 95 वर्ष के नवीकरणीय विकल्प के साथ दिनांक 25.11.1991 को ₹ 21 साल की लागत पर एमआईडीसी से 95 वर्ष के लिए 3.38 एकड़ जमीन पट्टे पर ली है ।

v. मूल कंपनी की आर एंड डी परिसंपत्तियों के परिवर्धन में केंद्रीय अनुसंधान प्रयोगशालाओं / उत्पाद विकास एवं नवोन्मेष केंद्र और नवी मुंबई यूनिट की परिसंपत्तियों से संबंधित ₹ 2,440 (रु.₹ 995), और ₹ 205 (कुछ नहीं) शामिल हैं जिन्हें प्राकृतिक कूट शीर्षों के तहत परिकलित किया गया है।

vi. इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के मूल्य में कुछ नहीं (₹ 886) मूल्य की पीओएस मशीनें शामिल हैं जो हरियाणा सरकार (प्रचालित पट्टा) के नियंत्रण में हैं।

vii. **स्थल पुन:स्थापन बाध्यता**

पवन चक्की और सौर शक्ति संयंत्रों के संबंध में स्थल पुन:स्थापन बाध्यता के लिए टिप्पणी 21 देखें ।

संयंत्र और मशीनरी के सकल ब्लॉक मूल्य में पवन चक्की और सौर शक्ति संयंत्रों से संबंधित ₹ 2355 (₹ 2318) की स्थल पुन:स्थापन बाध्यता शामिल है।

viii **संविदाजन्य प्रतिबद्धताएं**

बकाया संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30(9) देखें।

ix. **मानी गई लागत**

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है ।

x. **परिसंपत्तियाँ के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन**

प्रबंधन ने परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन के जोखिम आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए मूर्त परिसंपत्तियों (जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में दर्शित उपयोगी जीवनकाल से अलग हैं) के विभिन्न वर्गों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन किया है।

मूल कंपनी के मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
भवन	20 - 40
सड़क और पुलिया	20 - 40
संस्थापना	10
संयंत्र एवं मशीनरी	2 - 25
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	5 - 7
वाहन	4 - 5
कार्यालयीन उपकरण	5 - 7
फर्नीचर, जुड़नार और उपकरण	6 - 10
अनु. व वि. लैब के उपकरण	5

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

सहायक, सहयोगी के संबंध में कंपनी अधिनियम 2013 की अनुसूची II के अनुसार केवल निम्न मामलों को छोड़कर अनुमानित उपयोगी जीवनकाल को अभिस्वीकृत किया गया है -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
बेलॉप	
संयंत्र एवं मशीनरी - निरंतर प्रक्रिया संयंत्र	15
बीईएल थैलेस	
संयंत्र एवं मशीनरी	5 - 15
इलेक्ट्रॉनिक उपकरण	5
कंप्यूटर प्रणाली	5

xi. मूल्यह्रास / परिशोधन

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

पट्टे की परिसंपत्तियों को उनके प्राक्कलित जीवकाल या उनकी संबंधित पट्टा अवधि, इनमें से जो भी कम हो, के आधार पर सीधी रेखा के आधार पर परिशोधित किया जाता है।

xii. मूल्यह्रास के लेखांकन की विधि

मूल्यह्रास/परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित किया गया है। अन्य परिसंपत्तियों के लागत के भाग के रूप में अभिचिह्नित मूल्यह्रास राशि कुछ नहीं (कुछ नहीं) है।

xiii. परिसंपत्तियों का ह्रास

टिप्पणी 30 (7) देखें।

xiv. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण के लिए भुगतान किए गए असमायोजित पूँजी अग्रिम के संबंध में टिप्पणी 12 देखें।

xv. कुछ यूनिटों में सरकार से निशुल्क अधिग्रहित भूमि का परिकलन भारतीय एएस 101 के प्रावधानों के अनुरूप किया गया है।

xvi. पंजीकरण लंबित मुकदमेबाजी आदि का विवरण (मूल कंपनी)

क. बीईएल, हैदराबाद को मल्लापुर में आबंटित 5.60 एकड़ (5.60 एकड़) की भूमि के संबंध में हक / बिक्री विलेख किया जाना और आंध्र प्रदेश औद्योगिक अवसंरचना निगम (एपीआईआईसी) द्वारा आबंटित भूमि का वास्तविक अधिकार सौंपा जाना लंबित होने और मामला मुकदमेबाजी में होने के कारण, लेखा बहियों में पंजीकरण और अन्य लागतों का कोई प्रावधान नहीं किया गया। एपीआईआईसी को अदा की गई भूमि की लागत रु. 65 (रु. 65) पूंजी अग्रिम में शामिल की गई है।

ख. रक्षा प्राधिकारियों के साथ किए गए समझौता ज्ञापन के आधार पर, ऐसी परिसंपत्तियां जो बीईएल को आवंटित भूमि पर निर्मित की गई हैं और जो बीईएल के अधिकार में हैं, को हैदराबाद यूनिट स्थापित करने के लिए संबंधित शीर्षों के तहत पूंजीकृत किया गया है। संबंधित प्राधिकारियों द्वारा निबंधन व शर्तों को अंतिम रूप दिया लंबित होने पर, 25.11 एकड़ (25.11 एकड़) की भूमि की लागत को लेखा बहियों में हिसाब में नहीं लिया गया है।

ग. इब्राहिपटनम में एपीआईआईआईसी / टीएसआईआईसी द्वारा आवंटित 122.82 एकड़ (122.82 एकड़) भूमि जिसका कब्जा दिया गया है जिसका बिक्री विलेख लंबित है ।

घ. 22.375 एकड़ (22.375 एकड़) की भूमि जो ऊपर उल्लिखित पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि का भाग है, के लिए दिनांक 31.01.2015 को टीएसआईआईसी से अतिरिक्त क्षतिपूर्ति के लिए नगर सिविल न्यायालय, हैदराबाद द्वारा की गई डिक्री की क्षतिपूर्ति राशि का 50% के रूप में ₹ 256 (₹ 256) की डिमांड प्राप्त हुई है। यह डिमांड विवाद के अधीन है, इसलिए, लेखा बहियों में इसके संबंध में कोई प्रावधान नहीं किया गया है।

ङ. 1.22 एकड़ (1.22 एकड़) की पूर्ण स्वामित्व की भूमि जो 1.24 एकड़ (1.24 एकड़) भूमि सौंपने के एवज में सरकारी प्राधिकारियों द्वारा आबंटित की गई थी, मुकदमेबाज़ी के अधीन है ।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

च. कंपनी ने तीन स्थलों में पवन चक्की जनरेटर स्थापित किए हैं। पवन चक्की जनरेटर-I को वर्ष 2006-07 में पट्टे की भूमि में पूँजीकृत किया गया। इस पट्टे का अग्रिम किराया कुछ नहीं है और भूमि के पट्टे के करार को अंतिम रूप दिया जाना लंबित है । पवन चक्की जनरेटर - II को ₹ 36 के पट्टे का अग्रिम किराया अदा करते हुए पट्टाधारित भूमि पर वर्ष 2007-08 में पूँजीकृत किया गया। भूमि के पट्टे के करार को अंतिम रूप दिया जाना लंबित है।

छ. 0.566 एकड़ (0.30 एकड़) की भूमि का हक विलेख विवाद में है। तीन मामले सिविल न्यायालय, अम्बाला, एसडीएम सह सहायक आयुक्त, यूटी, चंडीगढ़ और जिला न्यायालय, पंचकुला में लंबित हैं।

ज. पालसमुद्रम (डिफेंस सिस्टम इंटग्रेशन कॉमप्लेक्स-डीएसआईसी), अनंतपुर जिला, आंध्र प्रदेश में 913.99 एकड़ (913.99 एकड़) की भूमि की बिक्री विलेख को अंतिम रूप देना लंबित है।

झ. पठानकोट में 8.93 एकड़ (8.93 एकड़) की पट्टेवाली भूमि को पूर्णस्वामित्व की भूमि में परिवर्तित किया गया और मई 2022 में पंजीकृत किया गया।

ञ. सोहना (हरियाणा) में 12.52 एकड़ की भूमि जिसका परिवर्तन संबंधित तहसीलदार (गाज़ियाबाद) के पास लंबित है।

xvii. मूल कंपनी ने ओ.एफ.बी. मेडक, इटारसी, बोलांगीर और एच.वी.एफ. आवड़ी, जीसीएफ जबलपुर, वीएफजे जबलपुर, हजरतपुर, मुरादनगर, नालंदा, एमएसएफ इशापुर में प्रत्येक संयंत्र के लिए वार्षिक पट्टा किराया के रूप में आई.एन.आर. [परम अंक दर्शाता है] का नाममात्र मूल्य अदा करते हुए पट्टे की भूमि पर सौर शक्ति संयंत्र स्थापित किया है।

xviii. मूल कंपनी ने 3 मेगावॉट हासन और 8.4 मेगावॉट दावणगेरे के लिए पूर्वदत्त किराए का भुगतान किया है जिसे भारतीय लेखा मानक 116 अपनाने के कारण प्रयोग के अधिकार के रूप में पूंजीकृत किया गया है।

xix. मूल कंपनी के पास देवनहल्ली, बेंगलूरु में स्थित 31.15 एकड़ (31.15 एकड़) की भूमि है जिसे कर्नाटक औद्योगिक क्षेत्र विकास बोर्ड (केआईएडीबी) से प्राप्त किया गया है और ₹ 7,974 (₹ 7,856) की भूमि के पंजीकरण की लागत के साथ भूमि की लागत को पट्टाधारित भूमि के तहत पूंजीकृत किया गया है। पट्टा करार के निबंधनों के अनुसार, परियोजना के सफल कार्यारंभ पर, इसे पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि में रूपांतरित किया जाएगा।

xx. कर्मचारियों के क्वार्टर के प्रति ₹ 974 (₹ 729) (समायोजित ब्याज की आय) की उधार लागत पूँजीकृत किया है । पूँजीकरण दर प्रति वर्ष 6.47% (प्रति वर्ष 6.47%) है।

xxi. वर्ष के दौरान खर्च की गई अल्पकालिक पट्टे की राशि शून्य (शून्य) है।

xxii. 29 वर्षों के लिए 50 एकड़ के पट्टे के लिए तमिल नाडु इंडस्ट्रियल एक्सप्लोज़िव लि. (टीईएल) चेन्नै के साथ पट्टा करार किया गया और वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान ₹ 5,166 के कुल मूल्य के आर.ओ.यू. के रूप में पूंजीकृत किया गया। पट्टे की देयता पर ब्याज व्यय ₹ 289 है। भारतीय-एएस 116 के अनुसार 6.95% बट्टा दर (यानी लागू वृद्धिशील उधार दर) पर विचार किया गया। टीईएल के पट्टे का कुल नकदी प्रवाह ₹ 13,685 है।

xxiii. ``इलेक्ट्रॉनिक्स कंप्यूटर सिस्टम´´ से संबंधित उपकरण जिसका सकल ब्लॉक ₹ 3 (₹ 3) और संचित मूल्यह्रास ₹ 3 (₹ 3) और ``विविध अनुरक्षण उपकरण´´ से संबंधित उपकरण जिसका सकल ब्लॉक ₹ 2 (₹ 2) और संचित मूल्यह्रास ₹ 1 (रु. 1) है, नौसैनिक गोदी, वैजाग में है।

xxiv. यूनिट द्वारा डीएवी पब्लिक स्कूल को पट्टाधारित भूमि का हिस्सा प्रदान किया गया था। यूनिट ने इसे खाली कराने के लिए डीएवी पब्लिक स्कूल के समक्ष मामला दाखिल किया है (मूल कंपनी की गाज़ियाबाद यूनिट)।

xxv. 4 अतिरिक्त वर्षों की विस्तारित अवधि (कुल पट्टा अवधि 6 वर्ष है) के लिए 2 वर्षों हेतु जगह के पट्टे के लिए क्यूबएक्सप्रो, विशाखापट्टणम के साथ पट्टा करार किया गया है जिसे ₹ 780 के कुल मूल्य की आरओयू परिसंपत्ति के रूप में वर्ष के दौरान पूंजीकृत किया गया।

पट्टे की देयता पर ब्याज व्यय ₹ 205 है। भारतीय एएस 116 के अनुसार इन व्ययों की गणना करने के लिए बट्टे की दर के लिए प्रयुक्त दर 7.66% प्रतिवर्ष है। एसडीसी-वैजाग के पट्टे की कुल नकदी प्राप्ति ₹ 986 है।

xxvi. वर्ष के दौरान पट्टे का चुकतान ₹ 433 (₹ 167) है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 2 - पूँजीगत चालू कार्य

	यथा 31 मार्च 2023		यथा 31 मार्च 2022	
सिविल निर्माण कार्य	25,740		20,913	
संयंत्र एवं मशीनरी	4,676		21,592	
अन्य	5,532		1,643	
मार्गस्थ पूँजीगत मदें	299		569	
		36,247		44,717
घटाएँ - ह्रास का प्रावधान		(124)		(124)
		36,123		**44,593**

पूंजीगत चालू कार्य 2022-2023

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	7,435	8,225	3,291	2,370	21,321
अन्य	13,460	889	242	211	14,802
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	124	124
अनर्जकता का प्रावधान	-	-	-	(124)	(124)
कुल	**20,895**	**9,114**	**3,533**	**2,581**	**36,123**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
एलआरसैम अवसंरचना सुविधा	2,520	-	-	-	2,520
डीएसआईसी पालसमुद्रम	592	-	-	274	866
परियोजना - इब्राहिमपट्नम	-	309	-	-	309
उत्पादन भवन	-	124			124
एमडबल्यूसी भवन	-	106	-	-	106
टीईएल सुविधा	95	-	-	-	95
ईवीएम परियोजना	63	-	-	-	63
एमसीजी सीएडीडीएस भवन	-	38	-	-	38
बीएमएस फेस II	31	-	-	-	31
फ्लैप बैरियर	-	-	26	-	26
डीसीसीएस हैंगर एमआईएससी वर्क्स	21	-	-	-	21
नवीकरण पीएस-एनसीएस	20	-	-	-	20
ऑटोमेटिक ह्यूमैसीलिंग	-	17	-	-	17
कुल	**3,342**	**594**	**26**	**274**	**4,235**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
उत्पादन भवन	-	124	-	-	124
कुल	**-**	**124**	**-**	**-**	**124**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

पूंजीगत चालू कार्य 2021-2022

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि के लिए सीडबल्यूआईपी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
चालू परियोजनाएं	22,073	7,245	2,821	6,629	38,768
अन्य	4,817	489	178	341	5,825
अस्थायी रूप से निलंबित परियोजनाएं	-	-	-	124	124
अनर्जकता का प्रावधान	-	-	-	(124)	(124)
कुल	**26,890**	**7,734**	**2,999**	**6,970**	**44,593**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
एलआरसैम अवसंरचना सुविधा	18,023	-	-	-	18,023
डीएसआईसी पालसमुद्रम	565	-	-	274	839
उत्पादन भवन	124	-	-	-	124
टीईएल फैक्टरी	104	-	-	-	104
एमडबल्यूसी भवन	11	-	-	87	98
परियोजना - इब्राहिमपट्नम	47	-	-	-	47
एमसीजी सीएडीडीएस भवन	-	-	-	38	38
फ्लैप बैरियर	-	26	-	-	26
कुल	**18,874**	**26**	**-**	**399**	**19,299**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं

सीडबल्यूआईपी	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
उत्पादन भवन	-	-	124	-	124
कुल	**-**	**-**	**124**	**-**	**124**

i. सिविल निर्माण में मुख्यत: उत्पादन संबंधी इमारत, अनु. व वि. इमारत और कर्मचारियों के क्वार्टर शामिल हैं।

ii. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के संबंध में टिप्पणी 30 (9) देखें।

iii. संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के लिए अदा किए गए असमायोजित पूँजी अग्रिम के लिए टिप्पणी 12 देखें।

iv. परिसंपत्तियों का ह्रास

मूल कंपनी के संबंध में, ₹ 124 के वहनीय मूल्य का निर्माणाधीन भवन को तीन वर्षों से अधिक अवधि के लिए रोका गया क्योंकि जिस ठेकेदार को यह कार्य दिया गया था, काम बंद कर रहा है और कार्य में कोई प्रगति नहीं हो रही थी। वर्ष 2021-22 के दौरान स्वतंत्र मूल्यांकन की रिपोर्ट के आधार पर आधिकारिक परिसमापक को ₹ 1,398 का दावा पेश किया गया। आधिकारिक परिसमापक (उच्च न्यायालय, मद्रास) ने बीईएल को देरी के लिए क्षमा के साथ दावा प्रस्तुत करने को कहा है। कंपनी इसे प्रस्तुत करने जा रही है। वित्तीय वर्ष 2018-19 में ₹ 124 की राशि अनर्जक थी। टिप्पणी 30 (7) देखें।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 3 - निवेश संपत्ति

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2022 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	1 अप्रैल, 2022 को	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2023	यथा 31 मार्च, 2022
पूर्ण स्वामित्व की भूमि*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
इमारतें	14	-	-	14	7	1	-	8	6	7
कुल	14	-	-	**14**	7	1	-	**8**	**6**	**7**

* पूर्ण स्वामित्व की भूमि में आईएनआर 3,830 (आईएनआर 3,830) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है।

विवरण	सकल वहनीय राशि				मूल्यह्रास				निवल वहनीय राशि	
	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	1 अप्रैल, 2021 को	वर्ष के लिए मूल्यह्रास	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2022	यथा 31 मार्च, 2021
पूर्ण स्वामित्व की भूमि*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
इमारतें	14	-	-	14	6	1	-	7	7	8
कुल	**14**	**-**	**-**	**14**	**6**	**1**	**-**	**7**	**7**	**8**

* पूर्ण स्वामित्व की भूमि में आईएनआर 3,830 (आईएनआर 3,830) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है ।

टिप्पणी 3 - निवेश संपत्ति

i. लाभ व हानि के विवरण में दर्शित राशि

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
क. किराए की आय	194	145
ख. किराए की आय प्रदान करने वाली संपत्ति से प्रत्यक्ष प्रचालनीय व्यय (आर एंड एम सहित)	-	-
ग. उपर्युक्त को छोड़कर प्रत्यक्ष प्रचालनीय व्यय (आर एंड एम सहित)	-	-
घ. मूल्यह्रास	1	1
ङ. निवेश संपत्ति से लाभ	193	144

ii. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (9) देखें।

iii. निवेश संपत्तियों का अंकित मूल्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2023 को	यथा 31 मार्च 2022 को
भूमि	2,896	2,896
इमारत	844	839

iv. भूमि जिसमें मूल कंपनी की 1.48 एकड़ (1.48 एकड़) की पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि शामिल है।

v. **अंकित मूल्य का प्राक्कलन**

मूल कंपनी ने निवेश संपत्ति के स्थान में इसी प्रकार की संपत्तियों के सरकारी मार्गदर्शी मूल्य (नगरपालिका मूल्य) के आधार पर निवेश संपत्ति के उचित मूल्य का प्राक्कलन किया है, पंजीकृत मूल्यांकक के मूल्यांकन के आधार पर नहीं। निवेश संपत्तियों के सभी परिणामी उचित मूल्य प्राक्कलन स्तर 2 में शामिल किए गए हैं।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

vi. **मानी गई लागत**

भारतीय ए.एस. (01.04.2015) अपनाने से, मूल कंपनी ने यथा 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी संपत्तियों, संयंत्रों और उपकरणों के वहनीय मूल्य को जारी रखने का विकल्प लिया जिन्हें पिछले जीएएपी के अनुसार मापा गया और इसमें वहनीय मूल्य को संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों की मानी गई लागत के रूप में प्रयोग किया जाता है।

vii. **परिसंपत्तियों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन**

मूल कंपनी ने परिसंपत्तियों की अपेक्षित उपयोगिता, तकनीकी और वाणिज्यिक अप्रचलन के जोखिम आदि जैसे कारकों पर विचार करते हुए मूर्त परिसंपत्तियों (जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में दर्शित उपयोगी जीवनकाल से अलग हैं) के विभिन्न वर्गों के उपयोगी जीवनकाल का प्राक्कलन किया है।

मूर्त परिसंपत्तियों के विभिन्न वर्गों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार हैं -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
इमारत	40

viii. **मूल्यह्रास**

मूल्यह्रास की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

मूल्यह्रास की राशि को लाभ व हानि के विवरण में व्यय के रूप में अभिचिह्नित किया जाता है।

ix. **मूल्यह्रास के लेखांकन की विधि**

मूल्यह्रास/परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में अभिचिह्नित किया गया है।

x. **परिसंपत्तियों की ह्रास**

चूँकि निवेश संपत्ति का अंकित मूल्य उसके वहनीय मूल्य से अधिक है, ह्रास का कोई संकेत नहीं है।

xi. निवेश की गई संपत्ति पर प्रतिबंध

भूमि भारत सरकार द्वारा आबंटित की गई है।

xii. पंजीकरण, लंबित मुकदमों आदि के विवरण

शून्य (शून्य)

टिप्पणी 4 - अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	सकल वहनीय राशि				परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2022को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2023	संचित परिशोधन यथा 1 अप्रैल 2022	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च 2023 को	यथा 31 मार्च 2023 को	यथा 31 मार्च 2022 को
अमूर्त परिसंपत्तियाँ - अन्य										
कंप्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम*	3	-	-	3	1	1	-	2	1	2
लाइसेंस शुल्क	18,424	10,842	-	29,266	8,750	1,252	-	10,002	19,264	9,674
साफ्टवेयर लाइसेंस / इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) का कार्यान्वयन	2,614	438	-	3,052	680	899	-	1,579	1,473	1,934
अन्य (विकास लागत)**	7,239	2,174	-	9,413	2,267	1,035	-	3,302	6,111	4,972
कुल	**28,280**	**13,454**	**-**	**41,734**	**11,698**	**3,187**	**-**	**14,885**	**26,849**	**16,582**

* वर्ष के परिशोधन में आईएनआर 25311 (आईएनआर 18,863) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है।

** इसमें अन्य विकास एजेंसियों को वित्तपोषण शामिल है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	सकल वहनीय राशि				परिशोधन				निवल वहनीय राशि	
	यथा 1 अप्रैल 2021को	वर्ष के दौरान परिवर्धन/ समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च, 2022	संचित परिशोधन यथा 1 अप्रैल 2021	वर्ष के दौरान समायोजन	वर्ष के दौरान कटौतियाँ / समायोजन	यथा 31 मार्च 2022 को	यथा 31 मार्च 2022 को	यथा 31 मार्च 2021 को
अमूर्त परिसंपत्तियाँ - अन्य										
कंप्यूटर ऑपरेटिंग सिस्टम*	2	1	-	3	1	-	-	1	2	1
लाइसेंस शुल्क	18,424	-	-	18,424	7,500	1,250	-	8,750	9,674	10,924
साफ्टवेयर लाइसेंस / इंटरप्राइज रिसोर्स प्लानिंग (ईआरपी) का कार्यान्वयन	291	2,323	-	2,614	286	394	-	680	1,934	5
अन्य (विकास लागत)**	6,919	320	-	7,239	1,193	1,074	-	2,267	4,972	5,726
कुल	**25,636**	**2,644**	**-**	**28,280**	**8,980**	**2,718**	**-**	**11,698**	**16,582**	**16,656**

* वर्ष के परिशोधन में आईएनआर 18,863 (आईएनआर 18,863) [समग्र अंक] शामिल है जिसे पूर्णांकित किया गया है।

** इसमें अन्य विकास एजेंसियों को वित्तपोषण शामिल है ।

i. मानी गई लागत

भा.ले.मा. एएस (01.04.2015) में संक्रमण पर, समूह ने पिछले सभी जीएएपी के अनुसार मापा गया 1 अप्रैल 2015 को अपनी सभी अमूर्त परिसंपत्तियों के वाहक मूल्य को जारी रखने के लिए चुना है और अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों की समेकित लागत के रूप में मूल्य का उपयोग किया है ।

ii. प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल

अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों (मूल कंपनी) का प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल इस प्रकार है -

परिसंपत्तियों का वर्ग	वर्ष
साफ्टवेयर लाइसेंस / इंटरप्राइज़ रिसोर्स प्लानिंग (ई.आर.पी.) का कार्यान्वयन	3
अन्य (विकास लागत)	3 - 15

iii. परिशोधन

परिशोधन की गणना परिसंपत्तियों के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा के आधार पर की जाती है।

परिशोधन की राशि को लाभ व हानि के विवरण में व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

iv. परिशोधन के लेखांकन की विधि

परिशोधन की गणना कंपनी की लेखा नीति संख्या 8 के अनुसार की गई है और इसे लाभ और हानि के विवरण में खर्च के रूप में निर्धारित किया गया है।

v. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (9) देखें।

vi. परिसंपत्तियों की ह्रास

टिप्पणी 30 (7) देखें।

vii. परिसंपत्तियों के अधिकार पर प्रतिबंध करार की शर्तें द्वारा नियंत्रित होता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 5 - विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
आंतरिक रूप से विकसित*	57,129	63,224
घटाएँ - ह्रास का प्रावधान	(7,758)	(7,213)
	49,371	**56,011**

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां 2022-2023

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि के लिए आईएयूडी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
चालू परियोजनाएं	4,212	18,920	1,656	30,864	55,652
अन्य	803	674	-	-	1,477
अनर्जकता का प्रावधान	(545)	-	-	(7,213)	(7,758)
कुल	**4,470**	**19,594**	**1,656**	**23,651**	**49,371**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
क्यूआर सैम	-	18,027	-	-	18,027
अतुल्य	8,435	-	-	-	8,435
जौआर के लिए डीजेएजी प्रणाली का विकास	6,404	-	-	-	6,404
सारक्षी के लिए क्यूटी मॉडल	459	-	-	-	459
एचईएमओ डायलिसिस मशीन	-	374	-	-	374
समुद्रिका परियोजना का विकास	342	-	-	-	342
सर्वधारी प्रणाली के लिए विकास कार्य	144	-	-	-	144
एएसयू का विकास	30	-	-	-	30
एंटि शिप एप्लि. के लिए एक्स-बैंड आरएफ सीकर	-	16	-	-	16
तुषार का यूईटी मॉडल	15	-	-	-	15
कुल	**15,829**	**18,417**	**-**	**-**	**34,246**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां 2021-2022

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि के लिए आईएयूडी में राशि				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
चालू परियोजनाएं	6,673	1,707	4,371	42,404	55,155
अन्य	856	-	277	6,936	8,069
अनर्जकता का प्रावधान	-	-	(277)	(6,936)	(7,213)
कुल	**7,529**	**1,707**	**4,371**	**42,404**	**56,011**

समापन अनुसूची - समय और लागत विस्तारण

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
क्यूआर सैम	17,105	-	-	-	17,105
अतुल्य	8,416	-	-	-	8,416
सारंग के लिए क्यूटी मॉडल	478	-	-	-	478
एएफसी गेट की डिज़ाइन और विकास	242	-	-	-	242
निकष सिस्टम का विकास कार्य	173	-	-	-	173
पॉरपाएज़ अपग्रेडेशन परियोजना	118	-	-	-	118
सर्वधारी सिस्टम का विकास कार्य	104	-	-	-	104
समुद्रिका परियोजना का विकास	97	-	-	-	97
सारक्षी का क्यूटी मॉडल	36	-	-	-	36
तुषार का यूईटी मॉडल	15	-	-	-	15
कुल	**26,784**	**-**	**-**	**-**	**26,784**

समापन अनुसूची - निलंबित परियोजनाएं

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियां	इस अवधि में पूरा किया जाना है				कुल
	1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्षों से अधिक	
	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**

* अन्य विकास एजेंसियों को वित्त पोषण शामिल है।

i. संविदाजन्य प्रतिबद्धताओं के लिए टिप्पणी 30 (9) देखें।

ii. परिसंपत्तियों का ह्रास [मूल कंपनी] -

₹ 545 (कुछ नहीं) की राशि का प्रावधान ह्रास के रूप में किया गया है क्योंकि विकास कार्य वर्तमान में जारी नहीं है और साथ ही, आर्थिक अनुलाभ सृजित करने के लिए कंपनी का आंकलन निश्चित नहीं है (टिप्पणी 30(7) देखें)।

वर्ष के दौरान लाभ-हानि विवरण के लिए 1,950 (शून्य) की राशि ली जाती है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 6 - निवेश

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
(I) इक्विटी विलेखों में निवेश (अनुद्धृत)		
(क) अन्य (एफवीओसीआई पर) (नीचे दी गई टिप्पणी v देखें)		
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि., हैदराबाद		
प्रत्येक ₹ 1000 पूर्ण चुकता के 500 (500) इक्विटी शेयर	15	13
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु		
प्रत्येक ₹ 1000 पूर्ण चुकता के 50 (50) इक्विटी शेयर	1	1
(II) अन्य निवेश (अनुद्धृत)		
क) कोऑपरेटिव सोसाइटियों में निवेश (लागत पर) *		
कफ़ परेड पर्सोपोलिस प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव सोसाइटी, मुंबई	-	-
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 40 (40) इक्विटी शेयर		
सुखसागर प्रिमाइसेस कोऑपरेटिव, सोसाइटी, मुंबई		
आईएनआर 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 10 (10) इक्विटी शेयर		
श्री सप्तरत्न कोऑप. सोसाइटी लि., मुंबई	-	-
आई.एन.आर.50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 10 (10) इक्विटी शेयर		
दालामल पार्क कोऑप. सोसाइटी लि., मुंबई		
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 5 (5) इक्विटी शेयर		
चंद्रलोक कोऑप. हाउसिंग सोसाइटी लि., पुणे	-	-
आई.एन.आर. 50 प्रत्येक पूर्ण चुकता के 30 (30) इक्विटी शेयर		
ख) अन्य (एफवीटीपीएल पर)		
भारतीय जीवन बीमा निगम (टिप्पणी ii देखें)	44,910	1,33,896
	44,926	**1,33,910**

* आईएनआर 4,750 (समग्र अंक) (आईएनआर 4,750) (समग्र अंक) जिसे पूर्णांकित किया गया। यह हाउसिंग सोसाइटियों में उनके उप-नियमों के अनुसार अर्जित शेयर का मूल्य दर्शाते हैं।

i.

विवरण	2022-23	2021-22
उद्धृत निवेशों का कुल मूल्य और उनका बाज़ार मूल्य	-	-
अनुद्धृत निवेशों का कुल मूल्य	44,926	1,33,910
निवेश के मूल्य में ह्रास की कुल राशि	-	-

ii. क. मूल कंपनी ने अपनी छुट्टी नकदीकरण देयताओं को एलआईसी के न्यू ग्रुप लीव नकदीकरण योजना में निवेश किया है।

ख. वर्ष के दौरान बीईआरईसीएचएस देयताओं से संबंधित एलआईसी का निवेश जो नए समूह में था अधिवर्षिता नकद संचय योजना को भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सेवानिवृत्त कर्मचारी चिकित्सा ट्रस्ट (बीआरईएमटी) को स्थानांतरित कर दिया गया है। (टिप्पणी 21 देखें)।

iii. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iv. मे. डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डी.आई.ओ.) में इक्विटी पूँजी के लिए आईएनआर 50,000 (समग्र अंक) की राशि का अंशदान दिया गया है। डी.आई.ओ. को रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेष का वित्त-पोषण करने के उद्देश्य से ₹ 100 (बीईएल : 50%; एचएएल : 50%) की प्राधिकृत शेयर पूँजी के साथ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के अनुसार `लाभरहित´ कंपनी के रूप में 10 अगस्त, 2017 को निगमित किया गया । इस कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेंगलूरु में बीईएल के परिसर में स्थित है । प्रारंभिक कॉर्पस निधि के लिए ₹ 5,000 की राशि का प्रावधान किया गया है, जिसमें से रु. 4000 (₹ 4000) की राशि भुगतान के लिए लंबित है ।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

v. क. कंपनी ने एफवीओसीआई में मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. तथा डिफेंस इन्नोवेशन आर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु के इक्विटी शेयरों में निवेश किया है क्योंकि ये इक्विटी शेयर ऐसे निवेश को दर्शाते हैं जो रणनीतिक प्रयोजन से लंबे समय तक धारित करने के लिए आशयित हैं। निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि के आधार पर निवेश का अंकित मूल्य इस प्रकार है -

विवरण	31 मार्च 2023 को अंकित मूल्य	2022-23 के दौरान निर्धारित लाभांश आय	मार्च 2022 को अंकित मूल्य	2021-22 के दौरान निर्धारित लाभांश आय
मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि.में निवेश	15	-	13	-
डिफेंस इन्नोवेशन आर्गेनाइज़ेशन, बेंगलूरु में निवेश	1	-	1	-

ख. कंपनी ने इन निवेशों पर अब तक कोई लाभांश प्राप्त नहीं किया है।

ग. 2022-23, के दौरान कोई रणनीतिक निवेश को निपटाया नहीं गया और इन निवेशों के संबंध में इक्विटी में कोई संचित लब्धि या हानि अंतरित नहीं की गई।

टिप्पणी 7 - व्यापार प्राप्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें संदिग्ध माना गया		
व्यापार प्राप्य	1,83,839	1,59,043
घटाएँ - प्रावधान*	(1,83,839)	(1,59,043)
उप कुल (क)	-	-
चालू		
रक्षित, जिन्हें खरा माना गया	934	785
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया	7,02,414	6,10,024
उप कुल (ख)	**7,03,348**	**6,10,809**
कुल (क+ख)	**7,03,348**	**6,10,809**

*इसमें प्राप्य जो क्रेडिट ह्रासमान हैं, से संबंधित ₹.339 [₹.339 मूल कंपनी और ₹ 20 बेलोप.शामिल है ।

गैर चालू व्यापार लेनदारी 2022-2023

विवरण	बिल नहीं किए गए	बिल किए गए, पर देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया: 6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	कुल
(i) अविवादित व्यापार लेनदारी - संदिग्ध	1,897	36	17,579	15,061	19,118	13,033	1,00,339	1,67,062
(ii) अविवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) अविवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	339	339
(iv) विवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	16,438	16,438
(v) विवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(vi) विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
घटाएं - प्रावधान	(1,897)	(36)	(17,579)	(15,061)	(19,118)	(13,033)	(1,17,116)	(1,83,839)
उप कुल (क)	-	-	-	-	-	-	-	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

चालू व्यापार लेनदारी 2022-2023

विवरण	बिल नहीं किए गए	बिल किए गए, पर देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	89,818	2,916	3,37,652	1,10,435	88,154	32,399	41,172	7,02,547
(ii) अविवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) अविवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	801	801
(v) विवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(vi) विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
उप कुल (क)	**89,818**	**2,916**	**3,37,652**	**1,10,435**	**88,154**	**32,399**	**41,973**	7,03,348

गैर चालू व्यापार लेनदारी 2021-2022

विवरण	बिल नहीं किए गए	बिल किए गए, पर देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार लेनदारी - संदिग्ध	8,582	59	10,507	7,287	14,348	15,291	86,192	1,42,266
(ii) अविवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) अविवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	339	339
(iv) विवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	16,438	16,438
(v) विवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(vi) विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
घटाएं - प्रावधान	(8,582)	(59)	(10,507)	(7,287)	(14,348)	(15,291)	(1,02,969)	**(1,59,043)**
उप कुल (क)	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	-

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

चालू व्यापार लेनदारी 2021-2022

विवरण	बिल नहीं किए गए	बिल किए गए, पर देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधि के लिए बकाया					कुल
			6 माह से कम	6 माह - 1 वर्ष	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) अविवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	82,466	3,362	3,11,755	68,267	71,828	45,315	27,015	6,10,008
(ii) अविवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(iii) अविवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित व्यापार लेनदारी - खरा माना गया	-	-	-	-	-	-	801	801
(v) विवादित व्यापार लेनदारी - जिससे ऋण जोखिम पर उल्लेखनीय वृद्धि हुई है	-	-	-	-	-	-	-	-
(vi) विवादित व्यापार लेनदारी - अनर्जक ऋण	-	-	-	-	-	-	-	-
उप कुल (क)	**82,466**	**3,362**	**3,11,755**	**68,267**	**71,828**	**45,315**	**27,816**	6,10,809

i. भुगतान के निबंधन

क. अधिकांश संविदाओं में, मदों की सुपुर्दगी पर भुगतान (प्राप्त अग्रिम, यदि कोई हो, का निवल) देय है। बहरहाल, कुछ संविदाओं में देयों का एक हिस्सा (सामान्यत: 5% से 10%) अतिरिक्त कार्य-निष्पादन देयता की संतुष्टि से जुड़ा है जैसे संस्थापना एवं कार्यारंभ संबंधी कार्यों को पूरा करना आदि। टर्नकी संविदाओं के संबंध में, भुगतान (निवल अग्रिम, यदि कोई हो) निर्दिष्ट उपलब्धियों को प्राप्त करने से जुड़ा होता है।

ख. ग्राहक से प्राप्त प्रगामी भुगतानों सहित अग्रिम को संविदा की देयता के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और संबंधित कार्य-निष्पादन देयता के समापन पर समायोजित किया जाता है।

ग. संविदा में अन्य कार्य-निष्पादन देयताओं को पूरा करने के साथ भुगतान को जोड़ने के कारण पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में ग्राहकों द्वारा रोक रखी गई राशि को संविदा परिसंपत्ति के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

ii. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iii. वित्तीय परिसंपत्तियों की ह्रास

ह्रास का प्रावधान ग्रूप की लेखा नीति सं. 29 के अनुरुप किया गया है।

iv. संबंधित पक्षकारों के प्रकटण

संबंधित पक्षकारों के प्रकटण के लिए टिप्पणी 31 देखें।

v. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 8 - ऋण

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
कर्मचारियों को ऋण	656	728
	656	**728**
अरक्षित, जिन्हें संदिग्ध माना गया		
अन्य		
कर्मचारियों को ऋण	1	1
घटाएँ - प्रावधान	(1)	(1)
	-	-
अन्य को ऋण	132	132
घटाएँ - प्रावधान*	(132)	(132)
	-	-
उप कुल (क)	**656**	**728**
चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
अन्य		
संबंधित पक्षकारों को ऋण**	-	-
कर्मचारियों को ऋण	172	148
उप कुल (ख)	**172**	**148**
कुल (क+ख)	**828**	**876**

*इसमें ऐसे ऋणों से संबंधित रु.132 (रु.132) शामिल है जो क्रेडिट ह्रासमान हैं।

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

ह्रास का प्रावधान ग्रूप की लेखा नीति सं. 29 के अनुरुप किया गया है।

iii. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 9 - अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
सुरक्षा जमा	1,780	2,112
मीयादी जमा पर अर्जित ब्याज	5	1
बारह महीनों की परिपक्वता से अधिक बैंक जमा राशियां **	260	278
अन्य परिसंपत्तियां	-	26
	2,045	**2,417**
असुरक्षित, संदिग्ध माना जाता है		
सुरक्षा जमा	83	80
घटाएँ - प्रावधान	(83)	(80)
	-	-
अन्य को दिए गए अग्रिम	14	14
घटाएँ - प्रावधान	(14)	(14)
	-	-
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	971	969
घटाएँ - प्रावधान *	(971)	(969)
	-	-
अन्य परिसंपत्तियाँ	107	74
घटाएँ - प्रावधान	(107)	(74)
	-	-
उप कुल (क)	**2,045**	**2,417**
चालू		
अरक्षित, जिन्हें खरा माना गया		
सुरक्षा जमा	2,128	1,881
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम	166	168
अन्य को दिए गए अग्रिम	3	3
प्रोद्भत ब्याज परंतु मीयादी जमा पर देय नहीं	2,114	3,795
व्यापार प्राप्यों के अलावा प्राप्य	1,795	2,540
अन्य परिसंपत्तियाँ	14,136	1,867
उप कुल (ख)	**20,342**	**10,254**
कुल (क+ख)	**22,387**	**12,671**

*टिप्पणी 30(20) देखें

** बैंक गारंटी के समक्ष मार्जिन राशि के रूप में धारित शेष दर्शाता है।

i. वित्तीय विलेख

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. वित्तीय परिसंपत्तियों की ह्रास

ह्रास का प्रावधान ग्रुप की लेखा नीति सं. 29 के अनुरुप किया गया है।

iii. कुछ नहीं (कुछ नहीं) की निवल वहनीय राशि को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण जो सक्रिय प्रयोग में नहीं हैं, के संबंध में अन्य परिसंपत्तियों में शामिल किया गया है।

iv. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 10 - आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ (निवल)		
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	71,192	83,543
आस्थगित कर देयताएँ	(20,820)	(21,449)
	50,372	**62,094**
आस्थगित कर देयताएँ (निवल)		
आस्थगित कर देयताएँ	1,312	809
आस्थगित कर परिसंपत्तियाँ	(1,023)	(664)
	289	**145**

i. लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित आय

क्र. सं.	विवरण	यथा 31.03.2023	यथा 31.03.2022
1	**आय कर के व्यय -**		
	- चालू अवधि	87,747	91,431
	- पूर्व के वर्षों से संबंधित प्राक्कलनों में परिवर्तन	(2,001)	6
2	**आस्थगित कर -**		
	- अस्थायी अंतरों का उद्गम और व्युत्क्रमण	12,510	(10,259)
3	**आस्थगित कर के कुल व्यय (अनुलाभ)**	**12,510**	**(10,259)**
4	**आय कर के व्यय**	**98,256**	**81,178**

ii. अन्य व्यापक आय में निर्धारित आय कर

क्र. सं.	विवरण	यथा 31.03.2023			यथा 31.03.2022		
		कर पूर्व	कर (व्यय)/ अनुलाभ	निवल कर	कर पूर्व	कर (व्यय)/ अनुलाभ	निवल कर
1	निवल निर्धारित अनुलाभ देयता/ (परिसंपत्ति) का पुन:मापन	(22,189)	5,584	(16,605)	(19,925)	5,015	(14,910)
2	अन्य द्वारा इक्विटी विलेख व्यापक आय	2	(1)	1	1	(1)	-
	कुल	**(22,187)**	**5,583**	**(16,604)**	**(19,924)**	**5,014**	**(14,910)**

iii. इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से निर्धारित आय कर

इक्विटी 31 मार्च 2023 को और 31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए इक्विटी में प्रत्यक्ष रूप से अभिचिह्नत कोई आय कर नहीं है।

iv. प्रभावी कर दरों का समाधान

विवरण	यथा 31.03.2023		यथा 31.03.2022	
	दर	राशि	दर	राशि
कर पूर्व लाभ		3,92,291		3,16,624
कंपनी की घरेलू कर दर का इस्तेमाल करते हुए कर	25.17%	98,732	25.17%	79,688
प्रभाव				
अनुसंधान एवं विकास व्ययों पर अतिरिक्त कटौती का प्रभाव	-	-	-	-
छूट प्राप्त आय	-	-	-	-
कर प्रोत्साहन	-	-	-	-

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	यथा 31.03.2023		यथा 31.03.2022	
	दर	राशि	दर	राशि
पिछले वर्षों से संबंधित प्राक्कलनों में परिवर्तन	-0.51%	(2,001)	-	-
गैर-कटौती योग्य व्यय	0.43%	1,692	0.41%	1,309
कर उद्देश्यों के लिए त्वरित मूल्यह्रास	-0.01%	(32)	-	-
कर दर में परिवर्तन का प्रभाव	-	-	-	-
अन्य	-0.03%	(135)	0.06%	181
प्रभावी कर दर	**25.05%**	**98,256**	**25.64%**	**81,178**

v. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) और देयताएँ निम्नलिखित के कारण हैं -

क्र. सं.	विवरण	आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) यथा		आस्थगित कर देयताएँ यथा		निवल आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ)/ देयताएँ यथा	
		31.03.2023	31.03.2022	31.03.2023	31.03.2022	31.03.2023	31.03.2022
1	व्यापार प्राप्य	(12,411)	(11,026)	-	-	(12,411)	(11,026)
2	वस्तुसूची	(15,392)	(11,797)	-	-	(15,392)	(11,797)
3	प्रावधान अन्य	(20,220)	(17,867)	-	-	(20,220)	(17,867)
4	कर्मचारी अनुलाभ	(18,482)	(39,541)	-	-	(18,482)	(39,541)
5	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	-	1,262	1,037	1,262	1,037
6	आस्थगित राजस्व	(261)	(261)	-	-	(261)	(261)
7	अन्य परिसंपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-
8	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	(30)	(19)	16,397	16,747	16,367	16,728
9	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-	-	-
10	इक्विटी निवेश	-	-	2	2	2	2
11	अन्य वित्तीय देयताएँ	-	-	8	8	8	8
12	ह्रास का प्रावधान	(4,665)	(3,394)	-	-	(4,665)	(3,394)
13	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	-	-	4,463	4,463	4,463	4,463
14	व्यापार देयताएँ	(6)	(6)	-	-	(6)	(6)
15	कर हानि	(375)	-	-	-	(375)	-
16	बोनस	-	(1)	-	-	-	(1)
17	अधिवर्षिता	-	(22)	-	-	-	(22)
18	एमएटी क्रेडिट	(374)	(272)	-	-	(374)	(272)
19	**कुल**	**(72,216)**	**(84,206)**	**22,132**	**22,257**	**(50,084)**	**(61,949)**
20	(परिसंपत्ति)/ देयता का पृथक्करण	21,843	22,112	(21,843)	(22,112)	-	-
	निवल आस्थगित कर (परिसंपत्ति)/ देयता	**(50,373)**	**(62,094)**	**289**	**145**	**(50,084)**	**(61,949)**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

vi. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) एवं देयताओं का संचलन

क्र. सं.	विवरण	यथा 01.04.2022 को शेष	2022-23 के दौरान लाभ व हानि में निर्धारित	2022-23 के दौरान ओसीआई में निर्धारित	यथा 31.03.2023 को शेष
1	व्यापार प्राप्य	(11,026)	(1,385)	-	(12,411)
2	वस्तुसूची	(11,797)	(3,595)	-	(15,392)
3	प्रावधान अन्य	(17,867)	(2,353)	-	(20,220)
4	कर्मचारी अनुलाभ	(39,541)	21,704	(645)	(18,482)
5	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	1,037	225	-	1,262
6	आस्थगित राजस्व	(261)		-	(261)
7	अन्य परिसंपत्तियाँ	-		-	-
8	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	16,728	(361)	-	16,367
9	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-
10	इक्विटी निवेश	2		-	2
11	अन्य वित्तीय देयताएँ	8		-	8
12	ह्रास का प्रावधान	(3,394)	(1,271)	-	(4,665)
13	विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ	4,463	-	-	4,463
14	व्यापार देयताएँ	(6)	-	-	(6)
15	कर हानि	-	(375)	-	(375)
16	बोनस	(1)	1	-	-
17	अधिवर्षता	(22)	22	-	-
18	एमएटी क्रेडिट	(272)	(102)	-	(374)
	कुल	**(61,950)**	**12,510**	**(645)**	**(50,084)**

नोट- वर्ष के दौरान सहायक कंपनी -बेलॉप, एमएटी क्रेडिट के संबंध में पिछले वर्ष के शून्य रु. 187 शामिल है।

vii. आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) एवं देयताओं का संचलन

क्र. सं.	विवरण	यथा 01.04.2021 को शेष	2021-22 के दौरान लाभ व हानि में निर्धारित	2021-22 के दौरान ओसीआई में निर्धारित	यथा 31.03.2022 को शेष
1	व्यापार प्राप्य	(10,198)	(828)	-	(11,026)
2	वस्तुसूची	(11,039)	(758)	-	(11,797)
3	प्रावधान अन्य	(14,830)	(3,037)	-	(17,867)
4	कर्मचारी अनुलाभ	(30,561)	(3,413)	(5,567)	(39,541)
5	अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	1,002	35	-	1,037
6	आस्थगित राजस्व	(268)	7	-	(261)
7	अन्य परिसंपत्तियाँ	1	(1)	-	-
8	संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	18,280	(1,552)	-	16,728
9	आईसीडीएस समायोजन	-	-	-	-
10	इक्विटी निवेश	3	(1)	-	2
11	अन्य वित्तीय देयताएँ	7	1	-	8
12	ह्रास का प्रावधान	(2,687)	(707)	-	(3,394)
13	ह्रास का प्रावधान	4,463	-	-	4,463
14	व्यापार प्राप्य	(6)	-	-	(6)
15	कर हानि	-	-	-	-
16	बोनस	(1)	-	-	(1)
17	बोनस	(17)	(5)	-	(22)
18	अधिवर्षता	(458)	-	-	(272)
	कुल	**(46,310)**	**(10,259)**	**(5,567)**	**(61,949)**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

viii. अनिर्धारित आस्थगित कर (परिसंपत्तियाँ) / देयताएँ -

निम्नलिखित मदों के संबंध में स्थगित कर संपत्ति को मान्यता नहीं दी गई है, क्योंकि यह संभव नहीं है कि भविष्य में कर योग्य लाभ उपलब्ध होंगे जिसके समक्ष कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है।

विवरण	संस्था	यथा 31.03.2023	यथा 31.03.2022
कर घाटे	धारक कंपनी	कोई अस्थायी अंतर नहीं है जिस पर स्थगित कर (संपत्ति) / देयता को पहचाना नहीं गया है	
	बेलोप		
	बीईएल-थालेस सिस्टम	0	118

ix. कर घाटा आगे बढ़ाया

विवरण	संस्था	यथा 31.03.2023		यथा 31.03.2022	
		राशि	समाप्त तिथि	राशि	समाप्त तिथि
समय सीमा समाप्त	धारक कंपनी	कोई कर हानि नहीं है जिस पर स्थगित कर संपत्ति को पहचाना गया है			
कभी समाप्त नहीं हो					
समय सीमा समाप्त	बेलोप	-	-	-	-
कभी समाप्त नहीं हो		-	-		-
समय सीमा समाप्त	बीईएल-थालेस सिस्टम	-	-	74	2023-27
कभी समाप्त नहीं हो		-	-	44	-

x. समाधान के लिए प्रयुक्त कर दर आय कर अधिनियम, 1961 के तहत कर योग्य लाभों पर कार्पोरेट संस्थाओं द्वारा देय 25.168% (25.168%) की कार्पोरेट कर दर है। वर्ष के दौरान, कंपनी ने आय कर अधिनियम, 1961 की धारा 115 बीएए जिसे कराधान कानून (संशोधन) अधिनियम, 2019 द्वारा जोड़ा गया, के तहत निम्नतर कर दर का विकल्प लिया है।

टिप्पणी 11 - वस्तुसूची

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
कच्चा माल और घटक	61,358	49,046
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	67	64
घटाएँ - प्रावधान	(60,847)	(46,463)
	578	**2,647**
व्यापारगत स्टॉक	49	88
घटाएँ - प्रावधान	(49)	(88)
	-	-
भंडार व पुर्जे	202	275
घटाएँ - प्रावधान	(197)	(246)
	5	**29**
खुले औजार	62	127
घटाएँ - प्रावधान	(58)	(69)
	4	**58**
उप कुल (क)	**587**	**2,734**
चालू		
कच्चा माल और घटक	3,84,381	3,37,602
जोड़ें - मार्गस्थ कच्चा माल और घटक	21,786	21,517
	4,06,167	**3,59,119**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
चालू कार्य	1,96,287	1,70,163
तैयार माल	11,067	14,536
जोड़ें - मार्गस्थ तैयार माल	25,940	9,712
	37,007	**24,248**
व्यापारगत स्टॉक	1,225	1,647
जोड़ें - मार्गस्थ व्यापारगत स्टॉक	-	5
	1,225	**1,652**
भंडार व पुर्जे	2,797	3,259
जोड़ें - मार्गस्थ भंडार व पुर्जे	25	-
	2,822	**3,259**
खुले औजार	916	814
निपटान की रद्दी	551	236
	6,44,975	**5,59,491**
बेची न गई वस्तुसूची में अप्राप्य लाभ	(171)	(301)
उप कुल (ख)	**6,44,804**	**5,59,190**
कुल (क+ख)	**6,45,391**	**5,61,924**

i. कच्चे माल और घटकों में ₹ 27,876 (₹ 14,722) शामिल हैं जो उप-ठेकेदारों के पास धारित माल है जिसमें ₹ 179 (रु.386) का माल पुष्टिकरण और समाधान के अधीन है। ₹ 179(₹ 386) के समक्ष, ₹ 163 (₹ 386) की राशि का प्रावधान किया गया है।

ii. वर्ष की स्टॉक सत्यापन विसंगतियाँ इस प्रकार हैं -

₹ 714 (₹ 705) की कमी और ₹ 240 (₹ 389) का अधिशेष। समाधान के लंबित होने पर, ₹ 447 (₹ 316) की राशि का प्रावधान किया गया है।

iii. वस्तुसूचियों का मूल्यांकन ग्रूप की लेखा नीति सं. 17 के अनुसार किया गया है ।

iv. क. संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन सचिवालय ने 05.11.2007 से 31.03.2012 की सत्यापन अवधि के लिए 2.5 मे.वॉ. बीईएल ग्रिड कनेक्टेड पवन शक्ति परियोजना, दावणगेरे जिला, कर्नाटक के लिए, पूर्व के वर्षों के दौरान 15,856 (15,856) टन CO2EQ कार्बन क्रेडिट मंजूर किया है। इन कार्बन क्रेडिट को ₹ 2 (रु. 2) के मूल्य पर तैयार माल के तहत शामिल किया जाता है। सी.ई.आर. को आईसीएआई द्वारा जारी सीईआर संबंधी मार्गदर्शी टिप्पणी द्वारा यथा अपेक्षित लागत पर मूल्यांकित किया जाता है।

ख. प्रमाणीकरण के तहत सीईआर - कुछ नहीं (कुछ नहीं)

ग. वर्ष के दौरान उत्सर्जन कम करने वाले उपकरणों का मूल्यह्रास और प्रचालन -

क्र.सं.	विवरण	2022-23	2021-22
i.	मूल्यह्रास	295	287
ii.	उत्सर्जन कम करने वाले उपकरणों की प्रचालनीय लागत	210	201
	कुल	**505**	**488**

v. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

न. लाभ व हानि का विवरण में दर्शित राशि

वस्तुसूचियों को निवल वसूली योग्य मूल्य में बट्टे खाते में डालने की राशि ₹ 945 (₹ 1,575) है, को लाभ व हानि के विवरण में दर्शाया गया।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

vii. वर्ष के दौरान वस्तुसूचियों को बट्टे खाते में डालने का ₹ 885 (₹ 539) का व्युत्क्रमण किया गया जिन्हें पिछले वर्ष में व्यय के रूप में दर्शाया गया ।

viii. परिसंपत्तियों का ह्रास

वस्तुसूची का प्रावधान ग्रूप की लेखा नीति सं. 17 के अनुरूप किया गया है।

ix. ₹ 4,157 (₹ 4350) राशि की सामग्री को ग्राहक के परिसर में वास्तविक रूप से देखा गया।

x. कंपनी ने ठेकों की शर्तों के अनुसार ग्राहक की परिसंपत्तियाँ प्राप्त / प्रतिधारित की है और वे वस्तुसूची में नहीं है।

टिप्पणी 12 - अन्य परिसंपत्तियाँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
पूँजीगत अग्रिम	2,282	3,025
पूंजीगत अग्रिमों के अलावा अग्रिम		
क्रय के लिए अग्रिम	2,776	2,764
घटाएँ - प्रावधान	(2,776)	(2,764)
	-	-
संविदा परिसंपत्ति	21,870	15,282
घटाएँ - प्रावधान	(21,870)	(15,282)
	-	-
अन्य		
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष	515	554
घटाएँ - प्रावधान	(384)	(424)
	131	**130**
पूर्वदत्त व्यय	230	516
प्राप्त दावे - क्रय	1,152	1,102
घटाएँ - प्रावधान	(1,152)	(1,102)
	-	-
संविदा की लागत	45,441	64,631
घटाएँ - प्रावधान	(4,180)	-
	41,261	**64,631**
अन्य - परिसंपत्तियाँ	19	99
घटाएँ - प्रावधान	(19)	(19)
	-	**80**
उप कुल (क)	**43,904**	**68,382**
चालू		
पूँजीगत अग्रिमों के अलावा अग्रिम		
कर्मचारियों को दिए गए अग्रिम	678	781
क्रय के लिए दिए गए अग्रिम	1,02,800	1,41,390
संविदा परिसंपत्ति	6,09,838	5,67,139

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
अन्य		
सीमा शुल्क, पत्तन न्यास तथा अन्य सरकारी प्राधिकरणों के पास शेष *	33,756	36,912
पूर्वदत्त व्यय	1,093	5,368
पूर्वदत्त कर	10,346	6,178
प्राप्त दावे - क्रय	3,287	2,370
संविदा की लागत	19,777	16,760
अन्य - परिसंपत्तियाँ	3,061	1,224
उप कुल (ख)	**7,84,636**	**7,78,122**
कुल (क+ख)	**8,28,540**	**8,46,504**

* माननीय उच्च न्यायालय, मद्रास के एकल और बृहत् खंडपीठ से बीईएल के पक्ष में दो फैसले लिए गए। सर्वोच्च न्यायालय में प्रतिवाद दाखिल किया जीएसटी विभाग को क्रेडिट का उपयोग करने के लिए बीईएल के सक्षम बनाने के लिए समझाया गया। उपयोग के लिए ₹ 1,497 का जीएसटी संक्रमणकालीन क्रेडिट लंबित है।

i. परिसंपत्तियों का ह्रास

गैर वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास का प्रावधान कंपनी की लेखा नीति सं. 13 के अनुरूप किया गया है।

ii. संविदा परिसंपत्तियों का ह्रास

संविदा परिसंपत्तियों की ह्रास ₹ 4,952 (₹ 881).

iii. संविदा के परिशोधन और ह्रास की लागत

संविदा के परिशोधन और ह्रास की लागत- संविदा के परिशोधन की लागत संविदा की लागत ₹ 24,176 (₹ 11717) से अपेक्षित अनुलाभ की अवधि के आधार पर निर्धारित की जाती है। निर्धारित संविदा परिशोधन और ह्रास की लागत ₹ 4180 (कुछ नहीं) हैं।

iv. उचित मूल्य का मापन

	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
	FVTPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVTPL	FVOCI	परिशोधित लागत
संविदा परिसंपत्ति	-	-	6,09,838	-	-	5,67,139

v. संविदा की लागत का अंतिम शेष ग्राहकों से ₹ 318 (₹ 7,970) की संविदा प्राप्त करने की लागत दर्शाता है तथा संविदा पूरा करने की लागत ₹ 60720 (₹ 73,421) है।

vi. सुरक्षा, दृष्टिवंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

टिप्पणी 13 - (ii) नकद और नकद समतुल्य

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
बैंकों के पास शेष	84,173	41,182
हस्तस्थ नकद	1	1
मीयादी जमा	3,10,395	88,903
	3,94,569	**1,30,086**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

i. नकद व नकद समतुल्य में तीन महीनों तक की मूल परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा शामिल हैं। तीन महीनों से लेकर बारह महीनों तक की मूल परिपक्वता अवधि की मीयादी जमा को बैंक शेष में शामिल किया गया है (टिप्पणी 14 देखें) और बारह महीनों से अधिक की मूल परिपक्वता अवधि की मीयादी जमाओं को अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों में शामिल किया जाता है (टिप्पणी 9 देखें)।

ii. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iii. बैंकों के शेष में (मूल कंपनी) शामिल है

a. कर्नाटक के माननीय उच्च न्यायालय से प्राप्त स्थगल आदेश के अनुपालन में, बैंक प्राधिकारियों ने वसूली अधिकारी - ईएसआई निगम द्वारा जारी गारनिशी आदेश के आधार पर कुछ नहीं (₹ 46) रोक रखा है। इस गार्निशी आदेश का निपटान दिनांक 23.08.2022 को किया गया।

iv. नकद व नकद समतुल्य के संबंध में कोई प्रत्यावर्ती प्रतिबंध नहीं है।

vii. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

टिप्पणी 14 - बैंक शेष डउपर्युक्त (ii) के अलावा.

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
मीयादी जमा *	4,14,616	6,24,578
अदत्त लाभांश खाता**	1,973	1,710
	4,16,589	**6,26,288**

* इसमें निर्णायक प्राधिकारी के कुर्की आदेश दिनांक 14.03.2023 (धन शोधन अधिनियम, 2002 की रोकथाम के तहत) के अनुसार प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से धारित ₹ 1,209 की जमा राशि शामिल है। यह राशि एबीजी शिप यार्ड से संबंधित है। तदुपरांत प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिनांक 17.04.2023 को इस राशि का नकदीकरण किया।

** इसमें लाभांश के वितरण पर रोका गया ₹ 1727 (₹ 1495) का कर शामिल है (मूल कंपनी)।

i. वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

ii. नकद व नकद समतुल्य के संबंध में कोई प्रत्यावर्ती प्रतिबंध नहीं है।

iii. सुरक्षा, दृष्टिबंधन आदि

टिप्पणी 35 देखें।

टिप्पणी 15 -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
चालू कर परिसंपत्तियां (निवल)		
आय कर का अग्रिम भुगतान	40,314	14,474
	40,314	**14,474**
चालू कर देयता (निवल)		
कराधान का प्रावधान	-	69
	-	**69**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 16

क. इक्विटी शेयर पूंजी

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
i.	**अधिकृत पूँजी**		
	आईएनआर 1 (आईएनआर 1) प्रत्येक के 750,00,00,000 (750,00,00,000) इक्विटी शेयर	75,000	25,000
ii.	**जारी, अभिदत्त एवं पूर्ण चुकता पूँजी**		
	आईएनआर 1 (आईएनआर 1) प्रत्येक के 730,97,78,829 (243,65,92,943) इक्विटी शेयर	73,098	24,366

iii. अवधि के प्रारंभ और अंत में बकाया शेयरों की संख्या का समाधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2023		यथा 31 मार्च 2022	
	शेयरों की सं.	राशि	शेयरों की सं.	राशि
रिपोर्टिंग अवधि के प्रारंभ में बकाया शेयर	2,43,65,92,943	24,366	2,43,65,92,943	24,366
जोड़ें - वर्ष के दौरान जारी शेयर	4,87,31,85,886	48,732	-	-
घटाएँ - वर्ष के दौरान पुन:खरीद किए गए शेयर	-	-	-	-
रिपोर्टिंग अवधि के अंत में बकाया शेयर	7,30,97,78,829	73,098	2,43,65,92,943	24,366

iv. कंपनी में 5% से अधिक शेयर धारित करने वाले प्रत्येक शेयरधारक द्वारा धारित शेयर

शेयरधारक का नाम	शेयरधारक का नाम		यथा 31 मार्च 2022	
	शेयरों की सं.	शेयरधारण का %	शेयरों की सं.	शेयरधारण का %
भारत सरकार	3,73,79,21,934	51.14%	1,24,59,73,978	51.14%
एचडीएफसी ट्रस्टी कंपनी लि. - ए/सी एचडीएफसी एमआईडी सीएपी ओपरच्युनिटी फंड	-	-	12,65,04,722	5.19%

v. पिछले 5 वर्षों के दौरान बोनस शेयरों द्वारा पूर्ण चुकता के रूप में आबंटित शेयरों की कुल संख्या और वर्ग।

बोनस शेयरों द्वारा पूर्ण चुकता के रूप में आबंटित इक्विटी शेयर -

वर्ष	2018-2019	2019-2020	2020-2021	2022-2023	2022-2023
शेयरों की संख्या	-	-	-	-	4,87,31,85,886

vi. पिछले 5 वर्षों के दौरान पुन:खरीदे गए शेयरों की कुल संख्या और वर्ग।

पुन:खरीदे गए इक्विटी शेयर -

वर्ष	2018-2019	2019-2020	2020-2021	2022-2023	2022-2023
शेयरों की संख्या	-	-	-	-	-

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
viii.	विकल्प के तहत जारी करने के लिए आरक्षित शेयर तथा शेयर / विनिवेश की बिक्री की संविदाएँ/प्रतिबद्धताएँ	कुछ नहीं	कुछ नहीं
ix.	अदत्त कॉल का कुल मूल्य (कंपनी के निदेशकों और अधिकारियों सहित)	कुछ नहीं	कुछ नहीं
x.	जब्त शेयर	कुछ नहीं	कुछ नहीं

x. प्रत्येक वर्ग के शेयर से संबद्ध निबंधन, अधिकार, अधिमानता और प्रतिबंध

क मूल कंपनी में केवल एक वर्ग के शेयर नामत: इक्विटी शेयर हैं।

ख इक्विटी शेयर के प्रत्येक धारक हाथ दिखाकर एक मत के हकदार होंगे और धारित शेयरों की संख्या के अनुपात में मतदान कर सकेंगे।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ग प्रत्येक शेयरधारक को कंपनी द्वारा घोषित लाभांश प्राप्त करने का अधिकार है।

घ मूल कंपनी के समापन पर, इक्विटी शेयरधारक नियमों के अनुसार सभी अधिमान राशियों के वितरण के बाद, कंपनी की शेष परिसंपत्तियाँ, यदि कोई हो, के वसूल किए जाने वाले मूल्य के हकदार होंगे।

xi. क) अंतरिम लाभांश और अंतिम लाभांश

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
वित्तीय वर्ष 2021-22 और वित्तीय वर्ष 2020-21 के क्रमशः अंतरिम लाभांश	36,549	29,239
वित्तीय वर्ष 2022-23 और वित्तीय वर्ष 2021-22 के क्रमशः अंतरिम लाभांश	87,717	73,098

ख प्रारक्षणों की प्रकृति और उद्देश्य

i. पूँजीगत प्रारक्षण

पूँजी प्रारक्षण प्रतिधारित अर्जन से अंतरण करते हुए बनाया जाता है जो कंपनी द्वारा अर्जित पूँजीगत लाभ के समतुल्य राशि होती है । इस प्रारक्षण का उपयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है ।

ii. पूँजी मोचन प्रारक्षण

पूँजी मोचन प्रारक्षण सामान्य प्रारक्षण से अंतरण करते हुए बनाया जाता है जो पुन:खरीद किए गए शेयरों के अंकित मूल्य के समतुल्य राशि होती है। इस प्रारक्षण का उपयोग कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है।

iii. अन्य व्यापक आय (ओसीआई) द्वारा इक्विटी निवेश

कंपनी ने अन्य व्यापक आय में कुछेक इक्विटी निवेशों के उचित मूल्य में परिवर्तनों को दर्शाने का विकल्प लिया है। उचित मूल्य में परिवर्तन इस प्रारक्षण में संचित होता है। जब कभी निवेश को न दर्शाने का विकल्प लिया जाता है, संचित राशि को प्रतिधारित अर्जन को अंतरित कर दिया जाता है।

iv. अन्य व्यापक आय (ओसीआई)

अन्य व्यापक आय ऐसी लब्धियाँ और हानियाँ होती हैं जिनकी वसूली अभी नहीं हुई है और जिन्हें लाभ व हानि के विवरण में शामिल नहीं किया गया है। इसमें मुख्य रूप से निवल निर्धारित अनुलाभ देयता / परिसंपत्ति (निवल कर) का पुनर्मापन शामिल किया जाता है।

xii. प्रमोटर होने के नाते भारत सरकार यथा 31.03.2022 को 51.14% (51.14%) शेयर धारित करती है। तुलनपत्र की तारीख तक धारित इक्विटी शेयरों की संख्या 373,79,21,934 (124,59,73,978) है, वृद्धि बोनस जारी करने के कारण हुई है।

xiii. 48, 87, 31, 85, 886 बोनस शेयर नकद के अलावा अन्य विचारार्थ लिए थे।

टिप्पणी 17 - आस्थगित आय

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
सरकारी अनुदान - आस्थगित	13,395	14,843
उप कुल(क)	**13,395**	**14,843**
चालू		
सरकारी अनुदान - आस्थगित	1,665	1,654
उप कुल(ख)	**1,665**	**1,654**
कुल (क+ख)	**15,060**	**16,497**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. प्रस्तुतीकरण की विधि के लिए लेखा नीति 16 देखें

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
ii. सरकारी अनुदान की उपयोगिता की प्रकृति		
क) राजस्व खर्च	-	-
ख) पूँजीगत खर्च		
- संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	15,060	16,497
iii. अन्य प्रकार की सरकारी सहायता जिससे कंपनी को प्रत्यक्ष रूप से लाभ मिला है	-	-
iv. सरकारी अनुदान से संबद्ध पूरी न की गई शर्तों के विवरण	-	-
v. सरकारी अनुदान से संबद्ध आकस्मिकताएँ-	-	-

vi. प्राप्त उक्त अनुदान सौर शक्ति संयंत्रो के लिए व्यवहार्यता कमी के वित्त-पोषण, रूफ़ टॉप सौर प्रणालियों तथा ज़ेडएनएस परियोजना (मूल कंपनी) के लिए विशेष प्रोत्साहन पैकेज योजना (एम-शिप) संशोधित सहायता को दर्शाते हैं।

vii. सहायक कंपनी (बेलाप) के मामले में

सहायक कंपनी ने बेलॉप में उच्चतर विनिर्देश के आई.आई. ट्यूबों का निर्माण करने के लिए प्रौद्योगिकी हस्तांतरण हेतु मे. फोटोनिस, फ्रांस के साथ करार किया है जो अनुदान द्वारा वित्त-पोषित है। वर्ष 2021-22 में टीओटी के लिए उपगत व्यय का अनुदान से टीओटी की लागत के 74.30% प्रतिशत को लाभ व हानि के विवरण में आय में अंतरित किया गया और संबंधित व्यय को लाभ व हानि के विवरण में नामें किया गया।

टिप्पणी 18 - उधार

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
रक्षित		
बैंकों से मीयादी ऋण	-	-
उप कुल	**-**	**-**
चालू		
रक्षित		
बैंकों से मीयादी ऋण	-	-
उप कुल (ख)	**-**	**-**
कुल (क + ख)	**-**	**-**

i. सुरक्षा की प्रकृति-

टिप्पणी 35 देखें ।

टिप्पणी 19 - व्यापार देय

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
- अन्य	37	34
उप कुल (क)	**37**	**34**
चालू		
- सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय	20,754	24,844
- अन्य	3,12,284	3,12,086
उप कुल (ख)	**3,33,038**	**3,36,930**
कुल (क+ख)	**3,33,075**	**3,36,964**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

गैर-चालू व्यापार प्रदेय 2022-2023

विवरण	बिल न किए गए	बिल किए गए परंतु देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(ii) अन्य	-	-	-	-	-	37	37
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iv) विवादित बकाया - अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**37**	**37**

चालू व्यापार देय 2022-2023

विवरण	बिल न किए गए	बिल किए गए परंतु देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	1,677	14,831	4,071	11	6	1	20,597
(ii) अन्य	9,192	2,26,745	65,354	3,035	1,621	6,057	3,12,004
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	-	158	-	-	-	-	158
(iii) विवादित बकाया - अन्य	-	227	-	-	-	52	280
कुल	**10,869**	**2,41,962**	**69,425**	**3,046**	**1,627**	**6,110**	**3,33,038**

गैर-चालू व्यापार देय 2021-2022

विवरण	बिल न किए गए	बिल किए गए परंतु देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(ii) अन्य	-	-	-	-	-	34	34
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	-	-	-	-	-	-	-
(iii) विवादित बकाया - अन्य	-	-	-	-	-	-	-
कुल	**-**	**-**	**-**	**-**	**-**	**34**	**34**

चालू व्यापार देय 2021-2022

विवरण	बिल न किए गए	बिल किए गए परंतु देय नहीं	भुगतान की नियत तारीख से निम्नलिखित अवधियों के लिए बकाया				कुल
			1 वर्ष से कम	1 - 2 वर्ष	2 - 3 वर्ष	3 वर्ष से अधिक	
(i) एमएसएमई	4,125	12,188	8,365	6	1	1	24,686
(ii) अन्य	25,424	1,90,432	75,906	12,439	2,289	5,296	3,11,786
(iii) विवादित बकाया - एमएसएमई	-	158	-	-	-	-	158
(iii) विवादित बकाया - अन्य	-	217	-	-	11	72	300
कुल	**29,549**	**2,02,995**	**84,271**	**12,445**	**2,301**	**5,369**	**3,36,930**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

i. 31 मार्च, 2023 को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम विकास (एमएसएमईडी) अधिनियम, 2006 के तहत यथा अपेक्षित सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों को देय संबंधी सूचना नीचे दी गई है -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
क. उस पर देय मूलधन और ब्याज जो 31 मार्च को अदत्त थे -		
मूलधन *	21,385	25,181
ब्याज	3	14
ख. एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 16 के परिप्रेक्ष्य में कंपनी द्वारा अदा किया गया ब्याज और 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान निर्धारित दिन के बाद किए गए भुगतान की राशि -		
मूलधन	0	-
ब्याज	8	4
ग. 31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान कंपनी द्वारा व्युत्क्रमित ब्याज	4	-
घ. विलंब की अवधि के लिए देय और प्रदेय ब्याज (जिसका भुगतान तो किया गया लेकिन वर्ष के दौरान निर्धारित दिन के बाद) परंतु अधिनियम के तहत निर्दिष्ट ब्याज को जोड़े बिना।**	-	-
ङ. 31 मार्च को समाप्त वर्ष के अंत में प्रोद्भत एवं अदत्त ब्याज	5	14
च. ब्याज जो बाद के वर्षों में भी देय और देय तब तक बना रहा जब तक उपरोक्तानुसार ब्याज की देय राशियाँ एमएसएमईडी अधिनियम की धारा 23 के तहत कटौती करने योग्य खर्च के रूप में अस्वीकृत करने के प्रयोजनार्थ लघु उद्यम को वास्तविक रूप से अदा नहीं कर दी गई।	3	12

* इसमें टिप्पणी 20 में दर्शित राशि शामिल है

**आईएनआर 8470(आईएनआर 3,499) (परम अंक दर्शाता है) शामिल है, जो पूर्णांकित किया गया है। (मूल कंपनी)

साथ ही चालू वर्ष के संबंध में पहले से अदा किए गए आईएनआर कुछ नहीं (कुछ नहीं) के मूलधन के लिए देय और देय ब्याज (परम अंक दर्शाता है) को पूर्णांकित किया गया और 31.03.2021 को आईएनआर 22,111 (परम अंक दर्शाता है) पूर्णांकित किया गया डबेलोप।

ii यह सूचना ऐसे पूर्तिकर्ताओं, जहाँ तक उन्हें कंपनी के पास उपलब्ध सूचना के आधार पर सूक्ष्म एवं लघु उद्यम के रूप में निर्धारित किया जा सका, के संबंध में दी गई है और इस बारे में लेखा परीक्षकों द्वारा उत्तर दिया गया है।

iii **वित्तीय विलेख**

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

iv व्यापार देय के संबंध में मुद्रा तथा चलनिधि के जोखिम के प्रति कंपनी का एक्सपोज़र टिप्पणी 34 में प्रकट किया गया है।

टिप्पणी 20 - अन्य वित्तीय देयताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
सुरक्षा जमा	473	2,022
उप कुल(क)	**473**	**2,022**
चालू		
सुरक्षा जमा	39,019	28,517
व्यापार देय पर प्रोद्भत एवं देय ब्याज1	5	14
अन्य व्यापार देय	16,296	8,749
अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	37	37
अदत्त लाभांश	246	215
सूक्ष्म व लघु उद्यम को देय गैर-व्यापार देय[1]	631	337
बकाया व्यय	71,007	57,012
अन्य देयताएँ	1,782	1,162
उप कुल (ख)	**1,29,023**	**96,043**
कुल (क+ख)	**1,29,496**	**98,065**
तुलन-पत्र की तारीख को निवेशक शिक्षा और सुरक्षा निधि को अंतरित की जाने वाली राशि	कुछ नहीं	कुछ नहीं

1 टिप्पणी (19) देखें

i. **वित्तीय विलेख**

वित्तीय विलेखों के वर्गीकरण के लिए टिप्पणी 33 देखें।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 21 - प्रावधान

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
कर्मचारी अनुलाभ		
उपदान	4	3
दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ	41,519	37,967
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	-	1,06,186
भविष्य निधि ब्याज देयता	2,563	-
अन्य		
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान	614	628
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान	37,357	33,377
स्थल पुन:स्थापन देयता का प्रावधान	2,408	2,371
उप कुल (क)	**84,465**	**1,80,532**
चालू		
कर्मचारी अनुलाभ		
उपदान *	297	(2,172)
दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ	5,503	3,983
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस)	25,381	10,308
भविष्य निधि ब्याज देयता	258	-
अधिवर्षिता (पेंशन) योजना में प्रबंधन का योगदान	20	80
वार्षिक प्रोत्साहन राशि	169	143
अन्य		
दुर्वह संविदाओं का प्रावधान	5,032	3,173
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान	26,094	26,867
उप कुल (ख)	**62,754**	**42,382**
कुल (क+ख)	**1,47,219**	**2,22,914**

* मूल कंपनी के संबंध में (₹ 2210) बाध्यता पर योजित परिसंपत्ति का अधिशेष दर्शाता है।

i. 2022-23 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों का संचलन

विवरण	कार्य-निष्पादन वारंटी	दुर्वह संविदा	स्थल पुन:स्थापन देयता
1 अप्रैल को	60,244	3,801	2,371
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	23,799	2,284	37
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि (नीचे की टिप्पणी vi देखें)	9	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित अप्रयुक्त राशि	20,583	438	-
31 मार्च को	**63,451**	**5,646**	**2,408**

2021-22 को समाप्त वर्ष के लिए प्रावधानों का संचलन

विवरण	कार्य-निष्पादन वारंटी	दुर्वह संविदा	स्थल पुन:स्थापन देयता
1 अप्रैल को	50,710	1,821	2,158
वर्ष के दौरान अभिचिह्नित अतिरिक्त प्रावधान	33,188	2,527	213
वर्ष के दौरान प्रयुक्त राशि (नीचे की टिप्पणी vi देखें)	9	-	-
वर्ष के दौरान व्युत्क्रमित अप्रयुक्त राशि	23,645	547	-
31 मार्च को	**60,244**	**3,801**	**2,371**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ii. वारंटियों का प्रावधान - ग्रूप की लेखा नीति 19 के अनुसार।

ऐसे उत्पादों के संबंध में वारंटियों का प्रावधान किया जाता है जिनकी सामान्य वारंटी अवधि बकाया होती है। चूँकि वारंटी प्रावधान की अवधि उत्पाद-दर-उत्पाद अलग भिन्न होती है, वारंटी अवधि की औसत अवधि के आधार पर रणनीतिक कारोबारी यूनिट (एसबीयू) स्तर पर प्रावधान किया जाता है। संभावित व्ययों की प्रवृत्ति आधारित प्राक्कलन के आधार पर प्रावधान किया जाता है। इस प्रावधान का मापन वारंटी की प्राक्कलित लागत के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

iii. स्थल पुन:स्थापन का प्रावधान - ग्रूप की लेखा नीति 22 के अनुसार

पट्टादाता के साथ किए गए पट्टा करार के निबंधनों व शर्तों के अनुसार, मूल कंपनी को भूमि उसकी मूल स्थिति में वापस करना है। तदनुसार, स्थल पुन:स्थापन देयता का प्रावधान किया गया है। इस प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्षांत में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं। इस प्रावधान का मापन पुन:स्थापन की लागत के सर्वोत्तम प्राक्कलन के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

iv. दुर्वह संविदाओं का प्रावधान - ग्रूप की लेखा नीति 22 के अनुसार

मूल कंपनी द्वारा की गई कुछेक संविदाओं के संबंध में, यह अपेक्षा की जाती है कि संविदा को पूरी करने की संभावित लागत संविदा के समक्ष प्राप्त / प्राप्य राजस्व से अधिक होगी। ऐसे मामलों में, संभावित हानियों का प्रावधान किया गया। इस प्रावधान की समीक्षा की जाती है और प्रत्येक वर्षांत में आवश्यक समायोजन किए जाते हैं। इस प्रावधान का मापन संभावित हानि की प्राक्कलित लागत के वर्तमान मूल्य पर किया जाता है।

v. बिक्री के संबंध में कार्य-निष्पादन वारंटी की देयता जहाँ पूर्तिकर्ता की दोतरफा वारंटी उपलब्ध है, पूर्तिकर्ता द्वारा चूक किए जाने की स्थिति में संभावित देयता, यदि कोई हो, निर्धारित नहीं की जाती और इसका उल्लेखनीय होना अपेक्षित नहीं है।

vi. प्रारंभिक प्रावधान को नामे की गई राशि.

vii. वारंटी की लागत के संबंध में नैसर्गिक कोड शीर्ष के समक्ष ₹ 6937 (₹7,555) की राशि नामें की गई । स्थल पुन:स्थापन की देयता के संबंध में नैसर्गिक कोड शीर्षक के समक्ष कुछ नहीं राशि (कुछ नहीं) नामे की गई ।

viii. वेंटिलेटर परियोजना से संबंधित कार्य-निष्पादन वारंटी मूल कंपनी के सर्वोत्तम प्राक्कलनों के आधार पर किए गए थे क्योंकि सामान्य क्रम में प्रवृत्ति निर्धारित नहीं की गई थी।

(क) नियोजन पश्चात् कर्मचारी अनुलाभ देयता

(i) उपदान - (मूल कंपनी के संबंध में)

कंपनी भारत में उपदान संदाय अधिनियम, 1972 के अनुसार कर्मचारियों को उपदान प्रदान करती है। कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए एक उपदान योजना है जो वित्त-पोषित योजना है। प्रत्येक वर्ष कंपनी निधि देयताओं पर परिसंपत्तियों की कमी की सीमा तक इस उपदान ट्रस्ट में निधि विप्रेषित करती है जो बीमांकक मूल्यांकन द्वारा तय की जाती है। इस उपदान योजना के अनुसार, कंपनी में कम से कम पाँच वर्षों की सतत् सेवा प्रदान करने के बाद सेवा समाप्ति पर कर्मचारी को देय होता है। सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष या छ: महीनों की अवधि से अधिक भाग के लिए, कंपनी अंतिम आहरित मूल वेतन और महंगाई भत्ते के आधार पर पंद्रह दिन के वेतन की दर से कर्मचारी को उपदान का भुगतान करती है।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि की विवरणी में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और तुलन-पत्र में निर्धारित राशियों का सार और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों के दौरान निवल निर्धारित अनुलाभ देयता का संचलन दिया गया है -

विवरण	2022-23	2021-22
i) देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -		
वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य	68,101	70,202
चालू सेवा लागत	1335	1,574
ब्याज की लागत	4762	4,661
विगत सेवा लागत	-	-

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण		2022-23	2021-22
	अदा किए गए अनुलाभ	(6,442)	(6,471)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि		
	योजित देयता में वित्तीय मान्यताओं का परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	1793	(2,217)
	योजित देयता में अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	(238)	352
	अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	69,311	68,101
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	70,375	71,703
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	4930	4,765
	अंशदान	0	0
	अदा किए गए अनुलाभ	(6,442)	(6,471)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकक लब्धि / (हानि)	174	378
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	69,037	70,375
	निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	274	(2,274)
	परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव - वर्ष के प्रारंभ में	64	-
	परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव - वर्ष के अंत में	(64)	64
	निवल निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	274	(2,210)
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -**		
	चालू सेवा लागत	1,335	1,574
	निवल निर्धारित अनुलाभ देयता पर निवल ब्याज	(167)	(104)
	विगत सेवा लागत		
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	1,168	1,470
iv)	**अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन:मापन)**		
	योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	1554	(1,865)
	योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि) / हानि	(174)	(378)
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	(64)	64
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	1,316	(2,179)
v)	**तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -**		
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	69,311	68,101
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	69,037	70,375
	वित्त पोषण की स्थिति [(अधिशेष) / कमी]	274	(2,274)
	परिसंपत्ति की सीमा के प्रभाव - वर्ष के प्रारंभ में	64	-
	परिसंपत्ति की सीमा के प्रभाव - वर्ष के अंत में	(64)	64
	तुलन-पत्र के अनुसार 31 मार्च को वर्ष की देयता / (परिसंपत्ति)	274	(2,210)
vi)	**योजित परिसंपत्तियाँ**		
	योजित परिसंपत्तियों के वर्ग इस प्रकार हैं -		
	राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	-	0.11%
	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ	0.50%	1.21%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बांड	-	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	2022-23	2021-22
सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	-	-
संपत्ति	-	-
विशेष जमा योजना	-	-
बीमाकर्ता के पास निवेश	99.49%	98.67%
अन्य (बैंक शेष)	0.01%	0.01%
vii) बीमांकक मान्यताएँ -		
बट्टे की दर	7.21%	7.34%
प्रतिपूरक स्तर में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%
योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	7.21%	7.34%
अनुमानित औसत भावी कार्यशील जीवन	14.40	15.10
viii) अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन		
तुलन-पत्र के बाद शुरु होने वाली वार्षिक अवधि के दौरान उपदान के लिए अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन ₹ 274 (कुछ नहीं) है।		
ix) संवेदनशीलता विश्लेषण -		
बट्टे की दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.71%	7.84%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(2,647)	(2,722)
बट्टे की दर (0.50% संचलन) में कमी	6.71%	6.84%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	2,858	2,945
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में वृद्धि	7.50%	7.50%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	655	741
वेतन वृद्धि दर (0.50% संचलन) में कमी	6.50%	6.50%
अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(738)	(820)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकिक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. उपदान निर्धारित अनुलाभ देयता का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
वर्ष 1	4,744	4,134
वर्ष 2	12,000	10,010
वर्ष 3	8,398	8,441
वर्ष 4	7,856	8,085
वर्ष 5	7,102	7,399
अगले 5 वर्ष	25,367	27,642

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

(i) उपदान विवरण (सहायक कंपनी - बेलॉप के संबंध में)-

भारतीय लेखा मानक 19 कर्मचारी लाभ द्वारा आवश्यक कर्मचारी लाभों का विवरण निम्नानुसार हैं-

परिभाषित लाभ योजना

i) लाभ और हानि के बयान में मान्यता प्राप्त परिभाषित लाभ योजनाओं के संबंध में बीमांकिक लाभ और हानि ₹ 50 (पिछले वर्ष ₹ 53) है।

ii) अन्य लाभकारी आय विवरण में मान्यता प्राप्त लाभ योजनाओं के संबंध में बीमांकिक लाभ और हानि ₹ 28 (पिछले वर्ष ₹ 15) ।

iii) उपदान एक कर्मचारी की सेवा के प्रत्येक पूर्ण वर्ष के लिए 15 दिनों अंतिम आहरित वेतन के आधार पर कर्मचारी को दिए जाने वाला लाभ है।

iv) उपदान योजना वित्त पोषित है।

			यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
क		**परिभाषित दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन, उसके शुरुवाती और अंतिम समय के शेष का प्रतिनिधित्व निम्नानुसार हैं-**		
	1	अवधि की शुरुआत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,099	1,004
	2	ब्याज लागत	77	69
	3	चालू सेवा लागत	47	44
	4	पूर्व सेवा लागत	-	-
	5	परिसंपत्तियों का हस्तांतरित इन / अभिग्रहण	-	-
	6	(परिसंपत्तियां हस्तांतरित आउट / विनिवेश)	-	-
	7	काट छांट पर हानि/(लाभ)	-	-
	8	परिशोधन पर शामक देयताएँ	-	-
	9	(नियोक्ता द्वारा प्रत्यक्ष रूप से भुगतान किया गया लाभ)	-	-
	10	(निधि से भुगतान किया गया लाभ)	(6)	(12)
	11	विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
	12	बीमांकिक (लाभ) / दायित्वों पर नुकसान - जनसांख्यिकी मान्यताओं में बदलाव के कारण		1
	13	बीमांकिक (लाभ) / दायित्वों पर नुकसान - वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन के कारण	(38)	(10)
	14	बीमांकिक दायित्वों पर (लाभ) / नुकसान - अनुभव के कारण	4	3
	15	यथा तुलन पत्र की दिनांक के अनुसार निर्धारित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	1,183	1,099
ख		**परिभाषित दायित्व के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन, उसके शुरुवाती और अंतिम समय के शेष का प्रतिनिधित्व निम्नानुसार हैं-**		
	1	अवधि की शुरुआत में योजना की संपत्ति का उचित मूल्य	1060	879
	2	ब्याज आय	74	60
	3	नियोक्ताओं द्वारा वास्तविक योगदान	38	126
	4	कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित योगदान	-	-
	5	परिसंपत्तियों का हस्तांतरित इन / अधिग्रहण	-	-
	6	(परिसंपत्तियां हस्तांतरित आउट / विनिवेश)	-	-
	7	(फंड से भुगतान की गई लाभ)	(6)	(12)
	8	(परिशोधन पर वितरित परिसंपत्तियां)	-	-
	9	परिसंपत्ति की उच्चतम सीनी पर प्रभाव	-	-
	10	विदेशी मुद्रा दरों में परिवर्तन का प्रभाव	-	-
	11	योजनाबद्ध परिसंपत्तियों पर रिटर्न, ब्याज आय को छोड़कर	(6)	8
	12	अवधि के अंत में योजना की संपत्ति का उचित मूल्य	1,160	1,061

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

		यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
ग	**तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि- यथा 31 मार्च 2023**		
1	तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि	(1,183)	(1,099)
2	वर्ष के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,160	1,061
3	वित्त पोषित स्थिति (अधिशेष/कमी)	(23)	(38)
4	तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त निवल परिसंपत्ति / (देयता)	(23)	(38)
घ	**तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त राशि दिखाने वाली योजना परिसंपत्तियों के परिभाषित लाभ दायित्व और उचित मूल्य के वर्तमान मूल्य का सामंजस्य-**		
1	अवधि के अंत में परिभाषित लाभ दायित्व का वर्तमान मूल्य	(1,183)	(1,099)
2	अवधि के अंत में योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,160	1,061
3	वित्त पोषित स्थिति (अधिशेष/कमी)	(23)	(38)
4	गैर-मान्यता प्राप्त विगत सेवा लागत	-	-
5	तुलन पत्र में मान्यता प्राप्त शुद्ध संपत्ति / (देयता)	(23)	(38)
ङ	**वर्तमान अवधि के लिए लाभ या हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त व्यय**		
1	वर्तमान सेवा की लागत	47	45
2	ब्याज लागत	3	8
3	पिछली सेवा लागत	-	-
4	कर्मचारियों द्वारा अपेक्षित अंशदान	-	-
5	काट छांट व परिशोधन पर हानि / (लाभ)	-	-
6	विदेशी मुद्रा दरों में बदलाव का शुद्ध प्रभाव	-	-
7	उपदान फंड में योगदान के तहत लाभ और हानि के विवरण में मान्यता प्राप्त कुल व्यय	**50**	**53**
च	**अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में मान्यता प्राप्त व्यय**		
1	अवधि के लिए दायित्व में बीमांकिक (लाभ) / हानि	(34)	(7)
2	योजनाबद्ध परिसंपत्तियों पर प्राप्ति, ब्याज आय को छोड़कर	6	(8)
3	परिसंपत्ति की उच्चतम सीमा में बदलाव	-	-
4	ओसीआई में मान्यता प्राप्त अवधि के लिए शुद्ध (आय) / व्यय	**(28)**	**(15)**

छ **उपदान और सेवानिवृत्ति के संबंध में वित्त-पोषित अनुलाभों के संबंध में, योजना परिसंपत्तियों का उचित मूल्य "बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधि" के माध्यम से निवेश की गई राशियों को दर्शाता है।**

ज **प्रधान बीमांकिक अनुमान-**

	वर्ष	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
1	छूट की दर (%)	7.44%	6.98%
2	योजनागत संपत्ति पर संभावित लाभ (%)	7.44%	6.98%
3	वेतन वृद्धि (%)	10.50%	10.50%
4	कर्मचारी आवर्त की दर	2.00%	2.00%

क) छूट की दर दायित्वों की अनुमानित शर्तों के लिए तुलन पत्र की तारीख के अनुसार भारत सरकार की प्रतिभूतियों के प्रचलित बाजार लब्धियों पर आधारित है।

ख) योजित परिसंपत्तियों की प्राप्ति की अपेक्षित दर- यह दायित्वों की अनुमानित अवधि के दौरान निधि के निवेश पर अपेक्षित लंबी अवधि की औसत प्राप्ति की अपेक्षा पर आधारित है।

ग) वेतन वृद्धि दर- भविष्य के वेतन वृद्धि के अनुमानों पर मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य प्रासंगिक कारकों को ध्यान में रखा जाता है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

झ संवेदनशीलता विश्लेषण

वर्ष	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
वर्तमान अनुमानों पर अनुमानित लाभ दायित्व	1,183	1,099
1 डेल्टा प्रभाव + 1% छूट की दर में परिवर्तन	(77)	(80)
2 डेल्टा प्रभाव -1% छूट की दर में परिवर्तन	85	89
3 डेल्टा प्रभाव +1% वेतन वृद्धि की दर में बदलाव	82	86
4 डेल्टा प्रभाव -1% वेतन वृद्धि की दर में बदलाव	(75)	(78)
5 डेल्टा प्रभाव +1% कर्मचारी विक्रयावर्त की दर में परिवर्तन	(12)	(15)
6 डेल्टा प्रभाव -1% कर्मचारी विक्रयावर्त की दर में परिवर्तन	13	17

(ञ) उपदान फंड का निवेश बीमा कंपनी के पास है।

निर्धारित अंशदान योजनाएं (सहायक कंपनी - बीईएल थेल्स सिस्टम लिमिटेड के संबंध में)

कंपनी के कर्मचारी धारक कंपनी "मे. भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड" से और संबंधित पक्ष "थालेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड" और बीईएल - थेल्स सिस्टम्स लिमिटेड के कर्मचारी प्रतिनियुक्ति पर हैं। संबंधित कंपनियों के प्रतिनियुक्ति आदेशों के अनुसार निम्नलिखित अंशदान कर्मचारी के वेतन के निर्दिष्ट प्रतिशत पर आवधिक रूप से धारक कंपनी और थालेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को आवधिक रूप से विप्रेषित किए जाते हैं-

क) भविष्य निधि को अंशदान

ख) कर्मचारी अधिवार्षिता निधि

ग) उपदान

घ) कर्मचारी छुट्टी अनुलाभ

अंशदान प्रोद्भूत होने पर लाभ व हानि के विवरण को प्रभारित किए जाते हैं।.

कंपनी में बीईएल-थेल्स सिस्टम्स लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए निर्धारित अनुलाभ उपदान योजना (गैर वित्त-पोषित) है।

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष
भविष्य निधि में अंशदान को भविष्य निधि तथा अन्य निधियों में अंशदान के तहत शामिल किया गया है	33.59	29.19
कुल	**33.59**	**29.19**

निर्धारित अनुलाभ योजनाएं

(i) उपदान

कंपनी में पात्र कर्मचारियों के लिए उपदान, एक निर्धारित अनुलाभ सेवानिवृत्ति योजना ("उपदान योजना") का प्रावधान है। उपदान योजना में सेवानिवृत्ति, मृत्यु, नियोजन के असामर्थ्य या समापन पर अधिकार प्राप्त कर्मचारियों को संबंधित कर्मचारी के वेतन तथा नियोजन के कार्यकाल के आधार पर निर्धारित राशि का एकमुश्त भुगतान करने का प्रावधान है। अधिकार निधान पांच वर्षों की सेवा समाप्त होने पर लागू होता है। उपदान योजना से संबंधित देयताएं तुलन-पत्र की तारीख में बीमांकिक मूल्यांकन द्वारा निर्धारित की जाती है। यथा 31 मार्च, 2021 को कंपनी की उपदान योजना गैर वित्त-पोषित है और कंपनी द्वारा कोई परिसंपत्ति नहीं रखी जाती तथा परिसंपत्ति मूल्य शून्य माना जाता है; नकद का अभाव होने के कारण चलनिधि का जोखिम हो सकता है।

ऐसी योजनाओं से कंपनी को सामान्य रूप से बीमांकिक जोखिम हो सकता जैसे ब्याज दर का जोखिम, चलनिधि का जोखिम, वेतन वृद्धि का जोखिम, जनसांख्यिकीय जोखिम तथा विनियामक जोखिम।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ब्याज दर का जोखिम	योजना से कंपनी को ब्याज दर में गिरावट का जोखिम हो सकता है। ब्याज दर में कमी से उक्त अनुलाभ प्रदान करने की अंतिम लागत बढ़ती है और इस प्रकार, देयता के मूल्य में भी वृद्धि होती है (वित्तीय विवरणों में बताए गए अनुसार)।
चलनिधि का जोखिम	यह वह जोखिम है जिसे कंपनी अल्पकालीन उपदान भुगतानों से पूरा नहीं कर पता है। देयताएं पूरा करने के लिए पर्याप्त नकद/ नकद समतुल्य न होने या समय पर न बिक रही गैर चलनिधि परिसंपत्तियों को धारित करने से ऐसी समस्या हो सकती है।
वेतन वृद्धि का जोखिम	निर्धारित अनुलाभ योजना के वर्तमान मूल्य का परिकलन भविष्य में योजना के सहभागियों की वेतन वृद्धि दर को मानकर किया जाता है। देयता का वर्तमान मूल्य तय करने के लिए प्रयुक्त वेतन में बढ़ोत्तरी की दर से योजना के प्रतिभागियों के लिए भविष्य में वेतन वृद्धि की दर में विचलन का योजना की देयता पर प्रभाव पड़ेगा।
जनसांख्यिकीय जोखिम	कंपनी ने देयता के मूल्यांकन में कुछेक मृत्यु दर और संघर्षण मान्यताओं का प्रयोग किया है। कंपनी को वास्तविक अनुभव के जोखिम का एक्सपो. जर है जो मान्यताओं से तुलना करने पर अधिक बुरा हो रहा है।
विनियामक जोखिम	उपदान अनुलाभ उपदान अधिनियम, 1972 (समय-समय पर यथा संशोधित) की आवश्यकताओं के अनुसार उपदान अनुलाभ अदा किए जाते हैं। उपदान के अधिक भुगतान करने वाले विनियम आने का जोखिम होता है (जैसे उपदान की अधिकतम सीमा ₹ 20,00,000 से अधिक होना)।

बीमांकिक मूल्यांकन विधि-

निर्धारित अनुलाभ देयताओं तथा संबंधित चालू सेवा लागत और जहां लागू हो, विगत सेवा लागत का वर्तमान मूल्य निर्धारित करने के लिए भारतीय ए.एस. 19 के अनुसार प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए मूल्यांकन किया गया है।

विवरण	31 मार्च 2023 को उपदान
लाभ व हानि खाते के विवरण में कर्मचारी लागत में निर्धारित निवल कर्मचारी अनुलाभ व्यय	
चालू सेवा लागत	1.1
अनुलाभ देयता पर ब्याज की लागत	0.2
विगत सेवा लागत	
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	
उप कुल	**1.30**
अन्य व्यापक आय में निर्धारित	
योजित परिसंपत्तियो पर वर्ष में निर्धारित निवल बीमांकिक (लब्धि)/हानि	-0.42
योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि)/हानि	-
तुलन-पत्र परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-
उप कुल	**-0.42**
निवल अनुलाभ व्यय	**0.88**
तुलन पत्र	
अनुलाभ परिसंपत्ति / देयता	
निर्धारित अनुलाभ देयता का वर्तमान मूल्य	3.82
योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	
तुलन पत्र में निर्धारित परिसंपत्तियां / (देयता)	**3.82**
निर्धारित अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन	
प्रारंभिक निर्धारित अनुलाभ देयता	2.95
अंदर अंतरित अनुलाभ	-
बाहर अंतरित अनुलाभ	-
अदा किए गए अनुलाभ	-
अधिग्रहण समायोजन	
लाभ व हानि खाते के विवरण में निर्धारित व्यय	
चालू सेवा लागत	1.10
अनुलाभ देयता पर ब्याज लागत	0.20
विगत सेवा लागत	0
अन्य व्यापक आय में निर्धारित देयता पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-0.42
अंतिम निर्धारित अनुलाभ देयता	3.83

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023 को उपदान
वर्ष के अंत में देयता के वर्तमान मूल्य का विभाजन	
चालू देयता (अल्पकालिक)	0.22
गैर चालू देयता (दीर्घकालिक)	3.61
देयता का वर्तमान मूल्य	**3.83**
योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन	
योजित परिसंपत्तियों का प्रारंभिक उचित मूल्य -	-
नियोक्ता का अंशदान	-
निवेश आय	-
अदा किए गए अनुलाभ	-
योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति, निवल ब्याज व्यय में निर्धारित राशि को छोड़कर	
योजित परिसंपत्तियों का अंतिम उचित मूल्य	-
मान्यताएं	
बट्टे की दर (% प्रति वर्ष)	7.27%
वेतन वृद्धि की अपेक्षित दर (%)	6.00%
मृत्यु दर	(% of IALM 2012-14)
सेवानिवृत्ति की सामान्य आयु	60 वर्ष
संघर्षण / वापसी दर प्रति वर्ष	28.54%

बीमांकिक मूल्यांकन में विचार की गई भावी वेतन वृद्धियों के प्राक्कलन में मुद्रास्फीति, वरिष्ठता, पदोन्नति तथा अन्य संबंधित कारकों पर विचार किया गया है जैसे नियोजन के क्षेत्र में पूर्ति और मांग।

चालू और पिछली अवधियों के लिए निर्धारित अनुलाभ योजना की राशियां इस प्रकार हैं-

विवरण	निर्धारित अनुलाभ देयता का वर्तमान मूल्य	अधिशेष / (कमी)	योजित देयताओं पर अनुभव समायोजन - (हानि)/ लब्धि	योजित देयताओं पर मान्यताओं में परिवर्तन का प्रभाव - (हानि) / लब्धि	योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि
31 मार्च 2023	3.82	-3.82	0.31	0.12	-

निर्धारित अनुलाभ देयता का संवेदनशीलता विश्लेषण

मान्यताएं	बट्टे की दर		वेतन वृद्धि दर	
संवेदनशीलता स्तर	+50 आधार बिंदु	-50 आधार बिंदु	+50 आधार बिंदु	-50 आधार बिंदु
0.50% संचलन	7.77%	6.77%	6.50%	50.00%
निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	3.75	3.90	3.91	3.74
चालू सेवा लागत में वृद्धि / (कमी)	1.16	1.21	1.21	1.16

विवरण	31 मार्च 2023 को
प्रतिपूरक अनुपस्थितियां	
लाभ व हानि के विवरण में प्रभार	12.85
वर्षांत में देयता	1.80
बीमांकिक मान्यताएं	
बट्टे की दर	7.27%
वेतन बढ़ोत्तरी	6.00%
सेवानिवृत्ति का आयु	60 वर्ष
संघर्ष दर	28.54%

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ii) भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सेवानिवृत्त कर्मचारी चिकित्सा ट्रस्ट (बीआरईएमटी) -

वर्ष के दौरान बीईएल ने अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक चिकित्सा निधि संचालित करने के लिए 'भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सेवानिवृत्त कर्मचारी मेडिकल ट्रस्ट (बीआरईएमटी)' ['ट्रस्ट'] का गठन किया है। कंपनी के पास अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक अंशदायी स्वास्थ्य योजना "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी' अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (BERECHS) है जो एक वित्त पोषित योजना है। कंपनी बीआरईएम ट्रस्ट को निधि दायित्वों से अधिक संपत्ति की कमी की सीमा तक निधियां भेजती है, जो बीमांकिक मूल्यांकन के माध्यम से निर्धारित किया जाता है। योजना का प्राथमिक उद्देश्य सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर या सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएं प्रदान करना है। वी.आर.एस. योजना के तहत अनुलाभ केवल सदस्य बनने वाले कर्मचारियों और उनकी पत्नी/पति को ही उपलब्ध होगा।

निम्नलिखित तालिका लाभ और हानि के विवरण में निर्धारित प्राप्त शुद्ध लाभ व्यय के घटकों और तुलन-पत्र में निर्धारित प्राप्त राशियों और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों में शुद्ध निर्धारित लाभ दायित्व में संचलन का सारांश इस प्रकार है -

विवरण	2022-23
i) देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -	
वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	1,16,494
चालू सेवा लागत	6,139
ब्याज की लागत	8,551
विगत सेवा लागत	-
अदा किए गए अनुलाभ*	-
अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	
गैर-योजित देयता पर वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	3,466
गैर-योजित देयता पर अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	13,492
योजित देयता पर जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन का प्रभाव - हानि / (लब्धि)	-
अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	**1,48,142**
ii) योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -	
वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-
योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	7,647
प्रत्यक्ष अनुलाभ भुगतान करने के लिए प्रत्यक्ष अंशदान	-
अदा किए गए अनुलाभ*	-
अन्य समग्र आय में निर्धारित योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लब्धि / (हानि)	(1,379)
योजित परिसंपत्तियों में अंशदान	1,16,493
अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**1,22,761**
निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	**25,381**
वर्ष के प्रारंभ में परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव	
वर्ष के अंत में परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव	
निवल निर्धारित अनुलाभ (परिसंपत्ति) / देयता	**25,381**
iii) लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	
चालू सेवा लागत	6,139
निर्धारित अनुलाभ देयता पर ब्याज	904
विगत सेवा लागत	-
लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय	**7,043**
iv) अन्य समग्र आय के विवरण में निर्धारित राशियां (पुनर्मापन)	
योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	16,958
योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	1,379
अन्य समग्र आय के विवरण में निर्धारित राशियां	**18,337**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण		2022-23
v)	**तुलन-पत्र में निर्धारित राशियां -**	
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	1,48,142
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	1,22,761
	वित्तपोषण की स्थिति [(अधिशेष) / कमी]	25,381
	वर्ष के प्रारंभ में परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव	0
	वर्ष के अंत में परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा के प्रभाव	0
	तुलन-पत्र के अनुसार 31 मार्च को वर्ष की देयता / (परिसंपत्ति)	**25,381**
vi)	**योजित परिसंपत्तियां**	
	योजित परिसंपत्तियों के वर्ग इस प्रकार हैं -	
	भारत सरकार की प्रतिभूतियां	-
	राज्य सरकार की प्रतिभूतियां	-
	हाई क्वालिटी के कार्पोरेट बांड	-
	सूचीबद्ध कंपनियों के इक्विटी शेयर	-
	संपत्ति	-
	विशेष जमा योजना	-
	बीमाकर्ता द्वारा प्रबंधित निधियां	99.99%
	अनय (बैंक शेष)	0.01%
vii)	**बीमांकिक मान्यताएं-**	
	बट्टे की दर	7.21%
	चिकित्सा मुद्रास्फीति दर	7.00%
	संघर्षण दर	1.50%
viii)	**अदा किए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन**	
	तुलन-पत्र के बाद शुरु होने वाली वार्षिक अवधि के दौरान बीईआरईसीएचएस के प्रति अदा किए गए जाने वाले अंशदान का सर्वोत्तम प्राक्कलन ₹ 25,381 (ला.न.) है।	
ix)	**सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु वृद्धि का प्रभाव -**	
	सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	1,862
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	14,925
	सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु कमी	
	सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	(1,606)
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	(12,872)
x)	**संवेदनशीलता विश्लेषण -**	
	बट्टे की दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.71%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(7,748)
	बट्टे की दर में (0.50% संचलन) कमी	6.71%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	8,574
	चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.50%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	7,183
	चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) कमी	6.50%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(6,670)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. बीईआरईसीएचएस का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2023 को
वर्ष 1	6,892
वर्ष 2	7,207
वर्ष 3	7,520
वर्ष 4	7,990
वर्ष 5	8,430
अगले 5 वर्ष	49,557

टिप्पणी-

* बीईआरईसीएचएस व्यय के लिए अदा की गई ₹ 6,564 की राशि बीआरईएम ट्रस्ट के कारण है जिसे पीवीओ में शामिल किया गया है।

(ii) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) - (मूल कंपनी के संबंध में)

कंपनी में अपने सेवानिवृत्त कर्मचारियों के लिए एक अंशदायी स्वास्थ्य योजना "बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना" (बीईआरईसीएचएस) है जो गैर-वित्त पोषित योजना है। इस योजना का प्राथमिक उद्देश्य अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों या वीआरएस लेने वाले कर्मचारियों को चिकित्सा सुविधाएँ प्रदान करना है। इस योजना के तहत अनुलाभ ऐसे कर्मचारियों को उपलब्ध होते हैं जो स्वयं और जिनकी पत्नी/पति मात्र इसके सदस्य बनते हैं।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि की विवरणी में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और तुलन-पत्र में निर्धारित राशियों का सार और बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार वर्षों के दौरान निवल निर्धारित अनुलाभ देयता का संचलन दिया गया है -

विवरण		2021-22
i)	**देयताओं के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -**	
	वर्ष के प्रारंभ में देयताओं का वर्तमान मूल्य (पीवीओ)	82,507
	चालू सेवा लागत	4,348
	ब्याज की लागत	5,775
	विगत सेवा लागत	1,727
	अदा किए गए अनुलाभ	920
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	
	गैर-योजित देयता पर वित्तीय मान्यताओं में परिवर्तन - हानि / (लब्धि)	(2,312)
	गैर-योजित देयता पर अनुभव समायोजन - हानि / (लब्धि)	23,529
	योजित देयता पर जनसांख्यिकीय मान्यताओं में परिवर्तन का प्रभाव - हानि / (लब्धि)	-
	अवधि के अंत में देयताओं का वर्तमान मूल्य	**1,16,494**
ii)	**गैर-योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन (प्रतिपूर्ति के अधिकार) -**	
	वर्ष के प्रारंभ में गैर-योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	72,230
	गैर-योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	5,549
	प्रत्यक्ष अनुलाभ भुगतान करने के लिए प्रत्यक्ष अंशदान	4,629

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण		2021-22
	अदा किए गए अनुलाभ	(4,629)
	अन्य व्यापक आय में निर्धारित गैर-योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकक लब्धि / (हानि)	(902)
	गैर-योजित परिसंपत्तियों में अंशदान	15,000
	अवधि के अंत में गैर-योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**91,877**
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -**	
	प्रारंभिक निवल देयता	-
	चालू सेवा लागत	4,348
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर ब्याज	5,775
	विगत सेवा लागत	1,727
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय [व्यय - कुछ नहीं (₹ 389), प्रावधान - ₹ 11850 (₹ 6846)]	**11,850**
iv)	**अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन:मापन) -**	
	गैर-योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	21,217
	गैर-योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक (लब्धि) / हानि	902
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	**22,119**
v)	**तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -**	
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	1,16,494
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	-
	वित्त-पोषण की स्थिति	(1,16,494)
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता (बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार)	**1,16,494**
	अगले बारह महीनों में प्रदेय के लिए अपेक्षित	**10,308**
	अगले बारह महीनों के बाद प्रदेय के लिए अपेक्षित	**1,06,186**
vi)	**बीमांकक मान्यताएँ -**	
	बट्टे की दर	7.34%
	चिकित्सा स्फीति दर	6.50%
	पलायन दर	1.00%
vii)	**सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु वृद्धि का प्रभाव -**	
	सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	1,511
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	11,987
	सेवा लागत और ब्याज की लागत तथा निर्धारित अनुलाभ देयता के योग पर मानी गई स्वास्थ्य सेवा लागत की प्रवृत्ति दरों में एक प्रतिशत बिंदु कमी -	
	सेवा लागत और ब्याज की लागत के योग पर प्रभाव	(1,306)
	निर्धारित अनुलाभ देयता पर प्रभाव	(10,365)
viii)	**संवेदनशीलता विश्लेषण -**	
	बट्टे की दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.84%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(6,306)
	बट्टे की दर में (0.50% संचलन) कमी	6.84%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	6,975
	चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) वृद्धि	7.00%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	5,772
	चिकित्सा स्फीति दर में (0.50% संचलन) कमी	6.00%
	अवधि के अंत में निर्धारित अनुलाभ देयता में वृद्धि / (कमी)	(5,368)

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

अतिरिक्त प्रकटण -

i. संवेदनशीलता विश्लेषण में अन्य मान्यताओं को ध्यान में रखते हुए एक समय में एक प्रमुख बीमांकक मान्यता का परिवर्तन शामिल है। संवेदनशील विश्लेषण 50 मूल अंकों तक जोड़ते या घटाते हुए परिवर्तित मान्यताओं के संपूर्ण मूल्यांकन मॉडल को दोबारा चलाते हुए प्रत्यक्ष विधि का प्रयोग करते हुए किया गया है।

ii. पिछले वर्ष की तुलना में संवेदनशीलता विश्लेषण करने में प्रयुक्त विधियों और मान्यताओं में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

iii. बीईआरईसीएचएस का परिपक्वता प्रोफाइल नीचे दिए गया है -

वर्ष	31 मार्च 2022 को
वर्ष 1	6,446
वर्ष 2	6,834
वर्ष 3	7,241
वर्ष 4	7,672
वर्ष 5	8,089
अगले 5 वर्ष	46,160

(iii) कर्मचारी भविष्य निधि (ब्याज में कमी)- (मूल कंपनी के संबंध में)

कर्मचारी भविष्य निधि का प्रबंध कंपनी के भविष्य निधि ट्रस्ट द्वारा किया जाता है। कंपनी इस ट्रस्ट में कर्मचारी भविष्य निधि के प्रति देय प्रबंधन का अंशदान देती है।

कंपनी द्वारा किया गया अंशदान और ब्याज की कमी, यदि कोई हो, को कर्मचारी अनुलाभ व्यय के तहत लाभ और हानि के विवरण में व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है। भविष्य निधि देनदारियों के बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार और निर्धारण के आधार पर, ब्याज लागत में कमी होती है क्योंकि भविष्य निधि ट्रस्ट के ब्याज की अपेक्षित गारंटीकृत दर के आधार पर निधि की अपेक्षित भावी आय का वर्तमान मूल्य व्यक्तिगत सदस्यों को जमा की जाने वाली अपेक्षित राशि से कम है।

विवरण		2022-23	2021-22
i)	**अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में देयता का वर्तमान मूल्य	3,62,025	3,34,350
	चालू सेवा लागत	12,092	11,723
	ब्याज की लागत	26,203	23,058
	विगत सेवा लागत (अनिहित अनुलाभ)	-	0
	विगत सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	0
	बीमांकिक (लब्धि) / हानि	12,561	9,944
	प्रदेय / अदा किए गए अनुलाभ	(75,564)	(70,067)
	अंशदान	53,875	53,017
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	**3,91,192**	**3,62,025**
ii)	**योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य में परिवर्तन -**		
	वर्ष के प्रारंभ में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	3,70,216	3,40,609
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	26,804	23,494
	अंशदान	65,495	63,958
	प्रदेय / अदा किए गए अनुलाभ	(75,564)	(70,067)
	योजित परिसंपत्तियों पर बीमांकिक लब्धि / (हानि)	1,678	12,222
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	**3,88,629**	**3,70,216**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

विवरण		2022-23	2021-22
iii)	**लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -**		
	प्रारंभिक निवल देयता	-	-
	चालू सेवा लागत	12,092	11,723
	ब्याज की लागत	26,203	23,058
	योजित परिसंपत्तियों पर अपेक्षित प्राप्ति	(26,804)	(23,494)
	अवधि में निर्धारित निवल बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	-
	विगत सेवा लागत (अनिहित अनुलाभ)	-	-
	विगत सेवा लागत (निहित अनुलाभ)	-	-
	लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय	**11,491**	**11,287**
iv)	**तुलन-पत्र में निर्धारित राशियाँ -**		
	अवधि के अंत में देयता का वर्तमान मूल्य	3,91,192	3,62,025
	अवधि के अंत में योजित परिसंपत्तियों का उचित मूल्य	3,88,629	3,70,216
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-	8191
	अंतर	**2,563**	**-**
	अनिर्धारित बीमांकिक (लब्धि) / हानि	-	-
	तुलन-पत्र में निर्धारित देयता	**2,563**	**-**
v)	**चालू अवधि की राशि -**		
	देयता का वर्तमान मूल्य	3,91,192	3,62,025
	योजित परिसंपत्तियाँ	3,88,629	3,70,216
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	-	8191
	अधिशेष / (कमी)	(2,563)	-
	योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि	(13,287)	(9,991)
	योजित परिसंपत्तियों पर अनुभव समायोजन - (हानि) / लब्धि	1,678	12,222
vi)	**अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ (पुन: मापन) -**		
	योजित देयताओं पर बीमांकिक (लब्धि)/ हानि	12,561	9944
	योजित परिसंपत्तियों पर वास्तविक प्राप्ति और ब्याज की आय के बीच का अंतर - (लब्धि) / हानि	(1,678)	(12,222)
	तुलन-पत्र की परिसंपत्ति सीमा का प्रभाव	(8,320)	2,278
	अन्य व्यापक आय के विवरण में निर्धारित राशियाँ	2563	-
vii)	**यथा 31 मार्च को परिसंपत्तियों का वर्ग -**		
	भारत सरकार की प्रतिभूतियाँ और राज्य सरकार की प्रतिभूतियाँ	53.60%/57.64%	54.49%/61.35%
	उच्च गुणता के कार्पोरेट बांड	33.10%/26.14%	32.88%/24.69%
	म्युच्युअल फंड	2.70%/2.49%	2.71%/1.59%
	अन्य	7.68%/9.16%	8.55%/8.55%
	उद्यम से वसूल किए गए *	2.92%/4.57%	1.37%/3.82%
	कुल	**100%/100%**	**100%/100%**
viii)	**बीमांकिक मान्यताएँ -**		
	बट्टे की दर	7.21%	7.34%
	वेतन वृद्धि दर	7.00%	7.00%
	योजित परिसंपत्तियों पर प्राप्ति की अपेक्षित दर	7.96%/8.16%	8.07/8.30%

* नोट - चालू वर्ष के लिए भविष्य निधि ट्रस्ट की कमी की पूर्ति के लिए ₹ 258 को शामिल करें और प्रदान करें।

** नोट - निवेश का अरक्षित (मूलधन) हिस्सा जो ₹ 13,601 (₹ 8,551) बनता है, को ट्रस्ट ने गैर-निष्पादनीय निवेश माना है और इस राशि को चूक की स्थिति में उद्यम से वसूल की जाने वाली राशि के रूप में वर्गीकृत किया गया है और तदनुसार इसका प्रावधान किया गया है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ख. दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति - (मूल कंपनी के संबंध में)

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थिति योजना है जो गैर वित्त-पोषित योजना है। कंपनी के कर्मचारी दी प्रकार की दीर्घकालीन क्षतिपूरक अनुपस्थितियाँ लेने के हकदार होते हैं - कार्यपालकों के लिए वार्षिक छुट्टी (ए.एल.) और आधे वेतन की छुट्टी (एच.एल.) और गैर-कार्यपालकों के लिए वार्षिक छुट्टी (ए.एल.) और बीमारी छुट्टी (एस.एल.)। इस योजना में अधिवार्षिता की आयु प्राप्त करने, वीआरएस या मृत्यु होने पर प्राप्त न की गई छुट्टी (कार्यपालकों के लिए ए.एल. और एच.एल. और गैर-कार्यपालकों के लिए ए.एल. और एस.एल.) के समक्ष कर्मचारियों को क्षतिपूर्ति देने का प्रावधान होता है। सेवा के दौरान या त्यागपत्र देने के समय भी ए. एल. नकदीकरण किया जा सकता है।

निम्नलिखित टेबल में लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल अनुलाभ व्यय के घटक और बीमांकक द्वारा दी गई प्रकटण रिपोर्ट में दिए गए अनुसार, योजना के लिए तुलन-पत्र में निर्धारित राशि के विवरण दिए गए हैं -

विवरण	2022-23	2021-22
i) लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित व्यय -		
लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित निवल व्यय [2022-23 नकदीकृत छुट्टी - ₹ 1,925, प्रावधान - ₹ 5,027] [2021-22 नकदीकृत छुट्टी - ₹ 1,890, प्रावधान - ₹ 1,602]	6,952	3,492
ii) तुलन-पत्र में निर्धारित की जाने वाली राशियाँ -		
तुलन-पत्र में निर्धारित देयता [बीमांकिक मूल्यांकन के अनुसार]	46,443	41,416
iii) बीमांकिक मान्यताएँ -		
बट्टे की दर	7.21%	7.34%
क्षतिपूरण स्तर में वृद्धि की दर	7.00%	7.00%
iv) विगत अनुभव के आधार पर, कंपनी यह अपेक्षा नहीं करती है कि अगले 12 महीनों में सभी कर्मचारी प्रोद्भत छुट्टी की पूर्ण राशि लेंगे या इसका भुगतान करने की आवश्यकता होगी। निम्नलिखित राशियाँ ऐसी छुट्टी को दर्शाते हैं जिसे अगले 12 महीनों के भीतर / 12 महीनों के बाद लिया जाएगा या भुगतान किया जाएगा।		
चालू छुट्टी की देयता अगले 12 महीनों में निपटाना अपेक्षित है	5488	3,972
12 महीनों के बाद निपटाने के लिए अपेक्षित छुट्टी की देयता	40,955	37,444
कुल	**46,443**	**41,416**

लंबी अवधि के मुआवजे की अनुपस्थिति (सहायक कंपनी - बेलॉप के संबंध में)

नकदीकरण अवकाश

कंपनी में छुट्टी नकदीकरण की योजना है जो गैर वित्त-पोषित योजना है।

योजना के अनुसार, कंपनी के सभी कर्मचारी अपने संचित वार्षिक अवकाश के अधीन प्रत्येक ग्रेड के लिए निर्धारित न्यूनतम अवकाश के प्रतिधारण को प्राप्त करने के हकदार हैं। नकदीकृत अवकाश प्रति दिन (बेसिक + डीए) / 30 की दर से देय है।

लंबी अवधि के मुआवजे के अभाव के लिए देयता जैसे कि बीमांकिक आधार पर वार्षिक छुट्टी का मूल्य 31.03.2022 के अनुसार ₹ 578 है (पिछले साल ₹ 531)। पीयूसी पद्धति का उपयोग करके बीमांकिक मूल्यांकन किया गया है।

विवरण	2022-23	2021-22
सेवानिवृत्ति आयु	58 वर्ष	58 वर्ष
आर्कषक मुल्य	2%	2%
भावी वेतन वृद्धि	10.50%	10.50%
छूट की दर	6.98%	6.98%
मृत्यु दर तालिका	भारतीय आश्वासित मृत्यु दर (2006-08)	भारतीय आश्वासित मृत्यु दर (2006-08)

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

लंबी अवधि के मुआवजे के अभावों पर देयता की राशि को बीमांकक की रिपोर्ट के आधार पर वर्तमान और गैर-वर्तमान के बीच द्विभाजित किया गया है।

विवरण	2022-23	2021-22
चालू देयताएँ	15	10
गैर चालू देयताएँ	563	521
कुल	**578**	**531**

ग. पेंशन योजना- (मूल कंपनी के संबंध में)

कंपनी में अपने कर्मचारियों के लिए एक निर्धारित अंशदान पेंशन अनुलाभ योजना है जिसमें इस प्रयोजनार्थ स्थापित ट्रस्ट में वार्षिक आधार पर अंशदान दिया जाता है।

इस योजना के तहत अनुलाभ इस संबंध में निर्धारित नियमों के अनुसार कर्मचारियों पर लागू होते हैं।

i) निर्धारित अनुलाभ योजना (यानी उपदान और बीईआरईसीएचएस) के कारण पैदा होने वाले विशिष्ट या असाधारण जोखिमों का व्याख्यात्मक वर्णन

निर्धारित अनुलाभ योजनाओं से संबंधित विशिष्ट जोखिम इस प्रकार हैं -

दो रिपोर्टिंग अवधियों के बीच दीर्घकालीन सरकारी बांड दर में संचलन बट्टे की दर को प्रभावित करेगा और इसके परिणामस्वरूप देयताओं का वर्तमान मूल्य प्रभावित होगा।

वित्तीय वर्ष में वास्तविक अनुभव के समक्ष मूल्यांकन के लिए विचार किए गए उच्चतर / निम्नतर वेतन वृद्धि / अनुलाभ का जोखिम।

बहरहाल, दोनों प्रकार की जोखिमों को नियमित आधार यानी वार्षिक रूप से कम किया जाता है क्योंकि अद्यतन मान्यताओं के आधार पर ये मूल्यांकन प्रत्येक वर्ष के बाद किए जाते हैं।

ii) किसी परिसंपत्ति - देयता की मेल करने वाली रणनीति का व्याख्यात्मक वर्णन

कंपनी की उपदान योजना वित्त-पोषित योजना है। इस योजना की समर्थक परिसंपत्तियाँ मुख्यत: बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित निधियाँ होती हैं। इसलिए, इस योजना के लिए परिसंपत्ति-देयता का मेल करने वाली रणनीतियों को कार्यान्वित करने के परिप्रेक्ष्य में, कंपनी की सीमित लोचता होती है।

कंपनी की सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना गैर-वित्त पोषित योजना है। इसलिए, परिसंपत्ति-देयता का मेल करने वाली रणनीतियाँ इस योजना के लिए संगत नहीं हैं।

iii) वित्त-पोषण की व्यवस्थाओं और वित्त-पोषण की नीति का वर्णन

कंपनी की उपदान योजना वित्त-पोषित योजना है। इस योजना की योजित परिसंपत्तियों का 98.67% (98.70%) बीमाकर्ता द्वारा व्यवस्थित परिसंपत्तियाँ होती हैं और योजित परिसंपत्तियों का 1.32% (1.29%) निवेश केंद्र और राज्य सरकार की प्रतिभूतियों में किया जाता है। इस निधि का वार्षिक अंशदान आम तौर पर अनुलाभ देयताओं के पूर्ववर्ती बीमांकिक मूल्यांकन द्वारा प्रकट किए गए अनुसार, कमी के समतुल्य तय किया जाता है।

सेवानिवृत्ति के बाद की चिकित्सा योजना डबीईआरईसीएचएस.गैर-वित्त पोषित योजना है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 22 - अन्य देयताएं

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर चालू		
आस्थगित राजस्व - ग्राहक अनुदान	-	-
उप कुल (क)	**-**	**-**
चालू		
संविदा देयता		
- ग्राहकों से प्राप्त अग्रिम	14,82,298	14,50,765
- आस्थगित राजस्व	14,672	7,173
सांविधिक देयताएं	27,054	17,699
अन्य	5,882	5,270
उप कुल (ख)	**15,29,906**	**14,80,907**
कुल (क+ख)	**15,29,906**	**14,80,907**

i. संविदा देयता

अवधि के दौरान निर्धारित राजस्व ₹ 5,70,510 (₹ 4,84,774) है जिसे अवधि के प्रारंभ में संविदा देयता के शेष में शामिल किया गया था।

टिप्पणी 23 - प्रचालनों से राजस्व

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
उत्पादों की बिक्री	15,66,295		13,60,863	
सेवाओं से आय	1,74,123		1,47,611	
		17,40,418		15,08,474
अन्य प्रचालनीय राजस्व				
रद्दी की बिक्री		500		882
परिवहन की रसीदें		312		360
किराए की रसीदें		658		643
कैन्टीन प्राप्ति		1,469		1,202
संग्रहित बिजली प्रभार		238		246
संग्रहित जल प्रभार		54		47
आहरित प्रावधान				
- कार्य-निष्पादन वारंटी	357		-	
- संदिग्ध ऋण, निर्णीत हर्जाना	8,794		8,280	
- वस्तुसूची	2,873		2,957	
- ऋण व अग्रिम	425		108	
- अन्य	-		1	
		12,449		11,346
शुल्क वापसी सहित सरकारी अनुदान		2,175		1,937
ग्राहक के अनुदान		-		112
विविध		15,171		11,569
		17,73,444		**15,36,818**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

(i) ग्राहकों की संविदाओं के समक्ष निर्धारित राजस्व के भिन्न-भिन्न आंकड़े(2022-23)

विवरण	देशीय			निर्यात	कुल
	भारत सरकार		अन्य		
	रक्षा	रक्षा इतर			
उत्पादों की बिक्री	13,75,936	1,23,316	27,624	39,419	15,66,295
सेवाओं से आय	1,35,204	33,828	637	4,453	1,74,123
कुल	**15,11,140**	**1,57,144**	**28,261**	**43,872**	**17,40,418**

उपर्युक्त में से ₹ 39,455 की ग्रूप की निर्यात बिक्री मूल कंपनी से संबंधित है। इसके अलावा, जीई-बीई प्रा. लि. का निर्यात ₹ 1,44,640 (जिसका मूल्य ऊपर शामिल नहीं है) है।

ग्राहकों की संविदाओं के समक्ष निर्धारित राजस्व के भिन्न-भिन्न आंकड़े (2021-22)

विवरण	देशीय			निर्यात	कुल
	भारत सरकार		अन्य		
	रक्षा	रक्षा इतर			
उत्पादों की बिक्री	12,37,975	73,050	28,011	21,827	13,60,863
सेवाओं से आय	1,15,531	29,863	445	1,772	1,47,611
कुल	**13,53,506**	**1,02,913**	**28,456**	**23,599**	**15,08,474**

उपर्युक्त में से ₹ 23,599 की ग्रूप की निर्यात बिक्री मूल कंपनी से संबंधित है । इसके अलावा, जीई-बीई प्रा. लि. का निर्यात ₹ 1,40,547 (जिसका मूल्य ऊपर शामिल नहीं है) है ।

(ii) लाभ व हानि के विवरण में संविदा के मूल्य सहित निर्धारित राजस्व का समाधान

विवरण	2022-23		2021-22	
	राशि	राशि	राशि	राशि
लाभ व हानि के विवरण के अनुसार राजस्व				
उत्पादों की बिक्री	15,66,295		13,60,863	
सेवाओं से आय	1,74,123		1,47,611	
कुल (क)		17,40,418		15,08,474
संविदा के मूल्य में समायोजन जोड़ें / (घटाएँ)				
विदेशी मुद्रा में उतार-चढ़ाव के दावे	(42,001)		(28,596)	
मूल्य पुनरीक्षण	-		-	
दी गई छूट और रिबेट	39		1,026	
अन्य	(5,492)		(2,501)	
कुल समायोजन (ख)		(47,452)		(30,071)
संविदा मूल्य (क+ख)		**16,92,966**		**14,78,403**

कार्य-निष्पादन देयता पूरी करना

क. अधिकांश संविदाओं में, कार्य-निष्पादन की देयता ऐसे 'समय-बिंदु' में पूरी की जाती है जो प्राथमिक रूप से ग्राहक द्वारा परिसंपत्ति पर नियंत्रण प्राप्त करने से निर्धारित होती है। इसके लिए विचार किया गया एक प्रमुख संसूचक उल्लेखनीय जोखिम का अंतरण और ग्राहकों का पारितोषिक है जो इन्को की शर्तों पर आधारित होता है। जहाँ संविदा में एक से अधिक कार्य-निष्पादन देयताएँ होती हैं तो कार्य-निष्पादन देयता पूरी करने का समय-बिंदु तय करने के लिए भारतीय ए.एस. 115 में निर्दिष्ट मानदंड लागू किया जाता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

ख. "बिल एंड होल्ड" व्यवस्था में, कार्य-निष्पादन देयता संविदा में माल के निस्शर्त विनियोजन पर पूरी की जाती है। सामान्य रूप से, अभिरक्षा सेवा के लिए कोई देयता नहीं होती।

ग. ग्राहक के साथ की गई संविदा में आम तौर पर महत्वपूर्ण वित्तीय घटक नहीं होता और ग्राहक द्वारा प्राप्त अग्रिम भुगतान तथा / या प्रतिधारित राशि संविदा के दोनों पक्षकारों की रक्षा करने के आशय से रखी जाती है।

घ. परिवर्ती प्रतिफल में प्राथमिक रूप से विदेशी मुद्रा के उतार-चढ़ाव खंड के समक्ष प्राप्य / प्रतिपूर्ति योग्य राशि शामिल होती है। इसके संबंध में निर्धारित राजस्व की राशि संविदा में निर्दिष्ट कार्यप्रणाली के आधार पर तय की जाती है। इस राशि को ग्राहक का दावा प्रोद्भूत होने / स्वीकार करने पर राजस्व के रूप में निर्धारित किया जाता है।

ङ. कंपनी के कुल कारोबार में मुख्य रूप से रक्षा इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों की आपूर्ति शामिल है।

च. ग्राहकों के साथ की गई संविदा में सामान्य रूप से वापसी / धन-वापसी का खंड नहीं होता है।

छ. प्रदान की गई वारंटियाँ मुख्य रूप से कार्य-निष्पादन वारंटी की प्रकृति की होती हैं।

ज. कंपनी ऐसी संविदाओं के संबंध में राजस्व निर्धारित करने के लिए सामान्य रूप से निविष्टि विधि का उपयोग करती है जिनमें कार्य-निष्पादन देयता एक समयावधि में पूरी की जाती है। राजस्व निर्धारित करने के लिए, समापन प्रतिशत विधि अपनाई जाती है जिसमें निर्धारित किए जाने वाले राजस्व की प्रमात्रा तय करने के लिए संविदा की कीमत में कुल प्राक्कलित लागत में उपगत वास्तविक लागत का प्रतिशत लागू किया जाता है।

झ ग्राहकों के साथ की गई संविदा (ए.एम.सी. को छोड़कर) जिसके संबंध में राजस्व एक समयावधि में निर्धारित की गई है, में सामान्य रूप से विभिन्न प्रकृति के अनेक कार्यकलाप शामिल होते हैं जैसे भवन निर्माण, उपकरणों की आपूर्ति और संस्थापना, उपकरण और सिस्टम की नेटवर्किंग आदि। इसके कारण, किए गए कार्य (यानी उत्पादन) की मात्रा को विश्वसनीय रूप से वास्तविक परिप्रेक्ष्य में निर्धारित करना संभव नहीं होता है। जबकि, निविष्टि विधि के अंतर्गत, इन विविध कार्यकलापों के संबंध में उपगत लागत प्राप्त की जा सकती है और समापन का प्रतिशत ज्ञात करने के लिए आने वाली लागत (जिसका प्राक्कलन विश्वसनीय रूप से किया जा सकता है) के कुल प्राक्कलित लागत से इसकी तुलना की जा सकती है। ए.एम.सी. संविदाओं के मामले में, राजस्व निर्धारित करने के लिए उत्पादन विधि का उपयोग किया जाता है जहाँ कार्य-निष्पादन देयता पूरी करने के लिए समय अंतराल मानदंड होता है।

ञ. "समय-बिंदु" पर पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में राजस्व निर्धारित करने के लिए, यह तय करने के लिए कि क्या ग्राहक ने "परिसंपत्ति पर नियंत्रण" प्राप्त किया है या नहीं, निम्नलिखित मानदंड का उपयोग किया जाता है -

- उल्लेखनीय जोखिम और परितोष का अंतरण
- ग्राहक का परिसंपत्ति पर कानूनी हक है
- संस्थान ने परिसंपत्ति का वास्तविक अधिकार अंतरित कर दिया है
- ग्राहक ने परिसंपत्ति को स्वीकार किया है
- संस्थान का परिसंपत्ति का भुगतान करने का वर्तमान अधिकार है

ट. लेनदेन की कीमत का निर्धारण सामान्य रूप से ग्राहक के साथ की गई संविदा पर आधारित होता है। अनेक देयताओं के संबंध में लेनदेन की कीमत का आबंटन सापेक्ष स्टैंडअलोन बिक्री कीमत पर आधारित होता है।

ठ. चालू / पिछले वर्ष के दौरान कोई नकद-रहित प्रतिफल प्राप्त नहीं किया गया / दिया गया।

(iii) पिछली अवधियों में पूरी की गई कार्य-निष्पादन देयता में से वर्ष के दौरान राजस्व के रूप में कुछ नहीं (रु. 247)(निवल) की राशि निर्धारित की गई।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 24 - अन्य आय

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
मीयादी जमा पर ब्याज की आय	26,088	17,645
स्टाफ़/ आयकर वापसी / अन्य से ब्याज की आय	250	310
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की बिक्री का लाभ	152	45
विदेशी मुद्रा विनिमय की विभेदक लब्धि	637	4,148
किराए की आय - निवेश संपत्ति	194	146
म्यूचुअल फंड में लब्धि / (हानि)	587	587
विविध (व्यय का निवल)	172	273
	28,080	**23,154**

विदेशी मुद्रा के लेनदेन को दर्ज करने की तारीख और उसके निपटान / रिपोर्टिंग की तारीख के बीच ऐसे लेनदेन से होने वाले उतार-चढ़ाव की दर के कारण विदेशी मुद्रा की लब्धि / हानि

टिप्पणी 25 - तैयार माल, चालू कार्य और रद्दी की वस्तुसूचियाँ में परिवर्तन

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
चालू कार्य -				
अंतिम वस्तुसूची	1,96,287		1,70,163	
प्रारंभिक वस्तुसूची	1,70,163		1,38,550	
		(26,124)		(31,613)
तैयार माल -				
अंतिम वस्तुसूची	37,007		24,248	
प्रारंभिक वस्तुसूची	24,248		27,675	
		(12,759)		3,427
रद्दी -				
अंतिम वस्तुसूची	551		236	
प्रारंभिक वस्तुसूची	236		323	
		(315)		87
		(39,198)		**(28,099)**
घटाएं- स्टॉक पर अवास्तविक लाभ		130		(71)
		(39,328)		**(28,028)**

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 26 - कर्मचारी अनुलाभ व्यय

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
वेतन, मजदूरी और बोनस / अनुग्रह राशि		1,86,704		1,65,753
सेवानिवृत्ति अनुलाभ व्यय				
उपदान	1,218		1,513	
भविष्य निधि और पेंशन निधियों में अंशदान	12,798		11,917	
बीईएल अधिवार्षिता (पेंशन) योजना में प्रबंधन का अंशदान	6,069		6,088	
बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना का प्रावधान	7,043		11,868	
		27,128		31,386
कल्याण संबंधी व्यय* [वेतन सहित ₹ 1,134 (₹ 1,107) पी.एफ. अंशदान ₹ 116 (₹ 117)]		17,902		15,662
		2,31,734		**2,12,801**

मुख्य प्रबंधन कार्मिक के पारिश्रमिक के लिए टिप्पणी 31 देखें

*टिप्पणी 21 (ए) देखें, तदनुसार ₹ 5,050 (₹ 2,811) का प्रावधान किया गया।

टिप्पणी 27 - वित्त लागत

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
ब्याज व्यय				
सूक्ष्म व लघु उद्यमों को देय राशि पर ब्याज	(1)		13	
आयकर पर ब्याज	1		-	
पट्टा देयता पर ब्याज का व्यय	370		306	
अन्य ब्याज व्यय	1,088		147	
		1,458		466
अन्य उधार की लागत				
ऋण प्रसंस्करण प्रभार		37		39
		1,495		**505**

टिप्पणी 28 - मूल्यह्रास / परिशोधन

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों पर मूल्यह्रास / परिशोधन	39,180	36,951
निवेश संपत्ति पर मूल्यह्रास	1	1
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियों का परिशोधन	3,187	2,718
परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार का मूल्यह्रास	514	443
	42,882	**40,113**

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

टिप्पणी 29 - अन्य व्यय

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
बिजली और ईंधन*		4,281		3,891
जल प्रभार		400		422
रॉयल्टी और तकनीकी सहायता		964		1,346
किराया		1,683		1,713
दर व कर		843		550
बीमा		2,770		2,454
लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक				
लेखा परीक्षा शुल्क	37		37	
कर लेखा परीक्षा शुल्क	6		6	
अन्य सेवाएँ (प्रमाणीकरण शुल्क)	10		9	
व्ययों की प्रतिपूर्ति	9		12	
		62		64
लागत लेखा परीक्षा शुल्क		4		4
मरम्मत और रख-रखाव				
इमारतें	2,521		2,603	
संयंत्र और मशीनरी	1,759		1,166	
अन्य	10,428		11,542	
		14,708		15,311
बैंक प्रभार		388		350
मुद्रण व लेखन-सामग्री		358		283
विज्ञापन व प्रचार		1,768		289
यात्रा व्यय		12,962		7,859
वैन / टैक्सी का भाड़ा प्रभार		1,489		1,124
पैकिंग और अग्रेषण		2,541		2,845
अशोध्य ऋण व अग्रिम जिन्हें बट्टे खाते में डाला गया	5,855		1,307	
घटाएँ - प्रावधान को प्रभारित	(5,855)		(1,307)	
		-		-
अप्रचलन / अप्रयुक्त सामग्री का प्रावधान		20,594		6,878
संदिग्ध ऋण, एलडी, ग्राहक के दावों और अस्वीकृतियों का प्रावधान		46,330		26,963
संदिग्ध अग्रिमों, दावों का प्रावधान		165		219
कार्य-निष्पादन वारंटी का प्रावधान (निवल) **		3,572		9,544
प्रावधान - दुर्वह संविदा (निवल)		1,844		1,980
अप्रचलन और अप्रयुक्तता के कारण कच्चे माल, भंडार और घटकों को बट्टा खाते में डालना	3,519		936	
घटाएँ - प्रावधान को प्रभारित	(3,436)		(920)	
		83		16
अन्य प्रावधान		4,180		-
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियों का प्रावधान		544		-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए		31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए	
विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति जिसे प्रभारित किया गया		1,950		-
कार्पोरेट सामाजिक दायित्व		5,496		5,094
अन्य				
अन्य विविध प्रत्यक्ष खर्च	14,458		7,856	
बिक्री पश्चात सेवा	462		316	
टेलीफ़ोन	1,094		773	
संगोष्ठियों और पाठ्यक्रमों पर खर्च	759		685	
अन्य बिक्री व्यय	127		1,250	
विविध	6,247		5,095	
		23,147		15,975
		1,53,126		**1,05,174**
घटाएँ - पूँजीगत कार्यों के लिए आबंटित खर्च		(2,760)		(4,961)
		1,50,366		**1,00,213**

* वर्ष के दौरान उपगत बिजली खर्च ₹ 1,737 (₹ 1,627) के पवन ऊर्जा सृजन को समायोजित करने के बाद है।

** टिप्पणी 21 देखें

टिप्पणी 30 - लेखों की सामान्य टिप्पणियाँ

1 अर्जित प्रति इक्विटी शेयर

		2022-23	2021-22
क	**जारी प्रचालनों से**		
	मूल अर्जित प्रति शेयर (आईएनआर)	4.09	3.28
	परिवर्तित अर्जित प्रति शेयर (आईएनआर)	4.09	3.28
ख	प्रति शेयर अर्जन मूल और परिवर्तन आय की गणना में संख्याओं के रूप में उपयोग की जाने वाली राशि	2,98,624	2,40,022
ग	प्रति शेयर अर्जन का परिकलन करने में प्रयुक्त शेयरों की सं.	7,30,97,78,829	7,30,97,78,829

2 समेकन की प्रक्रिया

समेकित वित्तीय विवरण ("सीएफएस") मूल कंपनी यानी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल), उसकी सहायक कंपनियों नामत: बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लिमिटेड, पुणे (शेयर धारण 100%) और बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड, बेंगलूरु (शेयर धारण 74%) और सहयोगी कंपनी नामत: जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड, बेंगलूरु (शेयर धारण 26%) के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों के आधार पर तैयार किए गए हैं। मूल और उसकी सहायक कंपनियों के वित्तीय विवरण आंतर-समूह के लेनदेनों तथा वसूल न किए गए लाभ / हानि को हटाने के बाद, परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय जैसी मदों को एक साथ जोड़ते हुए लाइन-बाई-लाइन आधार पर संयोजित किए गए हैं। जहां कही समूह के पास चालू कर देयताओं के समक्ष चालू कर परिसंपत्तियों को समंजित करनेका कानूनी प्रवर्तनीय अधिकार है और जहां आस्थगित कर परिसंपत्तियां और आस्थगित कर देयताएं समान कराधान प्राधिकारी द्वारा उगाही गए आय कर से संबंधित हैं।

सहयोगी कंपनी जीई बीई प्रा. लि. के संबंध में, समेकन इक्विटी विधि के आधार पर किया गया है। सहायक और सहयोगी कंपनियों के वित्तीय विवरण उसी रिपोर्टिंग तारीख तक के लिए बनाए गए हैं जो मूल कंपनी की रिपोर्टिंग तारीख है।

दूसरी सहयोगी कंपनी, डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत पंजीकृत लाभ-रहित कंपनी है, को समेकन के लिए विचार में नहीं लिया गया है क्योंकि मूल कंपनी का इक्विटी निवेश के अलावा, परिवर्ती प्राप्तियों पर कोई नियंत्रण नहीं है और कोई अधिकार भी नहीं है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

3 नियंत्रण हित के अधिग्रहण की तारीख के संदर्भ में सहायक कंपनियों में इसके निवेश पर मूल कंपनी की लागत और सहायक कंपनी में इक्विटी के मूल कंपनी के भाग के बीच के अंतर को वित्तीय विवरणों में सुनाम / पूँजीगत प्रारक्षण के रूप में निर्धारित किया गया है। मूल कंपनी का सहायक कंपनियों के लाभ / हानि अधिग्रहति करने के बाद का हिस्सा राजस्व प्रारक्षणों में समायोजित किया गया है।

4 प्रचालनों के निवल परिणामों और सहायक कंपनियों की निवल परिसंपत्तियों में नियंत्रणेतर हित यह दर्शाते हैं कि लाभ / हानि और निवल परिसंपत्तियों का हिस्सा मूल कंपनी के कारण नहीं हैं।

5 मूल तथा सहायक कंपनियों / सहयोगी कंपनियों के वैयक्तिक वित्तीय विवरणों में प्रकट की गई अतिरिक्त सूचना जिनका समेकित वित्तीय विवरणों की सच्ची और सही स्थिति से कोई संबंध नहीं है और ऐसी मदों से संबंधित सूचना जो महत्वपूर्ण नहीं है, समेकित वित्तीय विवरणों में प्रकट नहीं किए गए हैं।

6 **अनुपालन का विवरण**

समेकित वित्तीय विवरण भारतीय लेखा मानक (भारतीय ए.एस.) [जैसा कि कंपनी अधिनियम, 2013 ("एक्ट") की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015, यथा संशोधित, के नियम 3 के साथ पढ़ा जाना है] के तहत यथा अधिसूचित.तथा उक्त अधिनियम के अन्य संगत प्रावधानों के अनुसार तैयार किए गए हैं।

31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष तक और उस तारीख तक के लिए कंपनी के समेकित वित्तीय विवरण अधिनियम की धारा 133 तथा अधिनियम के अन्य संगत प्रावधानों के तहत अधिसूचित, कंपनी (लेखा मानक) नियम, 2006 के अनुसार तैयार किए गए हैं।

7 **परिसंपत्तियों की अनर्जकता**

मूल कंपनी ने प्रत्येक भौगोलिक सम्मिश्रित निर्माणी यूनिट जिसे नकद सृजित करने वाली यूनिट (सी.जी.यू.) माना गया है, की परिसंपत्तियों की अनर्जकता की संसूचना का विश्लेषण किया है। आंतरिक और बाहरी कारकों का आंकलन करने के आधार पर, अनर्जकता के प्रावधान के लिए ₹ 7,882(₹ 7,337) की राशि का प्रावधान किया गया है। वर्ष के दौरान परिसंपत्ति की हानि के रूप में '545 (शून्य) की राशि प्रदान की गई है। सहायक कंपनियों (बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लिमिटेड और बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड) तथा सहयोगी कंपनी (जीई बीई प्राइवेट लि.) ने भी परिसंपत्तियों की अनर्जकता की संसूचना का विश्लेषण किया है और परिसंपत्तियों की अनर्जकता की कोई सूचना नहीं पाई गई है, इसलिए, इसका प्रावधान करना आवश्यक नहीं समझा गया।

8 **अल्पकालीन उधार**

a मूल कंपनी को संघीय बैंकों (एसबीई अग्रणी बैंक) द्वारा ₹ 5,00,000 (₹ 400,000) की कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। इस मंजूर सीमा में ₹ 50,000 (₹ 50,000) की निधि आधारित सीमा और ₹ 4,50,000 (₹ 3,50,000) की गैर निधि आधारित सीमा शामिल है।

b निधि आधारित सीमा पर देय ब्याज दर एसबीआई की (1 वर्ष) की एमसीएलआर दर से जुड़ी है। [31.03.2023 को देय ब्याज दर 8.10% (6.65%) प्रति वर्ष है]।

c प्रयुक्त राशि की चुकौती मांग पर की जाती है। यथा 31.03.2022 को यह उपयोगिता कुछ नहीं (कुछ नहीं) है।

d उक्त मंजूरी सीमा मूल कंपनी की चालू परिसंपत्तियों के दृष्टिबंधन द्वारा रक्षित है (टिप्पणी 35 देखें)

सहायक कंपनी [बेलॉप] को एसबीआई के संघीय बैंकों (अग्रणी बैंक) और एक्सिस बैंक द्वारा ₹ 2,500/- की कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। इसकी ब्याज दर 7.10% (7.10%) प्रतिवर्ष (एसबीआई) है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

9 संविदाजन्य प्रतिबद्धताएँ

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
क. संविदाओं की प्राक्कलित राशि जो पूँजी खाते में निष्पादित की जानी है और 31 मार्च को जिनका प्रावधान नहीं किया गया है		
संपत्ति, संयंत्र और उपकरण	71,359	43,333
निवेश संपत्ति	-	-
अन्य अमूर्त परिसंपत्तियाँ	5,481	4,473
ख. निवेश संपत्ति की मरम्मत और रख-रखाव तथा वर्धन के लिए संविदाजन्य प्रतिबद्धता	-	-
ग. 31 मार्च को अन्य प्रतिबद्धताएँ यानी निरस्त न करने योग्य संविदाजन्य प्रतिबद्धताएँ (यानी जिसे निरस्त करने से संबंधित अनुलाभ के लिए अनुपातरहित जुर्माना लगाया जाएगा)	-	-

10 आकस्मिक देयताएँ -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
दावे जिन्हें ऋण नहीं माना गया	1,02,793	1,00,769
बकाया साख पत्र	63,409	73,031
अन्य	26,336	3,486
ग्राहक के अनिष्पादित आदेश जहाँ सुपुर्दगी की तारीख समाप्त हो चुकी है, में 31 मर्च तक का अनंतिम निर्णीत हर्जाना	46,242	35,986

कुछ मामलों के संबंध में, आज की तारीख में दायित्व निर्धारित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि मामले पर निर्णय होना अभी बाकी है। बहरहाल ऐसे दायित्व से महत्वपूर्ण होने की अपेक्षा नहीं की जाती है।

11 आकस्मिक परिसंपत्तियाँ -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
कुछ नहीं	-	-

12 पट्टा

भारतीय ए.एस. 116 को अपनाना

1 अप्रैल, 2019 से प्रभावी करते हुए कंपनी ने संशोधित पूर्वप्रभावी दृष्टिकोण का उपयोग करते हुए भारतीय ए.एस. 116 "पट्टे" को अपनाया है, इसलिए, तुलनात्मक सूचना दोबारा नहीं बताई जा रही है। इस मानक को अपनाने से कंपनी के वित्तीय परिणामों पर कोई महत्वपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ता है।

क) पट्टाकर्ता के रूप में [मूल कंपनी] -

i) भावी प्राप्त न्यूनतम पट्टा किराया

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
एक वर्ष से अधिक नहीं	62	53
एक वर्ष से अधिक परंतु पाँच वर्षों से अधिक नहीं	316	241
पाँच वर्षों से अधिक	2,715	2,785

कंपनी ने 2016-17 से 2021-22 तक की अवधि के लिए हरियाणा सरकार को प्वाइंट ऑफ सेल्स मशीनों को पट्टे पर दिया है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

कंपनी ने रद्द न करने योग्य प्रचालनीय पट्टे के तहत विभिन्न संगठनों को भूमि का कुछ हिस्सा पट्टे पर दिया है। पट्टे की अवधि वर्ष 1967 से 2077 तक की है। पट्टों की विभिन्न शर्तें, वृद्धि खंड, पट्टा नवीकरण अधिकार आदि है। नवीकरण पर, पट्टे की शर्त दोबारा वार्ता कर तय की जाती हैं।

कंपनी ने आकस्मिक किराए के रूप में कोई आय निर्धारित नहीं की है।

ख) पट्टेदार के रूप में -

ग्रूप में ऐसे पट्टे हैं जिन्हें भारतीय ए.एस. 17 लागू करते हुए वित्त पट्टों के रूप में वर्गीकृत किया गया था, ऐसे पट्टों के लिए, भारतीय ए.एस. 116 के प्रारंभिक अनुप्रयोग की तारीख में उपयोग के अधिकार की राशि की वहनीय राशि, भारतीय ए.एस. 17 को लागू करते हुए मापे गए अनुसार संक्रमण की तारीख पर पट्टे की वहनीय राशि है। तदनुसार, संपत्ति, संयंत्र और उपकरण से ₹ 1,293 [मूल कंपनी ₹ 1,275 और बेलोप ₹ 18] की राशि परिसंपत्तियों के उपयोग के अधिकार में वर्गीकृत की गई ।

संक्रमण पर, कंपनी पट्टे की समाप्त न हुई अवधि के लिए अंतर्निहित परिसंपत्ति के उपयोग के अपने अधिकार को दर्शाते हुए परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार निर्धारित करती है।

उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति को इसमें निर्धारित किया जाता है -

क) पूर्वदत्त किराए की वहनीय राशि जब कोई भावी पट्टा भुगतान देय नहीं होता है; या

ख) वहनीय राशि तथा वृद्धिशील उधार दर पर भुनाया गया। तदनुसार, उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति ₹ 365 है और पट्टे की संबंधित देयता ₹ 365 निर्धारित की गई। इन परिसंपत्तियों के संबंध में भारतीय ए.एस. 116 को लागू करने पर, व्ययों की प्रकृति को पट्टे के किराए से उपयोग का अधिकार परिसंपत्ति की मूल्यह्रास लागत में और पट्टे की देयता पर प्रोद्भूत ब्याज की वित्त लागत में पुन:वर्गीकृत किया गया ।

कंपनी द्वारा दर्ज उक्त पट्टे की संविदाएँ सौर परियोजना द्वारा बिजली पैदा करने और कारोबारी प्रयोजनों के लिए भवन निर्माण के लिए पट्टे पर ली गई भूमि से संबंधित हैं। इन परिसंपत्तियों का निपटान करना कंपनी के लिए प्रतिबंधित है।

कंपनी ने आकस्मिक किराए के रूप में कोई व्यय निर्धारित नहीं किया है।

पट्टे की देयताओं की संविदाजन्य नकदी प्राप्ति का परिपक्वता विश्लेषण टिप्पणी सं. 34 में उल्लिखित है।

13 शेषों का पुष्टिकरण

व्यापार की लेनदारियों, व्यापार प्रदेयों, अग्रिमों और जमा राशियों के संबंध में शेषों के पुष्टिकरण के अनुरोध पत्र भेजे गए हैं। जहां कहीं उत्तर प्राप्त हुए हैं, समाधान प्रगति में है और वित्तीय विवरणों पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होना अपेक्षित नहीं है।

14 खंडवार रिपोर्टिंग

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ने अपनी अधिसूचना सं. 463 (ई) दिनांक 5 जून, 2015, यथा संशोधित द्वारा रक्षा उत्पादनों में लगी हुई कंपनियों को खंडवार रिपोर्टिंग की आवश्यकता से छूट प्रदान की है।

15 कोविड-19 का प्रभाव

ग्रूप ने वित्तीय और गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों की वहनीय राशि की वसूली सहित, इन समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करने में कोविड 19 महामारी के कारण होने वाले संभावित प्रभावों पर विचार किया है। महामारी के कारण वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों में संभावित भावी अनिश्चितता से संबंधित मान्यताएं तय करने में, ग्रूप ने सूचना और आर्थिक पूर्वानुमानों के उपलब्ध आंतरिक और बाहरी स्रोतों का प्रयोग किया है और यह अपेक्षा करता है कि इन परिसंपत्तियों की वहनीय राशि वसूल की जाएगी। समेकित वित्तीय विवरणों पर कोविड-19 का प्रभाव इन समेकित वित्तीय विवरणों के अनुमोदन की तारीख पर किए गए प्राक्कलनों से अलग हो सकता है।

16 रिपोर्टिंग अवधि के अंत में निर्धारित न किया गया लाभांश [मूल कंपनी]

निदेशकों ने प्रति शेयर आईएनआर 0.60 (आईएनआर 1.50) के अंतिम लाभांश की सिफारिश की है [परम अंक दर्शाता है]।

प्रस्तावित लाभांश आगामी वार्षिक सामान्य बैठक में शेयरधारकों के अनुमोदन की शर्त पर है और यदि अनुमोदन प्रदान किया जाता है तो इसके कारण लगभग ₹ 43,859 (₹ 36,549) का नकदी बहिर्वाह होगा।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

17 **शेष कार्य-निष्पादन देयता का मूल्य (लंबित आदेश जिनका निष्पादन करना है)**

ग्राहकों की संविदाओं से अनिर्धारित राजस्व जिन्हें आंशिक रूप से पूरा किया गया है या पूरा नहीं किया गया है (लंबित आदेश जिनका निष्पादन करना है)

विवरण	कुल राशि	एक वर्ष के भीतर	1-2 वर्ष	2-3 वर्ष	ठ
अनिष्पादित आदेश का मूल्य	60,84,656	23,18,590	19,13,415	11,43,475	7,09,176

विशेष रूप से प्रमुख आदेश रक्षा से प्राप्त होते हैं जिनकी उत्पादन-पूर्व अवधि लंबी होती है। कंपनी पूरी न की गई (या आंशिक रूप से पूरी न की गई) कार्य-निष्पादन देयता के संबंध में कंपनी 3 से 5 वर्षों की अवधि में राजस्व को अभिचिह्नित करने की आशा करती है।

18 चालू वर्ष के दौरान, बीईएल-थालेस सिस्टम्स लिमिटेड (सहायक कंपनी) ने वित्त वर्ष 2020-21 की प्रमाणन लेखा परीक्षा के दौरान सी एंड एजी को दिए गए आश्वासन के आधार पर पिछले वर्ष के शेषों का पुनर्वर्गीकरण किया है। वित्त वर्ष 2021-22 के समेकित वित्तीय विवरणों को तैयार करते समय इन पुनर्वर्गीकरणों पर विचार किया गया है।

19 **अनुसूची III में किए गए संशोधनों के अनुसार यथा अपेक्षित अन्य प्रकटण**

क कंपनी में कोई बेनामी संपत्ति नहीं है जिसमें किसी प्रकार की बेनामी संपत्ति धारित करने के लिए कंपनी के विरुद्ध कोई कार्यवाही शुरु की गई हो या लंबित हो।

ख प्रभावित कंपनियां (मूल कंपनी)

₹ आईएनआर में (परम अंक दर्शाता है)

प्रभावित कंपनी का नाम	प्रभावित कंपनी के साथ किए गए लेनदेन की प्रकृति	प्रभावित कंपनी के साथ संबंध, यदि प्रकट करने योग्य हो	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
मुस्कान इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	-	3,012
राजू इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	-	1,67,649
हेमा इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	-	16,815
शॉर्प प्रॉडक्ट्स प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	28,932	28,932
एम एस इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	399	53,640
एच. एम. ब्रोस लि.	व्यापार प्रदेय	-	38,586	-
रवि थर्मल इंजीनियर्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय		6,480	-
एस पी इंटरप्राइजेस प्रा. लि.	अग्रिम प्राप्त	-	1,908	1,908
एयरकम्फोर्ट इंजीनियर्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	32,253	32,253
आर्कटिक इंडिया सेल्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,10,520	1,10,520
बर्जेन एसोसिएट्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	3,07,390
बिगटेक साफ्टवेयर प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,34,436	68,759
चावला हेल्थ केयर प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	90,473	1,57,976
चावला हेल्थ केयर प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	4,87,435	4,87,435
कंप्यू लीज़ नेटवर्क्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	13,44,917	12,86,926
ईएल कैमिनो टेक्नालाजीस प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	19,500	19,500
एम्बेडेड साफ्टवेयर डेवलपमेंट प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	8,13,920
एक्सीजेंट सॉल्यूशन्स प्रा. लि.	अग्रिम अदा किया गया	-	19,50,934	19,50,934
एक्सीजेंट सॉल्यूशन्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय		72,632	72,632
इन्नोवायर टेक्नालाजीस प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	4,98,550	4,98,550

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

₹ आईएनआर में (परम अंक दर्शाता है)

प्रभावित कंपनी का नाम	प्रभावित कंपनी के साथ किए गए लेनदेन की प्रकृति	प्रभावित कंपनी के साथ संबंध, यदि प्रकट करने योग्य हो	31 मार्च 2023 को	31 मार्च 2022 को
इंटेग्रा माइक्रो सिस्टम्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	1,95,216
कैपट्रॉन प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	1,26,000	1,26,000
रोड कैरियर ऑफ इंडिया प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	25,000	25,000
एस.बी.एस. टेक्नोकार्ट्स एंड इंजीनियर्स प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	-	2,23,054
एस.बी.एस. टेक्नोकार्ट्स एंड इंजीनियर्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	3,74,973
सोलास्टेक नेटवर्क सिस्टम्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	11,02,839	11,02,839
स्टार इन्फार्मेटिक्स प्रा. लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	1,50,450	1,50,450
सुमिट्रॉन एक्सपोर्ट्स प्रा. लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	41,681
स्वाति एयरकंडीशनिंग प्रा.लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	6,251	6,251
वैल्यू प्वाइंट आईटी सर्विसेस प्रा.लि.	प्रतिभूति जमा प्राप्त	-	-	2,000
वैल्यू प्वाइंट आईटी सर्विसेस प्रा.लि.	व्यापार प्रदेय	-	-	1,971
तांगमर्ग इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड	शेयरधारक	-	7,540	-
सतिदम इंडस्ट्रीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	-	12,000
गर्ग कैपिटल एंड स्टॉक प्रा.लि.	शेयरधारक	-	9,900	3,300
डी आर शेयर्स प्रा.लि.	शेयरधारक	-	9,900	3,300
सलासार सेक्योरिटीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	-	1,200
ऐस्ट्रल ऑटो पार्ट्स प्रा.लि.	शेयरधारक	-	-	1,100
अरविंद सेक्योरिटीज़ प्रा.लि.	शेयरधारक	-	-	198

ग कंपनी में ऐसे कोई प्रभार या संतुष्टि नहीं है जिसे सांविधिक अवधि के बाद कंपनी पंजीयक (आरओसी) के पास दर्ज किया जाना हो।

घ कंपनी ने वित्त वर्ष के दौरान क्रिप्टो मुद्रा या आभासी मुद्रा में कोई लेनदेन या निवेश नहीं किया है।

ङ कंपनी ने इस आशय के साथ विदेशी संस्थानों (मध्यस्थ) सहित किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्तियों को कोई अग्रिम राशि नहीं दी है या उनमें निधियों का निवेश नहीं किया है जो -

क. कंपनी (अंतिम हितलाभी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी ढंग से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या संस्थानों को प्रत्याक्ष या परोक्ष रूप से उधार देंगे या निवेश करेंगे या

ख. अंतिम हितलाभियों को या उसकी ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या इसी प्रकार की अन्य प्रदान करेंगे।

च कंपनी ने इस आशय के साथ (जो लिखित या अन्यथा दर्ज हो) विदेशी संस्थानों (वित्त-पोषण पक्ष) सहित किसी भी व्यक्ति या संस्थान से कोई निधि प्राप्त नहीं की है जिससे कंपनी को -

क. वित्त-पोषण पक्ष (अंतिम हितलाभी) द्वारा या उसकी ओर से किसी भी ढंग से अभिचिह्नित अन्य व्यक्तियों या संस्थानों को प्रत्याक्ष या परोक्ष रूप से उधार देना या निवेश करना पड़ा हो यी

ख. अंतिम हितलाभियों की ओर से कोई गारंटी, प्रतिभूति या इसी प्रकार की अन्य प्रदान करना पड़ा हो।

छ कंपनी ने ऐसा कोई लेनदेन नहीं किया है जो लेखा बहियों में दर्ज न किया गया हो जिसे आय कर अधिनियम, 1961 के तहत कर निर्धारित में वर्ष के दौरान आय के रूप में अभ्यर्पित या प्रकट किया गया हो (जैसे खोज या सर्वेक्षण या आय कर अधिनियम, 1961 का कोई अन्य संगत प्रावधान)।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

20 वर्ष 2019-20 के दौरान, नेमी आंतरिक लेखा परीक्षा के दौरान कर्मचारियों द्वारा कंपनी के साथ ₹ 1,000 की धोखाधड़ी की घटना का पता चला है। उक्त राशि में से, ₹ 64 की वसूली की गई और शेष ₹ 936 की राशि को लेनदारी के रूप में निर्धारित किया गया, वसूली के लंबित होने के कारण, इसे लाभ व हानि के विवरण में संदिग्ध माना गया है। मूल कंपनी ने संबंधित कर्मचारियों और विक्रेताओं पर सिविल सूट दायर किया है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान, सिविल सूट दाखिल करने के लिए न्यायालय शुल्क के संबंध में 54 रुपये खर्च किए गए हैं।

21 मूल कंपनी द्वारा ₹ 26 (कुछ नहीं) की राशि रक्षा उत्पादन के आई.टी. प्रभाग को अंशदान में दी गई है जिसे आयुध निर्माणी बोर्ड (ओएफबी) और रक्षा सरकारी क्षेत्र की यूनिटों सहित रक्षा उत्पादन विभाग में आई.टी. संबंधी पहल को कार्यान्वित करने के लिए एचएएल के एक प्रभाग के रूप में तैयार किया गया है।

22 सामाजिक सुरक्षा संहिता, 2020 के लागू होने की तारीख अधिसूचित नहीं की गई है और ग्रूप इस संहिता के लागू होने पर उसके प्रभाव का आकलन करेगा और संहित के प्रभावी होने की अवधि में उसके प्रभाव को दर्ज करेगा।

23 **प्रतिधारण बिक्री [मूल कंपनी]**

वर्ष के दौरान कुल कारोबार में शामिल प्रतिधारण बिक्री (यानी ग्राहक के अनुरोध पर और उसके जोखिम पर कंपनी में रखा गया माल) का मूल्य ₹ 76,411 (₹ 80,880) है।

इसमें से कारखाना बाह्य बिक्री का मूल्य ₹ 10,008 (शून्य) है।

24 कोष्ठक में दिए गए आंकड़े पिछले वर्ष से संबंधित हैं।

25 समेकित वित्तीय विवरणों के सभी आंकड़ों को निकटतम लाख में पूर्णांकित किया गया है जब तक कि अन्यथा उल्लिखित न हो।

26 समेकित भारतीय ए.एस. वित्तीय विवरणों को दिनांक 23 मई 2022 को निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित किया गया।

टिप्पणी 31 - संबंधित पक्षकार के लेनदेन

क. संबंद्ध कंपनियाँ

स्वत्व का नाम	कारोबार का स्थान	मूल कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित		नियंत्रणरहित हितों द्वारा धारित स्वामित्व हित		प्रधान कार्यकलाप
		यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022	
जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	भारत	26%	26%	-	-	चिकित्सा उपकरणों का निर्माण
डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइ. जेशन	भारत	50%	50%	50%	50%	रक्षा संबंधी अनुसंधान एवं विकास कार्यकलाप

ख. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के विवरण

i. मुख्य प्रबंधन कार्मिकों के नाम

श्री भानु प्रकाश श्रीवास्तव, 20.04.2022 से निदेशक [अन्य यूनिटें], 01.11.2022 से अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक के रूप में अतिरिक्त प्रभार और 01.11.2022 से निदेशक [विपणन]।

श्री विनय कुमार कत्याल, निदेशक [बेंगलूरु कॉमप्लेक्स], 01.11.2022 से 10.01.2023 तक निदेशक [वित्त] का अतिरिक्त प्रभार।

श्री मनोज जैन, 26.09.2023 से निदेशक [अनुसंधान व विकास] और 01.11.2022 से निदेशक [मानव संसाधन] का अतिरिक्त प्रभार।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

श्री दामोदर भट्टड, 11.01.2023 से निदेशक [वित्त] और सीएफओ

श्री दिनेश कुमार बत्रा, 31.102022 तक निदेशक [वित्त] और सीएफओ, 01.09.2022 से 31.10.2022 तक अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, निदेशक [विपणन] और निदेशक [मानव संसाधन] का अतिरिक्त प्रभार।

श्रीमती आनंदी रामलिंगम, निदेशक [विपणन], 01.07.2021 से 31.08.2022 तक अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार।

श्री राजशेखरन एम वी, 31.08.2022 तक निदेशक [आर एंड डी]

श्री एम वी गौतमा, 30.06.2021 तक अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक

श्रीमती शिखा गुप्ता, 08.05.2021 तक निदेशक [अन्य यूनिटें]

श्री शिवकुमारन के एम, 31.08.2021 तक निदेशक [एच.आर.]

श्री एस श्रीनिवास, कंपनी सचिव

श्री डीसीएम श्रीनिवास राव, सीईओ - बेलोप

श्री पी सरकार, सीएफओ - बेलोप

श्रीमती प्रिया एस अय्यर, कंपनी सचिव- बेलोप

श्री नरसिम्ह प्रसाद के, सीईओ - बीईएल थालेस सिस्टम

श्री अभिषेक कुमार, 30.06.2022 तक सीएफओ- बीईएल थालेस सिस्टम।

श्री अमेश कुमार झा, 01.07.2022 तक सीएफओ- बीईएल थालेस।

श्री संजोग मोहापात्रा, 23.08.2022 तक कंपनी सचिव - बीईएल थालेस सिस्टम

सुश्री कीर्ति सेवानी, 07.10.2022 तक कंपनी सचिव - बीईएल थालेस सिस्टम

श्री एमैनुअल डे रॉकफ्यूइल, 06.07.2021 तक निदेशक - बीईएल थालेस सिस्टम

ii. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के प्रतिपूर्ति

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
अल्पकालीन कर्मचारी हितलाभ	495	475
नियोजन के बाद के हितलाभ	45	43
दीर्घकालीन कर्मचारी हितलाभ	74	62
सेवानिवृत्ति के लाभ	-	-
शेयर आधारित भुगतान	-	-
कुल	**613**	**580**

ग. नियोजन के बाद की अनुलाभ योजनाएं (मूल कंपनी)

विवरण	कंपनी द्वारा अंशदान	
	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
बीईएल भविष्य निधि ट्रस्ट	11,598	10,922
बीईएल उपदान ट्रस्ट निधि	-	-
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड अधिवर्षिता (पेंशन) ट्रस्ट	6,040	6,063
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड सेवानिवृत्त कर्मचारी चिकित्सा ट्रस्ट (बीआरईएमटी) *	1,16,493	-

*बीआरईएमटी के संबंध में नोट 21 (ए) (ii) देखें।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

घ. मुख्य प्रबंधकीय कार्मिकों के अलावा संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए लेनदेन इस प्रकार हैं (पिछले वर्ष के आंकड़े कोष्ठक में दर्शाए गए हैं) -

विवरण	एसोसिएट	
	जीई बीई प्रा. लि.	डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन
माल की बिक्री	2,240	-
	(2,297)	-
यथा 31.03.2023 को बकाया व्यापार प्राप्य	515	-
	(606)	-
यथा 31.03.2023 को इक्विटी में निवेश	260	1
	(260)	(1)
यथा 31.03.2023 को बकाया अंशदान	-	4,000
	-	(4,000)

घ. संबंधित पक्षकारों के साथ किए गए सभी लेनदेन स्वतंत्र संव्यवहार आधार पर हैं।

ङ सभी बकाया शेष अरक्षित हैं और अगले 6 महीनों के भीतर नकद में चुकौती/प्राप्य योग्य हैं।

च मूल कंपनी द्वारा सरकार और सरकार संबंधी निकायों के साथ लेनदेन-

चूँकि बीईएल रक्षा मंत्रालय के नियंत्रण के अधीन एक सरकारी कंपनी है, कंपनी ने सरकार और सरकारी निकायों के साथ लेनदेन के संबंध में भारतीय ए.एस. 24 के तहत अपेक्षित विवरणों को प्रकट करने से छूट प्राप्त की है।

बहरहाल, भारतीय ए.एस. 24 के तहत यथा अपेक्षित, निम्नलिखित लेनदेन वैयक्तिक रूप से उल्लेखनीय हैं -

वित्त वर्ष 2022-23 में 249,19,47,956 (शून्य) बोनस शेयर जारी किए गए थे।

₹ 63,546 (₹ 52,331) की राशि वित्तीय वर्ष 2022-23 के दौरान लाभांश के रूप में अदा की गई।

उपर्युक्त के अलावा, कंपनी के कुल कारोबार का लगभग 96% (97%), व्यापार प्राप्य का लगभग 97% (99%) और ग्राहकों के अग्रिम का लगभग 99% (99%) सरकार और सरकार संबंधी निकायों से संबंधित है।

छ कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार, 10 अप्रैल 2017 को लाभ रहित कंपनी के रूप में डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) की स्थापना रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेषी कार्य का वित्त पोषण करने के उद्देश्य से ₹ 100 बीईएल: 50%; एचएएल: 50%) की प्राधिकृत शेयर पूँजी के साथ की गई। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय बेंगलूरु में बीईएल के परिसर में स्थित है।

टिप्पणी 32 - अन्य संस्थानों में हित

क. सहायक कंपनियाँ

स्वत्व का नाम	कारोबार / कंपनी का स्थान	मूल कंपनी द्वारा धारित स्वामित्व हित		नियंत्रणरहित हितों द्वारा धारित स्वामित्व हित		प्रधान कार्यकलाप
		यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022	
बीईएल ऑप्ट्रॉनिक्स डिवाइसेस लिमिटेड (बेलोप)	भारत	100%	100%	-	-	इमेज इंटेन्सिफायर ट्यूब का निर्माण और आपूर्ति
बीईएल - थालेस सिस्टम लिमिटेड	भारत	74%	74%	26%	26%	रक्षा और सिविलियन रेडारों का डिजाइन, विकास, आपूर्ति और सहयोग

इक्विटी शेयर के प्रत्येक धारक अपने हाथ दिखाकर एक वोट देने और धारित शेयरों की संख्या के अनुपात में मतदान करने के हकदार हैं।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ख. नियंत्रणेतर हित (एनसीआई)

i. कंपनी की प्रत्येक सहायक कंपनी जिसका किसी अंतर्समूह विलोपन से पहले महत्वपूर्ण नियंत्रणेतर हित है, से संबंधित संक्षिप्त वित्तीय सूचना

संक्षिप्त तुलन-पत्र	बीईएल- थालेस सिस्टम लि. यथा 31 मार्च 2023	बीईएल- थालेस सिस्टम लि. यथा 31 मार्च 2022
एनसीआई का प्रतिशत	26%	26%
गैर - चालू परिसंपत्तियाँ	1,645	1,742
चालू परिसंपत्तियाँ	6,307	7,320
कुल परिसंपत्तियाँ	**7,952**	**9,062**
गैर - चालू देयताएँ	5	53
चालू देयताएँ	1,118	2,723
कुल देयताएँ	**1,123**	**2,776**
निवल परिसंपत्तियाँ	**6,829**	**6,286**
एनसीआई के कारण निवल परिसंपत्ति	**1,775**	**1,634**

लाभ व हानि का संक्षिप्त विवरण	बीईएल- थालेस सिस्टम लि. यथा 31 मार्च 2023	बीईएल- थालेस सिस्टम लि. यथा 31 मार्च 2022
राजस्व	8,005	4,091
लाभ	700	521
अन्य व्यापक आय (ओसीआई)	-	-
कुल व्यापक आय	**700**	**521**
एनसीआई को आबंटित लाभ	**182**	**135**
एनसीआई को आबंटित ओसीआई	-	-
एनसीआई को आबंटित कुल व्यापक आय	**182**	**135**

संक्षिप्त नकदी प्राप्ति का सार	बीईएल- थालेस सिस्टम लि. यथा 31 मार्च 2023	बीईएल- थालेस सिस्टम लि. यथा 31 मार्च 2022
प्रचालनात्मक गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	1,296	(2,143)
निवेश संबंधी गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	(1,642)	3,687
वित्तीय गतिविधियों से नकदी प्राप्ति	(204)	(45)
नकद और नकद समतुल्य में निवल बढ़ोत्तरी / (कमी)	(550)	1,499

ii. नियंत्रणेतर हितों का लेन-देन - कुछ नहीं (कुछ नहीं)

ग. एसोसिएट में हित

स्वत्व का नाम	कारोबार का स्थान / निगम का स्थान	स्वामित्व हित का प्रतिशत %	संबंध	लेखा विधि	वहनीय राशि यथा 31 मार्च 2023	वहनीय राशि यथा 31 मार्च 2022
जीई वीई प्राइवेट लिमिटेड	भारत	26%	संबद्ध कंपनी	इक्विटी विधि	20,073	23,292
रक्षा नवोन्मेष संगठन	भारत	50%	संबद्ध कंपनी	#	1	1

वर्ष के दौरान कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के तहत पंजीकृत लाभ रहित कंपनी, डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गनाइज़ेशन में किए गए निवेश को दर्शाता है। आई.एन.आर. 50,000 [परम अंक को दर्शाता है] के इक्विटी निवेश को छोड़कर, मूल कंपनी का सहयोगी कंपनियों की परिवर्ती प्राप्तियों पर कोई नियंत्रण और कोई अधिकार नहीं होता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

एसोसिएट में निवेश का उचित मूल्य प्रकट नहीं किया गया है क्योंकि जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड की इक्विटी अनुद्धृत है।

जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड चिकित्सा यंत्रों का निर्माण करती है और इसके उत्पाद बीईएल बेंगलूरु के कंपोनेंट एसबीयू और बीईएल की पुणे यूनिट के कारोबार को सहायता प्रदान करते हैं।

जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड में कंपनी के हित की वहनीय राशि (लेखा परीक्षित)

संक्षिप्त तुलन-पत्र	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
गैर - चालू परिसंपत्तियाँ	25,567	24,378
चालू परिसंपत्तियाँ -		
नकद व नकद समतुल्य	17,669	1,344
अन्य परिसंपत्तियाँ	57,294	92,831
कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**74,963**	**94,175**
कुल परिसंपत्तियाँ	**1,00,530**	**1,18,553**
गैर - चालू देयताएँ -		
व्यापार देय के अलावा वित्तीय देयताएँ	31	18
अन्य देयताएँ	1,024	439
कुल गैर - चालू देयताएँ	**1,055**	**457**
चालू देयताएँ -		
व्यापार देय के अलावा वित्तीय देयताएँ	872	771
अन्य देयताएँ	21,362	27,714
कुल चालू देयताएँ	**22,234**	**28,485**
कुल देयताएँ	**23,289**	**28,942**
निवल परिसंपत्तियाँ	**77,241**	**89,611**
स्टॉक पर आप्राप्त लाभ हटाएं	(10)	(7)
निवल परिसंपत्तियों में कंपनी का हिस्सा	**20,073**	**23,292**

संक्षिप्त लाभ व हानि का विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
राजस्व	1,57,910	1,56,672
ब्याज की आय	1,082	1,682
मूल्यह्रास और ह्रास	3,707	3,598
ब्याज का व्यय	44	16
आय कर व्यय	6,040	6,041
वर्ष का लाभ	17,624	17,578
अन्य व्यापक आय	6	(24)
कुल व्यापक आय	17,630	17,554
लाभ में कंपनी का हिस्सा	4,582	4,570
स्टॉक पर प्राप्त नहीं किया गया लाभ	7	7
लाभ में कंपनी का निवल हिस्सा	4,589	4,577
कंपनी का ओसीआई हिस्सा	2	(6)
कुल व्यापक आय में कंपनी का हिस्सा	4,591	4,571

मूल कंपनी ने उसकी संबंद्ध कंपनी (जीई प्राइवेट लिमिटेड) से प्राप्त लाभांश रु.7,800 (रु.260) है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

वहनीय राशियों का समाधान

विवरण	31 मार्च 2023 को समाप्त वर्ष के लिए	31 मार्च 2022 को समाप्त वर्ष के लिए
प्रारंभिक निवल परिसंपत्तियाँ	23,293	18,989
वर्ष का लाभ	4,589	4,577
अन्य व्यापक आय	2	(6)
स्टॉक पर अप्राप्त लाभ	(10)	(7)
अदा किया गया लाभांश	7,800	260
अंतिम निवल परिसंपत्तियाँ	**20,073**	**23,293**

एसोसिएट से संबंधित प्रतिबद्धताएँ और आकस्मिक देयताएँ-

विवरण	जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	
	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
पूँजीगत प्रतिबद्धताएँ	210	180
अन्य प्रतिबद्धताएँ	-	-
अन्य आकस्मिक देयताएँ	756	831

स्वत्व का नाम	डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन	
कारोबार / निगमन का स्थान	भारत	
स्वामित्व हित का %	50%	
संबंध	एसोसिएट	
वहनीय राशि	2022-23	1
	2021-22	1

घ. अनुसूची III के तहत अपेक्षित अतिरिक्त सूचना

संस्था का नाम	वर्ष	निवल परिसंपत्तियां जैसे कुल परिसंपत्तियों में से कुल देयताएँ घटाकर		लाभ व हानि में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा		कुल व्यापक आय में हिस्सा	
		समेकित निवल परिसंपत्तियाँ के % में	राशि	समेकित लाभ व हानि के % में	राशि	समेकित अन्य व्यापक आय के % में	राशि	समेकित कुल व्यापक आय के % में	राशि
मूल कंपनी -									
भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लि.	2022-23	96.12३	13,33,915	98.01%	2,92,659	100.13%	(16,624)	97.88३	2,76,035
	2021-22	95.61३	11,76,218	97.66%	2,34,409	100.03%	(14,921)	97.51३	2,19,488
सहायक कंपनियां -									
भारतीय									
बीईएल ऑप्ट्रानिक डिवाइसेस लि. (बेलॉप)	2022-23	1.95%	27,121	0.23%	676	-0.12%	20	0.25%	696
	2021-22	1.99%	24,432	0.21%	516	-0.07%	11	0.23%	527
बीईएल - थालेस सिस्टम्स लि.	2022-23	0.36%	5,054	0.17%	518	-	-	0.18%	518
	2021-22	0.38%	4,651	0.16%	386	-	(1)	0.17%	385
सहायक कंपनी में नियंत्रणेतर हित-									
भारतीय									
बीईएल - थालेस सिस्टम्स लि.	2022-23	0.13%	1,775	0.06%	182	-	-	0.06%	182
	2021-22	0.13%	1,634	0.06%	135	-	-	0.06%	135
एसोसिएट (इक्विटी विधि के अनुसार निवेश) -									
भारतीय									
जीई बीई प्रा. लि.	2022-23	1.45%	20,073	1.54%	4,589	-0.01%	2	1.63%	4,591
	2021-22	1.89%	23,292	1.91%	4,576	0.04%	(6)	2.03%	4,570
कुल	2022-23	100%	13,87,938	100%	2,98,624	100%	(16,602)	100%	2,82,022
	2021-22	100%	12,30,227	100%	2,40,022	100%	(14,917)	100%	2,25,105

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 33 - वित्तीय विलेख - उचित मूल्य मापन

1 लेखा वर्गीकरण एवं उचित मूल्य

निम्नलिखित टेबल वित्तीय परिसंपत्तियों एवं देयताओं की वहनीय राशि और उचित मूल्य दर्शाता है -

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
I	**निवेश**						
i	इक्विटी विलेख - मना एफ्लूएंट ट्रीटमेंट प्रा. लि.	-	15	-	-	13	-
ii	इक्विटी विलेख - डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन	-	1	-	-	1	
iii	**अन्य निवेश**						
क	भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) में निवेश (छुट्टी नकदीकरण और बीईआरईसीएचएस के लिए)	44,910	-	-	1,33,896	-	-
	उप कुल	**44,910**	**16**	**-**	**1,33,896**	**14**	**-**
	वित्तीय परिसंपत्तियाँ जिन्हें उचित मूल्य में नहीं मापा गया						
II	**व्यापार प्राप्य**	-	-	7,03,348	-	-	6,10,809
III	**ऋण**						
क	कर्मचारियों को ऋण	-	-	828	-	-	876
IV	**नकद और नकद समतुल्य**	-	-	3,94,569	-	-	1,30,086
V	**अन्य बैंक शेष**	-	-	4,16,589	-	-	6,26,288
VI	**अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ**						
क	प्रतिभूति जमा	-	-	3,908	-	-	3,993
ख	कर्मचारियों को अग्रिम	-	-	166	-	-	168
ग	अन्य को अग्रिम	-	-	3	-	-	3
घ	प्राप्य (व्यापार-इतर प्राप्य)	-	-	1,795	-	-	2,540
ङ	मीयादी जमा पर प्रोद्भूत ब्याज	-	-	5	-	-	1
च	12 महीनों से अधिक परिपक्वता के बैंक जमा	-	-	260	-	-	278
छ	प्रोद्भूत ब्याज जो मीयादी जमा पर देय नहीं हुई	-	-	2,114	-	-	3,795
ज	अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	14,136	-	-	1,893
	अन्य निवेश						
क	को-ऑपरेटिव सोसाइटियों, हाउसिंग सोसाइटियों आदि में निवेशङ	-	-	-	-	-	-
	उप कुल	**-**	**-**	**15,37,721**	**-**	**-**	**13,80,730**
	कुल	**44,910**	**16**	**15,37,721**	**1,33,896**	**14**	**13,80,730**

* आईएनआर 4,750 (आईएनआर 4,750) [परम अंक दर्शाता है] जिसे पूर्णांकित किया गया।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

	विवरण	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
		FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत	FVPL	FVOCI	परिशोधित लागत
	उचित मूल्य में मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ	-	-	-	-	-	-
	कुल	-	-	-	-	-	-
	उचित मूल्य में मापित न किया गया वित्तीय परिसंपत्तियाँ						
I	उधार	-	-	-	-	-	-
II	व्यापार प्राप्य	-	-	3,33,075	-	-	3,36,964
III	**अन्य वित्तीय देयताएँ**						
क	व्यापार देय पर प्रोद्भूत और देय ब्याज	-	-	5	-	-	14
ख	प्रतिभूति जमा	-	-	39,492	-	-	30,539
ग	अदत्त परिपक्व जमा राशियाँ	-	-	37	-	-	37
घ	अदत्त लाभांश	-	-	246	-	-	215
ङ	एमएसएमई को बकाया व्यापर इतर देय	-	-	631	-	-	337
च	बकाया व्यय	-	-	71,007	-	-	57,012
छ	अन्य व्यापार देयता	-	-	16,296	-	-	8,749
ज	प्रोद्भूत ब्याज और मीयादी जमा पर देय	-	-	-	-	-	-
झ	पट्टे की अन्य देयता		-	6,134	-	-	5,270
ञ	अन्य देयताएँ		-	1,782	-	-	1,162
	कुल	**-**	**-**	**4,68,705**	**-**	**-**	**4,40,299**

2 उचित मूल्य का पदानुक्रम

वित्तीय विलेखों के उचित मूल्य मापन, जहाँ लागू हो, के लिए प्रयुक्त पदानुक्रम स्तर नीचे दिए गए हैं -

	विवरण	टिप्पणी	यथा 31 मार्च 2023			यथा 31 मार्च 2022		
			स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3	स्तर 1	स्तर 2	स्तर 3
I	**उचित मूल्य पर मापित वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएँ - आवर्ती उचित मूल्य मापन**							
A	वित्तीय परिसंपत्तियाँ							
i	FVPL में वित्तीय निवेश	6	-	44,910	-	-	1,33,896	-
ii	FVOCI में वित्तीय निवेश	6	-	-	16	-	-	14
II	**वित्तीय परिसंपत्तियाँ एवं देयताएं जिन्हें परिशोधित लागत पर मापा गया**		कोई अलग उचित मूल्य प्रकट नहीं किया जाता है क्योंकि इन परिसंपत्तियों का वहन मूल्य और देयताएं उनके उचित मूल्य का प्रतिनिधित्व करती हैं।					

स्तर 1 - स्तर 1 के पदानुक्रम में उद्धृत कीमतों का उपयोग करते हुए मापित वित्तीय विलेख शामिल हैं।

स्तर 2 - ऐसे वित्तीय विलेख जिनका लेनदेन सक्रिय बज़ार में नहीं किया गया है, का उचित मूल्य ऐसी मूल्यांकन तकनीकों का उपयोग कर तय किया जाता है जो प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों का उपयोग अधिकतम करते हैं और निकाय के विशिष्ट प्राक्कलनों पर कम से कम निर्भर होते हैं।

स्तर 3 - यदि एक या एक से अधिक महत्वपूर्ण निविष्टियाँ प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों पर आधारित नहीं होती हैं तो विलेख को स्तर 3 में शामिल किया जाता है। गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों के मामलों में ऐसा किया जाता है।

3 उचित मूल्य तय करने में प्रयुक्त मूल्यांकन तकनीक [मूल कंपनी] -

क एलआईसी निवेश - (स्तर 2)

एलआईसी की योजना के मूल्यांकन रिपोर्ट पर आधारित

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

.ख मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. - (स्तर 3)

बीईएल ने मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. जो कि गैर-सूचीबद्ध कंपनी है, की इक्विटी प्रतिभूतियों में निवेश किया है। मना एफ्लुएंट ट्रीटमेंट प्लांट लि. में निवेश की कंपनी की लागत केवल रु. 5 (₹ 163 की जारी शेयर पूँजी में से) है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि चुना है।

ग डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) - (स्तर 3)

बीईएल ने डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन (डीआईओ) जो कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 8 के प्रावधानों के अनुसार एक 'लाभरहित कंपनी' है और जिसका उद्देश्य रक्षा क्षेत्र में नवोन्मेष का वित्त-पोषण करना है, की इक्विटी पूँजी में अंशदान किया है। कंपनी ने उचित मूल्यांकन के लिए निवल परिसंपत्ति मूल्य विधि चुना है।

टिप्पणी 34 - वित्तीय जोखिम प्रबंधन

i. जोखिम प्रबंधन का ढांचा और नीतियाँ

ग्रूप में वित्तीय विलेखों के परिणामस्वरूप व्यापक रूप से क्रेडिट जोखिम, चलनिधि जोखिम और बाज़ार का जोखिम (विनिमय दरों, ब्याज की दरों और कीमत जोखिम में उतार-चढ़ाव) बना रहता है।

कंपनी की जोखिम प्रबंधन संरचना की संस्थापना, निगरानी और पर्यवेक्षण की समग्र जिम्मेदारी निदेशक मंडल की होगी। मंडल ने इस प्रयोजनार्थ एक जोखिम प्रबंधन समिति गठित की है जो जोखिम प्रबंधन नीतियों को तैयार करने और उनकी निगरानी करने के लिए जिम्मेदार होगी। कंपनी ने एक जोखिम प्रबंधन नीति तैयार की है जिसमें जोखिम प्रबंधन की संरचना दी गई है और वित्त तथा प्रचालन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़ी विभिन्न जोखिमों की पहचान, मूल्यांकन, वरीयता और उपचार की व्यापक संरचना दी गई है।

मूल कंपनी में एक केंद्रीकृत निधि विभाग है जो मंडल द्वारा तैयार की गई नीतियों और प्रक्रियाओं के अनुसार वित्तीय जोखिमों को कम करने के उचित उपाय करता है। बचाव संबंधी व्यवहार बाहरी विशेषज्ञ के सलाह से उपयुक्त कौशल और अनुभव रखने वाली टीम द्वारा किए जाते हैं। कंपनी सट्टा बाज़ार में व्यापार नहीं करती।

ii. बाज़ार जोखिम

बाजार जोखिम वह जोखिम है जो विदेशी मुद्रा दरों के रूप में बाजार मूल्य में परिवर्तन करता है, ब्याज दरें कंपनी की आय या वित्तीय साधनों की इसकी होल्डिंग के मूल्य को प्रभावित करेगी। बाजार जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य रिटर्न को अनुकूलित करते हुए स्वीकार्य मापदंडों के भीतर बाजार जोखिम जोखिमों का प्रबंधन और नियंत्रण करना है।

ग्रूप की गतिविधियाँ मुख्य रूप से विदेशी विनिमय दरों और ब्याज दर आंदोलनों में बदलाव के वित्तीय जोखिमों को उजागर करती हैं (मुद्रा जोखिम और ब्याज जोखिम के नीचे की टिप्पणी देखें)।

iii. मुद्रा जोखिम

ग्रूप विदेशी मुद्रा संचालन से उत्पन्न होने वाले विदेशी विनिमय जोखिम खासकर अमेरिकी डॉलर, यूरो, ग्रेट ब्रिटेन पाउंड और जापानीस येन जैसे विदेशी मुद्राओं में खरीदी और बिक्री से संबंधित होता है इसका खुलासा करता है। विदेशी मुद्रा जोखिम मौजूदा और भविष्य के वाणिज्यिक लेनदेन से उत्पन्न होता है और मान्यता प्राप्त परिसंपत्तियों और देनदारियों की मुद्रा मानी जाती है जो कि कंपनी की कार्यात्मक मुद्रा (आई.एन.आर.) नहीं है ।

ग्रूप के पास जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा कार्यान्वित एक बोर्ड अनुमोदित मुद्रा जोखिम प्रबंधन नीति है जो इस जोखिम के लिए कंपनी के जोखिम को नियमित आधार पर समीक्षा करती है। जोखिम प्रबंधन नीति खुली विदेशी मुद्रा जोखिम के 50% तक बचाव व्यवस्था की सिफारिश करती है। हालांकि बचाव व्यवस्था में प्रवेश करने का निर्णय प्रासंगिक डेटा आदानों के आधार पर जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा किया जाता है और इस उद्देश्य के लिए बनाए गए बाहरी विशेषज्ञ सलाहकार की सलाह दी जाती है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

मूल कंपनी का निर्यात आय ज्यादातर एक निर्यात अर्जक विदेशी मुद्रा खाते (ईईएफसी) में प्रेषण द्वारा महसूस होता है, जिसका उपयोग विदेशी मुद्रा में किए जाने वाले भुगतानों के लिए किया जाता है, जिससे निर्यात पर मुद्रा जोखिम को कम किया जा सकता है। लगभग 12% (8%) वार्षिक विदेशी मुद्रा के बाहर जाने का आयात संबंधित ग्राहक संविदा में विनिमय दर भिन्नता (ईआरवी) खंड द्वारा कवर नहीं किया गया है और इसलिए यह मुद्रा जोखिम के लिए खुला होता है। इन आयातों को मामले दर मामले के आधार पर नीति और जोखिम को कवर करने के लिए उचित निर्णय मामले के आधार पर मानदंड किया जाता है। जहां भी जरूरत हो, कंपनी की मुद्रा जोखिम नीति आगे की आवश्यकता के मुताबिक जोखिम को कम करने के लिए बचाव व्यवस्था संविदा का समर्थन करती है।

यथा 31 मार्च 2023 को, कोई बकाया वायदा संविदा नहीं है।

प्रमुख मुद्राओं के संबंध में विदेशी मुद्रा जोखिम हेतु ग्रूप एक्सपोज़र नीचे दिए गए है -

विवरण	यथा 31.03.2023					यथा 31.03.2022				
	USD	EURO	GBP	CHF	J Yen	USD	EURO	GBP	CHF	J Yen
व्यापार प्रदेय	734	166	20	30	93	626	204	10	10	11
व्यापार प्राप्य / संविदा संपत्ति	234	18	-	-	-	134	10	-	-	-
निवल एक्सपोज़र	500	148	20	30	93	492	194	10	10	11

iv. विदेशी मुद्रा संवेदनशीलता

विनिमय दर में होने वाले लाभ या हानियों की संवेदनशीलता मुख्य रूप से विदेशी मुद्रा में निहित वित्तीय साधनों से होती है । प्रमुख मुद्राओं के संबंध में संवेदनशीलता की विविधता नीचे दी गई है । यह विश्लेषण स्पष्ट करता है कि अन्य सभी परिवर्तनशील लगातार बने रहते हैं।

	लाभ पर प्रभाव	
	यथा 31 मार्च 2023 को	यथा 31 मार्च 2022 को
USD - 5% बढ़ोत्तरी	2,076	1,885
USD - 5% कमी	(2,076)	(1,885)
EURO - 5% बढ़ोत्तरी	677	835
EURO - 5% कमी	(677)	(835)
GBP - 5% बढ़ोत्तरी	102	51
GBP - 5% कमी	(102)	(51)
CHF - 5% बढ़ोत्तरी	135	42
CHF - 5% कमी	(135)	(42)

v ब्याज दर जोखिम

ब्याज दर जोखिम या तो उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम या नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम हो सकता है। उचित मूल्य ब्याज दर जोखिम ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव के कारण निश्चित ब्याज वाले निवेश के उचित मूल्यों में होने वाले बदलावों का जोखिम है। नकदी प्रवाह ब्याज दर जोखिम वह जोखिम है ताकि बाजार में ब्याज दर में उतार-चढ़ाव की वजह से चलायमान ब्याज वाले उपकरणों के भविष्य के नकदी प्रवाह में उतार-चढ़ाव होगा।

vi. परिवर्तनीय दर उधार-

मूल कंपनी को ₹ 5,00,000 (₹ 4,00,000) की कार्यशील पूँजी की सीमा को मंजूरी दी गई है। स्वीकृत सीमा में निधि आधारित सीमा ₹ 50,000(₹ 50,000) रुपये और गैर-आधारित आधार सीमा ₹ 4,50,000 (₹3,50,000) शामिल हैं। वर्ष के दौरान ₹50,000 की निधि आधारित सीमा का उपयोग नहीं किया गया है [31 मार्च 2023 तक बकाया शून्य है (31 मार्च 2022 शून्य है)]। नॉनफंड आधारित सीमा के संबंध में 31.03.2023 को बकाया राशि ₹ 2,37,600 (₹ 2,69,500) है। ब्याज एसबीआई की 1 वर्ष की एमसीएलआर दर के आधार पर देय है। चूंकि ऋण लेना शून्य है, इसलिए ब्याज दरों में संभावित बदलाव का कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

सहायक कंपनी [बेलॉप] के मामले में भी एसबीआई के संघीय बैंकों (अग्रणी बैंक) और एक्सिस बैंक द्वारा ₹ 2,500/- की वित्त आधारित और गैर-वित्त आधारित कार्यशील पूँजी सीमा मंजूर की गई है। इसकी ब्याज दर 7.10% प्रतिवर्ष (एसबीआई) है। एसबीआई और एक्सिस बैंक द्वारा प्रभारित ब्याज दर उनके आधार दर से जुड़े होते हैं जिनमें उतार-चढ़ाव हो सकता है। 31 मार्च 2022को बकाया कुछ नहीं है जिसके संबंध में देय ब्याज एसबीआई और एक्सिस बैंक की आधार पर पर आधारित है (निबंधन व शर्तों के अनुसार, एसबीआई और एक्सिस दोनों बैंक आवधिक आधार पर प्रभारित ब्याज को पुन: निर्धारित करने के पात्र हैं।)।

vii. इक्विटी मूल्य जोखिम

इक्विटी मूल्य जोखिम के संबंध में ग्रूप का निवेश नगण्य है क्योंकि इसके औचित्य निवेश (सहायक व सहयोगी के अलावा) नगण्य है।

viii. चलनिधि जोखिम

चलनिधि जोखिम वह जोखिम है कि ग्रूप को वित्तीय देनदारियों से जुड़ी दायित्वों को पूरा करने में कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है, नकदी और अन्य वित्तीय संपत्ति या जोखिम के जरिये कंपनी को अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने में कठिनाई का सामना करना होगा। लिक्विडिटी जोखिम के लिए ग्रूप का अनावरण बहुत कम है क्योंकि इसमें एक विवेकपूर्ण चलनिधि जोखिम प्रबंधन प्रक्रिया होती है, जिसकी वजह से पर्याप्त दायित्वों का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नकदी और बिक्री योग्य प्रतिभूतियां बनाए रखता है। जब आवश्यक हो वित्तपोषण की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए, कंपनी को बैंक ओवरड्राफ्ट सुविधा, नकद ऋण सुविधा और अल्पकालिक उधार की प्रकृति में अपनी चालू कार्यशील पूँजी आवश्यकताओं और विकास की जरूरतों के लिए उपयोग किया जाता है।

ग्रूप अपनी चलनिधि आवश्यकताओं को पूरा करती है मुख्य रूप से आंतरिक रूप से उत्पन्न नकदी प्रवाहों के माध्यम से जो कि राजकोष द्वारा मुख्य बिन्दु पर निगरानी रखी जाती है। विभिन्न ऑपरेटिंग यूनिटों से नकद पूर्वानुमान के रोलिंग की एक स्थापित प्रक्रिया है जो देयताओं को पूरा करने के लिए अपेक्षित नकदी प्रवाह को अंकित करने का आधार बनाती है।

नीचे दी गई तालिका में ग्रूप की वित्तीय देनदारियों का विश्लेषण किया गया है, जो उनके संविदा संबंधी परिपक्वता पर आधारित हैं। दर्शित राशि संविदात्मक और रियायती नकदी प्रवाह है।

यथा 31 मार्च 2023

विवरण	3 महीनों से कम	3 से 6 महीने	6 महीनों से 1 वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	5 वर्षों से अधिक	कुल
उधार	-	-	-	-	-	-	-
व्यापार प्रदेय	2,66,818	47,675	18,422	123	37		3,33,075
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	5	-	-	-	-	-	5
पट्टे की देयता	1,140	23	28	261	690	3,992	6,134
अन्य वित्तीय देयताएँ	96,178	2,774	29,445	997	97	-	1,29,491

यथा 31 मार्च 2022

विवरण	3 महीनों से कम	3 से 6 महीने	6 महीनों से 1 वर्ष	1 या 2 वर्षों के बीच	2 या 5 वर्षों के बीच	5 वर्षों से अधिक	कुल
उधार	-	-	-	-	-	-	-
व्यापार प्रदेय	3,11,116	11,751	14,063	-	34	-	3,36,964
व्यापार प्रदेय पर दावे एवं प्रोद्भूत ब्याज	14	-	-	-	-	-	14
पट्टे की देयता	275	36	46	245	676	3,992	5,270
अन्य वित्तीय देयताएँ	72,603	2,894	20,232	2,266	59	-	98,052

31 मार्च 2023 को ग्रूप में कोई बकाया व्युत्पन्नी नहीं है।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

ix. ऋण जोखिम

ऋण जोखिम ऐसे जोखिम को दर्शाता है जिससे कारण प्रति-पक्षकार द्वारा अपने संविदा संबंधी दायित्वों पर चूक करने के परिणामस्वरूप कंपनी को वित्तीय नुकसान होता है । ग्राहकों से ऋण जोखिम, बैंकों के साथ नकदी और नकद समकक्ष, सुरक्षा जमा और ऋण से ऋण जोखिम उत्पन्न होता है।

मूल कंपनी के ऋण जोखिम को जोखिम प्रबंधन समिति द्वारा एक कार्पोरेट स्तर पर प्रबंधित किया जाता है जिसने अपने ग्राहकों और अन्य प्राप्तियों के लिए क्रेडिट नीति के मानदंडों की स्थापना की है। व्यापार प्राप्तियों की महत्वपूर्ण मात्रा सरकारी / सरकारी विभागों, सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों (पीएसयू) की वजह से होती है जिसके परिणामस्वरूप कंपनी को ऐसी प्राप्तियों के साथ जुड़े क्रेडिट जोखिम नहीं मिलता है। गैर सरकारी व्यापार प्राप्तियों के मामले में, आम तौर पर बिक्री ग्राहक द्वारा स्थापित साख-पत्र के आधार पर किया जाता है जिससे क्रेडिट जोखिम कम हो जाता है।

कुछ मामलों में, ग्राहक की शोधन क्षमता का आकलन करने के बाद और ऋण योग्यता को निर्धारित करने के लिए आवश्यक कारणों से बाजार की स्थितियों के आधार पर ग्राहकों के ऋण को बढ़ाया जाता है। अग्रिम भुगतान बैंक गारंटी के प्रतिकूल किए जाते हैं जो इस तरह के भुगतान से जुड़े क्रेडिट जोखिम को सुरक्षित रखते हैं। वित्तीय परिसंपत्तियों पर नुकसान हानि (जो मुख्य रूप से विलंबित सुपुर्दगियों तथा अन्य अस्वीकृतियों के लिए उगाही योग्य निर्णीत हर्जाने को दर्शाते हैं) संविदा के नियमों आदि कारकों और अन्य संकेतकों के बाद किया गया है।

बैंकों के साथ नकद और नकद समकक्ष 1 वर्ष तक की परिपक्वता अवधि के परिप्रेक्ष्य अवधि के साथ अल्पकालिक जमा के रूप में हैं। कंपनी की एक अच्छी तरह से संरचित जोखिम निवारण नीति है जिसके तहत प्रत्येक बैंक के लिए अपनी कुल मूल्य और कमाई क्षमता के आधार पर निर्धारित सीमाएं हैं, जो कि आवधिक आधार पर समीक्षा की जाती हैं। कंपनी ने जमाओं पर बैंकों से चूक के कारण किसी भी प्रकार की हानि नहीं की है ।

अन्य वित्तीय परिसंपत्तियों के संबंध में ऋण जोखिम नगण्य है क्योंकि वे ज्यादातर सरकारी विभाग / पक्षकारों के कारण होते हैं।

x. पूँजी प्रबंधन

ग्रूप का पूँजी प्रबंधन का उद्देश्य शेयरधारकों को पर्याप्त रिटर्न प्रदान करने के लिए एक मजबूत पूँजी आधार बनाए रखना है और कंपनी की क्षमता बढ़ती चिंता के रूप में जारी रखने की क्षमता सुनिश्चित करना है। कंपनी के पास ऋण के माध्यम से पूँजी जुटाने के लिए एक रूढ़िवादी दृष्टिकोण है, लेकिन यह उचित समय पर इस विकल्प का लाभ उठाने और इष्टतम पूँजी संरचना को बनाए रखने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

इस समग्र उद्देश्य के अंतर्गत, मूल कंपनी ने वित्त वर्ष 2022-2023 में बोनस शेयर जारी करके पूंजी आधार का विस्तार किया है। मूल कंपनी के पास सुरिभाषित लाभांश वितरण नीति है जो भविष्य के विकास और शेयरधारकों की संपत्ति को बढ़ाने के लिए लाभांश के भुगतान और अधिशेष को बनाए रखने की रूपरेखा तैयार करती है। मूल कंपनी को बैंकों के साथ ₹ 5,00,000 (₹ 4,00,000) की उधार सीमा स्वीकृत की गई है।

गियरिंग अनुपात -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
निवल ऋण	-	-
कुल इक्विटी	13,86,163	12,28,593
निवल ऋण से इक्विटी का अनुपात	-	-

लेखों की टिप्पणियां

(₹ लाख में)

टिप्पणी 35 - सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ

मियादी ऋण एवं चालू पूँजी उधार राशियाँ के लिए सुरक्षा हेतु गिरवी परिसंपत्तियाँ का स्वीकृत राशि -

विवरण	यथा 31 मार्च 2023	यथा 31 मार्च 2022
(i) वस्तुसूचियाँ	6,44,804	5,59,190
(ii) व्यापार प्राप्य	7,03,348	6,10,809
(iii) नकद एवं नकद समतुल्य	3,94,568	1,30,039
(iv) बैंक शेष [उपर्युक्त (iii) के अलावा]	4,13,407	6,24,578
(v) ऋण	172	148
(vi) अन्य वित्तीय परिसंपत्तियाँ	20,342	10,254
(vii) अन्य चालू परिसंपत्तियाँ	7,53,420	7,49,816
सुरक्षा हेतु गिरवी कुल चालू परिसंपत्तियाँ	**29,30,061**	**26,84,834**

उधार राशियाँ के विवरण हेतु टिप्पणी 18 देखें ।

सहायक कंपनी बेलोप के मामले में, कार्यशील पूँजी को भूमि और भवन पर साम्य गिरवी के माध्यम से सममात्रा प्रभार से भी रक्षित किया जाता है।

टिप्पणी 36 - महत्वपूर्ण प्राक्कलन और फैसले [मूल कंपनी]

वित्तीय विवरणों की तैयारी करते समय, प्रबंधन ने कुछ निर्णय, प्राक्कलन और धारणाएं बनाई हैं जो लेखांकन नीतियों के अनुप्रयोग और परिसंपत्तियों, देनदारियों, आय और व्यय की रिपोर्ट की मात्रा को प्रभावित करती हैं। वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से अलग हो सकते हैं।

अनुमान और अंतर्निहित मान्यताओं की निरंतर आधार पर समीक्षा की जाती है। लेखांकन अनुमानों के लिए संशोधनों को भविष्य में मान्यता प्राप्त है।

लेखा नीतियों को कार्यान्वित करते समय लिए गए फैसले वित्तीय विवरणों में मान्यता प्राप्त राशि पर महत्वपूर्ण प्रभाव है जिसके तहत सामग्री समायोजन में जिसके परिणामस्वरूप होने का एक महत्वपूर्ण जोखिम इस प्रकार है -

i. अनुसंधान और विकास व्यय - लेखा नीति सं. 10 (टिप्पणी संख्या 5 एवं 12 देखें)

नहीं लागत नहीं प्रतिबद्धता (एनसीएनसी) परियोजनाओं और संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास संबंधी व्यय जो कि विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से क्षतिपूर्ण नहीं किए जाते हैं, परियोजना के पूरा होने तक आगे किए जा रहे हैं।

ii. निर्धारित लाभ दायित्व का अनुमान - मुख्य बीमांकिक मान्यताएं - (टिप्पणी संख्या 21 देखें)

iii. वारंटी दावों के प्रावधान का आकलन (टिप्पणी संख्या 21 देखें)

वारंटी प्रावधान गणना में प्रवृत्ति आधारित विश्लेषण के आधार पर औसत वारंटी लागत का आकलन शामिल है। यदि विविध अनुमान लगाया जाए, तो यह उसी मान्य व्यय को प्रभावित करेगा।

iv. राजस्व का निर्धारण अभिचिह्नन - (टिप्पणी संख्या 23 देखें)

पूर्णता विधि का प्रतिशत संविदा पूरा करने के लिए अनुमानित कुल लागतों के वास्तविक लागत के आधार पर पूरा होने के चरण का अनुमान लगाता है। अगर विविध अनुमान लगाए जाए, तो यह उसी संबंधित राजस्व को प्रभावित करेगा।

लेखों की टिप्पणियाँ

(₹ लाख में)

v अमूर्त परिसंपत्तियाँ - (टिप्पणी संख्या 4 और 5 देखें)

अन्य अमूर्त परिसंपत्ति और विकास के तहत अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में आगे की गई राशि को भविष्य के आर्थिक लाभों की निश्चितता के संबंध में प्रतिवर्ष हानि के लिए परीक्षण किया जाता है।

vi पट्टा (टिप्पणी 1 देखें)

यदि भारतीय ए.एस. 116 की अपेक्षाओं के अनुसार कोई करार पट्टे के रूप में योग्य बनता है तो कंपनी इसका मूल्यांकन करती है। पट्टे की पहचान करना निर्णायक होता है। कंपनी पट्टे के निबंधन (प्रत्याशित नवीकरणों सहित) और लागू बट्टा दर का मूल्यांकन करने में महत्वपूर्ण निर्णय लेती है।

बट्टे की दर सामान्य रूप से मूल्यांकन किए जा रहे पट्टे की वृद्धिशील उधार दर पर आधारित होती है।

टिप्पणी 37 - हाल ही में की गई लेखा उद्घोषणाएं

कार्पोरेट कार्य मंत्रालय ("एमसीए") ने समय-समय पर जारी कंपनी (भारतीय लेखा मानक) के तहत मौजूदा मानकों में नए मानक या संशोधन अधिसूचित किए हैं। 31 मार्च, 2023 को एमसीए ने कंपनी (भारतीय लेखा मानक) संशोधन नियम, 2023 में निम्नानुसार संशोधन किया है-

भारतीय एएस 1 - वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति - इस संशोधन के लिए संस्थाओं को अपनी महत्वपूर्ण लेखांकन नीतियों के बजाय अपनी सामग्री लेखांकन नीतियों का खुलासा करने की आवश्यकता है। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि 1 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद शुरू होने वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने इस संशोधन का मूल्यांकन किया है और स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों में इस संशोधन का प्रभाव नगण्य है।

भारतीय एएस 8 - लेखांकन नीतियां, लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन और त्रुटियां - इस संशोधन ने 'लेखा अनुमान' की एक परिभाषा पेश की है और संस्थाओं को लेखांकन अनुमानों में परिवर्तन से लेखांकन नीतियों में परिवर्तन को अलग करने में मदद करने के लिए भारतीय एएस 8 में संशोधन शामिल किया है। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि 1 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद शुरू होने वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने संशोधन का मूल्यांकन किया है और उसके स्टैंडअलोन वित्तीय विवरणों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

इंडस्ट्रीज़ एएस 12 - आयकर - इस संशोधन ने प्रारंभिक मान्यता छूट के दायरे को सीमित कर दिया है ताकि यह उन लेनदेन पर लागू न हो जो समान और अस्थायी मतभेदों को जन्म देते हैं। इस संशोधन को अपनाने की प्रभावी तिथि 1 अप्रैल, 2023 को या उसके बाद शुरू होने वाली वार्षिक अवधि है। कंपनी ने इस संशोधन का मूल्यांकन किया है और उसके स्टैंडअलोन वित्तीय विवरण पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

कार्पोरेट सूचना

साथ में दिए गए वित्तीय विवरणों में भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (धारक कंपनी) के वित्तीय विवरण हैं। कंपनी भारत में स्थित एक सरकारी कंपनी है और भारत में लागू कंपनी अधिनियम के प्रावधानों के अंतर्गत निगमित है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड के शेयर भारत में दो मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेंजों में सूचीबद्ध हैं। कंपनी का पंजीकृत कार्यालय और इसके कारोबार का मुख्य स्थान बेंगलूरु, कर्नाटक, भारत में स्थित है ।

कंपनी रक्षा उत्पादन विभाग, रक्षा मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन एक सरकारी क्षेत्र का उद्यम है। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड रक्षा क्षेत्र के लिए इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों और प्रणालियों का निर्माण और आपूर्ति करती है। रक्षा क्षेत्र के अलावा, कंपनी असैनिक बाजार में भी सीमित स्तर तक मौजूद है।

उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

1. तैयार करने का आधार

वित्तीय विवरण भारत में आम तौर पर मान्य लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) के अनुसार तैयार किए जाते हैं और प्रस्तुत किए जाते हैं जिनमें अनिवार्य भारतीय लेखा मानक (भारतीय एएस) [कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 जिसे कंपनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 के नियम 3 के साथ पढ़ा जाना है, के तहत यथा अधिसूचित, समय-समय पर यथा संशोधित, और जो जहाँ तक लागू हैं, कंपनी अधिनियम, 2013 के प्रावधान शामिल हैं और इन्हें निरंतरता के साथ लागू किया गया है।

2. प्राक्कलनों का प्रयोग

जीएएपी के अनुरूप वित्तीय विवरण की तैयारी के लिए प्रबंधन के लिए यह आवश्यक होता है कि वह ऐसे अनुमान और पूर्वानुमान लगाए जो वित्तीय विवरणों की तारीख पर रिपोर्ट की गई परिसंपत्तियों और देनदारियों की रिपोर्ट की गई राशियों, आकस्मिक देयता और आकस्मिक परिसंपत्तियों के प्रकटण को प्रभावित करते हैं। यद्यपि ऐसे अनुमान सभी उपलब्ध सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए औचित्यपूर्ण और दूरदर्शी आधार पर किए जाते हैं, तथापि वास्तविक परिणाम इन अनुमानों से भिन्न हो सकते हैं और ऐसे अंतरों को उस अवधि में निर्धारित किया जाता है जिसमें परिणाम अभिनिश्चित किए जाते हैं।

3. मापन का आधार

वित्तीय विवरणों को ऐतिहासिक लागत के आधार पर तैयार किया गया है सिवाय निम्नलिखित परिसंपत्तियों और दायित्वों के, जिन्हें उचित मूल्य पर मापा गया है-

- व्युत्पन्नी वित्तीय विलेख, यदि कोई हो
- वित्तीय परिसंपत्तियाँ और देयताएँ जो उचित मूल्य पर मापे जाने योग्य हैं
- निर्धारित अनुलाभ परिसंपत्ति / देयता को निर्धारित अनुलाभ देयता के वर्तमान मूल्य में से योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य को घटाकर निर्धारित किया जाता है ।

4. कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा

वित्तीय विवरण भारतीय रुपए (आईएनआर) में प्रस्तुत किए जाते हैं जो कंपनी की कार्यात्मक और प्रस्तुति मुद्रा है ।

5. राजस्व का निर्धारण

A. ग्राहकों के साथ ठेका से राजस्व

i. राजस्व को तब निर्धारित किया जाता है जब (या जैसे) कंपनी ग्राहक को वचनबद्ध माल या सेवाओं (जैसे परिसंपत्ति) को अंतरित करते हुए कार्य-निष्पादन की देयता को पूरी करती है ।

ii. **समय के साथ कार्य-निष्पादन देयता को पूरा करना**

a. राजस्व को ऐसे समय के दौरान निर्धारित किया जाता है जहाँ उस कार्य-निष्पादन देयता की पूर्ति के लिए हुई प्रगति को मापते हुए समय के साथ माल या सेवाओं का नियंत्रण अंतरित किया जाता है यदि निम्न से कोई भी एक मानदंड पूरा किया जाता हो-

- कंपनी के कार्य-निष्पादन से ग्राहक को कंपनी के कार्य-निष्पादन करने के साथ-साथ अनुलाभ प्राप्त करने और उनका उपभोग करने का हक मिलता है।
- कंपनी के कार्य-निष्पादन से किसी परिसंपत्ति को तैयार किया जाता है या बढ़ाया जाता है जिसे ग्राहक परिसंपत्ति सृजित करने या बढ़ने के साथ-साथ नियंत्रित करता है।
- कंपनी के कार्य-निष्पादन से कंपनी के वैकल्पिक उपयोग के साथ परिसंपत्ति तैयार नहीं की जाती और कंपनी को यथातिथि पूर्ण किए गए कार्य-निष्पादन के लिए भुगतान का प्रवर्तनीय हक होता है।

b. कार्य-निष्पादन देयता को पूर्ण करने के लिए की हुई प्रगति का आंकलन रिपोर्टिंग की तारीख तक संविदा पर उपगत वास्तविक लागत से संविदा को पूरा करने के लिए अपेक्षित कुल प्राक्कलित लागत के अनुपात के आधार पर किया जाता है। यदि कार्य-निष्पादन देयता के परिणाम का विश्वसनीय अनुमान नहीं लगाया जा सकता है और जहां यह संभव है कि लागत की वसूली हो जाएगी, राजस्व को उपगत लागत की सीमा तक निर्धारित किया जाता है ।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

c. एएमसी संविदाओं के मामले में जहाँ समय विस्तारण कार्य-निष्पादन देयताओं को पूर्ण करने का एक मापदंड होता है, राजस्व को निर्गत पद्धति के अनुसार निर्धारित किया जाता है।

iii. **किसी निश्चित समय में कार्य-निष्पादन देयता को पूर्ण करना**

a. ऐसे मामलों में जहाँ नियंत्रण का अंतरण समय के साथ नहीं होता है, कंपनी उस समय बिंदु पर राजस्व को निर्धारित करती है जब कार्य-निष्पादन देयताएँ पूरी की जाती हैं।

b. कार्य-निष्पादन देयता को तब पूरा माना जाता है जब ग्राहक परिसंपत्ति का नियंत्रण प्राप्त करता है। नियंत्रण को अंतरित करने के सूचकों में निम्नलिखित शामिल हैं -

- कंपनी ने परिसंपत्ति के भौतिक स्वामित्व का अंतरण किया है
- ग्राहक के पास परिसंपत्ति का न्यायिक अधिकार है
- ग्राहक ने परिसंपत्ति को स्वीकार किया है
- जब कंपनी को परिसंपत्ति पर भुगतान का वर्तमान अधिकार है
- ग्राहक के पास परिसंपत्ति के स्वामित्व का महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल है। महत्वपूर्ण जोखिम और प्रतिफल स्वामित्व के अंतरण का आंकलन संविदाओं के अंतर्राष्ट्रीय वाणिज्यिक शर्तों (इन्को-टर्म) के आधार पर किया जाता है ।

कारखाना बाह्य संविदा- कारखाना बाह्य संविदाओं के मामले में, राजस्व तब निर्धारित किया जाता है, जब पूर्व निरीक्षण और स्वीकृति, यदि आवश्यक हो, के बाद निर्दिष्ट माल को किसी शर्त के बिना विनियोजित किया जाता है।

एफ.ओ.आर. संविदाएँ- एफ.ओ.आर. संविदाओं के मामले में, राजस्व को तब निर्धारित किया जाता है, जब माल पूर्व निरीक्षण और स्वीकृति यदि निर्दिष्ट हो, के बाद वाहक को खरीददार तक पारेषित करने के लिए सौंप दिया जाता है, और एफ.ओ.आर. गंतव्य संविदाओं के मामले में, यदि इस बात की उचित अपेक्षा हो कि माल लेखांकन अवधि के भीतर गंतव्य तक पहुंच जाएगा।

ग. बिल और होल्ड बिक्री

बिल और होल्ड बिक्री को तब निर्धारित किया जाता है जब निम्नलिखित मानदंडों को पूरा किया जाता है-

- बिल और होल्ड बिक्री का समुचित कारण है
- उत्पाद की अलग से पहचान की गई है कि वह ग्राहक का है
- उत्पाद वर्तमान में ग्राहक को भौतिक हस्तांतरण के लिए तैयार है
- कंपनी उत्पाद का उपयोग करने या किसी अन्य ग्राहक को निर्देशित करने में असमर्थ है।

iv. **मापन**

a. राजस्व को लेनदेन मूल्य की ऐसी राशि में निर्धारित किया जाता है जो कार्य-निष्पादन देयता के लिए आबंटित की गई है।

लेन-देन की कीमत उस प्रतिफल की राशि है, जिसके लिए कंपनी को उम्मीद है कि वह तीसरे पक्ष की ओर से एकत्र की गई राशि को छोड़कर, किसी ग्राहक को वचनबद्ध माल या सेवाओं को स्थानांतरित करने के बदले में हकदार होगी।

मूल्य वृद्धि और ईआरवी के मामले में, राजस्व का निर्धारण संविदाजन्य शर्तों के अनुसार ग्राहक से वसूल की जाने वाली सर्वाधिक संभावित राशि पर किया जाता है ।

b. जहां संविदाओं में कई कार्य-निष्पादन देयताएँ शामिल हैं, कंपनी संबंधित स्टैंड-अलोन बिक्री मूल्य के आधार पर प्रत्येक कार्य-निष्पादन दायित्व के लिए लेनदेन मूल्य आबंटित करती है।

संयुक्त संविदाएँ - संयुक्त संविदा के मामले में, जहां संस्थापना और कार्यारंभ या अलग से निर्धारित किए जाने वाले किसी अन्य घटक के लिए अलग शुल्क निर्धारित नहीं है, कंपनी लेनदेन के अलग से पहचाने जाने योग्य घटकों (माल की बिक्री, संस्थापना और कार्यारंभ आदि) का निर्धारण मानदंड लागू करती है और राजस्व को इन घटकों को स्टैंडअलोन बिक्री दर के आधार पर आबंटित करती है।

एकाधिक तत्व - ऐसे मामलों में जहाँ संस्थापना और कार्यारंभ अथवा कोई अलग से निर्धारित किए जाने वाला घटक निर्दिष्ट किया गया है जिसकी कीमत पर अलग से सहमति हुई है, तो कंपनी ऐसे लेनदेन के अलग से निर्धारित किए जाने योग्य घटक (माल की बिक्री तथा संस्थापना एवं कार्यारंभ आदि) पर निर्धाण मानदंड लागू करती है और ऐसे अलग घटकों की स्टैंडअलोन बिक्री कीमत के आधार पर उनके लिए राजस्व आबंटित करती है।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

c. अगर स्टैंड-अलोन बिक्री कीमत उपलब्ध नहीं है तो कंपनी स्टैंड-अलोन बिक्री कीमत का अनुमान लगाती है।

v. **जुर्माना**

संविदा में निर्दिष्ट जुर्माने (सुपुर्दगी में देरी के लिए निर्णीत हर्जाने सहित) को लेनदेन की कीमत दर का अंतर्निहित हिस्सा नहीं माना जाता यदि उसकी उगाही ग्राहक के समीक्षाधीन हो।

vi. **महत्वपूर्ण वित्तीय घटक**

रक्षा संबंधी परियोजनाओं के निष्पादन के लिए प्राप्त अग्रिमों को महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक निर्धारित करने के लिए विचार में नहीं लिया जाता क्योंकि इसका उद्देश्य संविदा में शामिल पक्षकारों के हितों की रक्षा करना है।

अन्य संविदाओं के लिए, महत्वपूर्ण वित्तपोषण घटक की विद्यमानता की समीक्षा मामला-दर-मामला आधार पर की जाती है।

B. अन्य आय

अन्य आय का निर्धारण इस प्रकार किया जाता है -

i. ब्याज आय

ब्याज आय को प्रभावी ब्याज दर विधि का उपयोग करते हुए निर्धारित किया जाता है ।

ii. लाभांश आय

कंपनी द्वारा भुगतान प्राप्त करने का अधिकार स्थापित होने पर लाभांश आय को निर्धारित किया जाता है।

iii. किराए की आय

प्रचालनीय पट्टों से होने वाली किराए की आय का परिकलन पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा आधार पर किया जाता है, जब तक किराए में वृद्धि अपेक्षित मुद्रास्फीति के अनुरूप नहीं होती है या अन्यथा उचित होती है।

iv. शुल्क की कमियां

निर्यात पर शुल्क की कमी के दावों का परिकलन प्रोदभूत आधार पर किया जाता है।

v. अन्य आय

अन्य आय जिसे ऊपर विशिष्ट रूप से नहीं बताया गया है, को प्रोदभूत आधार निर्धारित किया जाता है।

6. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण, पूंजीगत चालू कार्य

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को शुरू में लागत पर मापा जाता है और बाद में लागत में से संचित मूल्यह्रास और संचयी अनर्जक हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है । इस उद्देश्य के लिए लागत में परिसंपत्ति को उसके स्थान और स्थिति में लाने से संबंधित सभी लागत शामिल किए जाते हैं। यदि किसी प्रावधान के लिए निर्धारण मानदंडों को पूरा किया जाता है, तो परिसंपत्ति को इसके उपयोग के बाद समाप्त करने के लिए अपेक्षित लागत का वर्तमान मूल्य संबंधित परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपस्कर की लागत जो प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उनके आशयित उपयोग के लिए तैयार नहीं है, को पूंजीगत चालू कार्य के रूप में प्रकट किया जाता है।

पूंजीगत चालू कार्य में आपूर्ति-सह-निर्माण संविदाएं, स्थल पर प्राप्त एवं स्वीकृत पूंजी और मार्गस्थ एवं निरीक्षणाधीन पूंजीगत माल शामिल होते हैं।

7. अमूर्त परिसंपत्तियाँ, विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति

आंतरिक उपयोग के लिए अर्जित साफ्टवेयर (जो संबंधित हार्डवेयर का एक अभिन्न हिस्सा नहीं है) और जिससे भविष्य में महत्वपूर्ण आर्थिक लाभ अपेक्षित है, उपयोग के लिए तैयार होने पर उसकी लागत को लेखा बहियों में एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियाँ जो रिपोर्ट करने की तारीख तक अपने आशयित उपयोग के लिए तैयार नहीं हैं, को "विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति" के रूप में वर्गीकृत किया जाता है ।

पूरे किए गए विकास कार्य की लागत, जहाँ कहीं अर्ह हो, को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है।

विकासाधीन कार्य की लागत, जहाँ कहीं अर्ह हो, को "विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्तियाँ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है"।

विकासाधीन अमूर्त परिसंपत्ति में विकास परियोजनाओं के लिए बाहरी एजेँसियों को कंपनी द्वारा वित्त पोषित राशि और कंपनी द्वारा सामग्री की लागत, कर्मचारी लागत तथा अन्य प्रत्यक्ष व्यय पर उपगत व्यय शामिल होते हैं।

अमूर्त परिसंपत्तियों को प्रारंभिक रूप से लागत पर और उसके बाद लागत में से संचित परिशोधन और संचित अनर्जक हानि, यदि कोई हो, को घटाकर मापा जाता है।

अमूर्त परिसंपत्ति को निपटान पर या जब उसके उपयोग अथवा निपटान से कोई भावी आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित नहीं होते हैं, निर्धारण से बाहर

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

किया जाता है। अमूर्त परिसंपत्तियों को निर्धारण से बाहर किए जाने से होने वाली लब्धि या हानि, यदि कोई हो, को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है।

8. मूल्यह्रास / परिशोधन

मूल्यह्रास का परिकलन परिसंपत्तियों के अनुमानित उपयोगी जीवन पर सीधी रेखा आधार पर किया जाता है। तकनीकी आकलन के आधार पर कंपनी भवन, संयंत्र और उपकरण की कुछेक मदों तथा परिसंपत्तियों के अन्य वर्गों का मूल्यह्रास प्राक्कलित उपयोगी जीवन पर करती है जो कंपनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची II में वर्णित उपयोगी जीवनकाल से अलग होते हैं। प्रबंधन का मानना है कि ये प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल वास्तविक हैं और उस अवधि के निष्पक्ष अनुमान को प्रतिबिंबित करते हैं जिन पर संपत्ति का उपयोग होने की संभावना है।

जहाँ परिसंपत्ति के किसी भाग की लागत उस परिसंपत्ति की कुल लागत के लिए उल्लेखनीय होती है और उस भाग का प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल शेष परिसंपत्ति के अनुमानित उपयोगी जीवनकाल से अलग होता है तो ऐसे उल्लेखनीय भाग के प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल का अलग से निर्धारण किया जाता है और उल्लेखनीय भाग को उसके प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी-रेखा पद्धति आधार पर मूल्यह्रास किया जाता है।

संपत्ति, संयंत्र और उपकरणों के अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और मूल्यह्रास की विधियों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और यदि उपयुक्त हो, तो भविष्यलक्षी रूप से समायोजित किया जाता है।

अमूर्त परिसंपत्तियों को उनके उपयोग के लिए उपलब्ध होने की तारीख से, उनके वैयक्तिक प्राक्कलित उपयोगी जीवनकाल पर सीधी रेखा पद्धति आधार पर परिशोधित किया जाता है। अवशिष्ट मूल्य, उपयोगी जीवन और परिशोधन के तरीकों की समीक्षा प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अंत में की जाती है और उपयुक्त होने पर भविष्यलक्षी रूप से समायोजित किया जाता है।

9. संपत्ति, संयंत्र और उपकरण का निपटान

संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की कोई मद तथा उसका कोई भाग जिसे प्रारंभ में निर्धारित किया जाता है, को उनके निपटान पर या जब उनके उपयोग या निपटान से भविष्य में कोई आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित नहीं होता है, को निर्धारण से बाहर किया जाता है। संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को निर्धारण से बाहर करने के कारण प्राप्त लब्धि या हानि (जिसका परिकलन निवल निपटान प्राप्ति, यदि कोई हो, और संपत्ति, संयंत्र और उपकरण की वहनीय राशि के बीच के अंतर के रूप में किया जाता है) को संपत्ति, संयंत्र और उपकरण को निर्धारण से बाह करने पर लाभ व हानि के विवरण में शामिल किया जाता है।

10. अनुसंधान और विकास व्यय

(i) अनुसंधान गतिविधि पर व्यय को उसके खर्चे की अवधि के दौरान व्यय के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

(ii) विकास व्यय (ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए गए विशिष्ट विकास-सह-बिक्री संविदा और विकास संबंधी परियोजनाओं के अलावा), को उपगत होने पर व्यय के रूप में प्रभारित किया जाता है। विकास-सह-बिक्री संविदाओं और विकास संबंधी परियोजनाएं जो, ग्राहक के अनुरोध पर शुरू किए जाते हैं, पर विकास संबंधी व्यय को अन्य बिक्री संविदाओं के समान माना जाता है।

संयुक्त विकास परियोजनाओं के संबंध में किए गए विकास व्यय, जो विकास साझेदार द्वारा पूरी तरह से प्रतिपूर्ति नहीं किए गए हैं, आगे ले जाया जाते हैं जहां कंपनी को उत्पादन एजेंसी के रूप में नामित किया गया है और जिनसे भविष्य के आर्थिक लाभ की उम्मीद है।

विकास परियोजनाओं की आवधिक समीक्षा की जाती है और अग्रेनीत राशि, यदि कोई हो, को ग्राहक द्वारा आदेश के लिए किसी प्रतिबद्धता के बिना परियोजना को बंद घोषित किए जाने पर शुल्क लिया जाता है।

(iii) अन्य विकास कार्यों से संबंधित व्यय (बाहरी एजेंसियों के सहयोग से किए जाने वाले संयुक्त विकास कार्य सहित) जहाँ अनुसंधान के परिणामों या अन्य ज्ञान का उपयोग नए या वर्धिक उत्पादों या प्रक्रियाओं को विकसित करने के लिए किया जाता है, को अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित किया जाता है यदि भारतीय एएस 38 में दिए निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों और जब विकसित उत्पाद या प्रक्रिया को तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से उपयोग करने की अपेक्षा हो, कंपनी के पास इसको पूर्ण रूप से विकसित कर इस अमूर्त परिसंपत्ति का उपयोग करने या बिक्री करने के लिए पर्याप्त संसाधन हों और वह उत्पाद या प्रक्रिया से भावी आर्थिक अनुलाभ प्राप्त होने की संभावना हो।

(iv) ग्राहक से प्राप्त कोटेशन के अनुरोध के आधार पर, लागत नहीं, प्रतिबद्धता नहीं (एनसीएनसी) परीक्षणों में भाग लेने के लिए विकास संबंधी परियोजनाओं पर किए गए खर्च को परीक्षण समाप्त होने तक

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

आगे ले जाया जाता है और इन्हें आदेशों के प्राप्त होने पर परिशोधित किया जाता है।

यदि ग्राहक का आदेश तुरंत प्राप्त नहीं होने वाला है -

- राशि पूँजीकृत कर दी जाती है यदि उसके उपयोग से अतिरिक्त आर्थिक अनुलाभ अपेक्षित हो, या
- परियोजना को ग्राहक / अंतिम प्रयोक्ता द्वारा आदेश देने की किसी प्रतिबद्धता के बिना बंद किए जाने पर राशि प्रभारित कर दी जाती है।

11. तकनीकी जानकारी पर व्यय

तकनीकी जानकारी पर किए गए खर्च को ऐसे खर्च के उपगत होने पर लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है जब तक कि वह पृथक रूप से स्वयं या अन्य परिसंपत्तियों / व्ययों के संयोजन से एक अमूर्त परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित करने के लिए अर्ह नहीं बन जाता है ।

12. निवेश संपत्ति

निवेश संपत्तियों को प्रारंभ में लेनदेन लागत सहित लागत पर मापा जाता है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद निवेश संपत्तियों को लागत में से संचित मूल्यह्रास और संचित हानि के नुकसान, यदि कोई हो, पर मापा जाता है।

13. गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

कंपनी प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर यह मूल्यांकन करती है कि क्या किसी परिसंपत्ति के ह्रास होने के कोई संकेत तो नहीं है। अगर कोई संकेत मौजूद है, या जब परिसंपत्ति के लिए वार्षिक हानि जांच की आवश्यकता होती है, तो कंपनी परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि का अनुमान लगाती है। एक परिसंपत्ति की वसूली योग्य राशि उसे माना जाता है जो परिसंपत्ति या नकद-पैदा करने वाली यूनिट (सीजीयू) के उचित मूल्य में से उसके निपटान लागत और उपयोग के दौरान उसके मूल्य को घटाकर जो राशि बचती है, उससे अधिक हो। किसी वैयक्तिक परिसंपत्ति की वसूल योग्य राशि निर्धारित की जाती है जब तक कि परिसंपत्ति द्वारा ऐसी नकदी प्राप्ति नहीं होती जो अन्य परिसंपत्तियों या परिसंपत्ति के समूह से उत्पन्न नकदी प्रवाह से अधिकतर स्वतंत्र नहीं है। जब किसी परिसंपत्ति या सीजीयू की वहनीय राशि इसकी वसूली योग्य राशि से अधिक होती है, तो परिसंपत्ति को ह्रासमान माना जाता है और उसे उसकी वसूली योग्य राशि से बट्टे खाते में डाल दिया जाता है।

उपयोग के दौरान मूल्य का आंकलन करने में प्राक्कलित भावी नकदी प्रवाह को उस समय प्रचलित बाज़ार मूल्यांकन को और उचित मूल्य में से निपटान की लागत को घटाकर उसे निर्धारित करने में परिसंपत्ति विशिष्ट जोखिम को प्रतिबिंबित करने वाले कर-पूर्व डिस्काउंट दर का उपयोग करते हुए उसके वर्तमान मूल्य पर बट्टा दिया जाता है।

ह्रास के प्रावधान को तब व्युत्क्रमित किया जाता है जब किसी परिसंपत्ति या नकद सृजित करने वाली यूनिट (सीजीयू) की प्राक्कलित सेवा संभाव्यता में, ऐसी परिसंपत्ति के ह्रास को अंतिम बार निर्धारित करने की तारीख के बाद, पुनर्मूल्यांकन पर, उपयोग या बिक्री से, बढ़ोत्तरी होती हो।

14. पट्टे

पट्टेदार के रूप में कंपनी-

तृतीय पक्षकारों की संविदाएँ जिनसे कंपनी को किसी परिसंपत्ति के उपयोग का अधिकार प्राप्त होता है, का परिकलन भारतीय ए.एस. 116 - पट्टे के प्रावधानों के अनुसार किया जाता है, यदि लेखा मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे होते हों।

अल्पकालिक पट्टों से और कम मूल्य की परिसंपत्तियों से संबंधित पट्टों के भुगतान को पट्टे की अवधि पर सीधी रेखा आधार पर या अन्य क्रमबद्ध आधार, जो लागू हो, पर व्ययों के रूप में प्रभारित किया जाता है।

प्रारंभ की तारीख पर, "प्रयोग का अधिकार" के मूल्य को पट्टे के बकाया मूल्य के वर्तमान मूल्य तथा अंतर्निहित परिसंपत्ति को अलग करने या हटाने तथा जिसे संयंत्र, संपत्ति और उपकरण के भाग के रूप में प्रस्तुत किया गया है, की किसी प्रारंभिक प्रत्यक्ष लागत या प्राक्कलित लागत, यदि कोई हो, पर पूँजीकृत किया जाता है।

इसके बाद प्रयोग का अधिकार परिसंपत्ति का मापन लागत मॉडल द्वारा किया जाता है।

पट्टे की देयता उस राशि के लिए सृजित की जाती है जो पट्टे के बकाया भुगतान के वर्तमान मूल्य के समतुल्य हो और उसे उधार के रूप में दर्शाया जाता है।

पट्टे के प्रत्येक भुगतान को सृजित देयता और वित्त लागत के बीच आबंटित किया जाता है। वित्त लागत को पट्टे की अवधि पर लाभ व हानि के विवरण में प्रभारित किया जाता है ताकि इससे प्रत्येक अवधि के लिए देयता की शेष राशि पर ब्याज की स्थिर आवधिक दर प्राप्त हो सके।

प्रयोग के अधिकार की परिसंपत्ति का मूल्यह्रास परिसंपत्ति के उपयोगी जीवनकाल से कम अवधि पर और सीधी रेखा आधार पर पट्टे की अवधि पर किया जाता है ।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

पट्टे के भुगतान को पट्टे में निहित ब्याज दर का उपयोग कर भुनाया जाता है यदि इसकी दर निर्धारित की जा सकती हो या कंपनी की वृद्धिशील उधार दर पर भुनाया जाता है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हो, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि मानक में निर्दिष्ट मानदंड पूरे किए जाते हों।

पट्टाकर्ता के रूप में कंपनी-

पट्टों को भारतीय ए.एस. - पट्टे में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंडों के आधार पर प्रचालन पट्टे या वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

a) वित्तीय पट्टा -

प्रारंभ की तारीख में, "पट्टे में निवल निवेश" के समतुल्य राशि लेनदारी के रूप में दर्शाई जाती है। "पट्टे में निवल निवेश" के मूल्य का मापन करने के लिए अंतर्निहित ब्याज दर का उपयोग किया जाता है।

पट्टे के प्रत्येक भुगतान को सृजित लेनदारी और वित्त आय के बीच आबंटित किया जाता है। वित्त लागत को पट्टे की अवधि पर लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है ताकि पट्टे में निवल निवेश पर प्राप्ति की स्थिर आवधिक दर दर्शाई जा सके।

परिसंपत्ति की जाँच विनिर्धारण और भारतीय ए.एस. 109 - वित्तीय विलेख के अनुसार अनर्जकता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए की जाती है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हों, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि उक्त मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों।

b) प्रचालनीय पट्टा -

कंपनी प्रचालनीय पट्टों के पट्टे के भुगतान को सीधी-रेखा आधार या किसी दूसरे क्रमबद्ध आधार, यदि आवश्यक हो, पर आय के रूप में निर्धारित करती है।

पट्टे के संशोधन, यदि कोई हों, का परिकलन अलग पट्टे के रूप में किया जाता है यदि उक्त मानक में निर्दिष्ट निर्धारण मानदंड पूरे किए जाते हों।

15. उधार की लागत

उधार की लागतें प्रत्यक्ष रूप से ऐसी परिसंपत्ति के अधिग्रहण, निर्माण या उत्पादन के कारण होती है जिसमें उसके आशयित उपयोग के लिए तैयार होने की सारभूत अवधि आवश्यक रूप से लगती है या बिक्री को परिसंपत्ति की लागत के भाग के रूप में पूँजीकृत किया जाता है । उधार की सामान्य लागतों को उस परिसंपत्ति पर खर्च की पूँजीकरण दर का उपयोग करते हुए अर्हक परिसंपत्तियों में पूँजीकृत किया जाता है । पूँजीकरण की दर विशिष्ट उधार को छोड़कर, सामान्य उधार बकाया पर लागू उधार की लागतों का भारित औसत होती है । उधार की अन्य सभी लागतों के व्यय उस अवधि में किए जाते हैं जिसमें वे उपगत होते हैं । उधार की लागतों में ब्याज और ऐसी अन्य लागतें शामिल होती है जो एक निकाय निधियों के उधार के संबंध में उपगत करता है । उधार की लागत में विनिमय के ऐसे अंतर भी शामिल होते हैं जहाँ तक उन्हें उधार की लागतों का समायोजन माना जाता है ।

16. सरकारी अनुदान

सरकार से प्राप्त अनुदान उचित मूल्य पर मापे जाते हैं जिन्हें शुरू में आस्थगित आय के रूप में निर्धारित किया जाता है।

अचल परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण आस्थगित आय में उपलब्ध राशि को संबंधित परिसंपत्ति का ह्रास मूल्य के अनुपात में अधिग्रहण के लिए उपयोग किए जाने वाले सरकारी अनुदानों तक सीमित करते हुए लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

राजस्व व्यय के कारण आस्थगित आय में उपलब्ध राशि को कुल मंजूर लागत और वित्त-पोषण के अनुपात अनुमान के अनुसार व्यय और सरकारी अनुदान तक सीमित रखते हुए वहित लाभ और हानि विवरण में स्थानांतरित किया जाता है।

17. वस्तुसूचियां

प्रयोज्य रद्दी को छोड़कर कंपनी के सभी वस्तु सूचियां मूल्य या निवल वसूली योग्य मूल्य में से कम पर मूल्यित किए जाते है। रद्दी अनुमानित निवल प्राप्य मूल्य पर मूल्यित किया जाता है। सामग्री की लागत का भारित औसत लागत सूत्र का उपयोग करते हुए पता लगाया जाता है।

कार्य प्रगति और तैयार माल की लागत में सामग्री, प्रत्यक्ष श्रम और उपयुक्त उपरी प्रभार शामिल हैं।

वस्तु सूचियों के लिए पर्याप्त प्रावधान किया जाता है जो पांच वर्ष से अधिक पुराना हो, जो आगे उपयोग के लिए आवश्यक नहीं हो सकता है।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

18. आय कर

आयकर में मौजूदा और आस्थगित कर शामिल हैं।

(i) वर्तमान आय कर

वर्तमान कर परिसंपत्तियां और देनदारियां कराधान प्रधिकारियों से अपेक्षित वसूली की या भुगतान की राशि पर मापे जाते है। इस राशि की गणना करने के लिए प्रयुक्त कर की दरें और कर कानून उन रिपोर्टिंग तारीखों पर अधिनियमित या मूल रूप से अधिनियमित होते हैं। ऐसी मदों से संबंधिक चालू कर जिसे प्रत्यक्ष रूप से अन्य व्यापक आय में निर्धारित किया जाता है या इक्विटी को अन्य व्यापक आय में या इक्विटी में निर्धारित किया जाता है, लाभ और हानि के विवरण में नहीं।

(ii) आस्थगित कर

आस्थगित कर रिपोर्टिंग तिथि पर वित्तीय रिपोर्टिंग प्रयोजनों के लिए परिसंपत्तियों और देनदारियों के कर आधारों के बीच अस्थायी अंतर और उनकी आगे लाई गई राशि के साथ तुलन-पत्र विधि का उपयोग करते हुए प्रदान किया जाता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों को सभी कटौती योग्य अस्थायी अंतर, अप्रयुक्त कर क्रेडिट को आगे ले जाते हुए और अप्रयुक्त कर हानियों के लिए निर्धारित किया जाता है जहाँ तक कि इस बात की संभावना हो कि कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा जिसके समक्ष कटौती योग्य अस्थायी अंतर का उपयोग किया जा सकता है।

आस्थगित कर परिसंपत्तियों की मात्रा प्रत्येक रिपोर्टिंग तिथि पर समीक्षा की जाती है और इस हद तक कम हो जाती है कि यह अब संभव नहीं है कि आस्थगित कर परिसंपत्ति के सभी या हिस्से का उपयोग करने के लिए पर्याप्त कर योग्य लाभ उपलब्ध होगा।

19. वारंटियों के लिए प्रावधान

कार्य-निष्पादन की गारंटी और बेचे गए माल के प्रतिस्थापन / मरम्मत के कारण व्यय का प्रावधान प्रवृत्ति आधारित अनुमानों के आधार पर किया जाता है।

ऐसे मामलों में जहाँ ऐसी प्रवृत्ति अभिनिश्चित नहीं की जा सकती, प्रबंधन के सर्वोत्तम प्राक्कलनों के आधार पर वारंटी का प्रावधान किया जाता है।

20. विदेशी मुद्राएं के लेनदेन और रूपांतरण

विदेशी मुद्राओं में लेन-देन शुरू में कंपनी द्वारा उस तारीख की संबंधित मुद्रा विनिमय दरों पर दर्ज किया जाता है जिस तारीख में ऐसे लेनदेन निर्धारित करने के लिए पहले अर्ह होते हैं। विदेशी मुद्रा में मूल्यवर्गित मौद्रिक परिसंपत्तियों और देयताओं को रिपोर्टिंग की तारीख में अंतिम मुद्रा-विनिमय दर का प्रयोग करते हुए कार्यशील मुद्रा में रूपांतरित किया जाता है। मौद्रिक मदों के निपटान या रूपांतरण से आने वाले अंतर को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है। गैर-मौद्रिक मदें जिन्हें विदेशी मुद्रा में ऐतिहासिक लागत के परिप्रेक्ष्य में मापा जाता है, को प्रारंभिक लेनदेन की तारीखों की मुद्रा-विनिमय दर का प्रयोग करते हुए रूपांतरित किया जाता है।

21. कर्मचारी हितलाभ

(i) संबंधित सेवाएँ प्रदान करने के बारह महीनों के भीतर पूरी तरह देय सभी कर्मचारी हितलाभों को अल्पावधि कर्मचारी हितलाभ के रूप में वर्गीकृत किया जाता है और उनमे मुख्य रूप से शामिल हैं (क) मजदूरी और वेतन; (ख) अल्पकालिक प्रतिपूरक अनुपस्थिति; (ग) लाभ-भाजन, प्रोत्साहन और बोनस और (घ) गैर-मौद्रिक लाभ जैसे चिकित्सा देखभाल, सहायता-प्राप्त परिवहन, कैंटीन सुविधाएं आदि, जिन्हें बट्टारहित आधार पर मूल्यांकित किया जाता है और संबंधित सेवाएं प्रदान करने की अवधि के दौरान निर्धारित किया जाता है।

(ii) दीर्घकालीन प्रतिपूरक अनुपस्थितियाँ जैसे वार्षिक छुट्टी, बीमारी छुट्टी और आधा वेतन छुट्टी को प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से निर्धारित देयता के वर्तमान मूल्य तथा तुलन-पत्र में किए गए प्रावधान के वहनीय मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित किया जाता है और इसका प्रावधान किया जाता है।

(iii) कर्मचारियों को उपदान और कर्मचारी भविष्य निधि के भुगतान के लिए वृद्धिशील देयता का निर्धारण प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से निर्धारित देयता के वर्तमान मूल्य और इस प्रयोजनार्थ स्थापित अनुमोदित ट्रस्ट जिसके लिए भविष्य निधि के मामले में मासिक अंशदान किए जाते हैं और उपदान के मामले में एकमुश्त अंशदान दिए जाते हैं, में वित्त-पोषित योजित परिसंपत्तियों के उचित मूल्य के बीच के अंतर के रूप में निर्धारित की जाती है।

(iv) बीईएल सेवानिवृत्त कर्मचारी अंशदायी स्वास्थ्य योजना (बीईआरईसीएचएस) के तहत वृद्धिशील देयता का निर्धारण प्रक्षेपित यूनिट क्रेडिट विधि का प्रयोग करते हुए बीमांकिक आधार पर वार्षिक रूप से किया जाता है और इसका प्रावधान किया जाता है।

(v) वर्ष की बीमांकिक देयता का निर्धारण प्रत्येक वर्ष जनवरी के अंत में कर्मचारियों के संदर्भ में किया जाता है।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

(vi) बीमांकिक लाभ और हानि और योजित परिसंपत्तियों (ब्याज को छोड़कर) पर प्राप्ति और परिसंपत्ति की ऊपरी सीमा का प्रभाव (यदि कोई हो, ब्याज को छोड़कर) का निर्धारण अन्य व्यापक आय (ओसीआई) में तुरंत किया जाता है। निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) पर निवल ब्याज व्यय (आय) का परिकलन बट्टे की दर लागू करते हुए किया जाता है जिसका प्रयोग वर्ष के दौरान अंशदान और अनुलाभ भुगतानों के परिणामस्वरूप, किसी परिवर्तन को ध्यान में रखने के बाद, वित्तीय वर्ष के प्रारंभ में निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) में निवल निर्धारित देयता (परिसंपत्ति) को मापने में किया जाता है। निर्धारित अनुलाभ योजनाओं से संबंधित निवल ब्याज व्यय तथा अन्य व्ययों को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है।

जब किसी योजना का लाभ बदल जाता है या जब कोई योजना कम की जाती है, तो अनुलाभ में परिणामी परिवर्तन जो पिछली सेवा से या ऐसी कटौती पर लब्धि या हानि से संबंधित होता है, को लाभ व हानि के विवरण में तुरंत निर्धारित किया जाता है।

(vii) स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति अनुलाभों का भुगतान होने पर उसे राजस्व को प्रभारित किया जाता है।

(viii) निर्धारित अंशदान योजना

कंपनी अपने कर्मचारियों के लिए कर्मचारी पेंशन योजना और अधिवार्षिता पेंशन योजना संचालित करती है जिन्हें निर्धारित योगदान योजनाओं के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। निर्धारित अंशदान योजनाओं के लिए, कंपनी कर्मचारियों के वेतन के एक निश्चित प्रतिशत पर स्वतंत्र रूप से संचालित निधियों में अंशदान देती है। इन योगदानों को लाभ व हानि के विवरण में दर्ज किया गया है। कंपनी की देयता इन योजनाओं में दिए गए अंशदान की सीमा तक ही सीमित है।

22. प्रावधान

A. प्रावधान

प्रावधान तब निर्धारित किए जाते हैं जब किसी पिछली घटना के परिणामस्वरूप कंपनी की वर्तमान देयता (कानूनी या प्रलक्षित) होती है, हो सकता है कि आर्थिक लाभों में शामिल संसाधनों का बहिर्वाह देयता के निपटान के लिए आवश्यक हो और ऐसी देयता की राशि का विश्वसनीय अनुमान लगाया जा सकता हो। जब कंपनी कुछ या सभी प्रावधानों की प्रतिपूर्ति की अपेक्षा करती है, उदाहरण के लिए, बीमा संविदा के तहत, प्रतिपूर्ति एक अलग परिसंपत्ति के रूप में निर्धारित की जाती है, लेकिन केवल तभी, जब प्रतिपूर्ति लगभग निश्चित हो। ऐसे प्रावधान से संबंधित व्यय किसी भी प्रतिपूर्ति के निवल के रूप में लाभ व हानि के विवरण में दर्शाया जाता है।

दुर्वह संविदाओं का प्रावधान तब निर्धारित किया जाता है जब संविदा से कंपनी को प्राप्त होने वाले अपेक्षित अनुलाभ संविदा के तहत इसकी देयताओं को पूरा करने की अपरिहार्य लागत से कम होते हैं। ऐसे प्रावधान को संविदा समाप्त होने की अपेक्षित लागत से कम के वर्तमान मूल्य और संविदा जारी रखने की अपेक्षित निवल लागत से मापा जाता है। प्रावधान स्थापित करने से पहले, कंपनी ऐसी संविदा से जुड़ी परिसंपत्तियों पर किसी प्रकार की अनर्जक हानि को निर्धारित करती है।

यदि धन के समय मूल्य का प्रभाव महत्वपूर्ण होता है तो चालू कर-पूर्व दर जो विनियोजित होने पर देयता के लिए विशिष्ट जोखिम दर्शाता है, का प्रयोग करते हुए ऐसे प्रावधानों को भुनाया जाता है। जब ऐसी भुनाई का उपयोग किया जाता है, तो समय बीतने के कारण प्रावधान में बढ़ोत्तरी को वित्त लागत के रूप में निर्धारित किया जाता है।

ख. आकस्मिक देयताएं / परिसंपत्तियाँ

आकस्मिक देनदारियों / परिसंपत्तियों को प्रबंधन की जानकारी तक वित्तीय विवरणों की टिप्पणियों के माध्यम से प्रकट किया जाता है।

23. नकद प्राप्ति विवरण

नकद प्राप्ति का विवरण भारतीय एएस 7 - नकदी प्राप्ति विवरण में वर्णित अप्रत्यक्ष विधि के अनुसार तैयार किया जाताहै।

24. उचित मूल्य का मापन

कंपनी कुछ वित्तीय विलेखों को अपने वित्तीय विवरणों में प्रत्येक रिपोर्टिंग तारीख पर उचित मूल्य पर मापती है जैसे व्युत्पन्नी तथा अन्य मदें।

सभी परिसंपत्तियां और देनदारियां जिनके लिए उचित मूल्य को वित्तीय विवरणों में मापा या प्रकट किया गया है, को निम्नतम स्तर इनपुट जो संपूर्ण रूप से उचित मूल्य के मापन के लिए महत्वपूर्ण है, के आधार पर उचित मूल्य के पदानुक्रम में वर्गीकृत किया जाता है -

स्तर 1 - समरूप परिसंपत्तियों या देयताओं के लिए सक्रिय बाजार में कोट की गई कीमतें (असमायोजित)।

स्तर 2 - स्तर 1 में शामिल कोट की गई कीमतों के अलावा अन्य निविष्टियाँ जो प्रत्यक्ष रूप से या परोक्ष रूप से परिसंपत्ति या देयता के लिए प्रेक्षणीय है (यानी कीमतों से व्युत्पन्न)।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

स्तर 3 - ऐसी परिसंपत्तियों या देयताओं की निविष्टियाँ जो प्रेक्षणीय बाज़ार आंकड़ों पर आधारित नहीं हैं (अप्रेक्षणीय निविष्टियां)।

उचित मूल्य प्रकटीकरण के प्रयोजनार्थ, कंपनी ने प्रकृति, विशेषताओं और परिसंपत्तियों या देयताओं के जोखिमों और उचित मूल्य पदानुक्रम के स्तर के आधार पर परिसंपत्तियों और देयताओं के वर्गों का निर्धारण किया है।

25. वित्तीय परिसंपत्तियां

(i) प्रारंभिक निर्धारण और मापन

सभी वित्तीय परिसंपत्तियां शुरू में उचित मूल्य पर निर्धारित की जाती हैं। यदि वित्तीय परिसंपत्तियों को लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर दर्ज नहीं किया जाता है, तो लेनदेन की लागत वित्तीय परिसंपत्ति के अधिग्रहण के कारण होती है जिसे परिसंपत्ति की लागत में शामिल किया जाता है।

(ii) अनुवर्ती मापन

अनुवर्ती माप के प्रयोजनार्थ, वित्तीय परिसंपत्तियों को चार श्रेणियों में वर्गीकृत किया जाता है-

- परिशोधित लागत पर मापे गए ऋण विलेख,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए ऋण विलेख,
- लाभ या हानि (एफवीटीपीएल) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए ऋण विलेख, व्युत्पन्नी और इक्विटी विलेख,
- अन्य व्यापक आय (एफवीटीओसीआई) के माध्यम से उचित मूल्य पर मापे गए इक्विटी विलेख।

(iii) विनिर्धारण

किसी वित्तीय परिसंपत्ति या उसका हिस्से को तब विनिर्धारित किया जाता है जब परिसंपत्ति से नकदी प्राप्त करने के अधिकार की समय सीमा समाप्त हो जाती है।

(iv) व्यापार और अन्य लेनदारियां

लेनदारियों को प्रारम्भ में उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है, जो ज्यादातर मामलों में मामूली मूल्य के लगभग होता है। यदि ऐसा कोई अनुवर्ती संकेत हो कि उन परिसंपत्तियों का ह्रास हो सकता है, तो हानि के लिए उनकी समीक्षा की जाती हैं।

26. वायदा संविदाएं

कंपनी अपने विदेशी मुद्रा जोखिमों का बचाव करने के लिए वायदा मुद्रा संविदा जैसे व्युत्पन्नी वित्तीय विलेखों का उपयोग करती है। ऐसे व्युत्पन्न वित्तीय विलेखों को प्रारंभ में उस तारीख को उचित मूल्य पर निर्धारित किया जाता है जिस पर व्युत्पन्नी संविदा की जाती है और बाद में उचित मूल्य पर फिर से मापा जाता है। व्युत्पन्नी को वित्तीय संपत्ति के रूप में लिया जाता है जब उचित मूल्य धनात्मक होता है और वित्तीय देयताओं के रूप में उचित मूल्य ऋणात्मक होता है ।

27. अंतर्निहित व्युत्पन्नी

आवश्यकता पड़ने पर अंतर्निहित व्युत्पन्नी को समूह संविदा से अलग किया जाता है और उचित मूल्य पर मापा जाता है।

28. नकद और नकद समतुल्य

नकद में हस्तस्थ नकद और मांग जमा शामिल हैं। नकद समतुल्य तीन महीने या उससे कम की मूल परिपक्वता के अत्यधिक अल्पकालिक चलनिधि निवेश होते हैं जो नकदी की ज्ञात राशि में आसानी से परिवर्तनीय होते हैं और जो मूल्य में परिवर्तन के मामूली जोखिम के अधीन होता है।

बैंक ओवरड्राफ्ट, यदि कोई हो, को तुलन-पत्र में चालू देयताओं के तहत उधार के रूप में वर्गीकृत किया जाता है।

29. वित्तीय परिसंपत्तियों का ह्रास

भारतीय ए.एस. 109 के अनुसार, कंपनी ऋण जोखिम वाली वित्तीय परिसंपत्तियों के ह्रास के मापन एवं निर्धारण के लिए प्रत्याशित क्रेडिट हानि (ईसीएल) पद्धति का उपयोग करती है।

क. सरकार / सरकारी विभागों / सरकारी कंपनियों से कालातीत बकाया राशि को आम तौर पर ऐसी वित्तीय परिसंपत्तियों के क्रेडिट जोखिम में वृद्धि नहीं माना जाता है।

ख. यदि देय कानूनी कार्यवाही में विवादित होते हैं तो वहां प्रावधान किया जाता है अगर कोई निर्णय कंपनी के खिलाफ दिया जाता है, भले ही इसके लिए उच्चतर प्राधिकारियों / न्यायालयों में अपील की गई हो।

ग. समय की महत्वपूर्ण अवधि के बकाया देय की समीक्षा की जाती है और मामला-दर-मामला आधार पर प्रावधान किया जाता है।

हानि भत्ता (या व्युत्क्रमण) को लाभ व हानि के विवरण में व्यय / आय के रूप में निर्धारित किया जाता है ।

30. वित्तीय देयताएं

(i) प्रारंभिक निर्धारण और मापन

वित्तीय देयताओं को ऋण, उधार, प्रदेय या व्युत्पन्नी, के रूप में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य में, जैसा उपयुक्त हो, पर वर्गीकृत किया जाता है ।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

ऋण, उधार और प्रदेय को लेनदेनों की ऐसी निवल लागत उन पर दर्शाया जाता है जो प्रत्यक्ष रूप से उनके कारण सृजित होते हैं।

(ii) अनुवर्ती मापन

वित्तीय देयताओं का मापन नीचे बताए गए अनुसार उनके वर्गीकरण पर निर्भर करता है-

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताएं-

लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य पर वित्तीय देयताओं में लाभ या हानि के माध्यम से उचित मूल्य में प्रारंभिक निर्धारण पर दी गई वित्तीय देयताएं शामिल हैं। इस श्रेणी में कंपनी द्वारा तैयार किए गए ऐसे व्युत्पन्नी वित्तीय विलेख भी शामिल हैं, जिन्हें भारतीय ए.एस. 109 में परिभाषित बचाव संबंधों में बचाव विलेख के रूप में निर्दिष्ट नहीं किया गया है। विलगित अंतर्निहित व्युत्पन्नों को भी व्यापार के लिए धारित के रूप में वर्गीकृत किया जाता है, जब तक कि उन्हें प्रभावी बचाव विलेख नहीं कहा जाता है। व्यापार के लिए धारित देयताओं पर लाभ या हानि को लाभ व हानि के विवरण में निर्धारित किया जाता है ।

(iii) ऋण और उधार

प्रारंभिक निर्धारण के बाद, ब्याजयुक्त ऋणों और उधार को कबाद में प्रभावी ब्याज दर पद्धति (ईआईआर) का उपयोग करते हुए परिशोधित लागत पर मापा जाता है। लाभ और हानि को लाभ या हानि के रूप में तब निर्धारित किया जाता है जब देयताओं को ईआईआर परिशोधन प्रक्रिया के साथ-साथ विनिर्धारित किया जाता है ।

वित्तीय देयता को तब विनिर्धारित किया जाता है जब देयता के तहत दायित्व का निर्वहन किया जाता है या उसे रद्द या समाप्त किया जाता है।

(iv) व्यापार और अन्य देय

देयताओं का निर्धारण प्राप्त माल या सेवाओं के लि भविष्य में अदा की गई राशि के लिए किया जाता है चाहे वे आपूर्तिकर्ता द्वारा बिल किए गए हों या न हों।

31. वित्तीय विलेखों का पुन: वर्गीकरण

कंपनी प्रारंभिक निर्धारण पर वित्तीय परिसंपत्तियों और देनदारियों का वर्गीकरण निर्धारित करती है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, वित्तीय परिसंपत्तियों के लिए कोई पुनर्वितरण नहीं किया जाता है जो इक्विटी उपकरण और वित्तीय देनदारियां हैं। वित्तीय साधनों के लिए जो ऋण के साधन हैं, एक पुनर्वर्गीकरण केवल तभी किया जाता है जब उन परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यापार मॉडल में बदलाव होता है। यदि कंपनी वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्वर्गीकरण करती है, ऐसा पुनर्वर्गीकरण भविष्यलक्षी रूप से किया जाता है।

32. वित्तीय विलेखों का समंजन

वित्तीय परिसंपत्तियों और वित्तीय देयताओं का समंजन किया जाता है और निवल राशि की रिपोर्ट तुलन-पत्र में की जाती है यदि वर्तमान में निर्धारित राशियों को समंजित करने का कानूनी अधिकार प्रवर्तनीय हो और परिसंपत्तियों को वसूल करने और देयताओं को एक साथ निपटाने के लिए, निवल आधार पर निपटाने का आशय हो।

33. इक्विटी धारकों को नकद लाभांश और गैर-नकद वितरण

कंपनी इक्विटी धारकों को नकद या गैर नकद वितरण करने के लिए देयता निर्धारित करती है जब ऐसा वितरण अधिकृत हो और कंपनी के विवेकाधिकार में न हो।

34. त्रुटियां और अनुमान

यदि भारतीय ए.एस. में परिवर्तन के कारण या यदि परिवर्तन करने से वित्तीय विवरणों के उपयोगकर्ताओं को अधिक संगत और विश्वसनीय सूचना मिलती है, तो कंपनी अपनी लेखांकन नीतियों का संशोधन करती है। लेखा नीतियों में परिवर्तन पूर्वव्यापी रूप से किए जाते हैं जब तक कि ऐसा करना अव्यवहार्य न हो ।

लेखा अनुमान में बदलाव, जिसके परिणामस्वरूप निर्धारित परिसंपत्तियों या देयताएं की मात्रा में परिवर्तन या लाभ और हानि का ब्यौरा परिवर्तन की अवधि (ओं) में भविष्यलक्षी रूप से लागू किया जाता है।

महत्वपूर्ण त्रुटियों की खोज पूर्वावधि, जिसमें ऐसी त्रुटि ज्ञात हुई की परिसंपत्तियो, देयताओं और इक्विटी की तुलनात्मक राशियों को दोबारा दर्शाते हुए पूर्व प्रभावी रूप से पुनरीक्षण में परिणामित होती हैं । पूर्व की अवधि के प्रारंभिक शेषों को भी दोबारा बताया जाता है ।

35. प्रति शेयर अर्जन

कंपनी अपने साधारण शेयरों के लिए मूल एवं परिवर्तन प्रति शेयर अर्जन डेटा दर्शाती है। प्रति शेयर मूल आय की गणना कंपनी के साधारण इक्विटी धारकों के लिए लाभ या हानि को विभाजित कर सामान्य शेयरधारकों की भारित औसत संख्या द्वारा, उस समय के दौरान बकाया साधारण शेयरों से की जाती है, जो अपने शेयरों के लिए समायोजित होते हैं। परिवर्तित प्रति शेयर अर्जत कमाई सामान्य इक्विटी धारकों के लिए मुनाफे या हानि का समायोजन करते हुए और बकाया साधारण शेयरों की भारित औसत संख्या, सभी शेयरों के लिए समायोजित, सभी परिवर्तित संभावित साधारण शेयरों के प्रभावों के लिए निर्धारित करते हुए निर्धारित की जाती है।

भारतीय लेखा मानक समेकित वित्तीय विवरणों पर उल्लेखनीय लेखा नीतियाँ

36. रिपोर्टिंग अवधि के बाद की घटनाएं

समायोजनीय घटनाएं ऐसी घटनाएं होती हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत में मौजूद परिस्थितियों का अतिरिक्त साक्ष्य प्रदान करती हैं । ऐसी घटनाओं के लिए वित्तीय विवरणों को जारी करने के प्राधिकरण से पहले समायोजित किया जाता है।

गैर-समायोजन घटनाएं ऐसी घटनाएं हैं जो रिपोर्टिंग अवधि के अंत तक उत्पन्न होने वाली स्थिति की संकेतक हैं। रिपोर्टिंग की तारीख के बाद गैर-समायोजन घटनाओं को हिसाब में नहीं लिया गया है, परंतु उन्हें प्रकट किया गया है।

37. समेकन के सिद्धांत

धारक कंपनी के वित्तीय विवरण, उसकी सहायक कंपनियों और उप-अनुषंगी संस्थाओं के लेखा परीक्षित वित्तीय विवरणों के साथ, अंतर समूह के सभी शेषों और लेनदेनों को हटाने के बाद परिसंपत्तियों, देयताओं, आय और व्यय की सभी मदों को एक साथ जोड़ते हुए लाइन-दर-लाइन आधार पर संयोजित किया गया है। एसोसिएट के ब्याज का परिकलन इक्विटी विधि का प्रयोग करते हुए किया जाता है। इन्हें प्रारंभिक रूप से लागत पर निर्धारित किया जाता है जिसमें लेनदेन की लागत शामिल है। प्रारंभिक निर्धारण के बाद, समेकित वित्तीय विवरणों में ग्रूप के लाभ व हानि का हिस्सा तथा इक्विटी परिकलित निवेश-स्वीकर्ता की अन्य व्यापक आय उस तारीख तक शामिल की जाती है जिसमें महत्वपूर्ण प्रभाव समाप्त होते हैं।

प्रारक्षण के संबंध में दर्शित राशि में धारक कंपनी के तुलन-पत्र के अनुसार संबंधित प्रारक्षण की राशि और सहायक कंपनियों तथा उप-अनुषंगी कंपनी की संबंधित बढ़ोत्तरी में अधिग्रहण के बाद की बढ़ोत्तरी में इसका हिस्सा शामिल है।

समेकित वित्तीय विवरणों को समान परिस्थितियों में सदृश्य लेनदेनों एवं अन्य घटनाओं की एक समान लेखांकन नीतियों का प्रयोग करते हुए तैयार किया गया है जिन्हें जहाँ तक संभव हो, धारक कंपनी के वित्तीय विवरणों की भांति प्रस्तुत किया गया है।

जिस तारीख को निवेश किए गए हैं, उस तारीख में सहायक कंपनियों तथा उप-अनुषंगी कंपनी की इक्विटी के इसके शेयर में सहायक कंपनियों तथा उप-अनुषंगी कंपनी में अपने निवेश हेतु कंपनी की लागत के अतिरेख को ठसमेकन पर सुनामठ रूप में निर्धारित किया गया है जो समेकित वित्तीय विवरणों में परिसंपत्ति मानी जाती है। वैकल्पिक रूप से, जहाँ निवेश की तारीख में सहायक कंपनियों तथा उप-अनुषंगी कंपनी में इक्विटी का हिस्सा धारक कंपनी के निवेश की लागत से अधिक हो, इसे "पूँजीगत प्रारक्षण" के रूप में निर्धारित किया जाता है और समेकित वित्तीय विवरणों में "प्रारक्षण एवं अधिशेष" शीर्ष के तहत दर्शाया जाता है।

हमारी इसी दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826एस

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) व सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं.. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

फार्म ए.ओ.सी.-I

भाग ''क''- सहायक कंपनियां

क्र. सं.	विवरण		
1	सहायक कंपनी का नाम	बीईएल ऑप्ट्रॉनिक डिवाइसेस लिमिटेड	बीईएल थालेस सिस्टम्स लिमिटेड
2	संबंधित सहायक कंपनी की रिपोर्टिंग अवधि, यदि मूल कंपनी की रिपोर्टिंग अवधि से अलग हो	लागू नहीं	लागू नहीं
3	विदेशी सहायक कंपनियों के मामले में संबंधित वित्तीय वर्ष की अंतिम तारीख को रिपोर्टिंग मुद्रा और मुद्रा विनिमय दर	लागू नहीं	लागू नहीं
4	शेयर पूंजी	8,451	5,762
5	प्रारक्षण व अधिशेष	18,670	1,067
6	कुल परिसंपत्तियां	40,694	7,952
7	कुल देयताएं	13,573	1,123
8	निवेश	-	-
9	कुल कारोबार	6,098	7,815
10	कराधान से पूर्व लाभ	914	897
11	कराधान का प्रावधान	238	197
12	कराधान के बाद लाभ	676	700
13	प्रस्तावित लाभांश	203	156
14	शेयरधारण का प्रतिशत	100%	74%

1	सहायक कंपनियां जिन्होंने अब तक कामकाज शुरु नहीं किया है, के नाम	कुछ नहीं	कुछ नहीं
2	सहायक कंपनियां जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त या बेच दिया गया है, के नाम	कुछ नहीं	कुछ नहीं

भाग ''ख''- सहयोगी कंपनियां और संयुक्त उद्यम

क्र. सं.	सहयोगी कंपनियों के नाम	जीई बीई प्राइवेट लिमिटेड	डिफेंस इन्नोवेशन ऑर्गेनाइज़ेशन
1	नवीनतम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र की तारीख	31 मार्च 2023	31 मार्च 20233
2	कंपनी द्वारा वर्षांत में धारित सहयोगी कंपनी के शेयर		
	सं.	26,00,000	50
	सहयोगी कंपनी में निवेश की राशि	260	1
	धारण का %	26%	50%
3	उल्लेखनीय प्रभाव दर्शाने संबंधी विवरण	मतदान के अधिकार	मतदान के अधिकार
4	सहयोगी कंपनी का समेकन न करने का कारण	लागू नहीं	*
5	नवीनतम लेखा परीक्षित तुलन-पत्र के अनुसार शेयरधारण के कारण निवल मालियत	20,083	-
6	वर्ष का लाभ / की हानि		
	i. समेकन में विचार किया गया	4,582	-
	ii. समेकन में विचार नहीं किया गया	-	-

* कोई नियंत्रण नहीं किया और साथ ही, इक्विटी निवेश के अलावा परिवर्ती प्राप्तियों पर कोई अधिकार नहीं

1	सहायक कंपनियों के नाम जिन्होंने अभी कामकाज शुरु नहीं किया है	कुछ नहीं	कुछ नहीं
2	सहायक कंपनियों के नाम जिन्हें वर्ष के दौरान परिसमाप्त किया गया	कुछ नहीं	कुछ नहीं

हमारी इसी दिनांक की संलग्न रिपोर्ट के अनुसार

कृते **गुरु एंड जना**
सनदी लेखाकार
फर्म पंजी. सं. 006826S

भानु प्रकाश श्रीवास्तव
अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक
(अतिरिक्त प्रभार)

दामोदर भट्टड एस
निदेशक (वित्त) व सीएफओ

एम सुरेंद्र रेड्डी
साझेदार
सदस्यता सं.. 215205

एस श्रीनिवास
कंपनी सचिव

गुवाहाटी
20 मई 2023

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स
BHARAT ELECTRONICS
QUALITY, TECHNOLOGY, INNOVATION

भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड
(रक्षा मंत्रालय के अधीन भारत सरकार का उद्यम)
सीआईएन- L32309KA1954GOI000787
पंजीकृत और कार्पोरेट कार्यालय
आउटर रिंग रोड, नागवारा,
बेंगलूरु - 560 045, भारत

फोन : +91-80-2503 9300
: +91-80-6700 9300
फैक्स : +91-80-2503 9266
ई-मेल : secretary@bel.co.in
वेबसाइट : www.bel-india.in
टोल फ्री : 1800 425 0433

Concept, Content & Design wp (info@wyatt.co.in)